Machine Translated by Google

"Enchanting! *Miss New India* illuminates as brilliantly as it entertains." — AMY TAN

Copyrighted Material

Bharati Mukherjee

Miss New India

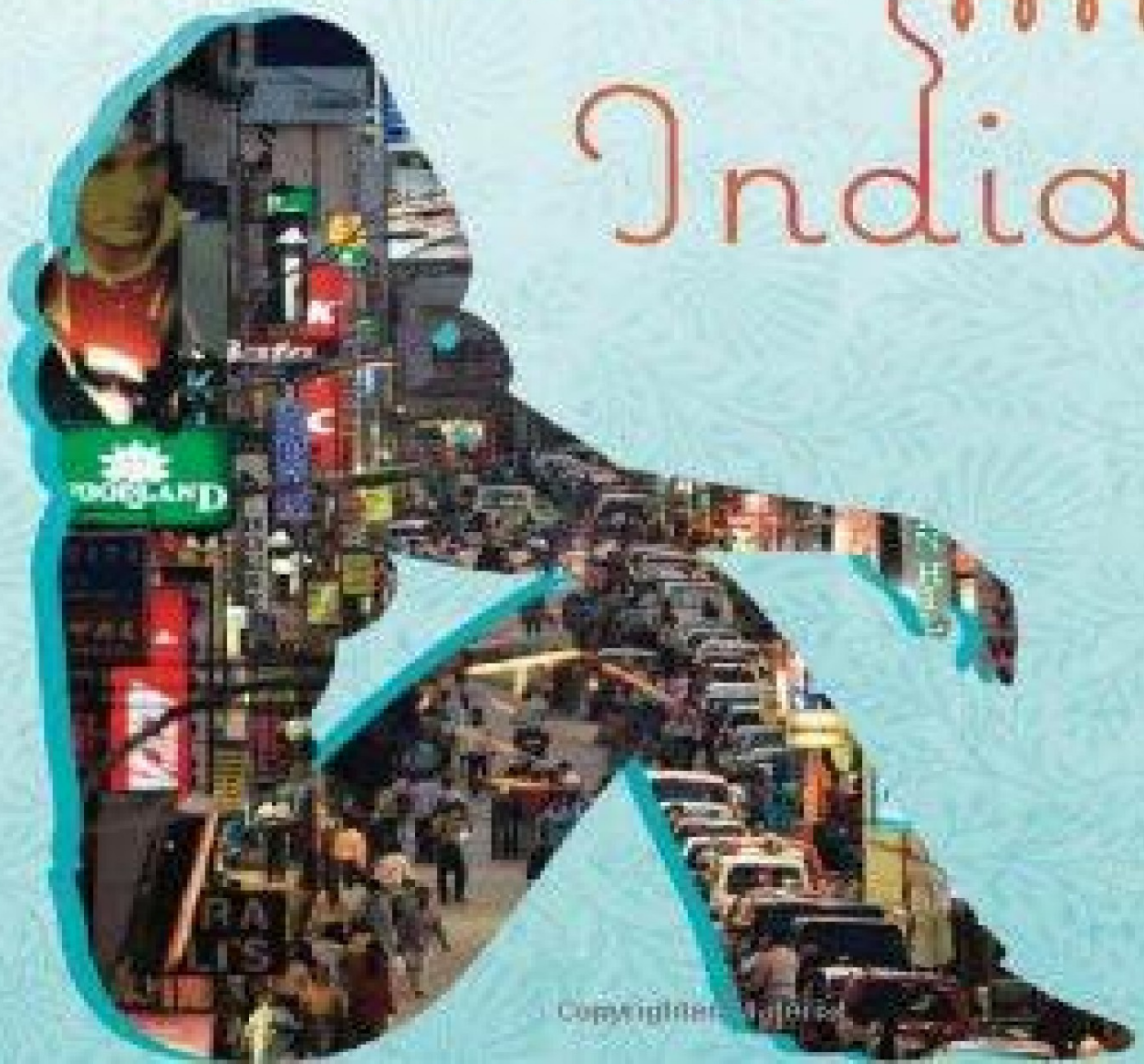

a novel

Copyrighted Material

Machine Translated by Google

मिस न्यू इंडिया

भारती मुखर्जी

Machine Translated by Google

विषयसूची

शीर्षक पेज

विषयसूची

...

कॉपीराइट

समर्पण

सूक्ति

प्रस्तावना

भाग एक

1

2

3

4

5

भाग दो

1

2

3

4

Machine Translated by Google

5

भाग तीन

1

2

3

4

5

6

7

8

9

10

11

12

भाग चार

1

2

3

4

5

Machine Translated by Google

6

7

8

9

10

उपसंहार

Machine Translated by Google

हॉगटन मिफ्लिन हार्कोर्ट

बोस्टन • न्यूयॉर्क

2011

Machine Translated by Google

कॉपीराइट © 2011 भारती मुखर्जी द्वारा

सर्वाधिकार सुरक्षित

इस पुस्तक से चयनों को पुनः प्रकाशित करने की अनुमति के बारे में जानकारी के लिए कृपया अनुमतियाँ, ह्यूटन मिफ्लिन हार्कोर्ट प्रकाशन कंपनी, 215 पार्क एवेन्यू साउथ, न्यूयॉर्क, न्यूयॉर्क 10003 को लिखें।

www.hmhbooks.com

लाइब्रेरी ऑफ कांग्रेस कैटलॉगिंग-इन-पब्लिकेशन डेटा मुखर्जी, भारती.

मिस न्यू इंडिया / भारती मुखर्जी. पृ. से.मी.

आईएसबीएन 978-0-618-64653-1 1.

युवा महिलाएँ - भारत - कथा साहित्य। 2. तयशुदा विवाह - कथा साहित्य।

3. महिलाओं में आत्म-साक्षात्कार (मनोविज्ञान) - कथा साहित्य।

4. बैंगलोर (भारत) - कथा I. शीर्षक।

PR9499.3.M77M56 2011 813'.54—

dc22 2010025569

पुस्तक डिजाइन: विक्टोरिया हार्टमैन

अमेरिका के संयुक्त राज्य अमेरिका में छपी

डॉक्टर 10 9 8 7 6 5 4 3 2 1

Machine Translated by Google

प्रिया ज़ू एग्नेस ब्लेज़ के लिए

Machine Translated by Google

इस संसार में हममें से कौन खुश है?
हममें से किसकी अपनी इच्छा है?

-विलियम मेकपीस ठाकरे, वैनिटी फेयर

Machine Translated by Google

प्रस्तावना

पिछली सदी के उत्तरार्ध में, युवा अमेरिकी-भ्रमित, लापरवाह और आशावादी-भारत में आने लगे। वे पेंट की हुई वैन में, धूल से भरी, डीजल से भरी बसों में और तीसरी श्रेणी की रेल गाड़ियों की सख्त बेंचों पर, भारतीय कपड़े पहने, भारतीय स्ट्रीट फूड खाते और लोगों का पानी पीते हुए आए। अमेरिकी संपन्नता के असंतुष्ट बच्चे: कॉलेज छोड़ने वाले, ड्राफ्ट डोजर, रोमांटिक, ड्रगी और आम अपराधी; संगीतकार, सुखवादी और आसमानी आत्म-खोजकर्ता। ये पिछली शताब्दियों के अलग-थलग और तिरस्कारपूर्ण ब्रिटिश प्रशासक या बदमाश व्यापारी नहीं थे। आप उन्हें सुबह या शाम को नदी के किनारे सपाट पत्थरों पर अपने कुर्ते को किसी धोबी या घरेलू नौकरानी की तरह सिलते हुए देख सकते थे। ये अमीर पश्चिमी लोग-ऑस्ट्रेलियाई, कनाडाई, जर्मन, फिन्स, लेकिन विशेष रूप से अमेरिकी-जो कुछ महीने, फिर सालों तक रहे-गरीब ग्रामीणों की तरह रहते थे; ये अमीर पश्चिमी बच्चे कभी-कभी भीख मांगने लगते थे और बीमार हो जाते थे, और कुछ भिखारियों की बीमारियों से मर जाते थे।

उनमें से, सौ में से एक, हज़ार में से एक, दस हज़ार में से एक, पुनर्जन्म लेता है, घर लौटने में कोई दिलचस्पी नहीं रखता। वे कस्बों और गांवों में बस गए, भाषाएँ सीखीं और भारतीय जीवन जिया। उन्होंने फाउंडेशन और चैरिटी के साथ मामूली नौकरियाँ कीं। वे अंग्रेज़ी पढ़ाते थे और संगीत और लोककथाएँ, कला और शिल्प इकट्ठा करने के लिए ग्रामीण इलाकों में चले जाते थे। उन्होंने स्थानीय लड़कियों से शादी की या अविवाहित रहे, और खुद को भारतीय ज़रूरतों और आकांक्षाओं के साथ जोड़ा। भारत से जुड़ने से पहले, उनके जीवन का कोई उद्देश्य नहीं था। उनका असली जीवन भारत में शुरू हुआ - इसके सभी रिश्वतखोरी, हत्याओं, नस्लीय दंगों और भ्रष्टाचार के लिए। अमेरिका को उनकी याददाश्त से ठीक उसी समय मिटा दिया गया था जब युवा भारतीय पश्चिम के बारे में कल्पना कर रहे थे, स्कूल और नौकरी चाहते थे जो पैसे और आज़ादी का वादा करते थे। हम अमेरिका के लिए भूखे थे, लेकिन वे इससे संतुष्ट थे। उन्होंने अमेरिकी युद्धों में कोई दिलचस्पी नहीं जताई, लेकिन जब भारत लड़खड़ा गया, तो उन्होंने शोक मनाया। वे हमसे उतना ही प्यार करते थे जितना हम खुद से करते थे।

हमें लगा कि पीटर चैम्पियन अजीब है। हमारी परंपरा के अनुसार, प्रोफेसर अपने व्याख्यानों को फुलस्केप पर टाइप करके रेशम से बंधे दस्तावेजों के अंदर रखते हैं।

Machine Translated by Google

कॉर्ड लें और बिना ऊपर देखे, एक ही स्वर में उसे छात्रों को सुनाएं।
छात्रों की कई पीढ़ियाँ अपने शिक्षकों को पेट फूलने के स्तर के आधार पर वर्गीकृत करना सीख गईं:
हमारे गोवा और दक्षिण भारतीय पुजारियों के लिए "हाथी की पाद" से लेकर "चूहे की पाद" तक, एक छोटी सी गैस जो ज्ञान की एक गोली, यहाँ तक कि कुछ बुद्धि भी छोड़ती है। दो वरिष्ठ प्रोफेसरों ने कॉलेज में जीते गए पदकों का बखान किया और अनुदानों का हवाला दिया जो उन्हें अपनी अपेक्षाकृत युवावस्था में इंग्लैंड या स्कॉटलैंड के विश्वविद्यालयों में महाकाव्य मानसिक यात्राओं पर ले गए थे, जहाँ वे सर समबडी-ऑर-अदर के चरणों में बैठे थे। उन्होंने हमें कभी यह नहीं भूलने दिया कि उनकी महान उपलब्धियों और हमारी क्षीण क्षमता के बीच एक खाई थी।

लेकिन श्री चैम्पियन ने अपने औसत ग्रेड और अपने लक्ष्यहीन यात्राओं के बारे में मज़ाक किया, एक पेशे की तलाश में भटकते हुए। उन्होंने पुरातत्व, खगोल विज्ञान और भूविज्ञान, भाषा विज्ञान, गणित और धर्म का अध्ययन किया था - कुछ भी जो अनंत को छेड़ता हो। जब तक हमने पिछली सर्दियों में एक उत्सव की योजना बनाना शुरू नहीं किया, तब तक हमें पता नहीं चला कि उन्होंने मिडवेस्टर्न विश्वविद्यालय के एक उपग्रह परिसर में राजनीतिक अर्थव्यवस्था और लोककथा में दोहरी डिग्री प्राप्त की थी, और उनके ग्रेड बहुत, बहुत अच्छे थे। जब हम उनके छात्र थे, तो उनके बारे में एकमात्र तथ्य जो हम निश्चित रूप से जानते थे, वह यह था कि वे व्याख्यान नोट्स के बिना कक्षा में आते थे। और फिर भी उनका प्रभाव हममें से कुछ लोगों पर स्वर्ग की तिजोरी की तरह मंडराता है।

जब उन्होंने शांति सेना में जाने का विकल्प चुना था, तब अमेरिका युद्ध में था। उन्हें बिहार के एक गांव में नियुक्त किया गया था। दो साल बाद, चालीस पाउंड वजन कम हो गया, उन बीमारियों से मुक्त हो गए जो ज्यादातर ग्रामीणों को मार देती हैं, ऐसी बोलियों में पारंगत हो गए जो किसी गोरे व्यक्ति ने कभी नहीं बोली थी, अमेरिका वापस जाने के बजाय उन्होंने राज-युग के घरों और सार्वजनिक भवनों का देशव्यापी अध्ययन शुरू कर दिया। बेशक हम उन वर्षों के दौरान यह नहीं जानते थे जब हम उनके छात्र थे; हम जिज्ञासु नहीं थे। उन वर्षों में उन्होंने जो कुछ भी सीखा वह उन्होंने गांवों और मुफस्सिल के लंबे समय से उपेक्षित छोटे शहरों में घूमकर सीखा था, जहाँ जिन बच्चों ने कभी किसी गोरे व्यक्ति को नहीं देखा था, वे उनकी पीली, धूल भरी बाहों में अपनी उंगलियाँ घुसा देते थे। वह हमेशा अकेले रहते थे और एक गरीब ग्रामीण की तरह बस और पैदल यात्रा करते थे, अपने कुछ सामान को कपड़े के बंडल में रखते थे। ऊर्जा! प्यार! भारत में उन पहले तीन वर्षों में उन्होंने जीवन भर का काम पूरा कर लिया।

जब हम उन्हें जानते थे, तब वे एक शिक्षक के मामूली वेतन पर भिक्षुओं की तरह जीवनयापन कर रहे थे, तथा निजी तौर पर काम करके अपने देश के अंदरूनी इलाकों में जाने के लिए धन जुटा रहे थे।

Machine Translated by Google

अंग्रेजी भाषा के शिक्षक, अमेरिकी या ब्रिटिश। जब तक हमारी जिंदगियां उनसे जुड़ीं, तब तक उन्होंने एक स्कूटर और टेपिंग उपकरण खरीद लिया था। वे गांवों में गए और किस्से-कहानियों से भरे इतिहास, पारिवारिक यादों और खास तौर पर स्थानीय गीतों की लंबी सूची बनाई। उन्होंने प्राचीन, परित्यक्त मंदिरों की छानबीन की। उन्होंने टेरा-कोटा मूर्तियों के टुकड़े खोजे और उन्हें सूचीबद्ध किया। उन्होंने आधुनिक भारत के अपने विलक्षण इतिहास में हमारी रुचि जगाने की कोशिश की, लेकिन असफल रहे।

बेशक, उन्होंने जिन घरों की जांच की, उनमें से सभी ढहते हुए खोल नहीं थे, और उनके सभी निवासी साधारण ग्रामीण लोग नहीं थे। कुछ घर और उनके मालिक दूसरे युग के बचे हुए थे, जो आधुनिक भारत से दूर थे। कुछ घर - जो आजकल जीर्ण-शीर्ण हो चुके हैं - शानदार हवेलियाँ थीं, जिन पर ब्रिटिश साहित्य से लिए गए राज-युग के नाम थे। उनकी कुछ सामग्री संग्रहालय की गुणवत्ता की थी।

क्लासिक भारतीय वास्तुकला: सार्वजनिक और निजी (फोटो और रेखाचित्र)
लेखक) कलकत्ता से पंजाब, तट के नीचे बॉम्बे, गोवा और फिर दक्षिण में उन महान सार्वजनिक भवनों और आलीशान औपनिवेशिक आवासों का एक निर्देशित दौरा है। भारत में केवल एक नवागंतुक के पास हमारे देश को निगलने और उसके अवशेषों को अपने बच्चे को खिलाने वाली मां पेंगुइन के सभी प्यार के साथ पुनर्जीवित करने की आंखें, ऊर्जा और भक्ति हो सकती है। तीस साल पहले, हमारे शिक्षक, जो तब तेईस साल के थे, एक लुढ़का हुआ स्क्रॉल-मूल फर्श की योजना के साथ 1840 के दशक की हवेली के सामने के दरवाजे पर उपस्थित हुए थे और मालिक, जो तब पचास वर्षीय विधवा थीं, से पूछा था कि क्या वह हवेली में विभिन्न परिवर्धन की तारीख बता सकती हैं और इसकी सामग्री को सूचीबद्ध कर सकती हैं। देर से विक्टोरियन बुर्ज और टावरों के ढेर से पहले, 1840 के दशक के विन्यास में

विधवा एक आकर्षक युवा विदेशी से मिले आकर्षण से खुश थी। उस चापलूसी का अंतिम लाभार्थी श्री.

चैम्पियन के छात्र।

हमने उसे क्या दिया? हम उसके प्रति क्या ऋणी हैं? हर विकासशील देश में विदेशी निवासियों का एक उप-समाज होता है - संपन्नता से आए शरणार्थी, स्वतंत्र आदर्शवादी, स्व-शिक्षित लोग जो "विदेशी" ज्ञान के अजीबोगरीब टुकड़े इकट्ठा करते हैं।

Machine Translated by Google

हमारा पति सुंदरता, प्रेम, आध्यात्मिकता, अपराधबोध, अपने स्वयं के आत्म-धार्मिकता की जेल में फँसा हुआ था - और बाहर नहीं निकल सकता था। वह कठिनाइयों में पला-बढ़ा जबकि हम पेशेवर सफलता और भौतिक सुख-सुविधाओं की तलाश में थे।

चाहे कोई भी पाप हो या मासूमियत, कभी-कभी वह किसी युवा पुरुष या महिला पर विशेष ध्यान देते थे। "तुम आगे बढ़ोगे," वह कहते थे। "तुममें चिंगारी है - टूटकर जलना नहीं। भारत जागना शुरू हो गया है। भारत अभी भी अपनी स्थिति में है, लेकिन अब उसमें हलचल शुरू हो गई है। मेरे लिए बहुत देर हो चुकी है, लेकिन भारत में आग लग रही है।"

ऐसी ही एक महिला का नाम अंजलि बोस है।

Machine Translated by Google

भाग एक

Machine Translated by Google

1

बाज़ार के समय भारतीय सड़क पर कार के हॉर्न और झनझनाहट के बीच से आवाज़ आई "अंजलि!" लेकिन अंजलि वह नाम नहीं था जिसे उसने सुना। खुली दुकानों से तेज़ आवाज़ में बजने वाले संगीत के बीच उसने फिर से आवाज़ सुनी, जो अपनी विदेशी धार के कारण ज़्यादा तीखी थी: "अंजलि!"

उन्नीस साल की उम्र में अंजलि बोस एक लंबी लड़की थी, जो अपने कॉलेज के ज़्यादातर लड़कों से एक सौ तिहत्तर सेंटीमीटर लंबी थी। वह लड़कियों की फील्ड हॉकी टीम में थी। वह आसानी से मुस्कुराती थी और जब वह मुस्कुराती थी, तो वह कमरे को हैलोजन लैंप की तरह रोशन कर देती थी। भारतीय नारीत्व का पारंपरिक रूप लंबी पलकों, काजल से लदी, चौंका देने वाली काली आँखों के माध्यम से खुद को प्रदर्शित करता है। शालीन महिलाएँ थोड़ा झुके हुए सिर से ऊपर की ओर देखना जानती हैं।

अंजलि दुनिया को तश्तरीनुमा निष्क्रियता से नहीं देखती थी। उसकी हल्की, हरी-भरी आँखें ऊँची गाल की हड्डियों और उभरी हुई भौंहों से सजी हुई थीं। उसका चेहरा लंबे जबड़े और उदार मुँह के साथ खुद को प्रकट करता था, जिसमें भरे हुए होंठ और उभरे हुए दाँत थे। उसके माता-पिता, उस दिन को देखते हुए जब उन्हें उसकी शादी करनी होगी, उसके अत्यधिक मुखर चेहरे के बारे में खुलकर चिंतित रहते थे। लेकिन शहर से गुजरने वाले दुर्लभ विदेशी, स्वास्थ्य कार्यकर्ता या अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के लिए वित्तीय सहायता सलाहकार, उसके रूप को आकर्षक और उसकी निर्भीकता को आकर्षक पाते थे। उनसे बात करते हुए, वह कभी-कभी बर्मी या नेपाली वंश का होने का दावा करती थी। उसने कई कहानियाँ सुनाईं, वे सभी विश्वसनीय थीं, उनमें से कुछ शायद सच भी थीं। उसने हमेशा एक बेहतरीन पहली छाप छोड़ी।

बिहार राज्य के प्रांतीय शहर गौरीपुर में बाज़ार के समय किसी भी सड़क पर एक दर्जन अंजलियाँ हो सकती हैं - "भगवान को अर्पित की जाने वाली वस्तुएँ" - लेकिन कोई भी व्यक्ति या रिश्तेदार उन्हें नाम से पुकारने की हिम्मत नहीं करेगा। उनमें से ज़्यादातर अंजलियाँ शादीशुदा होंगी, साड़ियों से लंगड़ी हुई, शिशुओं को गोद में लिए हुए या छोटे बच्चों को हाथ में थामे हुए जबकि उनके पति मछली और सब्ज़ियों के लिए मोल-भाव कर रहे होंगे।
सड़क पर स्कूटर पर सवार किसी व्यक्ति द्वारा आपको रोक लेना अपमानजनक बात होगी।
यह कॉल उसके लिए ही थी, जींस और टी-शर्ट पहने वह महिला जो कुछ साल पहले जर्मन पंक-रॉक बैंड पैंजर डिलाइट के पहले दौरे (हैम्बर्ग, स्टटगार्ट, कोलन, बेसल, ज्यूरिख, विएन, ब्रातिस्लावा - उसे उमलौट्स बहुत पसंद थे) का विज्ञापन कर रही थी - वह युवती जो अपने बुलावे का इंतजार कर सकती थी।

Machine Translated by Google

वह नाम रखना पसंद करती थी, एंजेला, या बेहतर होगा एंजी। जंग लगी हुई पुरानी लैंब्रेटा स्कूटर, जो 1960 के दशक में गौरीपुर के दफ़्तरों में काम करने वालों के बीच बहुत लोकप्रिय थी, घरघराती हुई ब्रेक लगाकर रुकी; उसके ड्राइवर ने बसों और ट्रकों से निकलने वाले नीले डीज़ल के धुएँ, ठेलों और साइकिलों की भीड़ के बीच से उसे अपनी ओर बढ़ाया: फूला हुआ, बेचैन भारत चलता हुआ।

वह गौरीपुर बाज़ार के बाहर खड़ी थी, जिसे स्थानीय तौर पर पिंकी महल के नाम से जाना जाता है, यह शहर की शहरी प्रगति का तीन मंजिला स्मारक है। जब पिंकी महल का निर्माण किया जा रहा था, तो ईंटों को एक-एक करके दर्जनों बाल मज़दूरों द्वारा ढोया जा रहा था, जिन्हें दिन के हिसाब से काम पर रखा गया था। महिला मज़दूरों की कतारें एक-एक तख्ते पर अपना रास्ता बनाती हुई आगे बढ़ रही थीं, अपने सिर पर सीमेंट के कटोरे को संतुलित कर रही थीं और फिर उसमें से सामग्री को प्लास्टिक की बाल्टियों में डाल रही थीं। निर्माण के दौरान लाल बहादुर शास्त्री (एलबीएस) रोड पर एक कॉर्पोरेट बिलबोर्ड खड़ा था, जो एक भरोसेमंद जनता को खिलाने के लिए एक महाकाव्य चित्र था: छाया और फूलों के पेड़ों, लॉन, फव्वारों और धूपघड़ी के एक छोटे से भूदृश्य वाले जंगल के पीछे एक शानदार, पाँच मंजिला ऑफ़िस टावर। बिलबोर्ड पर पगड़ी पहने दरबान इमारत के प्रवेश द्वार पर रुकी आयातित कारों की चमचमाती पंक्ति का स्वागत कर रहे थे। और पगड़ी पहने सिरों के ऊपर दो किंवदंतियाँ तैर रही थीं: आपकी नई कॉर्पोरेट एचडीक्यूएस

खूबसूरत, रोमांचक गौरीपुर! और अभी कार्य करें! वाणिज्यिक स्थान तेजी से बढ़ रहा है!

ऐसे भविष्य की काल्पनिक कल्पना जो कभी नहीं आएगा।

विज्ञापित पांच मंजिलों के बजाय तीन मंजिलों वाला कार्यालय टॉवर एक साल में बनकर तैयार हो गया, लेकिन इसके औपचारिक उद्घाटन के छह महीने के भीतर ही गुलाबी रंग का बाहरी प्लास्टर उखड़ने लगा, जिससे ईंटों की लंबी नसें निकल गईं। ठेकेदार ने दावा किया कि गुलाबी रंग खट्टा था और मीठे प्लास्टर से प्रतिक्रिया कर रहा था। डेवलपर ने प्रेस को बताया कि यह एसिड और क्षारीय है, फिर फारस की खाड़ी में भाग गया। और इस तरह पिंकी महल, इसकी दो ऊपरी मंजिलें खाली हैं, इसकी भूतल को छोटी दुकानों के मालिकों ने पट्टे पर दिया है और उप-पट्टे पर दिया है, जो कम किराए के कारण अस्थिर विद्युत सेवा और बिना एयर कंडीशनिंग के साथ रहते हैं, शहर के केंद्र में एक गौरवपूर्ण स्मारक के बजाय एक आंखों में गड़ने वाली चीज बन गई है।

जब पिंकी महल असफल हो गया, तो गौरीपुर की भावना कुचल गई।

तभी पुनः कॉल आई, थोड़ा संशोधित: "एंजी!"

Machine Translated by Google

मिस्टर चैंपियन ने अपना स्कूटर गटर की सुरक्षा में खींच लिया, और अंजलि उसके ऊपर खड़ी थी, जो फटे हुए फुटपाथ के ऊंचे किनारे पर खड़ी थी। वास्को दा गामा हाई स्कूल से स्नातक होने और वास्को दा गामा कॉलेज के बी. कॉम. प्रोग्राम में दाखिला लेने के बाद से उसने बारह महीनों में अपने पूर्व शिक्षक को ज़्यादा नहीं देखा था। उस दौरान उसने भूरे रंग के धब्बे वाली लाल दाढ़ी उगा ली थी। उसके कंधे पर एक पैच वाला किताबों का बैग लटका हुआ था, और उसने अभी भी नीली जींस के ऊपर अपना ट्रेडमार्क हैंडलूम कॉटन कुर्ता पहना हुआ था।

अपने ऊंचे स्थान से उसने देखा कि उसके बाल पतले हो रहे थे।
मच्छर गंजे स्थान पर भिनभिना रहे थे। वे नीचे उतरे, लेकिन ऐसा लग रहा था कि उसने इस पर ध्यान नहीं दिया।

उनकी उम्र पचास से ज़्यादा होनी चाहिए थी, क्योंकि वे बिहार में लगभग तीस साल से रह रहे थे, लेकिन फिर भी वे इतने दुबले-पतले और ऊर्जावान थे कि वे लड़कों जैसे लगते थे। सभी अमेरिकी पुरुष - उसके अनुभव के छोटे दायरे में - लड़कों जैसे लगते थे। उसके पिता, एक रेलवे क्लर्क, मिस्टर चैंपियन से छोटे थे, लेकिन बड़े दिखते थे। उसके मोटे पिता, अपनी आज्ञाकारी आवाज़ और अभद्र व्यवहार के साथ, किसी भी भूमिका में नहीं थे, सिवाय एक गद्देदार कुलपति की भूमिका में। वे कभी भी सार्वजनिक रूप से झुर्रीदार शर्ट या कार्यालय में शर्टस्लीव नहीं पहनते थे, और उनके पास कभी भी नीली जींस नहीं थी।

"मुझे लगा कि तुम जा रहे हो," अमेरिकी ने कहा। फिर, ज़्यादा ज़ोर देते हुए कहा, "दरअसल, मुझे लगा कि तुमने मुझे बताया था कि तुम जा रहे हो, और यह महीनों पहले की बात है।"

जब संदेह हो, तो मुस्कुराइए। वह मुस्कुराई। "मुझे आपकी दाढ़ी पसंद है, मिस्टर चैंपियन।"

"मैं अब तुम्हारा शिक्षक नहीं हूँ, अंजलि। तुम मुझे पीटर कह सकती हो।"

"केवल तभी जब तुम मुझे एंजि कहो।"

वास्को द गामा में अध्ययन के अंतिम तीन वर्षों में उसे अपने शिक्षक पर गुप्त क्रश था।
गामा हाई स्कूल में, हालांकि, शिक्षकों से बात करने वाले अन्य सभी दा गामा छात्रों की तरह, उसने उसे उसके सामने सर और मिस्टर चैंपियन के रूप में संबोधित किया था, और उसकी पीठ पीछे "अमेरिकी" के रूप में। वह साठ साल से कम उम्र का एकमात्र आम आदमी था और गोवा और दक्षिण भारतीय पुजारियों द्वारा संचालित स्कूल में एकमात्र श्वेत व्यक्ति था।

"एंजी, तुम अभी तक यहाँ क्यों हो?"

Machine Translated by Google

यह एक ऐसा सवाल था जो वह अक्सर खुद से पूछती थी। वह खुद को गेटवे ऑफ इंडिया के सामने एक फैंसी मुंबई कैफे में एक लंबे चम्मच से एक ठंडे गिलास में झागदार गुलाबी फालूदा को हिलाते हुए, गौरीपुर में एक स्ट्रीट वेंडर से मसालेदार नमकीन खाने की तुलना में अधिक आसानी से कल्पना कर सकती थी, कुछ ऐसा जो वह करने वाली थी जब मिस्टर चैंपियन ने उसे चौंका दिया।

"मैं आपसे भी यही पूछ सकती हूँ, सर - मेरा मतलब है, पीटर," उसने कृतज्ञतापूर्वक उत्तर दिया। कि उसके होंठ और ठोड़ी गहरे तले हुए पकौड़े खाने से चिकने नहीं थे।

"तुम्हारी तरह, एंजी। पढ़ाई कर रहा हूँ।"

यह उनका विशेष मज़ाक था: हालाँकि वह एक शिक्षक के रूप में अपनी जीविका कमाते थे, लेकिन एक वास्तव में, अमेरिकी संस्कृति और मुहावरे पर पूरक इकाइयों के साथ अमेरिकी व्यापार मॉडल और विज्ञापन रणनीतियों पर एक लोकप्रिय पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए उन्हें खुले तौर पर प्रशंसा मिली, वे खुद को "एक सदाबहार छात्र" मानते थे।
लेकिन वे आम भारतीय छात्रों की तरह नहीं हैं, जो सिर्फ़ एक जुनूनी लक्ष्य के साथ रटकर सीखने वाले हैं: भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान में प्रवेश। जीवन भर की समृद्धि और पेशेवर सफलता या गरीबी और शर्म इस बात पर निर्भर करती है कि वे राष्ट्रीय प्रवेश परीक्षाओं के लिए कितनी मेहनत करते हैं।

"मुझे लगा कि तुमने कहा था कि अगर तुम स्वस्थ रहना चाहते हो तो तुम्हें बाहर निकलना होगा ।"

"शादियाँ थीं।" उसने झूठ बोला। "मेरी बहन की शादी हो गई। मैं बस नहीं कर सकती थी उठाओ और चले जाओ।" एक स्वतःस्फूर्त झूठ; यह बस निकल गया।

उसने भौंहें सिकोड़ीं और उसे एक झूठे की क्षणिक घबराहट महसूस हुई। शायद उसने पहले ही शादी का बहाना बना लिया था, और भूल गई थी। पारिवारिक शादियाँ और अंतिम संस्कार भारतीय जीवन के निर्विवाद कर्तव्य और अनुष्ठान हैं। हमेशा एक बहन या चचेरे भाई की शादी होती है, बीमार चाचा की देखभाल की जाती है, परदादा का शोक मनाया जाता है।

सच तो यह है कि एंजी की एक बहन थी। उसका नाम सोनाली था और वह पांच साल पहले एक दूल्हे से शादी हुई थी, जिसका विज्ञापन और तस्वीर बांग्ला-भाषा के स्थानीय समाचार पत्र के वैवाहिक कॉलम में सोनाली और उनके पिता की स्वीकृति से मेल खाती थी। अब सोनाली एक तलाकशुदा एकल माँ थी, जो अपनी चार साल की बेटी के साथ पटना, जो कि सबसे नजदीकी बड़ा शहर है, में एक कमरे के फ्लैट में रहती थी और कंजूसों के लिए स्टेनो-टाइपिस्ट-बुककीपर के रूप में काम करती थी।

Machine Translated by Google

ट्रक-रेंटल कंपनी के मालिक। दूल्हे को बहुत देर से पता चला कि वह शराब का बहुत शौकीन और व्यभिचारी है। लेकिन जब सोनाली ने आखिरकार तलाक की कार्यवाही शुरू करने की हिम्मत जुटाई, तो उनके पिता ने बोस परिवार पर तलाक की सार्वजनिक शर्मिंदगी लाने के लिए उसके खिलाफ़ आवाज़ उठाई।

वह श्री चैम्पियन को कैसे समझा सकती थी कि उसके जैसे परिवार की बेटी के लिए शहर छोड़कर चले जाना कितना मुश्किल था - कितना असंभव - सिवाय उस व्यक्ति की दुल्हन के जिसे उसके पिता ने खुद चुना था? परिवार के सम्मान और पिता के कर्तव्य में उसे एक अजनबी के साथ क्यों बांधना शामिल था, जबकि वह पहले ही खुद को इतना गलत साबित कर चुका था? वह उसकी ज़िंदगी को बर्बाद करने की धमकी दे रहा था। उसके पिता के पास एक सरल स्पष्टीकरण था: "यह खुशी का सवाल नहीं है, तुम्हारी या हमारी। यह हमारे नाम, हमारे परिवार की प्रतिष्ठा के बारे में है।" उन्नीस साल की उम्र में भी, अंजलि ने अपनी खुशी के अधिकार को नहीं छोड़ने का दृढ़ निश्चय किया था।

मिस्टर चैंपियन को इस बात का बिल्कुल भी अहसास नहीं था कि घर में उन्हें किन समस्याओं से जूझना पड़ रहा है। फिर से मुस्कुराने लगा। शायद सभी अमेरिकी इस तरह से रहस्यमय थे। आप नहीं बता सकते कि वे वास्तव में क्या सोचते थे। शायद उसने उसके छोटे से झूठ पर ध्यान नहीं दिया था; शायद उसने देखा था लेकिन उसे माफ़ कर दिया था। वह इस उम्मीद के साथ जीवन जी रही थी कि उसे माफ़ कर दिया जाएगा।

"याद रखो मैंने तुमसे क्या कहा था। भारत ऐसे शहरों को धूल में मिला रहा है।" तुम्हारे पास संभावनाएं हैं।" उसने स्कूटर की पिछली सीट पर बंधे भारी जूट के शॉपिंग बैग को हटाया और खाली जगह पर थपथपाया। बैग से एक पका हुआ संतरा नाली में गिर गया। दो कौवे और एक बहिष्कृत कुत्ता कुचले हुए फल पर नज़र गड़ाए हुए थे। "चलो, एंजी।"

यदि गौरीपुर का इतना ही विनाश होना था तो वह वहां से क्यों नहीं चले गए?

"मैं तुम्हें तुम्हारे घर तक छोड़ दूंगा अगर तुम्हें कोई आपत्ति न हो तो मैं यह सामान रखते समय मेरे घर पर रुक जाऊं।" उसने जूट के बोरे के चारों ओर पट्टा कस दिया। "नीचे मछली है।"

उसे यह विचार पसंद आया कि उसे अपने पिता की बदमाशी और माँ की आंसू भरी चुप्पी के बीच घर वापस नहीं जाना पड़ेगा। वे एक सम्मानजनक दामाद खोजने के लिए जुनूनी थे जो हरी आँखों, जिद्दी व्यक्तित्व और नाममात्र के दहेज जैसी नकारात्मकताओं को नजरअंदाज कर सके। उसके पिता ने मंगनी में अपनी असफलता के लिए उसे दोषी ठहराया। अक्सर वह उसकी टी-शर्ट और जींस की ओर इशारा करते थे:

Machine Translated by Google

"आप क्या पहनते हैं, कैसे बात करते हैं, इसमें कोई आश्चर्य नहीं! कौन सा अच्छा लड़का दो बार देखेगा?"

बहुत, बाबा, वह पलटकर जवाब दे सकती थी, लेकिन उसने ऐसा नहीं किया। उसके पास इसकी कमी नहीं थी।
प्रशंसक। लड़के उसकी ओर आकर्षित होते थे, हालाँकि वह उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए बहुत कम करती थी। हालाँकि, वह
जानती थी कि उसके पिता का क्या मतलब था: भावी दूल्हे - अच्छे परिवारों के "अच्छे लड़के" - पीछे हट जाएँगे।

अपने सैंडल वाले पैर के अंगूठे से एंजी ने मिस्टर चैंपियन के पैर पर गहरा निशान बना दिया।
स्कूटर। स्ट्रैपी सैंडल का रंग उसके पेंट किए हुए नाखूनों के समान ही बकाइन रंग का था। वह जानती थी कि उसके पैर सुंदर हैं, छोटे,
ऊंचे मेहराबदार, संकीर्ण। उसने ज़रूर देखा होगा। "लगता है आपको नए पहिये की ज़रूरत है, मिस्टर चैंपियन," उसने मज़ाक में कहा।

अमेरिकी ने अपने कुर्ते की आस्तीन से यात्री सीट को पोंछा।
"जब तक बहुत देर न हो जाए तब तक इंतजार मत करो।"

वह उसके संघर्षों को नहीं समझता था; कोई भी वृद्धावस्था, गंजापन उसे कैसे समझ सकता है?
नाक के बालों के गुच्छे वाली अमेरिकी महिला ऐसा क्यों करती है? गौरीपुर से बाहर निकलने के लिए उसके पास एक और केवल
एक ही वैध रास्ता था: बड़े शहर के दूल्हे से शादी करना। बी. कॉम. की डिग्री से विवाह बाजार में उसकी स्थिति और मजबूत हो
जाएगी।

"ठीक है, मिस्टर चैंपियन।" वह हँसी, यात्री सीट पर जूट की बोरी के पास खुद को सहज करते हुए। फुटपाथ पर खड़े लोगों को
घूरने दो; अविवाहित अमेरिकी स्कूटर की पीठ पर बैठी युवा अविवाहित महिला के लिए भीड़ को अलग होने दो। जब यह बात फैल गई, जैसा
कि अनिवार्य रूप से होता है, कि भारतीय रेलवे के "रेलवे बोस" की बेटी, एक कामकाजी महिला तलाकशुदा की बहन, एक विदेशी के
पेट पर अपनी बाहें लपेटे हुए, सबके सामने से भाग रही थी, तो उसके माता-पिता को उसके लिए उचित जाति का बंगाली विवाह-संबंधी रिश्ता
ढूँढ़ना मुश्किल हो गया। ऐसा ही हो।

"और मेरे पास एक व्यक्ति है जिससे मैं चाहता हूं कि आप मिलवाएं," उन्होंने कहा।

"आप मुझे अपने फ्लैट पर आने के लिए आमंत्रित कर रहे हैं, मिस्टर चैंपियन?" उसने चौंकने का दिखावा न करने की कोशिश की।

Machine Translated by Google

यह उसकी अपनी शिक्षिका के घर की पहली यात्रा नहीं होगी। श्री चैम्पियन ने शनिवार की सुबह अंग्रेजी वार्तालाप पाठ्यक्रम और रविवार की दोपहर को अपने अपार्टमेंट में उन्नत अंग्रेजी वार्तालाप कौशल पाठ्यक्रम की पेशकश की। अंजलि ने दोनों पाठ्यक्रम दो बार पूरे किए थे, साथ ही एक दर्जन महत्वाकांक्षी पुरुष दा गामा छात्रों ने इंजीनियरिंग या चिकित्सा या व्यवसाय प्रबंधन में पेशेवर स्कूलों में प्रवेश पाने की अपनी संभावनाओं को बेहतर बनाने की उम्मीद की थी। श्री चैम्पियन के कुछ छात्र अब तीस की उम्र के आसपास के डॉक्टर बन गए हैं, जो कनाडा या ऑस्ट्रेलिया के लिए अप्रवासी वीजा की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

पहली बार जब अंजलि श्री चैंपियन की शनिवार की वार्तालाप कक्षा में आई, तो वह इस बात से बहुत निराश हुई कि उनके पास फर्नीचर और उपकरणों के मामले में कितना कम सामान था। न कोई रेफ्रिजरेटर, न कोई टेलीविजन, न कोई एयर कंडीशनर, न ही कार्बोनेटेड सॉफ्ट ड्रिंक्स के डिब्बे। उनके पास एक म्यूजिक सिस्टम, पेशेवर दिखने वाले टेप-रिकॉर्डिंग उपकरण और एक भारी लैपटॉप और प्रिंटर था। लकड़ी की ऑफिस कुर्सियाँ और ढेर सारे भरे हुए कुशन अतिरिक्त बैठने की जगह के रूप में काम आते थे। हर भाषा में दर्जनों भारतीय किताबें ईंट और तख्ते की किताबों की अलमारी में रखी हुई थीं। एक दीवान जो निश्चित रूप से उनके बिस्तर के रूप में भी काम करता था, उसे दीवार के साथ धकेल दिया गया था। अंजलि ने उम्मीद की थी कि एक प्रोफेसर का घर जर्जर होगा, लेकिन यह सीखने का एक जर्जर द्वार था, जिसमें विश्व प्रसिद्ध लेखकों की चमड़े की जिल्द वाली किताबें भरी हुई थीं।

अंजलि उन कक्षाओं में अकेली लड़की थी। उसे अपने बड़ों और शिक्षकों का आदर करना सिखाया गया था, लेकिन जब भी वह मिस्टर चैंपियन के घर जाती थी, तो उसे उनकी शर्मिंदगी का अंदाजा होता था: कमरे बहुत ही बंजर थे, बिल्कुल नौकरों के कमरे की तरह। कुछ शनिवार की दोपहर को दीवान पर बिछी चादरें अभी भी उलझी हुई दिखती थीं। उसे एक कमरे में एक आदमी के बिस्तर पर होने पर शर्म आती थी, जिसके कपड़े दीवार पर खूंटे से लटके हुए थे, जैसे कि उसने उसके सामने कपड़े उतारे हों। उसका स्पष्ट अकेलापन उसे उदास कर देता था; उसका खुलापन उसे उत्तेजित कर देता था। मिस्टर चैंपियन के कमरे की खामोशी ने एक भारतीय परिवार के मधुमक्खी के छत्ते की तरह दिखने वाले गुंजन को कम पागल बना दिया। वह ज़्यादा घर की सदस्य नहीं थी - उसकी माँ की शिकायतों के अनुसार - लेकिन अगर यह एकमात्र छात्रा द्वारा किया गया एक बहुत बड़ा कदम नहीं लगता, तो वह अपने शिक्षक के लिए छोटे-छोटे घर के उपहार, एक फूलदान या सिर्फ़ एक दीवार कैलेंडर लेकर आती, ताकि कमरा ज़्यादा आरामदायक लगे।

Machine Translated by Google

अब मिस्टर चैंपियन की पिछली सीढ़ियों तक जाने वाले संकरे रास्ते पर खिले हुए फूलों के टेरा-कोटा के गमले लगे हुए थे। सीढ़ियों पर बेलें लटक रही थीं, और सीढ़ियाँ खुद फूलों से महक रही थीं, जिनका नाम वह किसी भी भाषा में नहीं बता सकती थी।
क्या यह वही स्थान हो सकता है?

"मिस्टर चैंपियन! क्या आपने शादी कर ली है?" वह हँसी, और सीढ़ियों के ऊपर से वह मुस्कराते हुए उसकी ओर मुड़ा।

"कुछ अंतर है, क्या आप नहीं कहेंगे?"

दरवाज़ा चमकीले नीले रंग से रंगा हुआ था। चाबी डालने से पहले ही दरवाज़ा अंदर की ओर खुल गया। तब तक अंजलि ऊपर की सीढ़ी पर चढ़ चुकी थी, और वहाँ उसे एक युवक का सामना करना पड़ा जो लुंगी पहने, नंगा था और अपनी आँखें मल रहा था।
"जानू," उसने धीमी आवाज़ में कहा, और मिस्टर चैंपियन ने उर्दू जैसे लगने वाले कुछ शब्द कहे। एंजी ने सार्वभौमिक "चाय" और "बिस्कुट" और शायद उसके नाम का एक संस्करण पहचान लिया।

गोल मेज पर कटे हुए फूल, रंगीन मेज़पोश और दीवारों पर कीलों से लगी पेंटिंग्स रखी हुई थीं। वहाँ दो आरामदायक दिखने वाली बेंत की कुर्सियाँ और एक फ्लोर लैंप था। एक पुरानी लकड़ी की अलमारी में अब खूँटियों पर टंगे कपड़े रखे हुए थे, और किताबों की अलमारियाँ हर दीवार के साथ-साथ सोने की कोठरी तक फैली हुई थीं। बिस्तर बिछा हुआ नहीं था, लगभग ऐसा लग रहा था जैसे लड़का उस पर सो रहा था। उसने उसकी सोने की चटाई नहीं देखी। "एंजी, यह अली है," मि.

चैंपियन. फिर उसने कहा, "वह मेरा दोस्त है."

उसने सोचा कि अमेरिकी ऐसा कर सकते हैं: गांव के मुसलमानों को अपना मित्र बना सकते हैं।
युवा अली, मिस्टर चैंपियन का जानू, उनका जीवन (यदि हिंदी और उर्दू शब्द अर्थ में एकरूप थे), एक सुंदर लड़का जो लगभग काला था, लंबे बाल और उभरी हुई गालों वाली, उसने अपने नाखूनों को चमकीले लाल रंग से रंगा हुआ था। उसने अपने अर्ध-नग्न शरीर के लिए एक शर्ट खोजने के लिए अलमारी खोली। या तो शर्ट मिस्टर चैंपियन द्वारा दान की गई थी, लेकिन अभी भी मालिक की अलमारी में लटकी हुई थी, जो कि काफी शर्मनाक था - या फिर दोनों पुरुष अलमारी की जगह साझा करते थे, जो उसके लिए अकल्पनीय था।

अगर वह किसी आदमी की बाइक पर बैठकर घर लौटती तो माता-पिता के गुस्से का सामना करने के डर से अंजलि ने जोर देकर कहा कि वह कुछ मिनट ही रुकेगी और फिर बस से वापस आ जाएगी। अगर बाबा या जिज्ञासु पड़ोसियों ने उसे बस से उतरते हुए देख लिया तो वह उसे वापस ले आएगी।

Machine Translated by Google

घर के पास रुकते तो उन्हें कुछ भी संदेह नहीं होता। वह बाबा के साथ चिल्लाने के लिए तैयार नहीं थी। लेकिन वह एक घंटे तक रुकी, अपनी इच्छाओं के बारे में अपनी गर्लफ्रेंड से ज़्यादा खुलकर बात की। वह शादी नहीं करना चाहती थी।
उसकी कक्षाएँ नीरस थीं। वह कुछ रोमांचक, जीवन बदलने वाली चीज़ चाहती थी, जो उसे गौरीपुर की नीरसता से बचा सके। "मैं समझता हूँ," मिस्टर चैंपियन ने कहा।
अली को मिठाई खरीदने के लिए भेजा गया। एंजी पीटर चैंपियन की सबसे पसंदीदा परियोजना थी, जो उनके जैसी ही थी, उन्होंने कहा, जो अपने जन्म के छोटे शहर में नहीं रह सकती थी। यह जानना कितना दर्दनाक है कि किसी को किसी तरह सबसे दूर के किनारे पर जाने के लिए नियत किया गया है। "मेरे जैसे किसी व्यक्ति के लिए यह कितना बड़ा काम है," उन्होंने मजाक में कहा, "उस जहाज को यात्रियों से भरना।"

श्री चैम्पियन उच्च शिक्षण मोड में थे, पूर्ण स्वीकारोक्ति में
उन्होंने कहा कि वह एक प्यार में डूबा हुआ आदमी था।

"तो इससे महिला के स्पर्श का पता चलता है," उसने कहा। "लेकिन वह कहाँ है?"

"एंजी, एंजी।" वह 'टुट-टुट' बोला।

वह एक क्षण के लिए सोचती रही कि क्या वह स्वयं ही वह स्त्री है जिसे उसने चुना है और क्या उसके मुंह से अगले शब्द ये होंगे कि "मैं तुमसे प्यार करता हूं, एंजी, मैंने हमेशा किया है, और जब तक तुम मेरी दुल्हन के रूप में अमेरिका जाने के लिए सहमत नहीं हो जाती, मैं तुम्हें जाने नहीं दूंगा..." वह एक रोमांटिक स्वभाव की थी; उसने मान लिया था कि कोई भी पुरुष उससे प्यार कर सकता है।

उसने साहसपूर्वक पूछा, "तो वह व्यक्ति कौन है जिससे आप मुझे मिलवाना चाहते हैं?"

"तुम उससे मिल चुकी हो, एंजी।"

वह अंधेरे में थी, फिर भी मुस्कुरा रही थी। उसने किसी को नहीं देखा था, और छिपने के लिए कोई जगह नहीं थी।

"मेरे जाने के लिए बहुत देर हो चुकी है," उसने कहा, "लेकिन तुम्हारे लिए मैं सबसे अच्छा चाहता हूँ।" क्या यह एक प्रस्ताव है, उसने सोचा, और लगभग ज़ोर से पूछा, उसकी मदद करने की कोशिश करते हुए। मैं यह करूँगा! मैं तुम्हें खुश करूँगा! फिर उसने कहा, "तुम्हें एक बड़े शहर में कोशिश करनी चाहिए।" उसने हमेशा खुद को बॉम्बे या शायद गोवा के समुद्र तटों पर कल्पना की थी, और इसलिए उसने उन संभावनाओं के बारे में उससे बात की। आखिरकार, अमेरिका में भी, उसने सोचा, हालांकि वह बुरी नज़र को आमंत्रित करने के डर से यह कहने की हिम्मत नहीं कर पाई।

Machine Translated by Google

"बॉम्बे?" वह हँसा। "तुमने बहुत सारी ख़राब फ़िल्में देखी हैं।
बम्बई कल की बात है। यह एक ठगी का शहर है। बैंगलोर तुम्हारे जैसी युवा महिला के लिए एक जगह है।"

उसने सोचा, "क्या वह मुझे वहीं ले जा रहा है? क्यों नहीं? मैं जाऊँगी। फिर:
मैं कैसी लड़की हूं?

वह बैंगलोर के बारे में कुछ नहीं जानती थी, एक दक्षिणी शहर जो उसके लिए कश्मीर की बर्फ की तरह ही अजनबी था। मिस्टर चैंपियन फिर से पढ़ाने के मूड में आ गए थे। उन्होंने बताया कि दो सौ सालों तक बैंगलोर ब्रिटिश सेना का बेस, एक छावनी रहा था, और अंग्रेजों ने कुछ निशान छोड़े थे - गोल्फ कोर्स और रेसट्रैक और निजी जिमखाना - जिन्हें धनी भारतीयों ने कुछ ज़्यादा ही उत्साह से अपनाया। लेकिन अब यह एक ऐसी जगह है जहाँ लोग आते-जाते रहते हैं। और बैंगलोर में उनके संपर्क थे, ऐसे लोग जो उनकी सिफ़ारिशों को सुनते थे। कॉल सेंटर, पूरे देश से हज़ारों युवाओं को लुभाते थे, उनके जैसे लोग, नए लोग।

अली मिठाई का डिब्बा लेकर लौटा।

श्री चैम्पियन ने कहा, "बेंगलुरु में यदि आपके पास प्रतिभा है तो वहां बाजार मौजूद है।"

इस बार उसने वही सवाल पूछा जो हमेशा उसके दिमाग में आता था। "और
मेरी प्रतिभा क्या है, मिस्टर चैंपियन?"

"पीटर, कृपया। क्या आप नहीं जानते कि आपकी प्रतिभा क्या है?"

"मेरे पास पोग्गीस्ट नहीं है।"

"धुंधली, एंजी। आरंभिक एफ-ध्वनि, पी नहीं। आरंभिक डब्ल्यू-ध्वनि, वी नहीं, और वाइस
विपरीत। शादी, न कि शादी। अनिश्चितता, न कि अनिश्चितता। विपरीत नहीं ।
विकास करो, पतन नहीं । अभ्यास करते रहो।"

वह रो सकती है। वे हमेशा तुम्हें खोज लेंगे।

"तुम्हारी प्रतिभा, एंजी? तुममें जुनून है। तुम संतुष्ट नहीं हो। लेकिन तुम अभी भी बहुत मासूम हो। एक युवा लड़की में मासूमियत आकर्षक होती है, लेकिन नहीं

Machine Translated by Google

अंधापन, अज्ञानता नहीं। हमारी ओर देखो।" वह उसे शामिल करने के उसके तरीके पर मुस्कुराई, लेकिन फिर उसने कहा, - " हमारी ओर ध्यान से देखो, एंजी, अली और मेरी ओर एक लंबी नज़र डालो।"

उसका नाम सुनते ही अली मुस्कुराया और नाचने लगा। लड़का अच्छा डांसर था; उसने शायद सौ फ़िल्में देखी होंगी। और फिर पीटर खड़ा हुआ और उसने अली के कंधे पर हाथ रखा और अली ने अपना सिर पीटर के गाल पर टिका दिया।

चेतना के उदय के साथ भावनाओं का टकराव हुआ: वह ऐसा कर सकती थी
चीखी, लेकिन इसके बजाय वह फुसफुसाते हुए बोली, मुश्किल से एक सांस से ऊपर, "ओह।"

पीटर ने बैंगलोर में उन जगहों के बारे में बताया जहाँ वह रह सकती थी। वह ब्रिटिश काल की बूढ़ी महिलाओं को जानता था जो शहर के बीचों-बीच पुरानी हवेलियों में कमरे किराए पर देती थीं, ऐसे घर जिन्हें करोड़ों रुपये में बेचा जा सकता था (और समतल किया जा सकता था, उनके उलझे हुए बगीचों को पार्किंग स्थल और स्विमिंग पूल के लिए काट दिया जा सकता था), लेकिन बूढ़ी महिलाएँ कहाँ जाएँगी? बूढ़ी एंग्लो-इंडियन महिलाएँ जिनके बच्चे ऑस्ट्रेलिया या कनाडा भाग गए थे, जिनके पोते-पोतियाँ कभी भारत नहीं देख पाएँगे, पागल बूढ़ी महिलाएँ जिनकी शिष्टाचार की भावना स्वतंत्रता-पूर्व के दिनों तक पहुँच गई थी और जो ("मेरा विश्वास करो!" वह हँसा) कभी भी भारत के स्वतंत्रता सेनानियों और स्वतंत्रता के प्रति सहानुभूति नहीं रखती थीं, लेकिन फिर भी जो 1970 के दशक की कीमतों पर कमरे और चाय और टोस्ट का नाश्ता और मटन स्टू का खाना देती थीं। ऐसी महिलाओं में बहुत कुछ क्षम्य था। केव गार्डन या केंट टाउन में एक जगह, यही एंजी को चाहिए थी। और वह जानता था कि जो महिलाएं नए पैसे कमाने वाले कॉल सेंटर चलाती थीं, वे हमेशा अच्छी अंग्रेजी और मधुर आवाज वाली लड़कियों की तलाश में रहती थीं, जो अमेरिकी कॉल करने वालों को यह सोचकर बेवकूफ बना सकें (मैं यह कर सकती हूं? वह पूछने ही वाली थी। क्या मैं अमेरिकियों को बेवकूफ बना सकती हूं?) कि वे बोस्टन या शिकागो की किसी लड़की से बात कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, "आखिरकार, उन क्षेत्रीय लहजों का प्रयोग करने का मौका मिला जो मैंने तुम्हें सिखाए थे।"
"तुम बहुत अच्छी हो, एंजी, तुम मेरी अब तक की सबसे अच्छी छात्रा हो।"

"यह पाँच डॉलर होगा ," उसने याद करते हुए कहा।

शिकागो का 'ओ' 'ए' की तरह सुनाई देता है। बोस्टन का 'आर' भी ऐसा ही है।

Machine Translated by Google

"मैंने तुम्हें स्नातक स्तर पर कहा था कि तुम्हें यह जगह छोड़ देनी चाहिए, इससे पहले कि तुम एक खराब शादी में फंस जाओ। मैं तुम्हें फिर से बता रहा हूँ, ऐसा होने दो और फिर तुम मर जाओगे।"

वे क्यों कहते हैं कि यह मृत के समान अच्छा है ? क्यों नहीं इतना बुरा? लेकिन यह सही नहीं था
पूछने का समय आ गया है। वह अपना हाथ उसकी बांह पर रखने वाला था और वह उत्साहित महसूस कर रही थी। "मेरे पास तुम्हारे लिए सपने हैं। तुम यहाँ के किसी लड़के से शादी करोगी, और सपना मर जाएगा। तुम कभी दुनिया नहीं देख पाओगी।" उसने उसकी टी-शर्ट का अध्ययन किया। "नहीं ... डॉर्टमुंड, नहीं ब्रातिस्लावा। तुम्हारे बच्चे होंगे और एक पति होगा जो तुम्हारी बुद्धिमत्ता और तुम्हारी अंग्रेजी से ईर्ष्या करेगा और तुम्हें घर से बाहर नहीं जाने देगा, और यह मेरा दिल तोड़ देगा।" इस बार, उसने अपना हाथ उसकी बांह पर रखा - "तुम समझती हो?"

अली ने मीठे टुकड़ों से भरी प्लेट को ऐसे उठाया जैसे उसमें चींटियाँ रेंग रही हों और शोर मचाते हुए उसे साबुन के पानी के कटोरे में फेंक दिया। उसे उससे जलन हो रही थी! वह तो बस एक बच्चा था। उसने अपनी टपकती हुई उँगलियों को आँखों के स्तर पर उठाया और पेंट किए हुए नाखून पर चिप को घूरा।

"मैंने तो बस आपको शुरुआत दी है। बाकी सब आप पर निर्भर है।"

फिल्मों में, हिसाब-किताब का एक पल होता था। उसे अपने उपकारकर्ता के घर से बाहर जाने की अनुमति नहीं होती थी, बिना किसी उपकार के, या इससे भी बदतर। बाकी सब मेरे ऊपर है? दरवाज़ा बंद कर दिया जाएगा। वह उसका हाथ थामेगा, फिर उसे जाल की तरह पकड़ लेगा। लेकिन पीटर उसका शिक्षक था और शिक्षक की मदद के पीछे पवित्रता और नेक इरादे होते थे। यह उसके दिल से आया था क्योंकि उसने इसे सम्मानपूर्वक अर्जित किया था। पीटर मुस्कुरा रहा था और यहाँ तक कि एली भी मुस्कुरा रहा था, और पीटर ने अपना हाथ उसकी ओर बढ़ाया और कहा, "शुभकामनाएँ, एंजी।"

उसने उसका हाथ थाम लिया। अली ने अपना हाथ आगे बढ़ाया, जिससे वह उलझन में पड़ गई: नौकर का हाथ मिलाना?
पास से देखने पर, वह उसकी आँखों में काजल की महीन रेखा देख सकती थी।
असमंजस के उस क्षण में उसने देखा कि पीटर ने अली की कमर पर हाथ रखा और उसे अपने पास खींच लिया। "मुझे उम्मीद है कि तुम्हें भी खुशी मिलेगी," उसने कहा।

इसके बाद उर्दू में और शब्द बोले गए और अली ने हंसते हुए अंग्रेजी में कहा, "गुड लक, अंजलि।"

फिर वह उसे बस स्टॉप तक ले गया।

Machine Translated by Google

2

अगर कोई लड़की पर्याप्त रूप से प्रेरित है, तो वह अपने पिता द्वारा चुने गए "लड़कों" के साथ कुछ महीनों के समर्पित ध्यान से पश्चिमी डेटिंग के दस साल के अनुभव को निकाल सकती है - हालाँकि शायद सारा सेक्स और दिल टूटना नहीं। वह लोकप्रियता, ग्लैमर और परिष्कार के भ्रम का आनंद ले सकती है। वह "रिश्ते" गढ़ सकती है और नए शहरों, नए परिवारों और नई दुनिया के खुलने के बारे में कल्पना कर सकती है, बिना घर छोड़कर बैंगलोर भाग जाने के डर के। अरेंज मैरिज मार्केट की भारी निगरानी वाली दुनिया में भी, एक लड़की जुनून गढ़ सकती है और अपनी मासूमियत खो सकती है। अंजलि स्वायत्तता के इनकार के लिए अपनी संस्कृति की सांत्वनाओं से जुड़ी हुई थी।

वह लगभग बीस वर्ष की थी, वाणिज्य स्नातक की पढ़ाई में कुछ महीने ही हुए थे। लेकिन, उसके पिता जानना चाहते थे कि क्यों, जब तक वह बी. कॉम. नहीं कर लेती, तब तक वर की तलाश में दो और साल की देरी की जाए? इसलिए यह तय किया गया कि जब तक वह एक योग्य "लड़के" की तलाश में खुद को थका नहीं लेता, तब तक वह सप्ताहांत में अपने अपार्टमेंट में आयोजित होने वाली अमेरिकी अंग्रेजी वार्तालाप कक्षाओं में भाग लेना जारी रखेगी। अच्छी अंग्रेजी का मतलब है अच्छा साथी। वह अमेरिकी की फीस का भुगतान करने के लिए अपनी बचत में से पैसे निकालने को तैयार था क्योंकि अगर उसके काल्पनिक पति पर कोई विपत्ति आती, तो वह स्कूल के विद्यार्थियों को ट्यूशन देकर मदद कर सकती थी। अंग्रेजी-भाषा कौशल की हमेशा मांग रहेगी।

"क्या पति, बाबा?" अंजलि ने विरोध किया, हालाँकि वह सप्ताहांत कक्षाओं में भाग लेने के लिए उनके आशीर्वाद से प्रसन्न थी। "तुमने अभी तक तलाश शुरू भी नहीं की है, और तुम चिंता कर रही हो कि वह विकलांग या बेसहारा हो जाएगा!" यह उसके पिता द्वारा सोनाली के पति को चुनने में की गई भयानक गलती को स्वीकार करने के सबसे करीब था। बोस परिवार में, एक विवाहित महिला को परिस्थितियों के कारण नौकरी करने के लिए मजबूर होना एक त्रासदी थी। एक तलाकशुदा एकल माँ जो कार्यालय में टाइपिस्ट के रूप में लंबे दिन काम करके खुद और अपनी चार साल की बेटी का भरण-पोषण कर रही थी, एक आपदा थी।

मिस्टर बोस उसे अनदेखा करते हुए व्हिस्की के अपने रात के पैग पर वापस चले गए। अंजलि ने विवाह बाजार में अपनी संपत्ति और देनदारियों का हिसाब लगाया। सोनाली के विपरीत, वह लंबी और पतली थी, और अनुकूल प्रकाश और कपड़ों के नीचे, सुखद दिखती थी

Machine Translated by Google

-नहीं, इसे ठीक-ठाक सुंदर बनाओ। नकारात्मक पक्ष यह था कि उसमें गायन, नृत्य और सिलाई जैसी योग्यताएँ नहीं थीं, जो पारंपरिक रूप से दुल्हन के उम्मीदवारों से अपेक्षित होती हैं। वह जिद्दी, हठी और आवेगी भी थी और मध्यवर्गीय गौरीपुर मानकों के अनुसार, अनुचित रूप से मिलनसार थी। ये सुधारे जा सकने वाले या कम से कम छिपाने योग्य दोष थे। एक दोष जिसे दूर नहीं किया जा सका, वह था उसकी आँखों का रंग: हरा-भूरा। उसकी माँ ने प्रार्थना की कि उसकी पीली आँखें काली हो जाएँ। काले बाल, काली आँखें, गोरा रंग, तीखी नाक और पतले होंठ जातीय शुद्धता के अचूक प्रमाण थे, जबकि भूरे बाल और हल्की आँखें किसी समय और स्थान पर किसी यूरोपीय के साथ छेड़छाड़ का संकेत देती थीं। अंजलि ने अपनी माँ को याद दिलाया कि सोनाली की लंबी-लंबी काली आँखों ने एक कामुक बदमाश को पाला है जिसने न तो बच्चे का भरण-पोषण किया और न ही गुजारा भत्ता।

उसका विवाह करना उसके पिता का हिंदू कर्तव्य था: अंजलि ने इसे स्वीकार कर लिया।
उसके मनमौजी व्यक्तित्व को देखते हुए, वह उससे शादी करने के लिए उत्सुक था, इससे पहले कि वह उसकी प्रतिष्ठा को धूमिल कर दे और पूरे परिवार को बदनाम कर दे: वह भी यह बात समझती थी। वह अपने माता-पिता से अपनी इच्छाओं और डर के बारे में बात नहीं कर सकती थी, लेकिन वह जानती थी कि कब उन्हें खुश करना है और कब उनका विरोध करना है।

विवाह-सम्बन्धी अभियान की शुरूआत सहजता से हुई। उसके पिता शायद दफ़्तर से घर आकर कहते, "आज दोपहर को मि. प्रदीप सेन के साथ चाय पी।
वह अपने बेटे के लिए किसी की तलाश कर रहा है।" अर्थपूर्ण विराम। "अंजलि, तुम्हें सेन्स याद है, है न?" और वह जो कुछ भी कर रही थी, उसे छोड़कर, जो कि बहुत ज़्यादा नहीं हो सकता था, क्योंकि वह रसोई में काफ़ी बेकार थी, और कह सकती थी, "मुझे विश्वास है कि तुम बक टूथ सेन की बात नहीं कर रही हो। शुभकामनाएँ!" इस तरह के छोटे-मोटे परीक्षण, आसानी से टाले जा सकते हैं। और उसके पिता जवाब देते, "सेन एक अच्छा परिवार है।

हर कोई श्री प्रदीप सेन की नानी के भाई को याद कर रहा है, जो अभी एक लड़का था, उसे अंडमान द्वीप पर शापित अंग्रेजों ने फांसी पर लटका दिया था।" बोस परिवार में मंगनी की औपचारिकताएं अंग्रेजी में पूरी की जाती थीं। नाश्ते के दौरान श्री बोस स्थानीय बांग्ला अखबार में शादी के विज्ञापनों के पन्ने पर लड़कों को देखते हुए रुक जाते थे। "होनहार लड़का, इंजीनियरिंग, अमेरिकी ग्रीन कार्ड का इंतजार कर रहा है।" अखबार की तस्वीर वीजा के आकार की, वीजा के साथ पोज की गई दानेदार काली-और-सफेद से कम हो गई थी, जो उसकी संभावनाओं के अनुमान के लिए अपमानजनक थी। उसने सोचा, वे वास्तव में सोचते हैं कि यह क्लर्क-इन-वेटिंग मेरे लायक है? "क्या मैं इस युवा लड़के को एक लाइन लिखूं?" उसके पिता पूछते, और अंजलि, एंजी की तरह महसूस करते हुए जवाब देती, "तुम ऐसा करो

Machine Translated by Google

और मैं अब बाहर आ गया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।" वे आपस में झगड़ने लगे और हंसने लगे।
उनकी लड़की में आत्मसम्मान था, जिसे माता-पिता अच्छी बात मानते थे; वह थोड़ी जिद्दी भी थी, जो अच्छी बात नहीं थी।

एंजी ने सोनाली को लिखा कि घर पर सब कुछ सामान्य जैसा ही है।
बड़बड़ाना, धमकियाँ, मिन्नतें, आलोचनाएँ और वादे: माता-पिता- अविवाहित बेटी की चालों का पूरा पिटारा। कुछ भी ऐसा नहीं जिसे वह संभाल न सके।

सोनाली ने चेतावनी दी कि विवाह-सम्बन्धी दूर क्षितिज पर एक छोटे बादल के रूप में शुरू हो सकता है, लेकिन इसके खत्म होने से पहले, वैवाहिक मानसून टूट जाएगा, और दुनिया में कोई भी बाढ़ के पानी को रोक नहीं पाएगा। अंजलि मन ही मन उसके विनाशकारी प्रकोप का इंतज़ार कर रही थी।

तीन महीने बाद अंजलि अभी भी गौरीपुर में थी और खुद से बहाने बना रही थी। मानसून से पहले की गर्मी अपने चरम पर थी। कुछ भी नहीं हिल रहा था, चारों तरफ गर्मी और धूल थी, लेकिन दो हजार किलोमीटर दक्षिण में मौसमी कम दबाव देखा गया था। कम दबाव का मतलब था मानसून। मानसून का मतलब था कीचड़, ठंडा मौसम और मच्छरों से कुछ समय के लिए राहत - और इसका मतलब था कि अगला स्कूल वर्ष जल्द ही शुरू होने वाला था।

उसके नियंत्रण से बाहर, अचानक विवाह अवश्य हो सकता है।
फिर भी, उसे लगा कि अपने माता-पिता को वैवाहिक जीवन की परीक्षा लेने देना ही उचित है। अकेले बैंगलोर जाने की संभावना एक बहुत बड़ा जीवन-विध्वंसक या मुक्तिदायक निर्णय होगा। उसे योजना बनाने के लिए समय चाहिए था। उसने सोनाली द्वारा वर्षों से भेजे गए कभी-कभार मनीऑर्डर से नकदी बचाई थी, लेकिन शायद यह ट्रेन के किराए के लिए पर्याप्त नहीं होगी। गोपनीयता के प्रति असहिष्णु परिवार से बिलों के छोटे-छोटे ढेर को छिपाना भी एक चुनौती होगी। शायद वह इसे अपनी माँ के "बस मामले में" धातु के ड्रमों में से किसी एक के नीचे छिपा सकती थी जिसमें चावल, चीनी और दाल की छह महीने की आपूर्ति जमा थी। "बस मामले में" उसकी माँ का मंत्र था। आपदाएँ प्रतीक्षा कर रही हैं; उन्हें टाला नहीं जा सकता, और कोई भी भरोसा करने वाला नहीं है। हर कोई भ्रष्ट है, विकृत मूल्यों वाला है। यहाँ तक कि अंजलि के पिता भी जांच के दायरे में आए: "जब बुरा समय फिर से आएगा," वह सब्ज़ियाँ काटते समय कहती थी, "तुम

Machine Translated by Google

क्या आपको लगता है कि आपके पिता आपको बचा सकते हैं? हाह! मेरे पिता ने मेरी बहनों और मुझे सहारा दिया। हमें कभी भी कमी नहीं हुई, यहाँ तक कि अकाल के समय भी। पाँच बेटियों की शादी हो गई, सभी को अच्छा दहेज मिला!"

"बुज़ले?" क्या तुम समझ गए?

"बुज़्लुम।" हाँ, मैं समझ गया। यह बोस-परिवार की बंगाली भाषा थी: एक प्राचीन बोली में एक अंदरूनी मज़ाक। लेकिन इस अवसर पर इसका उद्देश्य लागू करना था। क्या आप समझ रहे हैं कि मैं क्या कह रहा हूँ, और क्या आप वैसा ही करेंगे जैसा मैं कहूँगा?

बुज़्ले, बुज़्लुम.

बोस, असमंजस के सागर में बचे हुए बंगाली समुदाय का हिस्सा थे।
हिंदी बोलने वाले बिहारी। एंजी के माता-पिता और एक समय में प्रमुख रहे बोस परिवार की तीन पीढ़ियों ने दंगों और दुकानों में आगजनी, लूटपाट, हत्या और राजनीतिक घोटाले की सांप्रदायिक यादों को आत्मसात कर लिया था और उनसे सबक लिया था। "ये लोग..." उसके माता-पिता शिकायत करते थे, कभी-कभी कुछ और नहीं कहते थे - "इन लोगों के साथ, क्या कहना है?" ये लोग उनके तंग, मरते हुए, छोटे शहर के "प्रवासी" बंगाली-बिहार समुदाय के बाहर कोई भी हो सकते हैं। यहां तक कि अन्य बंगाली - जो बड़े शहर कोलकाता के प्रलोभनों के संपर्क में थे - उनके खिलाफ साजिश का हिस्सा थे। तो क्या कोई भी उनकी जाति और सामान्य आय स्तर का नहीं था, या कोई भी जिसकी स्थानीय जड़ें तीन पीढ़ियों से कम थीं, सभी अल्पसंख्यकों का उल्लेख नहीं करना चाहिए सिवाय शायद पारसियों के (ऐसा नहीं है कि कोई पारसी कभी गौरीपुर में रुका और रुका था) और अन्य क्षेत्रों के सभी लोगों को छोड़कर।

"भगवान, थोड़े से प्रलोभन के लिए मैं क्या कुछ नहीं दूंगी!" अंजलि कहा करती थी।

गौरीपुर में भी वह एक महान राष्ट्रीय विभाजन के आधुनिक पक्ष में पली-बढ़ी थी। गौरीपुर के पिछड़े इलाके से, उसे किसी तरह बुखार लग गया था; वह साहसी नए भारत का हिस्सा थी, जो हर जगह बराबर थी, एक ऐसी भूमि जो उड़ान भरने के लिए तैयार थी। उसके माता-पिता पूरी तरह से विदेशी थे, एक संदिग्ध, दरिद्र, अपमानित भारत का हिस्सा थे। वे उन चीजों पर कैसे विश्वास कर सकते थे जो उन्होंने कीं और जीवन भर भोजन जमा करते रहे, खुद को आराम से वंचित रखते रहे, और आनंद में देरी करते रहे? जब आपकी सारी ऊर्जा अपने कंधे पर हाथ रखकर देखने में खर्च हो जाती है, तो आप कैसे आगे बढ़ सकते हैं? वे कभी प्रगति नहीं कर सकते थे; वे बीमार थे

Machine Translated by Google

इसके लिए तैयार। कितनी क्रूर नियति है, बुद्धिमान और महत्वाकांक्षी होना और अपनी खुशी के हिस्से की लालसा करना - और अवसर से वंचित होना!

उसकी बंगाली भाषा की कुशलता दोषपूर्ण है और अभ्यास के लिए उसके अलावा कोई नहीं है। अपने माता-पिता के साथ, वह हमेशा हिंदी फिल्मों, हिंदी संस्कृति और हिंदी बोलने वाले लड़कों के प्रति आकर्षित होती थी। बंगाली लड़के, जैसे कि उसके जातीय रूप से अलग-थलग पड़ोस के लड़के, बहुत अच्छे-अच्छे और बहुत डरपोक लगते थे। लेकिन सांस्कृतिक पैटर्न और लंबे समय से पोषित पूर्वाग्रहों को देखते हुए, श्री.

बोस गैर-बंगाली आवेदकों पर विचार नहीं करेंगे।

"जल्दी करने की कोई ज़रूरत नहीं है," अंजलि कहती। क्या होगा अगर वहाँ कोई आदर्श लड़का हो? क्या उसे खुद को आजमाने का मौका नहीं देना चाहिए था? उसके पास अभी भी समय था कि वह देखे कि क्या उसके पिता उसे पा सकते हैं, आदर्श पुरुष, आधुनिक पोशाक में एक सुडौल मूंछ वाला भगवान राम। उसे संदेह था कि वह ऐसा कर सकता है। उसकी कल्पना उन लड़कों तक सीमित थी जो उसके जैसे पुरुष बनेंगे, सफ़ेद शर्ट पहने लड़के जो मरणासन्न नौकरशाही में सुरक्षित संभावनाओं वाले होंगे। वह अपने पिता के प्रति निष्पक्ष होगी।

वह उसे और छह महीने का समय देगी। अगर सब कुछ निराशाजनक लगता है, अगर वह कोई बढ़िया सौदा नहीं कर पाता है, तो वह निश्चित रूप से घर से बाहर निकल जाएगी, पीटर के पास जाएगी, और उससे दहेज के बदले में पैसे मांगेगी, और बैंगलोर से एक पोस्टकार्ड भेजेगी। पीटर ने बैंगलोर को नरक के शहरों से आने वाली उज्ज्वल, प्रेरित महिलाओं के लिए एक शरणस्थल बना लिया था। गौरीपुर एक नरक था, लेकिन वह नहीं जानती थी कि वह पीटर की चमक या हताशा के उच्च मानक को पूरा करती है या नहीं।

इस बीच, वह कुछ नया करने का आनंद ले सकती थी, आकर्षक होने की चर्चा, ध्यान का केंद्र होना। जब तक युवा भगवान राम नहीं मिल जाते, तब तक उसे अपनी सुंदरता को बढ़ाने वाली किसी भी चीज़ से वंचित नहीं किया जाएगा। कोई भी नई साड़ी नहीं रोकी जाएगी। सोने की दुकान, कैलेंडर गर्ल हेयर-एंड-नेल्स सैलून, यहाँ तक कि फैंसी होटल के रेस्तरां में भी जाना होगा, बस अपने माता-पिता के सामने सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित होने के लिए। वह शादी की लॉटरी भी जीत सकती है: एक मधुर स्वभाव वाले और सुंदर पति और प्यार करने वाले ससुराल वालों से पैसे और अच्छे दिखने वाले बच्चे पा सकती है। फिर भी, उसने ऐसी शादी के बारे में कभी नहीं सुना था।

लेकिन एक लड़की सपने तो देख सकती है, है न? वह यकीन कर सकती है कि वह अभी भी जीवित है नियंत्रण में है और विवाह की तैयारियों की सुनामी को पलटा जा सकता है, कि उसके पास इसे रद्द करने की शक्ति है।

Machine Translated by Google

अब जब उसकी शादी का समय आ गया था, तो उसके माता-पिता ने उन्नीस साल के कठोर आकलन को पलट दिया और अचानक से सावधानी से स्वीकृति दे दी। उसे विनम्र और लचीला, बंगाली सद्गुणों की एक बेदाग प्रतिमूर्ति के रूप में प्रचारित किया जा सकता था। बेशक, वह खाना नहीं बना सकती थी, नाच नहीं सकती थी, गा नहीं सकती थी, या टैगोर की कविताएँ नहीं सुना सकती थी। लेकिन कम से कम वह एक आधुनिक, शहरी, स्वार्थी भौतिकवादी लड़की नहीं थी।
बिहार एक स्वच्छ बुलबुला था, आधुनिक शहरी जीवन की दुर्बल करने वाली व्याकुलताओं से दूर। जब तक वैवाहिक कुल्हाड़ी नहीं गिरी, जिसने उसे जीवन के सभी वादों से अलग कर दिया, वह सभी के ध्यान का केंद्र थी।

मानसून बढ़ रहा था, और लगातार करीब आ रहा था।

उसके माता-पिता ने यह अनिवार्य कर दिया था कि जींस और टी-शर्ट केवल घर के अंदर ही पहनी जा सकती है, सुबह-सुबह। दोपहर के भोजन और एक सुंदर झपकी और स्नान के बाद, उसे एक ताज़ा कलफ़ की हुई साड़ी, बालों को लटों में बाँधकर और फूलों से सजाकर, आँखों पर आईलाइनर लगाकर, चेहरे पर पाउडर लगाकर, अप्रत्याशित रूप से मिलने की उम्मीद में शालीन दिखना था। आखिरकार - विवाह वार्ता के आपसी घात में - एक लड़के के माता-पिता सामान देखने के लिए आ सकते हैं, लेकिन परिवार के सामान्य चरित्र, गृह व्यवस्था की गुणवत्ता, माँ की विनम्रता, पिता के अधिकार, सहज आतिथ्य, कर्मचारियों की विनम्रता, दिखावे की अनुपस्थिति का आकलन करने के लिए भी।

निश्चित रूप से वहाँ बहुत कम दिखावटीपन था जिसकी चिंता की जा सकती थी, और कोई कर्मचारी नहीं था, सिवाय एक महिला के जो हर सुबह फर्श साफ करने और रात में इस्तेमाल किए गए बर्तनों को साफ करने के लिए आती थी और एक लड़का जो हर दोपहर शौचालय साफ करता था। रात के खाने में, अंजलि की चपातियों पर उसकी चमक बढ़ाने के लिए अतिरिक्त घी लगाया जाता था, और मिठाइयाँ (जैसे रबड़ी, रसमलाई, राजभोग, महंगे व्यंजन जो बोस केवल मेहमानों के आने पर खरीदते थे) उसकी प्लेट में इस उम्मीद में रखी जाती थीं कि वह सभी सही जगहों पर थोड़ा और वजन बढ़ाएगी।

अधिकांश शामों में, उस शांत समय में जब उसके पिता अपने किराए के अपार्टमेंट के सामने वाले कमरे में एकमात्र आरामदायक रतन कुर्सी पर बैठे होते थे, रात के खाने से पहले स्थानीय व्हिस्की के तीन पैग पीते थे, और वह और उसकी माँ फर्श पर बैठी होती थीं, उसकी माँ फटी हुई शर्ट के कॉलर और कफ को सी रही होती थी और अंजलि परिवार के भारी हारमोनियम पर, जिसकी चाबियाँ टूट चुकी थीं और धौंकनी घिस चुकी थी, हिट बॉलीवुड गाने बजा रही होती थी, सपने लगभग पर्याप्त होते थे।

Machine Translated by Google

"इस बार मैं एक अच्छा लड़का ढूँढ़ लूँगा," श्री बोस अपनी पत्नी से नियमित रूप से वादा करते थे। "तुम्हारे पिता ने मुझे ढूँढ़ने से पहले ही अपने चप्पलों के तले घिस दिए थे। मैं भी ऐसा करने के लिए तैयार हूँ।"

उसने दो बांग्ला-भाषा के अखबारों में विवाह के लिए कई विज्ञापनों का जवाब दिया। एंजी को उम्मीद नहीं थी कि वह एक भी योग्य उम्मीदवार को अपने जाल में फंसा पाएगा - वह एक रेलवे क्लर्क था, क्षेत्रीय निदेशक भी नहीं - और यह तथ्य कि वह अभी भी उपलब्ध लड़कों के एक छोटे से हिस्से पर अपना ध्यान केंद्रित कर रहा था, ठीक था; उसकी पिछले दरवाजे से भागने की योजना खतरे में नहीं थी। फिर भी, कुछ घंटों के लिए जब उसकी माँ उसके बगल में बिस्तर पर खर्राटे ले रही थी, उसने खुद को दिवास्वप्न देखने दिया कि शायद कोई बॉलीवुड हंक, शाहरुख खान या अक्षय कुमार, शादी के साक्षात्कार के दौरान उसे अप्रतिरोध्य पा लेगा और उसे मुंबई, कनाडा या अमेरिका में छोड़ देगा। दिवास्वप्नों में, दुबई भी सहनीय लगता था।

बोस फ्लैट की हर चीज़, खास तौर पर सामने वाला कमरा, जहाँ कोई भी इंटरव्यू होना था, उसे उदास कर देता था। यह कमरा, जो दोनों में से बड़ा था, गद्दे से ढकी लकड़ी की चौकी से सुसज्जित था, जो आगंतुकों के बैठने और उसके पिता के बिस्तर के रूप में काम आता था, एक कांच के सामने की किताबों की अलमारी और असमान पैरों वाली दो लकड़ी की ऑफिस कुर्सियाँ। मच्छरदानी का एक गंदा, लुढ़का हुआ तंबू चौकी के ऊपर प्लास्टर की दीवारों में ठोंकी गई कीलों से चार छोरों द्वारा लटकाया गया था। दीवार पर लटकने वाली एकमात्र चीज़ दो कैलेंडर थे, एक चालू कैलेंडर जिसमें देवी दुर्गा की शेर पर सवार एक आकर्षक तस्वीर थी, और एक बेकार लेकिन दस साल पहले का शुभ कैलेंडर, जो उस साल चालू था जब उसके पिता को उनकी आखिरी पदोन्नति मिली थी।

उसके माता-पिता के बीच लगातार होने वाली कहासुनी के कारण उसके लिए पुराने हारमोनियम पर बॉलीवुड की धुनें बजाना मुश्किल हो गया था। यह उसकी अकेली स्त्रीत्व की सुंदरता थी, इसलिए महत्वपूर्ण थी।

"मुझे अभी भी एक अच्छा जमाई मिलने की उम्मीद नहीं है," मिस्टर बोस व्हिस्की की चुस्कियों के बीच कहते रहे। "अगर तुम्हारे पिता को मेरे जैसा कोई मिल गया, तो मुझे भी उतना ही अच्छा कोई मिल सकता है।"

सन्नाटा कानफोड़ू था।

Machine Translated by Google

श्रीमती बोस ने विरोध जताते हुए कहा, "मेरे पिता को बहुत-बहुत अच्छे प्रस्ताव मिले। पहले दिन से ही। मैं किसी एक्चुअरी से शादी कर सकती थी और पटना में एक बड़े घर में रह सकती थी।"

"कोई एक्चुअरी नहीं," अंजलि ने घोषणा की। "कोई दंत चिकित्सक नहीं, कोई प्रोफेसर भी नहीं।"

"आपसे किसने पूछा?" श्रीमती बोस चिल्लाईं।

"और पटना जैसे छोटे शहर से कोई नहीं!"

मिस्टर बोस ने एक धमकी भरा इशारा किया, अपने बाएं पैर से चप्पल उतारी और उसे ऊपर उठाया जैसे कि वह उसे मारना चाहते थे। "तुम्हें लगता है कि तुम अपने बड़ों को अंतिम चेतावनी दे सकते हो? शायद मैं तुम्हारी शादी किसी गांव के स्कूल टीचर से करवा दूं - क्या तुम यह मंजूर करोगे? हर सुबह बरगद के पेड़ के नीचे उसकी धोती प्रेस करो?"

"वह एक आज्ञाकारी लड़की है। वह वही करेगी जो आप उसे कहेंगे।"

"क्या आपको लगता है कि मेरा परिवार और मेरा वेतन एक एक्चुअरी या दांत निकालने वाले के लिए पर्याप्त नहीं है?"

"वह वास्को से स्नातक हैं।"

"बेकार।" श्री बोस ने नाक भौं सिकोड़ी।

"नशे में," श्रीमती बोस ने कहा।

एंजी ने पूछा, "केवल बांग्ला विज्ञापन ही क्यों?" "अंग्रेजी अखबार क्यों नहीं?
मैं किसी भी गौरीपुर अखबार में विज्ञापन देने वाले किसी भी आदमी से कहीं ज्यादा अच्छा हूं।"

"देखो, स्त्री, पुत्र न पैदा करके तुमने मेरी क्या हालत कर दी है?
मेरे सभी भाई बेटों के पिता हैं। लेकिन मैं? बेटियों के लिए दो गधे।"
वह कभी भी अपना मकान नहीं खरीद पाता, दो बेटियों और दो दहेज के साथ, जिनमें से बड़ा दहेज तो पहले ही बर्बाद हो चुका है।

"दुर्भाग्य तो दुर्भाग्य ही होता है।" श्रीमती बोस ने अपना गला पकड़ लिया। अंजलि के लिए यह उचित समय नहीं था कि वह यह ज्ञात तथ्य सामने लाए कि लिंग निर्धारण पुरुष से जुड़ा हुआ है। "लेकिन यह गधे जैसा दिमाग वाला नहीं है..."

Machine Translated by Google

मिस्टर बोस का मूड बहुत अच्छा था। "पत्नी के लिए गधा, बेटियों के लिए गधा!"

"आप अपनी चप्पलें नहीं घिस रहे हैं, आप अपनी जीभ घिस रहे हैं!"

उसे अपने पिता की सिद्ध अक्षमता से उम्मीद थी। परिवार में एक असफल विवाह, हालाँकि उसके पिता ने इसके लिए कोई दोष नहीं लिया, ने उनके अधिकार को कमज़ोर कर दिया था।

अंजलि के लिए, वह अब शिखर क्षण, ओपेरा जैसा कुछ नहीं जुटा सकता था
वह अपनी बहन के साथ अंतिम चेतावनी पर पहुंच गया था। उसे उस आखिरी रात की ठंडी सटीकता याद थी, हफ़्तों तक चिल्लाने और दरवाज़े पटकने के बाद: "मैंने उसके पिता से कह दिया है कि तुम इस लड़के से शादी करोगी। ज्योतिषी ने बोल दिया है, कुंडली मेल खाती है। मैं निमंत्रण पत्र छाप रहा हूँ। अब और कुछ कहने की ज़रूरत नहीं है!" उसकी बहन रोने के लिए अपने कमरे में भाग गई थी; उसकी कराहें पूरे घर में गूंज रही थीं।

"मुझे चाकू दो! मुझे ज़हर दो!" वह चिल्लाई।

फिर दो घंटे बाद वह पीली, सूखी आंखों वाली और विनम्र अवस्था में बाहर आई।

"आप सही कह रहे हैं, पिताजी," उसने कहा। "मैं बहुत बुरा व्यवहार कर रही हूँ।" उसने नई ब्रोकेड की साड़ी पहन ली और दहेज के लिए रखे सोने के खजाने को खंगाल डाला।
हाथों में चूड़ियां, कानों में झुमके, गले में हार और चोकर, जो साड़ी की तह के नीचे उसकी छाती में समा रहे थे, वह बोली, "जैसे तुम मुझे अब देख रहे हो, वैसे ही तुम मुझे मरने के बाद भी देखोगे।"

अंजलि को विवाह समारोह की अव्यवस्था याद आ गई।
गौरीपुर के हर बंगाली परिवार को निमंत्रण भेजे गए थे, लेकिन उपहार घटिया थे- पुरानी साड़ियाँ, सस्ते पर्स, फिर से उपहार में दिए गए नींबू पानी के सेट, एक इलेक्ट्रिक टेबल फैन और नौ फ्लैट लिफाफे, जिनमें से प्रत्येक में 101 रुपये नकद थे। चूँकि एंजी के हाथ साफ-सुथरे थे, इसलिए उसके माता-पिता ने उसे शादी के उपहारों का सही रिकॉर्ड रखने की जिम्मेदारी सौंपी थी। भोजन कम पड़ गया था, जिससे दूल्हा पक्ष की ओर से भद्दी टिप्पणियाँ की गईं। पुजारी ने विवाह की रस्में संक्षिप्त कर दीं और बाद में दुल्हन के कंजूस परिवार से प्राप्त रेशमी धोती-पंजाबी की घटिया गुणवत्ता के बारे में शिकायत की। हिजड़ों का एक दल अपनी भड़कीली साड़ियों, फूलों की मालाओं, प्लास्टिक के गहनों और अपने तिरछी नज़र वाले पुरुष के चेहरे पर चमकीली लिपस्टिक के साथ दिखाई दिया।

Machine Translated by Google

चेहरे। वे लड़खड़ाते हुए नाचते थे, बच्चों और यहाँ तक कि अंजलि को भी अपनी कामुक हरकतों, अपनी गहरी आवाज़, अपने लटके हुए बालों और फैले हुए गंजे धब्बों से डराते थे। अंजलि ने कसम खाई थी कि उसकी शादी में ग्लैमर और गरिमा होगी।

और ऐसा ही कुछ, विभिन्नताओं के साथ, बोस परिवार में रात-दर-रात चलता रहा।
लेकिन दिन में जब मिस्टर बोस ऑफिस में होते थे, तो मिसेज बोस नई योजनाएँ बनाती थीं। "छह महीने में," उनकी माँ ने लगभग चहकते हुए कहा, "तुम एक विवाहित महिला हो जाओगी।" उन्होंने कायस्थ जाति के आम उपनामों का ज़िक्र किया: एक श्रीमती।

दास, श्रीमती घोष, श्रीमती दासगुप्ता, श्रीमती मित्तर, श्रीमती डे, श्रीमती सेन, श्रीमती.
सिन्हा, श्रीमती भौमिक। "आपके पास एक नए शहर में एक नया घर होगा, जिसमें भाई-बहनों और माता-पिता का एक नया परिवार होगा। आप एक बिल्कुल अलग व्यक्ति बन जाएंगे।" नया परिवार भले ही देखने में आकर्षक लगे, लेकिन इसका मतलब निश्चित रूप से भविष्य में कब्र में जाना है।

श्री बोस के पास कार्यस्थल पर कंप्यूटर तक पहुंच नहीं थी और उन्हें इसकी जानकारी नहीं थी।
इंटरनेट का उपयोग कैसे करें। उसने मदद के लिए आस-पास के लोगों से पूछा, किसी के बेटे या बेटी के पास कंप्यूटर हो तो वह उसकी मदद कर सकता था, लेकिन कंप्यूटर कॉलेज में थे और कॉलेज में मानसून शुरू होने तक गर्मी की छुट्टियाँ चल रही थीं। पड़ोसियों ने नाम सुझाए, सभी ने सबसे विश्वसनीय वेबसाइट के रूप में बंगालीवेडिंग्स डॉट कॉम की सिफारिश की, जिसका वितरण सबसे व्यापक था। पड़ोस में एक लड़का था, निर्मल गुप्ता, जिसे श्योर-बेट-आईआईटी गुप्ता कहा जाता था, वह अंजलि का सहपाठी था और कंप्यूटर का जानकार था।

बोस दंपत्ति से कहा गया कि निर्मल के पास जाओ। सच में, बेटी की शादी के लिए एक गांव की जरूरत होती है। श्री बोस ने कोलकाता में दूर के रिश्तेदारों को यह संदेश भेजा और काम पर प्रबंधकीय स्तर के सहकर्मियों को सचेत किया कि वह अपनी नंबर दो बेटी के लिए जमाई की तलाश में हैं।

उसकी माँ ने अंजलि से कहा कि सभी वयस्क रहस्य खुलने वाले हैं।
सितारों के पीछे छिपा हुआ एक व्यक्ति का गुप्त भाग्य, अचानक उपजाऊ मिट्टी में उगने वाले बीज की तरह फूट पड़ेगा, जिसे सूरज और बारिश से पोषित किया जाएगा। वह सच्चा साथी जिसका भाग्य समय की शुरुआत से ही इस शानदार संयोग का इंतजार कर रहा था, अपनी पूरी पूजनीय शक्ति और सुंदरता के साथ साकार होगा।

यह महान आधुनिक विभाजन के दूसरी ओर से अभिभावकों के बारे में बातचीत थी।
श्रीमती बोस ने सोनाली द्वारा पत्नी के रूप में अपने पहले महीने में की गई बातों पर चुप्पी साध ली।

Machine Translated by Google

अंजलि को पुरुषों के "पशु स्वभाव" के बारे में बताया। सोनाली द्वारा विवाह-बिस्तर नाटक के विस्तृत वर्णन पर बहनें हंस पड़ी थीं। एंजी को संदेह था कि उसके पिता, अपनी युवावस्था में भी, पशु स्वभाव से संपन्न थे।

उसकी माँ ने कभी भी अपने पिता के साथ वैवाहिक उन्माद की उम्मीद नहीं की थी, अनुभव करना तो दूर की बात थी। एंजी चाहती थी कि वह अपनी माँ से पूछ सके कि मि. बोस के उसके दूल्हा बनने से पहले विवाहित जीवन के उसके सपनों ने क्या आकार लिया था। उसकी माँ ने सत्रह साल की उम्र में शादी कर ली थी। उसकी सास, बड़ी श्रीमती बोस, परिवार में एक घमंडी, महत्वाकांक्षी, शिक्षित महिला नहीं चाहती थीं, इसलिए उन्होंने मांग की थी कि लड़की स्नातक होने से ठीक एक महीने पहले स्कूल छोड़ दे। अंजलि की माँ ने उस शिकायत को जमा करके रखा था, वर्षों तक उसे चमकाया और चमकाया था, और घरेलू झगड़ों के दौरान उसे बड़े प्रभाव से सामने लाया था। उसके पिता के लिए, विवाह एक पवित्र कर्तव्य था; उसकी माँ के लिए यह अपमानों का संचय और दुखों का बदला था।

लेकिन सोनाली के लिए, जैसा कि सोनाली ने अंजलि को उनके दुर्लभ गुप्त पुनर्मिलन पर समझाया, अपनी संतान का सफल विवाह न तो कोई कला थी और न ही कोई विज्ञान। कुंडली से शायद सही तरीके से सूक्ष्म अनुकूलता की गणना की जा सकती है। लेकिन वैवाहिक सुख? यह तो भाग्य के हाथ में था।

नए विज्ञापनों को मिली प्रतिक्रिया बहुत बढ़िया थी।
भारत से तीस जवाब आए, दुबई से तीन, केन्या से दो, कनाडा से एक और मॉरीशस से एक: बंगाली कुंवारों का एक गाँव जो दुनिया भर में घूम रहा है, अपने कंप्यूटर पर काम कर रहा है। श्री बोस द्वारा चुनी गई लंबी सूची इतनी आशाजनक थी कि श्रीमती बोस ने, बहुत खुश होकर, रुपयों की एक पतली गड्डी छिपाई और अंजलि को पिंकी महल में कैलेंडर गर्ल के पास जाने का निर्देश दिया। "शॉर्ट-नोटिस इंटरव्यू के लिए तैयार रहना सबसे अच्छा है," उन्होंने समझाया। "वे ब्लीचिंग क्रीम और ऐसी ही अन्य चीजें इस्तेमाल करते हैं जो हफ्तों तक चलती हैं।"

जब उनकी मां घर के देवताओं की प्रार्थना कर रही थीं, श्री बोस
उच्च गति पर काम करना, यहां तक कि अंग्रेजी विज्ञापन पढ़ना और पुराने स्कूल के संपर्कों को फिर से खोलना।
("रांची में दासगुप्ता को याद करो? उनका एक लड़का था, मुझे यकीन है। अनिल, है न? मैं दीपक दासगुप्ता को लिखूंगा और अनिल के बारे में पूछूंगा...") और यह सिलसिला चलता रहा, पत्र भेजे गए, जवाब आने लगे दीपक दासगुप्ता ने जवाब में लिखा, "हमारा लड़का अनिल ··· आशाजनक, निराशाजनक.
एमबीए कर रहा है।"

Machine Translated by Google

मैरीलैंड-यूएसए। मुझे यह कहते हुए खेद है कि वह तथाकथित आधुनिक तरीके से अपना मैच बनाने का इरादा रखता है।"

इसका मतलब यह है कि वह पहले से ही एक अमेरिकी लड़की के साथ रह रहा है, एंजी ने सोचा।

"मैं आपकी प्यारी बेटी के बारे में रांची में बात फैलाऊंगा, जिसका चित्र बहुत ही सरल और मनभावन है..."

डाकिया भी इसमें रुचि लेने लगा क्योंकि वह मोटे-मोटे लिफाफे छोड़ता जा रहा था बायोडाटा और फोटो के साथ। "बड़ी बहन, बात चारों ओर फैल रही है," वह एक आकर्षक मुस्कान के साथ श्रीमती बोस को विदेशी डाक के साथ मनीला लिफाफे सौंपते हुए कहता था। "भगवान की इच्छा से, हम जल्द ही मिठाइयों के साथ जश्न मनाएंगे।"

श्री बोस ने शिकायत करते हुए कहा, "वह आदमी सिर्फ़ सही आवेदन देने के एवज़ में अपनी बख्शीश पाने में दिलचस्पी रखता है।" "ये लोग बिना कुछ दिए कुछ चाहते हैं।"

अंजलि को जीवन भर इस बात का एहसास होता रहा कि भावी दुल्हन किस तरह से अपना पैर खो सकती है। वैवाहिक सौदेबाजी के साँप-सीढ़ी के खेल में, एक लड़की के पास निराश करने के सौ तरीके होते हैं, फिर वह गिरती है, गड्ढे में गिरती है या इससे भी बदतर, जैसे कि वंडरलैंड में एलिस। असंगत कुंडली, अस्वीकृत दहेज प्रस्तावों, पैतृक घोटालों और जातिगत अनियमितताओं के सवालों को छोड़ दें, तो एक लड़की बहुत छोटी या बहुत लंबी, बहुत काली या बहुत गोरी, बहुत मोटी या बहुत सपाट, बहुत छोटी या बहुत हल्की आँखें, बहुत घुंघराले बाल, बहुत मुखर या बहुत दबा हुआ व्यक्तिगत व्यवहार, स्कूल के ग्रेड बहुत अधिक (संभावित रूप से बहुत अधिक व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा दिखाते हुए) या बहुत कम (प्रजनन स्टॉक के रूप में संभावित खतरे का संकेत) होने के कारण वांछनीयता पैमाने पर अंक खो सकती है। बेशक, एक सभ्य दहेज हमेशा किनारों को चिकना कर सकता है। कहने की जरूरत नहीं है, उसके पिता इसे प्रदान नहीं कर सकते थे।

एंजी ने पाया कि 99 प्रतिशत लड़के बिल्कुल भी आकर्षक नहीं होते। उनके बिस्तर पर सोना, उनके बच्चे पैदा करना, उनके लिए खाना बनाना, उनके सामने बैठना और उन्हें खाते और डकारते देखना, और जीवन भर उनकी आवाज़ और राय सुनना, विवाह के विचार को अंडमान द्वीप समूह में आजीवन कारावास की श्रेणी में रखता है। तीस लड़कों को अस्वीकार कर दिया गया; उनमें से कोई भी साक्षात्कार के चरण तक नहीं पहुंचा। "मैं तय करूंगा कि कौन अच्छा है," श्री.

Machine Translated by Google

बोस ने अब धमकी दी। "मैंने तुम्हें बहुत ज़्यादा ज़िम्मेदारी दे दी है। तुम उस विशेषाधिकार का दुरुपयोग कर रहे हो जो शुरू से तुम्हारा था ही नहीं।"

उसने शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों के पहले बैच को सिर्फ़ उनकी तस्वीरों के आधार पर खारिज कर दिया। "उनकी टेढ़ी-मेढ़ी आँखों को देखो!" वह कहती। या "वह हाथी जितना मोटा है!" या "ईश, उसके दाँतों को क्या हुआ? उसने डेन्चर पहना हुआ है।"
गंजे धब्बे, दोहरी ठोड़ी, बालों वाली भुजाएँ। वह अपने आप ही फैंसी मूंछों और साइडबर्न वाले लड़कों को नकार देती थी, जो नीली जींस और धूप के चश्मे में कूल दिखने की कोशिश करते थे, और जो बहुत अच्छे-अच्छे, बहुत दिखावटी या बहुत ही देसी दिखते थे। कृपया मम्मी/पापा या दादा-दादी या घर के पालतू जानवरों के साथ कोई तस्वीर न लें। नौकरों के साथ कोई मैन-ऑफ-द-पीपल शॉट न लें। उसे विदेशी सेटिंग से नफ़रत थी ("यहाँ एक तस्वीर है जो मैंने एफिल टॉवर के नीचे से खोदी है"...या "बकिंघम पैलेस"...या "स्टैच्यू ऑफ़ लिबर्टी"...या "गेट ऑफ़ फ़ॉरबिडन सिटी"...). ये आसान थे। लेकिन अगर कोई शानदार संभावनाओं वाला या सुंदर दिखने वाला लड़का वास्तव में सामने आता, तो वह शिकायत करने से पहले गंभीर जांच का दिखावा करती, "वह खुद को बहुत अच्छा समझता है, वह एक फ़ैशन मॉडल की तरह पोज़ दे रहा है।" या "ऐसा लड़का - अगर वह इतना परफेक्ट है, तो वे उसके लिए कोलकाता में कोई अमीर लड़की क्यों नहीं ढूँढ़ सकते?"

"यह तुम्हारी गलती है।" श्रीमती बोस ने अपने पति पर इस विफलता का आरोप लगाया, उन्हें "तुम्हारी दूसरी बेटी" के साथ हुई सारी परेशानियों की याद दिलाते हुए, उन्हें सोनाली द्वारा उचित रूप से अच्छे परिवारों से स्वीकार्य लड़कों को अस्वीकार करने की सभी गर्वपूर्ण बातों की याद दिलाते हुए। सोनाली ने कल्पना की थी कि उनके कोमल, गोल, भद्दे चेहरे उम्र बढ़ने के साथ दोहरी ठुड्डी में बदल जाएंगे, उनकी रूखी भौंहें जो केवल अनियंत्रित रूप से बढ़ सकती हैं ("मुझे यकीन है कि वह पहले से ही अपने कान के बाल काट रहा है!" सोनाली ने शिकायत की थी)। और देखो कि उसके सभी अस्वीकृतियों ने आखिरकार उसे क्या दिया - एक आदमी जो अपने खुद के अच्छे के लिए बहुत सुंदर है, एक आदमी जिसके पास शानदार संभावनाएं हैं और कोई उपलब्धि नहीं है, एक आदमी जिसने उसके दहेज का सोना चुरा लिया और शादी का मजाक उड़ाया।

"दो बेटियाँ!" श्रीमती बोस विलाप करती हुई बोलीं। "कोई जमाई नहीं!"

अंजलि की आखिरी अंग्रेजी वार्तालाप कक्षा के बाद - साक्षात्कार के लिए तैयार होने के बाद, उसने अपने माता-पिता को बताया; बैंगलोर के लिए तैयारी करते हुए, उसने खुद से कहा - उसने पीटर को बताया कि यह यात्रा उसकी आखिरी कक्षा होगी, जींस और टी-शर्ट में उसकी आखिरी सार्वजनिक उपस्थिति होगी, एक छात्र के रूप में उसका आखिरी दिन होगा। आखिरकार, उसके पास एक दिन था।

Machine Translated by Google

शादी के योग्य अंग्रेजी प्रवीणता प्रमाण पत्र, प्रथम श्रेणी। पीटर ने पूछा कि क्या वह शायद एक गोजातीय अंतराल ले रही थी।

" क्या?" उसने पूछा, और वह उसे घूरने लगा।

"गाय की तरह," उसने कहा। लेकिन उसने पैंतीस संभावित प्रेमियों को ठुकरा दिया था,
जिनमें से कुछ अलग परिस्थितियों में फॉलोअप के लायक हो सकते थे; इसे शायद ही कायरता माना जा सकता है।
लेकिन पीटर ने कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई। उसने उसे आश्वस्त किया कि बैंगलोर उसकी योजनाओं में था; वह केवल पानी का परीक्षण कर रही थी, अपने माता-पिता को खुश कर रही थी।

उन्होंने कहा कि बंगलौर के लिए उनकी मदद की पेशकश - जिसका मतलब है पैसा और संपर्क दोनों -
प्रतीक्षा कर रही थी, लेकिन इसकी समाप्ति तिथि थी।

"कब?" उसने ऊंची आवाज में पूछा।

"जल्द ही," उसने कहा। "ठीक है," पीटर ने कहा, "एक बोनस निजी अंग्रेजी
बैंगलोर से पहले का पाठ। क्या आपको कविता पसंद है?"

उसने उत्तर तो नहीं दिया, लेकिन उसे उचित उत्तर मालूम था।

"मैं चाहता हूं कि आप इसे पढ़ें और फिर इसे सुनाएं।"

यहां तक कि शीर्षक भी उसे उलझन में डाल रहा था। उसने पूछा, "रवेन क्या है?" अगर उसे पता ही नहीं था कि यह क्या है तो वह इसे कैसे पढ़ सकती थी?

"कौवा एक बड़ा काला पक्षी है जो कौवे की तरह होता है और किसी भारतीय छात्र को पकड़ सकता है
"आपने अभी 'रे-वेन' कहा है। फिर से कोशिश करें।"

वह दूसरे प्रयास में सफल हो गई, और "कमज़ोर और थकी हुई" होने की गलती नहीं की।

"अच्छा," पीटर ने कहा। "तुम्हारा अभ्यास बहुत पुराना नहीं है, एंजी।"

और फिर वह निराश हो गई "रेवेन ने कहा, अब कभी नहीं!" दो th's
लगातार? लगातार बीच में बनाम? वह रो सकती थी। लेकिन पीटर बस एक संगीत शिक्षक की तरह अपनी पेंसिल
को टैप करता रहा, और "फिर से, फिर से" कहता रहा, जब तक कि थक कर उसने सही काम नहीं कर लिया।

Machine Translated by Google

दो दिन बाद, अपनी माँ के साथ आम और संतरे की खरीदारी करते हुए, उसने पीटर को खुले बाज़ार में देखा। वह अपनी बाँह उठाकर इशारा करने वाली थी, लेकिन नहीं, वह ऐसा नहीं कर सकती थी, साड़ी में नहीं, सोने के कंगन झनझनाते हुए।
एंजी-इन-सारी अंजलि थी, जो अपने विद्यार्थी स्वरुप से अपरिचित थी।

और उसने सोचा, ठीक वैसे ही जैसे उससे पहले सौ पीढ़ियों की संभावित दुल्हनों ने सोचा था, नई बहनों और नए भाइयों और नए शहर में नए घर के बारे में इतनी सारी बातें क्यों और नई सास के बारे में चेतावनी क्यों नहीं जो उसका उपहास उड़ाए जबकि उसका नया पति पीछे बैठकर उसकी लापरवाही और खाना पकाने की आलोचना करे? शादी की स्थिति में उसका वादा किया गया पुनरुत्थान उसकी माँ और दादी से थोड़ा अलग होगा, सिवाय इसके कि उसके पास शिक्षा और महत्वाकांक्षा थी, बैंगलोर और बॉलीवुड जैसी उम्मीदें और पहले से तैयार संदेह का खजाना, जो उसकी बहन के भाग्य का शुक्रिया था।

पूर्णकालिक दुल्हन उम्मीदवार के रूप में कई महीनों तक काम करने के बाद, अंततः उसे पर्याप्त समझ आ गई पीटर और अली को एक तरह के अस्पष्ट वैवाहिक मैट्रिक्स में रखने के लिए दुनिया की कल्पना करें। और सोचें, कुछ समय पहले, उसने खुद को अली की भूमिका में पीटर की प्रेमिका के रूप में कल्पना की थी। यह सब आकर्षक था, और बस थोड़ा बीमार। और पीटर और अली के रहस्योद्घाटन के साथ दर्जनों और जटिलताएँ आईं, जैसे कि वे सभी पंक्तिबद्ध थीं, उसके दरवाज़ा खोलने और नई आँखों से देखने का इंतज़ार कर रही थीं: नए संयोजन, अजीब आलिंगन, असंभवता के उच्च शिखर और गहरी, अधिक जटिल घाटियों के साथ जटिल यौन आयाम, जैसे नेपाल में हिमालय की झुर्रीदार यात्रा।

Machine Translated by Google

3

सेनगुप्ता के मैरिज पोर्ट्रेट स्टूडियो में एक साफ-सुथरी रेशमी साड़ी में बैठने में तीन घंटे लग गए, जहां वांछनीय बेटियां अपने साथी से मिलती हैं, गौरीपुर में बंगाली लड़कियों के घटते समुदाय के लिए वैवाहिक जाल का केंद्र है।

जब बूढ़े शेकी सेनगुप्ता एक युवा, स्थिर हाथों वाले घुमंतू फोटोग्राफर थे, जिनके पास कोई स्टूडियो नहीं था, तब उन्होंने अंजलि की दादी की तस्वीर खींची थी, फिर उसकी मां की, और यहां तक कि उसके माता-पिता की माला से सजी शादी की तस्वीर भी खींची थी, जो अभी भी बेडरूम के ड्रेसर के बीच में रखी हुई थी।

वह सिडनी ओपेरा हाउस के क्वांटास पोस्टर के सामने एक टेबल पर बैठी थी, जिसे अतिरिक्त शॉट्स के लिए माउंट फ़ूजी और टोक्यो के गिन्ज़ा जिले के ऑल निप्पॉन एयरवेज पुल-डाउन स्क्रीन से बदला जा सकता था; अंत में वह एक बिस्ट्रो टेबल पर बैठी थी, एक बिना धुले एस्प्रेसो कप के साथ, टूलूज़-लॉट्रेक पोस्टर के सामने। एस्प्रेसो कप में हाल ही में मीठी कॉफ़ी थी।

एक मक्खी चिपचिपे अवशेष से बचने के लिए संघर्ष कर रही थी। उसने अपना चेहरा रहस्यमयी तरीके से खाली रखा, देखा कि उसकी रेशमी साड़ी बिना सिलवटों के बनी हुई है, और अपने ऊपरी होंठ से पसीना पोंछने के लिए खुद को केवल पाँच मिनट का ब्रेक दिया।

पॉण्ड्स कोल्ड क्रीम के विज्ञापन में लगे ब्रिटिशकालीन थर्मामीटर का तापमान 121 डिग्री था।

एक लंबी युवा सहायक लाइट और रिफ्लेक्टर लेकर आई। उसने मार्टिनी और रॉसी की छतरी के नीचे एक काल्पनिक अल्पाइन कैफे से आकर्षण बिखेरने की कोशिश की, जिसमें मैटरहॉर्न पृष्ठभूमि में था, जबकि लकवाग्रस्त फोटोग्राफर, शाकी सेनगुप्ता ने उसके चेहरे को टिश्यू से थपथपाया और अपनी मुस्कान से डिंपल को छेड़ने की कोशिश की, जिसे वह मुश्किल से ही ला पा रही थी।

"कोई बात नहीं, मैं जब भौंहें सिकोड़ता हूं तो डिंपल भी डाल देता हूं," उन्होंने कहा।
हिन्दी: "डिम्पल बहुत लोकप्रिय हैं।"

शाकी सेनगुप्ता और उनकी घटती हुई भारतीय विवाह फोटोग्राफरों की नस्ल में सच्चाई, जुनून या ईमानदारी के प्रति पूरी तरह से अनादर था। कहने का मतलब यह है कि वे विवाह व्यवस्था की अंतर्निहित द्वैधता में आदर्श समर्थक थे। हर लड़की एक निर्धारित तरीके से आकर्षक रूप से सुंदर थी।

Machine Translated by Google

कैमरा और उसकी अभिव्यंजक क्षमता ने फावड़े की तरह काम किया। कला टच-अप में थी: पकौड़ी को पतला करना, इस्त्री बोर्ड को फुलाना, छाती को फुलाना, आँखें बड़ी करना, दाँतों को सीधा करना और होठों को नम करना।

युवा सहायक ने अंजलि का ध्यान अपनी ओर खींचा। वह बहुत लंबा और पतला था, नीली जींस और सादे हल्के नीले रंग की टी-शर्ट पहने हुए था। वह शालीनता और दक्षता के साथ आगे बढ़ता था, और उसकी बांग्ला उससे भी खराब थी। वह ही था जिसने शॉट्स सेट किए, रिफ्लेक्टर की व्यवस्था की, और फोकस को मापा, वह सब कुछ किया जो शेकी अपने शुरुआती वर्षों में अकेले कर सकता था।

जब वह उसके एस्प्रेसो कप को साफ करने के लिए नीचे झुका, तो उसने कहा, "स्टूडियो सत्र वास्तव में बेकार हैं, है न?" उसका उच्चारण शुद्ध अमेरिकी था, बिना पीटर चैंपियन के भारत में दशकों के अनुभव के जो उसे नरम कर सके। उसकी उंगलियाँ सबसे लंबी और सबसे नाजुक थीं जो उसने कभी किसी पुरुष की देखी थीं।

"क्या कहा आपने?"

एक विश्वसनीय अमेरिकी उच्चारण, जो इन दिनों भारत में सीखना आसान है, हालांकि गौरीपुर में नहीं, उसे भुगतान करने वाले ग्राहक के साथ फ़्लर्ट करने का अधिकार नहीं देता। उसका मुख्य कर्तव्य उसे यह बताना था कि वह कितनी सुंदर दिखती है। इसके बजाय, वह अपने हाथों को अपने कूल्हों पर रखकर खड़ा था, और बर्फीले माउंट फ़ूजी पर चेरी के फूलों की पुल-डाउन स्क्रीन से उसे अलग कर रहा था।

"आप क्या साबित करना चाहते हैं?"

अब उसने उसके सौंदर्य के क्षेत्र में उसका अपमान किया था, ब्यूटी पार्लर से ताज़ा,
उसने गुस्से से कहा, "मैं कुछ साबित करने की कोशिश नहीं कर रही हूँ ।" उसे गर्मी बढ़ती हुई महसूस हो रही थी। "बस इतना कि मैं एक योग्य दुल्हन उम्मीदवार हूँ।"

"नहीं, तुम नहीं हो। तुम्हारा दिल इसमें नहीं है।"

"मेरे दिल का इससे कोई लेना-देना नहीं है। यह सिर्फ़ एक शादी की तस्वीर है। तुम बिना पंखे के रेशमी साड़ी नहीं पहनती। लाइट के नीचे तो पचास डिग्री तापमान होगा!"

Machine Translated by Google

उसने देखा कि वह थर्मामीटर की ओर देख रहा था। इसलिए, उसने सोचा, उसे थर्मामीटर की ज़रूरत है। मीट्रिक-प्रणाली तुल्यता; वह वास्तव में अमेरिकी हो सकता है। वह माउंट फ़ूजी के पीछे चला गया और ठंडे पानी से भरा एक धातु का कप लेकर लौटा। जैसे ही उसने उसे पीया, उसने पहाड़ का सामना किया। "सब कुछ इतना नकली है, हमें मज़ाक के साथ चलना चाहिए।" उसने स्क्रीन को नीचे खींचा और पहाड़ आंशिक रूप से लुढ़क गया, जिससे उनके पीछे पर्यटकों के पोस्टर, सीढ़ियाँ और कुर्सियों के अन्य रोल दिखाई देने लगे। "वोइला!" उसने कहा। "द विजार्ड ऑफ़ ओज़।" उसने तुरंत फैसला किया कि वह बहुत दयालु, बहुत मज़ेदार लड़का था। क्या वह उपलब्ध था?

"हर कोई जानता है कि मैं एक छोटे से स्टूडियो में हूं और पहाड़ तो बस एक सहारा है।"

"बिल्कुल! आप एक नकली परिदृश्य के सामने एक औपचारिक साड़ी में एक लाश की तरह बैठी हैं। इसलिए अगर हर कोई जानता है कि वे नकली हैं, तो आपको दिखाना चाहिए कि आप इसमें शामिल हैं। एक मेटा-विवाह फोटो! आप सबसे कूल होंगी, चाहे गर्मी हो या न हो।"

शकी सेनगुप्ता ने कहा, "कृपया पहाड़ को बहाल कर दीजिए। विषय के बारे में बात न करें।"

"एक ईश्वरीय मिशन, पहाड़ों को पुनर्स्थापित करना। बाद में मिलते हैं," लड़के ने अपनी एक लंबी उंगली अपने होठों पर दबाते हुए कहा। "मेरा नाम रवि चटर्जी है।" उसने उसकी उंगलियों के सिरे दबाये। उसका हाथ ठंडा था। "मैं भी एक फोटोग्राफर हूँ। बस अलग हूँ।"

चटर्जी? ब्राह्मण, इसलिए बोस से विवाह करना उनके लिए संभव नहीं था। खिड़की। उसे लगा कि वह गौरीपुर के सभी बंगाली परिवारों को जानती है, खास तौर पर वे जिनके लड़के दिलचस्प हैं, यहाँ तक कि ब्राह्मण भी जो आजकल हमेशा नखरे नहीं दिखा पाते। उसने विज्ञापन देखे थे, "जाति कोई बंधन नहीं है", खास तौर पर गरीब, कम आकर्षक और कम शिक्षित ब्राह्मण लड़के या लड़कियों के लिए।

जब वह घर वापस जाने के लिए जींस और टी-शर्ट पहनकर वापस आई, तो रबी उसका इंतज़ार कर रही थी। "मस्ती शुरू हो जाए," उसने कहा। इससे पहले कि वह पोज़ दे पाती, वहाँ लाइट्स और रिफ्लेक्टर्स और केबल्स और आधे-अधूरे प्रॉप्स की अव्यवस्था में, उसने एक छोटा सा सिल्वर डिजिटल कैमरा निकाला और उसे बार-बार शूट किया। उसने

Machine Translated by Google

उससे वादा किया कि उसकी तस्वीरों में जो लड़की है, उसका भाग्य शादी से अलग है, जो कि शेकी सेनगुप्ता की डिंपल वाली, बिना सिलवटों वाली रेशमी पोशाक वाली लड़की से बिल्कुल विपरीत है।

जब वे पिंकी महल के पास से एलबीएस रोड पर चल रहे थे, तो उसने पूछा कि क्या वह वाकई किसी लड़के को खोजने के बारे में गंभीर है। वह उसकी अपनी उम्र का पहला लड़का था जिसके साथ वह सार्वजनिक रूप से, अकेले, किसी छात्र समूह में नहीं, चली थी। और शायद आखिरी भी। उसने झिझकते हुए जवाब दिया, यह सोचकर कि, जैसा कि उसका रिवाज था, क्या वह खुद को पेश कर रहा था। वह इतनी तेजी से बोल रहा था कि उसकी अंग्रेजी एक अलग लय में एक विदेशी भाषा की तरह लग रही थी। उसे लगा कि उसकी साँस फूल रही है, बस वह उसके साथ तालमेल बिठाने की कोशिश कर रही है।

"यह मेरे माता-पिता के लिए है," उसने कहा।

वह रुका, मुड़ा और घूरने लगा। "तुम अपने माता-पिता के लिए शादी कर रही हो? यह पागलपन है।"

"अन्य लोगों ने भी यही बात कही है।" बेशक, वह एक और व्यक्ति अमेरिकी था। वह रबी जैसे लड़के में दिलचस्पी ले सकती थी, जो पूरी तरह ऊर्जा और उत्साह से भरा हुआ था, जिसका दिमाग तेज था, लंबी उंगलियाँ थीं और अंग्रेजी में वह कमाल की थी। "तुम्हें पता है कि यह कैसे काम करता है। मुझे इसमें कुछ नहीं कहना है।" फिर उसने सोचा, क्या वह जानता था कि भारत कैसे काम करता है? अपने नाम और रूप-रंग के बावजूद, वह पीटर चैंपियन से ज़्यादा विदेशी लग रहा था।

"भारत में आग लगी हुई है। अगर आप अभी शादी कर लेंगी तो जो हो रहा है उसे देख नहीं पाएंगी और आपको बहुत पछतावा होगा।"

गौरीपुर में आग लगी है? पीटर अक्सर ऐसा कहा करते थे और यह बात अब भी हास्यास्पद लगती है।
"बेंगलुरु और मुंबई में भले ही आग लगी हो, लेकिन गौरीपुर में अभी भी भयंकर ठंड है।" फिर, एक और उत्साहपूर्ण बात पर, "मुझे लगा कि मैं गौरीपुर के सभी बंगाली परिवारों को जानता हूँ। तो तुम कहाँ थे?" तुम कहाँ छिपे रहे? तुम क्यों आगे नहीं आए और किसी भी विज्ञापन का जवाब नहीं दिया? अगर उसे अनुमान लगाना होता, तो वह बोर्डिंग स्कूल के उन लड़कों में से एक था, जो देहरादून या दार्जिलिंग से थे, अंतरराष्ट्रीय संबंधों वाला एक भारतीय लड़का। या शायद उसके माता-पिता राजनयिक थे और वह विदेश में पला-बढ़ा था और अमेरिकी स्कूलों में गया था।

Machine Translated by Google

"मैं अपना सारा जीवन कैलिफोर्निया में ही बिता चुका हूँ।"

वह हँसी। "अब यह पागलपन है। कैलिफ़ोर्निया से कोई गौरीपुर जैसे छोटे से शहर में क्यों आएगा? यह एक जेल है!" उसने बस चीजों को धीमा करने के लिए बांग्ला में बात की थी। उसे उसकी तेज़-तर्रार अमेरिकी भाषा में गलती करने का थोड़ा डर था। उसकी और भी ज़्यादा हिलती हुई बांग्ला ने उसका आत्मविश्वास जगा दिया। उसकी लंबी, पतली टाँगें फुटपाथ को खा गईं; उसे उसके साथ चलने के लिए दौड़ना पड़ा।

"आप पूछ रहे हैं कि मैं यहाँ क्या कर रहा हूँ? मैं मज़े कर रहा हूँ। जब आप तस्वीरें ले रहे होते हैं, तो हर जगह दिलचस्प होती है... हर चेहरा खूबसूरत होता है... हर दिन अविश्वसनीय होता है और हर रात एक रोमांच होता है... जब आप कैमरे से देख रहे होते हैं, तो गौरीपुर अद्भुत होता है। जब मैं अपनी नज़र व्यूफ़ाइंडर पर डालता हूँ, तो सब कुछ बदल जाता है। मैं चीज़ों को तभी देखता हूँ, वास्तव में उन्हें तब देखता हूँ, जब मैं कैमरे से देख रहा होता हूँ। वे दक्षिणी फ्रांस में चित्रकारी प्रकाश के बारे में बड़बड़ाते हैं हा! यह भारत की तुलना में कमज़ोर है। उस चीज़ का नाम क्या है - पिंकी महल? ...

बस इसे देखो! यह शानदार है! ताज से भी बेहतर! यह तुम्हारा अपना रूएन कैथेड्रल है। मोनेट इसके लिए पागल हो जाएगा।"

आम तौर पर वह सिर हिलाकर मुस्कुराती, अपनी अज्ञानता दिखाने से डरती। लेकिन उसे लड़के पर भरोसा था; वह उस पर नहीं हंसेगा। वह पहला व्यक्ति था, पीटर चैंपियन के एक छोटे से अपवाद के साथ, जो आखिरकार अभी भी एक शिक्षक और उसका वरिष्ठ था, जिसने सम्मान पाने की उसकी नवजात इच्छा को समझा, यहाँ तक कि गलती भी की। "मोरे?" उसने पूछा। "वह एक मछली है।" एक मछली ने एक बर्बाद गिरजाघर को रंग दिया?

"क्लाउड मोने, मोनेट, प्रभाववाद के जनक।" उनका लहजा वह बेबाक, बातचीत करने वाला था, जैसे कि क्लॉड मोनेट और फ्रांस के एक शहर में उसका अजीबोगरीब गिरजाघर हर किसी की हल्की-फुल्की बातचीत का विषय हो। "मैं उन्हें फोटोग्राफी का जनक भी कहूंगा। उन्होंने दिन के अलग-अलग समय पर रूएन गिरजाघर को चित्रित किया, बस प्रकाश के विभिन्न कोणों के प्रभाव को दिखाने के लिए।"

प्रकाश के कोण! और वह तो मेरी ही उम्र का है! उसने सोचा।

उनके भाषण की गति बढ़ती जा रही थी। "मोनेट ने सब कुछ बदल दिया। उन्होंने विषय के अत्याचार को समाप्त कर दिया। माध्यम विषय बन गया, और माध्यम विषय बन गया।

Machine Translated by Google

माध्यम प्रकाश था।" तेज़, तेज़।

धीरे बोलो, प्लीज, उसने सोचा। मैं समझ नहीं पा रही हूँ - तुम बहुत तेज़ बोलते हो।
विषय का अत्याचार? इसका क्या मतलब है? माध्यम विषय बन जाता है; माध्यम प्रकाश है? तुम बहुत तेज़ चलते हो। तुम बहुत उत्साहित हो जाते हो। तुम नहीं जानते कि मैं कितना अज्ञानी हूँ। "उसने अलग-अलग मौसमों में घास के ढेर के साथ भी यही किया। आमतौर पर मैं रंग में काम नहीं करता, लेकिन मैं कल सुबह सात बजे, फिर दोपहर में, फिर तीन बजे और अंत में छह बजे यहाँ आया, और हर बार गुलाबी रंग अलग था और प्रकाश का कोण अलग-अलग दरारें और छायाएँ लेकर आया। दुनिया में कुछ भी वैसा नहीं है जैसा दिखता है - यह सब प्रकाश और कोणों का मामला है।

... यह बहुत सुन्दर था। बिहार बहुत सुन्दर है।

वैसे भी, भले ही यह जेल है, लेकिन अंदर से आप बहुत सारी अच्छी तस्वीरें ले सकते हैं।"

"अगर आप कैदी हैं तो नहीं," उसने कहा। अगर आपके पास कैमरा नहीं है तो नहीं, और
किसी ने तुम्हें कभी नहीं सिखाया कि इसका इस्तेमाल कैसे करना है। "तुम शेकीज़ में क्या कर रहे थे?"

"क्या उसे यही कहा जाता है? अस्थिर? यह क्रूर है। लेकिन मज़ेदार है।" उसकी मुस्कान बड़ी थी, एक मधुर हंसी। "मैं स्टूडियो तकनीक सीख रहा था, डिंपल डालना और भौंहें हटाना। यह बहुत रेट्रो है, लेकिन इसमें एक कला है: सेटअप, लाइट और रिफ्लेक्टर। और वे पुल-डाउन इतने अच्छे हैं, मुझे कुछ लेने में कोई आपत्ति नहीं होगी। मुझे किसी भी चीज़ के लिए तैयार रहना होगा, है न? शायद मैं शादियों और बच्चों के पोर्ट्रेट बनाने लगूँ - नहीं। वैसे भी, मैं तीन दिनों में आगे बढ़ जाऊँगा।"

उसे कुछ भी समझ में नहीं आया, लेकिन उसके जाने की खबर ने उसे बहुत परेशान कर दिया।
थप्पड़। वह पहले से ही उसके माता-पिता से पूछताछ, उसके घर आने की कल्पना कर रही थी। "यह बहुत निराशाजनक है" - यह कहना एक साहसिक बात थी। "क्यों नहीं रुकते?
कैदियों को खुश क्यों नहीं रखा जाए?

"भारत के बाकी हिस्से बुला रहे हैं। मुंबई है। बैंगलोर है। मैं गौरीपुर आया क्योंकि मैंने सुना था कि यहाँ एक प्रवासी है। मैं उससे मिला और मैंने उसकी तस्वीर खींची - माफ़ कीजिए, मैंने उसकी तस्वीर खींची। मैं भारत के नए प्रवासियों के बारे में बात कर रहा हूँ - पुराने ब्रिटिशों के बारे में नहीं - और समलैंगिकों, वेश्याओं और नशेड़ियों के बारे में। और गाँवों के बारे में।

और झुग्गी-झोपड़ियाँ।"

Machine Translated by Google

"मेरे शिक्षक अमेरिकी हैं।"

"हाँ, मुझे पता है। हम हर जगह हैं, अंजलि।"

"एंजी," उसने कहा.

वे कुछ और कदम आगे बढ़े, एंजी गहरी घबराहट में थी। यह कैसा लड़का था? एक अमेरिकी क्यों उन भयानक लोगों के आस-पास रहना चाहेगा जिन्हें वह गोली मारता है? उनके बारे में सोचते ही उसकी रूह काँप उठती थी।

"चलो मैं तुम्हें कुछ दिखाता हूँ। क्या तुम गौरीपुर की सबसे खूबसूरत महिला की तस्वीर देखना चाहोगे?"

"बेशक," उसने कहा.

कौन लड़की मना कर सकती है?

उसने उसे ठंडक पाने के लिए एल्प्स पैलेस कॉफी और आइसक्रीम शॉप की ओर निर्देशित किया। यह कॉलेज की एक जगह थी, लेकिन स्कूल बंद था और एसी खराब था। जब एल्प्स पैलेस खुला था, तो यह गौरीपुर जैसा लग रहा था, जैसा कि उसने मुंबई के सभी बरिस्ता और अमेरिकी स्टारबक्स कॉफी शॉप के बारे में पढ़ा था, कुछ ठाठ और वातानुकूलित, काउंटर के पीछे वर्दीधारी लड़कियाँ। अब उसे यह समझ में आ गया कि यह क्या था, एक और दुखद विफलता, जीर्ण-शीर्ण और थोड़ा अस्वास्थ्यकर। रबी ने एक नम कपड़ा मांगा, एक मेज पर पोंछा, और एक रूमाल से उसे सुखाया। फिर उसने अपने बैग में हाथ डाला और बिहार नाम का एक फ़ोल्डर निकाला और पारदर्शी प्लास्टिक के नीचे काले और सफेद प्रिंट की एक पंक्ति रखी। उसने विषयों को मुश्किल से पहचाना। उनका बहुत ही परिचित होना - नेहरू पार्क, कॉलेज, पिंकी महल - उनका सबसे अच्छा भेस था। अब उसे रोशनी के बारे में समझ में आ गया। वह वास्तव में, जैसा कि उसने कहा था, एक अलग तरह का फोटोग्राफर था।

रबी की तस्वीरों में गौरीपुर भयावह, विदेशी था - यहाँ तक कि इसके सबसे परिचित स्मारक भी। नेहरू पार्क में प्रतिष्ठित गांधी प्रतिमा की संगमरमर की धोती की तहें छिद्रित, धारदार और स्प्रे-पेंट की हुई थीं। बाजार की भीड़ छिपी हुई और भुतहा लग रही थी। शहर से पाँच किलोमीटर दक्षिण में, बिना देखभाल वाले आम के पेड़ों के एक छोटे से अंधेरे जंगल के नीचे, रबी ने एक आधुनिक अपार्टमेंट कॉम्प्लेक्स पाया था - इसके साइनबोर्ड के अनुसार - जिसे शुरू में छोड़ दिया गया था

Machine Translated by Google

एक मंजिल से भी कम का निर्माण पूरा हो चुका था। एक उबड़-खाबड़ निर्माण सड़क और मजदूरों की झोपड़ियों की कतारें एक तहखाने जैसे अंधेरे में गायब हो गईं। उसने गौरीपुर के इतने करीब ऐसी किसी चीज की कल्पना भी नहीं की थी। उसने जंग लगी लोहे की सलाखों की कतारों पर ध्यान केंद्रित किया था - सरिया, वह उन्हें कहता था - कंक्रीट की आधी दीवार से मुड़े हुए प्रहरी की तरह, छाया में गायब हो रहे थे। उसने बिहार की मई की गर्मी में भी ठंडी, नम हवा की कल्पना की, जो इसकी गहराई से निकल रही थी।

रीबार: एक ऐसा शब्द जिससे बचना चाहिए।

"दुनिया की सबसे खूबसूरत महिला" की ओर मुड़ने की आशा करना राहत की बात थी
गौरीपुर।" उसे लड़के से कुछ ढीठपन की उम्मीद थी, ढीठपन और अमेरिकीपन की। शायद वह उसे स्टूडियो में खींची गई डिजिटल तस्वीरों में से एक दिखाए और कुछ इश्कबाज़ी भरे अंदाज़ में बात करे, जैसे "क्या तुम सुंदरता देखना चाहते हो? बस आईने में देखो।" वह उसे इसके लिए थप्पड़ मारने के लिए तैयार थी, लेकिन बहुत ज़ोर से नहीं। एक टैपिंग, कोमल रैप, जैसा कि कविता में है। एक चंचल टैप, जैसा कि फिल्मों में होता है।

"यह वही महिला है जिसके बारे में मैं बात कर रहा था।"

सच में, उसने झूठ नहीं बोला था। एंजी फिल्म-स्टार की सुंदरता, देवी की सुंदरता, पुराने जमाने की साड़ी-गहने-हेयरस्टाइल वाली सुंदरता, गहरी, ऐश्वर्या राय की सुंदरता को देख रही थी, जो उससे दोगुनी महिला हो सकती थी। वह सबसे खूबसूरत महिला थी जिसे अंजलि ने कभी देखा था।

"गौरीपुर में? मुझे विश्वास नहीं होता।"

"और आप उसे जानते हैं," रबी ने कहा।

"यह झूठ है।"

"ठीक है! मुझे लगता है कि वह इसका उच्चारण...'आह-ली' करती है।" वह शब्दों के खेल से खुश लग रहा था। "मुझे लगता है कि आप कह सकते हैं कि पुरुष सबसे अच्छे रसोइए होते हैं, और वे सबसे अच्छी दिखने वाली महिलाएँ होती हैं।"

"लेकिन आपने तो 'वह' कहा था।"

Machine Translated by Google

"बिल्कुल", उन्होंने कहा।

कुछ सप्ताहों के बाद, कुछ कठिनाई के साथ, एंजी ने समायोजन करना शुरू कर दिया था
पीटर और अली के बीच रोमांटिक रूप से यह कैसा होना चाहिए, लेकिन यह रहस्योद्घाटन कुछ नया था, जिसे
समझना उसके बस की बात नहीं थी। उसके पुनर्निर्माण में, अली एक प्रताड़ित और आभारी गाँव का लड़का
था, और पीटर एक सर्वशक्तिमान अमेरिकी जिसने उसे गंदगी से भरी ज़िंदगी से बचाया था। उसने इसे आर्थिक रूप से
असमान लोगों के बीच एक सामान्य भारतीय विवाह के रूप में देखा था। गुणी और सुंदर गाँव की लड़की; बिगड़ैल, अमीर
शहर का लड़का जो उसकी अच्छाई से जीता है। उसने इसे गहराई से यौन रूप से नहीं समझा था, जैसा कि
यह स्पष्ट रूप से था, क्योंकि उसने हमेशा विवाह को कामुकता के खिलाफ़ सुरक्षा माना था - दायित्व, रोमांच नहीं।

"रात में वह अली है," रबी कह रही थी। "दिन में वह काफी उद्यमी आदमी है। उसने लखनऊ में
महिलाओं के बाल काटने से शुरुआत की और फिर बॉलीवुड में वार्डरोब और मेकअप का काम किया। आप देखिए- एक दिन
वह अपना खुद का ब्यूटी पार्लर खोलेगा।"

"लेकिन उस तरह के आदमी-वे नहीं हैं-"

उन्होंने बोलना शुरू किया, फिर रुक गईं, और बॉलीवुड के उन आकर्षक पात्रों को याद करने लगीं जो सभी
फिल्मों में थे - लेकिन उन्हें गंभीरता से नहीं लिया जाना चाहिए था।
आप उन्हें किसी भी तरह से निपुण नहीं कह सकते। वे अपनी परछाई से डरते थे। वे चीजें गिरा देते थे; वे अनाड़ी थे। वे चूहे
को देखकर चीख पड़ते थे, अपनी आँखें घुमाते थे और अपनी कलाइयाँ फड़फड़ाते थे और लड़ाई से भाग जाते थे। उन्हें
फिल्मों में इसलिए रखा गया था ताकि उन पर हँसा जाए।

रबी ने पीछे देखा। "उनके बारे में क्या?" उसने पूछा। " वे क्या नहीं हैं?"

उन्होंने कहा, "वे नौकर नहीं हैं।" नौकर अचानक अपना व्यवसाय नहीं खोल लेते।

रबी एक बड़े कैमरे से खेल रहा था। "और वह नौकर नहीं है।"

अगले कुछ ही क्षणों में अंजलि बोस की असली शिक्षा शुरू हो गई।
कई सेकंड बीत गए। उसे लगा कि उसे उल्टी होने वाली है। कई सवाल उसके दिमाग में नहीं आ पाए और पूछे ही
नहीं गए।

Machine Translated by Google

संभावना का पुनर्मूल्यांकन करते हुए, अपने अनुभव को फिर से दोहराते हुए, उसने पाया कि वह कुछ भी नहीं जानती थी।
उसके जीवन में कुछ विश्वासघाती प्रवेश कर चुका था।

"हे भगवान," उसने कहा। "मैं उसे जानती हूँ।"

"मुझे पता है कि तुम करते हो।"

टेबलटॉप पर अगली तस्वीर पीटर चैंपियन की थी, पीटर प्रवासी विद्वान अपने गंदे से छोटे से कमरे में एक भारतीय अखबार पढ़ रहा था, उसके पीछे लुंगी और अंडरशर्ट पहने हुए अली बर्तन धो रहा था। पीटर, चाहे वह कुछ भी हो, एक गंभीर व्यक्ति था। उसने अपना जीवन भारत में लुप्त हो रही चीजों के लिए समर्पित कर दिया था। उस पर हँसा नहीं जा सकता था। लेकिन जैसे-जैसे वह देखती रही, अली ध्यान में आया। ऐसा लगा जैसे उसने एक या दो कदम आगे बढ़ाया हो। वह प्लेटें नहीं धो रहा था - वह पीटर को घूर रहा था।

"मैं वाकई भाग्यशाली हूं। मैं गौरीपुर में एक प्रवासी की शूटिंग के लिए आया था और मुझे एक समलैंगिक मिल गया
और उसी समय एक ट्रैनी भी। ऐसे शहर में कौन सोच सकता था?

वह इसे स्वीकार कर सकती थी। इसने पीटर की रहस्यमयी धार को भी बहाल कर दिया। समलैंगिक होना - क्या रबी ने "समलैंगिक" कहा? - सी.आई.ए. होने से ज़्यादा रोमांचक था, जो कि उसकी कक्षा के होशियार लड़कों ने अमेरिकी होने का अनुमान लगाया था।
ट्रैनी? वह पूछने से डर रही थी। यह लंबा, पतला रबी अपनी सारी तस्वीरों के साथ, पहला लड़का जिसके साथ वह सहज महसूस करती थी, वह कौन था? अगर यह सब साज़िश उसकी नाक के नीचे गौरीपुर जैसे उबाऊ छोटे शहर में हो रही थी, जहाँ कुछ भी अजीब नहीं था और कुछ भी आश्चर्य नहीं था, उन लोगों के बीच जिन्हें वह सोचती थी कि वह सबसे अच्छी तरह जानती है, तो बाकी भारत कैसा होगा?
बैंगलोर?

मुंबई? उसे बिना तैयारी के डर का एहसास हुआ, जैसे उसे बिना किसी स्क्रिप्ट के मंच पर धकेल दिया गया हो।

क्या होगा अगर, बड़ी दुनिया में, कोई भी सच नहीं होगा? क्या होगा अगर हर कोई कम से कम दो लोग हों, जैसे अली, पीटर?

वह रोने के अलावा और क्या कर सकती थी? यह अनैच्छिक था। वह दुखी या भयभीत नहीं थी। ऐसा लग रहा था जैसे वह अंधेरे में एक कदम चूक गई थी और जानती थी कि वह गिरने वाली है और खुद को बुरी तरह चोट पहुँचाएगी, लेकिन उस सटीक क्षण में वह शांत थी

Machine Translated by Google

यहाँ और वहाँ, अब और तब के बीच में लटकी हुई, और रबी ने तस्वीर खींच ली। सालों बाद, लोग कहेंगे कि यह एक खूबसूरत रचना थी, रहस्यमय, मोना लिसा जैसी।

जब रबी ने उससे पूछा कि वह क्यों रो रही है, तो उसने कहा, "मैंने पिछले दो मिनट में इतना कुछ देखा है जितना मैंने उन्नीस वर्षों में नहीं देखा था।"

उन्होंने कहा, "मैं अठारह साल का हूँ। फोटोग्राफी आपको सब कुछ सिखाती है।"

उसे इस बात का जरा भी अंदाज़ा नहीं था कि उसका क्या मतलब था।

फिर भी, यही वह क्षण था जिसने उनकी दोस्ती को पक्का कर दिया।

"जब आप अच्छी तस्वीरें देखते हैं, तो आप एक संदर्भ में पूरी दुनिया को देखते हैं। पूरा विश्व भले ही केवल पांच गुणा सात इंच का हो, और इसका आकार केवल एक सेकंड का पांच सौवां हिस्सा हो, लेकिन उस समय और स्थान के भीतर यह सब सत्य है, और यह हमारे पास उपलब्ध सर्वोत्तम है।"

एंजी बोस गौरीपुर में उन्नीस साल रह चुकी थीं और शहर के सबसे अच्छे स्कूल से डिग्री लेने में उन्हें डेढ़ साल बाकी थे, और किसी ने कभी उनसे सत्य या कला की प्रकृति के बारे में बात नहीं की थी, या यह नहीं माना था कि उन्हें इसकी परवाह है या वे इसके बारे में कुछ जानती हैं। उन्हें पता था कि ताजमहल के बहुत सारे सुंदर दृश्य हैं - उस दृश्य को खराब करना मुश्किल है - और हिमालय और जानवर और प्रसिद्ध चेहरे, लेकिन उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि उन्हें शेकी सेनगुप्ता की तरह के तरीके से प्लॉट किया गया है। सत्य? संदर्भ? रचना? उसने कभी किसी चीज़ के बारे में गंभीर चर्चा नहीं की थी। वह एक रेलवे क्लर्क की दूसरी बेटी थी; उसे स्कूल जाना था, शिक्षकों और माता-पिता की आज्ञा का पालन करना था, स्नातक होना था और शादी करनी थी, अपने पति की आज्ञा का पालन करना था और बच्चे पैदा करने थे। सत्य वह था जो समुदाय, शिक्षक, माता-पिता और अंततः पति ने कहा था।

सत्य समय की शुरुआत से ही सौंपे गए थे और वे हमेशा सत्य रहे, एक सेकंड के पांच सौवें हिस्से के लिए नहीं। यह विचार कि चीजें वैसी नहीं हैं जैसी वे दिखती हैं, या कि लोग वैसे नहीं हैं जैसा वह सोचती थी, उसे मतली जैसी भावना से भर देता था।

वह अस्पष्ट रूप से जानती थी कि निर्धारित पुस्तकों से परे भी दुनियाएँ मौजूद हैं और व्याख्यान-पीटर चैम्पियन कभी-कभी अपनी कॉर्पोरेट संस्कृति की कक्षा में लिखित चर्चा से हटकर साहित्य पर भी चर्चा करते थे।

Machine Translated by Google

और इतिहास और राजनीति, छोटे-छोटे क्षण जिन पर कोई ध्यान नहीं देता क्योंकि वे परीक्षाओं में नहीं आते। उसने एक रूसी शब्द, चेखवियन सीखा था, जो उसने भारतीय सामाजिक और राजनीतिक संरचना के बारे में कही थी। लेकिन यह विचार कि एक साधारण बच्चा, जो उससे भी छोटा था, इतना ज्ञान दिखा सकता है, अकल्पनीय था।

जब वह रात के खाने पर अपने माता-पिता की बातें सुनती थी, तो वह चिल्लाना चाहती थी, "जीवन ऐसा नहीं है! किसी को परवाह नहीं है! इससे कोई फर्क नहीं पड़ता! कुछ भी मायने नहीं रखता!" किसी भी अमेरिकी किशोरी की तरह, वह अपने माता-पिता पर चिल्लाना चाहती थी, "आप कुछ भी नहीं जानते!" लेकिन हर दिन एक ही भोजन खरीदा जाता था और हर रात इसे उसी तरह पकाया और परोसा जाता था, और वही अफवाहें और गपशप चबाई जाती थी, वही प्रश्न पूछे जाते थे, वही उत्तर दिए जाते थे, और सब कुछ अर्थहीन था।

"क्या भारत आने के लिए आपको अपने माता-पिता से लड़ना पड़ा?"

जिस तरह से वह हंस रहा था, उससे उसे लग रहा था कि उसने कुछ मज़ेदार कहा होगा। "वे मुझे क्यों रोकेंगे? मेरी एक आंटी बैंगलोर में है, और मैं अपनी माँ के माता-पिता के साथ ऋषिकेश में उनके मरने तक रहा, और मेरे पिता के लोग कोलकाता में हैं और मेरे चचेरे भाई-बहन हर जगह हैं। मुश्किल सिर्फ़ उनसे बचने का तरीका ढूँढना है। इस देश में एक अरब लोग हैं, और ऐसा लगता है कि उनमें से आधे रिश्तेदार हैं! ज़रा सोचिए कि समलैंगिक बार और वेश्यागृहों का पता लगाने में वे कितने मददगार होंगे! मैं कुछ हिजड़ों के साथ बाहर गया - बहुत मज़ा आया! स्वाभाविक कलाकार।" जिसे उसने "समलैंगिक बार" कहा, वह एक खुशहाल जगह की तरह लग रहा था, लेकिन उसे आश्चर्य हुआ कि एक अच्छे परिवार का ब्राह्मण लड़का वेश्यागृह में कैसे प्रवेश पा सकता है, और जब उसने हिजड़ों और उनके आकर्षक मेकअप किए हुए चेहरों और महिलाओं के कपड़े पहने हुए पुरुषों और उनके तैलीय बालों में फूलों के बारे में सोचा, तो उसे उल्टी सी महसूस हुई। कलाकार? वे विकृतियाँ थीं!

उन्होंने अपने माता-पिता के बारे में थोड़ी बात की, कि कैसे उसके माता-पिता इतने प्यार करने वाले और चिंतित थे, वे कितने सहायक थे। झूठ, झूठ! मुझसे पूछो, और मैं सच बताऊंगा, लेकिन उसने ऐसा नहीं किया। उसने कहा कि उसने हफ्तों से अपने माता-पिता से बात नहीं की थी, लेकिन उन्हें अपनी कुछ तस्वीरों के साथ ईमेल भेजे थे। उसने अपने पिता को बैंक मैनेजर बना दिया, उम्मीद है कि इससे वह प्रभावित होगा; उसने कहा कि उसके पिता एक तरह की टेलीफोन कंपनी चलाते थे, लेकिन वह आदमी घर से बाहर नहीं निकल पाता था और आंशिक रूप से अपंग था,

Machine Translated by Google

और उनकी माँ ने अमेरिकी महिलाओं के लिए भारत के बारे में उपन्यास लिखे। उनके आपसी आविष्कारों में, वे बहुत अलग नहीं थे।

"मैं बस सोच रहा था," उसने कहा, और अपनी जेब से नोटबुक का एक पन्ना निकाला। "मेरी माँ तुम्हारे साथ बैठना पसंद करेंगी!" क्यों? उसने सोचा। मैं कुछ खास नहीं हूँ। वह पूछने ही वाली थी कि क्यों, जब उसने स्पष्ट करते हुए कहा, "वह तारा चटर्जी है।" एंजी के लिए इस नाम का कोई मतलब नहीं था, सिवाय इसके कि तारा एक आम नाम था और चटर्जी बंगाली ब्राह्मण उपनामों में से एक था, जिसका मतलब था कि गौरीपुर में भी अलग-अलग उम्र की एक दर्जन तारा चटर्जी थीं। उसने उसकी खाली नज़र देखी और हँस दिया। "तारा चटर्जी जो लिखती है, वह मेरी माँ है। तुम्हारा मतलब है कि तुमने उसकी कहानियाँ नहीं पढ़ी हैं? वैसे भी, यह मेरा सैन फ्रांसिस्को फ़ोन नंबर है। और मैं तुम्हें अपनी आंटी का बैंगलोर नंबर देता हूँ। जब मैं वहाँ होता हूँ तो मैं उनके साथ रहता हूँ।" उसने अपने सैन फ्रांसिस्को कार्ड के पीछे एक फ़ोन नंबर लिखा। "अगर तुम वाकई वहाँ जाना चाहोगी तो तुम वहाँ पहुँच जाओगी," उसने कहा।

बैंगलोर? उसने कैसे अनुमान लगाया?

***

शाकी सेनगुप्ता की औपचारिक ग्लोसी में लड़की निश्चित रूप से एंजी नहीं थी। अंजलि का एक संस्करण भी नहीं। वास्तव में, जैसा कि रबी ने कहा था, वहाँ कोई नहीं था, और इससे, निश्चित रूप से, रुचि की एक नई लहर शुरू हुई। शाकी की कला की प्रकृति फ्रेम से व्यक्तित्व को खत्म करना और उसकी जगह कल्पना को लाना था।

वह हमेशा खुद को बहुत लंबी और पतली समझती थी, टी-शर्ट और जींस के लिए बनी हुई, साड़ी के अंदर उसकी पतली लंबाई खो जाती थी। लेकिन शाकी के जादू ने असंभव को संभव कर दिखाया था, साड़ी के नीचे क्लीवेज और उभरी हुई खूबसूरती, साथ ही धुंधले डिंपल। वह चमकदार और रहस्यमयी थी, अनिश्चित उम्र की एक कृत्रिम सुंदरता। शाकी प्रकाश और छाया का स्वामी था।

जबकि उसके माता-पिता जातिगत शुद्धता और सामाजिक प्रतिष्ठा को लेकर चिंतित थे
बीस-कुछ बेटों वाले इच्छुक प्रवासी बंगालियों की एक टोली, जो इस बार अपनी दूसरी बेटी के तलाक के कलंक को मिटाने की कसम खा रही थी, अंजलि खुद को शाकी सेनगुप्ता के पीछे की वास्तविक दुनिया में कल्पना कर रही थी।

Machine Translated by Google

स्क्रीन। ऑस्ट्रेलिया के समुद्र तट बुला रहे थे, गिन्ज़ा, महान दीवार, क्यों नहीं? गौरीपुर में भी एक लड़की सपने देख सकती है, खासकर एक आकर्षक लड़की जिसकी अंग्रेजी अच्छी हो, डिंपल और क्लीवेज हो, और जो साहसी स्वभाव की हो।

चित्र में दिख रही लड़की/महिला को अनिश्चित विवाह बाजार से डरने की कोई ज़रूरत नहीं थी। उसे निश्चित रूप से एक पति मिलेगा। वह कल्पना कर सकती थी कि दुनिया भर में चाय के प्याले कैसे टूट रहे होंगे, जब हज़ारों कुंवारे इंजीनियर, लालसा का ढीला नेटवर्क जिसने अब तक आधा दर्जन देशों से लगभग पचास इच्छुक पूछताछ की है, बंगालीवेडिंग्स डॉट कॉम पर नई तस्वीर देख रहे होंगे। उसे बैंगलोर के विकल्प को चुनने का डर था। जब पीटर ने पहली बार इसका प्रस्ताव रखा, तो बैंगलोर उसके सभी डर और उसके सभी गुस्से का जवाब लग रहा था। बैंगलोर एक शानदार खेल था, अपनी अंग्रेज़ी का फ़ायदेमंद इस्तेमाल करने, सोनाली का बदला लेने और स्वतंत्र होने का एक तरीका, जबकि अच्छी अंग्रेज़ी और समान महत्वाकांक्षा वाले हज़ारों लड़कों में से चुनना और चुनना।

लेकिन वह एक मासूम अंजलि थी और एक अलग पीटर। यह तब की बात है जब वह शादी के बंधन में नहीं बंधी थी और उसके घमंड की सगाई नहीं हुई थी।

बैंगलोर की प्रतिबद्धता का मतलब था अपना बैग पैक करना और चुपके से बाहर निकल जाना और यह स्वीकार करना कि वह कहीं से आने के कलंक और अपने माता-पिता की गरीबी से उबरने के लिए पर्याप्त रूप से वांछनीय नहीं थी। उसके माता-पिता एक और असफल विवाह के साथ रह सकते थे। वे उसके दुख को तब तक सहन कर सकते थे जब तक उन्हें लगता था कि उन्होंने अपना कर्तव्य पूरा कर लिया है। लेकिन वे दूसरी बेटी की अवज्ञा और अवज्ञा के कृत्य की शर्मिंदगी को नहीं झेल सकते थे।

Machine Translated by Google

4

वह चाहती थी - नहीं, उसे पीटर से अली की उस तस्वीर के बारे में बात करनी थी जो रबी चटर्जी ने उसे दिखाई थी। लेकिन उसकी हिम्मत नहीं हुई; इसलिए एक दिन शाकी सेनगुप्ता की दुल्हन की तस्वीर हाथ में लेकर, दिखावटी खुशी दिखाते हुए, वह पीटर और अली के घर पहुँच गई - जैसा कि अब उसे लगता है। उसके पिता के नए नियमों के अनुसार यह एक वर्जित यात्रा थी, लेकिन कम से कम वह साड़ी में थी। उसने शाकी की शादी की तस्वीर पेश की और जवाब का इंतज़ार किया। "अच्छा ... क्या तुम इस लड़की से शादी करोगे?" उसने पूछा।

पीटर ने भौंहें सिकोड़ीं और फिर उसे अली को दे दिया।

उसने उसे दो बार जांचा और वापस दे दिया।

"वह कौन है?" अली ने हिंदी में पूछा।

पीटर ने कहा, "मुझे लगता है कि यह तस्वीर बहुत ही भयावह है। तो फिर किस तरह की तस्वीर?"
क्या यह राक्षस को आकर्षित करने वाला है?"

उसने जो कुछ भी किया था, उसे वह स्वीकार करता था। वह मॉडल थी
जिसके आधार पर वह अपने सभी विद्यार्थियों का मूल्यांकन करता था। वह केवल यही उत्तर दे सकी, "यह मेरी माँ का विचार था।"

पीटर ने सख्ती से कहा। "तुम्हारी माँ, भगवान हमारी मदद करें। तुम अब छोटी बच्ची नहीं रही, एंजी। अगर तुम शादी कर लेती हो - और मुझे परवाह नहीं है कि वह कितना अच्छा दिखता है या उसकी क्या संभावनाएं हैं - अगर तुम इस तरह की तस्वीर के आधार पर शादी करती हो, तो तुम्हें बिल्कुल वैसा ही व्यवहार मिलेगा जिसकी तुम हकदार हो।"

वह मुस्कुराई और हमेशा की तरह अपनी मदद के लिए तैयार हो जाने वाली बड़ी हैलोजन किरण को अपनी आँखों में डाल लिया। "मैं रबी चटर्जी से मिली। उसने मुझे तुम्हारी खींची हुई तस्वीरें दिखाईं।
और अली."

पीटर ने भौंहें सिकोड़ीं और दूसरी ओर देखा। तस्वीरों का ज़िक्र सुनकर उसने सिर हिलाया
लेकिन कुछ नहीं कहा। कोई भी ऐसा व्यक्ति नहीं था जिसे वह जानती थी।

Machine Translated by Google

"रबी चटर्जी एक गंभीर युवक हैं। उनका अहंकार कभी खत्म नहीं होता-
यह अच्छी बात है। मेरे पास भी एक था। इसका मतलब है कि उसके पास परंपरा के खिलाफ़ खड़े होने की आंतरिक शक्ति है। और
वह आपको अपनी सबसे अजीबोगरीब योजनाओं में साथ लेकर आता है। वह अपनी पसंद के किसी भी कॉलेज में जा सकता था, तो वह
क्या कर रहा है? गाँवों में पैदल चलना और बसों और तीसरी श्रेणी की ट्रेनों में सफर करना। वह मुझे अपने बचपन की याद दिलाता है।
उसने कहा, 'आप लिमोसिन की खिड़की से भारत की तस्वीरें नहीं ले सकते।'

उनके पिता बिश चटर्जी हैं, और बिश चटर्जी दुनिया के सबसे अमीर बंगाली हैं, कुल मिलाकर दस सबसे अमीर लोगों में से एक हैं - मैंने बी.
कॉम. ऑनर्स में उनका उल्लेख किया था, लेकिन मुझे कभी उम्मीद नहीं थी कि उनका बेटा मेरे कमरे में बैठकर मेरी तस्वीर लेगा - उन्होंने
कंप्यूटर नेटवर्क के संचार के तरीके को तेज़ कर दिया। दुनिया छोटी है, लेकिन गौरीपुर बहुत बड़ा है: इसे याद रखें।

हर सेल फोन में चैटी तकनीक का इस्तेमाल होता है। एक दिन वह लड़का जिसने आपकी तस्वीर ली है, वह और भी अमीर हो जाएगा।
और मुझे नहीं लगता कि उसने आपको इसके बारे में कुछ बताया होगा।"

"उसने कहा कि उसके पिता एक टेलीफोन कंपनी के मालिक हैं, और उसकी माँ अमेरिकी महिलाओं के लिए भारत के बारे में
किताबें लिखती हैं।" वह उससे झूठ क्यों बोलेगा? बसों और नौकरों के होटलों में सोना सबसे कम प्रभावशाली चीज़ थी जिसकी वह कल्पना
कर सकती थी। वह इस अमेरिकी व्यवहार को नहीं समझती थी। प्रभावशाली लोग समृद्ध और आत्मविश्वासी दिखते और
व्यवहार करते हैं, वरना क्या फायदा? "शायद वह एक पत्नी की तलाश में है?"

"मुझे बहुत आश्चर्य होगा । लेकिन हमने आपके बारे में बात की। उन्होंने कहा कि आपमें एक गुण है।"

"और तुमने इस पर क्या कहा?"

"मैंने उससे कहा कि तुम्हारी आत्मा के लिए संघर्ष चल रहा है। उसने कहा कि उसने
उसकी एक तस्वीर।" वह मुस्कुराने लगी, लेकिन वह गंभीर था। "अगर तुम यहाँ शादी करोगे, तो तुम मेरे लिए खो जाओगे।"

उन्होंने कहा, "अगर मेरी शादी हो गई तो मुझे बैंगलोर भेजने में आपको कोई नुकसान नहीं होगा।"

"यह कभी भी पैसे के बारे में नहीं होता। आपको आश्चर्य होगा कि गौरीपुर में कितनी महिलाएँ ऐसी लड़कियाँ हैं जिन्हें
मैंने कभी पढ़ाया था। अच्छे ग्रेड और अच्छी बुद्धि वाली लड़कियाँ, जो इस शहर के बाहर के जीवन के बारे में जिज्ञासा रखती हैं।
महत्वाकांक्षी लड़कियाँ, सिर्फ़ महत्वाकांक्षी नहीं

Machine Translated by Google

दिवास्वप्न देखने वाले। और हमने तब भी उसी तरह बात की थी जैसे आप और मैं अभी कर रहे हैं, और वह भारत के उभरने से पहले की बात है, जब इस देश में वास्तविक अवसर नहीं थे और आपको अपने सिर को इंग्लैंड या अमेरिका के बेतुके सपनों से भरने की ज़रूरत नहीं थी। और मैं आज गौरीपुर में उन महिलाओं को देखता हूँ, जो अपने पतियों और बच्चों के साथ बाज़ार में हैं, और जब हम उनसे मिलते हैं, तो वे अपना सिर झुका लेती हैं, डरती हैं कि मैं उन्हें नाम से पुकारूँगा। वे कभी नहीं गईं; उन्हें कभी उचित शिक्षा नहीं मिली। ये वे लड़कियाँ हैं जो डॉक्टर और शिक्षिका बनना चाहती थीं, न कि फ्लाइट अटेंडेंट। उनके पिताओं ने उन्हें हाई स्कूल सर्टिफिकेट मिलते ही स्कूल से निकाल दिया और एक महीने के भीतर उनकी शादी करवा दी।" पीटर ने मज़ाकिया, स्थानीय हिंदी में कहा: "क्या होगा अगर मेरी बेटी शादी के लायक न हो, क्या होगा अगर वह किसी स्थानीय लड़के से ज़्यादा होशियार हो जाए? क्या होगा अगर कोई योग्य लड़का कहे 'क्या तुम्हें नहीं लगता कि मैं उसका भरण-पोषण कर सकता हूँ? तुम्हें लगता है कि मैं अपनी पत्नी को काम पर भेज रहा हूँ?'" और फिर अंग्रेज़ी में: "पैसा तुममें मेरा निवेश नहीं है । मेरा निवेश तुम हो , अंजलि बोस।"

कुछ देर रुकने के बाद उन्होंने कहा, "मैं पिता या माता को भी दोष नहीं देता।
या लड़कियाँ या उनके पति। हमने कक्षा में इन सब के बारे में बात की।
कंपनियाँ तब विफल होती हैं जब वे एक ही उत्पाद को एक ही तरीके से बनाती रहती हैं, भले ही ग्राहक आधार बदल रहा हो। खैर, आधार - जो आज का भारत है - बदल रहा है और पुराने तरीके मृतप्राय हो गए हैं। यह विवाह चित्र एक व्यर्थ प्रयास है। यह आशा करना कि कोई ऐसा व्यक्ति है जो विज्ञापन में आपके सपनों का उत्तर देगा, वह मृत्यु है। मैं आपको उपदेश नहीं देना चाहता क्योंकि मुझे नहीं लगता कि आपको, सबसे बढ़कर, इसकी आवश्यकता है। मुझे गलत साबित मत करो।"

लेकिन वह उसे उपदेश दे रहा था । वह उससे वैसे बात नहीं कर रहा था जैसे वह छात्रों से करता था। कक्षा में। वह उसे साफ-साफ शब्दों में बता रहा था कि स्टूडियो पोर्ट्रेट की दुल्हन बनने वाली अंजलि और उसकी स्कूटर की पिछली सीट पर सवार साहसी-विद्रोही-एंजी दोनों ही धोखेबाज़ थे। वह एक ख़तरनाक गुरु बन गया था, जो लालसाएँ बो रहा था और साथ ही आत्म-संदेह भी बो रहा था।

"कारपे डेम", उसने लगभग अपने आप से कहा।

"कार्पे क्या?" कार्प का उसकी स्थिति से क्या संबंध था?

Machine Translated by Google

"मैं तुम्हें बड़ा कदम उठाने के लिए मजबूर नहीं कर सकता। मैं सिर्फ इतना कर सकता हूं कि तुम्हारे कदमों को सहारा दे सकूं।"
उसने गहरी साँसें लीं और अली से कहा कि कृपया उसे एक गिलास पानी लाकर दे। अली ने एक धूमिल चांदी की ट्रे में पानी दिया और उसके साथ एक छोटी गोली भी दी। पीटर चैंपियन ने दोनों गोलियाँ निगल लीं और फिर अपने कुर्ते की जेब में रखी नोटबुक से दो पन्ने फाड़ लिए।

मलेरिया की गोली? एस्पिरिन क्योंकि उसने उसे बहुत तेज़ सिरदर्द दिया था?
उच्च रक्तचाप? कोलेस्ट्रॉल? क्या वह मर रहा था? एक नई तात्कालिकता महसूस करते हुए, उसने उसे दोनों शीटों पर एक नाम और पता लिखते देखा।

"मिन्नी बेजहोट अगर मैं कहूं तो तुम्हें बैंगलोर में रख लेंगी।" उसने दोनों शीट उसे थमा दीं। "और उषा देसाई तुम्हारी नौकरी के कौशल को निखारने में तुम्हारी मदद कर सकती हैं। मैं इन चिप्स को भुना रहा हूँ क्योंकि मैं सही साबित होना चाहता हूँ। तुम्हारे बारे में।"

इसलिए, अगर वह शादी करती, तो वह पीटर के लिए खो जाती। अगर वह शादी नहीं करती, तो वह अपने पिता के लिए मर जाती। यह कितना अजीब था, अपने शिक्षक के कमरे में चाय पीना, जैसा कि उसने कई बार वर्षों में किया था, और अब अपनी आँखों के कोने से पीटर और अली को देख रही थी, जिस तरह से रबी की तस्वीर ने उन्हें कैद किया था: पीटर करीब से, अली पृष्ठभूमि में, फिर पीटर चलता हुआ अली के नंगे कंधे पर हाथ रखता है और कुछ फुसफुसाता है, जिससे अली मुस्कुराता है। वह मेरे साथ एक वयस्क की तरह व्यवहार कर रहा है, उसने सोचा। वह मुझ पर वयस्कता थोप रहा है। वयस्कों की दुनिया ऐसी ही होती है; वयस्क इसी तरह से बातचीत करते हैं। मैं इसे देख रहा हूँ, लेकिन मुझे इस पर किसी भी तरह से प्रतिक्रिया नहीं करनी चाहिए। यह अजीब लगता है, लेकिन जाना-पहचाना भी। क्या यह उसके कान पर एक छोटा सा चुंबन था? मैं एक अदृश्य दीवार से गुज़रा हूँ और मैं वापस नहीं जा सकता। शायद मैं एक भूत हूँ।

और पहली बार, वह इसे स्पष्ट रूप से व्यक्त करने में सक्षम थी, कम से कम खुद से: शायद मैं यहाँ नहीं हूँ। शायद मैं यह सब नहीं देख रही हूँ। शायद "अंजलि" इसे देख रही है। "एंजी" कहीं और है। खुद को दो हिस्सों में विभाजित करना एक सुकून था।

***

एंजी इस बात से दुखी थी कि पीटर को तस्वीर से नफ़रत थी, लेकिन अंजलि मुस्कुराहट के साथ उस तस्वीर के ऊपर से गुज़र रही थी, उसे रास्ता दिखाने की कोशिश कर रही थी। जब वह घर के लिए जाने-पहचाने रास्ते पर चल रही थी, एलबीएस रोड वास्को दा गामा हाई स्कूल से गुज़री और

Machine Translated by Google

कॉलेज और पिंकी महल से एमजी रोड तक, जवाहरलाल नेहरू पार्क की बाड़ के साथ-साथ, उन्होंने वास्को कॉमन रूम में एक लाइट जलती देखी।

कॉलेज आधिकारिक तौर पर बंद था। यह जून के मध्य में था। मानसून आने तक स्कूल बंद था और ठंडक आने लगी थी, जिससे भीषण गर्मी और रात में मच्छरों का राज खत्म हो गया था। लेकिन पीक ऑवर बीत चुका था। यह शांत समय था जब खिड़कियाँ बंद रहती थीं और हर कोई नहाने से पहले सोने की कोशिश करता था - अगर पानी हो - और फिर शाम के खाने के लिए खरीदारी करने निकल जाता था। बारिश शुरू होते ही, फल और सब्जियाँ सड़ने लगती थीं और खुले बाजार बंद हो जाते थे।

कॉमन रूम में किसी ने परदे खींच दिए थे: भारतीय गर्मी के दिन की देर दोपहर में समय से पहले ही अंधेरा छा गया था। बिना लाइट जलाए अंजलि कंप्यूटर रूम में चली गई और दरवाजे पर खड़ी हो गई।
अंदर से उसे कंप्यूटर की चाबियों की खट-खट सुनाई दी। जैसे-जैसे उसकी आँखें समायोजित होती गईं, वह एक रोशन मॉनिटर और उसके सामने एक आकृति को पहचान पाई, उस मासूम पड़ोस के लड़के, कंप्यूटर जीनियस निर्मल गुप्ता का भारी-भरकम आकार और रिफ़्लेक्टिव चश्मा।

उसकी माँ इसे शुभ कहती। उसके पास उसकी फोटो थी।
अकेले निर्मल के साथ। और पीटर चैंपियन ने एंजी के आत्मविश्वास को कुचल दिया था। लेकिन अंजलि के पास योजनाएँ थीं।

श्योर-बेट-आईआईटी गुप्ता के पास कॉमन रूम की चाबियाँ थीं; वह कंप्यूटर सेंटर, सभी छह इकाइयों को चलाता था। वह कॉलेज के उन कुछ लड़कों में से एक था जिनसे वह बात कर सकती थी, मुख्यतः इसलिए क्योंकि वह उसे योग्य वर उम्मीदवार नहीं मानती थी। और यह अनुमान लगाना आसान था कि एक अकेले, कंप्यूटर-समझदार लड़के को निष्क्रिय परिसर के कंप्यूटर रूम में क्या लाया होगा: विवाह स्थल, और उसके जैसी ही आशावान लड़कियों की सैकड़ों तस्वीरें।

"मेरी बात पर ध्यान मत दो," उसने कहा। "मैंने एक रोशनी देखी।"

लेकिन उसे बुरा लगा। उसने योग्य लड़कियों की तस्वीरें छिपाने की कोशिश में कंप्यूटर को लगभग पलट दिया था। वह कहना चाहती थी, "यह सब ठीक है।
बंगालीवेडिंग्स.कॉम?" लेकिन उसने पूछा, "क्या कोई दिलचस्प व्यक्ति दिख रहा है?"

Machine Translated by Google

"स्क्रीन..." वह बड़बड़ाने लगा; स्क्रीन पहले से ही खाली थी। उसने खुद को माफ़ करने की कोशिश की। कोई और, कोई दूसरा बंगाली, इसका इस्तेमाल कर रहा होगा।

"मुझे नहीं पता था कि तुम किसी को ढूँढ रहे हो," उसने कहा। "मुझे लगा कि तुम
हम आईआईटी जा रहे थे।"

उसने बड़ी नम आँखों से उसकी ओर देखा, एक पीटे हुए कुत्ते की तरह।

"कृपया, बड़ी बहन, किसी को मत बताना। मुझे प्रवेश नहीं मिला," उसने कहा।

विज्ञान में प्रतिभाशाली लड़का तकनीकी कॉलेज में जाने के अलावा और क्या कर सकता है?
"यह सब झूठ है," उसने वही दोहराया जो उसने अपने पिता और दूसरों से सुना था। लेकिन उसे एक एहसान माँगना था, और अगर थोड़ी-सी सहानुभूति से मदद मिलती है, तो उसे इसकी क्या कीमत चुकानी पड़ेगी? और इसलिए उसने पूछा, "अगले साल तुम कहाँ रहोगे?" - एक साहसिक सवाल, लेकिन वह खुद सीधा था।

उन्होंने कहा, "मेरे पास कोई संभावना नहीं है।"

"मुझे यकीन है कि तुम्हें कुछ न कुछ मिल ही जाएगा। तुम विज्ञान के सबसे अच्छे छात्र हो। शायद
आईआईटी तो नहीं, लेकिन और भी बहुत सारे हैं।" वास्तव में, वह किसी का नाम नहीं बता सकी।

उसने उसे धन्यवाद दिया। उसने मुस्कुराते हुए पूछा, "क्या तुम मुझ पर एक एहसान करोगे?"

"बेशक," उसने जवाब दिया, थोड़ा जल्दी से। "जो भी आप पूछें।"

तभी उसे शक हुआ कि उसके मन में उसके लिए कुछ ख़ास भावनाएँ हैं, न कि वह यह अनुमान लगा सकती थी कि वह इसे किस हद तक ले जाएगा। हो सकता है कि यह प्यार था, लेकिन उस समय यह सिर्फ़ एक चिट थी जिसे वह भुना सकती थी।
"अगर मैं तुम्हें एक नई तस्वीर दूँ, तो क्या तुम पुरानी तस्वीर हटाकर इसे इंटरनेट पर डाल सकती हो?"

"किस तरह की फोटो?"

उसने उसे शाकी का चित्र दिखाया, मोटी और डिंपल वाली अंजलि एक अल्पाइन रिसॉर्ट में। "क्या आप इसे बंगालीवेडिंग्स डॉट कॉम पर डाल सकते हैं?"

Machine Translated by Google

उसने बस इतना कहा, "अगर तुम चाहो तो मैं।" उसने तस्वीर लेते हुए कहा
केवल इतना कि "चित्र बहुत सुंदर है, क्या यह आपका है?" और जब उसने स्वीकार किया कि यह चित्र शायद थोड़ा भ्रामक है, तो उसने कहा, "नहीं, नहीं। कोई धोखा नहीं। यह आपके साथ न्याय करता है," और एक दिन के भीतर इसे पांच महाद्वीपों में चिपका दिया गया।

जैसा कि अक्सर उन लोगों के साथ होता है जो उस पल का इंतजार करते हैं जब सब कुछ ठीक हो जाएगा।
संदेह और अनिर्णय का अचानक समाधान हो जाएगा, लेकिन वह क्षण अप्रत्याशित तरीके से आया। अंग्रेजी भाषा के विज्ञापनों ने उम्मीदवारों की संख्या में मामूली सुधार किया था; इंटरनेट पर मूल पोस्टिंग ने भी ऐसा ही किया था। पचास उम्मीदवारों को खारिज कर दिया गया था।

इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि अंजलि ने अपने दिल के गुप्त रास्तों के बारे में खुद को शिक्षित करना शुरू कर दिया था। नई इंटरनेट पोस्टिंग के बाद, उसे हर महाद्वीप के वांछित देशों से चापलूसी भरे सवाल मिलने लगे। उसके अनुभव से परे कई दिलचस्प आयाम थे, और उसने जो फिल्में देखी थीं, वे सभी उसके लिए खुली थीं। पीटर जैसे पुरुष थे, बिना उसकी जटिलताओं के। रबी जैसे लड़के और उसके हिजड़े और वेश्याएँ और समलैंगिक बार थे। अगर वह कुछ और महीने टिक पाती, और अगर वह अपने अपरंपरागत रूप और मामूली आर्थिक स्थिति से ऊपर खुद को महत्व देना सीख पाती, तो वह शादी की लॉटरी जीत सकती थी। उन महीनों में, एक दुल्हन उम्मीदवार के पूर्वानुमानित व्यवहार के अनुरूप और बेटी होने के सभी अपमानों को स्वीकार करते हुए, वह अपनी खुद की असाधारणता में एक अप्रतिरोध्य विश्वास से चिपकी रही।

अंतिम घटना उसकी तस्वीर पोस्ट करने के बाद हुई। निर्मल गुप्ता द्वारा उसकी औपचारिक तस्वीर वेब पर डालने के दो सप्ताह बाद, वह उसकी तस्वीर के साथ अपने बेडरूम में गया और कीटनाशक का एक कैन पी लिया। उसने एक देवी के प्रति अपनी आजीवन भक्ति की एक लंबी घोषणा लिखना शुरू किया, जिसके पास जाने में वह बहुत शर्मीला था, लेकिन उसने कीटनाशक पीने के बाद पत्र लिखना शुरू कर दिया और उसे पूरा नहीं कर पाया।

Machine Translated by Google

गुप्ता माता-पिता ने अपने बेटे की फ़्रेम वाली तस्वीर फूलों और पीतल के देवताओं से घिरी एक वेदी पर रखी। "वह हमेशा सिनेमा हॉल में जाता था," उसकी माँ रो पड़ी। "वह एक स्क्रीन देवी से प्यार करता था।"

वे उस चित्र को अंजलि का नहीं पहचान सके।

"लड़के ने अपना दृष्टिकोण खो दिया है," उसके पिता ने कहा। "आजकल इन लड़कों को क्या कहना है, क्या करना है?"

बुज़ले, बुज़लम। अंजलि ने सोचा, क्या उसने अपने माता-पिता को बताया भी था कि वह आईआईटी की प्रवेश परीक्षा में फेल हो गया है?

उसने खुद से कहा, मैं बेचारे निर्मल गुप्ता की ऋणी हूँ। मैं बाबा और सोनाली की ऋणी हूँ। मैं उन्हें एक आखिरी मौका दूँगी। वह अगले स्वीकार्य लड़के से मिलने के लिए तैयार हो गई: नंबर पचहत्तर। वह सुबोध मित्रा निकला, जो निरीक्षण के लिए घर में लाया जाने वाला पहला लड़का था। उसके पत्र में बंगाल के पश्चिमी छोर पर एक गंदे स्टील बनाने वाले केंद्र आसनसोल में एंजी की माँ की भाभी से दूर के रिश्ते का संकेत था। "हाँ, मुझे मित्रा याद है," उसकी माँ ने कहा। "बहुत सम्मानित। बहुत अच्छे संबंध!"

वह चौबीस साल का था, एंजी जैसी लड़की के लिए काफी लंबा, साफ-सुथरा और इतना सुंदर कि माताओं को आकर्षित कर सके और किसी भी लड़की का सिर घुमा सके। उसके पास एक प्रतिष्ठित स्कूल से इंजीनियरिंग की डिग्री थी, लेकिन, उसके पोस्ट किए गए बायोडाटा के अनुसार, उसने कोलकाता के एक बिजनेस कॉलेज से प्रथम श्रेणी की एमबीए की डिग्री भी हासिल की थी। उसने बैंगलोर में एक कॉल सेंटर ("ग्राहक-सहायता एजेंट," यह लिखा था) में एक साल काम किया था, लेकिन अब वह दक्षिण से वापस आ गया था, शादी करने और घर बसाने के लिए तैयार था। अपने पीछे पारिवारिक शक्ति और सरकार में संबंधों के साथ, वह कभी बेरोजगार नहीं होगा। अगर सब कुछ ठीक रहा, तो वह एक अच्छा साथी बन जाएगा।

एंजी भी गंभीर आपत्तियां नहीं बना सकी। वह थक चुकी थी
किसी लड़के को अस्वीकार करने के लिए हर संभव कारण, वस्तुनिष्ठ और सनकी दोनों, पर विचार करें।
श्री मित्रा के मामले में शायद उनकी सबसे हार्दिक भावना परिवार में व्यक्त भी नहीं की जा सकी: वह आसनसोल के किसी भी व्यक्ति के साथ सभ्य बातचीत करने की कल्पना भी नहीं कर सकती थीं। लेकिन बोस परिवार में - बस देखिए

Machine Translated by Google

उसके माता-पिता- सभ्य बातचीत में शामिल न होना वैवाहिक विच्छेद का आधार नहीं था। उसे आसनसोल अच्छी तरह याद था। जब ट्रेन वहाँ से गुज़रती थी, तो उसे कोच की खिड़कियों को कोक ओवन की कालिख और सल्फर के धुएं से बचाना पड़ता था, लेकिन ज़हरीली बदबू फिर भी अंदर आती थी। पुरुष गीले रूमाल से साँस लेते थे; महिलाएँ अपनी साड़ी को अपनी नाक पर खींचती थीं। आसनसोल एक ऐसी जगह थी जिसे गौरीपुर भी नीची नज़र से देखता था।

सुबोध मित्रा का मूल स्थान ही उनकी एकमात्र प्रमुख कमी थी।

उसके पिता ने सुबोध मित्रा के बायोडाटा की पंक्तियों को समझने की कोशिश की। "लड़के ने अपने पिता को खुश करने के लिए इंजीनियरिंग की, लेकिन उसका दिल इसमें नहीं था। जब उसे बिजनेस की पढ़ाई करने का मौका मिला, तो वह सूरज की तरह चमक उठा!"

अंजलि ने कभी कोलकाता के अपने बिजनेस स्कूल के बारे में नहीं सुना था। संभवतः सैकड़ों "बिजनेस स्कूल" और "कॉलेज" छोटे-छोटे अपार्टमेंट के पीछे के कमरों में चलाए जा रहे थे, सभी दिल्ली, एलएसई और व्हार्टन के समकक्ष प्रथम श्रेणी की एमबीए डिग्री का विज्ञापन कर रहे थे। वह बहस करने के लिए ललचाई, लेकिन चुप रही।

"यह एक सुनहरा लड़का है।" उसके पिता ने जोर देकर कहा। "उसके माता-पिता बहुत अच्छे हैं
उचित है। वे भी इस शादी को उतना ही चाहते हैं जितना हम चाहते हैं। मैंने उनसे ज़्यादा की पेशकश की है।"

सुबोध मित्रा, जो कि भावी मंगेतर थे, मानसून की बारिश के पहले सप्ताह में, एक लाल रंग की सुजुकी में आसनसोल से आए, जो कि जाम से भरे, संकरे राष्ट्रीय राजमार्ग पर आठ घंटे की यात्रा थी। एक लाल रंग की सुजुकी! श्री बोस अभी भी गौरीपुर की सड़कों पर स्कूटर से चलते थे, ठीक वैसे ही जैसे वे कॉलेज में करते थे - एक और अपमान जिसके लिए अंजलि और उसकी माँ और
बहन किसी न किसी तरह से दोषी थीं।

वह युवक फूल और मिठाइयां लेकर उनके अपार्टमेंट में आया।
फोटो ने झूठ नहीं बोला था: वह लंबा, एथलेटिक और सुंदर था, उसके गालों पर असली डिंपल थे। वह अपने माता-पिता दोनों का ख्याल रखता था और श्री बोस के प्रति उचित सम्मान दिखाता था। उसने शादी के बाजार की शिष्टाचार की मांग को पूरा करते हुए अंजलि की तरफ मुश्किल से देखा।

"ओह, और यह आपकी बेटी, प्यारी अंजलि होगी। मैं हमारी बातचीत का इतना आनंद ले रही थी, कि मैं लगभग भूल ही गई..." अंजलि ने फिर खुद को अनुमति दी।

Machine Translated by Google

बातचीत में धकेला जाना।

उन्होंने उनकी सफ़ेद सूती धोनी-खली साड़ी की तारीफ़ की, जिस पर पीले और हरे रंग की धारियाँ थीं:
"इस अवसर के लिए बहुत बढ़िया चयन।" उन्होंने आगे कहा। "मुझे बोस परिवार की स्त्री संवेदनशीलता की तारीफ़ करनी चाहिए।
अप्रत्याशित रूप से सरल, दिखावटी तंगेल या उधम मचाने वाली कांजीवरम नहीं।"

वह बहुत प्रभावित हुई; जो व्यक्ति अपनी साड़ी की शैली जानता है, वह सचमुच परिष्कृत है।

एंजी ने सोचा कि उसे ऐसे कई साक्षात्कारों से गुजरना पड़ा होगा । उसने शेकी के स्टूडियो में दिन भर के लिए अपनी अकेली कांजीवरम पहनी थी। वह वास्तविक शादी के लिए लाल ब्रोकेड वाली बनारसी पोशाक पहनेगी।

"अंजलि बहुत कलात्मक है," श्री बोस ने कहा।

"मैं यह देख सकता हूँ। स्वाद इन दिनों एक दुर्लभ गुण है। ऐसे मामलों में स्वाद
अपने माता-पिता के उदाहरण की बहुत प्रशंसा करती है।"

"हमारी बेटी ने वास्को दा गामा से सम्मान के साथ स्नातक की उपाधि प्राप्त की है..."

"लड़के" को आश्चर्य और दिलचस्पी का दिखावा करना पड़ा, जैसे कि उसे सब कुछ पता ही न हो
साथ ही, और अंजलि को विनम्रतापूर्वक किसी भी महान बुद्धिमत्ता या प्रेरणा से इनकार करना पड़ा। उन्होंने खुद को आसनसोल में अपने माता-पिता के प्रति पूरी तरह समर्पित बताया, लेकिन उनकी महत्वाकांक्षा कोलकाता जाने और अपने माता-पिता को पास में बसने के लिए राजी करने की थी। सुबोध ने सहजता से स्वीकार किया कि गौरीपुर भी आसनसोल से बेहतर था। उन्होंने सुरुचिपूर्ण संस्कृतनिष्ठ बांग्ला में बात की, जो शिष्टाचार की पराकाष्ठा थी। "मि. बोस, मैं खुद अंतरराष्ट्रीय संचार में एक पद की तलाश कर रहा हूं, उम्मीद है कि कोलकाता में, लेकिन ऐसा न होने पर मैं लखनऊ या इलाहाबाद को प्राथमिकता देता हूं।"

लखनऊ? एंजी ने भयभीत होकर सोचा। इलाहाबाद? कौन सी आधुनिक लड़की
क्या वह खुद को ऐसे उदास स्थान पर बाँध लेगी?

उसके माता-पिता उसकी शुद्ध, मधुर बांग्ला भाषा से प्रभावित थे, जिसमें कोई दोष नहीं था।
हिंदी की घुसपैठ, और वे इसके मानक को पूरा करने के लिए संघर्ष करते रहे। इसने एंजी को एकदम सही रास्ता दिखाया। वह भाषा में इतनी बुरी तरह से लड़खड़ाती थी, आधी जानबूझकर, कि शांत, उदार सुबोध
लगातार उससे पूछता रहता था

Machine Translated by Google

कृपया उसके सवाल दोहराएँ। फिर युवा जोड़े को एक-दूसरे को जानने के लिए एक दोपहर अकेले बिताने की अनुमति दी गई, इस अघोषित धारणा के साथ कि कमियों के बावजूद अंजलि को जानना उसके साथ पागलपन से प्यार करने जैसा है।

एक बार माता-पिता की पहुँच से बाहर होने के बाद, जब वह एलबीएस रोड पर मुख्य सड़क से गुजरा एमजी रोड और पिंकी महल के चौराहे से होते हुए, सस्ते होटलों से गुजरते हुए, जहाँ रबी ने ज़रूर रुका होगा, और वास्को कैंपस और अपार्टमेंट ब्लॉक जहाँ पीटर और अली रहते थे - उनकी खिड़की में एक लाइट जल रही थी - वह आखिरकार अंग्रेजी में बोल पड़ा, "क्या तनाव है! लेकिन तुमने वहाँ बहुत बढ़िया शो किया। बहुत ही भरोसेमंद। वाकई बहुत मज़ेदार।" यह उसकी फूलदार बांग्ला से पहली चूक थी। उसकी अंग्रेजी उसकी अंग्रेजी के सामने कुछ भी नहीं थी।

उसे उम्मीद थी कि वह कार पार्क करेगा और वे एमजी रोड से एल्प्स पैलेस या शायद होटल के रेस्तरां में टहलेंगे। वह सोच रही थी कि क्या उसे उसका हाथ थाम लेना चाहिए। उसे उसके साथ सार्वजनिक रूप से देखे जाने में कोई आपत्ति नहीं होगी।

वह उसे इलाहाबाद बताती- बिल्कुल नहीं! उसे नहीं पता था कि विवाह-पूर्व बातचीत के शुरुआती चरण में युवा लोगों को किस बारे में बात करनी चाहिए। फोटो सेशन और पत्र, सोने और साड़ी की खरीदारी, ठुकराए गए प्रेमियों का ढेर, सब कुछ शून्य में हुआ था। लेकिन उसने आत्मविश्वास से काम लिया और वह संकेतों को समझने में माहिर थी, और वैसे भी, यह सब अंजलि नाम की एक काल्पनिक लड़की के साथ हो रहा था जबकि असली व्यक्ति, एंजी, आराम से बैठकर देख सकती थी। शौक? हारमोनियम के साथ उसकी न्यूनतम प्रतिभा के लिए भगवान का शुक्र है। पसंदीदा खाना? उसे कैसे पोज देना चाहिए- परिष्कृत और अंतरराष्ट्रीय, शायद पिज्जा- या मीठे, शर्मीले देसी, मछली करी और चावल पर पली-बढ़ी एक साधारण बंगाली लड़की?

सुबोध का पैदल चलने या कॉफी और आइसक्रीम के लिए रुकने का कोई इरादा नहीं था। वे कुछ ही मिनटों में गौरीपुर से बाहर निकल गए, पटना के मुख्य राजमार्ग को पार करते हुए, पश्चिम की ओर पाँच घंटे की दूरी पर, मानसून के हरे-भरे ग्रामीण इलाके में। बारिश के बीच धूप वाली दोपहर थी। रबी भी बस में यहाँ आई थी; उसने उसकी तस्वीरों से दृश्य पहचाने: अब चमकती हुई, कभी धूल भरी वनस्पति, लाल मिट्टी, छप्पर की छतों पर बुने हुए पैटर्न, अब बाढ़ से भरे खेतों में लौटते लंबे पैरों वाले पक्षी, सड़क के किनारे चलती महिलाओं की चमकदार साड़ियाँ। भारत सुंदर था। ग्रामीण इलाका शांत था।

Machine Translated by Google

और वह सुबोध की संगति में सहज और सुरक्षित महसूस करती थी।
उसने इसकी कल्पना की थी, एक सुंदर, आत्मविश्वासी पति के साथ लाल रंग की कार में ग्रामीण इलाकों से गुज़रते हुए। यह काम कर सकता था। उसे यकीन था कि उसकी माँ और उसकी बहन ने ऐसा पल कभी नहीं देखा होगा। श्री मित्रा की अंग्रेज़ी आसनसोल या बैंगलोर में और ख़ास तौर पर उसके माता-पिता के घर में प्रभावित कर सकती थी, लेकिन वह ऊपरी हाथ रखती थी।

"बहुत बढ़िया शो? आप क्या कहना चाह रहे हैं, मिस्टर मित्रा?"

"तुम पूरी तरह से धोखेबाज हो। अंजलि बोस नाम का कोई भी व्यक्ति तुम्हारे जितना खराब बांग्ला नहीं बोल सकता!"

"और क्या यह आपकी सभी महिला मित्रों के लिए पारंपरिक प्रशंसा है, श्री मित्रा?"

"मैं एक ईमानदार आदमी हूँ। मैं अपनी बात कहता हूँ। जो मेरा है, मैं वही लेता हूँ।"

कम से कम उन्होंने महिला मित्रों से इनकार नहीं किया।

"ईमानदारी सभ्य शिष्टाचार का एक खराब विकल्प है, मि. मित्रा। मेरी ईमानदारी मुझे यह पूछने पर मजबूर करती है कि आखिर लखनऊ क्या है? कौन सी आधुनिक लड़की लखनऊ या इलाहाबाद में बसने जा रही है?"

"लखनऊ में मेरे चाचा सिविल जज, जूनियर डिवीजन हैं। इलाहाबाद में मेरे सबसे बड़े चाचा स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में मैनेजर हैं।" कुछ मिनट बाद उन्होंने कहा, "आपकी जानकारी के लिए बता दूं कि मेरा दोनों जगहों पर जाने का कोई इरादा नहीं है।"

उन्होंने कहा, "कोलकाता में मेरी कोई रुचि नहीं है।"

"अच्छा हुआ। कोलकाता मर चुका है और दफ़न हो चुका है। और तुम्हें भाषा सीखनी होगी।"

जिस पर, ज़ाहिर है, वह खुलकर मुस्कुराई। उसने तय किया कि वह वास्तव में बुरा नहीं था। एक अलग एंजी ने उसे देखा और कहा "वह ईमानदार है, वह मज़ेदार है, वह निश्चित रूप से सुंदर है, वह चतुर है। मैं इससे भी बुरा कर सकती थी।"
अंग्रेजी में वह किसी भी बॉलीवुड हीरोइन की तरह कामुक और आकर्षक हो सकती है।
वह मुस्कुराकर उसकी ओर मुड़ी और बहुत ही प्यार से पूछा, "तो तुम्हारे माता-पिता को कोलकाता में बसाने का सारा मामला क्या था?" ... झूठ है?" ऐसा नहीं है

Machine Translated by Google

यह मायने रखता था। विवाह वार्ता में एक निश्चित मात्रा में आपसी मुद्रास्फीति शामिल थी। वह लगभग किसी भी स्तर पर छल-कपट का इस्तेमाल करने से ऊपर नहीं थी।

उन्होंने कहा, "आपका मुंह बहुत बड़ा है, आप जानते हैं।"

वह राजमार्ग से मुड़ गया। एक कीचड़ भरा रास्ता आंशिक रूप से साफ़ किए गए मार्ग से होकर जाता था। जंगल से निर्माण स्थल तक। जगह सुनसान थी। मज़दूरों की झोपड़ियाँ बिखरी पड़ी थीं, लेकिन कई इमारतें वीरान लग रही थीं। मॉनसून या अचानक फंडिंग बंद होने की वजह से छोड़े गए अपार्टमेंट ब्लॉक के खोल के लिए कंक्रीट डाली गई थी। जंग लगी लोहे की छड़ें बिल्कुल साफ स्लैब से बाहर निकली हुई थीं। अंजलि को शब्द याद आया: सरिया। उसने कार को एक अंधेरे ग्रोव में रोका। यह जगह भी जानी-पहचानी थी। रबी यहाँ आ चुकी थी; उसने तस्वीर देखी थी। उसने कहा था कि छाया को बाहर लाने के लिए काला और सफ़ेद। उसने इसे एक अंधेरी और चिंताजनक जगह बना दिया था, जो अपने परित्याग में भूतिया थी। उसने कार का दरवाज़ा खोला, बाहर निकलने और इसे और करीब से देखने के लिए तैयार हुई, मानो तस्वीर में प्रवेश कर रही हो।

उन्होंने कहा, "हमें यहां कोई परेशानी नहीं होगी।"

वह मुड़ी और पूछा, "तुम्हें कैसे पता?"

"मैं आज सुबह गाड़ी चलाकर आया।" वह बंगाली में बात करने लगा, एक ऐसी भाषा जो उससे उसकी शक्ति और सूक्ष्मता छीन ली गई। "मेरे पास जगह खोजने का समय था।"

"किस लिए जगह?"

वह नाक भौं सिकोड़कर बोला, "हमारी वैवाहिक बातचीत।"

"यह किस प्रकार की बातचीत होगी, श्री मित्रा?"

"वापस अंदर जाओ और दरवाज़ा बंद करो," उसने आदेश दिया। "तुम क्या सोचते हो? तुम मेरी पत्नी बनने जा रही हो।"

उसने अपने हाथ उसकी चमकीली हरी चोली के ऊपर उसके स्तनों पर रख दिए। धोनी-काली साड़ी। "हर कोई जानता है कि तुम किस तरह की लड़की हो।"

Machine Translated by Google

वह चिल्लाई, "मुझे तुरंत घर ले चलो।"

वह मुस्कुराया और फिर हंस पड़ा। उसकी उँगलियाँ उसके गालों को खींच रही थीं।
उसने अपनी साड़ी नीचे कर दी। "मैं तुम्हारी फैंसी सूती चोली नहीं फाड़ना चाहता," उसने कहा।
"अब इसे खोलो।" उसने मना कर दिया, और उसने हुक की पंक्ति खोल दी, जिससे उसकी ब्रा उजागर हो गई। यह
उसकी पुश-अप ब्रा थी, जिसे इस अवसर पर उसकी माँ ने उसे पहनाया था। उसने अपनी साड़ी के ढीले सिरे को उसके ऊपर
खींच लिया। उसने उसका हाथ नीचे पटक दिया और उसे वहीं, उसकी गोद में रख दिया।

उन्होंने कहा, "मुझे यह देखने का पूरा अधिकार है कि मुझे क्या मिल रहा है। ठीक वैसे ही जैसे एक अमेरिकी को मिलता है।"

रबी? उसने सोचा। मैंने किसी भी अमेरिकी के साथ कुछ नहीं किया है - या किसी भी
भारतीय, उस मामले में। ऐसा नहीं हो सकता, खासकर तब जब वह अपनी शानदार साड़ी पहने हुए हो। क्या उसने
लिविंग रूम में उसकी साड़ी का वर्णन इसी तरह नहीं किया था? बॉलीवुड की किसी फिल्म में एक उद्धारकर्ता उभरेगा,
शायद निर्मल गुप्ता का भूत, जिस पर वह हर बार सड़क पर गुजरते समय अपनी भावुक आँखों से हँसती थी।
बिल्कुल फिल्मों की तरह: अच्छा, वफ़ादार, अनदेखा किया गया लड़का, नेक लेकिन थोड़ी बहुत घमंडी और जिद्दी लड़की की
मदद के लिए आता है, जो खुद को समझौता करने देती है, लेकिन घातक रूप से नहीं।

शायद यह निर्मल गुप्ता को गंभीरता से न लेने, उस छोटे से पत्र को कम आंकने की सज़ा थी जिसे उसने जहर के
असर से पहले लिखने की कोशिश की थी। वह प्रार्थना करती, "राम, राम," और राम अपने कई रूपों में से एक में उसे
बचा लेते। वह मुड़ी और कंक्रीट के मृत स्लैब को कुछ देर तक घूरती रही, लेकिन सुबोध मित्रा का हाथ उसकी ठुड्डी पर था
और उसने उसे जोर से पीछे खींच लिया।

"जब मैं बात कर रहा हूँ तो मेरी तरफ देखो!" उसने आदेश दिया। "मैंने चारों तरफ पूछा। मैं
मैं आपके और आपके तथाकथित प्रोफेसर के बारे में नहीं जानता।"

"तुम पागल हो। मुझे तुरंत घर ले चलो, मिस्टर मित्रा।"

"मैंने अपना शोध किया। हमारे पास अभी भी नब्बे मिनट हैं, और हमारे पास कुछ है
पहले क्या करना है, इस पर बातचीत चल रही है।"

"यह भी मत सोचो-"

Machine Translated by Google

वह बोलने लगी, लेकिन उसने हाथ हिलाकर उसे थप्पड़ मार दिया।
जोर से, लेकिन एक भी खाली थपकी नहीं। उसने ब्रा खोली और उसके स्तनों का मूल्यांकन किया। उसने फिर से खुद को ढकने की
कोशिश की, लेकिन उसने उसकी बाहें नीचे खींच लीं। "वहाँ ज़्यादा कुछ नहीं है," उसने कहा।

वह रोने लगी, लेकिन आँसू नहीं आए। उसे पता था कि उसके हाथ उस पर हैं
उसके स्तनों को ज़ोर से खींचते हुए, फिर उन्हें तौलते हुए, छोटे अमरूदों की तरह, और वह उन सभी लड़कियों के बारे में सोचने लगी जिनसे
वह ईर्ष्या करती थी, आम-छाती वाली, तरबूज-छाती वाली, और अचानक सड़ते हुए आम की बदबू बंद खिड़कियों में घुस गई,
और वह परित्यक्त झोपड़ियों और कार के चारों ओर गिरे हुए आमों के छिलके देख सकती थी।

जंगल के गहरे भाग से आती हुई एक आवाज़ ने आदेश दिया, "मुझे करो!" और जब वह होश में आई, तो देखा कि मिस्टर मित्रा अपनी पतलून खोले हुए थे, और उनके हाथ में मोमबत्ती की तरह एक पीला, पतला सा प्राणी खड़ा था, एक ऐसी चीज़ जिसके बारे में वह जानती थी लेकिन कभी नहीं देखी थी, एक लंबा, भूरा, अस्पष्ट रूप से सरीसृप प्राणी जिसके सिर की जगह पर एक छोटा सा मुँह था। घबराहट में उसे उसके लिए थोड़ी दया की लहर महसूस हुई; यह असली मिस्टर मित्रा नहीं हो सकता था, बल्कि किसी दुर्भाग्यपूर्ण आक्रमण का परिणाम हो सकता था; वह किसी राक्षस के कब्जे में था - लेकिन इससे पहले कि वह आगे अध्ययन कर पाती, मिस्टर मित्रा के खाली हाथ ने उसके सिर को उसके सिर पर गिरा दिया, और वह उसे आदेश देते हुए सुन सकती थी, "अपना बड़ा मुँह खोलो..." जब वह घुट रही थी, तो उसने उसका सिर ऊपर खींचा, फिर बालों से नीचे किया, उसके सिर को तब तक हिलाया जब तक कि वह खुद ऐसा करने में सक्षम नहीं हो गई, और उसकी आवाज़ एक गुनगुनाहट में बदल गई और उसे अपनी साँस पकड़नी पड़ी, घुटन और अपने कानों में गर्जना को रोकने का कोई तरीका खोजना पड़ा। जब उसका हाथ उसके सिर के पीछे से ढीला हुआ, तो वह लुढ़क गई और उसने देखा कि उसने क्या किया है, उसकी पैंट और उसकी साड़ी पर कितनी गंदगी फैल गई थी, और उसने अपनी साड़ी का एक मुट्ठी भर हिस्सा खुद को और स्टीयरिंग व्हील, यहाँ तक कि खिड़की को पोंछने के लिए लिया, उसे हर समय कोसता रहा कि उसने उसे ऐसे ही छोड़ दिया, उसे इस तरह से अपमानित किया, उसके सूट, उसकी उधार ली गई कार, यहाँ तक कि उसकी साड़ी को भी बर्बाद कर दिया। "तुम कुतिया हो, तुम कुतिया हो," उसने कहा, साथ में बांग्ला शब्द भी बोले जो उसे नहीं पता थे।

उसने अपनी गोद में गिरी ब्रा और साड़ी को देखा और अपने स्तनों को ढकने की कोशिश की। उसने लगभग फुसफुसाते हुए पूछा, मानो पूछना यह धारणा बनाना था, "क्या तुम मुझे मारने जा रहे हो?" वह अभी भी उसके सिरों का उपयोग कर रहा था

Machine Translated by Google

साड़ी पहनकर खुद को साफ करना। उसे सालों पहले आई एक हिंदी फिल्म याद आई, जिस्म, जिसका बहुत प्रचार हुआ था, और जब उसने क्लास के कुछ लड़कों से पूछा कि इस शब्द का क्या मतलब है - वह, अंग्रेजी में अव्वल दर्जे की लड़की, और वे क्लर्क और दुकानदारों के भोले-भाले बेटे - तो उन्होंने कहा कि वे इसे प्रदर्शित करके खुश होंगे।

"बेवकूफी मत करो। मैं तुमसे शादी करने जा रहा हूँ," उसने कहा। "तुम्हारे पिता ने मुझसे लगभग विनती की थी।"

अगर मुंह साफ करने का कोई तरीका होता तो वह ऐसा करती। अगर उसके पास कीटनाशक का डिब्बा होता तो वह उसे निगल लेती। जब उसे अपने किए की याद आई तो वह बस उल्टी कर सकती थी और वह उल्टी उसने अपनी गोद में ही की।

"अब," उसने कहा। "तुम्हें पता है कि तुम्हें क्या करना है।" बिना कुछ कहे, भाप से भरी खिड़की से मुड़े हुए धातु के स्पाइक्स को देखते हुए, उसने उसकी पैंटी नीचे खींच दी।

घर वापस आकर उसे कार से उतरकर पार्लर से होते हुए सीधे बाथरूम तक भागना पड़ा।

वह सामने वाले कमरे में सुबोध की आवाज़ सुन सकती थी। "यह शायद कॉफ़ी शॉप में हमने खाया हुआ कुछ होगा। यह बात उसे अचानक याद आ गई।"

उसके पिता ने कहा, "कृपया चिंता न करें। वह एक स्वस्थ लड़की है। हम कोई मेडिकल इतिहास नहीं छिपा रहे हैं।"

उसकी माँ ने तुरन्त कहा, "परिवार के दोनों पक्षों में बहुत अच्छे संबंध हैं।
स्वास्थ्य। कभी भी कोई बीमारी की छुट्टी नहीं। जहाँ तक अंजलि की बात है, तो सामान्य पीलिया, खसरा और टाइफाइड को छोड़कर, वह पूरी तरह स्वस्थ है।"

अंजलि टी-शर्ट और जींस पहनकर वापस लौटी, उसने अपना विरोध प्रकट किया, लेकिन उसने अपना सिर झुका रखा था। उसने राक्षस या अपने माता-पिता की ओर नहीं देखा।
वह सहयोग नहीं करेगी.

Machine Translated by Google

श्रीमान और श्रीमती बोस ने उनसे रात्रि भोजन के लिए रुकने का अनुरोध किया। सुदूर बिहार में भी, जहाँ बड़ी नदी कार्प मिलना मुश्किल था, बंगाली पारंपरिक मछली करी बनाना जानते थे। श्रीमती बोस खास तौर पर मोटी, ताज़ी रुई के लिए बंगाली बाज़ार गई थीं, और श्री बोस ने नकली रसमलाई बेचने वाली आम मिठाई की दुकानों से हटकर कुछ प्रामाणिक बंगाली खाने की तलाश की थी।

अभी भी अपनी गोद में देखते हुए अंजलि ने कहा, "श्री मित्रा ने कहा है कि उन्हें जाना है।" आज रात आसनसोल वापस आ जाओ। आठ घंटे - उसे अपना कदम आगे बढ़ाना चाहिए।

"आपकी बेटी हमेशा की तरह सही कह रही है," उन्होंने कहा। "मुझे जाना चाहिए। आप मुझे यकीन है कि मुझे अपने पिता से कुछ सुनने को मिलेगा।"

अंजलि के माता-पिता को समझ नहीं आ रहा था कि उसकी इस बात का क्या मतलब निकाला जाए। लड़के की भावनाओं के प्रति कोमल चिंता? उससे छुटकारा पाने की इच्छा? उसने पेट में ज़्यादा तकलीफ़ और पीछे के कमरे में अंधेरे में सोने की ज़रूरत की बात स्वीकार की, और विदाई की औपचारिकताएँ अपने माता-पिता पर छोड़ दीं।

Machine Translated by Google

5

पीछे के कमरे से वह सामने वाले कमरे में हो रही वैवाहिक बातचीत की भाषा सुन सकती थी: "बेशक, यह सब तुम्हारे पिता की स्वीकृति के अधीन है... लेकिन तुम और वह बहुत अच्छे से साथ रहे, कोई भी देख सकता है..." और उसकी माँ बीच में बोल पड़ी: "बेचारी लड़की, तुमने उसे इतना उत्तेजित कर दिया कि वह अपना खाना पचा नहीं पा रही..." और उसके पिता और सुबोध के बीच हंसी-मजाक, जिनकी आवाज़ से ही जानलेवा विचार निकल रहे थे- दहेज के दावों पर मज़ाक कर रहे थे: "मेरे पिता वाकई एक होशियार व्यवसायी हैं, इसलिए उन्हें बहुत ज़्यादा माँगने मत दो। मैं चाहता हूँ कि यह शादी सुचारू रूप से चले," हँसी के साथ मिला। "हम भी चाहते हैं!" उसके पिता ने कहा। उन्होंने सुझाव दिया कि शायद एक जापानी घड़ी और एक कंप्यूटर सौदा पक्का कर देगा। "हाँ, शायद वह सोने की घड़ी लेगा- स्विस, जापानी नहीं- मैचिंग गोल्फ़ क्लब का एक सेट और एक अमेरिकी कंप्यूटर और मेरे लिए एक आयातित लैपटॉप- एक पीसी, तोशिबा या डेल- और गेम और फ़िल्मों का एक चयन," और उसके पिता हँसे। "हमें इस बारे में देखना होगा।"

सुबोध के चले जाने के बाद अँधेरे में लेटा हुआ, धीरे-धीरे घूमते हुए को देखता हुआ छत के पंखे की आवाज़ को सुनते हुए, तेल से सने, धूल से भरे खंभे के चारों ओर उसकी हिलती हुई कक्षा के साथ-साथ साँस लेते और छोड़ते हुए, उसे एक पुराने नाटक की गूँज याद आ गई। "मैं —थम्पा—ज्योतिषी को बुलाऊँगी । मैं —थम्पा—प्रिंटर को बुलाऊँगी । मैं —थम्पा—लड़के के पिता को लिखूँगी ।" और पाँच साल पहले इसी कमरे में, इसी दरवाज़े के पीछे, इसी बिस्तर पर, उसे सोनाली की चीख याद आ गई, "बस मुझे चाकू दे दो!" जब तक कि उसने हार नहीं मान ली, फिर माफ़ी नहीं माँगी।

उसकी माँ उसी कमरे में, उसी बिस्तर पर सोती थी। अंजलि, आँखें बंद करके, नींद या थकावट का बहाना करते हुए, चुप्पी तोड़ने के लिए अवसर की प्रतीक्षा कर रही थी। वह श्री मित्रा के बारे में सारी बातें बता सकती थी, लेकिन उसकी माँ बस बिस्तर पर गिर गई और सो गई। जाहिर है, चर्चा करने के लिए कोई दिलचस्प बात नहीं थी, यहाँ तक कि जल्द ही शादी करने वाली महिलाओं की दुनिया में कोई उत्साहपूर्ण स्वागत भी नहीं था - कोई "नमस्ते, श्रीमती मित्रा! वह बहुत सुंदर है!"

आप बहुत खुश होंगे!" सामने वाले कमरे में, श्री मित्रा के लिए दरवाजा बंद करने और उन्हें (अगर उन्होंने सही सुना) "भगवान आपकी सेवा करें" की शुभकामनाएं देने के कुछ ही मिनट बाद

Machine Translated by Google

आसनसोल में, उसके पिता ने अपनी पतलून उतार दी और खर्राटों से शटर खटखटाने लगे। मानो दुनिया रुकी ही न हो।

उसे सपनों के हमले की आशंका थी। बेडरूम में अकेली, वह अपनी आँखें बंद करने से डरती थी जब तक कि उसकी माँ बिस्तर पर नहीं आ जाती, लेकिन जब ड्रेस-साड़ी और सोने की साड़ी की सरसराहट खत्म हो जाती थी, और खर्राटे शुरू हो जाते थे, तो वह फिर से अपनी आँखें खोलती थी। बचपन में, उसे भूतों की उपस्थिति का एहसास होता था। वह अक्सर अपने बिस्तर पर उनका वजन महसूस करती थी। वह और सोनाली, एक दूसरे के बगल में लेटे हुए, अकेले ऊँची, बंद बेडरूम की खिड़की के बाहर भूतिया चेहरों की कल्पना करते थे। वे लंबी रातें मनगढ़ंत नामों और उनके फिर से प्रकट होने के कारणों से भर देते थे। कोई भी मृतक रिश्तेदार अप्रत्याशित रूप से अचानक आ सकता था। पारिवारिक भूत हमेशा बदला लेने के मिशन पर रहते थे। उनकी शिकायतें - और वह उन सभी को जानती थी, प्रतिद्वंद्विता और धोखाधड़ी की सभी कहानियाँ, कड़वाहट और अधूरे वादे, पक्षपात, चोरी, गरीबी, सभी बेवफाई, मृत बच्चे, परित्यक्त पत्नियाँ, क्रूर सास - एक ही जीवनकाल से परे हो सकती थीं। पचास साल जीवन भर के अपमान का बदला लेने के लिए बहुत कम थे। उन्हें बार-बार लौटना पड़ा।

यही उसके पिता का बहाना था: उनका भाग्य अभिशप्त था। एक ज्योतिषी ने एक बार उन्हें चेतावनी दी थी कि उनके एक ईर्ष्यालु चाचा हैं, जो बहुत पहले मर चुके हैं, जिन्होंने हर पुरुष बोस के धन और खुशी के रास्ते को अवरुद्ध कर दिया था। यही उसकी माँ का बहाना था: मेरा नाम शायद दूर की आंटी के नाम जैसा ही है; मुझे उसके कुकर्मों की सजा मिल रही है।

और अब उसे पता चल गया था कि पुरानी कहानियाँ सच थीं। राक्षस थे, और मासूम बच्चे उनके शिकार थे, और कोई भी, खास तौर पर उसके माता-पिता, उसे उनसे नहीं बचा सकते थे।

वह बिस्तर से फिसलकर घर में चली गई, अपने माता-पिता को उनकी बेबसी भरी लाचारी में घूरते हुए। वह भूत की तरह भटक रही थी। उसने अपनी दागदार साड़ी बाथरूम के एक कोने में गिरा दी। अपनी माँ को अपनी शानदार जमाई के निशान खोजने दिए। उसके घर में कुछ भी नहीं बदला था, लेकिन दुनिया अलग थी। उसने अलमारी से सोनाली की पुरानी लाल सैमसोनाइट निकाली और अपनी दो सबसे अच्छी साड़ियाँ और अपनी सारी टी-शर्ट और जींस उसमें फेंक दीं।

उसने अपने बैग में अंडरवियर और टॉयलेटरीज़ भर लीं। वह लाइट जला सकती थी, सूटकेस का ढक्कन बंद कर सकती थी, उसे घसीट कर पार कर सकती थी

Machine Translated by Google

पत्थर के फर्श पर, और उसके खर्राटे लेते, सपने देखते माता-पिता में से किसी ने भी इस पर ध्यान नहीं दिया होगा।

उसने अपनी पुरानी वास्को दा गामा अभ्यास पुस्तिका निकाली, और उसमें से किताबें पलटने लगी।
दर्जनों पन्नों की शानदार स्कूली छात्रा की लिखावट, सावधानीपूर्वक लिखे गए नोट्स - सब बेकार, बेकार! - और दो साफ पन्ने फाड़ दिए। गौरीपुर में अपने आखिरी दिन, वह तंग बालकनी में छोटी सी मेज पर गई जहाँ वह हमेशा अपना काम करती थी और अपनी किताबें पढ़ती थी, और लिखना शुरू कर दिया। मंद रोशनी में उसने एक नोट लिखा और उसे अपनी माँ के "बस मामले में" दाल के जार में छोड़ दिया।

प्रिय माँ और बाबा:

मैं अपने अलावा किसी और के द्वारा चुने गए किसी भी लड़के से शादी नहीं करूंगी, खासकर इस लड़के से नहीं। अगर इससे मेरी ज़िंदगी बंजर हो जाती है, तो ऐसा ही हो। जैसा कि आप साफ देख सकते हैं, आपने जिस लड़के को चुना है, उसने मेरा अपमान किया है। उसे तुरंत जेल भेज देना चाहिए।

मैं आज सुबह अपनी बहन से मिलने पटना जा रहा हूं, जिसका नाम लेने में आप हिचकिचा रहे हैं।

जब मैं फिर से व्यवस्थित हो जाऊँगा, तो लिखूँगा। इस प्रक्रिया में कई महीने लग सकते हैं। मैं दुनिया में अपनी जगह लेने के लिए तैयार हूँ। मैं आपसे विनती करता हूँ कि मुझे खोजने की कोशिश न करें।

आपकी प्यारी बेटी, ए.

वह अंजलि थी। वह नीचे देख सकती थी और बेचारी छोटी एंजी को अपने बिस्तर पर कराहते हुए देख सकती थी।

रात में गौरीपुर की अंधेरी गलियाँ उसके लिए अनजान थीं।
यह बेडरूम की शांति से भी अधिक गर्म था, और कराहें, खांसी, तीखे शब्द और कभी-कभी हॉर्न की आवाज से भरा था - लेकिन कई आवाजें बस पहचान में नहीं आ रही थीं, शायद चमगादड़ों के पंख, शायद दिन भर की मार से आराम करती धरती की चरमराहट, मोटे पत्तों का एक दूसरे से टकराना, कुत्तों और लोगों, चूहों की झाड़ियों में जरूरी कामों की आवाजें

Machine Translated by Google

और नेवले, लाखों छोटे पंजों की अंतहीन घिसाई और पेड़ों की शाखाओं और पत्थरों से टकराती गर्म हवाएं और हर लैंपपोस्ट पर लगे मूवी पोस्टर, और तब उसने सोचा, जैसा कि वह अक्सर सोचती थी, कि भूत यह सब समझाते हैं, ठीक वैसे ही जैसे रात में तारे या चाँद पर चेहरा हमारे पूर्वजों को कहानियाँ सुनाता था। टूटे हुए फुटपाथ पर सो रहे आदमी, दिन में अदृश्य रात के किरदारों की टोली, स्ट्रीटलैंप के नीचे ताश खेलते और जानवरों की आवाज़ निकालते हुए, उसे पानी पीने के लिए बुलाते हुए (आखिरी चीज़ जो उन्होंने देखने की उम्मीद की थी, एक दृढ़ निश्चयी युवती सड़क के बीचों-बीच फ़र्श के पत्थरों पर शोर मचाते हुए सूटकेस खींच रही थी)। उसके घर और नेहरू पार्क के बीच की दूरी कभी इतनी विशाल नहीं लगी थी, और पार्क कभी इतना अंधेरा और पेड़ों और लंबी घास से भरा नहीं था, शहर कभी इतना छोटा, अव्यवस्थित और बदबूदार नहीं था।

उसने अनुमान लगाया कि अभी पाँच बजे थे, अर्थात् भोर होने में डेढ़ घंटा बाकी था।
कुछ लाइटें पहले से ही जल रही थीं, शायद नौकर अपने मालिकों का दिन शुरू करने वाले थे।
उसकी माँ सुबह उठती और शायद खाली बिस्तर पर ध्यान भी नहीं देती, जब तक कि वह कुछ मिनट बाद चाय लेकर वापस नहीं आती। तब उसे साड़ी दिखाई देती।
वह उसे उठाकर अपने चेहरे पर रखती और उसे महसूस होता कि क्या हुआ है। वह अपने पति को जगाने से पहले यह सब करती। शायद उसे जगाने से पहले वह पत्र भी मिल जाता। क्या वह चीखती या रोती या फिर अपने पति पर ठंडे दिमाग से आरोप लगाती—"देखा तुमने क्या किया है? कोई जमाई नहीं, और अब कोई बेटियाँ नहीं!"
उसकी माँ क्या करेगी, क्या कहेगी? अंजलि को अंदाजा नहीं था।

वह पीटर के अपार्टमेंट के बाहर फुटपाथ पर खड़ी थी। पाँच-पंद्रह। पाँच-बीस। एलबीएस रोड पर सुबह जल्दी उठने वाले लोग मार्च कर रहे थे: हँसते-हँसते और धक्का-मुक्की करते नौजवानों के झुंड; बाग़ में लूटपाट की रात के बाद घमंडी लंगूरों की एक टोली, अपनी दुम ऊँची और मुड़ी हुई, नेहरू पार्क की सुरक्षा की ओर लौट रही थी और फ़ोटो खिंचवाने और मूंगफली माँगने का दिन गुज़ार रही थी; खाकी वर्दी पहने, साइकिल पर सवार बुज़ुर्ग, खाली, खनखनाती दूध की बाल्टियों की गाड़ियाँ खींच रहे थे; बड़े-बड़े बर्लेप के बंडलों के नीचे झुके हुए लथपथ चीथड़े-चीथड़े बीनने वाले; और पुरुष अपनी धोती का कोना उठा रहे थे या ब्रीफ़केस रखकर अपनी सूट पैंट के बटन खोलकर सार्वजनिक दीवारों के सामने पेशाब कर रहे थे। नगरपालिका के कर्मचारी नालियों के किनारे गाड़ियों में भरकर कूड़ा फेंक रहे थे, जहाँ कुत्तों और सूअरों और जिज्ञासु गायों और चीख़ते कौओं की कतार लगी हुई थी

Machine Translated by Google

सार्वजनिक दीवारों के ऊपर बैठा हुआ: एक छोटे भारतीय शहर का भोर से पहले खिंचाव और खांसने और नाक साफ करने का दृश्य।

एक घंटे में - वह समय जब वह आमतौर पर अपना स्कूल का दिन शुरू करने के लिए जागती थी - सड़कें सभी तरह के वाहनों से जाम हो जाती थीं, शोर का स्तर इतना अधिक होता था कि वह बातचीत की सारी उम्मीद छोड़ देती थी, सूरज पहले से ही ऊँचा और गर्म था। वह, जिसने एक घंटे पहले इतनी अवांछित रुचि जगाई थी, अब सभी के लिए अदृश्य थी। पाँच-तीस पर पीटर के अपार्टमेंट में रोशनी चालू हो गई। उसने पाँच मिनट और इंतज़ार किया; फिर, अपनी सैमसोनाइट को नीचे की सीढ़ी पर छोड़कर, वह टेरा-कोटा के फूलों के गमलों की नई पंक्तियों के बीच लैंडिंग की ओर चली गई। उसने नीले दरवाजे पर दो बार दस्तक दी।

जब अली ने इसे खोला, तो उसने मुस्कुराते हुए और नाम लेकर उसका अभिवादन किया, नौकर की तरह नहीं बल्कि अपनी ही उम्र के एक और लड़के की तरह। "मुझे पीटर से मिलना है," उसने कहा। पीटर, तुम्हारा मालिक नहीं , मिस्टर चैंपियन नहीं । उसने उसे अंदर जाने दिया और फिर उसका बैग लेने के लिए सीढ़ियों से नीचे चला गया।

पीटर दो बर्नर वाले गैस स्टोव के पास खड़ा था, अपनी सुबह की चाय की चुस्की ले रहा था। उसने पायजामा पहना हुआ था, और एक गाँठदार शॉल ने उसकी छाती को ढँक रखा था। बस एक पल के लिए उसने घूर कर देखा, और वह कहना चाहती थी "यह मैं हूँ, एंजी। मुझे पता है कि यह जल्दी है, मुझे पता है कि यह चौंकाने वाला है," लेकिन उसने अपनी आँखों को फिर से केंद्रित किया और मुस्कुराया। उसने उसकी ओर एक कदम बढ़ाया, बाहें फैलाईं, और उसने एक कदम आगे बढ़ाया, फिर एक और, और खुद को उसकी बाहों में पाया - वह, जिसने उसे मुश्किल से कभी छुआ था, कभी उसका हाथ भी नहीं मिलाया था।

अली लाल सूटकेस लेकर वापस आया। एक पल के लिए वह उलझन में लग रहा था, फिर अलमारी की ओर भागा और इस्त्री की हुई शर्ट निकाली। उसने पीटर की शॉल उठाई, उसे मोड़ा, फिर पीटर को शर्ट पहनाने में मदद की। उसने शर्ट के बटन लगाए। अंजलि के लिए यह क्रिया कोमल, यहाँ तक कि कामुक भी थी। अली के नाखून लंबे और लाल थे। फिर उसने एक मग लिया और उसके लिए चाय डाली।

"अदरक कुकी?" पीटर ने पूछा, और अली ने प्लेट से एक कपड़ा उठाया।
"कृपया," उन्होंने कहा। "चीजें शायद बहुत ख़राब हो गई हैं।"

"बहुत बुरा," उसने कहा। "मुझे यह सब आते हुए देख लेना चाहिए था।"

Machine Translated by Google

"जहां तक मुझे याद है, आपकी पिछली मुलाकात के समय हमारे बीच अच्छे संबंध नहीं थे।
शादी की तस्वीर का सवाल था। तुम्हारे जाने के बाद, मैंने सोचा कि तुम्हें माफ़ी लिख दूँ-"

"मैं बहुत उलझन में था। मैं सीधे कॉलेज गया और बेचारे निर्मल गुप्ता से कहा कि वह उस चित्र को किसी भी बड़ी विवाह साइट पर पोस्ट कर दें जो उन्हें मिल सके।
तुमने कहा था कि वह तस्वीर सिर्फ़ परेशानी ही पैदा करेगी, लेकिन मुझे लगा कि यह सब कुछ बदल देगी। और देखो उसने क्या किया। मुझे अभी भी कुछ नहीं पता सिवाय इसके कि मैं घमंडी थी, और मैंने उस लड़के की जान ले ली, और कुछ समय के लिए, मैंने सोचा कि शायद मेरी भी जान चली गई। जिस लड़के से मेरे माता-पिता मेरी शादी करवाना चाहते थे, उसने मुझ पर हमला किया। मुझे वहाँ से चले जाना पड़ा।"

पीटर ने अली को इशारा किया और अलमारी की ओर इशारा किया। अली एक गोल कुकी टिन लेकर वापस आया। अंदर सौ-सौ रुपये के नोटों की ढेरियाँ स्टेपल की हुई थीं। उसने उन्हें गिनना शुरू किया; प्रत्येक ढेर में सौ-सौ नोट थे, यानी दस हज़ार रुपये।
बीस, तीस, चालीस, पचास हज़ार रुपए, आधा लाख, उससे कहीं ज़्यादा पैसा जितना उसने कभी देखा था, कभी संभाला था।

"यह बहुत ज़्यादा पैसे लग सकते हैं," पीटर ने कहा, "और गौरीपुर की एक लड़की के लिए यह हो भी सकता है। लेकिन आप बैंगलोर में कुछ महीनों में इतना कमा सकते हैं।" उसने पूरा डिब्बा उसके बैग में डाल दिया।

"क्या आपके पास वे दो नाम और पते हैं जो मैंने आपको दिये थे?"

"हाँ," उसने कहा। उसने सैमसोनाइट की ओर इशारा किया। "मेरे पास जो कुछ भी है वह सब इसमें है वह।" उसने चाय की चुस्की ली और सामने रखी अदरक की कुकी को चबाया। "दो साड़ियाँ, दो सलवार-कमीज़, तीन जोड़ी जींस और मेरी टी-शर्ट।" उसने अपने बैग के बंद होने वाले फ्लैप को थपथपाया। "और बैंगलोर में तुम्हारे दो दोस्तों के पते।"

"उन पतों को मत खोना, एंजी। मैं उन्हें लिख दूँगा ताकि वे तुम्हारा इंतज़ार करें।
और पैसे की हिफ़ाज़त अपनी जान की परवाह किए बिना करना। बैंगलोर के लिए ट्रेन नौ बजे निकलती है। अली तुम्हें स्टेशन तक छोड़ देगा।"

Machine Translated by Google

"मैंने टिकट आरक्षित नहीं कराया था," उसने कहा। "मैं अपने पास से ट्रेन टिकट कैसे आरक्षित करा सकती थी?
पिताजी रेलवे ऑफिस में बैठे हैं? उन्होंने इसके बारे में सुना होगा।" वह बार-बार उनके गुस्से की कल्पना कर रही थी: "बोस-बाबू, जल्दी, जल्दी! बेटी बैंगलोर के लिए एकतरफा टिकट खरीद रही है!"

"खैर, मुझे लगा कि वहाँ शादी होगी।"

"या फिर आपने किसी जादुई समाधान पर भरोसा किया था?"

"मैं पटना जाना चाहता हूँ और वहाँ अपनी बहन से मिलना चाहता हूँ। फिर वह मेरे लिए रेल टिकट खरीद सकती है।"

"तो फिर इंटरसिटी बस ही आपका एकमात्र विकल्प है।" पीटर एक बहुत बड़े काम के बारे में सोच रहा था। "भगवान," उसने आह भरी। "मैंने यह तीस साल पहले किया था। हमें डाकुओं और धनुष-बाण वाले आदिवासियों से बचने के लिए खिड़कियाँ बंद करनी पड़ी थीं। टालमटोल करने की कीमत आपको चुकानी पड़ती है।"

वह उस शब्द को पहचानती थी लेकिन उसने कभी उसका प्रयोग नहीं किया था।

"चीजों को टालना - आपको इस पर काम करना होगा।"

"मैं करूँगा।"

"कब? कल?" लेकिन उसने मुस्कुराते हुए सवाल पूछे,
बचे हुए कुकीज़ को कपड़े में लपेटा और उनके सिरों पर गांठें लगा दीं। "कौन जानता है कि अगली बार आपको कब खाने को मिलेगा?"

"अदरक बिस्कुट के लिए धन्यवाद," उसने अली से धीरे से कहा।

अली पेंट्री में गया और पानी की एक बोतल और दो कुचले हुए सेब लेकर वापस आया। जटिल उर्दू में, जिसे वह मुश्किल से समझ पा रही थी, उसने पीटर से बस स्टेशन का रास्ता पूछा। पीटर ने अली को निर्देश दिया कि वह उसके लिए पटना जाने वाली बस का टिकट खरीदने के लिए पर्याप्त पैसे साथ ले जाए, ताकि उसे भीड़ भरे स्टेशन में अपनी कुकी टिन बाहर न निकालनी पड़े।

Machine Translated by Google

अपनी निजी मुश्किल परिस्थितियों में, उसने हमेशा ट्रेन से बैंगलोर भागने की योजना बनाई थी। उसने कभी भी इंटरसिटी बस लेने की उम्मीद नहीं की थी। बसें मजदूरों और किसानों, बहुत गरीब लोगों के लिए थीं। अंतरराज्यीय बसें हर कुछ घंटों में, प्रतिदिन, पश्चिम से पटना तक चलती थीं। पटना से, वह वाराणसी और इलाहाबाद जा सकती थी। छत और फर्श पर जगह की लोच को देखते हुए, हमेशा आखिरी समय में सवार होने वालों के लिए जगह होती थी। उसे बताया गया था कि बस से यात्रा करने वाले लोग विनम्र होते हैं, और अपने आर्थिक रूप से बेहतर लोगों का सम्मान करते हैं। टी-शर्ट और जींस पहने एक युवा कॉलेज की लड़की के लिए हमेशा जगह खाली की जा सकती थी।

लेकिन स्थानीय बसों से पूरे भारत में जाना - वाराणसी से आगे कुछ भी - स्वेच्छा से एक ब्लैक होल में प्रवेश करने जैसा था, विशेष रूप से मध्य भारत का ब्लैक होल जिसे मध्य प्रदेश कहा जाता है, जिसमें जंगल और आदिवासी हैं, और किसी तरह दूसरे छोर से सुरक्षित बाहर निकलने की उम्मीद करना। उसकी माँ के एक दूर के रिश्तेदार, परिवार के एकमात्र साहसी, एक बार जबलपुर तक पहुँच गए थे, जो उस जगह के बराबर था जहाँ प्राचीन नाविकों ने अनुमान लगाया था कि वे दुनिया के किनारे से गिर जाएँगे। मध्य मध्य प्रदेश में अभी भी ऐसी जगहें थीं जहाँ पुलिस भी जाने से डरती थी। और जबलपुर बैंगलोर के रास्ते का एक तिहाई भी नहीं था।

पटना की चार घंटे की यात्रा में, वह अभी भी कीचड़ और सड़े हुए आमों की गंध महसूस कर सकती थी, उसके मुंह में किसी भयानक चीज का स्वाद और रबर जैसा एहसास, जलन वाला दर्द, और उससे भी बढ़कर, एक सुंदर लड़के का, डिंपल और सब कुछ, एक राक्षस में परिवर्तन। एक आत्मविश्वासी, वांछनीय दुल्हन के रूप में एक चमकदार साड़ी में, लाल सुजुकी में अपने घर से बाहर निकलते हुए, सोच रही थी, कॉफी या सैंडविच?
और बीमार होकर वापस भागते हुए, उसकी साड़ी खून और पुरुषों के सामान से भीगी हुई थी, जिसके बारे में उसे कभी पता नहीं था। जिस्म। बस में, एक बूढ़ा आदमी जो देर से चढ़ा था और कहीं भी बैठ सकता था, उसके बगल में गलियारे की सीट पर बैठ गया और लगभग तुरंत ही अपना हाथ उसके स्तन पर रख दिया, जैसे कि वह उसका मालिक हो, जैसे कि यह कुछ ऐसा था जो उसने अपने टिकट और पान के साथ खरीदा था, जबकि गौरीपुर के बाहरी इलाके गुजर रहे थे। वह सीधे सामने देख रहा था, और वह उसकी अनचाहे सफेद दाढ़ी, उसके गंदे सफेद कुर्ते और उसके जबड़े को उसके पान के पत्ते पर जोर से काम करते हुए देख रही थी। फिर वह नीचे देखती रही जब तक कि उसने अपना हाथ नहीं हटा लिया। वह उठकर दूसरी सीट चुन ली।

Machine Translated by Google

सोनाली के दोनों कमरे बस स्टेशन से ज्यादा दूर नहीं थे। एस. दास, बजर पैनल पर लिखा था।

"मैं सोनाली-दी को फ़ोन नहीं कर पाई," सोनाली ने दरवाज़ा खोलते ही अंजलि से माफ़ी मांगी। उन्होंने हिंदी में बात की, जैसा कि उनका रिवाज़ था। "यह सब बहुत अचानक हुआ।"

"क्या उन्हें पता है कि तुम यहाँ हो?" सोनाली ने मुस्कुराते हुए पूछा। "वैसे भी, अंदर आओ।" उसने अंजलि के कंधे से बस्ता उतारा और उसे घर के अंदर ले गई। "यह ज़्यादा नहीं है, लेकिन हम शिकायत नहीं कर रहे हैं।"

सोनाली और उसकी छोटी बच्ची पीछे के कमरे में सोती थी, ठीक उसी तरह जैसे गौरीपुर में अंजली और उसकी माँ एक बिस्तर पर सोती थी। तलाक के बाद सोनाली का वजन दस किलो बढ़ गया था। चौबीस साल की उम्र में वह बड़ी बहन से ज़्यादा छोटी मौसी लगती थी।

अभी देर नहीं हुई थी, मुश्किल से सात बजे थे, लेकिन छोटी पियाली पहले से ही बेडरूम में चौकी पर सो रही थी, उसकी एक हड्डीदार टाँग तकिये पर टिकी हुई थी और कोहनी छत की रोशनी से उसकी आँखों को बचा रही थी। एक तरह से पियाली भाग्यशाली थी।
उसके पिता उसकी जिंदगी से चले गए थे। कोई मुलाकात नहीं, कोई जांच नहीं, कोई उत्पीड़न नहीं, कोई निराशा नहीं। अंजलि ने हाथ बढ़ाकर बच्चे के बालों को सहलाया।

रसोई के छोटे से कोने में सोनाली ने केतली को गैस स्टोव पर रखा और एक प्लेट पर नमकीन क्रैकर्स फैलाए। "तो, अब क्या होगा, अंजलि?"

"मुझे जाना ही था, दीदी," अंजलि ने कहा, "मुझे जाना ही था।" अंजलि को जीवन में पहली बार महिला से महिला से बात करने की इच्छा थी। सोनाली ने चाय पीते हुए, अंजलि को सुबोध मित्रा द्वारा किए गए हमले के बारे में बताया। "वह बहुत आकर्षक था," वह रो पड़ी। "और वे मेरी शादी उससे करवाने वाले थे।" क्रूर, राक्षस। उसने सोचा - लेकिन निश्चित रूप से कह नहीं सकती थी - यह तुम्हारी शादी की तरह ही होता, सिवाय इसके कि उसने समारोह से पहले ही अपना असली रूप दिखा दिया। उसे अपनी बहन से सहानुभूति और अंततः समर्थन की उम्मीद थी, लेकिन कुछ सोनाली को रोक रहा था। अगर मैं सोनाली-दी से, जो इस सब से गुज़र चुकी हैं, अपने दिल की बात नहीं कह सकती, तो मैं किससे बात करूँगी? सोनाली-दी को समझना था; वे बर्दाश्त नहीं करेंगी कि बाबा फिर से वही गलती करें।

Machine Translated by Google

"तो मैं भाग गया, जब वे सो रहे थे। मैं और क्या कर सकता था, सोनाली दीदी?
मुझे करना पड़ा ।"

"तुम जानना चाहते हो कि तुम क्या कर सकते थे? अपनी वास्को डिग्री और अपनी शानदार अंग्रेजी के साथ? तुम माँ और बाबा को खुश कर सकते थे और उनसे शादी कर सकते थे। और अगर यह काम नहीं भी होता, तो भी तुम्हें मुझसे बेहतर नौकरी मिल जाती।"

उससे शादी करूँ? मेरी बहन मुझसे नफरत करती है!

सोनाली ने स्टील का ट्रंक खोला जिसमें कभी उसकी साड़ियाँ, बिस्तर और रसोई के बर्तन रखे हुए थे। यह लगभग खाली था। अपनी माँ की तरह, वह मोथबॉल की तुलना में नीम के पत्तों को ज़्यादा पसंद करती थी। सोनाली ने अंजलि को एक छोटा तकिया दिया। उसमें नीम से ज़्यादा फफूंद की बदबू आ रही थी। "तुम रात यहीं रुक सकती हो," उसने कहा।

"धन्यवाद," अंजलि ने चौंकते हुए कहा। "मैं रात में ही चली जाना चाहती हूँ।
सुबह।" यह उसकी शुरुआती योजना नहीं थी, लेकिन अब यह उसका एकमात्र विकल्प है।

सोनाली ने कहा, "वास्तव में मुझे खुशी है कि तुम यहाँ रुकी।" और अंजलि के मुस्कुराने से पहले ही उसने कहा, "मुझे थोड़ी देर बाद बाहर जाना है। मुझे उम्मीद नहीं है कि पियाली जागेगी, लेकिन अगर वह जागती है, तो तुम यहाँ हो।"

"कहाँ जाना है?" अंजलि ने पूछा, लेकिन अपनी बहन के चेहरे के भावों से उसे पता चल गया।

"सिर्फ एक घंटा। शायद कम, शायद ज़्यादा," उसने कहा।

"क्या कर रही हो सोनाली दीदी? किसी आदमी को देख रही हो, है न?"

"तुम्हें लगता है कि सेक्रेटरी सिर्फ़ सेक्रेटरी होती है?" सोनाली ने पूछा। "तुम इतने बड़े हो कि
बच्चा अभी भी है।" उसने तकिए को अपनी हथेली से एक झटका दिया और फिर उस पर तकिए का कवर रख दिया। "पुरुष तो पुरुष ही होते हैं, वे सभी एक जैसे होते हैं। आपको उन्हें बहकाने की ज़रूरत नहीं है, यह उनके स्वभाव में है।" पियाली नींद में कराह उठी और सोनाली ने तुरंत अपनी आवाज़ कम कर दी। "हमारी तरफ़ देखो," उसने बुदबुदाया, "पियाली और मुझे अच्छी तरह से देखो, क्या तुम्हें सच में लगता है कि मैं तलाकशुदा होने से बेहतर हूँ? क्या तुम्हें पता है कि तलाकशुदा शब्द का किसी भी पुरुष के लिए क्या मतलब होता है? इसका मतलब है 'ले लो, यह मुफ़्त है।' क्या मैं शादी करके बेहतर नहीं हो जाऊँगी, चाहे कुछ भी हो जाए?"

Machine Translated by Google

"आपके पास कोई विकल्प नहीं था, सोनाली-दी! उसने उन महिलाओं को आपके फ्लैट में लाकर खड़ा कर दिया था!"

"तुम्हें क्या पता? कुछ भी नहीं, तुम्हें कुछ भी नहीं पता, और तुम मेरे घर आकर मुझे उपदेश दे रहे हो? तुम्हारे ये खूबसूरत मि. मित्रा सोचते थे - नहीं, वे निश्चित थे - कि वे बाबा की पसंद के जमाई हैं। शादी से पहले या बाद में वे तुम्हारे साथ क्या करते हैं, क्या इससे कोई फर्क पड़ता है? क्या इससे दूसरों की ज़िंदगी बर्बाद हो जाए? मेरे मामले में चार ज़िंदगियाँ। बाबा और माँ की, पियाली की और मेरी?"

और इसलिए बड़ा विभाजन सिर्फ़ तीस साल नहीं था जिसने अंजलि को उसके माता-पिता से अलग कर दिया था - यह विभाजन नहीं था, यह एक खाई थी - बल्कि उसके और उसकी बहन के बीच पाँच साल थे। पाँच साल पहले, सोनाली ने अपने माता-पिता की माँगों के आगे घुटने टेक दिए थे। पाँच साल पहले, सोनाली के लिए विरोध करना और भाग जाना असंभव होता। एक पत्नी अपने ठीक-ठाक पति को छोड़कर अपने माता-पिता के साथ वापस जा सकती है, यहाँ तक कि क्रूरता या नशे की लत के लिए उसे तलाक भी दे सकती है, लेकिन कभी भी व्यक्तिगत खुशी के हास्यास्पद उद्देश्य के लिए नहीं।

"लेकिन दीदी, आपने मुझे पैसे भेजे थे," एंजी ने कहा। "आप ही हैं जिन्होंने मुझे खुद को अपंग न बनाने के लिए कहा था।" हर कुछ महीनों में सोनाली उसे छोटे मनीऑर्डर और अंतर्देशीय हवाई पत्र भेजती थी, एक अविवाहित, क्लब-फुटेड गर्लफ्रेंड के लिए जिसके साथ वह हिंदी मीडियम स्कूल में गई थी।

उन्होंने कहा, "यह कपड़ों और अन्य चीजों के लिए था। इसका उद्देश्य परिवार को और अधिक शर्मिंदा करना नहीं था।"

उस रात, अपनी भतीजी के साथ चौकी पर लेटी हुई, जबकि उसकी बहन "बाहर निकली हुई थी," अंजलि ने सोचा कि दुनिया कैसे पागल हो गई है। सोनाली को अपनी बहन के अभी भी खुले भविष्य से जलन हो रही थी, अंजलि ने फैसला किया, क्योंकि वह वह कर सकती थी जो सोनाली ने नहीं किया था। सिर्फ़ एक दिन में, भारत हरियाली और हरियाली से खूबसूरत जगह से बंजर और घिनौना हो गया था। उसकी बहन ने उसे छोड़ दिया था, और उसके माता-पिता उसकी शादी एक राक्षस से करने के लिए तैयार थे, जिसके पिता ने गोल्फ़ क्लब का एक सेट मांगा था।

Machine Translated by Google

रात भर चलने वाली बसों, छोटी दूरी की ट्रेनों, यहाँ तक कि ट्रक ड्राइवरों को रोककर भारत पार करने के कई तरीके हैं , लेकिन बहुत कम ही ऐसी विधियाँ हैं जिन्हें अकेली युवतियाँ आजमाती हैं। यह असुविधा, खास तौर पर रात के समय, जब ठंडी हवा और बारिश खुली खिड़कियों से टकराती थी और पुरुष कहीं भी शौच करते थे, फिर साड़ी में लिपटी महिलाओं को छूने के लिए नींद का बहाना करके रेंगते थे: असहनीय। अगर वह किसी से बात नहीं करती और किसी सवाल का जवाब नहीं देती और किसी से कोई मदद नहीं माँगती - वास्तव में, रबी जैसी इंडो-अमेरिकन की तरह एक पर्यटक के रूप में पेश आती - तो वह प्रार्थना करती कि कोई भी उसे परेशान करने की हिम्मत न करे।

पूर्वी महाराष्ट्र में नागपुर के दक्षिण में आंध्र प्रदेश की सीमा के पास एक चौराहे पर - वास्तव में यह चाय की दुकानों का एक समूह और निज़ामबाग नामक एक पेट्रोल पंप है - वेश्याएँ और उनके बच्चे, और शायद शहरों में काम के लिए अपने गाँवों से भागकर आने वाली हताश महिलाएँ, लंबी दूरी के ट्रकों की खड़ी कतार में भीड़ लगा रही थीं। महिलाएँ अपने बच्चों को पकड़े हुए कतार में खड़ी थीं, और ड्राइवरों ने अपनी लुंगी उठाई और महिलाएँ रनिंग बोर्ड पर चढ़ गईं और अपनी सेवाएँ दे रही थीं। यह लिमोसिन की खिड़की के पीछे से भारत का दृश्य नहीं था। अंजलि ट्रकों के पीछे भूत की तरह चली गई; कुछ भी उसे चौंका नहीं, कुछ भी उसे घिन नहीं आया। वह खुद को चाकू या बंदूक से लैस, रात में खड़ी ट्रकों की कतार से नीचे चलते हुए और हर एक ड्राइवर और उसके सहायक को मारते हुए देख सकती थी। अगर नरक और सभी नागरिकों का कोई भारतीय पता होता, तो वह यहीं होता। अगर वह कभी रबी को फिर से देखती, तो उसे उससे कुछ कहना होता। क्या वह यहाँ था? क्या उसने यह तस्वीर देखी थी?

बैंगलोर के दक्षिण में कहीं, जो हर घंटे नजदीक आ रहा था, केव गार्डन नामक एक आलीशान इलाका था, जहां मिन्नी बेजहोट नाम की एक वृद्ध महिला उसके लिए एक कमरे के साथ प्रतीक्षा कर रही थी, उसने प्रार्थना की, और उषा देसाई ने उसे उसके पिता से भी बड़ा काम देने के लिए कहा।

हाथ से पेंट किए गए साइनबोर्ड पर उसने तीर देखे: मुंबई के लिए पश्चिम और हैदराबाद के लिए दक्षिण, जिसे वह जानती थी कि यह बैंगलोर की दिशा में है। यह उसके लिए भी एक चौराहा था, दो संभावित भाग्य, अलग-अलग बसें। वह महिलाओं के शौचालय में गई, नरक का बिल्कुल केंद्र, ब्रह्मांड में सबसे गंदा कुछ वर्ग इंच, और अपनी आखिरी साफ टी-शर्ट पहनी, जो उसकी पसंदीदा, पैंजर डिलाइट थी। वह बैंगलोर की तुलना में मुंबई के करीब थी, पश्चिम में सिर्फ डेढ़ दिन की दूरी पर, सिर्फ घाट और एक रेगिस्तान और दूसरी रेंज

Machine Translated by Google

पहाड़ पार करने थे, लेकिन कोई भी उसे नहीं बता सकता था कि मुंबई की बस कब आएगी, और वह एक मिनट भी बदबू के बारे में नहीं सोच सकती थी। हैदराबाद की बस चलने के लिए तैयार थी। वह इंतज़ार नहीं कर सकती थी; वह महिलाओं और बच्चों और ट्रक ड्राइवरों को उनके घमंडी चेहरों के साथ देखना बर्दाश्त नहीं कर सकती थी, और यह जानना कि वह थोड़ी भाग्यशाली थी, लेकिन मौलिक रूप से अलग नहीं थी।

उसके जीवन की सुन्न निश्चितताएँ: मेरा कोई परिवार नहीं है। मेरी जेब में एकमात्र पैसा एक ऐसे आदमी से आता है जिसकी दुनिया मेरे लिए अजनबी है और जिसे मैं फिर कभी नहीं देख पाऊँगी। मेरे पास कोई नौकरी नहीं है, कोई कौशल नहीं है। स्कूल में बहुत कम पढ़ाया जाता है।

हैदराबाद में दोपहर हो चुकी थी , एक ऐसा शहर जिसके बारे में उसने कभी नहीं सोचा था कि वह कभी वहाँ जाएगी। कम से कम उसे सुबह-सुबह उसके बस डिपो पर उतार दिया गया था और वह दो घंटे तक बेंच पर बैठकर गर्म चाय पी सकती थी, उसके बाद वह बस की आखिरी लाइन में लग सकती थी। "बैंगलुरु? बैंगलुरु?" वह पूछती रही, उसने बैंगलुरु का दक्षिणी नाम जान लिया था, हालाँकि वह दक्षिणी लिपि नहीं पढ़ सकती थी। अस्पष्ट हाथों के इशारों का पालन करके और निर्धारित प्रस्थान से दो घंटे पहले अपनी जगह छोड़कर, वह लाइन के सबसे आगे खड़ी हो गई थी। हालाँकि, बोर्डिंग के समय, भारी बर्लेप बोरों और टेप से चिपके कार्डबोर्ड बॉक्सों को ढोने वाले यात्रियों ने पीछे से दौड़कर उसे धक्का दे दिया था। लेकिन फिर भी वह अब बैंगलुरु जाने वाली बस में थी। पाँच सौ साठ किलोमीटर और जाना था। उसके पीछे दो हज़ार किलोमीटर। यह मानते हुए कि कोई खराबी नहीं होगी, बस में एक और गर्म दिन और पूरी रात ठंड होगी। सुबह तक बैंगलुरु।

Machine Translated by Google

भाग दो

Machine Translated by Google

1

हैदराबाद से आने वाली बस रात में एक दर्जन बार गौरीपुर से कई गुना बड़े शहरों से गुज़री और एंजी ने सोचा, यह बैंगलोर ही होगा। पीटर ने कहा था कि साठ लाख, सात लाख, साठ, सत्तर लाख, वह इतनी संख्या की कल्पना कैसे कर सकती थी? लेकिन बस बस एक या दो यात्रियों को उतारने या चढ़ाने के लिए स्ट्रीट लैंप के नीचे रुकती थी और फिर रात के अंधेरे में वापस चली जाती थी। वह दक्षिणी भाषाओं की अजीबोगरीब लिपियाँ नहीं पढ़ सकती थी और उन्हें बोलना असंभव लगता था, सभी व्यंजन सांस फूलने के साथ जुड़े हुए थे। वह अपनी हिंदी और अंग्रेजी और यहां तक कि अगर मजबूर किया जाता तो अपनी बांग्ला पर बहुत गर्व करती थी, लेकिन वह बहरी और गूंगी हो गई थी।

धीरे-धीरे स्टॉप की संख्या बढ़ती गई, शहर आपस में और करीब से जुड़ते गए और सड़कें भी व्यस्त होती गईं, यहां तक कि अंधेरे में भी। फिर, सूर्योदय के कुछ मिनट बाद, वे बसों की एक लंबी कतार में शामिल हो गए और मैजेस्टिक, खुली हवा में, कटोरे के आकार के बैंगलोर बस डिपो में आ गए।

उसने कभी नहीं सोचा था कि वह अपनी नई ज़िंदगी की शुरुआत आधी जमी हुई, थकी हुई और भूखी अवस्था में करेगी। भीड़-भाड़ वाली इंटरसिटी बसों में, वह हर रात अपनी कीमती कुकी टिन की रखवाली करते हुए सोने से लड़ती थी, जिसे वह अपनी सुन्न गोद में दोनों हाथों से पकड़े रहती थी। पटना छोड़ने के बाद से उसने हफ़्ते भर में सिर्फ़ चिकने समोसे और तीखी चाय ही खाई थी, जिसे फेरीवाले बस की खिड़कियों से देते थे। ज़्यादातर यात्री या तो टिफ़िन कैरियर में घर का बना खाना लेकर आए थे या सड़क किनारे की दुकानों पर भरपेट खाना खाने के लिए बस से उतर गए थे। मसालेदार गंध ने एंजी को परेशान कर दिया था, लेकिन उसने अपने सूटकेस को सामान रैक में बिना सुरक्षा के छोड़ने की हिम्मत नहीं की थी। हार्ड-साइडेड सैमसोनाइट इतना भारी था कि उसे खाने के ब्रेक के लिए बस में चढ़ाना और उतारना मुश्किल था। अब, जब यात्री अपना सामान ओवरहेड रैक से उठाने के लिए उसे कोहनी से हटा रहे थे और उतरने की होड़ में उसके रंगे हुए पैर की उंगलियों पर पैर रख रहे थे, तो बैंगलोर में पहुँचना एक और मुश्किल काम की शुरुआत जैसा लग रहा था।

सुबह सात बजे बस के किनारे से भी वह देख सकती थी कि कैसे निर्माण क्रेन घूम रही हैं, कंक्रीट के बड़े-बड़े बर्तन और ईंटों के टन भर सामान उठा रही हैं और भोर के समय आसमान में पहुँच रही हैं। एक आदमी द्वारा नियंत्रित यांत्रिक क्रेन, न कि महिलाओं और बच्चों की लंबी कतारें जो अपने छोटे-छोटे सामान को झुका रही हैं।

Machine Translated by Google

कंक्रीट के कटोरे। डिपो के आस-पास की सड़कें पहले से ही यातायात से भरी हुई थीं। यह ऊर्जा थी, कुछ ऐसा जो उसने पहले कभी अनुभव नहीं किया था, और इसने उसे भयभीत और अनिर्णायक बना दिया। उसने कभी "प्रगति" नहीं देखी थी या खुद को इसके रास्ते में नहीं रखा था।

एंजी आखिरकार खड़ी हो गई और खिंचाव महसूस कर रही थी, लेकिन उसे ताजगी महसूस नहीं हो रही थी; एक ठंडी, जागती रात के बाद सुबह के सूरज की सुस्त पीड़ा, क्षतिग्रस्त बसों की छतों के धातु के समुद्र से धड़कते डीजल के बादल, सैकड़ों विक्रेता और मजदूर अपने बैग और बक्से को कंधे पर उठाए हुए, सभी का एक उद्देश्य और एक गंतव्य, इन सबने उसके आत्मविश्वास को खत्म कर दिया। गौरीपुर के विपरीत, बैंगलोर ने शहर के केंद्र से दूर अपना शानदार बस डिपो बनाया था। यह उसके नए जीवन की पहली सुबह थी, लेकिन यह मौत की तरह लग रही थी। सुबह के बमुश्किल सात बजे थे, और ग्रामीण भी फलों और सब्जियों की अपनी बर्लेप बोरियों को भरकर शहर की ओर जाने वाली सड़कों पर जा रहे थे। उसके पास बस एक फटे हुए कागज के टुकड़े पर एक पता था: बेजहोट हाउस, क्यू गार्डन।

उसने दक्षिण भारत को (जब उसने इस पर विचार किया था) कम से कम इतना तो मान ही लिया था कि गौरीपुर जितना पिछड़ा हुआ। लेकिन गौरीपुर और सामान्य तौर पर बिहार राज्य, मेहनती, समृद्ध उत्तर के अपवाद थे। दक्षिण भारतीय गणित में होशियार थे लेकिन ज्यादा पहल करने के लिए बहुत कमजोर और धर्मपरायण थे। उसे अपनी भारतीय साहित्य की कक्षा याद आई, जिसे एक केरल के पुजारी द्वारा पढ़ाया जाता था, जिसमें उसने नारायण नामक एक दक्षिणी लेखक का एक उपन्यास पढ़ने की कोशिश की थी, जो एक गाँव में स्थापित था - लेखक इसे मालगुडी कहता था - शायद बैंगलोर से बहुत दूर नहीं। फादर (डॉ.) थॉमस ने इसके पात्रों को दक्षिण भारत की प्रामाणिक आवाज़ बताया, जो उनके लिए (एक हिंदू भी नहीं) मीठे चावल की तरह आरामदायक, फलों और दही की तरह स्वस्थ और गाढ़ी, समृद्ध, भाप से भरी पारंपरिक कॉफी की तरह उत्तेजक थी।

तो, बैंगलोर जैसी पूंजीवादी व्यवस्था के लिए कौन जिम्मेदार था? निश्चित रूप से बरगद के पेड़ के नीचे वेदों का पाठ करने वाले शाकाहारी लोग नहीं। इंटरसिटी बस में रहते हुए, खिड़की से बाहर देखते हुए, उसने भारत में जितने क्रॉस देखे थे, उसकी कल्पना भी नहीं की थी। तो फिर ईसाई?

निश्चित रूप से फादर "एलिफेंट फार्ट" थॉमस जैसे दक्षिण भारतीय ईसाई नहीं।
किसने ऊर्जा, जोखिम उठाने, नियम तोड़ने, भूलने की शक्ति प्रदान की

Machine Translated by Google

क्या आप कल की बात कर रहे हैं, और इस परिवर्तन के लिए अपना पूरा आत्मविश्वास झोंक दें?
पीटर चैंपियन जैसे विदेशी? आंतरिक प्रवासी, उसके जैसे विस्थापित उत्तरी लोग? पीटर ने एक बार पूंजी के उदय में दुर्घटना और निकटता की बात की थी; यदि बॉम्बे में अधिक आवेदन हैं, अधिक कीमत है, तो नई पूंजी कहां जा सकती है? यह दक्षिण की ओर और आगे बढ़ गई। यदि वह कभी रबी चटर्जी से फिर से मिली, तो वह उनसे बैंगलोर बस डिपो की तस्वीर लेने और उसे फादर (डॉ.) थॉमस को वापस भेजने के लिए कहेगी। अब आपका छोटा, शांत मालगुडी कहां है? वह मर जाएगा!

एंजी बोस को छोड़कर हर कोई आगे बढ़ रहा था। वह अपनी लाल सैमसोनाइट कार पर बैठी थी, वह चकित, भूखी और भ्रमित थी। सुबोध मित्रा से मिलने से पहले, अपने लगभग बीस वर्षों में, उसने कभी भी खुद को पराजित महसूस नहीं किया था।
उसने किसी भी चुनौती का मज़ाक उड़ाया था। लेकिन एक हफ़्ते से भी कम समय में वह बचपन के निष्क्रिय कर्तव्यों से आगे बढ़ गई, शादी और वयस्क जीवन की शुरुआत की प्रतीक्षा करते हुए, बिना किसी निर्देश के, नारीत्व जैसी किसी चीज़ में। उसकी विशाल यात्रा और उसकी उतावलेपन के विशाल निहितार्थ बने रहे। मैंने क्या किया? मैं क्या सोच रही थी? उसके पहले के जीवन में कुछ भी उसका मार्गदर्शन नहीं कर सकता था। कुछ भी प्रासंगिक नहीं था।

यहाँ-वहाँ, उसके जैसे ही मध्यम वर्ग के युवा थे - हालाँकि अधिकांश
एक्सप्रेस ट्रेनों से उतरने के बाद और पूरी रात ठंड से ठिठुरते हुए बसों में ठिठुरते हुए या भूखे-प्यासे बैठे हुए, रेगिस्तानों या भाप उगलते जंगलों को पार करते हुए - बिजनेस सूट पहने हुए आकर्षक युवा पुरुष और कोमल हाथों, परिचय पत्रों और सिलिकॉन सिटी में जगह बनाने के लिए दृढ़ संकल्पित दिलों वाली आकर्षक युवतियां, अपने बैगों को सीधे टैक्सी स्टैंड की ओर ले जाती हैं, बर्लेप से ढके हुए खाद्य-सामग्री के ढेरों और कारों और साइकिलों की भीड़ के बीच से गुजरती हैं, और ग्रामीण भारत द्वारा शहर पर आक्रमण के कारण भोर में मची अफरा-तफरी के बीच से गुजरती हैं।

अभी भी फुटपाथ पर अपने सूटकेस पर बैठी एंजी ने एक फटा हुआ अंग्रेजी-भाषा का बैंगलोर का अखबार उठाया और पढ़ना शुरू कर दिया। कुलियों और यात्रियों की तीखी टिप्पणियों और बुदबुदाहट से उसे लगा कि उसे रास्ते में आने के लिए कोसा जा रहा है, लेकिन चूंकि वे कन्नड़ या तमिल में बात कर रहे थे, इसलिए उसने उन्हें अनदेखा करना चुना।

उसने कहानियों को ध्यान से पढ़ा, उनमें से कोई भी उसके लिए विशेष रूप से प्रासंगिक नहीं थी, लेकिन सभी दिलचस्प और डरावनी थीं, और वह अखबार के स्थानीय बुद्धिजीवी "डायनमो" के एक स्तंभ पर रुकी। उसने घोषणा की कि ऐसा सोचना गलत था।

Machine Translated by Google

बैंगलोर को "हृदयहीन भौतिकवाद, इतिहास के प्रति उचित सम्मान की कमी" के रूप में देखा। डायनेमो ने दावा किया कि बैंगलोर में हर डीड ट्रांसफर के पीछे चाइनाटाउन या द गॉडफादर की तुलना में अधिक जुनून है - यहां तक कि चाकू का खेल और किराए के गुंडों के गिरोह भी हैं; फॉल्कनर की कल्पना से कहीं अधिक परिवारों के बीच उलझे हुए संबंध; डिकेंस के उपन्यास की तुलना में अधिक उलझनें और यादगार चरित्र। यदि हिंदू अपने मृतकों को जलाने के बजाय दफनाते, तो नवीनतम गगनचुंबी इमारत के नीचे चीन की महान दीवार के नीचे की तुलना में अधिक कुचली हुई हड्डियाँ होतीं। वास्तव में, यह कहा जा सकता है कि इतिहास बैंगलोर का सबसे लाभदायक उद्योग साबित हो रहा है। हर सच्चा बैंगलोरवासी अर्नोल्ड टॉयनबी बन रहा है। हर दिन हर नगरपालिका कार्यालय में, बैंगलोरवासी पिछले दो सौ वर्षों के प्रत्येक डीड ट्रांसफर में अपने पूर्वजों की हिस्सेदारी के बारे में खुद को सूचित करने के लिए कतार में खड़े होते हैं और वे इससे कैसे लाभ उठा सकते हैं।

वह डायनमो के फिल्मों या साहित्य के संदर्भों से संबंधित नहीं थी, लेकिन वह लापरवाह, यहां तक कि हिंसक ऊर्जा के आह्वान से उत्तेजित थी। अगर इतने सारे हज़ारों - इतने सारे लाखों - ने वही फैसला किया होता जो उसने किया था, बैंगलोर आकर जीवन को फिर से शुरू करने का, और अगर वह अपना आत्मविश्वास वापस पा सकती थी और अपनी सहनशक्ति को बनाए रख सकती थी, तो उसे डरने की कोई बात नहीं थी। उसकी अंग्रेजी अच्छी थी और वह जल्दी मुस्कुराती थी। उसे पीटर चैंपियन के दो दोस्तों पर भरोसा था। उसने उनसे उसके बारे में लिखने का वादा किया था। अपने सड़क किनारे सैमसोनाइट बसेरे से, वह स्कूटर, ऑटो-रिक्शा और हर सड़क पर चमकीली नई कारों को देख सकती थी, जिनमें से कई को उसकी उम्र या उससे कम उम्र की लड़कियाँ चला रही थीं।

वह जो जानती थी वह सरल लेकिन गहरा था। ऊर्जा और आत्मविश्वास चमकदार नई कारों, गगनचुंबी इमारतों की बढ़ती हुई रिंग और फैंसी लोगो वाले शॉपिंग बैग पकड़े हुए व्यस्त लोगों के बीच संबंध बनाते हैं। वह उन लोगों में से एक बनना चाहती थी, जिनका अपस्केल दुकानों में इंतजार किया जा रहा था। उसने अपनी उम्र की लड़कियों को क्रैश हेलमेट पहने और रुकी हुई कारों और बैलगाड़ियों के बीच अपनी मोटरसाइकिल चलाते हुए देखा, और उसने उनमें से एक बनने का दृढ़ निश्चय किया। उसके पास खोने के लिए कुछ नहीं था, कोई अच्छा नाम खराब करने के लिए नहीं था। कोई भी उसके माता-पिता को नहीं जानता था, और उसके माता-पिता को भी नहीं पता था कि वह कहाँ है।

यह सब और बहुत कुछ उसने बैंगलोर में अपने पहले आधे घंटे के दौरान सीखा
बेंच पर रखे एक अख़बार से। कॉलेज से निकले नए बच्चे नए मैनेजर थे। उसने भारत के हर क्षेत्र से उनके नाम नोट किए।

Machine Translated by Google

बीस की उम्र पार कर चुके लड़के अपार्टमेंट ब्लॉक बना रहे थे। बीस की उम्र पार कर चुकी लड़कियाँ लाइफ़स्टाइल शॉप खोल रही थीं। क्या पीटर चैंपियन ने यह नहीं बताया था कि वह अपने पिता से ज़्यादा मासिक वेतन कमा सकती है, और किस लिए - सिर्फ़ अपनी एकमात्र प्रतिभा, बातचीत करने में सक्षम अंग्रेज़ी दक्षता और फ़ोन पर मधुर आवाज़ के लिए?

"बड़ी बहन, टैक्सी चाहिए? मैं आपका सामान टैक्सी तक ले जाऊंगा, कोई दिक्कत नहीं, और यह भी सुनिश्चित करूंगा कि मीटर काम कर रहा हो।"

एंजी ने अपना बैग और भी कसकर पकड़ लिया। उसके माता-पिता ने उसे चेतावनी दी थी सार्वजनिक स्थानों पर मदद की पेशकश करने वाले नेक लोगों से सावधान रहना चाहिए। दुनिया के बारे में उसके माता-पिता की भयावह दृष्टि में नेक लोग दो-दो की टोली में काम करने वाले जेबकतरे थे। गौरीपुर में उसने इस भयावह सनक के खिलाफ विद्रोह किया था, लेकिन इस बस डिपो में नहीं। उसे परेशान करने वाले युवा दलाल उसकी बस में साथी यात्री थे, देहाती लड़के, लेकिन वे जमीन पर दौड़ पड़े। वे उसके चारों ओर चक्कर लगाते रहे, धीरे-धीरे उसके करीब आते गए। फिर अचानक वे चढ़ने-उतरने वाले यात्रियों की भीड़ में विलीन हो गए।

अब कुछ बूढ़े युवकों का गिरोह उसे डराने लगा। "होटल चाहिए, बड़ी बहन? साफ कमरा। बस और ट्रेन पास में है। रियायती दर। भेरी, भेरी सम्मानजनक।"

उसे चुपचाप बैठना था और अपने तात्कालिक प्रश्नों के बारे में सोचते हुए शांत रहना था: बस डिपो से केव गार्डन और मिन्नी बेजहोट का घर कितनी दूर है, और क्या वह ऑटो-रिक्शा का खर्च उठा सकती है? वह कभी भी किसी वास्तविक शहर में अकेली नहीं रही थी। गौरीपुर में वह हमेशा स्कूल और घर के बीच पैदल ही जाती थी, और पिंकी महल में डॉ. ट्रिपल-चिन गुप्ते के स्टोरफ्रंट क्लिनिक में आपातकालीन यात्राओं को छोड़कर (हाल ही में एक बहुत ही दर्दनाक अंतर्वर्धित नाखून के लिए और उससे पहले उसके गले के नरम ऊतक में फंसी हिलसा मछली की हड्डी के लिए), उसे और कहाँ जाने की ज़रूरत थी?

"मन की बात पर नियंत्रण" उसके पिता की पसंदीदा कहावतों में से एक थी। "जहाँ चाह है, वहाँ राह है।" जब तक वह अपने सारे अंडे एक ही टोकरी में नहीं रखती और छलांग लगाने से पहले देखना याद रखती, तब तक वह ठीक रहेगी। ठीक से भी बेहतर। वह हताश नहीं थी; ठीक है, जब उसे बैंगलोर लाने वाली बस फुटपाथ से दूर चली गई, तो उसे अकेलापन महसूस हुआ, और, ठीक है, ठीक है,

Machine Translated by Google

जब वेंडर और हॉस्टल के दलाल उसके इर्द-गिर्द जमा हो गए थे, तो वह घबरा गई थी, लेकिन उसे निराशा महसूस नहीं हुई थी। अब उसे जो महसूस हो रहा था, वह था अपराधबोध। उसे अपने माता-पिता को यह एहसास दिलाने के लिए क्यों दुख पहुँचाना पड़ा कि वे उसकी बहुत परवाह करते हैं? दिमाग पर काबू रखो, बाबा। उसने चुपचाप उनसे माफ़ी माँगी।

आखिरकार एक पुलिसवाला आया और उससे कन्नड़ में बात की। भाषा इतनी अजीब लग रही थी, लहजा इतना अस्पष्ट था कि उसे समझ नहीं आ रहा था कि वह मदद की पेशकश कर रहा है या उसे आगे बढ़ने का आदेश दे रहा है। "क्यू गार्डन?" उसने पूछा।

पुलिसवाले ने कंधे उचका दिए। उसने अपनी लाठी से उसके सूटकेस पर थपथपाया।

"क्यू गार्डन?" उसने दोहराया।

फिर से उसने कंधे उचका दिए। उसने उसे ऊपर से नीचे तक देखा और सूटकेस के किनारे थपथपाया। कुछ देर रुकने के बाद उसने कहा, "मैजेस्टिक।" फिर उसने अपनी छड़ी से एक व्यापक इशारा किया। "बस स्टैंड, मैजेस्टिक।" उसने अपनी छड़ी को कुछ गज दूर ऑटो-रिक्शा की कतार की ओर इशारा किया। फिर उसकी उसमें रुचि खत्म हो गई और वह उन लड़कों के समूह की ओर बढ़ गया जो अपने गले में ट्रे लटकाकर खिलौने बेच रहे थे।

एंजी ने सूटकेस को नीचे उतारा और उसे सिरहाने खड़े ऑटो-रिक्शा तक खींच लिया।
स्टैंड के ऊपर से। "क्यू गार्डन," उसने घोषणा की, जैसे कि यह शहर की एकमात्र सड़क थी।

ड्राइवर ने अपना सिर इधर-उधर घुमाया और उसे अपने बगल की संकरी सीट पर बड़ा लाल बैग रखने में मदद की। वह एक ऐसे रास्ते पर आगे बढ़ा जो भारत में कहीं भी काफी चौड़ा होता, लेकिन यहाँ कई तरह के वाहनों के लिए बहुत संकरा था। मोटरसाइकिलें ट्रैफ़िक लेन में तेज़ी से आ-जा रही थीं, लगभग उसकी कोहनी को छू रही थीं। हुंडई और स्कोडा का आकार गौरीपुर में उसने जितनी भी कारें देखी थीं, उनसे दुगना था। मर्सिडीज़-बेंज, ड्राइवर के साथ ड्राइवर, तेज़ी से आगे निकल गए। बड़ी-बड़ी अमेरिकी कारें, जिनमें से कई महिला ड्राइवर थीं, उसके ऑटो-रिक्शा के चारों ओर घूम रही थीं। घबराहट से बचने के लिए, उसने अपनी नज़र फुटपाथ की दिशा में केंद्रित की, जहाँ से गुजरना था।

Machine Translated by Google

सड़क के किनारे, लेकिन फुटपाथ- साइडवॉक, उसने खुद से कहा, अमेरिकी सोचो- नए सीवर के लिए रास्ता बनाने के लिए तोड़ दिया गया था। उसने अपनी आँखें बंद कर लीं और उन्हें लंबे समय तक बंद रखा। जब उसने उन्हें फिर से खोला, तो सड़क चौड़ी थी, पेड़ छायादार थे, पुरानी इमारतें आलीशान थीं, और नई इमारतें ऊँची और आकर्षक थीं। नीले कांच के टावरों में एकदम नीला आसमान दिखाई दे रहा था। बैंगलोर का निर्माण दिग्गजों की एक जाति ने किया था।

"अभी कितना आगे जाना है?" उसने ड्राइवर से हिंदी में पूछा।

बिना सिर घुमाए, उसने दक्षिण भारतीय भाषाओं में से किसी एक में विस्तार से उत्तर दिया, अपनी बांह को चारों ओर फैलाते हुए। उसे केवल दो शब्द समझ में आए "जल्द-जल्द" और "एमजी रोड।" एक और एमजी रोड। पीटर चैंपियन ने एक बार कहा था, "हर अमेरिकी शहर में मेन, ओक और एल्म होता है, ठीक वैसे ही जैसे भारत में गांधी-नेहरू-शास्त्री है।" लेकिन बैंगलोर ने ब्रिटिश स्थानों के नाम भी बरकरार रखे, जैसे कि क्यू गार्डन और कब्बन पार्क।

"हिंदी?" उसने पूछा। "क्या तुम्हें हिंदी समझ में नहीं आती?" ऑटो-रिक्शा तेज़ गति से चलने वाले ट्रैफ़िक के बीच अनियमित रूप से आगे बढ़ रहा था, जो कि दफ़्तरों की इमारतों, सरकारी दफ़्तरों और दुकानों से घिरा हुआ था।

आख़िरकार रिक्शा फुटपाथ से कुछ फ़ीट की दूरी पर कीचड़ भरे गड्ढे के पास रुक गया। उस ब्लॉक की सभी इमारतें ऑफ़िस टावर थीं, जिनमें सड़क के किनारे शोरूम और फैंसी दुकानें थीं। सुबह के बमुश्किल आठ बजे थे और दुकानें अभी भी बंद थीं। बैंगलोर में ऊँची-ऊँची ऑफ़िस इमारतों में सड़क से दिखने वाले साइनबोर्ड पर अपने किराएदारों के नाम लिखे हुए थे। रिक्शा के ठीक सामने की ऊँची इमारत में बीस अलग-अलग देशों की कंपनियों के कॉर्पोरेट लोगो लगे हुए थे, जिन पर उनके झंडे लगे हुए थे।

"यह क्यू गार्डन नहीं है," एंजी ने झट से कहा। "मैं एक घर, एक कमरा ढूँढ रही हूँ।"
निजी घर. बैगेहोट हाउस."

"एमजी रोड," ड्राइवर ने शर्म से मुस्कुराते हुए कहा।

वह अपनी गाड़ी से उतरा और पिछले टायरों पर जोरदार लात मारी। यह स्पष्ट था कि रिक्शा मर चुका था। उसने किराया मांगने के लिए हाथ आगे बढ़ाया। "एक सौ रुपये," उसने इस बार हिंदी में कहा। वह वहीं रुकी रही। उसने अपने मीटर के साथ रेट कार्ड की जांच की और फिर से सौ रुपये मांगे। यह नहीं था

Machine Translated by Google

यह उचित है कि वह उसे क्यू गार्डन से कितनी दूर छोड़ने के लिए पैसे मांग रहा था। सौ रुपये में गौरीपुर में एक महीने का आना-जाना हो जाता था। लेकिन इससे पहले कि वह तय कर पाती कि शिकायत करे या मोल-तोल करे, वह सड़क किनारे उतर गई और ड्राइवर ने दोनों हाथों से उसका सूटकेस पकड़ा और जोर से गटर में गिर गया।

उसने उस पर दस रुपये का नोट फेंका। "भाड़ में जाओ!" वह अंग्रेजी में चिल्लाई, खुद को चौंकाते हुए उसने कुछ ऐसा कहा जो वह पुराने दिनों में कभी नहीं कहती। ड्राइवर की हिंदी में वास्तविक योग्यता, किसी भी फिल्मी खलनायक की तुलना में अधिक गंदे शब्दों में व्यक्त की गई, बाहर आ गई, लेकिन उसने जल्दी से दस रुपये का नोट पोखर से बाहर निकाला और अपनी शर्ट पर सुखाया।

एंजी ने अपना सूटकेस तीन इमारतों के सामने से गुज़ारा, यह सोचते हुए कि क्या केव गार्डन पैदल दूरी पर कहीं है। अभी सुबह के साढ़े आठ भी नहीं बजे थे; फुटपाथ अभी भी अपेक्षाकृत खाली थे। केव गार्डन का सही रास्ता पूछने वाला कोई नहीं था। कोई भी अंग्रेज़ या हिंदी बोलने वाला नहीं दिख रहा था। उसने पुराने बैंगलोर के केंद्र में केवल एक प्रमुख सड़क देखी थी, और वह हर दिशा में शहर की विशालता की कल्पना करने लगी।

फुटपाथ से वह आँगन के साथ एक आउटडोर कॉफी बार देख सकती थी दो गगनचुंबी इमारतों के बीच एक ऊंचे चौक पर छतरियाँ। आवाज़ों का एक झुंड उसके पास तैरता हुआ आया, अति आत्मविश्वास से भरे ब्रेक-फास्टरर्स की खनकती आवाज़ें, अमेरिकी अंग्रेज़ी में बकबक करती हुई। आखिरकार, एक जानी-पहचानी लय वाली भाषा!
वह प्लाजा की सीढ़ियाँ चढ़ी और खुद को एक भीड़ भरी कॉफी शॉप में पाया। यह कोई साधारण कॉफी शॉप नहीं थी, न ही पानी से सने दीवारों पर फफूंद उगने वाली कोई और आल्प्स पैलेस थी: यह एक बरिस्ता थी। ज़्यादातर छोटी गोल मेज़ों पर उसकी उम्र के शोर मचाने वाले ग्राहकों के बड़े समूह बैठे थे, जो उसकी तरह ही जींस और टी-शर्ट पहने हुए थे। कई लड़कियाँ धूम्रपान कर रही थीं, बेतहाशा इशारे कर रही थीं और स्कूली लड़कियों की तरह खिलखिला रही थीं। फिल्मों में दिखने वाली वैम्प को छोड़कर, एंजी ने गौरीपुर में कभी महिलाओं को धूम्रपान करते नहीं देखा था। प्लाजा के बाहरी किनारे पर, युवा पुरुष और महिलाएँ लैपटॉप पर काम करते हुए व्यस्त थे।

बॉलीवुड फिल्मों में, सबसे अच्छे सितारे एक बरिस्ता में अनौपचारिक रूप से मिलते हैं। एंजी जब वह अपने सूटकेस को अंदर काउंटर पर ले जाती थी तो उसे ठंडक महसूस होती थी। वह एक स्कूप आइसक्रीम के साथ एक लंबी आइस्ड कॉफी का लुत्फ़ उठाती थी। प्रशंसक पत्रिकाओं में, अभिनेत्रियों को स्ट्रॉबेरी-गुलाबी या

Machine Translated by Google

लंबे हैंडल वाले चम्मच से केसरिया-पीली आइसक्रीम। क्या उसने ऑटो-रिक्शा की सवारी पर शायद नब्बे रुपये नहीं बचाए थे? लेकिन जब ऑर्डर देने की बारी आई, तो उसने काउंटर के ऊपर बोर्ड पर सूचीबद्ध सबसे सस्ती, सबसे छोटी हॉट कॉफी मांगी। उसने अपने बोस परिवार के मितव्ययिता के प्रशिक्षण को फिजूलखर्ची न करने के लिए दोषी ठहराया।

सच में, उसे अपने आस-पास दिख रहे आत्म-भोग में क्यों नहीं शामिल होना चाहिए? वह अपनी कीमत जानती थी, और उसके पास पैसे थे - ठीक है, उधार लिए हुए, उसके टोट बैग में कुकी टिन में। उसने बिहार की धूल और बीच में कीचड़ और जंगलों को झाड़ दिया था, और अब वह बैंगलोर में थी, जहाँ टावर नीले कांच से बने हैं, लेकिन वे आसानी से सोने के भी हो सकते हैं। उसने यह पूरी तरह से अपने दम पर किया था। अगली बार जब वह बरिस्ता में जाएगी, तो उसने खुद से वादा किया, वह बोर्ड पर सबसे महंगी कॉफी ऑर्डर करेगी।

"शहर में नया आया है?" बगल की टेबल पर बैठी एक कैपुचीनो पीने वाली ने पूछा, एंजी के सैमसोनाइट की ओर देखते हुए। उसने आई मुंबई टी-शर्ट पहनी हुई थी।

"अभी ट्रेन से उतरी हूँ," एंजी ने अपनी सबसे बड़ी मुस्कान बिखेरते हुए कबूल किया। "मैं
एक घंटा पहले कोलकाता से आया हूं।'' यह एक नया जीवन है, कौन जाने?

"कूल," मुंबई गर्ल ने कहा।

एंजी ने अपनी कॉफी मुंबई गर्ल की अव्यवस्थित टेबल पर रख दी। काली मसल शर्ट पहने एक युवक ने अपनी बाइसेप्स दिखाते हुए अपनी कुर्सी उसके लिए छोड़ दी। "ट्रेन से उतरा हूँ। FOT। बढ़िया," उसने कहा।

"अब मुझे केव गार्डन ढूँढना है," एंजी ने विश्वास से कहा। "क्या तुम जानते हो कि वह कहाँ है?"

मुंबई की लड़की अगली टेबल पर चिल्लाई, "क्या आप में से कोई रूममेट है?"
क्यू गार्डन में?" उसकी अंग्रेजी एकदम सही थी, एंजी से भी बेहतर। और अन्य टेबलों से जवाब भी अंग्रेजी में थे: "बहुत मुश्किल यात्रा!"
"इसके बजाय केंट टाउन में जाकर देखें।" "क्या आपका पूर्व साथी किसी रूममेट की तलाश में नहीं है?" "सीधे तौर पर लंबी अवधि के लिए लीज़ पर हस्ताक्षर न करें। मकान मालिक बदमाश होते हैं।" "और सभी मकान मालकिनें कुतिया होती हैं।"

Machine Translated by Google

"शांत रहो, FOT," मुंबई की लड़की ने सलाह दी। वह अपना सेल फोन लगाने लगी।
"मोनी," उसने कहा, "ललिता यहाँ है। बरिस्ता, तुम्हें क्या लगता है? सच में? वह मान गई? मैं हैरान हूँ। नहीं, मैं चौंक गई हूँ। देखो, यहाँ एक नई बांग्ला लड़की है।" उसने बड़ी मुस्कान के साथ एंजी की ओर देखा, फिर आँख मारी। "मोनी, तुम्हें जल्दी से यहाँ आ जाना चाहिए। वह वाकई बहुत प्यारी है। हॉट और जल्दी ही आगे बढ़ रही है। तुम उसे बांग्लाबाजार में लाना चाहती हो, इससे पहले कि मीटमेट वाले उसे पकड़ लें।"

क्यूट? एंजी ने सोचा। क्यूट का मतलब होता है छोटी, मुलायम और गड्ढेदार चीज़।
वह सुंदर दिखने के लिए बहुत लंबी और पतली थी।

मुंबई की लड़की ने फ़ोन पर हाथ रखा और फुसफुसाते हुए कहा, "उसका नाम मोनीश लाहिरी है - हम उसे बंगाली स्वेंगली कहते हैं। फ़िल्मों में दिखने में हैंडसम, लेकिन थोड़ा छोटा। छोटा-छोटा नहीं, बल्कि छोटा। वह सभी लड़कियों के साथ रोमांस करता है, इसलिए वह सिर्फ़ एक पर ध्यान केंद्रित करने में बहुत व्यस्त है। वैसे भी, वह अपने फ़ेसबुक रिपऑफ़ से पैसे कमा रहा है। उसने हमें अपनी निर्देशिका के लिए सभी FOT बंगाली लड़कियों और स्टड की भर्ती करने के लिए कहा है।"

एंजी ने यह सब समझने की कोशिश की, लेकिन ... कुछ समझ नहीं आया। वह सोच रही थी कि स्वेंगली क्या है?

फ़ोन से हाथ हटाते हुए मुंबई की लड़की ने कहा, "मुझे नहीं पता-काफ़ी लंबी, एक सौ पचहत्तर, एक सौ अस्सी, शायद। अपने जूते लिफ्ट पहनें।"

"उसे एक सौ साठ बताओ," एंजी ने कहा।

ललिता ने आगे कहा। "ठीक है, मोनी। ओह, वह कहती है एक सौ साठ।" वह एंजी की ओर मुड़ी। "मोनी ने यह चलन शुरू किया। अब बैंगलोर का हर समूह, गुजराती, तमिल, कोंकण, पंजाबी - हर कोई इन बैंगलोर निर्देशिकाओं में शामिल हो रहा है।"

एंजी का सिर घूम रहा था, चेहरे फ्लैशबल्ब की तरह उभर आए, आवाजें गूंज रही थीं
कहीं से भी, या हर जगह से, चहचहाहट आ रही थी, और वह उनकी कही एक भी बात नहीं समझ पा रही थी। शायद उसने फुटपाथ से अपनी सैमसोनाइट को खींचते हुए कुछ ज़ोर लगाया था।

Machine Translated by Google

लैपटॉप पर काम कर रहे स्मार्ट दिखने वाले लड़कों ने गौरीपुर के कभी-कभार आने वाले लोगों को गाय चराने वालों जैसा बना दिया। उसके कपड़े भले ही गंदे हों, और वह अपने बालों में कंघी नहीं कर पाई हो, और वह कीचड़ से सना सूटकेस खींच रही हो, लेकिन फिर भी उसकी मुस्कान बरकरार थी। वह बैंगलोर के एमजी रोड पर एक बरिस्ता में थी, जो ब्रह्मांड का नया केंद्र है। उसकी मुस्कान किसी भी ताबीज या मंत्र से ज़्यादा कीमती थी। लेकिन धिक्कार है, उसकी आवाज़ धीमी और दबी हुई लग रही थी और बाकी सबकी आवाज़ तेज़ और तेज़ थी।

"बहुत बढ़िया - क्या मैंने जादुई शब्द 'शहर में नई लड़की' सुने?" रे-बैन पहने एक दाढ़ी वाले, मूंछ वाले आदमी ने पुकारा। एंजी ने मूल्यांकन किया और खारिज कर दिया: बहुत छोटा और काला, बहुत ज़ोरदार और मिलनसार, बहुत ज़्यादा हँसी-मज़ाक, मूंछें बहुत ज़्यादा और बालों वाली, और सोने की चेन की दोहरी स्ट्रैंड निश्चित रूप से अनावश्यक। शायद एक स्थानीय लड़का, उसने सोचा, खुद को कूलर, बड़े शहर के लोगों के साथ घुलने-मिलने की कोशिश कर रहा है, बहुत ज़्यादा जोर लगा रहा है। अगर वह किसी बॉलीवुड फिल्म में होता, तो वह हीरो का कॉमिक साइडकिक होता, बहुत खुजली वाला और उतावला, बहुत ऊँची आवाज़ में बहुत सारे चुटकुले सुनाता, खुश करने के लिए बहुत उत्सुक, मिलने वाली हर लड़की से नाराज़ हो जाता। उसने अपनी बाँह एक ट्यूबलर लड़की के चारों ओर लपेटी, जिसके बाल बहुत टाइट टी-शर्ट में थे, जिससे वह किसी भी समय गिर सकती थी।

"क्या आपके पास अभी भी कमरा है?" जावारूमयेट? "नहीं कहो, हम तुम्हें अंदर घुसने में मदद कर सकते हैं।" उसने बताया कि उसका नाम माइक है और उसकी अंग्रेजी आसान और थोड़ी भद्दी है।
उसने दूसरों से परिचय कराया: मिल्ली और डैरेन। ट्यूबलर लड़की का नाम सूजी था।
डैरेन टी-शर्ट और जीन जैकेट पहने एक सुंदर लड़का था, जो उसके टाइप का था, पंजाबी-लंबा और गोरा, माइक की तरह कोई भी तनावपूर्ण चमक और अकड़ नहीं थी। मिल्ली शादी के विज्ञापनों की क्लासिक "लंबी, पतली और गेहुँआ रंग" वाली लड़की थी, जिसके बाल हाइलाइट किए हुए थे, और वह अपनी सिगरेट को अभ्यास के साथ आसानी से घुमा रही थी।

"मैं घर में धूम्रपान नहीं कर सकती। काम पर भी धूम्रपान नहीं कर सकती। जब भी मौका मिले, मुझे धूम्रपान करना चाहिए," उसने एक और सिगरेट जलाते हुए कहा।

"मैं डैरेन हूँ। वैसे भी इस हफ़्ते।" डैरेन ने हँसते हुए कहा। "मुझे लगता है कि मैं उसे मार डालूँगा। मैं खुद को ब्रैड मानता हूँ।"

"तुम ब्रैड के लिए काफी कूल नहीं हो, प्रेमी लड़का," सूजी ने कहा। "उसने पिछले साल जेन से ब्रेकअप कर लिया था।"

Machine Translated by Google

"वह एक भूतपूर्व व्यक्ति है," लड़कियों में से एक ने हँसते हुए कहा। "वह अब एंजेलिना के साथ है।"
वह उसे अपनी पीठ से बाहर थूक देगी!" लड़की एक नौकरानी की तरह दिखती थी; आप कभी नहीं सोच सकते कि वह अंग्रेजी का एक शब्द भी जानती है, ऊंची आवाज में, आक्रामक अमेरिकी अंग्रेजी तो दूर की बात है। उसने खुद को सिंडी कहा।

"तो मैं तुम्हें यह सब बता दूँ," सिंडी ने आगे कहा। "अगर तुम कहते हो कि तुम ब्रैड हो,
वे पूछेंगे कि एंजेलीना कहाँ है? फिर आप क्या कहेंगे? जल्दी, जल्दी, ओल्ड बिच सुन रहा होगा, वह उस एजेंट की पीड़ा भरी कोशिश सुनेगा जो खुद को उस गहरी गंदगी से बाहर निकालने की कोशिश कर रहा है जिसमें वह फंस गया है और आप अपनी गांड पर हैं, कंपनी का समय बर्बाद कर रहे हैं क्योंकि आप ब्रैड पिट बनना चाहते थे। अच्छा नहीं है, यार।"

"मैं कुछ हफ़्ते पहले जेन थी," मिली ने कहा। "मेरे पास बस यही था। 'ब्रैड कहाँ है?' मैंने कहा, 'ब्रैड? ब्रैड तो पिछले हफ़्ते ही चला गया, यार। अब क्या-क्या कहूँ कि हम तुम्हारी प्रिंटर की समस्या का समाधान कर दें।'"

"हाँ, एचपी थोड़ा ढीला-ढाला है," डैरेन ने कहा।

"मोटोरोला थोड़ा तनावग्रस्त है," माइक ने कहा।

"मेरी ईंटें बकवास होंगी," सिंडी ने कहा। "नियमों के अनुसार खेलें, यही हमारी आदत है
"तुम्हारा नाम तो हो गया - उसी पर टिके रहो।"

"दोस्तों, दोस्तों, यह क्या है, एक कुतिया सत्र? हमारे नए दोस्त क्या सोचेंगे?" डैरेन ने कहा।

वह क्या सोच सकती थी? वह उलझन में सुन्न हो गई थी। ईंट-शिकार करना उसके लिए एक नया काम था। मल, पेशाब, बकवास, गधे: सीखने के लिए बहुत कुछ। और कूल, कूल, कूल: सब कुछ कूल या कूल नहीं, लेकिन कभी भी गर्म नहीं। ये कॉल-सेंटर एजेंट, उसके प्रतिस्पर्धी और संभावित सहकर्मी होंगे। उसकी गर्दन में दर्द हो रहा था, जो उसे कई साल पहले कोलकाता की पारिवारिक यात्रा के दौरान हुआ था, जब वह बंगाली शब्दों को पहचान रही थी, लेकिन उनका अर्थ नहीं समझ पा रही थी। उसे यह सब पता होना चाहिए, यह सब दूसरी प्रकृति का होना चाहिए, यह गौरीपुर से उसके उद्धार की मुद्रा थी - लेकिन वह वास्तव में इसका 90 प्रतिशत नहीं समझ पाई। ये लोग उससे बेहतर लग रहे थे, भले ही उनकी शब्दावली बहुत कम थी और वे नौकर या नौकर जैसे लग रहे थे

Machine Translated by Google

फिल्म वेश्याओं, शायद डैरेन को छोड़कर, जो अब नाराज़ था क्योंकि वह ब्रैड की भूमिका नहीं निभा सका।

"इसे ताज़ा रखना होगा," माइक ने कहा। "रसेल क्रो अभी भी अच्छा है, लेकिन इसमें कुछ कमी है।
खूनी उच्चारण। निकोल बहुत बढ़िया है। बिल और हिलेरी। जॉर्ज और लौरा, लेकिन जब आप उन नामों का इस्तेमाल करते हैं, तो वे आपसे बात करना बंद कर सकते हैं। बहुत सारे नाम हैं। आपका नाम क्या है, हनी?"

जब उसने कहा कि एंजी, मिली और सूजी ने एंजी होने की बात स्वीकार की है
भी, अलग-अलग दिनों पर। सूजी ने कहा, "मैंने एंजी होना तब बंद कर दिया जब एक अमेरिकी व्यक्ति ने कहा, 'हाँ, तुम एंजी हो
जैसे मैं मदर टेरेसा हूँ।' वे समझ रहे हैं। सावधान रहना होगा।"

डैरेन ने कहा, "उन्हें 'ट्यूड्स' मिला।"

"हाँ, लेकिन हमारे पास खेल है," माइक ने जवाब दिया। उन्होंने हाई-फाइव किया। एंजी रोना चाहती थी, इसलिए वह मुस्कुराई,
और माइक उसकी ओर मुड़ा। "बिचिन का नाम, एंजी।
बहुत बढ़िया। बहुत बढ़िया मुस्कान। बहुत पसंद आया।" अभी भी बहुत उत्साही, कूल नहीं, उसने फैसला किया। अगर उसने सही
सुना हो तो एक घटिया नाम कैसे कूल हो सकता है? उसे एक पसंदीदा चैंपियनिज्म याद आया: पुरानी कार बेचने वाले से दोस्ताना
व्यवहार। उसे बेहतर महसूस हुआ।

एंजी या सूजी या जो भी हो, अपने स्तनों को बाहर निकाले हुए टेबल पर झुकी हुई थी, और उनमें से एक, उसने देखा, अंधेरे इंटीरियर से एक तितली टैटू के साथ, गौरीपुर में दंगा हो सकता था। और हाइलाइट किए हुए बालों वाली लंबी लड़की, मंगलवार और शनिवार को खुद को एंजी और सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को मिली कहती थी, जिसे ब्रेक के दौरान और कॉफी शॉप में धूम्रपान करना पड़ता था, उसने कहा कि वह रसोई के विशेषाधिकार के साथ दो हजार प्रति माह पर एक नया रूममेट ढूंढ रही थी। एंजी ने कहा कि उसे उम्मीद है कि उसे केव गार्डन में एक रिश्तेदार के माध्यम से एक कमरा मिल जाएगा, एक ऐसा बयान जिससे कोई चांदी का बर्तन नहीं गिरा, कोई आँखें नहीं उठीं। बगल की टेबल से दो और लड़के, स्टीव और चार्ली ने उसे अपनी बाइक पर सवारी की पेशकश की, जिसका बहुत देर से उसे एहसास हुआ
कि उसका मतलब मोटरसाइकिल था। वे लड़कियों के साथ थे, एक पोनीटेल वाली लड़की जिसका नाम ग्लोरिया था और एक हरे बालों वाली लड़की जिसका नाम रॉक्सी था, "शिकागो से," उसने कहा। "और कहाँ?"

Machine Translated by Google

आह, लेकिन क्या उन्होंने तुम्हें शिकागो का उच्चारण सिखाया? उसने आश्चर्य से पूछा,
पीटर को याद करते हुए। यह पाँच डालर होंगे।

"मुकेश शर्मा ने कल रात फिर फोन किया," सिंडी ने कहा, "बेचारा हारे हुए आदमी, मुझे उसके लिए बहुत दुख हो रहा है। वह अब खुद को मिकी कहता है, लेकिन वह वही पुराना मुक्की है।"

"आप उसे ब्लॉक कर सकते हैं," माइक ने कहा। "कोई व्यक्ति हफ़्ते में तीन, चार बार सपोर्ट को कॉल करता है - वे उससे निपट लेंगे। आप उससे जो चाहें कह सकते हैं, यहाँ तक कि बूढ़ा कुतिया भी आपका साथ देगा।"

"मुकेश शर्मा एक असली हैनिबल लेक्टर है। वह मुझे बारह हज़ार मील दूर से भी डराता है," सूज़ी ने कहा। "मुझे नहीं पता कि उन्होंने उन लोगों को अमेरिका में क्यों आने दिया। इलिनोइस विश्वविद्यालय में कुछ क्लास हुआ करती थी। मैं उम्मीद करती रहती हूँ कि मैं उसे पा लूँ - उसके पास फिर से कॉल करने की हिम्मत नहीं होगी।"

माइक ने गाना शुरू किया, "मुझे शैम्पेन से कोई मज़ा नहीं आता।" उसकी आवाज़ आश्चर्यजनक थी:
गहरी, अमेरिकी। "मुक्की शर्मा शैम्पेन में रहती है।"

"खैर, इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि वह पागल है," एंजी ने कहा, "शैम्पेन में रह रहा है!"
सभी लोग हंस पड़े, और उसे समझ में नहीं आया कि उसने जो कहा वह इतना मज़ेदार क्यों था।
सूरज की रोशनी इतनी तेज थी कि सीधे उसकी आँखों में और खोपड़ी में चुभ रही थी। कोई व्यक्ति शैम्पेन में कैसे रह सकता है? बॉलीवुड फिल्मों में लोग इसे पागलों की तरह पीते हैं। शब्द क्या है - फ्लूट्स? मुकेश शर्मा जैसा असली भारतीय नाम इस नकली अमेरिका में अजीब तरह से सुकून देने वाला लगता था, जहाँ माइक, स्टीव और चार्ली सभी मौजूद थे।

"अमेरिका में रहने वाले भारतीय लड़के," मिली ने समझाया। "वे सबसे ज़्यादा विकृत लोग हैं। वे पूरा दिन लैब में बिताते हैं, फिर वे पूरी रात भारतीय विवाह साइटों पर बिताते हैं। वे इतने कामुक होते हैं कि वे कंप्यूटर की समस्याओं का आविष्कार करते हैं ताकि वे बैंगलोर से जुड़ सकें और किसी भारतीय लड़की से बात कर सकें। वे नहीं जानते कि जैसे ही वे कॉल करते हैं, हमारी स्क्रीन पर उनका नाम और क्रेडिट इतिहास और पिछली कॉल्स की जानकारी होती है।"

सिंडी एक चौकस मंडली के सामने खेल रही थी। "वह कहता है, 'हाय, मेरा नाम मिकी है। कृपया आपका अच्छा नाम क्या है?'" उसने एक खास तरह के भारतीय लहजे की अच्छी नकल की - उदाहरण के लिए, एंजी के पिता का। "मैं कहती हूँ, 'एंजी।'

Machine Translated by Google

वह कहता है, 'क्या मैं उस एंजी के भेष में अंजलि को देख रहा हूँ, मिस एंजी?' मैंने लगभग कह दिया, 'नहीं, लेकिन क्या मैं मिकी के नीचे किसी तरह की बीमार चीज़ को देख रहा हूँ?' वह वास्तव में जानना चाहता है कि आज बैंगलोर में मौसम कैसा है? गैलेक्सी में क्या चल रहा है? क्या हम अभी भी फ़ोरम में मिलते हैं? स्टाइक्स या पब वर्ल्ड के बारे में क्या? आपका असली नाम क्या है और आप कहाँ से आई हैं और क्या आप शादीशुदा हैं और आपकी उम्र कितनी है और 'कृपया, मिस एंजी, आपकी लंबाई सेंटीमीटर में...' भगवान, मुझे इस नौकरी से नफरत है!"

डैरेन ने अपनी बाहें ऊपर उठाईं। "चुप हो जाओ, प्लीज। कोलकाता की प्यारी को मुक्की शर्मा को हमारी श्रद्धांजलि सुनने की जरूरत है।" सभी ने एंजी की ओर देखा, अपने कॉफी कप उसकी ओर बढ़ाए, और उसके बेतुके शब्दों में गाना शुरू कर दिया:

मुझे शैम्पेन से कोई आनंद नहीं मिलता, अर्बाना भी एक
प्रकार का चिड़ियाघर है, लेकिन अब मुझे पता है कि
क्या सच है - तुम्हारे अंदर से कुछ बीमार सा निकल रहा है।

"गीत गिरीश गुजराल ने लिखे हैं," बॉम्बे गर्ल ने कहा। "वह जल्द ही आ जाएगा।"

एंजी को बकवास, शिट, गधे जैसे शब्दों का मतलब पता था , हालांकि वह
युवा भारतीय ऐसी भाषा का प्रयोग करना कहां से सीखते हैं?
उसे इस बात से डर लगता था कि अगर कोई अमेरिकी कॉलेज का लड़का, चाहे वह मनोरोगी ही क्यों न हो, अपना वैवाहिक बायोडाटा भेजेगा तो उसके पिता उस पर झपट पड़ेंगे। किसी भी अमेरिकी स्कूल में पढ़ने वाला कोई भी भारतीय, परिभाषा के अनुसार, एक मुश्किल काम है।

"फोन-सेक्स लाइन तो हमेशा रहती है," माइक ने कहा। "तुम बहुत मस्त होगे।
वे वास्तव में विदेशी नामों और भारतीय लहजे को पसंद करते हैं।"

"हमारे छात्रावास में एक लड़की फ़ोन सेक्स करने चली गई," सूज़ी ने कहा। "पैसे
अच्छा है, लेकिन आपको उन लोगों को बात करते रहने के लिए अजीब तरीके खोजने होंगे।"

"ऐसा नहीं है कि आप ऐसा नहीं कर सकते," माइक ने कहा।

Machine Translated by Google

"ओह, बस चुप रहो," सूजी ने कहा। वह चुप्पी का इंतजार करने लगी। "तुमने
"और भी कुछ कहना चाहते हो... महेंद्र? ओह, सॉरी, माइक।"

हे भगवान, एक साधारण नाम परिवर्तन से सब कुछ बदल जाता है!

"मैंने सुना है, एक रात में तीन सौ रुपये अजीब बात है," डैरेन ने कहा। एंजी ने सोचा कि बैंगलोर से पहले वह कौन था । दिनेश? धर्मेंद्र? "बहुत बढ़िया।"

"सड़कों से एक कदम ऊपर," रॉक्सी ने नाक भौं सिकोड़ी। और तुम, रॉक्सी: रूपा?
रुखसाना?

महिलाएं ईर्ष्यालु या अधिकार जताने वाली नहीं लग रही थीं। उनमें से ज़्यादातर मोटी थीं और पुरुष पहले से ही मोटे होते जा रहे थे, जैसे उसके पिता। उनकी दोस्ती शादी की ओर ले जाने वाली नहीं लग रही थी। बैंगलोर में युवा लोगों के पास न तो माता-पिता थे, न ही कोई नज़दीकी परिवार था जिसे वे खुश कर सकें। कोई भी गपशप या घोटाला उन्हें समझौता नहीं करवा सकता था। वे गपशप से दूर रहने के लिए पूरे भारत से आए थे।

इस तरह के प्रवाह का हिस्सा बनना, चाहे एक सुबह के लिए ही क्यों न हो, और बाढ़ में एक टहनी की तरह बह जाना, रोमांचक था। उसे स्वीकार कर लिया गया था, कोई सवाल नहीं पूछा गया, भले ही वह जो सुन रही थी, उसमें से ज़्यादातर उसे समझ में न आया हो। यह अंग्रेज़ी थी, लेकिन बरिस्ता के प्लाज़ा पर अपने ठिकाने से, वह गगनचुंबी इमारतों की चोटियों को नीले और लाल नीऑन में उनके अंतरराष्ट्रीय नामों को चमकते हुए देख सकती थी। वह उन कंपनियों को जानती थी: आईबीएम, कैनन, सीमेंस, दाइहात्सु। उनमें से कोई भी गौरीपुर में नहीं थी। गौरीपुर में एक पिज़्ज़ा हट अपने आप ही एक लग्जरी हैंगआउट, देखने लायक जगह बन जाएगा, और सिनेमा हॉल से भी लंबी लाइनें खींचेगा। गौरीपुर में सिर्फ़ एल्प्स पैलेस था, एक वेलकम ग्रुप होटल जिसमें एक शाकाहारी रेस्तरां और असंख्य चाय की दुकानें थीं, जहाँ पुरुष बैठकर या खड़े होकर चुस्कियाँ लेते और थूकते थे। गौरीपुर के शराबियों के लिए दो पिछली गली की शराब की दुकानें थीं जहाँ बोतलों को भूसे और अख़बार में लपेटा जाता था और साड़ी की दुकान के लोगो के साथ इस्तेमाल की गई प्लास्टिक की बोरियों में तस्करी करके बाहर भेजा जाता था।

एक इमारत के किनारे पर वह हाथ से पेंट की गई तख्तियों को पढ़ सकती थी:
अंग्रेजी की शिक्षा। कॉल सेंटर प्लेसमेंट। नए लोग ध्यान दें। विदेशी
सिखाई गई भाषाएँ: फ़्रांसिआस, एस्पाग्नोल, इटालिनो। उसे यह बात आश्वस्त करने वाली लगी, क्योंकि

Machine Translated by Google

हालांकि उन्हें पता था कि वह आ रही है और उसे ब्रश-अप कोर्स की आवश्यकता हो सकती है, भले ही बैंगलोर में शब्दों की वर्तनी अलग हो।

वह यहीं रहना चाहती थी। बरिस्ता आरामदायक था, उसमें कुछ हद तक विलासिता और कुछ हद तक साज़िश थी। युवा लोग बिल्कुल उसके जैसे थे, खुले और मिलनसार, और शायद उसी तरह की नौकरी के लिए तैयार थे जिसकी उसे उम्मीद थी। उसने सुना था कि हर महीने दस हज़ार एजेंट रखे जाते हैं, और छह या सात हज़ार लोग नौकरी छोड़ देते हैं या उन्हें नौकरी से निकाल दिया जाता है। पंद्रह हज़ार रुपये आने पर एक लड़की क्या खरीद सकती है? एक बात के लिए, वह बरिस्ता में रुक सकती है और आइसक्रीम के साथ कोल्ड कॉफ़ी मंगवा सकती है और दो बार नहीं सोच सकती। एंजी के लिए, एक लाख - 100,000 रुपये - जीवन भर की मेहनत और बचत का प्रतिनिधित्व करते हैं। बैंगलोर में, वह हर महीने एक लाख या दो लाख भी कमा सकती है।

वह कपड़ों की भरी हुई अलमारियों, स्कूटर और खुद के एक अपार्टमेंट के सपनों में खोई हुई थी। बड़े शहर की महत्वाकांक्षाएँ; छोटे शहर की इच्छाएँ। उसकी बेचारी बहन अपनी उँगलियों को हड्डी तक काम करती थी - उँगलियाँ और उससे भी ज़्यादा - दो हज़ार महीने के लिए, अगर वह भी। कुछ टेबल दूर से, एक सुखद पुरुष आवाज़ बोली।

"क्यू गार्डन मेरे रास्ते में है," लेकिन एंजी अभी भी अपने भविष्य में खोई हुई थी। कुछ ही महीनों में, पदोन्नति के बाद, बीस साल की होने से पहले, वह अपने पिता से ज़्यादा कमा रही होगी, अपने पिता से कहीं ज़्यादा।

दूर की मेज से कहे गए वे सुखद शब्द उसके लिए ही थे।
अचानक वह वहाँ पहुँच गया, नीली जींस, सफ़ेद शर्ट और नीला ब्लेज़र, बेल्ट बकल उसकी आँखों के स्तर पर,
अपनी कार की चाबियाँ लटकाए हुए। वह दूसरों से थोड़ा बड़ा लग रहा था, लेकिन अभी भी जवान, मोटा, और गोल चेहरा,
चश्मा पहने हुए: एक हानिरहित, यहाँ तक कि दोस्ताना चेहरा। "मेरा नाम गिरीश गुजराल है," उसने कहा। "वे मुझे जीजी कहते हैं।
मैंने सुना है कि आपको केव गार्डन तक जाने के लिए सवारी की ज़रूरत है। मेरी देवू आपकी सेवा में है।
चिंता मत करो, यह मेरे रास्ते में है।"

वह बोलता रहा, लेकिन वह शब्दों को समझ नहीं पाई। उसके होंठ हिल रहे थे, लेकिन कुछ भी उसे समझ में नहीं आया। उसने सोचा कि उसे खड़े होकर उसके करीब जाना चाहिए और उसका हाथ मिलाना चाहिए, लेकिन जैसे ही उसने उठने की कोशिश की, उसके पैर सुन्न हो गए, फिर उसका सिर रोशनी से भर गया, उसके घुटने मुड़ गए, और वह उसके खिलाफ़ गिरने लगी। उसने उसे अपनी बाहों में भर लिया, उसे आधा खड़ा रखते हुए, फिर उसे आसानी से ज़मीन पर गिरा दिया। उसने चेहरे देखे, सभी लड़कियाँ और कुछ लड़के जिन्हें वह देख रही थी, उसके चारों ओर अर्धवृत्त में व्यवस्थित थे। श्री जीजी ने गोद में उठाया

Machine Translated by Google

उसने उसका सिर अपने हाथ में लिया और दूसरों से चिल्लाया, "टोस्ट और जूस लाओ।" फिर, उसने लगभग फुसफुसाते हुए कहा, "तुमने आखिरी बार कब खाया था?"

"आज सुबह." उसने झूठ बोला.

"यह जानने के लिए नहीं कि क्या आप मधुमेह रोगी हैं?" उसने पूछा। वह नाराज़ हो गई; मधुमेह तो बुज़ुर्गों के लिए है।

"बिल्कुल नहीं।"

"तो यह सिर्फ मेरा मर्दाना आकर्षण है?"

"मुझे क्षमा करें?"

उसे नहीं पता था कि वह कहाँ है। मिस्टर जीजी के सिर के पीछे रोशनी घूमती रहती थी। उसका सिर एक बड़ा, खोखला, लहराता हुआ गुब्बारा था; उसके पैर और हाथ सुन्न हो गए थे। फिर वह जूस पी रही थी और टोस्ट के टुकड़े खा रही थी।

एक मिनट बाद, वह अपनी कुर्सी पर वापस आ गई। दुनिया घूमना बंद हो गई थी, और मिस्टर जीजी टोस्ट के एक और ढेर पर मक्खन लगा रहे थे। उन्होंने कहा, "तुम बहुत बेहतर दिख रही हो।" उन्होंने प्लेट को उसके करीब धकेल दिया। "लगता है तुम मेरी गोद में गिर गई हो। मैं तुम्हारे साथ क्या करूँ?"

ठीक उसी तरह, उसने बिजली की तरह गणना की: वह जो हिचकिचाती है वह जो भविष्य या अपनी प्रतिष्ठा के बारे में चिंता करती है या सुख-सुविधाओं पर कंजूसी करती है और अपनी जेब में रखे रुपयों को ही गिनती है, अपने सैमसोनाइट के सपनों को नहीं, वह जो इस बात पर ध्यान देती है कि क्या इससे बुरा कुछ हो सकता है, और वह इस बात पर नहीं सोचती कि क्या यह सब कुछ हो सकता है, वह प्रतिस्पर्धा नहीं कर सकती।

"मेरा नाम एंजी बोस है," उसने औपचारिक रूप से अपना परिचय देते हुए कहा।
"यात्रा की पेशकश के लिए धन्यवाद।"

एक अजनबी व्यक्ति ने उसे केव गार्डन तक मुफ्त यात्रा की पेशकश की थी, वह जगह कहीं भी थी, और वह बैंगलोर में एक घंटे से ज्यादा नहीं रही थी।

Machine Translated by Google

गौरीपुर में तो एकमात्र जवाब विनम्र होगा "धन्यवाद, नहीं।" लेकिन बैंगलोर में? "क्यों नहीं?" स्मार्ट उत्तर था।

इसके अलावा, उसे बरिस्ता में किसी के सामने यह स्वीकार करने की ज़रूरत नहीं थी कि उसने अपना पूरा जीवन गौरीपुर में बिताया है। उसे एंजी बोस बनने की भी ज़रूरत नहीं थी; वह डिंपल या ट्विंकल या स्प्रिंकल जैसा कोई चमकीला बॉलीवुडी नाम गढ़ सकती थी। क्यों नहीं? बैंगलोर में कोई भी व्यक्ति किसी पहचान के साथ बंधा हुआ नहीं लगता था। वह एंजी बोस को मार सकती थी, और कौन जानेगा, या परवाह करेगा? वह जो चाहे बन सकती थी, वाराणसी की हिंदी बोलने वाली लड़की या कोलकाता की ब्राह्मण। आप कौन बनना चाहती हैं? बैंगलोर को इसकी परवाह नहीं है। बैंगलोर किसी भी कहानी को अपने हिसाब से ढाल सकता है। वह अपने माता-पिता और अपनी बहन को खत्म कर सकती थी। नहीं, वह खुद ऐसा नहीं कर सकती थी, लेकिन वह उन्हें ज़्यादा मज़बूती से, ज़्यादा शक्तिशाली तरीके से मध्यवर्गीय बना सकती थी।

वह आदमी जिसने खुद को जीजी कहा था, बरिस्ता से बाहर निकलकर फुटपाथ पर खड़ी एक शानदार देवू सेडान तक ले गया। उसके जीवन की कहानी खुद ही लिखनी चाहिए!
एक आम बॉलीवुड हीरोइन की तरह - एक मासूम, भरोसेमंद छोटे शहर की लड़की जो खुद को एक आत्मविश्वासी, दयालु बूढ़े आदमी की दया पर छोड़ देती है - वह अजनबी की कार में चढ़ गई। उसने यह फिल्म सौ बार देखी थी।

Machine Translated by Google

2

अंजलि बोस ने तय किया कि वह हर संभावित पुरुष के कम से कम एक संस्करण से पहले ही मिल चुकी है। हर आदमी निर्मल गुप्ता की तरह भ्रमित नहीं था, या उसके पिता की तरह गुंडा, या सुबोध मित्रा की तरह बलात्कारी, या सोनाली के पूर्व पति की तरह झूठा धोखेबाज, या सोनाली के वर्तमान बॉस की तरह शोषक, या निज़ामबाग के ट्रक ड्राइवरों की तरह क्रूर ग्राहक। कुछ दयालु थे, लेकिन पीटर चैंपियन की तरह विकृत। उसने जिन पचास से ज़्यादा विवाह उम्मीदवारों को अस्वीकार किया था, वे सभी इन श्रेणियों में से किसी एक में होने चाहिए थे। कोई भी युवा पुरुष जिससे वह हाल ही में मिली थी, या भविष्य में मिल सकती है, उनमें से किसी एक में फिट हो सकता था - शायद रबी चटर्जी को छोड़कर सभी। यह देखना दिलचस्प होगा कि मिस्टर जीजी और उनकी बड़ी चांदी की देवू कहाँ फिट होती है। एक बड़े शहर में दिन के उजाले में उसे लगा कि उसे डरने की कोई बात नहीं है।

उन्होंने अनुमान के मुताबिक ही बात शुरू की, "क्या मैंने सुना है कि आप कोलकाता से हैं?" ओह-ओह।
उसने पारिवारिक यादों को खंगाला, कुछ सड़कों और मोहल्लों के नाम जुटाए, बस मामले को संभालते हुए। वह कहाँ से आ सकती है? बल्लीगंज, टॉलीगंज, उत्तरी कलकत्ता? उसके लिए ये सिर्फ़ नाम थे; अगर कोई पता पूछेगा, तो उसकी पोल खुल जाएगी। साल्ट लेक्स? बहुत नया। ढाकुरिया झील?

अब कोई चलन नहीं रहा। बोबाजार? सियालदह? बहुत गरीब, भीड़भाड़ वाला, बहुत गंदा। कुछ मत बोलो। श्री जीजी ने आगे कहा। "मैं खुद कभी बंगाल में नहीं रहा। लोग कहते हैं कि वे सब बातें करते हैं और हवा-हवाई हैं, लेकिन—"

उन्होंने बीच में ही टोकते हुए कहा, "हमारे पास भी मूर्खों की कमी नहीं है, मिस्टर गुजराल।"

"कृपया मुझे गिरीश कहें। या जीजी।"

उसने उस पर भी ऐसा करने के लिए दबाव नहीं डाला। जब वे एक पांच सितारा होटल के पास से गुजरे, तो उसने कहा, "तीन साल पहले, यह सब एक पुराना अपार्टमेंट ब्लॉक था। उन्होंने पाँच सौ परिवारों को हटा दिया और उनकी जगह दो हज़ार पर्यटकों को ला दिया।" उसने एक नए शॉपिंग सेंटर की ओर इशारा किया: "वहाँ काले धन का बड़ा कारोबार चल रहा है।

दुबई का पैसा।" ऐसा लगता था कि उन्हें हर नई इमारत के बारे में अंदरूनी कहानी पता थी। "बेंगलुरु में पहली मिश्रित उपयोग वाली ऊंची इमारत। ग्राउंड फ्लोर पर बुटीक, बीच की मंजिलों पर ऑफिस और ऊपर की पांच मंजिलों पर लग्जरी कॉन्डो।" कॉन्डो मालिकों के लिए दो इनडोर स्विमिंग पूल, एक स्पा,

Machine Translated by Google

शानदार छत वाला बगीचा, और निश्चित रूप से पूर्णकालिक नौकरानी सेवा। यदि आप निर्माण शुरू होने से पहले अपनी बोली लगाने में भाग्यशाली होते, तो आप अपना कोंडो दो करोड़ में खरीद लेते। एक चोरी। यह तीन साल पहले की बात है। "अब आप इसे आठ करोड़ से अधिक में बेच सकते हैं।"

उन्होंने कहा, "मुझे यह बात ध्यान में रखनी होगी।"

श्री जीजी हँसे.

उन्होंने वहां लगे साइनबोर्डों को जोर से पढ़ा: एआईडी की नवीनतम परियोजना!

अभी करें! मात्र 5 करोड़ में 10 करोड़ की विलासिता में जियें
कीमत! श्री.

जीजी को भारतीय उपलब्धियों पर गर्व था, और धन-संपत्ति अद्भुत थी, फिर भी वह किसी तरह इससे शर्मिंदा भी लग रहा था। वह समझ गई, एक तरह से: बैंगलोर ने उसे उत्साहित किया, लेकिन इसने उसे उदास कर दिया। सारा पैसा लोगों को थोड़ा पागल बना देता है। और एड्स के बारे में यह क्या था? उसने इसके बारे में सुना था, एक बड़ी समस्या, लेकिन बैंगलोर में वे इसका विज्ञापन करते हैं? "क्या एड्स नहीं है...?"

"एआईडी का मतलब अखिल भारतीय विकास है। लोग मज़ाक करते थे कि आप
एड्स के लिए दवा, लेकिन अंत में एड्स ही आपको मार डालेगा।"

सुबह का "बैंग गैलोर" कॉलम, जिसे उसने बैठकर पढ़ा था
बस डिपो पर उसके सूटकेस पर लिखा हुआ, अभी भी उसके दिमाग में ताजा था। डायनेमो ने लिखा था, "बंग गैलोर में, करोड़ नए लाख हैं," और अब वह समझ गई। उसके अनुभव में, करोड़ प्रकाश वर्ष की तरह थे, जो समझने के लिए बहुत बड़ी संख्या को दर्शाते थे। करोड़ रहस्यमय गंभीरता वाले गंभीर अवसरों के लिए आरक्षित थे, जैसे कि सरकारी बजट और परियोजनाएँ ("ऊपरी यमुना के लिए 1000 करोड़ का बैराज योजनाबद्ध...") या पूरी आबादी ("भारत ने सौ करोड़ की सीमा पार कर ली है और मुंबई की जनता अब तीन करोड़ पर पहुँच गई है...")। एक लाख एक लाख होता था। एक करोड़ एक सौ लाख होता था।

हर जगह करोड़ों का ज़िक्र था। उसी फेंके हुए कागज़ में, उसने
सौ करोड़ के भूमि सौदे के बारे में पढ़ें, चावल के खेतों को एक गेटेड कॉलोनी में परिवर्तित करना (अभी सदस्यता लें!) जिसमें स्कूल और एक गोल्फ कोर्स सह स्वास्थ्य क्लब होगा और

Machine Translated by Google

एक शॉपिंग मॉल जिसके परिसर में अंतरराष्ट्रीय डिजाइनर बुटीक हैं (कोई भीड़ नहीं!)। उसने आरोप पढ़े थे कि जमीन के लिए 4.5 करोड़ की रिश्वत दी गई थी। लेकिन कोई भी गरीब किसान इससे कभी लाभ नहीं उठाने वाला था। उन द्वारों के अंदर किसानों का उनके बैलों जितना ही स्वागत था। किसी ने पहले ही खेत की जमीन का एक प्राचीन शीर्षक खोज लिया था, या इसका आविष्कार किया था और एक न्यायाधीश को पैसे दिए थे। अगर करोड़ नए लाख थे, तो क्या यहाँ आने से हर कोई अपने आप सौ गुना बड़ा और मजबूत हो गया था? क्या इसका यह भी मतलब था कि अगर आप यहाँ असफल हुए, तो आप सौ गुना तेजी से असफल हुए और सौ गुना गहरे गड्ढे में गिर गए?

मिस्टर जीजी ने उसे उसके पहले स्टारबक्स, उसके पहले पिज़्ज़ा हट और फिर रेडियो शेक, सभी अद्भुत लोगो, विस्तार योजनाओं और कॉर्पोरेट संस्कृतियों के साथ जो उसने दा गामा में पढ़ी थी। उसके कॉर्पोरेट प्रबंधन वर्ग के अंत में, पीटर चैंपियन ने उसे आधे मज़ाक में कहा था, "बधाई हो। आप बिहार की किसी भी अठारह वर्षीय लड़की से ज़्यादा स्टारबक्स के बारे में जानती हैं।" लोगो को देखना उतना ही चमत्कारी था जितना कि सफ़ेद बाघों के परिवार को सड़क पार करते देखना।

श्री जीजी सिविल इंजीनियरिंग के लिए आईआईटी गए थे, फिर संयुक्त राज्य अमेरिका में आर्किटेक्चर स्कूल गए, और भारत लौटने के बाद उन्होंने आईआईएम से एमबीए की अतिरिक्त डिग्री ली। उन्हें पासाडेना नामक जगह पर नौकरी मिल गई थी, लेकिन उनके बड़े भाई की एक सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी, और श्री जीजी को अपने माता-पिता, अपनी विधवा भाभी और दो भतीजों की देखभाल के लिए घर लौटना पड़ा।

उसकी पत्नी ने अमेरिका छोड़ने से इनकार कर दिया था। "क्या वह एक अमेरिकी लड़की थी?" एंजी ने पूछा.

और उन्होंने जवाब दिया, "वह जन्म से अमेरिकी थी और नाम और पृष्ठभूमि से पंजाबी थी, और उसके माता-पिता बहुत गर्वित पंजाबी थे, लेकिन उसका पालन-पोषण वहीं हुआ था। मुझे अमेरिका में पली-बढ़ी भारतीय लड़कियाँ बहुत स्वतंत्र लगती हैं। उनमें सच्ची पारिवारिक भावना का अभाव है।"

वह इस बात को अनदेखा नहीं कर सकती थी। "ऐसी कई भारतीय लड़कियाँ हैं जो कभी भारत से बाहर नहीं गईं, लेकिन उनमें वह भावना नहीं है जिसे आप सच्चा पारिवारिक एहसास कहते हैं, मिस्टर जीजी।" शायद वह आखिरकार अमेरिकी थी। "मेरी बहन मेरे माता-पिता को छोड़कर भाग गई। वह आधी रात तक इंतजार करती रही और एक नोट छोड़ गई जिसमें लिखा था कि वह उस लड़के से शादी नहीं करेगी जिसे उन्होंने उसके लिए चुना है, और जब वह तैयार हो जाएगी तो वह उन्हें फिर से लिखेगी। पिछले पांच सालों में हमने उससे कोई बात नहीं की है!"

Machine Translated by Google

कितना मुक्तिदायक अनुभव था, पात्रों का सृजन करना, स्वयं को मिटा देना, समग्र होना।

"तो फिर, शायद वह मर चुकी है," उन्होंने कहा। "पांच साल का समय बहुत लंबा है।
एक भारतीय लड़की को जाना पड़ा। अकेली लड़की के साथ बुरा हो सकता है। मेरी पत्नी की नौकरी थी।
एक छोटी सी नौकरी, ध्यान रहे, एक शाखा बैंक में ऑफिस मैनेजर, टेलर से एक कदम ऊपर। वह यहाँ बहुत बेहतर कर सकती थी।"

लेकिन एंजी पहले से ही यहाँ रहने के फ़ायदों का हिसाब लगा रही थी: कोई भी स्वाभिमानी आधुनिक लड़की भारत क्यों आएगी, जब उसके पास पहले से ही अमेरिका में नौकरी है? ऑफ़िस मैनेजर बनना एक योग्य लक्ष्य की तरह लग रहा था।
कोई भी निःसंतान पत्नी अमेरिका क्यों छोड़ेगी, अपनी सास से दूर? लेकिन मिस्टर जीजी भी दिल्ली वापस नहीं गए थे। वे बैंगलोर के लिए रवाना हो गए थे क्योंकि यहाँ रहने का मतलब था दुनिया में कहीं भी रहना।

"और आपने अमेरिका में क्या किया, श्री जीजी?"

"मैंने इमारतों का निरीक्षण किया।"

"तो फिर यह सब नया निर्माण आपको बहुत व्यस्त रखता होगा।" और बहुत अमीर भी, उसने सोचा।
यह सर्वविदित था कि निरीक्षक रिश्वत और दलाली के कारण बिल्डरों और वास्तुकारों से अधिक पैसा कमाते थे।

उन्होंने कहा, "हार्डहैट पहनना और पाइपों में हाथ डालना बहुत उबाऊ है।" "मेरे वातानुकूलित कार्यालय के अंदर रहकर चाय पीना बहुत अच्छा लगता है। कल रात मैंने जकार्ता में एक बहुत बड़ी परियोजना का निरीक्षण किया जो अभी तक बनी भी नहीं है। हम एक आभासी शहर में रहते हैं, मिस एंजी, एक आभासी दुनिया के अंदर।"

वह नहीं बता सकती थी कि वह गंभीर था या सिर्फ़ उसके साथ खेल रहा था। लंबी कहानी इस तरह से निकली: "आप जो भी अव्यवस्था देखते हैं उसे भूल जाइए- बैंगलोर इस ग्रह पर सबसे उन्नत शहर है। मान लीजिए कि एक डेनिश-डच संघ जकार्ता में एक शॉपिंग सेंटर और अपार्टमेंट ब्लॉक बनाता है, जिसे एक ब्राज़ीलियाई वास्तुकार द्वारा डिज़ाइन किया गया है। शानदार योजनाएँ, पुरस्कार जीतने वाली चीज़ें। यह एशिया का सबसे बड़ा शॉपिंग सेंटर होगा, जापान या चीन में किसी भी चीज़ से बड़ा। लेकिन उन विश्व-स्तरीय विचारकों में से कोई भी वास्तव में, अंतरंग रूप से, इंडोनेशियाई बिल्डिंग कोड या आपूर्ति श्रृंखला की विश्वसनीयता या संघ के नियमों या एक के बारे में नहीं जानता है।

Machine Translated by Google

लाखों अन्य छोटी-छोटी चीजें जैसे कि पाइपलाइन और बिजली व्यवस्था और भूमिगत जल निकासी। क्या आप अभी तक मेरे साथ हैं, मिस बोस?"

वह नहीं थी। उसे जरा भी पता नहीं था।

"बिल्कुल।"

"ये ऐसी बातें हैं जो केवल बैंगलोर में ही जानी जाती हैं। हमारे पास दुनिया के हर शहर के लिए बिल्डिंग कोड हैं। हमारे पास ग्रह पर हर वर्ग सेंटीमीटर के लिए पारिस्थितिक सर्वेक्षण और उप-मृदा विश्लेषण है। इसलिए हमारे बैक-ऑफिस आर्किटेक्ट और इंजीनियर अपने कंप्यूटर पर बैठते हैं, विशेष सॉफ़्टवेयर पर इमारतों का मॉडल बनाते हैं, ब्लूप्रिंट को स्कैन करते हैं, बजट पूर्वानुमान और समय-सीमा को सही करते हैं, और फिर हमारे वित्तीय लोग संख्याओं को चलाते हैं और हम एक सटीक आंकड़ा लेकर आते हैं। हम अपने ग्राहकों को बीस प्रतिशत तक बचा सकते हैं। हम रिश्वत और कमीशन के लिए बजट नहीं बनाते हैं। हम एक-एक करके दुनिया को साफ कर रहे हैं।"

उनकी वास्तुकला परामर्श कंपनी, एक स्विस-कनाडाई सहयोग,
50 प्रतिशत स्थानीय रूप से वित्तपोषित, तीन साल पुराना था। इसकी शुरुआत अमेरिका से लौटे पांच आर्किटेक्ट और पांच इंजीनियरों से हुई थी और अब इसमें तीन सौ लोग काम करते हैं।

इसलिए वह उन इमारतों का निरीक्षण करता है जो वहां हैं ही नहीं, तथा उन शहरों में जहां वह कभी नहीं गया।

"दुनिया का हर व्यवसाय आउटसोर्सिंग कर रहा है। हमारे बिना, दुनिया
ढह जाएगा। शायद कुछ सालों में बिश चटर्जी का कोई संस्करण आएगा और हमें खरीद लेगा और हम बैठकर अगली बड़ी चीज के बारे में सोचेंगे।"

उन्होंने आलस्य से कहा, "मैं बिश चटर्जी के बेटे रबी को जानती हूं। क्या हम नहीं करेंगे?"
उनके बिना क्या यह ढह जाएगा, श्री जीजी?"

"एक मिनट रुको। तुमने अभी कहा कि तुम बिश चटर्जी के बेटे को जानते हो?
मैं अभी भी इस पर विचार कर रहा हूँ। बंगाल में कितने चटर्जी हैं? एक अनुमान।"

"करोड़ों", उसने कहा.

Machine Translated by Google

"उनमें से कितनों का नाम विश्वप्रिय चटर्जी होगा?"

"लाखों", उसने कहा.

"और आप बताइए कितने रवि चटर्जी और कितनी अंजलि बोस?"

"करोड़ों अंजलि बोस।" लेकिन शायद सिर्फ़ एक रबी चटर्जी, उसने सोचा। वह मुस्कुराई।

"आह-हा! बहुत बढ़िया।" वह मुस्कुराया। "तो तकनीकी रूप से कहें तो, कुछ
आपके उपनाम की मुलाकात किसी उपनाम वाले विश्वप्रिय चटर्जी के उपनाम वाले बेटे से हुई है।
शायद आपको वकील होना चाहिए। आपके दूसरे सवाल का जवाब: हाँ, अंतरराष्ट्रीय सहयोगियों के बिना हम
ढह जाएँगे।
कम से कम कुछ समय के लिए। फिर वे हमारे बिना ही ढह जाएंगे।"

"आप अपने बारे में बहुत आश्वस्त हैं, श्री जीजी," उसने कहा, और सोचा, लेकिन था
पूछने से डर लगता है, उपनाम क्या है?

"मुझे लगने लगा है कि मैं तुम्हारी तरह बेशर्म नहीं हूँ। वैसे, यह एक तारीफ है।"

बैंगलोर अंतहीन था! जब ऊंची नई इमारतें फीकी पड़ने लगीं, तो एक नया केंद्र खुल गया, एक नया उपग्रह शहर जिसमें और भी ज़्यादा ऑफ़िस टावर, कार डीलरशिप, खोदे गए फुटपाथ और क्रेन थे, और ट्रैफ़िक में कभी कोई कमी नहीं आई।
अगर मिस्टर जीजी उसके साथ कोई मज़ाक करना चाहते थे, तो उसे हज़ारों लोगों के सामने ऐसा करना होगा। लेकिन वह सोच भी नहीं सकती थी कि वह ऐसा करने की कोशिश भी करेगा। वह गोल-मटोल चेहरे वाला खुशमिजाज़ किस्म का आदमी लग रहा था, सुबोध मित्रा जैसा नहीं, जिसकी प्रोफ़ाइल उसे एक लंबी थूथन वाले गली के कुत्ते की याद दिलाती थी।

"क्या तुमने चाइनाटाउन देखा है?" उसने पूछा, और उसने तुरंत सोचा, तो यह उसका छोटा सा खेल है! वह मुझे वहीं ले जा रहा है। पिछली गलियाँ, और चोटीदार आदमी। उसने दुष्ट चाइनाटाउन के बारे में पढ़ा था, जहाँ अफीम के अड्डे और रखैलें होती थीं।

उन्होंने कहा, "मुझे मीठा और खट्टा खाना पसंद है।" गौरीपुर में कभी एक चीनी रेस्तरां था,
जिसे कलकत्ता के चाइनाटाउन से आए एक शरणार्थी परिवार चलाता था। उसके माता-पिता

Machine Translated by Google

एक बार उसे वहाँ ले जाया गया और भोजन को अखाद्य घोषित कर दिया, हालाँकि उसे वह पसंद आया था, लेकिन जल्द ही उसका व्यवसाय बंद हो गया। पीटर कहते थे, "समय से पहले परिष्कार, व्यावसायिक वातावरण की गलत व्याख्या।" श्री जीजी हँस रहे थे।
जाहिर है उसने कुछ मजाकिया बात कही थी, या फिर वह उसका मजाक उड़ा रहा था।

"मैं एक अमेरिकी फिल्म की बात कर रहा था। यह इस बारे में है कि एलए वास्तव में कैसे बना। यह शक्ति और सौदों और भ्रष्टाचार और बहुत सारी दफन लाशों के बारे में है।
आप इसे किसी रात किराये पर ले सकते हैं।"

उसे कुछ समय पहले का अखबार का लेख याद आ गया
कुछ घंटे पहले, बैंगलोर बस स्टेशन पर, "मुझे क्यों जाना चाहिए?"

"क्योंकि आपने कहा था कि आप जानना चाहते हैं कि बैंगलोर कैसा है। खैर, यह
बहुत हद तक एलए जैसा, लेकिन एलए को इसमें एक सदी लग गई। उनके पास एक फिल्म उद्योग था, और हमारे पास हाई-टेक है। हम दोनों आभासी हैं और हमारे पास दफन शव हैं, लेकिन शायद पाँच सालों में हम बहुत बड़े शहर बन जाएँगे।"

वह वास्तव में समझ नहीं पाई। उसने दा गामा कॉमन रूम में कंप्यूटर का इस्तेमाल किया था, लेकिन केवल गेम के लिए। वर्चुअल उन भयावह शब्दों में से एक था। "मेरे पास एक सवाल है। एलए क्या है?" उसने आखिरकार पूछा।

"हे भगवान - और आप कहते हैं कि आप कोलकाता से हैं? यह लॉस एंजिल्स है।
कैलिफोर्निया. यूएसए हॉलीवुड, गरीब आदमी का बॉम्बे.

छोटी-छोटी दुकानों के सामने, जहां पराये कुत्ते अभी भी धूप में तड़प रहे थे, पोस्टरों की कतारें लगी थीं जिन पर लिखा था: सहायता प्रस्तुत करती है: भविष्य के पांच सितारा आलीशान होटल का स्थान और (नाम भरें) का भविष्य का मुख्यालय
बहुराष्ट्रीय निगम, जो कोष्ठक में समाप्त होता है (भारत, लिमिटेड)।
पेंट किए गए साइनबोर्ड में आलीशान फ्लैट दिखाए गए थे, जिन पर लिखा था: अभी सदस्यता लें!
केवल दो ही बचे हैं! लैंडस्केप गार्डन में टहलते हुए जोड़ों, फूलों और फव्वारों और शानदार कारों के कलाकार द्वारा बनाए गए चित्र - सभी एक ऐसी जगह पर जहाँ अभी तक कुछ भी ध्वस्त या खड़ा नहीं किया गया था और कोई पेड़ भी नहीं था। भविष्य, भविष्य, भविष्य! और भविष्य के होटलों और मुख्यालयों का निर्माण और भरण-पोषण पहले ही हो चुका था, जिससे किसी भी दावे को बल मिल सके। दुनिया की हर कंपनी का बैंगलोर में पता होना चाहिए, और भारत, कोरिया, जापान और मध्य पूर्व के हर आधुनिक मुगल का बैंगलोर में एक कोंडो या हवेली होना चाहिए।

Machine Translated by Google

"केंट टाउन में आप किसे जानते हैं?" श्री जीजी ने पूछा। उन्होंने ऐसा अभिनय किया जैसे कि उसे केंट टाउन के किसी भी निवासी को जानने का भी कोई अधिकार नहीं था। "यह पुराना पैसा है। यह पैसा इतना पुराना है कि इसमें फफूंद लग गई है। यह इतना पुराना है कि अब भी इसका हिसाब रुपये में नहीं, बल्कि आने में होता है।"

उसे यह एहसास नहीं था कि क्यू गार्डन केंट टाउन की एक सड़क है। "मैं किसी को नहीं जानती। मेरे पास मेरे पुराने प्रोफेसर का श्रीमती मिन्नी बेजहोट को लिखा परिचय पत्र है।"

यह भी उसे मजेदार लगा। "एक पुराने प्रोफेसर का पत्र जो मिन्नी बेजहॉट को जानता है। तो, आपके पास शक्तिशाली संबंध हैं। तो आप एक बेजहॉट लड़की बनना चाहती हैं?"

पहली बार ऐसा लग रहा था कि वह उसकी कही किसी बात में थोड़ी दिलचस्पी ले रहा है।
"मुझे नहीं पता था कि ऐसी कोई चीज़ होती है। इसका क्या मतलब है - 'बेजहॉट गर्ल'?"

"इसका मतलब है एक बहुत अच्छे परिवार की एक बहुत ही सभ्य, ईमानदार लड़की। या इसका मतलब कोई ऐसा व्यक्ति हो सकता है जो एक बहुत अच्छे परिवार की एक सभ्य, ईमानदार लड़की होने का अच्छा अनुकरण करता है।"

"और क्या मैं इतनी खास हूं कि एक बेजहॉट गर्ल बन सकूं, मिस्टर जीजी?"

"मैं संभावनाएं खोज रहा हूं।"

"आपके पास इसके लिए भी सॉफ्टवेयर है? संभावनाओं का पता लगाने के लिए?"

"आपकी एक खास शैली है। मैं भविष्यवाणी करता हूं कि सॉफ्टवेयर के बिना भी आप ऐसा कर लेंगे ठीक है। तुम्हें नौकरी मिल जाएगी, कोई दिक्कत नहीं है।"

"तुम ऐसा क्यों कहते हो? तुम मेरे बारे में कुछ नहीं जानते। शायद मैं एक कुल धोखाधड़ी। शायद मैं मूर्ख हूँ और मैं अपने साक्षात्कारों में असफल हो जाऊँगा।" बेशक, वह तारीफ़ें बटोर रही थी - आप ताज़ी हवा हैं, आप दीप्तिमान हैं, और आपकी अंग्रेज़ी एकदम सही है।

"आपकी अंग्रेजी अच्छी है और आपकी नब्ज भी अच्छी है। बैंगलोर में इसका मतलब है आपको नौकरी मिल जाएगी। और अगर आपको लगता है कि आपका सर्वोच्च आह्वान यह जानना है कि

Machine Translated by Google

एनएच और एनसी या एमएस और एमडी या शायद एके और एआर के बीच अंतर, आप अच्छा करेंगे।"

उसे कुछ भी पता नहीं था। अंग्रेजी भाषा के भाषाई अंतराल में अजीब राक्षस रहते थे। सब कुछ संभव था। मोरेज़ फ्रेंच कैथेड्रल को चित्रित कर सकते थे, लेकिन कम से कम वह पहले से ही मेडिकल डॉक्टरों और मल्टीपल स्केलेरोसिस के बीच का अंतर जानती थी, बहुत-बहुत धन्यवाद।

और फिर किसी कारण से, शायद अपनी गलतबयानी को स्पष्ट करने के लिए, उसने कबूल किया, "उस बरिस्ता के यहां, सभी लोग मित्रवत थे, लेकिन मैं उनकी एक भी बात नहीं समझ पाई।"

उन्होंने कहा, "यह सिर्फ बैंगलोर की बकवास है। इसका कोई मतलब नहीं है।"
बस इतना ही कि वे यहाँ हैं और उनके पास नौकरी है और इसके साथ ही उन्हें बकवास करने की आज़ादी भी मिलती है। वे टिड्डियों की तरह हैं - छह सप्ताह में वे आगे बढ़ जाएँगे। चेन्नई और हैदराबाद बुला रहे हैं।"

"क्या मैं आगे बढ़ जाऊंगा?"

"मुझे ऐसा नहीं लगता। मुझे लगता है कि आप बैंगलोर में ही रहेंगे। कम से कम मुझे तो यही उम्मीद है।"

चेन्नई या हैदराबाद में रहना अस्वीकार्य होगा। वह खुद को एक ऐसे व्यक्ति के रूप में देखती थी
वह एक उच्च गुणवत्ता वाला व्यक्ति था, जिसे सर्वोच्च स्थान पर सर्वोत्तम नौकरी मिलनी तय थी, और जो कुछ उसने सुना था और जो कुछ वह देख सकती थी, उसके अनुसार वह बैंगलोर था।
अगर उसे नौकरी की ज़रूरत थी, तो क्यों न वह शीर्ष से शुरुआत करे? क्यों न वह अपने एकमात्र "संपर्क" का इस्तेमाल करे, जैसा कि व्यापार जगत में कहा जाता है? उसने पीटर चैंपियन की कक्षा से कुछ पुराने सवाल निकाले।
"आपकी कॉर्पोरेट संस्कृति क्या है, श्री जीजी? क्या आप लोगों को काम पर रख रहे हैं?"

"मेरी 'कॉरपोरेट संस्कृति'?" वह खुश लग रहा था। "मुझसे कभी यह नहीं पूछा गया कि
इस तरह का सवाल। मैं तुरंत कहूंगा कि यह सबसे कम समय में सबसे कम लोगों के साथ सबसे अधिक पैसा कमा रहा है। और हां, बिल्कुल, हम काम पर रख रहे हैं। अगर आपके पास आईआईटी या किसी विदेशी समकक्ष से आर्किटेक्ट या इंजीनियर का लाइसेंस है।"

"अब तुम मतलबी हो रहे हो। तुम्हें अपने फोन का जवाब देने के लिए किसी की जरूरत होगी। मेरे पास हाई स्कूल-लीविंग सर्टिफिकेट और दो साल का कॉलेज, बी.

Machine Translated by Google

अंग्रेजी दक्षता के साथ प्रथम श्रेणी में एम.सी.सी. प्राप्त किया।"

"बहुत बढ़िया," उन्होंने कहा। "अब मैं आपको कुछ बता दूँ। तीन साल पहले उन्होंने हमें 'एक छोटा सा स्टार्टअप' कहा था। अब हम 'एक नए उद्योग के विश्वव्यापी नेता' हैं। आप बिल्कुल बैंगलोर की तरह हैं, मिस बोस। आज आप एक छोटा सा स्टार्टअप हैं, जो भूखा है। तो आपकी कॉर्पोरेट संस्कृति क्या है? आपकी योजना क्या है? अगर आप इसे सही से निभाते हैं, तो तीन या चार साल में आपका अपना एक कॉर्नर ऑफिस होगा। और वैसे, हम टेलीफोन का इस्तेमाल नहीं करते हैं।"

वे आखिरकार एक उचित आवासीय उपनगर में पहुँच गए। बहुत से घर पुराने एंग्लो-इंडियन शैली के एक-मंजिला बंगले थे, जो ढह रहे थे और आंशिक रूप से ध्वस्त हो चुके थे, जो ऊंचे पेड़ों और उगी हुई वनस्पतियों के पीछे छिपे हुए थे। उनके नाम थे, और उसने उनमें से कुछ को ज़ोर से पढ़ा: द हीदर, स्नो-ड्रॉप लॉज, प्रिमरोज़ पैलेस, और हाइसिंथ ग्लोरी। उसने टिप्पणी की कि ये नाम बिल्कुल ब्रिटिश कविता से लिए गए थे। उसका स्पष्टीकरण यह था कि मूल बिल्डरों और बाद में रहने वालों ने यह मानने से इनकार कर दिया था - या शायद वे बहुत अच्छी तरह से जानते थे - कि वे फिर कभी इंग्लैंड नहीं देख पाएंगे। सड़क के नाम वर्तनी संबंधी विउपनिवेशीकरण से गुज़रे थे: चार्ल्स राइट रोड और केंट टाउन, या केंट या खेंटन; शब्दों ने ब्लॉक दर ब्लॉक अपनी वर्तनी बदल दी।

वह छोटे-छोटे भूखंडों पर बनी चमचमाती नई हवेलियों और तीन-चार मंजिला आलीशान अपार्टमेंट इमारतों के बेसब्री से बढ़ते कदमों को देख रही थी, जिनके भूतल पर डॉक्टरों के क्लीनिक और कपड़े की दुकानें थीं, जो बचे हुए बंगलों के बीच अपनी जगह बना रही थीं। मरने वाली हर पुरानी हवेली ने आधा दर्जन संतानों को जन्म दिया था।

हर ब्लॉक में एक छोटा चर्च, एक पुराना घर था जिसे इस उद्देश्य के लिए बदल दिया गया था, जिस पर एक साइनबोर्ड लगा हुआ था जिस पर उसका नाम, संप्रदाय और सेवाओं का समय लिखा हुआ था। आगे जाकर, एक विशाल सफेद मस्जिद ने पूरे ब्लॉक पर कब्ज़ा कर लिया। मस्जिद के आस-पास की सड़कों पर, स्कूटर और मोटरसाइकिल की पिछली सीटों पर, अपने पतियों से चिपकी हुई और अपने बच्चों को पकड़े हुए, मुस्लिम महिलाएँ सिर से पैर तक काले कपड़े पहने हुए थीं और पतली आँखों से दुनिया को देख रही थीं। सारे हिंदू कहाँ चले गए थे?

Machine Translated by Google

"इस छोटे से क्षेत्र का नाम बागेहोट कैंप है," श्री जीजी ने घोषणा की। "हम बागेहोट गली और क्यू गार्डन रोड पर आ रहे हैं।" सड़क के साइनबोर्ड पर लिखा था
भजोत.

"और वहाँ..." वह प्रभाव के लिए रुका। "वहाँ अपनी पूरी शान के साथ खड़ा है - अच्छा,
लीन-बैजहॉट हाउस। बैंगलोर के हर आर्किटेक्ट ने उस प्रॉपर्टी पर अपना कब्ज़ा करने का सपना देखा है। इसके बारे में एक किताब भी है।"

बेशक, अगर एंजी बोस बौद्धिक रूप से जिज्ञासु होती (या पीटर चैंपियन ने उसके जाने से पहले उन महीनों में अपनी उपलब्धियों के बारे में थोड़ा भी शेखी बघारी होती), या उसने जीजी से यह पूछने के बारे में भी सोचा होता, "ओह, बेजहॉट हाउस पर वह किताब किसने लिखी?"—और अगर जवाब आता, "कोई अमेरिकी आदमी, चैंपियन उसका नाम है, अगर इसका कोई मतलब है," तो एंजी की सांसों ने जीजी को ब्रेक लगाने के लिए मजबूर कर दिया होता। अगर वह अपने उपकारकर्ता का नाम बताना जानती, तो जीजी ने अपने हल्के-फुल्के अंदाज में सुधार किया होता और उसके साथ एक साथी के रूप में व्यवहार करना शुरू कर दिया होता। वह पूछ सकता था, "क्या आप पीटर चैंपियन को जानते हैं, वह जिप्सी-विद्वान जिसने क्लासिक इंडियन आर्किटेक्चर: पब्लिक एंड प्राइवेट लिखा था?" या "पीटर चैंपियन? मुझे मत बताना कि वह अभी भी जीवित है!" लेकिन बेशक वह बौद्धिक रूप से जिज्ञासु नहीं थी, कम से कम किताबों के क्षेत्र के बारे में तो नहीं।

पुरानी हवेलियों के पड़ोस में, बेजहॉट हाउस सबसे बड़ा था। यह अंधेरा और फैला हुआ था, इसके मैदानों की देखभाल नहीं की जाती थी। बाहरी दीवार, जो कांच के टुकड़ों से ढकी हुई थी, उसका अधिकांश प्लास्टर खो चुका था; पुरानी ईंटें टूट रही थीं, और दीवार के कुछ हिस्से कंधे के स्तर तक घिस चुके थे। कार से भी वह बड़ी बाहरी इमारतों की छतों में छेद देख सकती थी। अन्य घरों में कम से कम सेवाक्षमता का दिखावा था, जिसमें गेट के बाहर वर्दीधारी चौकीदार बैठे थे और ड्राइववे पर फूलों के गमले लगे हुए थे। बेजहॉट हाउस परित्यक्त लग रहा था।

"ठीक है, तुम बैजहॉट हाउस चाहते थे, और अब तुम्हें मिल गया है।" उसने खींचकर कहा।
कोने के आसपास और सड़क के उस पार एक स्टॉप, जो कभी सामने के गेट और लॉन हुआ करता था। "बूढ़ी औरत ज़रूर अंदर होगी, लेकिन उसे दरवाज़े तक पहुँचने में थोड़ा समय लगेगा। बैंगलोर का हर डेवलपर उसके चले जाने की प्रार्थना कर रहा है।"

Machine Translated by Google

अंजलि ने डेवलपर्स की कल्पना एक मरती हुई गाय के चारों ओर चक्कर लगाते गिद्धों के रूप में की।

उसे एहसास हुआ कि इस शहर में भावुकता के लिए कोई जगह नहीं है।

घर तो काफी डरावना था, लेकिन वह सोच रही थी कि श्रीमान को उसका क्या दायित्व है?
जी.जी. या वह उससे क्या हासिल करने की कोशिश कर सकता है। वह पहला असली आदमी था, पहला सुलझा हुआ, अविवाहित पेशेवर आदमी जिससे वह कभी मिली थी। उसने यात्रा की थी, शादी की थी, और उसने उसमें रुचि ली थी। सिर्फ़ एक सुबह, अपनी नई ज़िंदगी के तीन घंटे में, वह गौरीपुर से एक नए शहर, एक नई सदी और एक नई मुद्रा में पहुँच गई थी, जहाँ करोड़ नए लाख थे, लाख नए रुपये थे। वह श्री जी.जी. के साथ कहीं भी जा सकती थी, वह जो भी करने को कहता, वह कर सकती थी। श्री जी.जी. के आगे, पीटर चैंपियन कमज़ोर और रबी चटर्जी एक साधारण बच्चा लगता था। बस एक पहला कदम उठाना बाकी था, रुचि या इरादे का संकेत, और वह नहीं जानती थी कि
उसे यह करना चाहिए या नहीं, या यहाँ तक कि वह इसे पहचान भी पाएगा या नहीं। और इसलिए वह बस इंतज़ार करती रही।

"आप सोच रही होंगी कि आगे क्या होगा, है न, मिस बोस?"

वह उसके मन की बात पढ़ सकता था। "मैं थोड़ा डरा हुआ हूँ," उसने स्वीकार किया। "मैं जाने के बाद से बिस्तर पर नहीं सोई हूँ या खाना नहीं खाया है।" उफ़, यह सच के बहुत करीब था। और मैंने स्नान नहीं किया है और मेरे कपड़े गंदे हैं और मैं अभी भी शौचालय की गंध महसूस कर सकता हूँ और महिलाओं और लड़कियों को ट्रकों में चढ़ते हुए देख सकता हूँ जबकि ड्राइवर अपनी लुंगी उठाए हुए हैं... श्री जीजी का चिंतित चेहरा थोड़ा और करीब आ गया, और उन्होंने एक रूमाल निकाला और उसकी आँखों पर पट्टी बाँध दी।

"अगर हालात बहुत खराब हो जाएं तो आप हमेशा कोलकाता वापस जा सकते हैं।"

उसे कैसे बताए कि वह अपने जीवन में तीन बार कोलकाता जा चुकी है, और वह बिहार भी वापस नहीं जा सकती? बिहार में प्रवेश पर प्रतिबंध: यह तो बहुत बड़ी बात होगी।
बैंगलोर ही वह जगह थी, शुरुआत और अंत। रवि चटर्जी ने उसे क्या बताया था? उसने उसे दोहराया। "यह सब प्रकाश और कोणों का मामला है, है न?" उसने कहा।

ऐसा लग रहा था कि वह अचंभित हो गया। "मुझे लगता है कि तुम ऐसा कह सकती हो।" उसने उसके चेहरे का अध्ययन किया; उसने उसे एक पूरी मुस्कान दी। वह शांत हो गया।

"तुम्हारी जैसी लड़की ज़्यादा समय तक अकेली नहीं रहेगी।"

Machine Translated by Google

मेरे जैसी लड़की? इसका क्या मतलब था, और मैं वास्तव में कैसी या कैसी हूँ?
वह क्यों उम्मीद करता है कि मैं रुकूँगी? और इसलिए उसने सवाल उठाया। "मेरे जैसी लड़की, मिस्टर जीजी?" ऐसा लग रहा था कि वह उसे उससे बेहतर जानता था, या सोचता था कि वह उसे जानता है, जितना वह खुद को जानती थी। उसने उसका हाथ पकड़ कर उसे दबाया और वह करीब आ गई, कम से कम गले लगाने या शायद चूमने की उम्मीद में, लेकिन मिस्टर जीजी ने उसे गले लगा लिया।

जीजी एक आदर्श सज्जन व्यक्ति थे, जिससे वह और भी अधिक उलझन में पड़ गई।

"मेरा मतलब यह था कि तुम्हारे जैसी लड़की आश्चर्य से भरी होती है। अगली बार जब हम मिलेंगे, तो मैं
हो सकता है कि मैं तुम्हें पहचान भी न पाऊं। लेकिन मुझे यकीन है कि हम फिर मिलेंगे," उन्होंने कहा।

उसने जवाब दिया, "मुझे यह पसंद आएगा।"

"बेहद सभ्य, लेकिन कोई आधुनिक सुविधाएँ नहीं।" उसने ड्राइवर की खिड़की से हाथ बाहर निकाला और उस खंडहर
हो चुके घर की ओर इशारा किया जो उसका नया घर बनने वाला था। "तुम्हें आश्चर्य हो रहा होगा कि मैंने तुम्हें ज़्यादा आधुनिक आवास की ओर क्यों नहीं निर्देशित किया। या कम से कम तुम्हें मेरे घर में अस्थायी आतिथ्य की पेशकश क्यों नहीं की।" यह बात उसके दिमाग में नहीं आई। "मेरे माता-पिता और मेरी भाभी और उनके बच्चों के आने के कारण, सहजता एक बोझ है।"

वह मुझे ये बातें क्यों बता रहा है? वह सोच रही थी।

वह ड्राइवर की सीट पर थोड़ा सा घबरा गया, और उसने खुद को जो कुछ भी होने वाला था उसके लिए तैयार कर लिया, लेकिन उसने केवल अपनी सीट बेल्ट खोली, बाहर निकला, और ट्रंक से उसकी मैली, टूटी हुई सैमसोनाइट ले ली। फिर उसने उसका दरवाजा खोला और उसे फुटपाथ पर ले जाने में मदद करने के लिए उसका हाथ थामा। उसने उसे अपना बिजनेस कार्ड दिया।

"आप सोच रही होंगी कि आप मुझे कैसे धन्यवाद दे सकती हैं, है न मिस बोस? चिंता न करें, चलो आज के लिए इसे भूल जाते हैं।"
उसने कार्ड पर एक सेल-फोन नंबर लिख दिया। "यह तब के लिए है जब मैड मिन्नी अंदर की जिंदगी को नरक बना दे।"

एक नकली सलामी के साथ, वह देवू की ओर वापस चला गया। एंजी ने पीटर चैंपियन की मिसेज बेजहॉट को मिस्टर जीजी की मैड मिन्नी के साथ मिलाने की कोशिश की। वह खुश थी, उसने फैसला किया, कि उसके पास उसका निजी फोन नंबर था। उसकी मदद करने के लिए इच्छुक, यहां तक कि उत्सुक लोगों से मदद स्वीकार करने में कोई शर्म नहीं है। उसने अनुमान लगाया कि नौकरी खुशी की कुंजी है। नौकरी सम्मान और शक्ति लाती है। पैसा बदलाव लाता है। ठहराव संदेह और अत्याचार पैदा करता है। पैसा गौरीपुर की एक लड़की को बैंगलोर की एक महिला में बदल देता है।

Machine Translated by Google

3

अंजलि बारह बजे तक फुटपाथ पर प्रतीक्षा करती रही। न तो कोई अंदर आया था और न ही कोई बाहर गया था। दो बकरियाँ बिना देखरेख वाले गेट से भटकती हुई आईं और जल्द ही झाड़ियों में खो गईं। अंत में, वह अपना बैग घसीटते हुए बकरियों के पीछे चली गई। नक्काशीदार लोहे का दरवाज़ा खटखटाने वाला, जो निश्चित रूप से एक मूल अवशेष था, अपनी मिलान वाली प्लेट खो चुका था। पीतल के मेढ़े के सिर का एक सींग दरवाज़े की नरम, नंगी लकड़ी में ऐसे टकराया जैसे लकड़हारे की कुल्हाड़ी सड़ते हुए स्टंप में टकराती है।

एक झुके हुए बूढ़े आदमी ने, जिसके गाल और ठोड़ी रूखी थी, दरवाज़ा खोला। उसने रेलवे पोर्टर की तरह फटी हुई सर्विस जैकेट पहनी थी, लेकिन उसकी जेब पर BAGEHOT नाम लिखा हुआ था। कोहनी फटी हुई थी और जैकेट साफ नहीं थी।

"मैं इसे मैडम बेजहॉट को देना चाहूंगी," उसने हिंदी में कहा। बूढ़ा आदमी, जिसका पहला नाम उसने बाद में जाना कि वह अशोक था, चुपचाप फटा हुआ कागज़ स्वीकार कर लिया जिस पर पीटर चैंपियन ने मिन्नी बेजहॉट का नाम और पता हाथ से लिखा था और फिर उस पर हस्ताक्षर किए थे। वह सामने का दरवाज़ा थोड़ा खुला छोड़कर वापस अंदर चला गया। उसने इसे अंदर जाने की अनुमति के रूप में लिया लेकिन फिर सोचा कि क्या उसे दहलीज पर खड़े होकर इंतज़ार करना चाहिए या फ़ोयर में लंबी सागौन की बेंच पर बैठना चाहिए। वह एक गोल हॉल टेबल के पास खड़ी थी जिसका ऊपरी हिस्सा टूटा हुआ था, उसने अपना बैगपैक और कीचड़ से सना सूटकेस कुछ मिनटों के लिए अपने पास रखा; फिर वह बेंच पर दबे पांव गई ताकि वह फ़ोयर से बाहर जाने वाले हॉलवे और कमरों में झाँक सके। गलियारे भारी-भरकम अलमारियों, संदूकों और लंबी पीठ वाली कुर्सियों से भरे हुए थे और हर दिशा में अंतहीन रूप से फैले हुए लग रहे थे। उसने एक मुख्य बैठक कक्ष और झूमर वाला एक औपचारिक भोजन कक्ष देखा। रोशनी मंद थी और धूप से उजले मखमली पर्दों से छनकर आ रही थी। ऊपरी मंजिलों से नीचे उतरने के लिए एक चौड़ी सीढ़ी थी।

वह फ़ोयर से जो निर्धारित कर सकती थी, उसके अनुसार बेजहोट हाउस एक था भंडारण खलिहान, एक सक्रिय निवास से ज़्यादा अनुपयोगी सामानों का गोदाम। बैठक कक्ष में सौ साल पुराने नक्काशीदार लकड़ी के फर्नीचर और घिसे-पिटे असबाब अस्त-व्यस्त तरीके से रखे हुए थे। दीवारें चित्रों से भरी हुई थीं

Machine Translated by Google

बॉल गाउन पहने महिलाएँ और बेल्ट और लट वाली सैन्य वर्दी पहने दाढ़ी वाले पुरुष, लटकन वाले कंधे के पैड और नुकीले हेलमेट, जिसके ऊपर दूर से देखने पर केले के छिलके उल्टे दिखाई देते थे। सभी उपलब्ध क्षैतिज सतहों पर बर्तन और हाथीदांत के हैंडल वाले कटलरी के ढेर लगे चांदी के ट्रे रखे हुए थे। सब कुछ सेकंड हैंड लग रहा था, यहाँ तक कि हवा भी। फिर भी उसे लगा कि हर वस्तु का कभी बहुत महत्व रहा होगा। किसी कारण से उसे अचानक पीटर चैंपियन के शब्द याद आ गए: हर नोट एक सिम्फनी है।

वह घर के अंदर बहुत दूर तक घूमने से हिचकिचा रही थी। शायद घर में जिज्ञासा के खिलाफ नियम थे, और वह शुरू होने से पहले ही अपने मौके बर्बाद नहीं करना चाहती थी। हालांकि, बीस मिनट के बाद, उसे आश्चर्य हुआ कि क्या उसकी परीक्षा नहीं हो रही थी, क्या मिन्नी बेजहॉट दरवाजे की दरार के पीछे से यह देखने के लिए नहीं देख रही थी कि अगर उसे लगा कि वह बिना देखे जा रही है तो वह कितनी स्वतंत्रता लेगी।

साढ़े बारह बजे उसे दूसरी मंजिल से आवाजें सुनाई दीं। वह खड़ी हो गई।
सीढ़ियों के नीचे उतरी और खिलखिलाकर मुस्कुराई। उसकी ही उम्र की तीन लड़कियाँ, जिनमें से दो ने कमोबेश उसी तरह के कपड़े पहने थे, टी-शर्ट और जींस पहनी हुई थी, और एक ने हरे रंग की सलवार-कमीज पहनी हुई थी, सीढ़ियों से उतरते समय अंग्रेज़ी में बातें कर रही थीं। अंजलि ने एक बेदम आवाज़ सुनी "मैंने उसे मना कर दिया था!" और एक भावुक जवाब, "उन्हें उसे तुरंत नौकरी से निकाल देना चाहिए!" वे लगभग उसके पास पहुँच ही गई थीं, इससे पहले कि उसे देखा जाता।

"अच्छा, नमस्ते," नीचे बैठी पहली लड़की ने कहा, बिल्कुल नहीं । उसके बाल नुकीले और हाइलाइटेड थे और वह अंजलि से बहुत छोटी थी। "मैं टूकी डी'मेलो हूँ - टेरेसा, औपचारिक रूप से बोल रही हूँ। तो आप नई बोर्डर हैं?" उसने अपना हाथ आगे बढ़ाया। उसकी स्कूप-नेक टी-शर्ट में गहरी क्लीवेज दिख रही थी और उसमें तीन बंदर थे, जिनके नाम थे सी-नो, हियर-नो और स्पीक-नो, जो लाल रंग में घेरे हुए थे, और उन पर लाल रेखाएँ बनी हुई थीं। वे स्टोर कहाँ हैं जो ऐसी चुटीली टी-शर्ट बेचते हैं, जैसी अंजलि ने आज देखी थी, जो इतनी गहरी कटी हुई हैं? अगर वह एक उधार भी लेती, तो भी अंजलि को संदेह था कि वह एक क्लीफ्ट की परछाई भी बना सकती है।

"मुझे एक कमरे का वादा किया गया था, एक तरह से वादा किया गया था - मुझे उम्मीद है कि मेरे पास एक जगह होगी।" उसकी कहानी - गौरीपुर की शिक्षिका ने बेजहोट हाउस के मालिक को जाना और मौखिक रूप से

Machine Translated by Google

यह गारंटी देना कि उसे आवासी के रूप में स्वीकार कर लिया जाएगा - बहुत जटिल स्पष्टीकरण प्रतीत हुआ।

"चिंता मत करो, हमेशा एक जगह है," दूसरी ने कहा, वह पीले रंग की थी
हरे रंग की सलवार-कमीज। उसने खुद को हैदराबाद की हुसैना शिराज के रूप में पेश किया। उसकी आवाज़ गर्म और धीमी थी, एक अच्छी फोन आवाज़ और, जैसा कि अंजलि बता सकती थी, एक बिल्कुल सही अमेरिकी उच्चारण। प्रसिद्ध हैदराबाद की एक मुस्लिम लड़की, लेकिन उसके लिए कोई काली बोरी और आँखें नहीं थीं। वह अंजलि जितनी ही लंबी और गोरी थी, उसकी आँखें भी वैसी ही हरी थीं। अंजलि ने अपने पहले आवेग को दबा दिया, जो यह कहने का था कि क्या आपने हैदराबाद कहा? मैंने कल वहाँ बस बदली थी! और फिर उसने एक दूसरे विचार को दबा दिया: हम लगभग बहनों के रूप में दिख सकती हैं, मेरी अपनी बहन और मैं जितना नहीं दिख सकतीं। हुसैना ने भी उस समानता को नोटिस किया, लगभग इस बात पर टिप्पणी करने के बिंदु पर घूरते हुए, फिर अपना सिर घुमाया। बहनें, अंजलि ने फिर से सोचा, केवल तभी जब मैं महंगे रेशमी कपड़े पहनूँ।

"या फिर जगह खुल जाएगी," तीसरी लड़की ने कहा, जो बहुत छोटी और गहरे रंग की थी, उसने चश्मा पहना हुआ था और ग्रे ट्यूनिक और सफ़ेद शर्ट पहने हुए थी जो पुराने स्कूल की वर्दी की तरह लग रही थी। उसने कहा "सुनीता संपत"। उसने खुद को "एक स्थानीय लड़की" बताया और मैसूर और बैंगलोर के बीच में एक छोटे से शहर का नाम बताया।
अंजलि सोच रही थी, वह किसे जानती थी, जो बेजहॉट हाउस में आ गया?

टूकी ने मजाक में कहा, "सुनीता तो इतनी घटिया भाषा बोलती है।"

"मैं तुम्हें सबक सिखा सकती हूं," सुनीता ने कहा।

जब अंजलि ने उन्हें अपना पूरा नाम बताया, जिसमें स्पष्ट रूप से बंगाली पहचान थी, तो टुकी ने उन आधा दर्जन बंगाली महिलाओं के नाम बताए, जिनके साथ वह काम करती थी। अंजलि ने सोचा कि वैवाहिक युद्धों से शरणार्थी, या प्रगतिशील परिवारों से संपन्न साहसी, जो सही साथी की तलाश में हैं? टुकी स्पष्ट रूप से गोवा की थी, जिससे अंजलि की दा गामा में सुस्त शिक्षक-पुजारी फादर लोबो और पिंटो की खट्टी यादों को बेअसर कर दिया। टुकी दोस्ताना लेकिन अस्थिर लग रही थी, क्योंकि उसने अपनी जातीय रूढ़ियों की सूची बताई: गोवा के लोग पार्टी के दीवाने हैं, तमिल बेवकूफ़ नंबर-क्रंचर, पठान हट्टे-कट्टे गर्म सिर वाले, बंगाली मोटे दिमाग वाले। फिर उसने कहा, "शायद सभी बंगाली लड़के नहीं जिन्हें मैं जानती हूँ।

एक अपवाद है। एक असली रोमियो।" अंजलि बीच में बोलने ही वाली थी।

Machine Translated by Google

मशहूर मनीष लाहिड़ी तो नहीं? लेकिन वह होशियार थी। उसने समय रहते खुद को संभाल लिया।

इसके बजाय उसने पूछा, "तुम लड़कियाँ कहाँ जा रही हो?"

"धूम्रपान और कैफीन," हुसैना ने कहा। "फिर हाय-हो, हाय-हो। आधी रात तक वापस।"

"और अधिक धूम्रपान और शराब के बाद," टूकी ने कहा।

हुसैना ने कहा, "वास्तव में मैं शराब नहीं पीता। मेरे मंगेतर को यह मंजूर नहीं होगा।"

सुनीता ने कहा, "न ही मैं धूम्रपान करती हूँ।"

और मैंने कभी ऐसा नहीं किया, अंजलि ने सोचा। लेकिन मेरा एक मंगेतर था। एक घंटे के लिए, कम से कम. यह एक डरावना शब्द था.

बैंगलोर अमेरिकी घड़ी के हिसाब से काम करता था। बैंगलोर के बारे में सब कुछ - यहाँ तक कि उसका समय भी - आभासी था। कॉल सेंटर चौबीसों घंटे चलते थे; शिफ्ट लगातार अमेरिकी समय से नौ से बारह घंटे पहले शुरू या खत्म होती थी। पीटर ने कहा था कि कुछ लड़कियाँ तो अपनी घड़ियों में लॉस एंजिल्स या न्यूयॉर्क का समय भी रखती थीं, जो एक काल्पनिक होम बेस के हिसाब से कैलिब्रेट की जाती थीं ताकि अगर उनसे समय पूछा जाए तो वे जटिल गणनाओं में न फँसें। अमेरिका में आधी रात को जब कोई कॉल करता था तो कोई "गुड मॉर्निंग!" नहीं कहता था। उसने सुना था कि कुछ श्वेत कॉल करने वाले खेल खेलना पसंद करते थे, "भारतीयों को बेनकाब करना।" और निश्चित रूप से अमेरिका में मुकेश शर्मा जैसे अकेले भारतीय भी थे, जो कॉल-सेंटर की लड़कियों से फोन पर अंतरंगता का फायदा उठाने की कोशिश कर रहे थे।

तभी उसे एहसास हुआ कि तीनों लड़कियाँ अपने कंधे के ऊपर से सामने के दरवाज़े की ओर देख रही थीं। हुसैना समूह से अलग हो गई। "ओह-ओह, मुझे जाना है," उसने फुसफुसाते हुए कहा। "चियाओ, देवियों।" उसने सामने का भारी दरवाज़ा खोल दिया, इससे पहले कि अशोक उस तक पहुँच पाता। बाकी दो हँस पड़ीं। एंजी ने फुटपाथ पर एक टैक्सी को इंतज़ार करते देखा। वह टूकी से पूछने ही वाली थी कि हुसैना कहाँ जा रही है, तभी अचानक एक काले म्यान वाली औरत, जिसके बाल कटे हुए सफ़ेद थे, कोहरे की तरह दालान में चली आई।

Machine Translated by Google

सुनीता और टूकी ने बुदबुदाते हुए कहा, "गुडडे, मैडम," और दालान से बाहर चले गए, जिससे अंजलि मिन्नी बेजहोट के साथ अकेली रह गई।

"बिल्ली ने तुम्हारी जीभ काट ली?" महिला ने झट से कहा। "कोई अभिवादन नहीं? तुम्हारे शिष्टाचार कहाँ हैं, युवती?" बेगहोट हाउस में अंजलि के नए जीवन में दस सेकंड ही बीते थे और - डर या थकान से - उसने शिष्टाचार में कुछ घातक गलती कर दी थी। बूढ़ी महिला ने अंजलि की ओर पीठ फेरी और डाइनिंग रूम की ओर चल पड़ी। अंजलि ने देखा कि बहुत सीधी मुद्रा में थी; श्रीमती बेगहोट चलने के बजाय फिसल रही थीं, केवल उनके चश्मे की क्लिक की आवाज़ आ रही थी, जो एक चांदी की चेन पर लटके हुए थे, उनके मोतियों की माला के खिलाफ। उन्होंने एक लंबी, औपचारिक डाइनिंग टेबल के एक छोर पर एक कुर्सी के नक्काशीदार आर्मरेस्ट को पकड़ा और सावधानी से खुद को उसमें नीचे कर लिया। उन्होंने बिना उंगलियों के सफेद लेस वाले दस्ताने पहने थे। अंजलि ने हाथ से लिखे पत्र की पतली शीट को इकट्ठा करते समय उजागर उंगलियों के पैड के नीले रंग को घूरने से बचने की कोशिश की। एंजी ने पीटर चैंपियन के मकड़ी जैसे लिखे अक्षरों को पहचान लिया।

"गुडडे, मैडम," अंजलि ने बुदबुदाते हुए कहा। क्या मुझे खड़ा होना चाहिए? क्या मुझे उसके बगल वाली कुर्सी पर बैठना चाहिए या उसके सामने वाली मेज़ पर? मेरे कपड़ों से बदबू आ रही होगी, इसलिए बेहतर है कि मैं उसके ज़्यादा करीब न आऊँ।

"मैं तुम्हें सुन नहीं पा रही हूँ। क्या तुमने मुझे शुभ दिन की शुभकामनाएँ दी हैं? इसके लिए दिन में बहुत देर हो चुकी है। पास आओ।" यह एक आदेश था। बूढ़ी औरत ने इशारा किया कि अंजलि को अपने बाईं ओर की कुर्सी पर बैठना चाहिए, दोनों हाथों की उंगलियों से उस कुर्सी के सामने टेबलटॉप पर थपकी देकर।

कुछ इंच की दूरी से देखने पर श्रीमती बेजहोट के माथे, गालों और गले पर गहरी झुर्रियाँ थीं और झुर्रियाँ गुलाबी रंग के फेस पाउडर और नारंगी रंग के रूज से रंगी हुई थीं। उनकी आँखें बड़ी और भूरी थीं, उनके होंठ इतने पतले थे कि वे दागदार डेन्चर को छिपा नहीं पा रहे थे।

मिन्नी बेजहोट ने भोजन की मेज पर बिखरे सामान की ओर दस्ताने पहने हाथ हिलाया:
फूलों के पैटर्न वाली, गिल्ट-रिम वाली चीनी डिनर प्लेट, सलाद प्लेट, सूप बाउल, सूप ट्यूरिन, प्लेटर्स, चाय के कप और सॉसर, केक स्टैंड, बटर डिश, धूल से सने लाल कांच के प्याले, कुछ धूमिल चांदी की ट्रे और कुछ बर्तन जिन्हें अंजलि पहचान नहीं पाई। "तुम क्या सोचते हो?"

Machine Translated by Google

अंजलि का साक्षात्कार एक अस्सी वर्षीय दबंग व्यक्ति द्वारा लिया जा रहा था, जिसका भला उसे मिन्नी को पसंद करने की ज़रूरत नहीं थी, लेकिन अगर वह अपने सिर पर एक सस्ती, सुरक्षित छत चाहती थी, तो उसे उसका मनोरंजन करना ज़रूरी था।

"मैं सचमुच अवाक हूँ, महोदया।"

"यह एक ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण निवास स्थान है, जैसा कि आपके पूर्व शिक्षक ने निस्संदेह आपको बताया होगा। इसी कमरे में, इन्हीं प्लेटों पर, बहुत समय पहले, महामहिम एडवर्ड सप्तम ने भोजन किया था, साथ ही असंख्य छोटे राजपरिवार के सदस्यों ने भी।"

और तब से उन्हें धोया नहीं गया है, उसने सोचा।

मिन्नी की आवाज़ गहरी, लगभग मर्दाना थी, और उसका उच्चारण, जहाँ तक अंजलि समझ सकती थी, बिल्कुल ब्रिटिश था। भारतीयों की पिछली पीढ़ियों के विपरीत, अंजलि इतनी छोटी थी कि उसने शुद्ध अंग्रेजी उच्चारण नहीं सुना था या ब्रिटिश चरित्र की बर्फीली सच्चाई का अनुभव नहीं किया था। श्रीमती बेजहोट के सवालों ने उसे असहाय कर दिया। "क्या मैं पूछ सकती हूँ कि आप बैंगलोर क्यों आई हैं?"

कोई बात नहीं; उसने पहले ही इसका अभ्यास कर लिया था। "मेरे पिता की अभी-अभी मृत्यु हुई है, मैडम। मुझे अपना खर्च खुद उठाना है।" मेरे झूठ को माफ़ किया जाए। मैं अपने पिता के लिए मर चुकी हूँ; इसलिए वे मेरे लिए मर चुके हैं।

मिन्नी के रंगे चेहरे पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दिखी। "क्या तुम ऐसी संगति की याद को शर्मसार करोगे?"

उसने उत्तर दिया, "मैं कभी भी राजसी पद के योग्य नहीं हो सकती, महोदया।"

"लेकिन आपके शिक्षक का कहना है कि आप अब तक के सबसे अच्छे अंग्रेजी छात्र हैं! क्या वह झूठ बोल रहे हैं? मुझे स्वीकार करना चाहिए कि मैं उस लड़के को सबसे ज्यादा पसंद करता हूँ। उसने निस्संदेह आपको हमारी दोस्ती के बारे में बताया होगा।"

"बिलकुल, मैडम।" उसने झूठ बोला।

"उन्होंने यहीं अपनी किताब लिखी, इन्हीं कमरों में रहकर, मुझसे साक्षात्कार करके और पुरानी तस्वीरें खोजकर। उन्होंने यहां तक कि सभी पुरानी तस्वीरों की एक पूरी सूची भी बनाई।

Machine Translated by Google

साज-सज्जा - उनकी उत्पत्ति, शैली, उत्पत्ति और निर्माण की तारीख।
यह अभी भी परिसर में ही कहीं है।"

क्या बूढ़ी औरत ने पीटर को किसी प्रसिद्ध विद्वान के साथ भ्रमित कर दिया था?
उसने सिर्फ़ गाँव का संगीत ही नहीं रिकॉर्ड किया - उसने वास्तव में एक किताब भी लिखी? वह लगभग ज़ोर से हँस पड़ी: एक मिनट के लिए, मुझे लगा कि तुमने कहा कि उसने एक किताब लिखी है! वह पीटर को एक ऐसे व्यक्ति के रूप में जानती थी जो किताबें पढ़ता है, लेकिन उसने कभी नहीं सोचा था कि वह किसी ऐसे व्यक्ति को जान पाएगी जिसने वास्तव में एक किताब लिखी हो। अगर कुछ भी हो, तो वह ज्ञान उसके पैसे का उपहार लेने और उसके यौन रहस्यों को जानने से कहीं ज़्यादा अद्भुत था।
फिर उसने बिन्दुओं को जोड़ा: वह रहस्यमय अमेरिकी जिसने वह विशेष पुस्तक लिखी थी जिसकी श्री जीजी प्रशंसा कर रहे थे, उसका अपना पीटर चैम्पियन था।

वह सोच रही थी कि क्या उसे अपनी उम्मीदें कम कर देनी चाहिए?
उनकी अंग्रेजी दक्षता की प्रशंसा करें या इसमें पीटर चैंपियन की प्रशंसा भी जोड़ें।
बैजहोट ने भौंहें चढ़ाईं। "मैडम, मेरे स्कूल में मेरी अंग्रेजी बहुत अच्छी आंकी गई थी। लेकिन वह बिहार में थी।"
अंजलि ने ऐसा कहा जैसे उसने कोई कबूलनामा बोल दिया हो। "मैं बैंगलोर में कुछ ही घंटे रही हूँ और मैंने पहले ही अपनी क्षमता से कहीं बेहतर अंग्रेजी सुन ली है।" मैं किसमें सक्षम हूँ? मिन्नी ने भौंहें सिकोड़ीं और एंजी ने बचाव के लिए हाथ-पांव मारे। "कम से कम बेहतर अमेरिकी अंग्रेजी तो है।"

मिन्नी ने थोड़ी देर के लिए मुस्कुराया, या अपने होंठ हिलाए। "अगर आप इसे अंग्रेजी कह सकते हैं।"
ऐसा लग रहा था कि वह अंजलि की कही हर बात को समझ रही थी और किसी कारण से उसे यह सब मनोरंजक या अप्रासंगिक लग रहा था। "इस आवास में दस शयनकक्ष हैं, लेकिन केवल चार ही खुले रखे जाते हैं। हमारे पास सौ से ज़्यादा लोग थे, जिनमें ड्राइवर, माली, रसोइया, बटलर, खिद-मुगर, चपरासी, वाहक, दरवान और जमादार शामिल थे। अब सिर्फ़ अशोक ही बचा है, और उसने सत्तर साल से ज़्यादा समय से यहाँ काम किया है। पीछे के गैरेज में बीस मोटर कारें रखी हुई थीं - जब मैं मोटर कार कहता हूँ, तो मेरा मतलब बेंटले और ड्यूसेनबर्ग से है, न कि भारतीय लोगों द्वारा चलाई जाने वाली खड़खड़ाहट वाली गाड़ियों से। मेरे दिवंगत पति ने पाँच सौ मेहमानों, निज़ामों, महाराजाओं और वायसराय के लिए दरबार लगाए थे। मनोरंजन के लिए हम झाड़ियों में क्रोकेट बॉल फेंकते थे और मशाल की रोशनी में बैडमिंटन खेलते थे, और मेहमान रेशमी ब्रोकेड से सजे शानदार हाथियों पर सवार होकर आते थे, जिनके दाँतों पर सोने की टोपी और शानदार ढंग से सजे हौदे होते थे, और जुलूस के रूप में नीचे की ओर बढ़ते थे।

Machine Translated by Google

ऑक्सफोर्ड स्ट्रीट, जिसके बारे में मुझे उम्मीद है कि आपने देखा होगा कि अब यह बैजहॉट एली है, जो किव गार्डन कॉर्नर पर मुड़ती है, फिर पोर्टे-कोचेरे तक जाती है। वहाँ, प्रत्येक गणमान्य व्यक्ति सजी हुई सीढ़ियों से उतरता था, जो अभी भी परिसर में कहीं संग्रहीत हैं। अगर आपको मुझ पर संदेह है, तो इसे साबित करने के लिए तस्वीरें हैं।"

"मैं जानता हूं कि यह सच है, मैडम," उसने कहा।

"ऐसा कैसे?"

अंजलि की सहजता से अपनी बात कहने की प्रतिभा ने उसे कभी निराश नहीं किया। "मैंने देखा है उन्होंने कहा, "मिस्टर चैंपियन की किताब।" "फिर रबी चटर्जी नामक एक फोटोग्राफर ने मुझे और तस्वीरें दिखाईं। उन्होंने कहा कि बैंगलोर में कई अजूबे हैं, लेकिन बेजहॉट हाउस सबसे महत्वपूर्ण है।"

"शायद आपने मेरे दिवंगत पति की तस्वीरें भी देखी होंगी?"

"नहीं मैडम, मैं ऐसा नहीं मानता।"

उसने अपनी बांह उठाई और अशोक उसके पास सरक गया। "अशोक, एल्बम दे दो," उसने आदेश दिया। बागेहोट हाउस में राज-युग के जीवन की धुंधली और फीकी तस्वीरों के एक के बाद एक पन्ने देखने पड़े, विस्मय व्यक्त किया, टूटे हुए कप में कमज़ोर चाय पी, बासी अदरक की कुकीज़ चबाई और आखिरकार अंजलि ने मकान मालकिन का साक्षात्कार पास कर लिया और उसे प्रोबेशनरी के साथ पेइंग गेस्ट के रूप में भर्ती कर लिया गया।

स्थिति।

"दुर्भाग्य से, इस समय कोई भी बेडरूम खाली नहीं है," मिन्नी ने कहा, और अंजलि ने शायद झिझकते हुए कहा होगा। लेकिन मिस्टर चैंपियन ने वादा किया था! तो फिर मैं कहाँ जाऊँ?

"मैं पूरी तरह समझती हूं, मैडम," वह किसी तरह कहने में सफल रही।

"कोई उचित शयनकक्ष नहीं है," अंजलि ने स्वर में नरमी महसूस की, और आगे झुक गई। "आप शायद हिचकिचा भी सकते हैं-"

क्या उसकी परीक्षा ली जा रही थी? किसी तरह का ब्रिटिश खेल? उसकी परीक्षा उसकी गरिमा, आत्मसम्मान? उसकी हताशा? क्या उसे गिड़गिड़ाना चाहिए?

Machine Translated by Google

"मेरे पास एक बंद बरामदा है, साधारण लेकिन रहने लायक, खाट, कुर्सी और ड्रेसर,
दो सौ रुपये प्रति सप्ताह, जिसमें बिस्तर पर चाय और एक टिफिन शामिल है।"

"यह सबसे संतोषजनक होगा, मैडम।" उसने हिसाब लगाया कि बंगलौर में भोजन के साथ एक हज़ार प्रति माह। मैं पीटर के उपहार पर महीनों तक रह सकता हूँ!

"युद्ध के बाद इंग्लैंड में, हम इसे एक अकेली कामकाजी लड़की के लिए बहुत ही वांछनीय बिस्तर-पालक मानते।" अंजलि की प्रतिक्रिया का आकलन करने के बाद, उन्होंने कहा, "मैं समझती हूँ कि केंट टाउन में कुछ महिलाएँ बिना भोजन के और अधिक माँग रही हैं," उन्होंने कहा, लेकिन निष्कर्ष को अनकहा छोड़ दिया - मैं एक बड़ा उपकार कर रही हूँ, लेकिन अगर आप घर के नियमों को तोड़ते हैं, तो आपको बाहर निकाल दिया जाएगा।

अंजलि को घर के नियम नहीं पता थे क्योंकि मिन्नी ने
उन्हें अपनी मर्जी के अनुसार इस्तेमाल करती थी। हार्डकवर रोमांस उपन्यासों के अपने संग्रह वाली किताबों की अलमारी के ऊपर
लटके क्रॉस-सिले हुए नमूने में उसने जो एकमात्र नियम बताया था, वह था

बैजहॉट नाम की जय हो
यह कभी भी शर्म से अँधेरा न हो

सौभाग्य से टूकी डी'मेलो को सब कुछ पता था और वह इसे साझा करना पसंद करते थे।

अंजलि के बैगहॉट हाउस में दूसरे दिन, टुकी ने कहा, "हमें किसी रात ग्लिट्ज़वर्ल्ड जाना होगा। मैं बारटेंडर को जानता हूँ। बैंगलोर में सभी नए लोगों को मेरी यही सलाह है। बारटेंडरों को जान लें।"

पुराने दिनों में हर चीज़ का एक सफ़ेद और एक काला संस्करण होता था। कम से कम टूकी को तो यह समझ में आ गया था कि मिन्नी कुछ स्थानीय हितों के साथ गुप्त समझौते के कारण कम किराए और हर हफ़्ते ताज़ा मटन और ब्रांडी का खर्च उठा सकती थी। टूकी की जुबान से निकलते हुए, "हितों" ने एक भयावह सिसकारी ली। इन हितों ने मुख्य घर सहित पूरे बेजहॉट परिसर के विलेख के अनन्य अधिकारों के बदले में मासिक वजीफा दिया (जब तक मिन्नी जीवित रही और एक सेकंड भी नहीं)। हित धैर्यवान थे; जाहिर तौर पर उनके पास कई आग में कई लोहे थे।

Machine Translated by Google

"यह बात ध्यान में रखनी चाहिए," टूकी ने कहा, "कि बेजहॉट हाउस एक पागलखाना है। बूढ़ी औरत पागल है। नियमों का कोई मतलब नहीं है। परिसर में भूत-प्रेत हैं। यहाँ रहने वाली लड़कियाँ वैसी नहीं हैं जैसी दिखती हैं।"

एंजी टुकी के संदेहास्पद सिद्धांतों से सहमत हो सकती है। एक ऐसे देश में जहाँ अफवाहों पर आधारित हर घटना की अपनी शक्तिशाली, अनौपचारिक प्रेरणा होती है। कुछ भी वैसा नहीं है जैसा लगता है। सब कुछ अंधकारमय शक्तियों द्वारा चलाया जाता है। गौरीपुर में, पीटर चैंपियन को "सी.आई.ए. एजेंट" होना ही था। हमेशा, "बड़े स्पष्टीकरण" की खोज चल रही थी, लेकिन आविष्कार कितना भी बड़ा क्यों न हो, यह विफलताओं और निराशाओं को समझाने के लिए कभी भी पर्याप्त नहीं था। बिहार में पीटर के तीस साल तक छिपे रहने के पीछे और क्या कारण था? कौन जानता था कि वही आवाज़ें, जो वे कहते थे, उसके बारे में "क्या जानते थे"? सुबोध मित्रा ने सोचा था कि वह उसके और "उसके अमेरिकी होने" के बारे में "जानता" था। उसके माता-पिता उस दुनिया में रहते थे, महान विभाजन के दूसरी तरफ।

लेकिन बेजहॉट हाउस में, अन्यथा विवेकशील और शिष्ट लड़कियों की पीढ़ियों ने मिन्नी बेजहॉट को समझाने के लिए एक वैकल्पिक इतिहास का निर्माण किया था और इसे नई परिष्कृतताओं के साथ पीढ़ियों तक आगे बढ़ाया था।
मिन्नी ने घर और जमीन पर कब्जा करने के लिए मैक्सी को जहर दे दिया था।
नहीं, दूसरों ने कहा, यह ज़हर नहीं था। यह छुरा घोंपने का मामला था, जिसे डाकुओं ने ऐसा दिखाया कि यह काम किया है। यह अच्छी तरह से ज्ञात था, कम से कम उस समय - लगभग साठ साल पहले - कि युवा मिन्नी और उससे भी छोटे अशोक के बीच एक गर्म संबंध था, जिसे शराब के नशे में धुत मैक्सी ने ठोकर मारकर या उससे आगे बढ़कर अंजाम दिया था। अशोक अब भी केवल नौकर होने का नाटक करता था।

दुर्घटना को छोड़कर, मिन्नी हमेशा के लिए जीवित रह सकती थी। वह लगभग साठ साल से विधवा थी। उसका दिमाग तेज था, लेकिन गंभीर रूप से पटरी से उतर गया था, केवल शर्म, सम्मान, कर्तव्य और वफादारी जैसे निष्क्रिय गुणों पर ध्यान केंद्रित करता था। ("भगवान," टूकी ने कहा, "यह कैटेचिज़्म से कुछ लगता है!") क्या उसने आपको हाथियों के अस्तबल के बारे में बताया है? वेल्स के राजकुमार और राजाओं और नवाबों और क्या-क्या? और रोल्स-रॉयस, और नाचते हुए मेहमान सोने की ट्रे से शैंपेन की बोतलें निकालते हैं? बस उन्हें अनदेखा करें। बूढ़ी लड़की वहाँ नहीं थी।

कभी।

मिन्नी की उम्र लगभग 82 साल थी। उसने यह धारणा छोड़ दी कि वह और उसका अनाम पहला पति, जो कर्नल था, भारत से "बाहर" आया था।

Machine Translated by Google

डोरसेट जब भारतीय सेना का अधिकारी दल अभी भी सैंडहर्स्ट की एक पहचान योग्य शाखा थी, सभी पक्के साहब पिथ्स और पुट्टी में थे। उसने सुझाव दिया कि वह विभाजन के दंगों के दौरान ब्रिटिश पत्नियों और बच्चों की रक्षा करते हुए मर गया था। वास्तव में, बेजहॉट हाउस गर्ल्स के दशकों द्वारा संकलित वैकल्पिक इतिहास के अनुसार, मिन्नी ने मैक्सी बेजहॉट के जीवन में एक छब्बीस वर्षीय तलाकशुदा के रूप में प्रवेश किया था, जिसे स्वतंत्रता और नई भारतीय सेना के लिए छावनी के हस्तांतरण के बाद कर्नल ने छोड़ दिया था। शायद दोनों में से किसी भी व्यक्ति के साथ कभी आधिकारिक रजिस्ट्री विवाह नहीं हुआ था। मिन्नी अपने शुरुआती वर्षों के वृत्तचित्र पक्ष के बारे में अस्पष्ट और भुलक्कड़ थी।

मिन्नी और मैक्सी बेजहॉट: उर्फ मिनी और मैक्सी, बेजहॉट लड़कियों की पीढ़ियों के बीच एक निजी मजाक।

बैजहॉट गर्ल्स द्वारा अपनी मकान मालकिन की बताई गई जीवन कहानी के व्यंग्यपूर्ण वर्णन में, मिन्नी कभी डोरसेट या इंग्लैंड में कहीं नहीं गई थी। मिन्नी बैजहॉट पुरानी छावनी संस्कृति की उपज थी, दशकों या सदियों पहले एक गुमनाम सैनिक और एक स्थानीय महिला के बीच की अनदेखे बातचीत। मिन्नी एंग्लो-इंडियन थी, उसकी माँ एक नानी थी, उसके पिता एक स्टेशनमास्टर थे, और उसने खुद को ब्रिटिश विधुरों और कुंवारे लोगों के लिए एक घरेलू आयोजक (जो भी इसका मतलब था, लेकिन आसानी से अनुमान लगाया जा सकता है, टूकी ने हँसते हुए कहा) के रूप में स्थापित किया था, जिन्होंने यहाँ रहने का फैसला किया था। वह पुराने बैंगलोर के बारे में सब कुछ जानती थी और उसने मूल निवासियों के प्रति उचित दृढ़ता और अधिकारियों के प्रति सम्मान दिखाया। वह जानती थी कि काम कैसे किया जाता है और, सबसे महत्वपूर्ण बात, काम कैसे किया जाता है।

उसने खुद को मैक्सफील्ड बेजहोट के लिए अपरिहार्य बना लिया था और अंततः
उसने अपने समुचित अस्तित्व को सुनिश्चित करने के लिए स्वयं को पर्याप्त रूप से अप्रतिरोध्य बना लिया था।
उन्होंने उससे शादी की थी - या कम से कम किसी तरह की व्यवस्था पक्की कर ली थी - 1950 के दशक की शुरुआत में, जब वह सत्तर के दशक में थे, उनके पास ज़्यादा साल या महीने नहीं बचे थे, और वह अपनी उम्र के बीसवें दशक के आखिर में थी। दरबार और सजे-धजे हाथियों, विदेशी और घरेलू राजघरानों के शैंपेन के दिन बहुत पहले बीत चुके थे, मिन्नी के आने से बहुत पहले, जो कि बूढ़ी हो चुकी हैं। सबसे अच्छा तो यह हो सकता था कि वह नए भारतीय अधिकारी दल के साथ चाय पीती। टूकी मिन्नी की अच्छी नकल कर सकता था। "सिख और मुसलमान, योद्धा जातियाँ, मास्टिफ़ की तरह वफ़ादार, उन लगभग गोरे लोगों, पारसियों और एंग्लो-इंडियन को न भूलें।"

Machine Translated by Google

मैक्सी बेजहोट जैसे पुराने ब्रिटिश जानते थे कि जब तक उनके पूर्व अधीनस्थ और सहायक, एक बार की शक्तिशाली सेना के गर्वित अवशेष, प्रभारी रहेंगे, तब तक वे उग्र बहुमत से सुरक्षित रहेंगे। एक या दो गोरखा को शामिल करें और आपके पास एक कार्यशील देश होगा। हर कोई जानता था कि भारत को एक सैन्य तानाशाही के मजबूत अधिकार और दल भावना की आवश्यकता है, जिसके किनारों पर कुछ लोकतंत्र हो। और बस देखिए कि आज हमारे पास क्या बचा है। लोग इसे प्रगति कहने की हिम्मत करते हैं ।

जब मिन्नी मैक्सी के घर में रहने आई, तो वह विधुर हो चुका था
इंग्लैंड लौटने का कोई कारण नहीं था। उनके बड़े हो चुके बच्चे रोडेशिया और ऑस्ट्रेलिया चले गए थे, जहाँ उन्होंने कभी कुछ नहीं लिखा और न ही कभी वहाँ गए। एक बढ़िया घर, किशोर अशोक की तरह एक वफ़ादार और कम वेतन वाला स्टाफ़, खुद की तरह पुराने दोस्तों का एक समूह, जल्दी टी टाइम और ब्रिटिश सेना की पेंशन उन दिनों काफ़ी मायने रखती थी। जब तक आयातित व्हिस्की चलती रही, वे मज़ाक करते रहे।

और बैंगलोर? खैर, बैंगलोर एक शानदार जगह थी, जब तक कि स्थानीय लोगों ने अपने गंदे हाथ उससे दूर रखे। बैंगलोर का मौसम, साल भर 75 डिग्री, बिना किसी ख़तरनाक मानसून और मच्छरों के, निर्णायक था। साम्राज्य में इससे बेहतर कोई जगह नहीं थी, वे सहमत थे, लेकिन शब्द के विस्तृत अर्थ में साम्राज्य अभी भी अस्तित्व में नहीं था।

और इसलिए, एक बेजहॉट-गर्ल-इन-ट्रेनिंग के रूप में, अंजलि ने अपने पहले निर्देशों को दिल से माना: कुछ भी वैसा नहीं है जैसा दिखता है। कुछ नियम हैं जिन्हें बदला नहीं जा सकता, लेकिन कोई भी वास्तव में नहीं जानता कि वे क्या हैं। "शर्मिंदगी लाना" का मतलब कुछ भी हो सकता है जो ओल्ड डेम किसी भी समय इसका मतलब निकालना चाहती है। वास्तव में, अंजलि के छोटे से कमरे को मैंगलोर की एक लड़की मीरा को किराए पर दिया गया था, जो एक "मजेदार लड़की" थी।

(टूकी की सबसे बड़ी तारीफ) जिसे सुबह दो बजे काम से वापस आने के कारण "डंप" कर दिया गया (बैजहॉट हाउस में अचानक बेदखली के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला शब्द)। इसमें कुछ भी अजीब नहीं है - लेकिन उसके दृष्टिकोण ने उसकी किस्मत तय कर दी: वह एक मोटरसाइकिल पर थी, एक लड़के से चिपकी हुई थी।

"मेरा आपसे सवाल है," टूकी ने कहा, "सुबह दो बजे कौन देख रहा है? क्या बूढ़ी औरत अनिद्रा से पीड़ित है जो नियम तोड़ने वालों को पकड़ने के लिए अंधेरे में खिड़की के पास बैठती है? या क्या वह गरीब, अधिक काम करने वाले बूढ़े अशोक को पूरी रात हम पर जासूसी करने के लिए मजबूर करती है? यहाँ तो दीवारों के भी कान हैं, इसलिए शांत रहें और अपनी बनियान से दूर रहें।"

Machine Translated by Google

4

बैंगलोर में अपने पहले तीन दिनों में, अंजलि ने अनुमान लगाया कि उसका आधा मिशन पहले ही पूरा हो चुका था। शायद आधे से भी ज़्यादा: वह गौरीपुर से भाग निकली, भारत पार कर बैंगलोर पहुँची, एक "लड़के" से मिली, जैसा कि उसके पिता श्री जीजी को बुलाते थे, और एक मनचाहा कमरा हासिल किया। खैर, शायद एक खस्ताहाल लेकिन काल्पनिक निवास में एक दयनीय आधे कमरे की तरह। लेकिन जब उसने सोनाली को अपना पहला पत्र लिखा, तो वह अपनी बहन को उन कहानियों से डराना नहीं चाहती थी जो उसने लंबी यात्रा के दौरान अंतरराज्यीय बस स्टॉप पर देखी थीं या किसी हवेली में खुद के लिए एक कमरा होने और एक नौकर द्वारा सेवा किए जाने, या श्री जीजी को मोहित करने के बारे में श्रेष्ठता दिखाना नहीं चाहती थी, इसलिए उसने इसके बजाय लिखा कि वह सुरक्षित पहुँच गई है; कि श्री चैंपियन के दोस्त, जिनके पास एक बड़ा घर है, ने उसे एक सुंदर ढंग से सुसज्जित कमरा किराए पर दिया है; कि उसे जल्द ही श्री चैंपियन के दूसरे दोस्त से मिलने की उम्मीद है, जो एक नौकरी-प्रशिक्षण स्कूल चलाता है; कि, एक बार जब वह बैंगलोर में अपना रास्ता खोज लेगी, तो वह छोटी पियाली को एक विशिष्ट कर्नाटकी खिलौना भेजेगी। फिर उसने एक निजी सहायक के रूप में, उन सवालों को जोड़ा जो उसे सबसे अधिक परेशान करते थे: "क्या बाबा और माँ ने मुझे माफ़ कर दिया है? क्या उन्होंने मेरे बारे में पूछा है?"

वह व्यवस्थित होने, आराम करने, मोटा होने के लिए समय ले सकती थी। मैं भूख से मर रही थी! मैं मर सकती थी! उषा देसाई के प्रशिक्षण केंद्र में जगह जीतना और फिर नौकरी पाना एक झटके में होने वाली अनिवार्यता लगती थी (वह स्वीकार्य समानार्थी शब्दों की सूची से गुज़री: समुद्र तट पर टहलना, एक झटपट, केक का एक टुकड़ा, एक पिकनिक, बस खुद को यह विश्वास दिलाने के लिए कि वह अपना आपा नहीं खो रही है)। अगर वह राज मिन्नी बेजहोट की क्रैकपॉट परीक्षाओं में पास हो जाती, तो वह नई सहस्राब्दी की उषा देसाई की परीक्षाओं में अव्वल आती। जब तक पीटर के पास पैसे थे, वह खुद से कह सकती थी कि उसे मिन्नी के बोर्डिंग हाउस की अत्याचारी सज्जनता से बचने और शहर का पता लगाने, नए मॉल में खरीदारी करने, जहाँ से टूकी ने अपनी डिज़ाइनर टी-शर्ट खरीदी थी, एमजी रोड पर बरिस्ता में वापस जाने और इस बार आइसक्रीम के साथ आइस्ड कॉफ़ी ऑर्डर करने, कॉन्टिनेंटल व्यंजन आज़माने या पाँच सितारा होटल के अंदर एक रेस्तरां में सुशी खाने के लिए कुछ समय चाहिए। वह टालमटोल नहीं करेगी; वह पेशेवर सफलता के लिए आवश्यक धैर्य और आत्मविश्वास विकसित करेगी। उसका लक्ष्य शांत रहना था , न कि केवल शांत दिखना, जब वह खुद को मिस्टर के सामने पेश करती।

चैम्पियन का नौकरी-प्रशिक्षण संपर्क।

Machine Translated by Google

संपर्क: संज्ञा। उसे संपर्क और गुरु शब्द बहुत ही महत्वपूर्ण शब्द लगते थे।

दा गामा प्रथम वर्ष के बी. कॉम. पाठ्यक्रमों में सबसे लोकप्रिय। अहमदाबाद में भारतीय प्रबंधन संस्थान से हाल ही में स्नातक हुए एक सहायक प्रोफेसर ने लोकप्रिय पाठ्यक्रम पढ़ाया था। वह सफेद तीन-पीस सूट पहनते थे और एक आयातित प्रियस चलाते थे। उनके व्यवसाय कार्ड के अनुसार, जिसे उन्होंने कक्षाओं के पहले दिन अपने छात्रों को वितरित किया, वह कम्युनिकेशंसफ्यूचर्स, इंक. के सीईओ और सीएफओ थे, जिसका मुख्यालय गौरीपुर में था और ब्रैडफोर्ड, यूके और होबोकेन, यूएसए में शाखा कार्यालय थे, लेकिन उन्होंने खुद को एक मूर्तिभंजक के रूप में वर्णित किया। "गुरुओं और बड़ों का सम्मान करने की अपनी सामंती आदत को तोड़ो," उन्होंने अपने मंत्रमुग्ध छात्रों को संबोधित किया।

शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत में, उन्होंने संपर्क और नेटवर्किंग विकसित करने पर अतिथि व्याख्यान के लिए पीटर चैंपियन को बुलाया था। "जब तक आपके पास संपर्कों के साथ संपर्क न हो, तब तक नौकरी के बाजार से निपटने के बारे में सोचना भी मत": यह पीटर का मंत्र था। एक मेहनती छात्र के रूप में उसने व्याख्यान के बुलेटेड पॉइंट्स को याद कर लिया था, लेकिन अब तक उसे इस बात की चिंता नहीं थी कि वे समझ में आते हैं या नहीं। उसे इसकी ज़रूरत नहीं थी, क्योंकि वह कभी भी नौकरी के बाजार में नहीं आने वाली थी, बाबा ने उसे पहले ही अरेंज-मैरिज के बाजार में धकेल दिया था। अब उसे पीटर की व्यावसायिक सलाह को डूबने या तैरने की परीक्षा में डालना होगा।

अपने कमरे की परदे से ढकी एकांत जगह में, वह रेशमी किमोनो पहने बैठी थी श्रीमती बेजहोट ने उसे खरीदारी के लिए जाने तक के लिए उधार दे दिया था, और उसने संपर्क, गुरु, तटस्थ परिचित और निजी मित्र जैसे कॉलम शीर्षकों को एक नई नोटबुक में लिख दिया था जिसे उसने केव गार्डन के कोने पर एक वैरायटी स्टोर से खरीदा था। सुश्री देसाई और श्रीमती बेजहोट संपर्क में थीं। बेजहोट लड़कियाँ उस समय परिचित थीं, लेकिन वे - कम से कम टूकी और हुसैना - अन्य श्रेणियों में आ सकती थीं। उसने एक और वर्गीकरण का आविष्कार किया: अनौपचारिक गुरु। रबी चटर्जी उसकी किताब में किसी भी कॉलम के लिए पहुँच से बाहर थे, क्योंकि उसे उम्मीद थी, लेकिन यकीन नहीं था, कि उनके रास्ते फिर से मिलेंगे। वह उसे केवल कुछ घंटों से जानती थी, लेकिन वह उसके करीब महसूस करती थी, सोनाली-दी से भी ज्यादा करीब, क्योंकि उसने उससे इस तरह बात की थी जैसे कि वह बुद्धिमत्ता और अनुभव में उसकी बराबरी की हो। उसने गौरीपुर की रेत के नीचे चमकते रंग और रोशनी के लिए उसकी आँखें खोल दी थीं।

उन्होंने उसे अनौपचारिक सलाहकार और व्यक्तिगत मित्र दोनों स्तंभों में शामिल कर लिया।

Machine Translated by Google

उसने मिस्टर जीजी को अपनी अंतिम प्रविष्टि के रूप में रखा। वह एमजी रोड बरिस्ता में उनकी आकस्मिक मुलाकात, केव गार्डन तक की सवारी की पेशकश, लंबी यात्रा और उसके दौरान उनके द्वारा कहे गए हर शब्द को बार-बार याद करती रही... क्या वह एक क्षणिक परिचित से अधिक कुछ नहीं था जो उस दिन अपना अवैयक्तिक नेक काम कर रहा था? क्या वह उसे अंतरराष्ट्रीय व्यावसायिक संबंधों वाले संपर्क के रूप में दर्ज करके बच सकती थी? सभी संभावित परिदृश्यों में से सबसे अच्छे परिदृश्य में, वह एक अच्छे संपर्क वाला, अमीर प्रेमी था। क्यों नहीं? उसने एक नया कॉलम बनाया: प्रेमी।

पीटर को बहुत आश्चर्य होगा अगर वह देख सके कि उसने उसके बारे में कितना विस्तार किया है नेटवर्किंग सिद्धांत। भारतीय व्यापार मॉडल की उनकी उत्तेजक आलोचनाओं को किसी भी छात्र के लिए अनदेखा करना या भूलना मुश्किल होता। पीटर ने कोई कसर नहीं छोड़ी: ऐतिहासिक रूप से, भारतीय समाज नेटवर्किंग और संपर्कों के इर्द-गिर्द नहीं, बल्कि परिवार और समुदाय के इर्द-गिर्द संरचित था। बिहार जैसे पिछड़े इलाकों में, परिवार और गृहनगर और धर्म और भाषा समूह और यहाँ तक कि जाति के प्रति निष्ठा योग्यता से ज़्यादा मायने रखती है। डेढ़ साल पहले पीटर का पाठ एक नया रहस्योद्घाटन बन गया। वह बाबा के बारे में बात कर रहे हो सकते हैं। बिहार में भी, बाबा के एकमात्र दोस्त बिहार में जन्मे बंगाली थे।

बाकी सभी को थोड़ा या बहुत ज़्यादा अविश्वसनीय माना जाता था। बाबा उस समुदाय से बच नहीं सकते थे जिसे वे और गौरीपुर में जन्मे बोस की तीन पीढ़ियाँ जानती थीं। लेकिन अपनी दो बेटियों के साथ, बिहार में भी, वे असफल रहे।

तो यही मुंबई और बैंगलोर की महान सफलता का रहस्य था। आप केएफसी या स्टारबक्स या बरिस्ता में काम करते हैं, और आपके बगल में काम करने वाला व्यक्ति, और आपका बॉस, और जिन लोगों की आप सेवा करते हैं, उन्हें आपके समुदाय या आप कहाँ से आए हैं, में बिल्कुल भी दिलचस्पी नहीं है।

जैसे कि बेजहोट हाउस में। टुकी से पहले, अंजलि की कभी किसी गोवावासी से दोस्ती नहीं हुई थी। वास्तव में, किसी ईसाई से भी नहीं। गोवावासियों के बारे में उसकी धारणा वास्को दा गामा के शिक्षक-पुजारियों पर आधारित थी - सुस्त, पवित्र नियम लागू करने वाले या नियम का पालन करने वाले, अपनी छाया से डरते हुए। और उस रहस्यमय समूह का क्या, जिसे वह हमेशा "अल्पसंख्यक समुदाय" कहती थी? उसके पिता के कार्यालय में कुछ कर्मचारी मुस्लिम थे। पीठ में छुरा घोंपने वाले, उसके पिता उन्हें गद्दार और आतंकवादी कहते थे। उसके पिता ने उनकी आलस्य, उनकी चार पत्नियों और बीस बच्चों की शिकायत की। "वे हमारे पवित्र पर काम नहीं करते

Machine Translated by Google

छुट्टियों के दौरान वे काम नहीं करते। इसके बाद वे क्रिसमस और ईस्टर के लिए छुट्टी की मांग करेंगे।"

अब वह एक मुस्लिम और एक ईसाई के साथ एक ही बाथरूम साझा कर रही थी ।

अपने पहले लंच पर, टूकी ने एंजी को दो बॉयफ्रेंड रखने की सलाह दी थी:
एक कार्यस्थल के लिए, सुविधाजनक सवारी और मासूम साथी, और एक मौज-मस्ती करने वाला प्रेमी प्रदान
करता है। टूकी के जॉब-साइट-और-बरिस्ता प्रेमी का नाम रेनाल्डो दा कोस्टा था, जो एक अच्छा-अच्छा गोवावासी था जो उसके साथ सोने से पहले उससे शादी करना चाहता था ("क्या बोरियत है, नहीं?")। उसका मौज-मस्ती करने वाला लड़का राजू था, जो एक स्थानीय बारटेंडर था ("एक बदमाश, लेकिन क्या यात्रा थी, यार")।

"आप क्या कह रही हैं, हुसैना?" एंजी ने पूछा था।

"ओह, मेरा एक मंगेतर है, लंदन में।"

"मुस्लिम लड़कियाँ-क्या कहना है?" टुकी ने चिढ़ाते हुए कहा। "तुम्हें कैसे पता कि तुम्हारा यह मंगेतर एक मोटी गोरी रंडी के साथ एक बड़े अंग्रेजी परिवार का पालन-पोषण नहीं कर रहा है?"

"मुझे नहीं मालूम।" हुसैना ने मुस्कुराते हुए कहा।

बुज़्ले, बुज़्लुम.

***

उषा देसाई, मिस्टर चैंपियन की दोस्त, अंजलि की एकमात्र विश्वसनीय "संपर्क" थी, लेकिन अंजलि ने उसे फोन करने से परहेज किया क्योंकि उसे खुद को भी यह स्वीकार करने में शर्म आ रही थी कि उसे उम्मीद थी कि मिस्टर जीजी फोन करेंगे और उसे एक और रोमांचक करियर विकल्प सुझाएंगे या उसे नीरस बोर्डिंग हाउस से निकालकर एक आश्चर्यजनक छुट्टी के लिए किसी विदेशी शहर में ले जाएंगे: यह सब उसके जीवन के बॉलीवुड संस्करण में संभव था। उसने मिस्टर जीजी को फोन नहीं किया, बेशक - एक टूकी को छोड़कर किस तरह की युवा महिला संपर्क की पहल करती है? - लेकिन उसे उसे फोन करने और संकट में फंसी युवती की भूमिका निभाने का विचार बहुत अच्छा लगा।

वह जानती थी कि उसे आभारी होना चाहिए कि पीटर ने उषा देसाई को परिचय पत्र भेजा था, जिसका मतलब था कि उसे इस महिला की प्रतिष्ठित कैरियर-प्रशिक्षण अकादमी में प्रवेश मिल गया था और प्रशिक्षण पूरा होने पर, बाबा या सोनाली की तुलना में बेहतर वेतन वाली नौकरी मिल गई थी। लेकिन पीटर के संपर्क और संपर्क को कॉल करना

Machine Translated by Google

उस प्रक्रिया को गति देने का मतलब था उन सभी चीज़ों के लिए दरवाज़ा बंद करना जो हो सकती हैं, जो मौका मिलने पर हो सकती हैं। नेटवर्क, या अंतर्ज्ञान पर भरोसा?

अंजलि ने खुद से वादा किया कि वह जल्द ही उषा देसाई को फोन करेगी, लेकिन टालती रही, उसका बहाना था कि वह अभी तक बड़े शहर के कार्यालय शिष्टाचार के बारे में नहीं जानती थी। उसे फोन करने से पहले टुकी और हुसैना की सलाह की जरूरत थी। उसे बैंगलोर में और समय चाहिए था। उसे टुकी और हुसैना का बारीकी से अध्ययन करने की जरूरत थी ताकि वह आत्मविश्वासी या कम से कम पेशेवर रूप से सक्षम लगने के उनके तरीकों को सीख सके। उसने थोड़ी प्रगति की थी, लेकिन पर्याप्त नहीं।

गौरीपुर में वह सोनाली-दी और माँ के बीच सोती थी, और सोनाली-दी की शादी के बाद, सिर्फ़ माँ के साथ। बैंगलोर में, अँधेरी, सीलन भरी हवेली ज़्यादातर रातें खाली रहती थी, लेकिन पागल मिन्नी और गठिया से पीड़ित अशोक के लिए, क्योंकि घर की लड़कियाँ काम पर होती थीं; यहाँ सोते हुए, अनदेखी, उगी हुई ज़मीन से आने वाली आवाज़ों से घिरे हुए, अंजलि को डर लगता था। भूत-प्रेत और राक्षस उसके चारों ओर घूमते रहते थे। गुस्से में बाबा और रोती हुई माँ ने उसके सिर पर खींची गई पतली सूती रजाई को नोचकर नोच डाला। उसे अपने डर पर काबू पाने के लिए समय चाहिए था।

गौरीपुर की यादें बागेहोट हाउस के दुःस्वप्नों से टकराने लगीं।
यादों का गला घोंटना: एक ही समय पर, दिन और रात एक ही मोहल्ले की आवाज़ें। एक ही बाज़ार में एक ही विक्रेता से एक ही सब्ज़ियाँ काटना, उन्हें मसाले डालना और बिल्कुल एक ही तरीके से तलना, अपने पिता के रात के तीन पैग के बाद एक ही समय पर खाना, फिर गंदे बर्तनों को सिंक में जमा करना ताकि पार्ट-टाइम नौकरानी अगली सुबह साफ़ कर सके, बचा हुआ खाना अलग रखना, और अपने पिता के आदेश पर दस बजे बिस्तर पर जाना "लाइट बंद करो!" आप घर से भाग सकते हैं, लेकिन परिवार के रीति-रिवाजों से नहीं।

कुछ रातों तक वह बिना नींद के शटर के नीचे देखती रही
मैदान, जो अब जंगल है, लेकिन कभी क्रोकेट हुप्स और बैडमिंटन नेट के लिए जगह थी। आधुनिक बैंगलोर के संदर्भ में, यह सिर्फ एक शहर के ब्लॉक को शामिल करता है, कुछ करोड़ रुपये का मूल्य, लेकिन किसी तरह इसने पूरे भारत की आत्मा को शामिल किया। अंजलि ने बेजहोट परिसर के अंदर ग्रामीण भारत की रात की खाँसी और गला साफ करने की आवाज़ सुनी। उसने टूटी हुई छत वाले गैरेज की दूसरी मंजिल में खाना बनाते हुए देखा, जिसमें मैक्सी की फैंसी कारें रखी हुई थीं; इमारत की

Machine Translated by Google

खिड़कियाँ बहुत पहले ही गायब हो चुकी थीं। बूढ़ा अशोक, जो अपनी सफ़ेद रंग की जैकेट की वजह से पहचाना जा सकता था, भूत की तरह धुंधली चाँदनी में अंदर-बाहर घूमता रहता था, और इस जीर्ण-शीर्ण क्षेत्र में रहने वाले छायादार ग्रामीणों के लिए भोजन की ट्रे लेकर जाता था।
शायद मिन्नी के अनुचर-उनके बच्चे और नाती-नातिन-कभी नहीं गए थे, हालाँकि अब उनका मुख्य घर के मालिक से कोई संबंध या दायित्व नहीं था। अधिक संभावना है कि वे ग्रामीण इलाकों से आए आक्रमणकारी थे; उसकी तरह, वे दोनों शरणार्थी और अवैध निवासी थे। भारतीय अस्तित्व की उस रात की दुनिया को देखते हुए, एक संपन्न शहर के बीच में ग्रामीण जीवन को देखते हुए, अंजलि ने खुद से पूछा, मुझे क्या खास बनाता है? उषा देसाई ने मुझे एक प्रशिक्षु के रूप में क्यों स्वीकार किया और मुझे किसी अमेरिकी कंपनी में नौकरी दिलाने में मदद की, जो टूकीज़ और हुसैना की तरह मोटी तनख्वाह देती है?

पंद्रह साल की एक लड़की, खाना पकाने की आग की रोशनी में, खिड़की के फ्रेम के किनारे पर बैठी, अपने बालों को कंघी कर रही थी। ओह, रबी, एंजी ने सोचा, अगर तुम अभी यहाँ होती, तो तुम इसकी एक तस्वीर बनाती। बेजहॉट हाउस में हर मिनट, दिन हो या रात, विरोधाभासों, रोशनी और कोणों, पुराने और नए, और इतिहास में इस अजीब, अवर्णनीय वर्तमान क्षण का एक चित्र है। मैं तुम्हारा स्काउट हो सकता हूँ। तुम शायद उन सभी भयानक जगहों, वेश्यालय और समलैंगिकों के ठिकानों पर गए हो, लेकिन मैं तुम्हारे लिए ऐसे दृश्य ढूँढ़ सकता हूँ जिनके बारे में तुमने सपने में भी नहीं सोचा होगा! मैं तुम्हारे कैमरे, लेंस और लाइट ले जा सकता हूँ। मैं होशियार हूँ, मैं चीजों को नोटिस करता हूँ, मैं सीख सकता हूँ।

एक हफ़्ते तक अंजलि ने उषा देसाई को फ़ोन करना टाल दिया। बागेहोट हाउस ने सिर्फ़ एक फ़ोन, एक पुराने ज़माने का, भारी काला उपकरण जिसमें छोटी घिसी हुई डोरी थी। मिन्नी ने इसे, आने-जाने वाली सभी कॉल रिकॉर्ड करने के लिए एक बाउंड लॉगबुक और एक विंड-अप घड़ी के साथ, फ़ोयर में एक कार्ड टेबल पर रखा था। बोर्डर्स द्वारा इसके उपयोग के नियम और दरें टेबल के ऊपर दीवार पर टेप किए गए कार्डबोर्ड के टुकड़े पर लाल स्याही से सूचीबद्ध थीं। फ़ोन बजने पर केवल मिन्नी और अशोक को रिसीवर उठाने की अनुमति थी।

बोर्डर्स से कॉल प्राप्त करने के साथ-साथ कॉल करने के लिए भी शुल्क लिया जाता था; पांच मिनट से अधिक समय तक कॉल करने पर उन्हें अतिरिक्त अधिभार देना पड़ता था।
चूँकि टुकी, हुसैना और यहाँ तक कि सुनीता के पास भी अपने सेल फोन थे, इसलिए मिन्नी के नियमों से सिर्फ़ अंजलि ही प्रभावित थी। उसे लगा कि दरें बहुत ज़्यादा हैं।
सौभाग्य से, उषा देसाई और श्री जीजी को छोड़कर, वह बैंगलोर में किसी को भी फोन नहीं करती थी, और वह उस कैरियर-निर्माण कॉल को विलंबित करने के लिए हर घंटे नए बहाने बनाती थी।

Machine Translated by Google

अपने नए जीवन के आठवें दिन, उसे चिंता थी कि पीटर को हवा लग जाएगी
उसकी टालमटोल की आदत और उसे एक खराब निवेश के रूप में लिखने के बाद, उसने खुद को उषा देसाई का नंबर डायल करने के लिए तैयार किया। फोन को मुफ्त में इस्तेमाल करने के लिए, जिसका मतलब था कि मिन्नी और अशोक की जानकारी के बिना, उसे फ़ोयर में तब तक भटकना पड़ा जब तक कि मिन्नी अपनी दोपहर की झपकी के लिए अपने बेडरूम में नहीं चली गई और अशोक बेजहोट परिसर में "गांव" में चला गया। दो रिंग के बाद एक टेप संदेश आया, जिसमें कॉल करने वालों को सूचित किया गया कि वे समकालीन संचार संस्थान में पहुँच गए हैं, संस्थान का स्थान, और बीप के बाद नाम, फ़ोन नंबर और एक संक्षिप्त संदेश छोड़ने का निर्देश दिया गया है। अंजलि ने कभी टेप से बात नहीं की थी। जब तक वह अपना नाम बोलना शुरू करती, डायल टोन आ गई, और उसने घबराकर फोन काट दिया। कितना बदतमीज़!

अगली बार जब वह कंटेम्पररी कम्युनिकेशंस इंस्टिट्यूट को डायल करेगी तो वह आंसरिंग मशीन के लिए तैयार रहेगी। वह जानती थी कि उसे अपनी पहली सांस के साथ पीटर का नाम लेना चाहिए - इससे उसकी कॉल अन्य याचकों से अलग हो जाएगी - लेकिन क्या उसे उसे मिस्टर चैंपियन या पीटर के रूप में संदर्भित करना चाहिए, और क्या उसे अपनी योग्यता दिखाने के लिए क्षेत्रीय अमेरिकी उच्चारण ("पांच डॉलर!") की नकल करनी चाहिए?

अगले दिन दोपहर के भोजन के समय, जब टूकी दोस्तों के साथ पब में घूम रहा था और सुनीता अपनी नौकरी पर थी, अंजलि ने हुसैना, क्वीन ऑफ कूल के साथ अकेले होने का फायदा उठाया। उसने पूछा, "अगर तुम अपनी आँखें बंद करो और पहली बार मुझे सुनो, तो क्या तुम अनुमान लगाओगे कि मैं भारतीय हूँ?"

बिना एक पल की हिचकिचाहट के हुसैना ने जवाब दिया, "बेशक। और आप ऐसी आवाज़ कैसे निकाल सकते हैं?"

क्या हुसैना उसे यह भरोसा दिला रही थी कि भारतीय लहजा भविष्य के कॉल-सेंटर एजेंट के लिए जरूरी नहीं कि एक कमी हो? अंजलि ने सोचा कि हुसैना ने अपनी टिप्पणी को सिर पर थपथपाने के लिए कहा था, एक अच्छी तरह से स्थापित राय कि गैर-देसी अंग्रेजी लहजा गंभीर रूप से अतिरंजित है। उसने इस मुद्दे को आगे बढ़ाया:
"आप इतने अमेरिकी कैसे लगने लगे?"

हुसैना ने अपनी प्लेट पर रखे शेफर्ड पाई के टुकड़े के ऊपर से मसले हुए आलू के टुकड़े निकाले। "अगर तुम सच में जानना चाहते हो," उसने अंत में कहा, "मेरे पास कोई विकल्प नहीं था। मेरे माता-पिता ने मुझे दुबई के अमेरिकन स्कूल में भेजा था।"

Machine Translated by Google

अंजलि के बैंगलोर के अमीर, महानगरीय हुसैनाओं से प्रतिस्पर्धा करने की कोशिश करने का क्या मतलब था? उसे यहाँ नौकरी मिलने का कोई मौका नहीं था। उसने गौरीपुर से भागने की जहमत क्यों उठाई, और वह भी इतने नाटकीय ढंग से? यह अनुचित था कि हुसैनाएँ आकर्षक जीवन जी रही थीं। उसके हाथ नैपकिन रिंग के चारों ओर गुस्से से मुड़े हुए थे। बरिस्ता के वे सभी कॉल-सेंटर कर्मचारी, जिन्होंने बैंगलोर में अपने पहले घंटे के दौरान उसे इतना चकित कर दिया था - क्या वे भी महंगे विदेशी स्कूलों से स्नातक थे, जो अपने माता-पिता की मातृभूमि से फिर से परिचित हो रहे थे?

अशोक ने खाने की मेज़ पर इधर-उधर हाथ फेरते हुए प्लेटें और क्रूट स्टैंड हटा दिया। हुसैना ने पानी का पूरा गिलास गटक लिया। "अगर मुझे इस मामले में बोलने का अधिकार होता, तो मैं कभी भारत नहीं छोड़ती।" यह एक चौंकाने वाला कबूलनामा लग रहा था, जो महारानी, कभी भी परेशान न होने वाली हुसैना शिराज से आ रहा था। "अमेरिकन स्कूल एक बहुत बड़ी गलती थी। मेरे माता-पिता को कुछ नहीं पता था! ऐसा नहीं है कि अब कुछ भी ठीक किया जा सकता है।" उसके शब्द कड़वे थे, लेकिन हल्के-फुल्के और मुस्कुराते हुए कहे गए थे। "दूध बह गया, पुल के नीचे पानी गिर गया, कुत्ते सो गए, वगैरह, वगैरह।"

अंजलि हुसैना से ग्लैमरस दुबई में पले-बढ़े होने के बारे में पूछने के लिए बेताब थी
और, अगर वह हिम्मत करती, तो हुसैना की "गलती" से क्या मतलब था। वह तब तक इंतज़ार करती रही जब तक अशोक मिठाई परोसना समाप्त नहीं कर देता, जो हमेशा की तरह, रविवार को छोड़कर, एक जिलेटिनस बूँद थी जिसे मिन्नी ब्लैंकमैंज कहती थी। "काश हम कुछ और बात कर पाते।"

"हम करेंगे," हुसैना ने कहा।

"मैं एक काम माँगना चाहती हूँ।" अंजलि ने हुसैना की भौंहें सिकोड़ते हुए नज़रअंदाज़ किया। "शहर में मेरी एक महिला है, जो किसी तरह की जॉब-ट्रेनिंग अकादमी चलाती है। अगर मैं उसे फ़ोन करूँ, तो क्या तुम्हें लगता है कि वह मना कर देगी... मेरा उच्चारण कैसा है, तुम्हें पता है..."

"मिस हुसैना, मिस अंजलि, नेस्कैफ़े?" अशोक ने उन्हें टोक दिया.
मिन्नी ने मिठाई के बाद मिलने वाली इंस्टेंट कॉफी के लिए अतिरिक्त पैसे लिए। अशोक ने उनके जवाब का इंतज़ार किए बिना ही चीनी का कटोरा और क्रीमर और उनके कॉफी के चम्मच हटा दिए। "मीठा कोर्स खत्म हो गया, मिस?" उसका स्पष्ट रूप से मतलब था कि वे उन्हें डाइनिंग रूम से जल्दी से बाहर निकाल दें ताकि वह डाइनिंग रूम को लॉक कर सके-

Machine Translated by Google

रसोई-पेंट्री क्षेत्र में चले जाते हैं और दोपहर के शेष समय के लिए अवैध रूप से रहने वाले लोगों के गांव में गायब हो जाते हैं।

हुसैना ने उसे एक दबंग हाथ से दूर कर दिया। उसका ब्लैंकमैंज कांच की डिश में अछूता रहा। "चलो थोड़ा रिहर्सल करते हैं," उसने अंजलि की ओर मुड़ते हुए कहा। "मान लो कि मैं वह संपर्क हूँ। जब मैं सवाल पूछूँ तो तुम्हारे दिमाग में जो आए, कहो। तुमने अभी-अभी मुझे, संपर्क महिला को फोन किया है। मैं फोन उठा रही हूँ। संपर्क का नाम क्या है?"

"उषा। उषा देसाई।" उसने अशोक को दालान में टहलते हुए सुना।

"ठीक है, मैंने चार रिंग के बाद रिसीवर उठा लिया है," हुसैना ने कहा।
"मैं उषा देसाई हूँ।" उसने अपनी आवाज़ में बदलाव किया, जिससे वह अधेड़ और थोड़ी दबी हुई लग रही थी। "मैं किससे बात कर रही हूँ? कृपया अपना नाम और व्यवसाय स्पष्ट रूप से बताएँ।"

"हलो, मैडम..."

"नहीं, नहीं। कभी नहीं मैडम। जब तक कि वह हमारी पागल मिन्नी जैसी कोई बूढ़ी औरत न हो।"

"हैलो, मिसेज देसाई। मेरा नाम अंजलि बोस है..."

"नहीं। नहीं, और फिर नहीं। तुम्हें कैसे पता कि वह शादीशुदा है?"

अंजलि ने सोचा , वह कैसे नहीं हो सकती । महिला मध्यम आयु की है और वह समृद्ध है। "मुझे नहीं लगता," उसने स्वीकार किया।

"उसके लिए मिज़ को अपना डिफ़ॉल्ट बनाओ । ठीक है, इसे एक और बार आज़माओ। उषा देसाई यहाँ कौन बोल रहा है?

"सुप्रभात, मिज़ देसाई। मेरा नाम अंजलि बोस है, और मैं, मेरा मतलब है
मैं गौरीपुर, बिहार में श्री पीटर चैंपियन का छात्र था। उन्होंने मुझे आपके प्रशिक्षण केंद्र में प्रवेश करने की सिफारिश की है।"

"आपके शिक्षक ने बहुत सोच-समझकर काम किया है। क्या आपने इसके लिए आवेदन किया है?
प्रवेश के लिए आपकी योग्यता क्या है?

अंजलि ने अपना काल्पनिक टेलीफोन गिरा दिया। बेवकूफ़, बेवकूफ़, बेवकूफ़!

Machine Translated by Google

"यह शिक्षक कौन है?" हुसैना ने भूमिका-खेल जारी रखा। "वह विदेशी लगता है।"

"मिज देसाई उसे पहचान लेंगी," अंजलि ने विरोध किया। "मिस्टर चैंपियन ने कहा कि वह उसे सब जानते हैं।

हुसैना ने संदेह भरी भौंहें उठाईं। "ठीक है, फीडबैक का समय है। उसे नमस्कार करना ठीक है। शिक्षक का नाम और स्थान बताना भी ठीक है। जो कहना है, उसे सरल और सटीक रूप से कहें: सुप्रभात, वगैरह, वगैरह। मेरा नाम वगैरह, वगैरह है। मैं वगैरह, वगैरह का छात्र था, चाहे वह किसी भी शहर में हो, और संपर्क की प्रतिक्रिया का इंतजार करता था। वह कह सकती है, 'ओह, प्रिय वृद्ध वगैरह, वगैरह। वह कैसा है?' और फिर आप जवाब में कहते हैं 'वह स्वस्थ और तंदुरुस्त है, वह अपना वगैरह भेजता है।" क्या उसकी कोई पत्नी है? अगर है, तो उसका उल्लेख करना न भूलें, ताकि कोई छल-कपट न हो। आगे कहें 'मेरे शिक्षक ने कहा कि जब मैं बैंगलोर पहुँचूँ तो मुझे आपको फोन करना चाहिए, यह देखने के लिए कि क्या आप अपने प्रशिक्षण विद्यालय में मेरे लिए कोई स्थान ढूँढ़ सकते हैं।' उसके बाद, आप इसे अपने हिसाब से करें।

ये कक्षाएं बहुत महंगी हो सकती हैं। बस आपको पता होना चाहिए कि आप क्या खर्च करने जा रहे हैं।"

फीस के बारे में हुसैना की लापरवाही भरी टिप्पणी अब तक की सबसे डरावनी जानकारी थी; अंजलि ने यह नहीं सोचा था कि सीसीआई कोर्स के लिए उसे पीटर की तिजोरी से हजारों रुपए निकालने पड़ेंगे।

अंजलि ने अपनी ऊर्जा को छोटे कद की, चश्मा पहने सुनीता संपत को पालने में बरबाद नहीं किया । सुनीता के पास उसे सिखाने के लिए कुछ भी नहीं था। वह बहुत ही परिचित किस्म की लड़की थी; पास के एक छोटे से कस्बे की एक मध्यम वर्गीय हिंदू लड़की, पाँच बहनों और एक भाई में सबसे बड़ी, जिसने अंग्रेजी साहित्य में द्वितीय श्रेणी में कला स्नातक की डिग्री प्राप्त की थी। उसका भाई बैंगलोर में था, लेकिन बेरोजगार था और परिवार से अलग था। वह अपने परिवार की मदद करने के लिए तब तक काम कर रही थी जब तक कि उसके पिता ने उसके लिए जाति के अनुकूल वर नहीं ढूँढ़ लिया। "मैं एक मांग करने वाली व्यक्ति नहीं हूँ," सुनीता ने बेजहॉट गर्ल्स से कबूल किया, "लेकिन मैं किसी भी ऐसे उम्मीदवार को नकार दूँगी जो दहेज की उम्मीद करता है।"

Machine Translated by Google

बेचारी सुनीता, एंजी ने सोचा; जैसे छोटा और निकट दृष्टि होना कोई बड़ी बात नहीं थी।
इतना ही नहीं, उसने विवाह बाजार को भी कम महत्व दिया। किस तरह का वांछनीय लड़का खुद को
इतना कम समझता है कि वह दहेज की मांग नहीं करता?
और क्या तुम अपने पिता या खुद की नज़र में इतनी कम कीमत की हो कि कोई भी लड़का, जिसकी योग्यता कम हो और जिसमें आत्मविश्वास न हो, तुम्हें आसानी से हथिया सकता है? मेरे पिता भी मुझे गोल्फ़ क्लब के बराबर ही समझते थे। और फिर उन्होंने सोचा, इसे स्वीकार करने में लगभग शर्मिंदगी महसूस करते हुए, हाँ, सुनीता, तुम बहुत कम कीमत की हो।

बेजहोट लड़कियों में से हुसैना ही वह थी जो उसकी सबसे अधिक मदद कर सकती थी,
अंजलि ने फैसला किया। लेकिन जब भी अन्य बोर्डर आसपास नहीं होते थे, तो वह हुसैना को फ़ोयर में
घेरने की कोशिश करती थी, लेकिन वह परिष्कृत हैदराबादी के करीब नहीं आ पाती थी। अंजलि ने पूछताछ की,
लेकिन हुसैना शिराज ने अपने परिवार या अपनी उम्मीदों और इच्छाओं के बारे में कुछ भी नहीं बताया। उसने
अंजलि को एक आँख मारते हुए और एक चतुर वाक्यांश के साथ टाल दिया: "हैदराबाद में जो होता है वह हैदराबाद
में ही रहता है।" अपने परिवार के भाग्य के लिए, उसके पास दो शब्दों का स्पष्टीकरण था: "डैडी
ने काम किया।" उसकी अंग्रेजी एकदम सही थी और उसकी आवाज़ इतनी धीमी, इतनी आकर्षक और अंततः
इतनी अधिकारपूर्ण थी कि एंजी ने शिराज परिवार की अपनी तस्वीर बना ली: भारत और हांगकांग,
सिंगापुर और खाड़ी के बीच चलने वाला एक बेड़ा। दूसरी ओर, टूकी अनिवार्य रूप से दोस्ताना थी। "हलो"
के बजाय, वह हमेशा अंजलि को हार्दिक बधाई देती थी "अरे, तुम्हारा कोई पुरुष मित्र है? अगर नहीं है, तो मैं
तुम्हें सेट कर सकती हूँ।"

टूकी रहस्यमय था। शायद सभी ईसाई रहस्यमय थे।
टूकी की बहन मोजाम्बिक में नन थी, उसका एक भाई मैसाचुसेट्स में पादरी था, लेकिन उसने स्वयं
को दोषरहित संतुष्टि का अनुयायी घोषित किया था।
"देखो, मुझे एक चीज़ पसंद है," उसने अंजलि को समझाया, "लड़कों, शराब और नकदी के लिए। ढेर सारा
पैसा।" उसकी तीन बहनें और पाँच भाई थे, जिनसे वह सिर्फ़ क्रिसमस पर ही बात करती थी। अपने परिवार के
बारे में उसकी कहानियाँ मज़ेदार लेकिन घिनौनी थीं। उसके पिता ने पंद्रह साल से काम नहीं किया था,
क्योंकि एक बस दुर्घटना के कारण वह लंबे समय तक नहीं बैठ पाते थे - सिवाय एक फेनी बार में स्टूल पर
बैठने के।
उसकी मां, जो तलाक में विश्वास नहीं करती थी, ने पागल होने का विकल्प चुना था और एक पागलखाने में रह
रही थी।

टुकी की अपने बिखरते परिवार की कहानियों ने अंजलि को मोहित कर दिया।
क्या बेटी ने अपने माता-पिता के बारे में शर्मनाक राज उगले हैं?

Machine Translated by Google

अप्रिय पारिवारिक कमियों को बाहरी लोगों से छिपाने के लिए उसे पाला गया। टूकी हिंसक घटनाओं को हास्यास्पद बना सकती थी। उसने अपने उन भाइयों के लिए मज़ेदार उपनाम रखे थे जिन्होंने धार्मिक व्यवसाय में प्रवेश नहीं किया था - भाई सुस्ती, भाई लोलुपता, भाई ईर्ष्या, और भाई वासना - सात घातक पापों में से चार। यदि हुसैना एक अमूल्य गुरु थी, तो टूकी आराम करने के लिए एक बहुत अच्छी कोच थी।

और आज गोवा की टुकी अंजलि को हमेशा की तरह कुछ अलग पेशकश कर रही थी, उसे एक "पुरुष मित्र" से मिलवाने की पेशकश। आज वह "एक बंगाली हंक" की पेशकश कर रही थी।

बैंगलोर में बरिस्ता में अंजलि की पहली सुबह से ही पुरुषों के नाम तैरते हुए सामने आ रहे थे। मुंबई की लड़की और उसके काम के साथी। वे सभी हाई-फाइव करने वाले, कैफीन से भरे कॉल एजेंट जिनके मनगढ़ंत अमेरिकी नाम थे: डैरेन, विल, माइक, ब्रैड, टॉम, फ्रेड, हैंक, पॉल, जोश, जेफ। और शैम्पेन से कॉल करने वाला मुकेश/मिकी शर्मा। उसने टूकी से पूछा, "वह मोनीश लाहिड़ी कौन होगा?"

...

टुकी ने अपना चम्मच नीचे गिरा दिया। "क्या! मुझे फिर से बताओ कि तुम बैंगलोर में कितने समय से हो?"

उसे चुप रहना सीखना होगा। "दरअसल..." उसने दूसरे बंगाली पुरुषों के नाम टटोले। "मैं दूसरी संभावनाएँ भी सोच सकती हूँ।"
श्री जीजी का उल्लेख करने की कोई आवश्यकता नहीं है क्योंकि वह पंजाबी थे।

"केवल एक महत्वपूर्ण बात याद रखना, अंजलि।" टुकी ने रुककर फर्श से चम्मच उठाया और नैपकिन से उस पर लगे धूल के कण झाड़ दिए।
"डेट की आय की जांच करें। शरीर के अंग विनिमेय हैं।"

अंजलि को यकीन नहीं हो रहा था कि वह टूकी से संबंध बनाने के बारे में गंभीरता से सोच रही थी, टूकी द्वारा पुरुषों के शरीर के अंगों के बारे में की गई कामुक टिप्पणियों का आनंद लेना तो दूर की बात है। "लड़कियों वाली बातें" इस तरह से सुरीली सुनीता ने टूकी की सेक्स के बारे में बकबक को संदर्भित किया, जैसे कि "मेरे पास तुम्हारी लड़कियों वाली बातों के लिए समय नहीं है और अगर तुम्हें घर पैसे भेजने पड़ें तो तुम भी नहीं करोगे।"

"तुम्हारा भाई कैसा है?" टूकी ने पूछा।

Machine Translated by Google

सुनीता ने जवाब दिया, "उसे काम मिल गया है।" टूकी यह नहीं पूछ रहा था।

बोर्डर्स ज्यादातर अपने शुरुआती दोपहर के भोजन के दौरान एक दूसरे पर विश्वास करते थे।
टूकी और हुसैना रात भर शिफ्ट में काम करते थे-टूकी एक ऑटोमोबाइल बीमा कंपनी के लिए दावों को संभालता था, हुसैना सिटीबैंक ग्राहकों के लिए बंधक और गृह-ऋण विकल्पों को बताता था, और सुनीता एक दिन की नौकरी करती थी, यानी आधी रात की अमेरिकी नौकरी, जो सिक्योरट्रिक्स नामक एक गृह सुरक्षा कंपनी के लिए थी। "आपको यकीन नहीं होगा कि अमेरिका में कितने घर चोरी होते हैं! हर रात मुझे ये 'मेरी मदद करो!' कॉल आती हैं, और मुझे स्थानीय पुलिस को किसी ऐसे पते पर जाने के लिए सचेत करना पड़ता है जो मैंने कभी किसी अमेरिकी शहर में नहीं देखा है ... और यह सब भारत से!"

दोपहर के भोजन में, जिसमें हमेशा चावल से भरा मुलिगाटावनी सूप, बेस्वाद मटन स्टू या बकरी के मांस से बना शेफर्ड पाई और मिठाई शामिल होती थी - अशोक के पाक कौशल को किशोरावस्था में उसी घर में निखारा गया था और तब से उसे चुनौती नहीं दी गई थी - अंजलि ने कॉल सेंटरों में कार्यस्थल शिष्टाचार के बारे में जानकारी जुटाने की पूरी कोशिश की। उदाहरण के लिए, हुसैना और टूकी को अगर कोई कॉल-सेंटर एजेंट कहकर संबोधित करता तो वे अपना आपा खो देते थे।

वे "ग्राहक-सहायता सेवा विशेषज्ञ" थे, और आप इसे भूलने की हिम्मत न करें। उसने अमेरिकी मानसिकता और अर्थव्यवस्था के बारे में भी जानकारी छिपाई। टुकी के बीमा दृष्टिकोण से, अमेरिकी सड़क पर हर कार क्षतिग्रस्त मलबे की तरह होगी और सभी चालक घायल होकर चलते होंगे। अतिरंजित अमेरिकी लहजे में टुकी कहती थी, "मेरी नौकरी एक कुतिया है!

मैं तो थक गई हूँ यार!" हुसैना के लिए, सभी अमेरिकी कर्ज में डूबे हुए लापरवाह कर्जदार थे, उनके घर का स्वामित्व खतरे में था। हुसैना ने कहा, दूर से देखने पर अमेरिका आकर्षक लग सकता है, लेकिन करीब से देखने पर यह रहने के लिए एक डरावनी जगह है। किसी तरह टुकी हमेशा खाने की मेज पर बातचीत को उनकी मकान मालकिन के बारे में गंदी गपशप की ओर मोड़ने में कामयाब हो जाता था।

"आप इन एंग्लो-इंडियन्स की किसी भी बात पर भरोसा नहीं कर सकते। अगर मिन्नी अनमोल है
अगर कभी वायसराय इस घर में होता, तो मैक्सी उसे नौकरों के शेड में बंद कर देती।" मिन्नी की तरह टूकी भी अपने पूर्वाग्रहों को छिपाने वालों में से नहीं थी, सिवाय तब जब उसे लगता था कि मिन्नी चुपके से सब सुन रही है। अंजलि ने मिसेज बेजहोट के जीवन के टूकी के संस्करण से एक चतुर सबक सीखा: बाधाएं ही सीढ़ी हैं। भावुकताहीन लोग होशियार रहते हैं। वे आगे बढ़ते हैं।

Machine Translated by Google

अपनी ओर से, अंजलि ने एक पौराणिक गौरीपुर की झलकियाँ पेश कीं, जो एक भड़कीली, बॉलीवुडी रोशनी में ढली हुई थी। समलैंगिक नौकर अली टुकी के साथ बहुत लोकप्रिय था। अंजलि के अनुसार, उसने अपनी पुरानी साड़ियाँ उसे दे दीं। हिंदू विवाह व्यवस्था की कॉमेडी- उसने सुबोध मित्रा के साथ अपनी भयानक कार यात्रा को छोड़ने का ध्यान रखा- विजेता थी। रबी चटर्जी को एक पुराने स्कूल के दोस्त में बदल दिया गया था, शायद वह प्रेमी जिससे उसकी शादी होने वाली थी। उसने यह सब अंग्रेजी में गढ़ा क्योंकि अंग्रेजी ही एकमात्र ऐसी भाषा थी जो बेजहॉट हाउस के बोर्डर्स के बीच आम थी। इसके अलावा, अंग्रेजी कल्पना की भाषा थी।

हिन्दी और बांग्ला भाषा केवल नीरस वास्तविकता लेकर आई।

कम से कम फिलहाल तो अंजलि की मुश्किलें पैसे की समस्याएँ थीं, जिन्हें संभाला जा सकता था। उसने पीटर चैंपियन से मिलने वाली अपनी जमापूंजी खत्म कर दी थी (जिसके बारे में उसने खुद से कहा कि यह एक मेरिट स्कॉलरशिप है, न कि लोन)। खर्च बचाने के लिए अंजलि ने दूसरे किराएदारों की शैम्पू की बोतलों में हाथ डालना शुरू कर दिया, उनके टूथपेस्ट को अपने पुराने ब्रश पर निचोड़ना शुरू कर दिया, छोटे-छोटे जार से उनकी महंगी फेस क्रीम की बूँदें निकालना शुरू कर दिया और फ्रॉस्टेड-ग्लास फ्लास्क से आयातित कोलोन छिड़कना शुरू कर दिया। गौरीपुर की अंजलि महंगे टॉयलेटरीज़ के साथ प्रयोग करने में बहुत डरपोक थी और गौरीपुर की एंजी चोरी करने के लिए बहुत घमंडी थी। बैंगलोर की अंजलि, एक कल्पनाशील प्राणी, खुद को एक चतुर उत्तरजीवी मानती थी, जो असमान खेल के मैदान को समतल करती थी।

इसके अलावा, अंजलि ने तर्क दिया, टूकी और हुसैना चोरी होने का जोखिम उठा सकते हैं। ऐसा नहीं है कि वे अपने वेतन के बारे में शेखी बघारते हैं, लेकिन वे इस बात पर झगड़ते हैं कि उन्हें किस तरह का मोटराइज्ड स्कूटर खरीदना चाहिए, शहर का कौन सा इलाका कोंडो में निवेश करने के लिए सबसे उपयुक्त है, और कौन से बैंक उन्हें कम ब्याज वाले बंधक और ऋण के प्रस्तावों के साथ सबसे आक्रामक तरीके से लुभा रहे हैं। वे अक्सर "अंतिम परिणाम" और "दीर्घकालिक हितों" के बारे में बात करते थे।

टूकी का वेतन बहुत ज़्यादा होना चाहिए था, क्योंकि वह दस या बारह "नए लोगों" की ज़िम्मेदारी वाली "टीम लीडर" थी। निरंतर नकदी प्रवाह कैसा होना चाहिए?
उसने संकल्प लिया कि वह इतना सब कुछ जुटा लेगी कि दोबारा उषा देसाई को फोन कर सकेगी।
कल, या परसों.

***

एक दोपहर, उसके तीनों सहपाठी काम पर चले गए, मिन्नी दोपहर के भोजन के बाद सो गई, और अशोक आउटबिल्डिंग में रहने वाली अंजलि से मिलने चला गया।

Machine Translated by Google

बंद लेकिन खुले बॉलरूम, बिलियर्ड्स रूम, कंजर्वेटरी, रिसेप्शन हॉल, धूम्रपान कक्ष, तथा भूतल पर स्थित तीन बेडरूम सुइट्स, जिनके साथ बाथरूम और ड्रेसिंग रूम जुड़े हुए थे, में कुछ असावधानीपूर्वक ताक-झांक की।

बॉलरूम का फर्श इस तरह से ऊपर की ओर झुका हुआ था कि उसे उस पर चलने के लिए अपनी सांस रोकनी पड़ी। ड्रेसिंग रूम उस कमरे से दुगुने आकार का था जिसमें वह और उसकी माँ सोया करती थीं। दो सेट के पर्दे, एक मोटा और एक पारदर्शी, प्रत्येक खिड़की के ऊपर मखमल से ढके हुए पेलमेट से लटके हुए थे। गौरैया ने स्कोनस और झूमरों में घोंसला बना लिया था, और किसी ने टहनियाँ और सुतली नहीं हटाई थी। चूहों ने सेटियों के ब्रोकेड असबाब को कुतर दिया था और भारी लकड़ी के चाइज़ लॉन्ग को कुतर दिया था।

छिपकलियाँ करूबों की टूटी हुई मूर्तियों पर ऊपर-नीचे दौड़ रही थीं।

वह बॉलरूम से बाहर निकलने ही वाली थी कि तभी तस्वीरों की एक पंक्ति सामने आई दूर की दीवार पर लगे एक चित्र ने उसका ध्यान खींचा। गायब हो चुके अधिकारियों के केले की खाल के हेलमेट वाले सामान्य चित्रों के विपरीत, ये विस्तृत, काले और सफेद परिदृश्य थे, जो कि सैन्य दृश्य प्रतीत होते थे, जिन्हें पीतल में फ्रेम किया गया था। जैसे-जैसे वह करीब आई, उसे उल्टी होने लगी। नदी के किनारे साड़ी पहने शव बिखरे पड़े थे। चेहरे युवा थे, उससे अधिक उम्र के नहीं।

सिखों के शव - आप उन्हें उनकी पगड़ियों से पहचान सकते थे - जलाऊ लकड़ी की तरह ढेर में रखे हुए थे, और शवों के बीच वर्दीधारी ब्रिटिश सैनिक चल रहे थे, जो बड़े पैमाने पर मुस्कुरा रहे थे। एक ने एक मृत सिख के सिर पर अपना पैर रखा हुआ था, जो ग्रेट व्हाइट हंटर की मुद्रा में था। शायद वह युवा मैक्सफील्ड बेजहोट था। उसे उम्मीद थी कि वह वही होगा। अगर ऐसा था, तो मैक्सी और मिन्नी के सभी कार्य और राय अक्षम्य थे और बेजहोट हाउस के बोर्डर्स द्वारा किए गए सभी अपराध वीरतापूर्ण थे। एक अन्य पेंटिंग में फाँसी पर लटके हुए लोगों की एक दूर की पंक्ति दिखाई गई थी, सिखों के बाल कटे हुए थे, जो अपनी पगड़ियों से लटके हुए थे, जो डूबते सूरज के सामने छाया में थे। बेजहोट हाउस भयावहता का एक संग्रहालय था।

उसने महसूस किया कि वह क्रोध से भर गई है, फिर विष। इसका हिसाब होना ही था। उसने सोचा कि क्या पिछले कुछ सालों में अन्य बैजहॉट लड़कियों ने भी यही गुप्त यात्रा की होगी, और उनके द्वारा जानबूझकर किए गए द्वेषपूर्ण कार्यों के कारण कितनी "डंप" हुई होंगी। उसे पीटर चैंपियन की याद आ रही थी - वह इन तस्वीरों के बारे में बता सकता था। शायद वह पीटर के बाद पहली महिला थी जिसने इस गोदाम पर आक्रमण किया, वस्तुओं को छुआ और इतिहास के कठोर अपमान को महसूस किया।

Machine Translated by Google

वह लंबी और बर्फीली थी। कोई भी उसे छू नहीं सकता था। अगर मिन्नी दरवाजे पर खड़ी होती और बैगहॉट हाउस के नियमों का उल्लंघन करने वाली होती, तो अंजलि उसे धक्का देकर नीचे गिरा देती और उसकी हड्डियों पर चल देती। उसने अपने स्वेटर के नीचे एक चांदी का प्याला रख लिया। स्कूल में, उसे भारत के "वीर स्वतंत्रता सेनानियों" को समर्पित इतिहास की किताबों के अध्यायों से कभी खास लगाव नहीं था, और भारतीय स्वतंत्रता के "शहीदों" की ऊंची मूर्तियों ने उसे ठंडा कर दिया था। गौरीपुर में आज भी ऐसे परिवार हैं जो अपने परदादाओं की गिरफ़्तारियों और जेलों के गौरव पर जी रहे हैं। अब तीन पुरानी तस्वीरों ने उसे वह प्रशंसा दी है जो उसने पहले कभी महसूस नहीं की थी।

मैं भारतीय हूँ, उसने सोचा। मैं उन तरीकों से भारतीय हूँ जिस तरह से इस घर में कोई और भारतीय नहीं है, सिवाय शायद बेचारी सुनीता संपत के। मेरी जड़ें भारत के अलावा कहीं और नहीं हैं। मेरे पूर्वजों को हर किसी ने नफ़रत की और सताया, सिवाय उनके खुद के। मैं सोनाली-दी को समझता हूँ, यहाँ तक कि बाबा को भी। अंत में, उसने प्रामाणिकता के लिए एक परीक्षा ली: तुम इस तस्वीर के किस तरफ हो? क्या तुम्हारा पैर मेरे सिर पर है, क्या तुम एक फाँसी पर चढ़े हुए योद्धा हो, या तुम पुरुषों को उनकी पगड़ी से लटकते हुए और महिलाओं के शवों को नदी के किनारों पर जमा होते हुए देखकर हँस रहे थे? मेरे जीवन में हर किसी ने मुझे बदलने की कोशिश की है, मुझे कुछ अलग करने की इच्छा जगाई है, और मुझे शर्मिंदा किया है कि मैं शायद उतना अच्छा नहीं हूँ। मुझे अपना नाम और अपना उच्चारण क्यों बदलना चाहिए, मुझे उन लोगों से कॉल लेने का मौका क्यों माँगना चाहिए जिन्होंने बहुत अधिक पैसा खर्च किया है या अपनी कारों को खाई में गिरा दिया है?

वह बेहतर मूड में अपने खाली कक्ष में वापस चली गई। कम से कम अब उसे पता था कि उसे डरने और आभारी होने की ज़रूरत नहीं है। मिन्नी सिर्फ़ अतीत नहीं थी - वह वह चीज़ थी जिसका वर्णन अख़बार के कॉलम में किया गया था; वह चाइनाटाउन थी, वह बिल्डिंग बूम के तहत हड्डियाँ थी। बेजहॉट हाउस को एक सम्मानजनक पता माना जाता था, जो युवा कामकाजी लड़कियों के लिए पहला पड़ाव था।

बैजहॉट हाउस ने अपनी खुद की सिफ़ारिश की। मिन्नी को एक ऐसे बोर्डिंग हाउस को चलाने के लिए सराहा गया जो कॉर्पोरेट जगत के लिए एक अच्छी ट्रेनिंग थी, लेकिन इसमें कुछ भी सराहनीय नहीं था। अंजलि, जिसने ब्रिटिश काल को एक लंबे कॉमिक ओपेरा के रूप में देखा था, को सभी भारतीय मृतकों और उनके द्वारा झेले गए अपमान से अचानक जुड़ाव महसूस हुआ। उसने देखा कि उसके माता-पिता अभी भी डरे हुए हैं और अभी भी उपनिवेशवाद के जख्मों से उबर रहे हैं और चमकदार नए बैंगलोर को पूरी तरह से भूलने वाला शहर बना दिया है। और यह सब झूठ था।

घर के नियम लागू नहीं होते थे, खासकर तब जब इसे मिन्नी बेजहोट से लेकर

Machine Translated by Google

अंजलि बोस जैसी युवा महिला। उसने चांदी के प्याले को टी-शर्ट में लपेटा और उसे अपने सैमसोनाइट के अंदर ठूंस लिया।

दूसरी बार जब अंजलि ने कंटेम्पररी कम्युनिकेशंस इंस्टिट्यूट में जाने की कोशिश की, तो उसे फिर से आंसरिंग मशीन मिली। लेकिन इस बार टेप पर मौजूद आवाज़ ने कॉल करने वालों को सूचित किया कि अगले सत्र की शुरुआत तक इंस्टिट्यूट का दफ़्तर बंद है, जिसके लिए कोई रिक्तियाँ नहीं हैं। आंसरिंग मशीन ने संदेश स्वीकार नहीं किए। अंजलि परेशान नहीं हुई। उषा देसाई को उसके बारे में पीटर का पत्र अवश्य मिला होगा। पीटर के सबसे अच्छे छात्र पर "कोई रिक्ति नहीं" संदेश लागू नहीं हो सकता। वास्तव में, अगर उषा देसाई उसके कॉल का इंतज़ार करने के बजाय बैगहॉट हाउस में उससे संपर्क नहीं करती, तो वह पीटर के नेटवर्किंग कौशल से निराश हो जाती।
अगर टेप ने इसकी अनुमति दी होती, तो उसने बिना सोचे-समझे एक संदेश भेजा: "मैं अंजलि बोस हूँ, गौरीपुर में पीटर चैंपियन की छात्रा। उसने अपना अभिवादन भेजा है और मुझे बैंगलोर पहुँचते ही आपसे संपर्क करने के लिए कहा है। मैं अभी बैगहॉट हाउस में हूँ।
फ़ोन नंबर है—"

लेकिन तभी एक क्लिक की आवाज हुई और डायल टोन आ गई।

अपने प्रवास के तीन सप्ताह बाद , अंजलि को पता चला कि उसे अपने बंद बरामदे के लिए अन्य तीन किरायेदारों के समान ही किराया देना पड़ रहा है, जबकि उन तीनों के पास विशाल कमरे थे, जिनमें से प्रत्येक में ऊंची छत, ऊपर पंखा और एक दरवाजा था जिसे अतिरिक्त सुरक्षा के लिए बोल्ट और पैडलॉक किया जा सकता था। तो क्या हुआ अगर सुनीता के सोफे से बिल्ली के पेशाब की गंध आ रही थी, या हुसैना के कमरे में सोने के किनारे वाले शीशे में बीच में दरार थी, या खटमल ने टूकी को पागल कर दिया था?

उसने दूसरों से पूछा कि क्या उसे मकान मालकिन से भिड़ना चाहिए।

हुसैना ने सलाह दी, "टकराव कभी भी सही तरीका नहीं है।" "कभी भी अपनी बात न कहें। शहद की एक बूंद हमेशा जवाब होती है।"

Machine Translated by Google

टूकी ने बीच में कहा, "ज़रूर, शहद के साथ जाओ। पहले कुछ दिन, तुम
परिवीक्षा पर। बूढ़ी औरत यह सुनिश्चित करना चाहती है कि आप उसके मानकों पर खरे उतरें।"

"कौन से मानक?"

"केवल बूढ़ी औरत ही जानती है। मुझे लगता है कि यह दर्द की बहुत कम सीमा है। मेरे यहाँ पहले हफ़्ते में एक पेइंग गेस्ट को बाहर निकाल दिया गया क्योंकि उसने सूप का चम्मच इस्तेमाल करने के बजाय अपना सूप का कटोरा उठाया और उसे निगल लिया। बूढ़ी औरत टेबल मैनर्स के मामले में बेवकूफ़ है।"

"लेकिन इस विंग में तो दर्जनों कमरे हैं। वह मेरे लिए एक और कमरा क्यों नहीं खोल सकती?"

"वास्तविकता को पहचानो! कौन जानता है कि तुम्हें क्या मिलेगा? मैं कल्पना नहीं कर सकता कि किसी दरवाजे के पीछे क्या है। अपने लिए खोजबीन करो। लेकिन अगर बूढ़ी औरत ने तुम्हें पकड़ लिया, तो यह पक्का कूड़ाघर है।"

"क्या तुमने जासूसी की है?" उसने पूछा.

सुनीता ने अपने टेक्स्ट मैसेज चेक करते हुए ऊपर देखा। "हिम्मत नहीं कर पाऊँगी!" उसने कहा।
चिल्लाया। "सार्वजनिक कमरे पूरी तरह से वर्जित हैं। वर्बोटेन!" वह अपनी सुरक्षा कंपनी में जल्दी पदोन्नति पाने की उम्मीद में भाषा टेप से जर्मन सीख रही थी, जिसे हाल ही में एक जर्मन समूह ने अपने अधीन कर लिया था।

टूकी ने हंसते हुए कहा। "सब कुछ जोखिम में क्यों डालना? जहाँ तक मेरा सवाल है, सबसे महत्वपूर्ण बात अंतिम परिणाम है। हम पागलखाने में कैदी हो सकते हैं, लेकिन हम सस्ते दामों पर रह रहे हैं क्योंकि बूढ़ी लड़की समय के चक्र में फंसी हुई है। उसे लगता है कि रुपया अभी भी डॉलर के मुकाबले पाँच गुना है। नए बोर्डिंग हाउस में, हम तीन अन्य लड़कियों के साथ साझा किए जाने वाले छोटे कमरों के लिए बीस गुना ज़्यादा पैसे खर्च करेंगे।"

हुसैना ने कहा, "वास्तव में, मैंने एक नज़र डाली है।" उसने नीचे की ओर देखा ।
लंबे, अंधेरे गलियारे में। "हम शायद बेजहॉट हाउस में अकेले रूमर्स नहीं हैं। हम मिन्नी के एकमात्र पेइंग गेस्ट हैं, हाँ,
लेकिन मैं क्या कहना चाह रहा हूँ।" ⋯ मैं तुम्हें इसका पता लगाने दूँगा

Machine Translated by Google

अंजलि ने स्वीकार किया, "मैंने वहां का दौरा किया था।" "आप कल्पना भी नहीं कर सकते कि वहां कितना कचरा पड़ा है।"

राजसी हुसैना ने झल्लाकर कहा, "मैं इसे कचरा नहीं कहूंगा।"
"शायद अव्यवस्थित। बिना क्यूरेटर वाले संग्रहालय की तरह।"

अंजलि ने सोचा, यह तो अव्यवस्थित, असंग्रहित भयावहताओं का संग्रहालय है।

उन्होंने इस अंतिम अनुस्मारक के साथ निर्णय अंजलि पर छोड़ दिया: मिन्नी से भिड़ने का जोखिम उठाने का मतलब हो सकता है कि उन्हें छोड़ दिया जाए, जो कि जेब के लिए बुरा था, कम से कम अस्थायी रूप से। लेकिन हवा रहित बेजहॉट हाउस से निष्कासन, इसके गुप्त रहस्यों और अलंकृत नियमों के साथ, बैंगलोर की विशेष स्वतंत्रता-प्रेम और रोमांच में रिहाई का वादा करता था। मिन्नी ने सस्ते साफ कमरे और पुराने बैंगलोर की प्रतिष्ठा का स्पर्श प्रदान किया, लेकिन एक आधुनिक, तेज-तर्रार, मौज-मस्ती करने वाली भारतीय लड़की के रूप में किसी की आत्म-छवि को नुकसान पहुँचाया।

Machine Translated by Google

5

शश-वह मैक्सी के भूत से बात कर रही है!"

बैगेहोट हाउस की लड़कियाँ बारह बजे सीढ़ियों के ऊपर एकत्रित हुई थीं
दोपहर का समय था, अशोक के टिफिन की घोषणा करने के लिए घंटी बजाने का इंतज़ार कर रहा था, जो मिन्नी का लंच-ऑवर भोजन के लिए शब्द था जिसे उसने अशोक से पैडलॉक किए गए औपचारिक भोजन कक्ष से बाहर एक कोने में परोसा था। लेकिन मिन्नी फ़ोयर में थी, टेलीफ़ोन पर बात कर रही थी। उसकी पीठ आगे की ओर झुकी हुई थी और उसने दोनों हाथों से भारी रिसीवर को अपने बाएं गाल पर रखा हुआ था; उसकी आवाज़ सामान्य से ज़्यादा तेज़ थी और खिलखिलाती-लड़कियों जैसी लग रही थी।

"उसका फोन करने वाला एक सज्जन व्यक्ति है!" सुनीता ने चौंककर कहा।

शाही हुसैना ने एक अजीब सी आँख मारी। "टूकी, तुमने अपने एक पुरुष मित्र को इस चाल के लिए भेजा है, है न? मैड मिन्नी को तो देखो, वह इतने मोटे मेकअप के नीचे शरमा रही है!"

"और तुम," मिन्नी ने मुस्कुराते हुए कहा। "बहुत समय हो गया! और मैं नहीं हूँ
मैं अब जवान नहीं रहा, लेकिन मैं अभी भी एक या दो वाल्ट्ज के लिए अच्छा हूं। या तीन।"

टूकी ने अपने दिल की बात कह दी। मैं निंदा से परे हूँ, उसकी नज़र ने कहा, जब वह बाकी तीनों को सीढ़ियों से नीचे ले गई। सुनीता ने खाँसते हुए मकान मालकिन को चेतावनी दी कि फ़ोयर में उसके साथ कुछ लोग हैं।

"ओह, शानदार! खैर, अभी के लिए अलविदा।" लेकिन मिन्नी ने फोन नहीं काटा। वह अपने बोर्डर्स की ओर मुड़ी। "तुम्हारे लिए," उसने रिसीवर आगे बढ़ाते हुए घोषणा की। कोई भी युवती उसे लेने नहीं पहुंची। इयरपीस बेज फेस पाउडर से सना हुआ था। "क्या बात है? मैं इस कॉल को रिसीव करने के लिए तुमसे कोई शुल्क नहीं ले रहा हूँ, अंजलि।"

"मैं, मैडम?" एकमात्र व्यक्ति जो जानता था कि उन तक कैसे पहुंचा जाए, वे थे मिस्टर.
जीजी. उसे उम्मीद थी कि उसका उत्साह हुसैना और टूकी को स्पष्ट रूप से नहीं दिखाई देगा।
"अंजलि बोस यहाँ हैं," उसने बुदबुदाते हुए कहा, जब मिन्नी ने रिसीवर उसके चेहरे पर धकेल दिया।

Machine Translated by Google

और बहुत दूर से उसने एक जानी-पहचानी आवाज़ सुनी: "एंजी, यह मैं हूं, पीटर।"

उनकी आवाज़ बहुत अमेरिकी थी, बरिस्ता में विली, मिकी और हैंक्स की अमेरिकी मजाक-मस्ती जैसी नहीं ।

"पीटर! मैं अभी तुम्हारे बारे में बात कर रही थी!" यह झूठ नहीं था, सच में नहीं। जब हुसैना ने उषा देसाई की भूमिका निभाई थी, तब उसने उसका नाम लिया था, ताकि वह उस कॉल की तैयारी कर सके जो उसने अभी तक नहीं की थी। "तुम कहाँ हो, पीटर?" ओह, प्लीज, प्लीज, उसने प्रार्थना की, उसे बैंगलोर से दूर रहने दो।

"यह पीटर है" ये वो शब्द थे जिनसे उसे सबसे ज़्यादा डर लगता था। उसने कल्पना की कि वह क्या करेगा पूछें: आपने उषा देसाई को क्यों नहीं बुलाया? आपने कितना पैसा बर्बाद किया है? उसने अपना बचाव तैयार नहीं किया था। मैंने मिज़ देसाई को कॉल करने की कोशिश की, लेकिन लाइनें व्यस्त थीं, मेरा मतलब है, लाइन व्यस्त थी। या एक बड़ा झूठ: मैंने कॉल किया लेकिन उसने मेरा नाम नहीं पहचाना। सिवाय इसके कि मिन्नी को तब पता चलेगा कि उसने एक मुफ़्त आउटगोइंग कॉल किया था और निश्चित रूप से उसे छोड़ देगी। या मैं बस उसे कॉल करने के लिए हॉल में आया था। यह मानसिक टेलीपैथी है! वह अपमानजनक सच्चाई को कैसे स्वीकार कर सकती है कि वह उषा देसाई की उत्तर देने वाली मशीन से डर गई थी?

"खैर, मुझे खुशी है कि तुम बेजहॉट हाउस पहुँच गई। तुम प्यारी मिन्नी से ज़्यादा सुरक्षित हाथों में नहीं हो सकती। अब सी.सी.आई. के बारे में..."

मिन्नी, टूकी, हुसैना और सुनीता उसके चारों ओर इकट्ठे होकर उसकी बातें सुन रहे थे। यहां तक कि सूप परोसने के लिए डाइनिंग रूम के दरवाजे पर इंतजार कर रहे अशोक ने भी अंजलि के तीन सप्ताह से अधिक समय में किए गए एकमात्र फोन कॉल में रुचि दिखाई। यह एक ऐसा समय था जब वह ध्यान का केंद्र बनना पसंद नहीं करती थी।

"सीसीआई?" अंजलि ने पूछा। उसे लगा कि उसने जो मुहावरे और उच्चारण सीखे थे, वे अब भी उतने ही प्रभावी हैं। पीटर चैम्पियन की वार्तालाप कौशल कक्षाओं में लगन से भाग लेने वाली छात्राएं उसे छोड़ देती हैं।

"उषा का पहनावा. समकालीन संचार संस्थान. उसने कहा कि वह आपसे कोई खबर नहीं मिली।"

"ओह, सी.सी.आई." वह बुदबुदाई। तो उसका गौरीपुर का हितैषी उसका पीछा कर रहा था। प्रगति की कमी। कोई अनिर्णीत जवाब न दें; स्वीकार न करें

Machine Translated by Google

टालमटोल. "मैं सहमत हूँ..."

"माफ़ करना? तुम रिश्ता तोड़ रही हो, एंजी। कनेक्शन खराब है।"

"अगले सोमवार को मैं योजना बना रहा हूँ..."

"मैं सोमवार तक नहीं रुक सकता, लेकिन कम से कम मैं यह सुनिश्चित कर सकता हूँ कि आपके पास एक उषा के साथ साक्षात्कार की तैयारी है। सुनिए, मैं सप्ताहांत के लिए उड़ान भर रहा हूँ।"

"यहाँ? तुम आ रहे हो?"

"शुक्रवार दोपहर को आ रहा हूँ।"

टुकी ने हुसैना की बाहों में गिरते हुए एक प्रेमी की बेहोशी का अभिनय किया।
"रोमियो, रोमियो, तुम कहाँ हो" - उसने ये शब्द कहे।

"इस शुक्रवार को आप आ रहे हैं?"

"मिन्नी मेरे लिए एक कमरा तैयार कर रही है।"

"आप बैगेहोट हाउस में रह रहे हैं?"

मिन्नी ने नाक भौं सिकोड़ी। "मैं इस प्यारे लड़के को और कहां रखूंगी?"

"मैंने सोचा कि गौरीपुर की खबरें व्यक्तिगत रूप से देना बेहतर होगा, एंजी।"

इससे पहले कि वह इसे रोक पाती, उसके मुंह से एक "हे भगवान!" निकल गया। पीटर यह क्यों नहीं मान पाया कि उसने गौरीपुर को अपने जीवन से उसी तरह निकाल दिया था, जैसे उसके पिता ने इस्तेमाल किए हुए उस्तरे से उसके पैरों से कॉर्न्स और कठोरपन को निकाला था? उसने अली के बारे में पूछकर खुद को संभालने की कोशिश की।

"हमारे पास बात करने के लिए बहुत कुछ है, एंजी।"

"क्या इसका मतलब यह हुआ..."

मिन्नी ने अंजलि की पीठ पर अपने फीतेदार दस्ताने वाली उंगलियाँ थपथपाईं। "लंबी दूरी
"फोन करो," उसने सख्ती से कहा। अंजलि को संकेत मिल गया और उसने अलविदा संक्षिप्त रखा।

Machine Translated by Google

"एक नए दरबार की शुरुआत।" टुकी ने अंजलि को पकड़ते हुए हंसी।
कमर से पकड़कर लोमड़ी की तरह उसे मकान मालकिन से दूर ले गया। "क्या तुम यकीन करोगी कि बूढ़ी
गाय ईर्ष्या करती है?"

अशोक ने टिफिन की घंटी बजाए बिना उन्हें खाने के कमरे में ले गया। उनकी जगह हमेशा की तरह एक साफ-सुथरे प्लास्टिक के मेज़पोश पर रखी गई थी। जैसे ही वे अपनी सीट पर बैठे, मिन्नी ने मैक्सी की मदद के बिना बेजहॉट हाउस गाला, एक सच्चा दरबार आयोजित करने की कठिनाई पर एकालाप शुरू किया, भगवान उनकी आत्मा को शांति दे। मुख्य अतिथि के अलावा मेहमानों की संख्या आठ तक सीमित होनी थी, क्योंकि औपचारिक भोजन कक्ष में मेज पर केवल दस भोजन करने वालों को ही जगह दी जा सकती थी। अपनी उत्तेजना में, उसने अपनी श्रवण सहायता निकाल ली थी। "चलो अब देखते हैं, प्रिय ओपल फिलपोट को आमंत्रित किए बिना बिल्कुल नहीं रहा जा सकता । आप सभी ने मुझे गरीब, प्रिय ब्रिगेडियर जनरल की असामयिक मृत्यु के बारे में बात करते हुए सुना है।"

सुनीता ने आज्ञाकारी स्वर में कहा, "हां, मैडम।"

"पोलो खेलते हुए मर गई," मिन्नी ने अंजलि को बताया।

टुकी ने अंजलि के पैर को अपने पैर से दबाया। "पिछली बार जब उसने कहानी सुनाई थी, "दिवंगत, शोकाकुल बूढ़े को बाघ के शिकार के दौरान सिर में दुर्घटनावश गोली लग गई," उसने फुसफुसाते हुए कहा।

अशोक मेज पर इधर-उधर घूम रहा था और सूप परोस रहा था। गाढ़ी क्रीम
अंजलि ने खुशी से कहा कि उसे फूलगोभी पसंद है, न कि हमेशा की तरह बेस्वाद मुलिगाटावनी।
वह सूप में चम्मच डुबाने ही वाली थी कि उसकी नज़र फूलगोभी के बीच में सफेद रंग के कीड़ों पर पड़ी। उसकी माँ हमेशा कच्ची फूलगोभी के टुकड़ों को नमकीन पानी में आधे घंटे तक भिगोती थी ताकि उन्हें पकाने से पहले उनमें से कीड़े निकल जाएँ । उसकी माँ इस स्थिति से कैसे निपट रही थी? क्या उसके खुद के शर्मनाक भागने से सोनाली-दी और बाबा करीब आ गए थे?

"असोके रूबी को हाथ से निमंत्रण दे सकता था। रूबी थिसलथवेट
वह कभी भी न्यूज़ीलैंड नहीं जा पाई, जैसी उसने उम्मीद की थी।" मिन्नी ने सूप का एक छोटा चम्मच लिया और अपने लिनेन नैपकिन से अपने होठों को पोंछा, जिससे होंठों पर लाल रंग की लिपस्टिक का धब्बा रह गया। "नहीं। प्रिय ओपल मुझे कभी माफ़ नहीं करेगी अगर मैंने रूबी को आमंत्रित किया, खासकर तब जब रूबी ने जिमखाना में बहुत ज़्यादा जिन फ़िज़ पीने के बाद ब्रिगेडियर जनरल का अपमान किया था।"

Machine Translated by Google

"विधवा ओपल ही उसकी एकमात्र जीवित मित्र है," टुकी ने बड़बड़ाते हुए कहा। "और वह मुश्किल से जीवित है।"

जब तक अशोक ने मिठाई की प्लेटें साफ कीं, मकान मालकिन आ गई थीं।
बिना किसी अतिरिक्त नाम के। उसने अपनी श्रवण यंत्र को पाया और लापरवाही से उसे फिर से लगा दिया। उसने अंजलि से पूछा- लगभग उससे विनती की- कि क्या वह अपने पूर्व शिक्षक के बैंगलोर के दोस्तों को जानती है जिन्हें आमंत्रित किया जाना चाहिए। अंजलि को पूरा यकीन था कि वह अभी उषा देसाई से नहीं मिलना चाहती थी, मिन्नी की शर्तों पर नहीं, लेकिन यह श्री जीजी को प्रभावित करने का एक शानदार मौका था कि वह बेजहॉट हाउस के इतिहास के अमेरिकी विशेषज्ञ को इतनी अच्छी तरह से जानती थी कि उसे डिनर पार्टी में आमंत्रित किया जा सके। "वास्तव में कोई है ," अंजलि ने कहा।

"श्री गुजराल आपके घर पर श्री चैम्पियन की पुस्तक के प्रशंसक हैं।"

मिन्नी मुस्कुराई। "बिल्कुल सही! आज ही अपनी सुविधानुसार कॉल करें, कोई शुल्क नहीं। अशोक, नमक की खुशबू। ओह, मैं इस समारोह को लेकर इतनी बेचैन हूँ कि मेरा सिर चकरा रहा है!"

अशोक ने मकान मालकिन की कुर्सी को डाइनिंग टेबल से दूर धकेला और उसे खड़ा होने में मदद की। फिर उसने सूप से सने अपने जैकेट की जेब से एक छोटी हरी बोतल निकाली, ढक्कन खोला और बोतल को उसके नथुने से सटा दिया। उसने हल्की सी सांस ली। "तुम लड़कियों को भी आमंत्रित किया गया है," उसने कहा और अशोक को कमरे से बाहर निकलने में मदद की ताकि वह हमेशा की तरह दोपहर की झपकी ले सके।

"बूढ़ी गाय उस गंध को कैसे सहन कर सकती है?" टूकी कांप उठा।

"इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि आजकल के ज़माने में सुगंधित नमक कहाँ से खरीदा जाता है?" हुसैना ने कहा। वह अंजलि की ओर मुड़ी और आँख मारी। "बहुत बढ़िया काम है।
पूर्व और भावी प्रेमियों को परिचित कराना!"

Machine Translated by Google

भाग तीन

Machine Translated by Google

1

बागेहोट हाउस में साठ वर्षों में यह पहला दरबार आयोजित हो रहा था।

जिस दिन पीटर चैम्पियन ने गौरीपुर से फोन किया, उस दिन दोपहर बाद तक, बुधवार को, अशोक ने परिसर के अनाधिकृत निवासियों की एक छोटी सेना को नियुक्त किया था, ताकि नीचे के कमरे से बासी राज-युग के फर्नीचर, फफूंद लगे मखमली पर्दे, और चूहे द्वारा कुतर दिए गए ओरिएंटल गलीचे को हटाया जा सके, टूटे हुए मोज़ेक फर्श और पानी से सने दीवारों को कीटाणुनाशक से साफ किया जा सके, छत के पंखे के ब्लेड से मकड़ी के जाले साफ किए जा सकें, और कमरे को मिन्नी के निजी सुइट से हल्के फर्नीचर से सुसज्जित किया जा सके: बॉक्स स्प्रिंग और ढेलेदार गद्दे के बजाय फोम की एक मोटी स्लैब वाला एक ट्विन प्लेटफॉर्म बिस्तर, एक अंडाकार दर्पण और असबाबवाला स्टूल वाला ड्रेसिंग टेबल, तीन दराजों वाला चेस्ट, एक कोट ट्री, टिका हुआ ढक्कन वाला एक कॉम्पैक्ट लेखन डेस्क, और चिंट्ज़ से ढका हुआ एक भरपूर भरा हुआ लवसीट।

मिन्नी के बैगहॉट हाउस के राज-युग की समृद्धि के बारे में सभी-अच्छा, बहुत-से-दावे सच थे। वास्तव में वहाँ चांदी की ट्रे और चांदी की चाय की सेवा के ढेर, भारी चांदी के कटलरी के लकड़ी के बक्से, कट-ग्लास डिकेंटर और गोब्लेट, गिल्ट-एज शैंपेन फ्लूट, बैगहॉट परिवार के प्रतीक चिन्ह वाले बढ़िया बोन चाइना, चांदी की टोपी वाले हाथी के दाँत और बाघ की खाल से बने कालीन थे जो परिसर में ऐसे स्थानों पर रखे गए थे जो केवल अशोक को ही पता थे। सजे-धजे हाथी उसकी शक्ति से परे थे। लेकिन उसके पास बैगहॉट परिसर में रहने वाले बहुत से लोगों को भर्ती करने की शक्ति थी - और उसने ऐसा किया भी - ताकि वे वह काम कर सकें जो दरबार के सुनहरे दिनों में लिवरीड बटलर, बियरर, रसोइए और सफाई कर्मचारियों द्वारा किया जाता होगा।

लेकिन जीवित मुर्गियों और बत्तखों की डिलीवरी का भुगतान कौन कर रहा था? अंजलि ने सोचा, "ताजा कटा हुआ मटन।" टोकरियाँ आती रहीं: फल, सब्जियाँ, मिठाइयाँ, एक केक। और अंत में फ्रेंच शैंपेन का एक केस।

शैंपेन? ऐसे उपहार कौन खरीद सकता है? उसके किसी भी साथी बोर्डर, यहाँ तक कि जिज्ञासु टूकी ने भी कोई ठोस अनुमान नहीं लगाया। मिन्नी के पास रहस्यमयी आपूर्तिकर्ता थे।

शुक्रवार की सुबह अशोक ने आधा दर्जन किशोर लड़कों को फूलों के पेड़ों की टहनियाँ काटने के लिए कहा, जिन्हें उसने छतरियों के लिए बनाए गए स्टैंड में चिपका दिया।

Machine Translated by Google

खोखले हाथी के पैरों से। मिन्नी ने खुद दो गैराज में रहने वाली माँ और बेटी की टीमों की देखरेख की, जो डिनर प्लेट, सूप प्लेट, पानी के गिलास, पंच बाउल और नींबू पानी के जग के ढेर को धोती और सुखाती थीं।

अशोक ने एक स्क्वैटर लड़की को प्रशिक्षित किया, जिसे अंजलि ने खिड़की के फ्रेम पर बैठे और आग की रोशनी में अपने बालों को कंघी करते हुए देखा था, टेबल पर सेवा करने का सही तरीका बताया, फिर उसे मुख्य घर के पीछे सांपों से भरे जंगल में फूल इकट्ठा करने के लिए भेजा। लड़की निडर रही होगी; वह नंगे पांव घने वनस्पतियों में चली गई और दो बाल्टी भरकर वापस आई, जिसे हुसैना और अंजलि को तात्कालिक फूलदानों में सजाना और फिर से सजाना था - मुख्य रूप से नींबू पानी के घड़े, पंच बाउल और पुराने चैंबर पॉट्स - जब तक कि व्यवस्था ने मिन्नी की स्वीकृति नहीं पा ली। अंजलि को पीटर का छोटा सा मजाक याद आया: "मुझे बड़ी उम्र की महिलाओं से बात करने का तरीका आता है।" उनके दौरे की तैयारी वास्तव में स्मारकीय थी, इतिहास को पलटने वाली। अपोप्लेक्टिक गुलाबी रंगत वाले कर्नलों के पीतल के फ्रेम वाले चित्रों को बाहर रखा गया; पीतल के टॉप वाली भारतीय टेबल और नीली त्वचा वाले कृष्ण, प्रेम के देवता, हाथीदांत-पीले बादाम-आंखों वाली दूधियों के साथ खेलते हुए दीवार पर लटके हुए। मिन्नी को एक स्कूली छात्रा की तरह उत्साहित देखकर, पीटर का स्वागत करने की योजना बनाते हुए, अंजलि को एक अजीब सी शक्ति का अहसास हुआ। मिन्नी को अली के बारे में कुछ भी नहीं पता था; अंजलि ने यह रहस्य छिपा रखा था।

***

शुक्रवार की शाम को, जब अंजलि अपने कमरे के अव्यवस्थित फर्श पर टहल रही थी, यह तय करने की कोशिश कर रही थी कि अपनी सबसे पतली काली सूती पैंट के साथ दो टॉप में से कौन सा पहनना है, तो हुसैना ने अपना सिर अंदर डाला। "तुम्हारा क्या ख़याल है?" अंजलि ने पूछा। "मेरे पास इस चूहे के बिल में एक भी अच्छा आईना नहीं है। मिन्नी में इतनी हिम्मत है कि वह मुझसे इतना किराया वसूल रही है!"

हुसैना ने अंजलि से टॉप्स ले लिए। "मैं सोच रही थी कि क्या तुम्हें ये पसंद आएगा? मेरा एक घाघरा सेट उधार लेने के लिए। मिन्नी आज रात को ड्रेस-अप की रात के रूप में सोचती है।" उसने नाटकीय ढंग से कांपते हुए कहा। "कौन जानता है कि वह किस शानदार फफूंदयुक्त गाउन में खुद को सजाएगी।"

अंजलि को हुसैना की खूबसूरत औपचारिक पोशाक में मिस्टर जीजी से मिलने का मौका पाकर बहुत खुशी हुई। वे दोनों एक ही बार मिले थे और तभी उनकी अच्छी दोस्ती हो गई थी।
और बैंगलोर में अपने नए जीवन के पहले दिन उसने क्या पहना था?

Machine Translated by Google

पसीने से लथपथ, उधेड़ी हुई जींस और टी-शर्ट जिसमें उसने गौरीपुर से अपनी यात्रा पूरी की थी। वह हुसैना के सहज स्टाइलिश लुक की चाहत रखती थी। लेकिन अंजलि को यकीन था कि हुसैना के महंगे कपड़े उस पर आकर्षक और परिष्कृत दोनों लगेंगे। मिस्टर जीजी कैसे अभिभूत नहीं हो सकते थे?

हुसैना का कमरा बहुत बड़ा था। अंजलि को बड़े से चार-पोस्टर बिस्तर, शेर के सिर वाले पीतल के पुल वाले शीशम की लकड़ी के दराज और अलमारियाँ, धूप में उजले मखमली पर्दे और विस्तृत रूप से फ़्रेम किए गए चित्रों से ईर्ष्या होती थी: तामझाम और धनुष के साथ फ़्रॉक्स में सुनहरे बालों वाली छोटी लड़कियाँ, ऊन की गेंदों के साथ खेलती हुई बिल्ली के बच्चे।

"जो तुम्हें पसंद हो, उधार ले लो," हुसैना ने अंजलि से आग्रह किया, क्योंकि उसने छत से फर्श तक फैली अलमारी का दरवाज़ा खोला। "सुनीता सलवार-कमीज को प्रेस कर रही है, जो मैं आज रात पहनूँगी। वह लड़की इतनी निस्वार्थ है, कि यह लगभग परेशान करने वाली बात है।" हुसैना की अलमारी का अंदरूनी हिस्सा रेशम के हल्के इंद्रधनुष से चमक रहा था। "की लाइम, लेमन शिफॉन, खुबानी, आम, रास्पबेरी शर्बत। मैं उन्हें अपना जस्ट डेजर्ट कहती हूँ। जाओ, अपनी पसंद का सामान चुनो। मैं ब्लूबेरी में रहूँगी।"

"मैं नहीं कर सकती," अंजलि ने बिना मतलब के कहा। उसने रेशम को उँगलियों से छुआ, जॉर्जेट और ऑर्गेन्ज़ा।

"क्या तुम्हें वे पसंद नहीं हैं?" हुसैना ने दुखी स्वर में कहा।

"वे सुन्दर हैं।"

हुसैना ने अलमारी से दो पिस्ता-हरे रंग के गरारा सेट निकाले। एक क्रिस्टल मोतियों से सजा था, दूसरा सेक्विन से। "स्वारोवस्की," उसने कहा। "यही मैंने सगाई के बाद अपने मंगेतर के साथ अपनी पहली असली डेट पर पहना था। हमने आइसक्रीम सनडे खाया।" उसने अलमारी का शीशे वाला दरवाज़ा बंद किया और उनके प्रतिबिंबों की ओर इशारा किया। "पिस्ता आपकी आँखों से मेल खाता है।"

उसने अंजलि को अपने करीब खींचा, अपने शरीर को अंजलि से जोर से सटाया जैसे कि उन दोनों के शरीर को एक करने की कोशिश कर रही हो। "वही हरी-भरी आँखें, क्या तुम यकीन करोगे?"

हुसैना की अचानक तीव्रता से अंजलि डर गई, लेकिन वह जोखिम नहीं उठाना चाहती थी। महंगा गरारा उधार लेने का मौका खोना, जो श्री को भड़का सकता था। जीजी.

Machine Translated by Google

"हम बहनें हो सकती हैं," हुसैना ने आगे कहा। "अगर हम एक जैसे कपड़े पहनें, तो मुझे यकीन है कि हम जुड़वाँ लग सकती हैं।" उसने हंसते हुए क्रिस्टल से सजी पोशाक अंजलि को थमा दी। "मैं चाहती हूँ कि यह तुम्हारे पास हो। और सिर्फ़ आज रात के लिए नहीं।"

"ओह, मैं नहीं कर सकती..." अंजलि ने कहा, लेकिन उसने टॉप पकड़ लिया। अमीर और रहस्यमयी हुसैना उदारता दिखा सकती थी, तो उसके शानदार उपहार को अस्वीकार करके उसका अपमान क्यों किया जाए? जैसा कि टुकी अक्सर टिप्पणी करता था, हुसैना के इरादों के बारे में चिंता करने का कोई मतलब नहीं था: "वह इतनी अमीर है, वह एक अलग ग्रह पर रहती है।"

हुसैना ने अंजलि की नेवी स्ट्रेच टी-शर्ट के ऊपर चमकदार टॉप पहना।
"तुम अपने युवक के लिए बहुत सुंदर दिखने वाली हो।"

मेरा जवान आदमी? उसने सोचा कि हुसैना का इशारा पीटर चैंपियन की ओर था, न कि मिस्टर जीजी की ओर। "वह मेरा जवान आदमी नहीं है।" वह हुसैना को आंशिक रूप से विश्वास में ले सकती थी। "पीटर जवान नहीं है। तुम आज रात देखोगे।"

"लेकिन आप अपने शिक्षक को उनके प्रथम नाम से बुलाते हैं?"

"यह एक अमेरिकी बात है। असल में, वह मेरे पिता की उम्र के हैं।"

हुसैना ने अपनी भौंह को ऊपर उठाया, "बीस, पच्चीस क्या है?"
विशाल योजना में वर्षों का समय लग सकता है?"

"वह मेरे पिता से भी बड़े हो सकते हैं ⋯ और उसके पास कोई और है।"

"आह, यह घातक हिचकिचाहट। यह घातक कोई और।"

अंजलि यह नहीं बता पाई कि हुसैना उसे सांत्वना दे रहा था या चिढ़ा रहा था। "मुझे लगता है कि अमेरिकी लोग यह कहना पसंद करते हैं, 'उसका एक साथी है।'"

हुसैना ने अंजलि के कंधे पर मातृत्वपूर्ण हाथ रखा। "यह सब व्यापार है व्यवस्था। आपको इसकी आदत हो जाएगी।

"चीजों की विशाल योजना में।" अंजलि ने हुसैना के वाक्यांश को दोहराया। यह एक सुखद विचार था। "यह सब प्रकाश और कोण का मामला है, है न?"

Machine Translated by Google

2

श्री जीजी, फूलों का एक बड़ा गुलदस्ता और पीटर चैंपियन की किताब की एक प्रति लेकर, सबसे पहले पहुंचे। मिन्नी के अनुसार, पुराने दिनों में, बॉल गाउन और टेल्स में मेहमानों का स्वागत एक लंबी रिसेप्शन लाइन द्वारा किया जाता था, जो मैक्सी, मिन्नी और सम्मानित मेहमानों के साथ समाप्त होती थी। गठिया और गरीबी ने मिन्नी को इस तरह के बेजहॉट हाउस परंपराओं से दूर रहने के लिए मजबूर कर दिया था। अशोक को पोर्टिको में मेहमानों का स्वागत करने के लिए एक स्वागत योग्य सलाम के साथ मिलने का निर्देश दिया गया था, उसने श्री जीजी को औपचारिक ड्राइंग रूम की दहलीज पर पहुँचाया, फिर लंगड़ाते हुए अपने पद पर वापस आ गया। ब्रोकेड कैफ़टन में राजसी मिन्नी ने खुद को कमरे के केंद्र में एक विंग कुर्सी पर बैठाया था और अंजलि उसके ठीक बगल में एक ओटोमन पर एक घंटे पहले बैठी थी। अन्य तीन बोर्डर प्रतीक्षा करने वाली महिलाओं की तरह उसके पीछे मंडराते थे, उसे मांस से भरे पेस्ट्री के ऐपेटाइज़र देते थे और उसके रम पंच के गिलास को फिर से भरते थे।

"वह सज्जन व्यक्ति जिसके व्यवहार आकर्षक है, क्या वह वही प्रशंसक है जो हमारे पीटर से मिलना चाहता है?" मिन्नी ने नशे में फुसफुसाते हुए अंजलि से पूछा। "वह एक आकर्षक व्यक्तित्व वाला व्यक्ति है।"

अंजलि को यकीन नहीं हो रहा था कि वह कितनी आकर्षक है! उसे मिस्टर जीजी की याद आ गई थी। वह एक दुबला-पतला, थोड़ा-सा पेट निकला हुआ आदमी था, लेकिन वह यहाँ था, लंबा और राजसी, काली रेशमी शेरवानी और सफेद रुच्ड चूड़ीदार पहने हुए, परिचारिका की ओर बढ़ रहा था।

"तुम्हारे संस्कार कहाँ हैं, बच्चे? चलो, उठो और उसे मुझसे मिलवाओ।"

"मिस्टर गुजराल!" अंजलि अपनी उत्तेजना को छिपा नहीं पाई। वह इतनी जल्दी में नीचे की ओट्टोमन से उठी कि उसके एक जूते की स्टिलेटो हील गलीचे की धागों की बुनाई में फंस गई, और अगर लचीले मिस्टर जीजी ने पीटर की भारी किताब को एक हाथ में नहीं दबाया होता और गुलदस्ता लेकर उसे संभालने की कोशिश नहीं की होती, तो वह कुछ फूलों को चोट पहुंचाने के बजाय एक अनरोमांटिक गिरावट का शिकार हो जाती।

"मैं आप पर ऐसा ही प्रभाव डालता रहता हूँ," उसने मज़ाक में कहा। फिर उसने अपना पूरा मुँह घुमाया। मिन्नी की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए कहा, "आखिरकार मुझे इस शानदार हवेली की मालकिन से मिलने का सौभाग्य मिला है, जिसकी मैं लंबे समय से प्रशंसा करता रहा हूँ।"

Machine Translated by Google

उन्होंने मुस्कुराते हुए वह क्षतिग्रस्त गुलदस्ता उनकी ओर बढ़ाया। "आप कैसी हैं, मैडम?
गिरीश, प्लीज। मेरे क्लाइंट भी मुझे मिस्टर गुजराल नहीं कहते।'

मिन्नी ने खिलखिलाकर हँसते हुए गुलदस्ता स्वीकार किया और उसे गुलदस्ते में रखने के लिए सुनीता को थमा दिया। "गिरीश, यह है। तुम कैसे हो, गिरीश। एक समाधि में एक संन्यासी के साथ भोजन करने के लिए समय निकालने के लिए धन्यवाद।"

"रत्न," श्री जीजी ने कहा, दस्ताने पहने उंगलियों को हवा में चूमते हुए जो उसने उन्हें पेश किया,
"मकबरा नहीं। और रत्नों की बात करें तो" - उसने अपना ध्यान अंजलि की ओर फिर से केंद्रित किया - "क्या एक सप्ताह या एक महीना हो गया है ... बरिस्ता? ऐसा लगता है जैसे चौबीस घंटे हो गए हों।" अंजलि चमक उठी, उसके शिष्टाचारपूर्ण व्यवहार से खुश हो गई। "क्या बदलाव है, और तुमने कांच की चप्पल भी नहीं पहनी है!"

कांच की चप्पलें? उसे कुछ भी समझ में नहीं आया। उसके स्लिंगबैक अजगर की खाल के थे, कल वीएम रोड पर एक नए खुले बुटीक में अचानक से खरीददारी करके।

हुसैना टुकी और सुनीता से अलग हो गई और मिस्टर जीजी से अपना परिचय कराया। "पंच? नहीं, तुम पंच से ज़्यादा शैंपेन हो।" उसने अपने हाथ ताली बजाई और पेंट्री में किसी को आवाज़ लगाई। स्वेटसूट पहने एक खुरदुरा सा दिखने वाला लड़का शैंपेन की बोतलों की ट्रे लेकर आया। "कृपया।" उसने मिस्टर जीजी से आग्रह किया।

जीजी को एक स्वीकार करना होगा।

श्री जीजी ने ट्रे से दो शैंपेन की बोतलें निकालीं और एक अंजलि को तथा दूसरी हुसैना को दी।

"ओह, मैं शराब नहीं पीता, जीजी," हुसैना ने समझाया। "माफ कीजिए। मुझे पीना पड़ता है
रसोई के कर्मचारियों की जांच करो। वे नए हैं।" वह चली गई।

अंजलि ने शैंपेन का अपना पहला गिलास पी लिया था,
उसे चिंता थी कि मिस्टर जीजी उसे शराबी समझेंगे। वह हुसैना से सीख क्यों नहीं ले सकती थी?

दूसरे मेहमान के शोरगुल से अंजलि को ध्यान भटकाने का मौका मिल गया। "बैक गार्डन" में
अवैध रूप से रहने वाले दो तगड़े युवकों ने ओपल फिलपोट को, युद्ध से पहले की व्हीलचेयर पर, मिन्नी के बगल में बिठा दिया। लाल मखमली पोशाक में असामान्य रूप से भद्दे दिखने वाले टूकी ने ओपल के लिए एक गिलास पंच और मिन्नी के लिए एक और जिन फ़िज़ लाया। सुनीता

Machine Translated by Google

टुकी की ओर मुँह बनाकर देखा। "उसे और मत खिलाओ," उसने विनती की जब वे अंजलि और मिस्टर जीजी के पास पहुँचे। "उसे खाने की ज़रूरत है। वैसे भी यह अमेरिकी कहाँ है?"

टुकी हँसा। "बूढ़ी गाय को ले जाने का एकमात्र तरीका है नशे में धुत होना।"

" मुख्य अतिथि कहां हैं ?" श्री जीजी ने सवाल आगे बढ़ाया।

उसे कुछ भी पता नहीं था। गौरीपुर से फोन आने के बाद से वह संपर्क में नहीं था। फ्लाइट में देरी? उसे बस इतना पता था कि उसने अली को पूरे सप्ताहांत के लिए छोड़ने के बारे में अपना मन बदल लिया था। किसी भी मामले में, वह राजसी जीजी के अविभाजित ध्यान का आनंद ले रही थी।

"धैर्य, जीजी," हुसैना ने कहा।

अंजलि को हुसैना की सहज शालीनता से ईर्ष्या हुई। "धैर्य," उसने दोहराया। "पीटर कभी अपना वादा नहीं तोड़ता।"

और पीटर चैम्पियन, एक बड़ा खाकी डफ़ल बैग और कपड़े का बुक बैग लेकर, जैसे कि किसी संकेत पर ड्राइंग रूम में दाखिल हुए हों। वह अकेले नहीं थे। उनके साथ दो भारतीय महिलाएँ खड़ी थीं, जिनकी उम्र चालीस के आसपास थी।

"मेरी प्यारी, प्यारी मिन्नी।" उसने मिन्नी को एक स्नेही चुंबन के साथ बधाई दी
"तुम एक दिन भी बड़ी नहीं लगती हो, जब मैंने तुम्हें पिछली बार देखा था!" उसने उसे आयातित ब्रांडी की एक बोतल थमा दी।

"बकवास, पारदर्शी बकवास! लेकिन कृतज्ञतापूर्वक स्वीकार किया गया।" मिन्नी ने फोन किया
कुर्सी की एक बाजू पर रेशमी डोरी से लटकी हुई छोटी घंटी बजाकर अशोक को बुलाया। "अशोक मूर्ख बन रहा है! उसने हमारे मेहमान का सामान क्यों नहीं उतारा?"

अंजलि श्री जीजी के साथ ड्राइंग रूम के एक कोने में बैठ गई।
गौरीपुर में जिस चैंपियन को वह जानती थी, वह लंबा और गंजा था और अक्सर अपने पतले बालों को पीछे की ओर लटकाकर एक लटकी हुई चोटी बनाता था। गौरीपुर का पीटर एक पुराने स्कूटर पर चलता था, कुर्ता और नीली जींस पहनता था और महिलाओं की संगति से दूर रहता था। बैंगलोर का पीटर उससे छोटा था, जितना उसे याद था, उसने गहरे रंग का सूट, सफेद शर्ट और लाल टाई पहनी थी और दो खूबसूरत लड़कियों के साथ घुलमिलकर रहता था।

Machine Translated by Google

दो महिलाएं, जिनमें से एक ने रेशमी पैंटसूट पहना हुआ था और दूसरी ने कढ़ाई वाली रेशमी साड़ी पहनी हुई थी।

पीटर ने दोनों महिलाओं का परिचय परिचारिका से अपनी मित्र मिस उषा के रूप में कराया।

देसाई और श्रीमती पार्वती बनर्जी। "मेरी अब तक की सबसे होनहार छात्रा कहाँ है?" उन्होंने कमरे में चारों ओर देखते हुए पूछा। जब उन्होंने पिस्ता घाघरा पहने आकर्षक युवती को देखा और महसूस किया कि वह एंजी है, तो वह उसके पास गए, उसे एक फिल्म की तरह गले लगाया, उसके बड़े शहर में आए बदलाव की तारीफ की, फिर उसके कान में फुसफुसाए, "हमें कल कुछ गंभीर काम पर चर्चा करनी है। आज रात, हालांकि, मिन्नी की रात है।" फिर उन्होंने उसे पैंटसूट पहने उषा देसाई और साड़ी में लिपटी पार्वती बनर्जी से मिलवाया, और कहा कि पार्वती बनर्जी रवि चटर्जी की मौसी हैं। उन्होंने बताया कि वह सीधे हवाई अड्डे से सीसीआई गए थे, क्योंकि उन्हें सीसीआई बोर्ड के साथ चर्चा करनी थी।

उन्होंने कहा, "पार्वती और उषा साझेदार हैं।"

पीटर की बात तो सही थी, लेकिन उसने कभी इसका अंदाजा नहीं लगाया था।

उषा ने उसकी उलझन को नोटिस किया होगा। वह मुस्कुराई और बोली, "मुझे लगता है कि पीटर इसका मतलब है साझेदारी। पार्वती और मैं सीसीआई के सह-संस्थापक हैं।" उन्होंने प्रवेश साक्षात्कार के लिए सोमवार को अंजलि को बुलाने का वादा किया।

कम से कम उषा देसाई थोड़ी भारतीय लहजे में अंग्रेजी बोलती थीं। इससे वह कम खतरनाक लगती थीं। अंजलि रबी की चाची की ओर मुड़ी। "मुझे रबी को सुनना बहुत पसंद है," उसने उत्साह से कहा। "वह बहुत शानदार है।"

"रबी के इर्द-गिर्द आप सिर्फ़ सुन सकते हैं।" पार्वती हँसी। बिल्कुल सही अमेरिकी लहज़ा। कैलिफ़ोर्निया, अंजलि ने फैसला किया। "वह मेरा इकलौता भतीजा है, उसकी माँ हम तीन बहनों में सबसे छोटी है और सैन फ़्रांसिस्को में रहती है। तारा - जो मेरी बहन है - अपने पिता के पचासवें जन्मदिन पर उसके घर आने की उम्मीद कर रही थी, लेकिन तुम जानते हो रबी! वह पूरे भारत में घूम रहा है, ऐसी जगहें जहाँ मैं कभी नहीं गई।"

"क्या वह आपसे मिलने आएगा?"

Machine Translated by Google

इसमें कोई संदेह नहीं था कि पार्वती को अंजलि की प्रशंसा से खुशी मिली होगी।
अपने भतीजे के बारे में। "अभी रबी केरल में कहीं प्रकृति की फोटोग्राफी के लिए गया हुआ है।" उसने अंजलि के गाल पर प्यार
से थपथपाया। "मुझे लगता है कि मैं तुम्हें थोड़ा-बहुत जानती हूँ। क्या तुम्हें बुरा लग रहा है? मेरा मतलब यह नहीं है कि मैं तुम्हें जानती हूँ ,
गौरीपुर में तुम्हारी एक तस्वीर के अलावा। रबी ने दक्षिण की ओर भागने से पहले इसे हमारे पास छोड़ दिया था। जब तुम उससे मिली थी, तब
वह पोर्ट्रेट फोटोग्राफी में था। हम - यानी मेरे पति और मैं - उसके कार्टियर-ब्रेसन चरण को पसंद करते थे, लेकिन वह उससे आगे निकल
चुका है।"

"अगर वह वापस आता है..." अंजलि ने खुद को रोका, शर्मिंदा। वह इतनी आगे कैसे बढ़ सकती है कि
निमंत्रण के लिए भीख मांग रही है? वह जानती थी कि उसे रवि की ओर क्या आकर्षित करता है, लेकिन
उसकी चाची की ओर? एक अजनबी से दोस्ती की उसकी सहज पेशकश, जिसके बारे में वह कुछ भी
नहीं जानती थी? उसे पार्वती की भरोसे की क्षमता से ईर्ष्या हुई।

"ओह, रबी वापस आ जाएगा। उसे अमेरिका लौटने की कोई जल्दी नहीं है।"

श्री जीजी नमकीन की प्लेट और शैंपेन की ताज़ा बोतल लेकर अंजलि के समूह की ओर बढ़े। अंजलि ने
कभी परिचय जैसी सामाजिक शिष्टाचार को नहीं संभाला था। क्या यह पुरुष से महिला का परिचय था? छोटे से
बड़े का? कितनी जीवनी उचित थी? उसने श्री जीजी को समूह के किनारे पर मंडराने दिया ताकि वे
अपनी बातचीत का रास्ता खोज सकें।

सीसीआई के भागीदारों ने आगे बढ़कर असहजता को कम किया। हाथ आगे बढ़ाए, मजबूती से हाथ
मिलाया, उनके नाम बताए। जब उन्होंने अपना परिचय दिया तो ऐसा लगा कि वे श्री जीजी का नाम पहचान
गए हैं। तो श्री जीजी बैंगलोर में किसी तरह की मशहूर हस्ती रहे होंगे। अंजलि ने अपनी आवाज़ पाई। "और
गिरीश, मैं चाहती हूँ कि तुम मेरे शिक्षक पीटर चैंपियन से मिलो। पीटर, गिरीश गुजराल।"

चारों मेहमान वर्चुअल कंस्ट्रक्शन और गिरीश गुजराल की फर्म विस्ट्रोनिक्स द्वारा विकसित की
जा रही परियोजनाओं के बारे में गूढ़ बातचीत में डूब गए। ओपल फिलपोट और मिन्नी बेजहोट अपनी कुर्सियों
पर बैठे हुए इस बात पर जोर-शोर से बहस कर रहे थे कि जिमखाना में हुई ऐसी कौन सी घटना थी जिसके
कारण रूबी थिसलथवेट और ओपल के बीच भयंकर दुश्मनी पैदा हो गई थी।

हुसैना अभी भी रसोई में थी और अवैध रूप से रहने वाली महिलाओं की देखरेख कर रही थी

Machine Translated by Google

खाना पकाने और परोसने में व्यस्त रहती थी, या खाली बरामदे में बैठकर लंदन में अपने मंगेतर से मोबाइल फोन पर बात कर रही होती थी।

परिचारिका और मेहमानों के अस्थायी रूप से व्यस्त हो जाने के बाद, टुकी और सुनीता अंजलि के साथ बैठ गए।

"क्या वह तुम्हारे लिए बहुत बूढ़ा नहीं है?" सुनीता चिंतित लग रही थी।

टुकी ने पूछा, "तो क्या तुमने अभी तक कोई तारीख तय कर ली है? और तुमने इस गिरीश नाम के लड़के को कहाँ छुपा रखा है? लड़की, तुम्हारे पास दिल्ली के किसी नेता से ज़्यादा रहस्य और ज़्यादा कोण हैं। जब तुम्हारा उससे काम हो जाए, तो क्या तुम मुझे सेट कर सकती हो?"

अंजलि ने सोचा , उस लाल ड्रेस में नहीं । कुछ लड़कियाँ नीली जींस और स्कूप्ड नेक वाली टी-शर्ट के लिए ही बनी होती हैं, और हममें से कुछ लोग महंगे सिल्क के कपड़े पहन सकती हैं।

ओपल और मिन्नी अपने हाथ पंखे के साथ मारपीट करने वाले थे
कौन सा आदमी दोषी था, "वह मूर्ख हंस" या "वह बदमाश, वह बदमाश", जब हुसैना अंततः ड्राइंग रूम में प्रकट हुई और
घोषणा की कि अशोक पार्टी को डाइनिंग रूम में ले जाने के लिए तैयार है।

मेज के शीर्ष पर अपनी जगह से , मिन्नी ने ध्यान आकर्षित करने के लिए अपने पानी के गिलास को थपथपाया, और फिर गिरीश गुजराल की कुछ बहादुरी भरी मदद से, वह अपने पैरों पर खड़ी हो गई। एक गहरी, दृढ़ आवाज़ में उसने सभी मेहमानों के स्वागत में एक अच्छी तरह से तैयार किया गया भाषण दिया: नए आगंतुक, पुराने दोस्त और निवासी।

"जब मुझे बेजहोट हाउस और वह सब कुछ विरासत में मिला जो आप आज रात देख रहे हैं और
आप जो नहीं जानते, मैं अभी भी एक युवा, मासूम और प्रभावशाली महिला थी। वास्तव में, एक लड़की से थोड़ी बड़ी। जब मेरे
दिवंगत पति ने मुझे इससे परिचित कराया, तो मैं स्वीकार करती हूँ कि मैं अभिभूत हो गई थी। इतना अभिभूत कि मुझे लगा कि मैं इसके लायक नहीं हूँ। मैंने इसके रखरखाव का जिम्मा अपने न्यायप्रिय और बहादुर पति और उनके वफादार कर्मचारियों पर छोड़ दिया। किसी न किसी तरह, मुझे यह विश्वास दिलाया गया कि भारत का नव स्वतंत्र देश इसे बनाए रखने और यहाँ तक कि इसे बनाए रखने की अपनी ज़िम्मेदारी का सम्मान करेगा

Machine Translated by Google

विरासत में मिली इसकी भव्यता को और बढ़ाएं। आपके देश की संस्थापक पीढ़ी के कई लोगों ने - मुझे उनके नाम लेने की जरूरत नहीं है - इसी मेज पर मनोरंजन किया है। लेकिन मेमसाहब के रूप में मेरे साल दुखद रूप से कम हो गए। सटीक तौर पर कहूं तो वे तीन साल तक चले। और अगले साठ सालों में, मैंने सीखा है कि जो बेजहोट हाउस की मालिक है, वह एक पवित्र ट्रस्ट की मालिक है। और वह इसकी अकेली मालिक है। उसे रंग की हर बूंद, कांच के हर शीशे, हर टूटी टाइल के लिए लड़ना होगा। हमारे सम्मानित अतिथि ने आज रात यह मामला बनाया है: बेजहोट हाउस पुर्तगालियों या मुगलों या यहां तक कि अंग्रेजों की बेहतरीन मौजूदा वास्तुकला के साथ यूरोप की महान सम्पदाओं में शुमार है। मैं प्रशंसित ताजमहल को भी शामिल करता हूं। पचास से अधिक वर्षों से, मैंने अच्छे परिवारों की देशी लड़कियों को खोए हुए भारत की भावना प्रदान की है उस समय गरीबी थी, बेशक भारत में हमेशा से गंदगी रही है, और अकथनीय पीड़ा रही है...भारत के इतिहास में ऐसा कब हुआ है जब अज्ञानता, अंधविश्वास और गरीबी न रही हो? लेकिन साठ साल पहले की गरीबी को उनकी जाति की शांत गरिमा के साथ सहन किया गया था...

अंजलि को मिन्नी के शब्दों की चुभन महसूस हुई: तुम्हारा देश, तुम्हारे नेता। वह मिन्नी के पानी के गिलास को मिन्नी की मुट्ठी में दबा सकती थी। उसे फाँसी पर लटके सिखों की कतार, लाशों पर बूट पहने मुस्कुराते हुए गोरे सैनिक, पीटर के अस्थायी बेडरूम से निकाली गई पुरानी तस्वीरें याद आ गईं।

पीटर ने मिन्नी को बीच वाक्य में ही चौंकाते हुए उठकर खड़ा हो गया। उसने मिन्नी की ओर सिर झुकाया, मुस्कुराया और उसके आतिथ्य के लिए उसे धन्यवाद दिया, और राज की महिमा को जानबूझकर नुकसान पहुँचाने के बारे में उसके भाषण को बीच में ही रोक दिया।

इसके बाद उन्होंने भोजन की मेज पर अपना भाषण शुरू किया। "यह इतिहास का वह पाठ है जिसे हम पहचानते हैं। यह मेरे अपने अनुभव से बहुत दूर है, लेकिन आगंतुकों और सम्मानित अधिकारियों की पीढ़ियों के लिए अजनबी नहीं है।

"मैं तीस साल पहले की अपनी पहली बैंगलोर यात्रा के बारे में सोच रहा हूँ।
पहले, और इसी घर में। बैंगलोर तब एक साफ-सुथरा और सुव्यवस्थित शहर था। इसके लोग, हमेशा की तरह, विनम्र और मददगार थे। मैं रिकॉर्ड के हॉल में जाता और लिखित रूप में अपना अनुरोध बताता। फिर मुझे एक भारी पीतल का पदक दिया जाता, जैसा कि मुझे याद है, जिस पर एक नंबर लिखा हुआ था, जिसे बहुत ही चिकना करके रगड़ा गया था

Machine Translated by Google

यह लगभग अदृश्य था। सदियों से याचिकाकर्ताओं ने इसे अपने पास रखा था। मैं अन्य याचिकाकर्ताओं के साथ एक लंबी बेंच पर बैठ जाता। धैर्य। भारत का धैर्य, यही बात मुझे सबसे ज़्यादा प्रभावित करती है। घंटों बीत जाते। शायद यह उस गरिमा का दूसरा पहलू है जिसके बारे में हमारी प्यारी मिन्नी ने बात की थी। और वह चिकना पीतल का पदक मुझे अंडे सेने के लिए सौंपा गया एक अंडा जैसा लगता था।"

वह अशोक की ओर मुड़ा, जो सूप परोस रहा था, और उससे पूछा
हिंदी, "अब वे कहां हैं, मुझे आश्चर्य है? क्या वे बस गायब हो जाते हैं? मुझे उम्मीद है कि किसी संग्रहालय में उन्हें जमा करके रखा गया होगा। शायद हमारी दयालु परिचारिका ने परिसर में एक या दो को संग्रहीत किया होगा।"

अशोक ने सूप की प्लेटों की ट्रे साइडबोर्ड पर रखी और लंगड़ाते हुए पेंट्री की ओर चला गया।

"किसी भी घटना में, कुछ मिनटों या कुछ घंटों के बाद, एक सज्जन व्यक्ति
भीतरी गर्भगृह से बाहर निकलकर, मेरा नंबर पुकारते हुए, मुझे अपने कक्ष में ले जाते। चाय का ऑर्डर दिया जाता। और वहाँ, उनकी मेज़ पर, किसी भी आवास या आधिकारिक भवन के मूल विनिर्देशन होते, जिनका मैं अध्ययन करना चाहता था। और, यह बताना अजीब है कि, उन बुज़ुर्ग अधिकारियों ने मेरे शोध में रुचि ली। उन्होंने सुझाव भी दिए। वे असाधारण लोक सेवक थे। वे कविताएँ लिखते थे। वे भावुक देशभक्त थे।

"बेशक, आज ऐसी पहुंच असंभव है। मूल दस्तावेज प्रदान करते हैं
कानूनी लाभ के लिए संघर्ष करना, और आधुनिक बैंगलोर में वकीलों का बोलबाला है।"

"सुनो, सुनो!" गिरीश गुजराल ने बीच में कहा।

अशोक पेंट्री से लौटा, उसके हाथ में एक छोटी सी चांदी की थाली में पीतल का एक पदक था, उसने थाली को साइडबोर्ड पर रखा, और सूप परोसना पुनः शुरू कर दिया।

"ठीक है, मैं इससे कम की उम्मीद नहीं करता," पीटर ने कहा। "यह उस समय की याद दिलाता है जब अशोक और मेरे सिर पर काले बाल थे।"

पीटर इस पुरानी यादों को ताजा करते हुए कहां जाना चाहता था? अंजलि ने उत्सुकता से सोचा।

Machine Translated by Google

पीटर ने पानी का एक घूंट पीने के लिए कुछ देर रुककर देखा, फिर उनकी नजर गिरीश गुजराल पर पड़ी। आगे कहा. "लेकिन मैं भी एक विदेशी बच्चा हूँ, और भारत में ही मुझे अपनी आत्मा मिली. मेरा पहला भारतीय घर उत्तर प्रदेश की पहाड़ियों में एक गाँव था. मुझे बुनियादी हिंदी की ट्रेनिंग दी गई थी - मैं इसे बॉलीवुड हिंदी कहता था - लेकिन मेरे गाँव में वे एक आदिवासी भाषा बोलते थे जिसे कभी रिकॉर्ड नहीं किया गया था. इसलिए मुझे सार्वजनिक स्वच्छता सिखाना शुरू करना था, लेकिन इससे पहले कि मैं कुछ भी सिखा सकूँ, मुझे अपने छात्रों की भाषा सीखनी पड़ी. मैं इसे एक आशीर्वाद मानता हूँ. अगर उन ग्रामीणों को मुझसे कुछ सीखना था, तो सबसे पहले मुझे उनसे सीखना था. उन दो सालों ने मुझे एक रास्ता दिखाया. इसने मेरे पूरे जीवन में जो कुछ भी मैं करता रहा हूँ, उसके लिए मंच तैयार किया.

"जब मैं युवा था, तो मैंने किसी ऐसी चीज़ की तलाश में पूरे भारत की यात्रा की जो खोई हुई थी। मुझे लगता है कि हम इसे उद्देश्य कहते थे। यह मुझे बैंगलोर और इस घर तक ले आया।"

पीटर द्वारा उसके घर का ज़िक्र किए जाने पर, मिन्नी खुश हो गई। ओपल अपने सूप से कुछ सब्ज़ियों के टुकड़े चबाने में व्यस्त थी।

"मैं माप और सूची लेने और शहर के दस्तावेज़ों को देखने में सक्षम था। मैंने जो किताब लिखी है, वह आज नहीं लिखी जा सकती। मुझे आधिकारिक पहुँच की अनुमति नहीं होगी। और मेरे लिए, यह आधुनिक भारत का सबसे चिंताजनक पहलू है - विश्वास का गायब होना। मैं आधुनिक बैंगलोर, और दिल्ली और बॉम्बे को देखता हूँ, और सोचता हूँ, हम क्या बना रहे हैं? हमारे निजी क्षेत्र में नहीं, बल्कि सार्वजनिक क्षेत्र में? क्या हम उस पुराने धैर्य को बनाए रख सकते हैं - गरिमा, जैसा कि हमारी परिचारिका इसे कहती है - और जुनून? क्या हमने हमेशा के लिए नागरिक नैतिकता की अपनी भावना खो दी है? इस शहर में नई-नई समृद्धि लुभावनी है, और मेरा मतलब इसे कमतर आंकना नहीं है। समृद्धि एक अच्छी चीज़ है। लेकिन मैं आउटसोर्सिंग से मिलने वाली संपत्ति के बारे में इतना निश्चित नहीं हूँ। मैं चाहता हूँ कि समृद्धि किसी चीज़ से जुड़ी हो। मैं चाहता हूँ कि यह कांच के स्मारकों से परे कुछ बनाए। यह पतंग या गुब्बारे की तरह कमज़ोर लगता है। जो हवा के साथ बहकर आता है, वह आसानी से बह भी सकता है।"

हुसैना ने आँखों से अशोक को संकेत दिया: अब अगला लाने का समय आ गया है
अवधि।

Machine Translated by Google

"सौभाग्य से, आज रात हमारे साथ विशेषज्ञ हैं। मैं बैंगलोर में सीखने के लिए वापस आया हूँ, सिखाने के लिए नहीं। मुझे उम्मीद है कि मेरे संदेह और मेरी शंकाएँ दूर हो जाएँगी। उषा को मैं दिल्ली में उनकी डॉक्टरेट की पढ़ाई के समय से जानता हूँ। अगर कोई मुझे यह समझा सकता है कि आउटसोर्सिंग स्वस्थ है, तो वह उषा देसाई हैं। मैं पार्वती से आज दोपहर पहली बार सीसीआई कार्यालय में मिला, लेकिन मैं उनके भतीजे को जानता हूँ, और निश्चित रूप से, दुनिया उनके बहनोई, विश्वप्रिय चटर्जी की उपलब्धियों से परिचित है।"

गिरीश गुजराल ने अंजलि को नए विस्मय से देखा। तो, यह वही विश्वप्रिया चटर्जी थी, किंवदंती। अंजलि को लगभग पहियों के घूमने की आवाज़ सुनाई दे रही थी: बिहार के छोटे से शहर की एक मासूम किशोरी के लिए किंवदंती के परिवार को जानना और पीटर चैंपियन को जानना कैसे संभव है? उसने अपने चेहरे पर एक भावहीन भाव बनाए रखने की कोशिश की।

पीटर ने गौरीपुर की इस युवती अंजलि बोस को उसकी शिक्षिका के रूप में अपना पुराना परिचय बताया तथा विस्ट्रोनिक्स के पीछे की ताकत गिरीश को जानने की इच्छा जताई।

अशोक ने पेंट्री से एक किशोरी लड़की को भेजा, जिसके लंबे बाल आग की रोशनी में कंघी करके सूप की प्लेट और चम्मच निकालने के लिए रखे गए थे। उसके लंबे काले बालों को एक चमकदार चोटी में बांधा गया था और उसे सुगंधित गार्डेनिया के फूलों से सजाया गया था।
उसकी चाल बहुत ही चंचल थी, जिसे देखकर अंजलि ने ईर्ष्या से देखा कि उसने श्री जीजी का ध्यान भी आकर्षित किया।

"पूरे उद्योग की रक्षा का दायित्व मुझ पर आ गया है।" उषा ने आह भरी।

"बिलकुल नहीं, उषा," पीटर ने विरोध किया।

"पीटर, यदि हम युवा भारतीयों को युवा अमेरिकियों की तरह बोलने के लिए प्रशिक्षित करते हैं, या हम जो करते हैं उसका एक अंश भी करते हैं, तो मैं सहमत हूँ कि हम अपने देश के प्रति अन्याय कर रहे हैं। लेकिन हम ऐसा नहीं करते हैं।"

चर्चा मछली के पाठ्यक्रम के दौरान जारी रही, जिसके लिए मिन्नी ने मछली पकड़ने के लिए विशेष चाकू रखे। अंजलि ने प्रत्येक कोर्स के लिए उपयुक्त कटलरी के बारे में संकेत के लिए हुसैना की ओर देखा। वह अपनी उंगलियों से तो निपुण थी लेकिन मछली पकड़ने के चाकू से अनाड़ी थी। वह कभी औपचारिक चीनी मिट्टी के बर्तन, चांदी के बर्तन और कांच के बर्तनों से सजी खाने की मेज पर नहीं बैठी थी। न ही उसने कभी गंभीर बातें सुनी थीं

Machine Translated by Google

विनम्रता के साथ दिए गए तर्क। घर पर, वह और उसके माता-पिता अपनी उंगलियों से खाना खाते थे और रात के खाने के समय को शिकायतों को बाहर निकालने का अवसर मानते थे। रात-रात भर वही शिकायतें।

उसने महसूस किया कि पीटर मैड मिन्नी को हल्के से डांट रहा था और चुनौती दे रहा था
उषा। लेकिन क्या वह वही नहीं था जिसने अंजलि को बैंगलोर आने के लिए लुभाया था, इसे भारत के भविष्य के शहर के रूप में प्रचारित किया था और उषा को उसके जैसी महत्वाकांक्षी छोटे शहर की महिलाओं के लिए स्वतंत्रता और समृद्धि लाने वाली के रूप में प्रचारित किया था? उसने किसी तरह की पुष्टि के लिए अपने साथी बोर्डर्स की ओर देखा। लेकिन टूकी सिगरेट के लिए भागने के लिए बेताब दिख रहा था, सुनीता ऊब गई थी, और हुसैना विचलित थी।

पीटर ने कहा, "मैं कह रहा हूं कि यह क्षणिक हो सकता है।" "हम अमेरिकी सरकार से बंधे हैं।
समृद्धि। अगर अमेरिका डूब गया, तो हम डूब जाएंगे।"

लेकिन क्या यही वह नहीं है जो पीटर उसे वास्को दा गामा और अपनी निजी कक्षाओं में सिखा रहा था? अमेरिकी कॉर्पोरेट मॉडल? स्टारबक्स? क्षेत्रीय अमेरिकी लहजे? स्थिर होने से पहले गौरीपुर से बाहर निकल जाओ? हो सकता है कि उषा देसाई और पार्वती बनर्जी ने कुछ महत्वपूर्ण बारीकियों को समझा हो, लेकिन उसने नहीं। अपने आकर्षक पहनावे के नीचे, वह अभी भी एक उदास, बेवकूफ गँवार थी।

गिरीश पीटर से असहमत थे। "अगर आप इसे आउटसोर्सिंग के तौर पर खारिज करते हैं, तो आप एक जटिल वास्तविकता को सरल बना रहे हैं। विस्ट्रोनिक्स एक तरह की आउटसोर्सिंग है - हमने कई तरह के संसाधनों का इस्तेमाल किया है - लेकिन दुनिया में कोई भी ऐसा नहीं कर रहा है जो हम कर रहे हैं। हमने भले ही एक सहायक तकनीक के तौर पर शुरुआत की हो, लेकिन हम विकसित हो चुके हैं। अब हम केन्या और बांग्लादेश को आउटसोर्सिंग कर रहे हैं। और क्या आप जानते हैं? मुझे लगता है कि शायद तीन साल में हम अपनी तकनीक को संयुक्त राज्य अमेरिका को आउटसोर्स करेंगे।"

बस, वहीं अंजलि को मिस्टर जीजी से प्यार हो गया। वह बिल्कुल सही थे।
और इतना सुंदर और अमीर। ऐसा नहीं है कि पीटर गलत था, कम से कम पूरी तरह से तो नहीं।
लेकिन मिस्टर जीजी ने मिन्नी की निरर्थक पुरानी यादों और बेचारे मिस्टर चैम्पियन के अधेड़ उम्र के मिशनरी उत्साह के पर्दों को काट दिया, और उन्होंने उसे एक ऐसा भविष्य प्रस्तुत किया, जिसमें वह जीने के लिए लालायित थी।

मांस परोसते समय चर्चा और अधिक तीखी हो गई।
हुसैना ने भुने हुए बत्तख परोसने के लिए अशोक और उसके सहायकों को उकसाया,

Machine Translated by Google

चिकन फ्रिकैसी और मटन स्टू इसलिए क्योंकि उसे और टूकी को जल्द ही कॉल सेंटर में पूरी रात की शिफ्ट के लिए अपनी कंपनी की वैन पकड़नी थी। लेकिन अंजलि नहीं चाहती थी कि खाना खत्म हो; वह नहीं चाहती थी कि मिस्टर जीजी चले जाएँ।

अंजलि ने बताया कि पीटर के मित्र मिज़ देसाई, श्री जीजी के पक्ष में थे।
वह कह रही थीं, "जब पार्वती और मैंने सीसीआई की शुरुआत की थी, तो हमारे अमेरिकी कॉर्पोरेट ग्राहक इस बात पर अड़े थे कि हमारे स्नातक अमेरिकी बोलें, अमेरिकी सोचें और अमेरिकी कॉल करने वालों को यह विश्वास दिलाएं कि उनकी ग्राहक-सेवा संबंधी शिकायतों और प्रश्नों का समाधान अमेरिकी शहरों में अमेरिकी श्रमिकों द्वारा किया जा रहा है।
यह सिर्फ़ चार साल पहले की बात है। हमारे प्रशिक्षण कार्यक्रम में छात्र अमेरिकी सिटकॉम, खेल आयोजनों की डीवीडी का अध्ययन करते थे—"

"और अमेरिकी राजनीति।" पार्वती ने बीच में टोका। "राज्यों की राजधानियाँ, अंतरराज्यीय राजमार्ग नंबर, पॉप स्टार, रॉक स्टार। हमने छात्रों को स्टार पत्रिका का अध्ययन कराया।
दयनीय, सिवाय इसके कि यह बहुत हास्यास्पद है।"

उषा ने आगे कहा, "भारत में लोगों की छवि खराब थी और भारतीय उच्चारण वाली अंग्रेजी का मजाक उड़ाया जाता था।" "तो इससे एक अच्छी तरह से तैयार, बुद्धिमान, प्रेरित युवा एजेंट पर क्या असर पड़ता है, जिसका मुंह खोलते ही मजाक उड़ाया जाता है? यही बात हमने अपने कॉर्पोरेट ग्राहकों से कही। क्या आप एक मानवीय उत्तर देने वाला टेप चाहते हैं, या एक सक्रिय, कुशल कर्मचारी चाहते हैं?"

पार्वती ने कहा, "उनमें से कुछ लोग मेरे पास आए।" "उन्होंने कहा कि बस यह सुनिश्चित करें कि हमारे ग्राहक एजेंट द्वारा बोली जाने वाली अंग्रेजी को समझ सकें।" उनका खुद का उच्चारण बिल्कुल अमेरिकी था। उन्होंने बताया कि उन्होंने मुफस्सिल कस्बों और गांवों की युवतियों को बीमा दावों पर जटिल सवालों को संभालने के लिए प्रशिक्षित किया है। जो महिलाएं शायद अनपढ़ और आश्रित रह जाती थीं, वे अब अच्छी तनख्वाह कमा रही हैं। "उषा और मैंने जो बात कही है, वह यह है कि भारतीय उच्चारण योग्यता की निशानी है।"

वे अपने व्यावसायिक डिग्रियों और वर्षों के अनुभव के साथ विशेषज्ञ थे।
तुलनात्मक व्यावसायिक मॉडल और संचार प्रणालियों के साथ अनुभव, लेकिन वे इसे समझ नहीं पाए:
उनके जैसे गौरीपुर से भागे हुए व्यक्ति के लिए, बैंगलोर वैश्विक अर्थव्यवस्था के बारे में नहीं था। यह एक भावनात्मक और नैतिक सुनामी थी; इसने पुरानी मान्यताओं और परंपराओं को बहा दिया, आराम देने वाले लोगों के साथ-साथ अपंग करने वाले भी, और यदि आप बच गए, तो आपको पता था कि आपके पास सबसे अच्छा विकल्प है

Machine Translated by Google

साहस और पुनर्निर्माण के लिए धैर्य। "माफ़ कीजिए, मैडम," अंजलि ने बीच में कहा, और अचानक उसने खुद को खड़ा पाया, सभी का ध्यान उसकी ओर था। "यह और भी है।"

यदि उषा देसाई को बीच में टोके जाने से चिढ़ होती थी, तो भी उन्होंने इसे जाहिर नहीं किया।
"कृपया, मिस बोस, आगे बोलें," उसने मुस्कुराते हुए कहा; फिर वह बैठ गयी।

अंजलि का इरादा सिर्फ़ सुनना था, सिर्फ़ विचारों को आत्मसात करना था, लेकिन अब वह अपने पैरों पर खड़ी थी। और वहाँ मिस्टर जीजी भी खड़े थे, और पानी का गिलास उठाकर टोस्ट की मुद्रा में खड़े थे।

मेज पर बैठे सभी लोग श्री जीजी की ओर मुड़े, हालांकि उनमें से किसी ने भी अपना सिर नहीं उठाया।
चश्मा। "चलो खुद युवतियों से सुनते हैं," उन्होंने आग्रह किया, लेकिन उनकी आँखें बेरोजगार अंजलि पर टिकी थीं।

"चलो," टुकी ने अंजलि से आग्रह किया। "तुम शुरू करो।"

बहस करने वाले अंजलि को घूर रहे थे। उनका पूरा ध्यान उस पर था। अब पीछे हटने का कोई रास्ता नहीं था।

"सुनो, सुनो!" मिस्टर जीजी ने मुस्कुराते हुए कहा। "बोलिए, कृपया। हम सब कान लगाकर सुन रहे हैं।

उसने प्रार्थना की, " मेरे मुंह से शब्द फूट पड़ें। मैं बैंगलोर में रही हूं।
सिर्फ़ तीन हफ़्ते। मेरे पास यहाँ कोई नौकरी नहीं है, कोई तनख्वाह नहीं है, और यहाँ कोई परिवार भी नहीं है। लेकिन मैंने गौरीपुर में बीस साल से ज़्यादा बैंगलोर में देखा और सीखा है। यहाँ मुझे लगता है कि मैं कुछ भी कर सकता हूँ। मुझे लगता है कि अगर मैं चाहूँ तो मैं अपनी ज़िंदगी बदल सकता हूँ !"

"वाह!" टुकी ने ताली बजाई।

शर्मीली सुनीता ने भी बोलने की हिम्मत की। "और मैं जीवन बदलती हूँ । यह कोई ग्लैमरस काम नहीं है, मेरा जीवन नहीं बदला है, लेकिन मैं हर दिन ऐसे लोगों की जान बचाती हूँ जिन्हें मैं कभी नहीं देख पाऊँगी। मैं एक ऐसी कंपनी के लिए काम करती हूँ जो अकेले रहने वाले बुज़ुर्गों की चोरी और चिकित्सा संबंधी आपात स्थितियों की रिपोर्ट करती है, जो गिरने पर उठ नहीं पाते। अगर मैं अपने कक्ष में कॉल का जवाब नहीं दे रही होती, तो अमेरिकी घरों में तोड़फोड़ की जाती और बुज़ुर्ग बेडरूम के फर्श पर भूख से मर जाते।"

Machine Translated by Google

पीटर खुश दिख रहा था, और मिन्नी दुखी थी। लेकिन अंजलि प्रेरित थी।
अंजलि ने कहा, " शब्द है... क्रांति ।" "बस यही है। हम सामाजिक क्रांति के सिपाही हैं।"

उषा ने कहा, "हमें उम्मीद है कि यह रक्तहीन क्रांति होगी।"

मिस्टर जीजी हंसे। "ओह, खून बहेगा।" कोई नहीं हंसा। "यह एक अमेरिकी फिल्म का शीर्षक है," उन्होंने समझाया।

हुसैना ने बातचीत को हल्का करने के गिरीश गुजराल के प्रयास को नजरअंदाज कर दिया।
"मेरे दोस्त, मेरी बहन अंजलि बिल्कुल सही कह रही है। क्रांति हो रही है, यह समझने के लिए आपको गांव का निवासी होने की जरूरत नहीं है।"

मिन्नी ने क्रांति की चर्चा को बाधित करने के लिए अपनी घंटी बजाई। लेकिन हुसैना
रोका नहीं जा सकता। "इतिहास हमें बताता है कि विजेताओं और पीड़ितों के बिना आप क्रांति नहीं कर सकते। आप में से अधिकांश लोग विजेता हैं।"

आप में से ज़्यादातर? हम में से ज़्यादातर नहीं? अंजलि को हुसैना बहुत दूर की बात लगी
बैंगलोर के परिदृश्य से मैड मिन्नी के रूप में। बुद्धिमान, सांसारिक सीसीआई महिलाओं के अपने सहज ज्ञान युक्त सुधार के साथ उसने क्या उजागर किया था? एक लंबी, अजीब सी खामोशी छा गई।

अंत में पीटर ने हुसैना को जवाब दिया। "यही बातचीत आज रात लाखों बार दोहराई जा रही है, पूरे भारत में। हम जानते हैं कि हम एक क्रांति के बीच में हैं, लेकिन क्या यह अच्छी बात है? इसका अंत कहां होगा? क्या हम बाघ की सवारी कर रहे हैं, क्या हमने कुछ ऐसा शुरू कर दिया है जिसे हम नियंत्रित नहीं कर सकते?"

"हमारे पास जो कुछ भी था, उससे बेहतर तो कुछ भी नहीं है," टूकी ने उस पर झल्लाते हुए कहा।

मिन्नी ने ओपल की व्हीलचेयर के आर्मरेस्ट पर अपना पंखा थपथपाया। ओपल सो गई थी। "क्रांति की बात करना बकवास है! भारत जैसे देश में, क्रांति का कोई भी उल्लेख खतरनाक है। शुद्ध बकवास!" उसने ओपल की व्हीलचेयर पर एक और क्रूर थपकी दी, लेकिन ओपल सोती रही। "हममें से जो लोग वास्तविक क्रांति से गुजरे हैं, वे जानते हैं कि यह कितना खूनी है। आपने इसे मज़ाक का विषय कैसे बना दिया? हम मेरी मेज के चारों ओर बैठकर क्रांति के गुणों की प्रशंसा नहीं करेंगे। आप भारतीयों को जो करना चाहिए वह है अपना कचरा साफ करना और अपना मुंह बंद रखना।"

Machine Translated by Google

और इसके साथ ही उसने अशोक को मौका मिलने से पहले ही डिनर पार्टी खत्म कर दी।
मिठाई कोर्स, trifle की सेवा करने के लिए।

Machine Translated by Google

3

पीटर खाने के कमरे में प्लास्टिक के कपड़े से ढकी मेज पर पहले से ही बैठा था, चाय की चुस्की ले रहा था और स्थानीय अखबार वॉयस ऑफ द साउथ पढ़ रहा था , जब रविवार की सुबह सात बजे से थोड़ा पहले अंजलि नीचे आई। उसे अपने परिचित कुर्ते और नीली जींस में वापस देखकर वह खुश हुई। अशोक उसके इर्द-गिर्द मंडराता रहा, उसे अंडे और टोस्ट के ताज़े बैच पेश करता रहा। पीटर ने उसे बहुत जल्दी नाश्ते पर शामिल होने के लिए कहा था, क्योंकि उसे सुबह की फ्लाइट पकड़नी थी और इसलिए भी कि वह दूसरे बोर्डर्स को सुने बिना उससे बात करना चाहता था। वह सामने की सीट पर बैठ गई, और उन कई तरीकों पर व्याख्यान सुनने के लिए तैयार थी, जिनसे उसने उसे निराश किया था। ठीक है, उसने क्या कहा था, पीटर ने किस शब्द का इस्तेमाल किया था? उसने टालमटोल किया था। वह परम टालमटोल करने वाली थी। काश, कोई दूसरी बैगहॉट गर्ल्स छोटी हजारी के लिए सामान्य से पहले नीचे आ जाती, जिसे मिन्नी आज भी दिन का पहला भोजन कहती थी, और पीटर को उसकी शब्दावली की पूरी ताकत को कम करने के लिए बाध्य करती!

...

ठीक है, ठीक है, उसके हितैषी को उसे अपने स्थानीय संपर्कों से मिलवाने के लिए व्यक्तिगत रूप से बैंगलोर आने का खर्च नहीं उठाना चाहिए था। उसे खेद था; वास्तव में बहुत खेद था।

पीटर ने अपने पेपर के ऊपर से उसे देखा और उसे एक शांत गुड मॉर्निंग कहा, लेकिन उसने पेपर नीचे नहीं रखा। यह एक संक्षिप्त नज़र थी, लेकिन अंजलि ने निजी निराशा की झलक को नहीं छोड़ा। उसका पालन न कर पाना उसे इतना गहरा दुख कैसे पहुँचा सकता था? अगर उसके पास टुकी की तरह छोटी-छोटी बातों के लिए प्रतिभा होती, तो वह तनाव को कम कर सकती थी। उसने अपनी तरफ से पूरी कोशिश की। "तुम्हारी दोस्त, उषा देसाई, मेरी कल्पना से बहुत अलग है।" वहाँ, उसने सीसीआई का विषय उठाया, बैंगलोर भागने का उसका कारण; पीटर की तीखी बहस को खत्म करो। वह इसे छोटा रखेगा; उसे एक विमान पकड़ना था। "मुझे लगा कि वह अधिक अमेरिकी लगेगी।"

उसने अखबार मोड़कर उसकी ओर बढ़ा दिया। "मुझे नहीं लगता कि वह कभी भारत से बाहर गई होगी। क्या तुम वॉयस ऑफ द साउथ पढ़ती हो?"

उन्होंने कहा, "केवल तभी जब मुझे कोई फेंकी हुई कॉपी मिल जाए।" उन्होंने यह नहीं बताया कि उन्होंने ऐसा केवल एक बार किया था, और वह भी बस डिपो पर।

Machine Translated by Google

"डायनमो के कॉलम को छोड़कर, यह एक चिथड़ा है। लेकिन आपको इसे सिर्फ डायनमो पढ़ने के लिए लेना चाहिए। बहुत ही ताज़ा।"

"मैं ऐसी कोई भी चीज़ खरीदने में पैसा बर्बाद नहीं करता जिसकी मुझे बिल्कुल ज़रूरत न हो।"
उसने झूठ बोला.

"ठीक है, वॉयस पर पैसे खर्च करो। डायनेमो की नब्ज पर उंगली है।" उसने पूछा
अशोक ने अपनी बिना खाए टोस्ट की प्लेट हटाने के लिए कहा। जब अशोक कमरे से बाहर गया, तो उसने कहा, "कल रात वह तुमसे नज़रें नहीं हटा पाया। मुझे नहीं पता था कि वह मिन्नी का दोस्त है। वह घर से बाहर नहीं जाती, लेकिन हमेशा जुड़ी रहती है।"

वह? जो मुझसे अपनी नज़रें नहीं हटा पा रहा था? अशोक? और फिर सब कुछ सही जगह पर आ गया, क्लिक-क्लिक-क्लिक: वह डायनमो था, और डायनमो मिस्टर जीजी था, और मिस्टर।
जीजी उससे बेइंतहा प्यार करती थी। इससे पहले कि वह कुछ बोल पाती, पीटर ने बोलना जारी रखा। "मैंने हमेशा कहा है कि तुम्हारे पास एक तरह का जादू है, एंजी। किसी न किसी तरह, तुम हर चीज़ के बीच में रहने में कामयाब हो जाती हो। इसे कौन समझा सकता है?" लेकिन उसने पीटर को यह नहीं बताया कि मिन्नी ने नहीं, बल्कि उसने ही मिस्टर जीजी को आमंत्रित किया था।

डायनमो अपनी नज़रें तुमसे हटा नहीं पा रहा था। उसने बाद में इसका मज़ा लेने के लिए इसे छिपाकर रख लिया।

"खैर, डायनमो पर शर्म आनी चाहिए! मैंने सोचा था कि अच्छे व्यवहार वाले लोग घूरते नहीं हैं।
अच्छा हुआ कि मैंने ध्यान नहीं दिया; मैंने उससे कहा होता कि वह अपनी आँखें वापस अपने सिर में डाल ले।" वह इस बात से खुशी से चमक उठी कि उसने चिकने मिस्टर जीजी को भोली-भाली पूजा में बदल दिया था।

"उसने अपने ड्राइवर को आज की वॉयस से छुट्टी दे दी ताकि मैं उसका कॉलम मिस न करूँ।" पीटर ने अपनी चाय का प्याला खाली किया और खुद के लिए एक और प्याला डाला। "वह इस आउटसोर्सिंग क्रांति के लिए बहुत उत्साहित है। शायद मैं बूढ़ा और चिड़चिड़ा हो रहा हूँ।" और फिर उसके चेहरे पर एक छाया गुज़री, जैसे कि सूरज ही ग्रहणग्रस्त हो गया हो। अब वह आ रहा है, उसने सोचा। अपने आप को तैयार करो।

"एंजी, क्या तुम गौरीपुर में किसी के संपर्क में रही हो?"

वह सोच रही थी कि किस तरफ जाए। शायद सच के साथ। "नहीं," उसने स्वीकार किया। "मैं यहाँ बहुत व्यस्त रही हूँ।"
वह पूछने ही वाली थी कि क्या मिस्टर जीजी कार की पिछली सीट पर थे जब ड्राइवर ने पेपर छोड़ा था। वह शायद उसकी एक झलक पाने की उम्मीद कर रहे होंगे। उसने शर्त लगाई कि वह उस तरह का व्यक्ति था जो

Machine Translated by Google

योजनाबद्ध "आकस्मिक" दृश्य। शायद उसे बस उसकी गली में गाड़ी चलाकर रोमांच मिल गया था। उसे उसके बारे में सोचकर सेक्सी महसूस हुआ।

"एंजी, मैं इसे और नहीं टाल सकता..." पीटर की आवाज़ में चिंता थी।
और बजरी, लेकिन वह बीच में ही रुक गया क्योंकि अशोक रसोई से वापस आ गया था, इस बार एक हथेली पर भूरे रंग के
केले के स्लाइस और सुनहरे पपीते के टुकड़े की एक प्लेट और दूसरी हथेली पर साफ कप और पानी के गिलास की एक ट्रे को संतुलित कर रहा था। अंजलि ने पपीते को देखा। अंजलि के आने के बाद से मिन्नी ने कभी ताजे फल नहीं परोसे थे। उसे बेहतर नाश्ते के साथ-साथ रोमांस और मुफ्त करियर प्रशिक्षण के लिए पीटर को धन्यवाद देना था।

अशोक ने मेज से मुड़ी हुई वॉयस को हटा दिया ताकि जगह बनाई जा सके
फलों की थाली; फिर उसने क्रेडेंज़ा से छोटे फलों की प्लेटें और फलों के चाकू निकाले। उसकी हरकतों में गर्व था। "फिंगर बाउल
आ रहा है," उसने उन्हें आश्वस्त किया।

पीटर ने अशोक को धन्यवाद दिया और प्लेट से पपीते का एक टुकड़ा उठाया।
"अशोक को मत बताना कि मैं अपनी उंगलियाँ चाटकर साफ करने का आदी हूँ," उसने मंच पर अंजलि से फुसफुसाते
हुए कहा। "और सुनिश्चित करना कि वह पेपर को तुम्हारे पढ़ने से पहले फेंक न दे।" उसने फलों के चाकू को गंदा करने के बजाय अपने कांटे से पपीते के गूदे को उसके हरे छिलके से अलग किया, जिसका हैंडल मोती जैसा था।

"चाहे आपको यह पसंद हो या नहीं, आपको पता चल जाएगा कि क्या डायनमो का बैंगलोर प्रयोग में विश्वास उचित है।
आप गिनीपिग हैं।"

"गिनी पिग? क्या तुम्हारा अमेरिकी दोस्त हमें गिनी पिग कह रहा है?" हुसैना अचानक अंदर आया। वह नाश्ते के लिए हमेशा की तरह काले रेशमी पजामा के ऊपर अपना काला रेशमी ड्रेसिंग गाउन पहने हुए थी, लेकिन आज सुबह उसने अपने लंबे, चमकीले बालों को काले दुपट्टे से छिपा रखा था। अंजलि ने अनुमान लगाया कि शैम्पू से पहले गर्म तेल से कुछ उपचार किया गया होगा। अमीर परिवारों की मुस्लिम महिलाओं को प्रभावी सौंदर्य रहस्य विरासत में मिले हैं। हुसैना पीटर के बगल वाली कुर्सी पर बैठ गई। उसने गुड मॉर्निंग कहने के बजाय सिर हिलाकर हुसैना की उपस्थिति को स्वीकार किया।

अंजलि ने तनाव को महसूस किया और तुरंत इसे शांत करने की कोशिश की।
सूअर नहीं थे, लेकिन शायद पीटर ने कॉल-सेंटर एजेंटों की तुलना उनसे करके मुस्लिम हुसैना को नाराज़ कर दिया था। "ओह,
पीटर बस गपशप कर रहा था। आप अमेरिकी इसे कैसे कहते हैं, पीटर? हवा में गोली चला रहे थे, है न?"

Machine Translated by Google

"नहीं।" पीटर ने तीखी आपत्ति जताई। "मैं मज़ाक नहीं कर रहा था। बैंगलोर एक प्रयोगशाला है जहाँ
वैज्ञानिकों का एक समूह साहसिक प्रयोग करता है। आप नमूना हैं। आप वैज्ञानिक नहीं हैं।"

अंजलि ने बीच में टोकते हुए कहा, "हुसैन, क्या मैं तुम्हारे लिए एक कप पानी लाऊंगी?"

"और न ही आप प्रयोगशाला के मालिक हैं।" पीटर ने अपनी बात पूरी की।

"क्या यह अज्ञानता है? या आप लोगों के साथ, क्या यह आनुवंशिक अहंकार है?" हुसैना ने पीटर के अप्रयुक्त फल चाकू से मक्खन के डिश में मक्खन के दो कर्ल चुभोए।

यह एक दुष्टतापूर्ण इशारा था, और अंजलि ने देखा कि अशोक, जो अभी भी पीटर की कुर्सी के पीछे मंडरा रहा था, सिकुड़ गया।
कुछ दिन अशोक दिल, हीरे, लौंग और इक्के के आकार का मक्खन परोसता था। कर्ल, पैट और मक्खन की गेंदों का मतलब था कि
या तो अशोक जल्दी में था या वह बीमार था। "आपको क्या लगता है कि मैं वैज्ञानिक नहीं हूँ ? आपको इतना यकीन क्यों है कि मैं बलि का पात्र हूँ?" उसने ठंडे टोस्ट के त्रिकोण पर मक्खन लगाया, उसमें थोड़ा सा मुरब्बा डाला और उसे अंजलि को दे दिया। अशोक का घर का बना मुरब्बा बहुत कड़वा था, लेकिन अंजलि ने हुसैना की एकजुटता की मांग को अस्वीकार करने की हिम्मत नहीं की। गिनी
पिग की बहन। वह चाहती थी कि आज सुबह हुसैना ने अशोके से कहा होता कि वह अपना नाश्ता उसके कमरे के बाहर छोड़ दे, जैसा कि वह अक्सर करती थी, बजाय इसके कि वह नीचे आकर पीटर से प्रेम-रोगी श्री जीजी के बारे में अतिरिक्त चापलूसी वाली जानकारी निकालने की अंजलि की कोशिशों को खत्म कर दे।

सौभाग्य से पीटर पीछे हट गया। "मुझे सुधारे जाने पर खुशी है।" उसने नज़र घुमाई
अपनी घड़ी पर, जिसने अशोक को यह पूछने पर मजबूर कर दिया, "टैक्सी, साहब?" जब कभी-कभार बैगहॉट हाउस के किसी किराएदार को टैक्सी की ज़रूरत होती थी, तो अशोक के पास तीन ब्लॉक दूर एक चौराहे से एक स्क्वैटर फ़्लैग होता था। इसका मतलब था कि स्क्वैटर को टिप दी जाएगी और शायद उस टिप में से अशोक को भी हिस्सा मिलेगा।

"ऑटो-रिक्शा। मैं तुम्हें बता दूँगा कि कब।" पीटर टेबल से उठ खड़ा हुआ। "अशोक, मेरे कमरे में दो चाय। क्या तुम्हें कोई आपत्ति है, एंजी?"

अशोक हैरान था, "यह पपीता स्वादिष्ट नहीं है, साहब?"

"साहब?" शालीन हुसैना ने तिरस्कार भरी सांस ली। "क्या यह दयनीय है?
बूढ़े आदमी वास्तव में उस शब्द का प्रयोग करते हैं?

Machine Translated by Google

"मेरी भूख मर गई, बस इतना ही।" पीटर ने अंजलि को कुर्सी से उठने में मदद की।

श्री जीजी के बारे में अधिक सुनने के लिए उत्सुक अंजलि, पीटर से पहले ही भोजन कक्ष से बाहर निकल आई।

"क्या आप अपनी बहन को नियमित रूप से पत्र लिखते हैं ?"

यह पहली बात थी जो पीटर ने अशोक के चाय परोसने और जाने के बाद कही थी।
उन्हें गुफानुमा, कम साज-सज्जा वाले अतिथि शयनकक्ष में अकेले ले जाकर, पीछे से भारी दरवाज़ा बंद कर दिया। अंजलि ने खुद को सहज महसूस कराने के लिए बस सामान्य बातचीत करने का फैसला किया। वे बैठे, अंजलि एकमात्र आरामकुर्सी पर और पीटर बिस्तर पर, उनके बीच एक छोटी, चौड़ी मेज थी। पीटर ने गद्दे की चादरें हटा दी थीं, मानो सफाई करना उसका काम था, अशोक का नहीं। सोनाली-दी के बारे में पूछने और पटना में उनकी आखिरी रात के कच्चे दर्द को गलती से ताजा करने के लिए उस पर भड़कने की कोई ज़रूरत नहीं थी। वह पीटर को वापस मिस्टर के विषय पर ले जाएगी।

जी.जी. उसे पीटर द्वारा उसे निजी तौर पर अलविदा कहने के लिए रखे गए पंद्रह या बीस मिनट का कुशलतापूर्वक उपयोग करने की आवश्यकता थी। "मैं करती थी," उसने कहा। "मैं जिस दिन गई थी, उसी दिन उससे मिलने गई थी," उसने अपनी अभ्यस्त मुस्कान को मोड़ते हुए कहा। "हम पत्रों के माध्यम से काफी आगे-पीछे होते रहते हैं।"

"एंजी, एंजी, मुझसे झूठ मत बोलो।"

अगर बहनें विनम्र, औपचारिक औपचारिकताओं से आगे नहीं बढ़ सकती थीं, तो पत्रों का आदान-प्रदान करने का क्या मतलब था? "ठीक है। अगर तुम सच जानना चाहते हो, तो वह सोचती है कि मैं स्वार्थी हूँ। उसे मेरा घर छोड़ना पसंद नहीं है।"

पीटर का भरा हुआ डफेल बैग और किताबों का बड़ा सा थैला फर्श पर पड़ा था।
दरवाजे के अंदर, ऑटो-रिक्शा तक ले जाने के लिए तैयार। उसकी कई जेबों वाली, हैंडलूम कॉटन बनियान, एयरलाइन टिकट और पर्स रखने के लिए सुविधाजनक, नंगे गद्दे के पैर पर रखी हुई थी। वह सोनाली-दी के साथ अपने झगड़े के फ्लैशबैक को मिस्टर जीजी के साथ अपने भविष्य की कल्पनाओं पर हावी नहीं होने देगी। वह पीटर से प्यार के बारे में बात करना चाहती थी, परिवार के बारे में नहीं। "अली कैसा है?" वह अली के बारे में उतना ही बात करना चाहेगा जितना वह मिस्टर जीजी के बारे में बात करना चाहती थी। उसने अपने चेहरे पर नरमी के भाव के लिए उसका चेहरा देखा। लेकिन वह घूरता रहा

Machine Translated by Google

उसने उसे ऐसे देखा जैसे उसने उसे मुक्का मारा हो। उसने अपनी नज़र उसके होठों पर डाली, जो एक-दो बार सिकुड़े और खुले। वह किसी गहरे कबूलनामे या परेशान करने वाले आत्मविश्वास के कगार पर लग रहा था।

"मेरे पास आपके लिए बहुत दुखद, बहुत महत्वपूर्ण समाचार है," उसने कहा। उसने अपनी बनियान को पकड़ा, जेब से अखबार की कतरन निकाली जो नकदी की सुरक्षा के लिए अस्तर में सिल दी गई थी, और उसे उसकी ओर बढ़ा दिया। "यही कारण है कि मैं आया हूँ।

उसने गौरीपुर स्टैण्डर्ड की क्लिपिंग में एक छोटे से फोटो में एक धुंधला चेहरा पहचाना : बाबा के स्टूडियो में वैवाहिक चित्र। एक मोती जैसी आँखों वाला, मूंछों वाला युवक आत्मविश्वास और उद्देश्य को दर्शाने की पूरी कोशिश कर रहा था।
उसने मूल तस्वीर पारिवारिक एल्बम में देखी थी, जिसे ऊनी शॉल में लपेटकर माँ के दहेज के बक्से में रखा गया था। माँ को उस तस्वीर पर गर्व था। अंजलि और सोनाली ने उसे कई रविवार की दोपहर को एल्बम को बक्से से बाहर निकालते और चुपके से बाबा के स्टूडियो चित्र को खोलते हुए पकड़ा था, जब बाबा मटन करी के भारी रविवार के दोपहर के भोजन के बाद सो रहे होते थे।

अंजलि को एहसास हुआ कि माँ उस आदमी से प्यार करती थी जिसे उसने उस तस्वीर से बनाया था, लेकिन उस चापलूस भारतीय रेलवे के नौकरशाह से नहीं जिससे उसके माता-पिता ने उसे शादी करने के लिए मजबूर किया था। माँ लगातार बाबा को परेशान करती रहती थी। गौरीपुर में, अंजलि ने उस परेशानी को शोरगुल समझकर खारिज कर दिया था और माँ की बातों पर कोई ध्यान नहीं दिया था। जिस माँ ने उसे पाला था, वह ज़रूर एक कड़वी महिला रही होगी। अंजलि ने माँ को एक स्वप्निल किशोरी दुल्हन के रूप में कल्पना करने की कोशिश की, जो बाबा के स्टूडियो में बनाए गए चित्र में युवा चेहरे पर मोहित हो गई थी। उस लड़की ने बहुत प्रार्थना की होगी कि प्रतिद्वंद्वी उम्मीदवारों के मुकाबले उसका चयन हो जाए।

शाकी सेनगुप्ता एक जादूगर था, और अंजलि अब बेहतर तरीके से समझ गई थी कि सभी शाकी सेनगुप्ताओं की कला कैसे काम करती है: स्थायी समृद्धि और सुरक्षा की कल्पनाएँ जगाना। जब मोहभंग हो जाए, तो पीड़ित की प्रतिशोधी भावनाओं की सीमा से बाहर निकल जाएँ।

और फिर, क्लिक-क्लिक। उस अख़बार में वह तस्वीर। इसका सिर्फ़ एक ही मतलब हो सकता है। सोनाली-दी ने स्टैण्डर्ड को भेजने के लिए वह तस्वीर चुनी होगी। बाबा मर चुके थे। उनके निधन के चौबीस घंटे के भीतर ही उनका अंतिम संस्कार कर दिया गया होगा। पीटर ने उन्हें जल्दी से तेज़-तर्रार हुसैना से दूर कर दिया था ताकि वह निजी तौर पर अपना चौंकाने वाला संदेश दे सकें। वह क्लिपिंग से दूर हो गई, जिसे पीटर अभी भी उसके सामने पकड़े हुए था। उसने उसका हाथ दूर धकेल दिया। जब तक वह मृत्युलेख नहीं पढ़ लेती, वह दिखावा कर सकती थी कि वह मर चुका है।

Machine Translated by Google

जीवित। बाबा और माँ लगातार झगड़ते हुए जीवित रह सकते थे, जो कि उनके वैवाहिक जीवन का एक रूप था। पीटर ने अपने आंसू पोंछने के लिए अपना रूमाल आगे बढ़ाया, उसे नहीं पता था कि वह बह गई थी।

"मैं समझ सकता हूँ कि आप ऐसे समय में अपने परिवार के साथ रहना चाहते हैं
पीटर ने चुपके से अपनी घड़ी देखी। "मैं वापस आते ही तुम्हारी यात्रा की व्यवस्था कर दूंगा। अगर तुम यहाँ वापस आना चाहते हो, तो मैं मिन्नी से इसकी व्यवस्था कर सकता हूँ। पटना-बैंगलोर वापसी का टिकट खुला छोड़ा जा सकता है।"

"पटना?"

"आपकी माँ आपकी बहन के साथ रहने चली गई है। क्या आप चाहेंगे कि मैं इसे जोर से पढ़ूं," उसने क्लिपिंग पर टैप किया, "?"

"नहीं, बस मुझे दे दो।"

जब से मैं यहाँ आया हूँ, बाबा मर चुके हैं। मुझे ये सपने आए हैं, मैं
मेरे पास माफ़ी के पल थे और ऐसे पल भी थे जब मैं माफ़ी चाहती थी। वह मेरे सपनों में था, और अब वह एक भूत था।

उसने बांग्ला में एक आवाज सुनी: "तुमने उसे मार डाला।" क्या वह उसकी माँ थी?

"तुम उस लड़के के लिए बहुत अच्छे थे। तुम्हें अपने पिता से ज़्यादा पैसे कमाने थे। तुम्हें अपना मालिक खुद बनना था। तुमने कभी नहीं सोचा कि बाबा को दफ़्तर में क्या-क्या सहना पड़ता होगा। गौरीपुर के सभी लोग उनकी पीठ पीछे हँसते थे, 'बोस-बाबू चले गए, दो बेटियाँ, एक तलाकशुदा, दूसरी मुंबई चली गई, वेश्या बन गई।' वह इसे और बर्दाश्त नहीं कर सका। उसने अपनी जान ले ली।"

··· एक भगोड़ा.

बोस, प्रफुल्ल कुमार। 48, अचानक गौरीपुर स्थित अपने आवास पर। सहायक उप-निरीक्षक (माल), भारतीय रेलवे (उत्तर बिहार)। गौरीपुर के तीसरी पीढ़ी के निवासी। अपने पिता (दीपेंदु कुमार) और दादा (नीलकंठो कुमार) की तरह, प्रफुल्ल कुमार ने बी.एड. की डिग्री प्राप्त करने के बाद सीधे रेलवे सेवा में प्रवेश लिया।

अडिग आस्था और दृढ़ निष्ठा के धनी कमिशनर गौरीपुर दुर्गा पूजा समिति के उपाध्यक्ष चुने गए

Machine Translated by Google

लगातार सात वर्षों तक समिति के अध्यक्ष रहे और अपने असामयिक निधन के समय भी उसी पद पर थे। उनके पैतृक वंशजों में छह भाई शामिल हैं, जो स्थायी रूप से कोलकाता चले गए। उनकी विधवा अर्चना देवी, उनकी विवाहित बेटी सोनाली (दास) और पटना में रहने वाली पोती उनके प्रति शोक व्यक्त कर रही हैं। उनकी दूसरी बेटी का निधन उनसे पहले हो गया था। उनकी अस्थियाँ ब्रह्मांडीय एकता में शामिल हो गई हैं। गौरीपुर के बंगाली समुदाय के लिए उनका नुकसान अपूरणीय है। हम, दुर्गा पूजा समिति के सदस्य, उनके न रहने पर अथाह हृदय और हताश मन से शोक व्यक्त करते हैं। नागेंद्र नाथ भट्टाचार्य, अध्यक्ष, दुर्गा पूजा समिति।

उसे प्रीडेसीज्ड शब्द को समझना था । यह उसके लिए एक नया अंग्रेजी शब्द था। तुम मेरे लिए मर चुके हो! प्रीडेसीज्ड का मतलब कम हिंसक अंत था; उसके परिवार ने डिलीट बटन दबा दिया था और वह आकाश में विलीन हो गई थी। कोई शव नहीं, कोई दाह संस्कार नहीं। उन्होंने उसे भूत में बदल दिया था। बाबा मर चुका था, लेकिन वह भी मर चुकी थी। उसे चक्कर आ रहा था। उसकी शिक्षिका उससे बात कर रही थी, शब्दों को ऐसे उछाल रही थी जैसे वे लाइफ जैकेट हों और वह डूब रही थी।

उसने उसे यह कहते हुए सुना, "यह खुद को दोष देने का समय नहीं है।" इसका मतलब यह था कि पीटर ने किसी तरह उसे दोषी ठहराया। लेकिन हत्या करने वाली वह नहीं थी; उन्होंने किया था - उसके पिता, उसकी माँ, उसकी बहन। रेलवे डॉक्टर के अनुसार, जो बंगाली भी था और दुर्गा पूजा समिति का कोषाध्यक्ष था, उसके पिता - थे - "बिलकुल स्वस्थ" थे। डॉक्टर, अपने गले में स्टेथोस्कोप लटकाए, महीने में दो या तीन शाम बोस के फ्लैट पर जाता, व्हिस्की और उसकी माँ के तले हुए नमकीन का आनंद लेता, उसके पिता के दिल की धड़कन सुनता, और उसे "बिलकुल स्वस्थ" घोषित करता।

"अगर आप सोच रहे हैं कि यह दिल का दौरा पड़ने से नहीं हुआ," पीटर ने कहा। "लेकिन यह दिल का दौरा पड़ने से नहीं हुआ था।" यही वह कहानी है जिसे वे सामने ला रहे हैं।"

वह क्या कह रहा था?

उनकी मृत्यु "अचानक" हुई; इसका मतलब सिर्फ़ दिल का दौरा, स्ट्रोक या उच्च रक्तचाप से संबंधित कुछ हो सकता है। सभी भारतीय पुरुष इससे पीड़ित थे

Machine Translated by Google

उच्च रक्तचाप, नमकीन भोजन, धूम्रपान - यह एक ज्ञात दोष था।

"मैं आपका बहुत ज़्यादा समय ले रही हूँ। आप अपनी फ़्लाइट के लिए देर से पहुँचेंगे," उसने कहा। गौरीपुर के छात्रों के प्रति अपनी सारी सहानुभूति के बावजूद, पीटर उनकी पारिवारिक समस्याओं को नहीं समझ पाया, ख़ास तौर पर उसकी नहीं। वह अव्यवस्था के बीच पली-बढ़ी थी, जो सामंजस्य के नाम पर छिपी हुई थी। दृढ़ता नहीं, बल्कि डर ने उसके पिता को गौरीपुर के अंतिम छोर पर रखा था। डर ने उसे अपने पिता और दादा के पदचिन्हों पर चलते हुए गौरीपुर के रेलवे ऑफ़िस में जाने के लिए मजबूर कर दिया था। वह एक कृतघ्न, अयोग्य बेटी थी; उसने इसे स्वीकार कर लिया। वह स्वार्थी और बेतहाशा अधीर थी। वास्तव में, उसने अपनी कमियों को स्वीकार कर लिया था। अयोग्यता को स्वीकार करने से उसे नई आज़ादी मिली।

उसके परिवार ने उसे अनाथ कर दिया था। उसके पास घर का कोई नामोनिशान भी नहीं था। गौरीपुर में वापस। बोस फ्लैट में पहले से ही एक और किराएदार रहता होगा। माँ को सोनाली-दी ने अपने साथ ले लिया होगा। एक महीने पहले सोनाली-दी बदनाम, तलाकशुदा बेटी थीं; अब सोनाली-दी अच्छी, भरोसेमंद बेटी थीं। उसने अपनी माँ को सोनाली-दी के नीरस अपार्टमेंट में, अपनी पोती की देखभाल करते हुए, खाना बनाते हुए, सफाई करते हुए और मध्यम-वर्गीय सम्मान का दिखावा करते हुए देखा, जबकि सोनाली-दी अपने बॉस के लिए वह सब कुछ करती थीं जो वह माँगता था ताकि उसकी नौकरी न छूटे। "गौरीपुर में तुम्हारे पास मुझसे ज़्यादा काम हैं।"

वह कुर्सी से उठी, लेकिन उसे यकीन नहीं था कि अलविदा कहने के लिए गले लगाना उचित होगा या नहीं।

"अगर तुम्हारा यही मतलब है तो मेरे पास वापस जाने के लिए अली नहीं है।" वह गद्दे पर लेट गया और अपने हाथों से अपना चेहरा ढक लिया।

उसने सिसकियाँ सुनीं। "ओह, पीटर!" अंजलि अपने शिक्षक के पास पहुँची और बैठ गई। उसके बगल में गद्दे पर पैर क्रॉस करके बैठी थी। पीटर की प्रेम कहानी रुक-रुक कर सामने आई। अली लखनऊ भाग गया था, जहाँ उसे सर्जरी करवानी थी। उसने बार-बार "तुरंत संतुष्टि" और "काला बाजार कसाई" जैसे शब्द सुने। पीटर ने अली को सलाह दी, मना लिया, और अंत में विनती की कि वह धैर्य रखे, जबकि वह सुरक्षित बड़े शहर के क्लीनिकों और अनुभवी सर्जनों की खोज और रैंकिंग करता है। लेकिन अली ने लखनऊ में अपने एक गुप्त परिचित से मिली अफवाह पर काम किया था। "तुरंत संतुष्टि" ने अली को मौत या अपंग होने का जोखिम उठाने के लिए मजबूर कर दिया था।

Machine Translated by Google

"वह एक महिला बनना चाहता था। उसने सोचा कि इससे मुझे खुशी मिलेगी।"

यह कितना भी भयानक क्यों न हो, यह फैसला कितना भी भयानक क्यों न हो, उसे पीटर के लिए खुद से कहीं ज़्यादा दया और दर्द महसूस हुआ। अब बाबा मर चुका था, लेकिन उसने पहले उसे मार डाला था। वह पीटर के साथ बैठी रही जब तक कि अशोक ने दरवाज़ा खटखटाया और घोषणा की कि उसने एक ऑटो-रिक्शा को रोकने का बीड़ा उठाया है, जो अब पोर्टिको में था और उसका मीटर चल रहा था।

Machine Translated by Google

4

सोमवार की सुबह ठीक नौ बजे, जैसा कि उससे वादा किया गया था, अंजलि को उषा देसाई का फोन आया, जिसमें उसने इंटरव्यू के लिए समय मांगा था। "मैं गुरुवार को सुबह ग्यारह बजे आपसे मिल सकती हूँ । इस सप्ताह केवल एक ही संभावना है, शुक्रवार को दोपहर तीन बजे ।" हालाँकि पीटर के दोस्त की आवाज़ उतनी ही मधुर थी, जितनी मिन्नी के समारोह में थी, लेकिन उसका व्यवहार ज़्यादा व्यावसायिक था। "मुझे मंगलवार को शहर से बाहर जाना है और पार्वती बुधवार को पूरे दिन व्यस्त रहेगी।"

"शुक्रवार, कृपया। शुक्रवार का दिन मेरे लिए अधिक उपयुक्त है," उसने हकलाते हुए कहा, ताकि साक्षात्कार के लिए स्वयं को तैयार होने का समय मिल सके।

"क्या आप जानते हैं कि हम कहां स्थित हैं?"

एक समझदार छात्र आवेदक ने अपनी खोजबीन की होगी और न केवल सीसीआई स्ट्रीट का पता बल्कि बस से वहां पहुंचने का सबसे अच्छा तरीका भी पता किया होगा। अंजलि को राहत मिली जब उसने ऊषा देसाई को बिना किसी निर्णय के जानकारी देते हुए सुना, इससे पहले कि अंजलि कुछ बड़बड़ाती, "अपार्टमेंट 3बी, रीच फॉर द गैलेक्सी बिल्डिंग, रीच कॉलोनी, नौवां क्रॉस, इंदिरा नगर, स्टेज 1। अगर आप ड्राइवर से 'रीच कॉलोनी' कहते हैं, तो उसे पता चल जाएगा। कृपया ठीक तीन बजे दोपहर में।"

"धन्यवाद, सुश्री देसाई। मैं आपका बहुत आभारी हूँ।"

"बहुत-बहुत धन्यवाद? आप पीटर की कक्षा में यह वाक्यांश नहीं सीख सकते थे।"

"नहीं मैडम। मेरा मतलब है मिस देसाई।"

उषा देसाई का व्यवहार नरम पड़ गया। "पीटर एक माँ की तरह तुम्हारे बारे में सोचता है
"हाँ, तुम्हें पता है," उसने अलविदा कहने और फोन रखने से पहले कहा।

जैसे ही अंजलि बाहर निकल रही थी, अशोक फ़ोयर में आ गया। उसने टैप किया
टेलीफोन लॉगबुक जिसमें बॉलपॉइंट पेन लाल और नीले रंग की क्रोशिया वाली डोरी से बंधा हुआ है। "इनकमिंग कॉल। कृपया हस्ताक्षर करें।"

अंजलि ने अनिच्छा से अशोक द्वारा बताई गई लाइन पर अपने नाम के पहले अक्षर, समय और तारीख लिख दी। मिन्नी कॉल के लिए अपवाद बना सकती है।

Machine Translated by Google

अपने "प्यारे लड़के" के लिए, लेकिन जाहिर है कि प्यारे लड़के के व्यावसायिक संपर्कों से अंजलि को कॉल के लिए नहीं। अंजलि रातोंरात पीटर की खास दोस्त से स्थायी परिवीक्षा पर एक और बेजहॉट हाउस बोर्डर बन गई थी। लेकिन अंजलि अब वह आवेगी, भोली-भाली भगोड़ी नहीं थी जिसे मिस्टर जीजी ने बेजहॉट हाउस के जंग लगे गेट पर छोड़ दिया था। उसके पिता मर चुके थे।

शर्म और दिल के दर्द से मर चुकी थी। मृत, दाह-संस्कारित, राख किसी कीचड़ भरे नाले में या संभवतः किसी खाई में बिखरी हुई, क्योंकि पवित्र गंगा के घाट बहुत दूर थे। उसने अपने पिता की हत्या कर दी थी। उसे दुख हुआ। अपनी माँ के लिए, पीटर के लिए, लेकिन खुद के लिए भी। सच्ची दया का स्रोत आत्म-दया है।

उसने यह पढ़ा था। उसके पिता ने महत्वाकांक्षा को बेचैनी समझ लिया था। एक बेटी के लिए अपने पिता से ज़्यादा की चाहत रखना गलत क्यों है?
बाबा उसे भागने पर मजबूर करने के बजाय उसे जाने क्यों नहीं देते?

शहर में घूमने और मोहल्लों के बीच की दूरियां जानने के लिए टूकी की तरह बजाज चेतक न होने के कारण , अंजलि ने यह अनुमान लगाने में गलती कर दी कि ऑटो-रिक्शा को उसे बागेहोट हाउस से इंदिरा नगर तक ले जाने में कितना समय लगेगा।
वह तीन बजे के इंटरव्यू के लिए बीस मिनट देरी से रीच कॉलोनी के बिल्डिंग कॉम्प्लेक्स में पहुंची। उसने खुद को सांत्वना देते हुए कहा कि कम से कम वह आकर्षक दिख रही थी, उसने डिजाइनर शर्ट-और-स्लैक्स पहना था जो उसने बिना अनुमति के टूकी की अलमारी से उधार लिया था।

चार मंजिला इमारत रीच फॉर द गैलेक्सी, जो विलासिता की आकांक्षाओं के साथ है, दो समान ब्लॉकों, रीच फॉर द स्टार्स और रीच फॉर द यूनिवर्स के बीच में स्थित है। तो इससे कॉलोनी के नाम की व्याख्या हो गई। अपार्टमेंट के अग्रभाग को काले-किनारे वाले आयतों से रंगा गया था, जो बोल्ड रंगों में थे: लाल, पीला, नीला और सफेद। तीनों की ऊपरी मंजिलें अभी भी निर्माणाधीन थीं, बांस के लिफ्टर्स से भरी हुई और कच्ची ईंटों की आधी दीवारें खिड़की के कटआउट से ढकी हुई थीं, बाहरी दीवारें प्लास्टर और पेंट के अपने अंतिम कोट की प्रतीक्षा कर रही थीं। निचली मंजिलों की बॉक्सी बालकनियाँ बच्चों के खिलौनों से अटी पड़ी थीं और सूखने वाले कपड़ों से ढकी हुई थीं। वर्दीधारी मालियों की एक टीम ने अभी भी खराब क्रिकेट पिच को पानी पिलाया, जबकि एक निर्माण दल ने रीच कॉलोनी निवासियों की सुविधा के लिए एक सुपरमार्केट की दूसरी मंजिल को पूरा करने के लिए काम किया। बिलबोर्ड मानचित्र ने अभी तक बनने वाले शॉपिंग सेंटर और मोंटेसरी को इंगित किया

Machine Translated by Google

स्कूल: बैंगलोर का सपना, संपन्न लोगों के लिए एक आत्मनिर्भर शहर।

उषा देसाई उन चार अपार्टमेंटों में से एक में रहती थीं जो तीसरे नंबर पर थे
मंजिल। गैलेक्सी में एक लिफ्ट शाफ्ट थी, लेकिन लिफ्ट अभी तक स्थापित नहीं हुई थी। यहाँ तक कि हवा में भी गीली कंक्रीट की गंध थी। अंजलि को ढहते हुए पिंकी महल की एक झलक याद आ गई: उसने अपना जीवन खोखले वादों और क्षय और विघटन की उम्मीद के बीच बिताया था। कांच की गगनचुंबी इमारतों और शॉपिंग मॉल को कटी हुई धरती और उखड़े हुए चावल के खेतों से बरकरार देखना एक बच्चे के लिए क्या करता होगा? मिन्नी की उस अजीबोगरीब डिनर पार्टी में, उसने बैंगलोर की भावना को महसूस किया था और उसके लिए अपनी लालसा को उगल दिया था। लेकिन अब, जब वह अपार्टमेंट 3 बी के सामने के दरवाजे के सामने खड़ी थी, तो उसने सोचा कि क्या उसके पास अपने गौरीपुर के अतीत को खत्म करने की हिम्मत है। सिवाय इसके कि वह पहले ही उसे खो चुकी थी। पीटर उसे उस नुकसान की सूचना देने के लिए ही आया था। उसके पिता मर चुके थे। उसकी माँ और बहन ने उसके लिए मरना चुना था।

अब आगे बढ़ना ही उसका एकमात्र विकल्प था। दरवाजे पर लगी लकड़ी की नेमप्लेट पर दो नाम लिखे थे: देसाई डेटा सिस्टम्स और कंटेंपररी कम्युनिकेशंस इंस्टीट्यूट। उसने घंटी बजाई और एक नौकरानी ने उसे अपार्टमेंट में आने दिया जो लगभग
उसकी ही उम्र की थी।

उषा देसाई ने कहा, "मुझे उम्मीद है कि आपको यह जगह ढूंढने में कोई परेशानी नहीं हुई होगी।"
आवाज़ में मलाईदार-चिकनी आवाज़ थी, जिसमें अंजलि की देरी पर कोई झुंझलाहट नहीं थी। "मुझे आपको बताना चाहिए था कि मैं एक ऐसी इमारत में रहता हूँ जो मॉन्ड्रियन जैसी दिखती है।"

अंजलि यह नहीं बताना चाहती थी कि वह नहीं जानती कि मोंड्रियन क्या होता है।
वह यहाँ एक खास उद्देश्य से आई थी: सी.सी.आई. में प्रवेश। ध्यान केंद्रित रखें। "यह लगभग एक पेंटिंग की तरह है," अंजलि ने कहा।

उषा ने इस बार ग्रे रंग का सलवार-कमीज पहना हुआ था, कोई आयातित सलवार-कमीज नहीं।
कॉउचर पैंटसूट, जैसा कि उसने बैगहॉट हाउस पार्टी में पहना था। एक पचास वर्षीय किशोरी के शरीर के साथ: अंजलि ने आश्चर्यचकित किया। उसने अपने भूरे बालों को बॉब में बांधा हुआ था और अपने पढ़ने के चश्मे को अपनी गर्दन के चारों ओर एक चांदी की चेन में लटकाया हुआ था। आहार, व्यायाम, अधिकार, संयम: वह आत्म-अनुशासन को दर्शाती थी। और गति: उसने पार्लर तक लंबे, संकीर्ण गलियारे को इस तरह से कवर किया जैसे कि उसके पैर मोटर चालित हों।

अंजलि की माँ और मौसियाँ मोटी, धीमी चाल वाली महिलाएँ थीं, जो उषा से छोटी थीं और केवल अपमान को ही जल्दी समझ लेती थीं।

Machine Translated by Google

उषा अंजलि को पार्लर से होते हुए एक धूप भरे, विशाल कमरे में ले गई जिसे वह अपना कार्यालय कहती थी। यह एक छोटा सा कांच के ऊपर का डेस्क, घूमने वाली कुर्सियाँ, फाइलिंग कैबिनेट और एक रंगीन संखेरा सोफा और आरामकुर्सी सेट से सुसज्जित था। खिड़कियों के सामने पंक्तिबद्ध, दो बड़ी व्यायाम मशीनें थीं, जिन्हें अंजलि ने टूकी द्वारा पास की गई जीवन शैली पत्रिकाओं में विज्ञापित देखा था, और एक स्थिर साइकिल। खिड़कियों से रीच कॉलोनी का एक हिस्सा दिखाई देता था जिसे उसने अपने ऑटो-रिक्शा से नहीं देखा था: जंगल की एक आंशिक रूप से बुलडोजर वाली पट्टी, और उसके आगे, एक छोटा सा गाँव। शायद ग्रामीणों ने कॉलोनी के लिए श्रम प्रदान किया; या समान रूप से प्रशंसनीय, शायद उन्होंने अतिक्रमण करने वाले शहरीकरण को पूरी तरह से अनदेखा कर दिया।

अंजलि अपनी देरी के लिए बहाने बनाने ही वाली थी - एक मोटरसाइकिल ने उसके ऑटो-रिक्शा को टक्कर मार दी थी? - लेकिन उषा ने उसे बीच में ही रोक दिया। "चलो अब और समय बर्बाद नहीं करते। आज दोपहर बाद इलेक्ट्रॉनिक सिटी में मेरी मीटिंग है।"

पार्वती बनर्जी डेस्क पर बैठी थीं, उनके सामने फाइलों का ढेर था और
चमड़े के बैग में और भी बहुत कुछ छिपा हुआ था, जिस पर सोने के रंग से PB लिखा हुआ था। दो बड़े कुत्ते उसके पैरों के पास बैठे थे। वे लाड़-प्यार से पाले गए पराया कुत्तों जैसे लग रहे थे। दोनों में से बड़ा कुत्ता अंजलि पर गुर्राया।

"शांत रहो," पार्वती ने आदेश दिया। उसने कुत्ते के कान के पीछे हाथ फेरकर उसे शांत किया; फिर उसने अंजलि को एक मनोरंजक नज़र से देखा। "तुम्हें कुत्तों से डर नहीं लगता, है न?"

"नहीं।" उसने झूठ बोला, लेकिन वह डेस्क के पास नहीं गई। अंजलि गौरीपुर में किसी ऐसे व्यक्ति को नहीं जानती थी जो कुत्तों को पालतू जानवर के रूप में रखता हो। वहाँ आवारा कुत्तों के झुंड थे, जो कूड़ा-कचरा खाकर अपना जीवन यापन करते थे, और अमीर लोगों के पास खूंखार, खुले जर्मन शेफर्ड कुत्ते थे जो चोरों को अपनी संपत्ति से डराने के लिए रखे जाते थे।

"मिसेज बेजहोट कैसी हैं?" उषा ने पूछा। उसने बड़ी डायल चेक की।
उसने अपनी कलाई के अंदर पहनी हुई पुरुषों की घड़ी देखी और भौंहें सिकोड़ लीं।

"वह एक अजीब शाम थी, है न?" पार्वती ने कहा। "बेचारी चालीस साल से अपने घर से बाहर नहीं निकली है।" उसने डेस्क पर रखे ढेर से एक पतला फ़ोल्डर निकाला। अंजलि ने मान लिया कि उसमें उसके बारे में जानकारी है, हालाँकि उसने औपचारिक रूप से CCI में आवेदन नहीं किया था। संभवतः पत्र में

Machine Translated by Google

परिचय पीटर ने भेजने का वादा किया था। क्या देसाई डेटा सिस्टम्स ने उसका बायोडाटा तैयार किया होगा?

"हम आपको जल्दी नहीं करना चाहते," उषा ने कहा। "लेकिन ट्रैफ़िक तो होगा ही
बहुत ही भयानक।"

पार्वती ने अपने सभी कुत्तों को खाने की चीज़ें दीं। "ध्यान रहे, हम उस हाथ को नहीं काट रहे हैं जो हमें खाना खिलाता है," उन्होंने समझाया।

उषा ने अपना सेल फोन चेक किया। "हम सभी इस उछाल से लाभ उठा रहे हैं
बैंगलोर, लेकिन हम चाहते हैं कि शहर के मुखिया सड़कें चौड़ी करें!"

"अच्छा, तो क्या हम शुरू करें?"

उषा ने अपने सेल फोन का ढक्कन बंद कर दिया। "एक मिनट रुको। मुझे यह सुनिश्चित करना है कि माँ अपनी नई गोलियाँ ले। उसने उन्हें फिर से छिपा दिया है, लेकिन मुझे लगता है कि मुझे पता है कि कहाँ।" वह वापस दालान में चली गई।

अंजलि देरी के लिए आभारी थी। दो महिलाओं द्वारा साक्षात्कार किए जाने के विचार से ही वह घबरा गई थी, जो दरवाजे खोलने के लिए पर्याप्त शक्तिशाली थीं। उसे विश्वास था कि वह उन पुरुषों को आकर्षित कर सकती है या उनसे एहसान ले सकती है, जो उसकी मदद करने के लिए पदों पर हैं, एक बार जब वह उनकी अहंकार और कमजोरियों को समझ लेती है, लेकिन उसने महिलाओं से जो चाहिए उसे पाने के लिए कोई रणनीति नहीं बनाई थी।

पार्वती अपनी कुर्सी पर घूमी, सोफ़े और कुर्सी की ओर इशारा किया, और अंजलि से कहा कि कृपया बैठ जाओ। "अपने आप को घर जैसा महसूस करो। उषा ज़्यादा देर नहीं आएगी। वह अपनी माँ के सभी छिपने के स्थानों को जानती है।" फिर वह वापस डोजियर पढ़ने और नोट्स बनाने में लग गई। अंजलि नीचे की ओर पैर वाली संखेरा कुर्सी पर बैठ गई, जो एक लंबे पैर वाले उम्मीदवार के लिए एक असुविधाजनक विकल्प साबित हुई, जो घबराए हुए तंत्रिका तंत्र से पीड़ित था। अंग्रेजी, हिंदी और गुजराती के समाचार पत्र आसानी से पहुँच में फर्श पर एक टोकरी में रखे हुए थे, और चमकदार व्यावसायिक साप्ताहिक पत्रिकाएँ संखेरा कॉफी टेबल से मेल खाती हुई रखी हुई थीं। पार्वती को क्या अधिक प्रभावित करेगा: एक पत्रिका में तल्लीन होने का दिखावा करना या समृद्ध आंतरिक संसाधनों में खो जाने का दिखावा करना?

"उषा एक संत है," पार्वती ने आह भरी। उसने अपनी मेज़ की कुर्सी अंजलि के पास खींची। "जब उर्मिला-बहन - यानी उसकी माँ - बीमार हो गई, तो उषा ने फिर से हस्ताक्षर किए

Machine Translated by Google

उसकी नौकरी। वह एक बड़ी कपड़ा कंपनी में मानव संसाधन कार्यालय की प्रमुख थी, इसलिए CCI का निर्माण करना और एक कर्तव्यनिष्ठ बेटी बनना उसके लिए आसान था। उसकी बहन और भाई के पास अपनी माँ के लिए समय नहीं था। भाई ने साफ-साफ कहा कि वह ऑस्ट्रेलिया से कहीं और जाने वाला नहीं है। बहन दो सप्ताह के लिए कनाडा से आई, फिर वापस चली गई, उसने कहा कि उसके पति और बच्चों को उसकी माँ से ज़्यादा उसकी ज़रूरत है।"

कर्तव्यनिष्ठ बेटी। अंजलि शर्म से काँप उठी। वह क्या जवाब देती जब उसने खुद अपने माता-पिता की भलाई के बजाय निजी संतुष्टि को चुना था?

"ऐसा क्यों है कि भारत से बाहर जाने पर भारतीय महिलाएं इतनी स्वार्थी हो जाती हैं?"

पार्वती ने आगे कहा। अंजलि का चेहरा गर्म हो गया था। उसने अनुमान लगाया कि जब पार्वती ने नौकरानी को मेहमान के लिए ठंडा पानी लाने के लिए कहा तो उसके माथे पर शायद पसीना आ गया था।

"मिस्टर चैम्पियन भी उसकी बहुत प्रशंसा करते हैं," अंजलि किसी तरह कह पाई, लेकिन उसके मुंह से " बहुत अजीब" शब्द निकला।

"निःसंदेह हमें भारत में भी इसी प्रकार के नैतिक संकट का सामना करना पड़ेगा।

मेरे माता-पिता ने अपने आखिरी साल ऋषिकेश में बिताए, जबकि मैं अपने पति और बेटों के साथ बॉम्बे में थी। हमें वहीं जाना है जहाँ नौकरी है।"

नौकरानी एक ट्रे में तीन गिलास पानी और कुकीज़ की एक प्लेट लेकर आई। उसने एक सुंदर बैंगनी सलवार-कमीज और मोतियों से सजा दुपट्टा पहना हुआ था। बैंगलोर में, आप यह नहीं बता सकते थे कि कौन छात्र है और कौन छात्र।

नौकर.

"मेरे मामले में, मैंने नौकरी पाने की संभावना के लिए घर छोड़ा था, जिसमें मैं अच्छा कर सकती थी," अंजलि ने आत्मरक्षा में बड़बड़ाते हुए कहा। मैं किसमें अच्छा कर सकती हूँ? जटिल निर्माणों से बचें। औपचारिक साक्षात्कार शुरू होने तक अपना मुँह बंद रखें।

पार्वती अभी भी फाइलों के ढेर को देख रही थी और अंजलि अभी भी अपने पैरों को घुटनों और टखनों पर मोड़कर खोल रही थी, तभी उषा फिर से प्रकट हुई। "अच्छा, कम से कम तुम दोनों को एक-दूसरे से बात करने का मौका तो मिला।

Machine Translated by Google

परिचित हो जाओ। क्या तुम एक कप चाय पीना चाहोगी, अंजलि? कॉफी भी पी जा सकती है।
कामिनी को अब अगले कुछ घंटों तक अपनी कंप्यूटर कक्षाओं में जाने की जरूरत नहीं है।"

बैंगलोर में नौकर भी कंप्यूटर की शिक्षा लेते हैं! बैंगलोर में नौकर भी प्रतिस्पर्धा में हैं! जल्द ही बैंगलोरवासी गौरीपुर से अपने घरेलू कर्मचारी आयात करने लगेंगे! अंजलि ने चाय या कॉफी की पेशकश ठुकरा दी।

"शायद हम आपसे अपने बारे में कुछ बताने के साथ शुरुआत कर सकते हैं
उषा ने सुझाव दिया, "पृष्ठभूमि बहुत अच्छी है।"

घबराएँ नहीं। हुसैना और टूकीज़ के कपड़ों में आपने जो छवि बनाई है, उसे बनाए रखें। दबाव में दिखावा करें। "फ़ाइन, मैडम!" उसने तुरंत देखा कि उसके "फ़ाइन" कहने से दोनों साक्षात्कारकर्ता कैसे चौंक गए थे। "मेरा नाम एंजी बोस है।" उसने अपना पूर्वाभ्यास किया हुआ परिचय दिया। "हम बंगाली हैं, लेकिन मेरा परिवार बहुत पहले बिहार में बस गया था। मेरी हिंदी मेरी बांग्ला से बेहतर है, और मेरी अंग्रेज़ी दोनों से बेहतर है-"

पार्वती ने उसे बीच में टोका। "तो हमें तुम्हें एंजी कहना चाहिए?" उसने अपने सामने रखे फॉर्म में से एक पर कुछ चेक किया। "एंजी, अंजलि नहीं। ठीक है। अंतिम नाम अभी भी बोस है?"

"क्या तुमने अंतर समझ लिया, एंजी?" उषा ने पूछा। "ठीक है, फ़िन नहीं ।
एफ़एफ़. फूल, ठंढ, जंगल, बुखार, पूर्ण, मूर्ख, फुलाना, मछली, मोटा, गिरना, तेज़, पाँच, निष्पक्ष, दूर, आगे, आगे ... एक सही व्यंजन ध्वनि की कमी के लिए, वगैरह?"

वह इंटरव्यू शुरू होने से पहले ही फेल हो गई थी! सही fff ध्वनि के अभाव में, उसका भविष्य खत्म हो सकता था। पीटर का पैसा का तोहफा हमेशा के लिए नहीं रहेगा।

"मेरी घबराहट माफ करें। ठीक है।"

पार्वती ने फिर से फॉर्म देखा। "एंजी, आपके करियर के लक्ष्य क्या हैं?"

"आप मेरी नौकरी के लक्ष्यों के बारे में पूछ रही हैं, मैडम?" उसने इसके लिए तैयारी कर रखी थी।
प्रश्न: "मेरी महत्वाकांक्षा एक कॉल-सेंटर एजेंट बनने की है। यह मेरा पेशा है।"

Machine Translated by Google

"कॉल-सेंटर एजेंट!" उषा ने झट से कहा। "कृपया। ग्राहक-सहायता विशेषज्ञ। अमेरिकी कंपनियाँ आउटसोर्सिंग की गंध वाले किसी भी शब्द से बहुत असहज होती हैं।"

पार्वती ने शांत स्वर में हस्तक्षेप किया। "हमें एक व्यक्ति के रूप में आपमें रुचि है। हम जानना चाहते हैं कि आपको क्या प्रेरित करता है, आपको परिवार और गृहनगर छोड़ने के लिए क्या प्रेरित करता है, आप कौन से खेल खेलते हैं या क्या पसंद करते हैं, इस तरह की बातें।"

"तुम चाहते हो कि मैं अपनी नौकरी की योग्यता बताऊँ? सांख्यिकी में बी. कॉम. कोर्स के प्रथम वर्ष में सर्वोच्च अंक, उन्नत संवादी अंग्रेजी में प्रमाण पत्र, अमेरिकी अंग्रेजी में डिप्लोमा..." उसने अपनी आवाज़ धीमी कर दी क्योंकि उषा साफ-सुथरी मेज़ पर एक महिला गोल्फ़र के आकार की छोटी कांस्य ट्रॉफी के साथ अधीरता से खेल रही थी। खेल और शौक की बात करें। "दा गामा महिला फ़ील्ड हॉकी टीम में आगे..." क्या उसे एक मतलबी बॉल फ़्लिकर होने का घमंड करना चाहिए? माँ और बाबा उसकी बेवक़ूफ़ छड़ी चलाने की कला पर शर्मिंदा थे। "अंतर-मिशनरी-स्कूल लड़कियों के पिंग-पोंग टूर्नामेंट में रजत कप..."

उषा देसाई ने अपना हाथ उठाकर अंजलि को रुकने का संकेत दिया।

तुम चाहते हो कि मैं ऐसा करूँ? पिंग-पोंग? तुम हारे हुए हो! लेकिन पार्वती दयालु होने की कोशिश कर रही थी। "क्या तुम खुद को लोगों से घुलने-मिलने वाला व्यक्ति कहोगे? या तुम एक अकेले व्यक्ति हो जो अकेले रहना और किताब पढ़ना पसंद करते हो?"

ठीक है, रवि चटर्जी की चाची उसके लिए एक सहयोगी थीं। अच्छा पुलिसवाला, बुरा पुलिसवाला?

पार्वती का रोलर-बॉल पेन फॉर्म पर चेक किए जाने वाले बॉक्सों पर घूम रहा था। "क्या आप खुद को तार्किक विचारक मानते हैं या प्रवाह के साथ चलने वाले, झटके के साथ आगे बढ़ने वाले?"

हाई स्कूल से स्नातक होने के बाद से उसने एक भी उपन्यास नहीं पढ़ा था।
"लोगों से प्यार करने वाली," उसने स्वीकार किया। ऐसा नहीं है कि वह पढ़ने वाली नहीं थी, लेकिन वह बॉलीवुड के दिग्गजों के बारे में फैनजाइन पढ़ती थी। वह किताबों की दीवानी नहीं, बल्कि फिल्मों की शौकीन थी। शाहरुख खान या अक्षय कुमार के बारे में मुझसे पूछो, उसने चुपचाप दो अधेड़ उम्र की महिलाओं को चुनौती दी।

"तर्क बनाम अंतर्ज्ञान के बारे में आपका क्या विचार है?" उषा ने पूछा।

Machine Translated by Google

"मैं बहुत तार्किक व्यक्ति हूँ।" अंजलि ने उल्टा पढ़ने के लिए अपनी गर्दन ऊपर उठाई-
पार्वती के फॉर्म पर सूचीबद्ध शब्द: पूर्णतावादी; लचीला; सतर्क; तर्कशील; समझौतावादी; टीम वर्कर; नेता; गुप्त; वफादार; प्रतिस्पर्धी; चालाकीपूर्ण; कठोर वार्ताकार; कूटनीतिक; आवेगी; जिद्दी; मेहनती; व्यवस्थित; गंभीर; गंभीर; आलोचनात्मक; मौज-मस्ती पसंद; साथ रहने में मज़ा।

उसकी इच्छाएँ थीं, उसकी लालसाएँ थीं और भयानक अभिलाषाएँ थीं, ओह, उसकी थीं
इतने सारे जुनून और जुनून, लेकिन पार्वती बनर्जी के आधिकारिक साक्षात्कार फॉर्म पर किसी का नाम नहीं था! तुम असफल हो रहे हो! अचानक उसके अंदर एक बांध टूट गया। "क्या तुम एक ईमानदार जवाब चाहते हो? तुम जानना चाहते हो कि मैंने गौरीपुर क्यों छोड़ा?"

उषा ने समान भाव से कहा, "मुझे बताया गया है कि यह सर्वोत्तम नीति है।"

संभावित प्रश्नों के लिए उसने जो सारगर्भित, साफ-सुथरे उत्तर तैयार किए थे, उसके बजाय उसने खुद को गौरीपुर के जीवन के उन शांत और महानगरीय कैरियर वाली महिलाओं को पागलपन भरे अंश देते हुए सुना, जो उसके खुद के आधे-अधूरे जीवन की कहानी थी। उसने सोनाली के कड़वे समझौतों, निर्मल के घातक अपमान, पीटर की उसके प्रति खतरनाक उदारता और एक युवा व्यक्ति के प्रति उसके दर्दनाक प्रेम (हे भगवान, मैंने उसका पर्दाफाश कर दिया है), उसके पिता की घातक निराशा, उसके लिए विवाह के लिए चुने गए अपराधी: अन्याय, अपमान, शक्तिहीनता का बोझ उन पर डाल दिया। उसकी सबसे सुखद याद रबी के साथ गौरीपुर में घूमना था।

"सोनाली और मेरे और निर्मल जैसे लोगों के बारे में आप क्या जानते हैं? मुझे निर्मल की तरह मरने से पहले बाहर निकलना था। आप मुझसे पूछते हैं कि मुझे बैंगलोर आने के लिए किस बात ने प्रेरित किया। गौरीपुर में मेरा जीवन वैसा नहीं था जैसा पीटर का है। मुझे जाना था। मैं अपनी खुशी की शर्तें तय करने के लिए यहाँ हूँ।"

"खैर, मुझे खुशी है कि पीटर अपनी बात कह रहा है," उषा ने टिप्पणी की।
अंजलि ने अपनी कमीज़ की जेब में रखे एक पैकेट से टिश्यू निकाला।

तभी अंजलि की आंखों से आंसू बहने लगे। वह घबरा गई। "मेरा इरादा उसे बेनकाब करने का नहीं था।" उसने जो विश्वास प्रकट किया था, उसे वापस लेना संभव नहीं था। फिर, बचाव करते हुए उसने समझाया, "मैं अकेली नहीं हूं जो ऐसा कर रही हूं।

Machine Translated by Google

जानता है। रबी ने कुछ तस्वीरें लीं। उसने अली को गौरीपुर की सबसे खूबसूरत महिला बताया।"

"हमें इसमें कुछ भी गलत नहीं लगता।" पार्वती ने अंजलि का डोजियर वापस रख दिया।
ढेर में। "क्या आप उस भावनात्मक चक्कर के बाद बेहतर महसूस कर रहे हैं?"

"मेरी सलाह, चाहे आप चाहें या नहीं, यह है: साक्षात्कार के दौरान आत्म-भोगपूर्ण बातें न करें।" उषा ने एक ढीले-ढाले बाइंडर से एक पन्ना निकाला।

स्क्रीड: दिन का नया शब्द। "मुझे बहुत खेद है," अंजलि ने कहा। "मुझे नहीं पता कि यह सब मुझसे क्यों निकला। यह बस हो गया। मेरा मतलब खराब काम करने के लिए बहाने बनाना नहीं है।"

उषा ने उसे वह शीट थमा दी। यह "द रेवेन" कविता की फोटोकॉपी थी। "क्या तुम्हें पता है कि शीर्षक किस बारे में है, एंजी?"

कितनी राहत की बात है! "रे-वेन?" उसने पूछा। "बड़ी सफ़ेद चोंच वाला एक बड़ा काला पक्षी? पतंग जैसा, या कौआ जैसा?" वह पीटर के अपार्टमेंट में वापस आ गई थी, पीटर के हाथ में पेंसिल हर शब्द पर विराम लगा रही थी। फिर से, फिर से, नहीं, फिर से।

बिना पूछे ही उसने कागज पढ़ना शुरू कर दिया। "कमज़ोर और थके हुए", "कौवे ने कहा", "कभी नहीं" सभी ने खुद को पूरी तरह से तैयार, स्वाभाविक रूप से, बिना किसी रुकावट के प्रस्तुत किया।

"पीटर ने तुम्हें बहुत अच्छी तरह से तैयार किया है।"

क्या इसका मतलब यह था कि वह सीसीआई कार्यक्रम के लिए बहुत आगे थी? "मुझे अभी भी प्रशिक्षण की आवश्यकता है, मैडम।"

"ठीक है, आज दोपहर में आने के लिए धन्यवाद।" पार्वती ने संकेत दिया कि
साक्षात्कार समाप्त हो गया था।

"हम आपको फोन करेंगे। और कृपया श्रीमती बेजहोट को हमारी शुभकामनाएं बता दीजिए।"

कामिनी ने संकेत पर अंजलि को बाहर निकालने के लिए रसोई से बाहर आई। दालान में, अंजलि को लगा कि उसने एक हल्की हंसी सुनी और कुछ इस तरह के शब्द कहे "ठीक है, निश्चित रूप से तुम्हारा कुकी-कटर नहीं..."

Machine Translated by Google

5

इंदिरा नगर से क्यू गार्डन तक ऑटो-रिक्शा से वापस आते समय अंजलि ने सीसीआई के साझेदारों द्वारा पूछे गए प्रश्नों को बार-बार याद किया, कि उसने कितने मूर्खतापूर्ण तरीके से उनका उत्तर दिया था, तथा उसे किस प्रकार उत्तर देना चाहिए था ।
हुसैना की तैयारी के कारण उसे वास्तविक साक्षात्कार नहीं मिला था। वह टूकी को अपना अनुभव बताने और टूकी की प्रतिक्रिया जानने के लिए उत्सुक थी, इससे पहले कि टूकी अपनी कार्य-शिफ्ट से पहले बार-हॉपिंग की रस्म के लिए निकल जाए।

जब वह बैगहोट हाउस वापस आई, तो उसने टूकी के कमरे के बमुश्किल खुले दरवाजे पर दस्तक देने से पहले अपने कपड़े पहने। उसके तीनों सहपाठी वहाँ थे, वे वॉयस ऑफ़ द साउथ में छपे कॉलम के बारे में हँस रहे थे और चिल्ला रहे थे, जो टूकी के बिस्तर पर फैला हुआ था। सुनीता को वह अखबार नाश्ते के कोने में क्रेडेंज़ा के ऊपर मिला था।

"अरे, गर्लफ्रेंड!" टुकी ने उसे हाई-फाइव दिया। "इस पर एक नज़र डालो!
डायनमो दोस्त ने सही कहा! हमें पूरी तरह से हरा दिया!"

यहां तक कि सुनीता ने भी हवा में हाई-फाइव किया और अंजलि के लिए बिस्तर पर जगह बनाई ताकि वह डायनमो का कॉलम पढ़ सके।

नई मिस इंडिया

डायनमो द्वारा

इस हफ़्ते डायनमो काफ़ी प्रभावित है। नई मिस इंडिया, अज़ीज़ा हबीब को बधाई, जिन्हें पिछले हफ़्ते गोवा में बॉलीवुड के दिग्गजों और कम से कम एक हैरान हॉलीवुड बी-लिस्टर के पैनल ने अगली ऐश्वर्या राय के रूप में चुना, जो खुद ही दुनिया की सबसे खूबसूरत महिला हैं। (राष्ट्रीय सहमति से, कोई भी मिस इंडिया अपने आप ही दुनिया की नंबर वन बन जाती है)। एक बार फिर, भारतीय सुंदरता के समय-परीक्षणित मानक को बरकरार रखा गया है: दर्जनों लोगों के सामने पारंपरिक पोशाक में (जब तक कि वे पश्चिमी शाम के गाउन और स्पाइक हील्स में न उतर जाएं) सरल, हिरण जैसी आंखों वाली, शास्त्रीय रूप से प्रशिक्षित नर्तकियां

Machine Translated by Google

चेकबुक और फिल्म की पटकथाएं तैयार रखे हुए लाचार निर्माता।

मेरा प्रश्न: इन सुंदर महिलाओं में से कौन अधिक लोकप्रिय है?
क्या यह आधुनिक भारत की आत्मा को छू पाएगा?

हर हफ़्ते, बैंग-ए-लॉट (या शायद मुझे इसे कहना चाहिए
बंग-अमौर) इस महान देश के हर हिस्से से कई हज़ार युवतियों को प्राप्त करता है (उनका
"स्वागत" नहीं करता)। वे विमान से, ट्रेन से, यहाँ तक कि इंटरसिटी बस से भी आती हैं। वे बड़े शहरों
और मुफ़स्सिल कस्बों से आती हैं। लखनऊ और वरोदरा से; गौरीपुर और धनबाद से। वे सभी धर्मों, सभी
भाषाओं का प्रतिनिधित्व करती हैं।

वे स्कूल छोड़ने के प्रमाण-पत्र, पुराने शिक्षकों के संदर्भ पत्र लेकर आते हैं, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात, वे
आशा और ऊर्जा लेकर आते हैं जो संक्रामक है। वे न तो मुस्कुराती हैं, न नाचती हैं (उनसे मत पूछिए!), और
न ही वे साड़ी या शाम के गाउन पहनती हैं। वे आरामदायक सलवार या नीली जींस में चलती हैं, और
बैंग-अमौर को इसकी आदत डाल लेनी चाहिए और उनके लिए आभारी होना चाहिए। हमारी सुस्त संस्थाएँ
- बॉलीवुड के अनुपालन मानकों की तरह - उन्हें हराने की कोशिश करेंगी, लेकिन वह ट्रेन पहले
ही स्टेशन से निकल चुकी है।

मुंबई के मुगलों ने अपनी पुरानी सुंदरियों को हमारे सामने पेश किया, जबकि ये कॉल
सेंटर की आशाएं प्रशंसकों के एक छोटे लेकिन अधिक विवेकशील कैडर को आकर्षित करने में कामयाब
रहीं। अलंकरण के अलावा बॉलीवुड को भारत की महिलाओं की कोई ज़रूरत नहीं है। बॉलीवुड
भारत का अंतरराष्ट्रीय कॉलिंग कार्ड होने से बहुत दूर है, यह अपनी "हीरोइनों" और उनके विशाल पुरुष
दर्शकों को शिशुपन की अवस्था में रखता है, जिससे हमें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बहुत शर्म आनी चाहिए।

अंजलि ने इसे दो बार पढ़ा, उसके बाद हुसैना ने उससे पेपर छीन लिया। श्री जीजी ने गौरीपुर को अपने कॉलम में चुपके से शामिल कर लिया था क्योंकि वह गिर गया था

Machine Translated by Google

हुसैना ने कहा, "यह लड़का किसी ग्राहक सेवा एजेंट के साथ डेटिंग कर रहा होगा।"

"तुम्हारा मतलब है कि वह किसी के साथ सेक्स कर रहा है?" टूकी मुस्कुराया।

अंजलि उन्हें डायनेमो की पहचान बताने के लिए तैयार नहीं थी-यह उसका विशेष रहस्य था। उसने हुसैना से पेपर वापस छीन लिया और कॉलम को जोर से पढ़ा, प्रत्येक शब्दांश को उसी तरह से आत्म-चेतना से उच्चारित किया जैसा वह पीटर चैंपियन की उन्नत वार्तालाप कौशल कक्षा में संवाद अभ्यास में करती थी। उसके दोस्त इस स्पष्ट तथ्य को कैसे अनदेखा कर सकते थे कि डायनेमो, उर्फ मिस्टर।

जीजी ने उसे और सिर्फ़ उसे ही एक प्रेम पत्र लिखा था? "वह कहता है कि वह मोहित है," उसने विरोध किया।
"मोहित, वह अपनी भावनाओं को इस तरह से बताता है।
' स्मिटन' एक शिष्ट शब्द है!

हुसैना ने जवाब दिया, "मुझे तो वह मानवविज्ञानी जैसे लगते हैं।"
"जब तक उसने हमें नहीं खोजा और हमारे बारे में बात नहीं की, तब तक हमारा कोई अस्तित्व नहीं था। हम उसकी सबसे नई जनजाति हैं।"

सुनीता हुसैना की व्यंग्यात्मकता को समझ नहीं पाई। "हिप-हिप, डायनमो! मुझे इससे कोई परेशानी नहीं है।"
"मैं एक नई नस्ल की कामकाजी लड़की हूँ।"

"कृपया, कैरियर वाली महिलाएँ।" टुकी ने उसे सुधारा। "डायनेमो कैरियर वाली महिलाओं से भरे हरम से मोहित है।" उसने अपनी लिपस्टिक और ब्लश को ताज़ा किया। "ठीक है, मुझे ब्रिगेड में जाना है ताकि मैं अपनी शिफ्ट पूरी कर सकूँ। कोई साथ आ रहा है?"

हुसैना और सुनीता ने मना कर दिया, लेकिन अंजलि ने उत्सुकता से स्वीकार कर लिया और अपने चेतक पर टूकी के पीछे बैठ गई। वह श्री जीजी द्वारा उसे दी गई सार्वजनिक श्रद्धांजलि का जश्न मनाने के मूड में थी। मिन्नी की डिनर पार्टी की रात को उसे यकीन था कि वह अगली सुबह उसे फोन करेगा। नहीं, उसे उम्मीद थी कि वह मिन्नी के लिए लाए गए गुलदस्ते से भी बड़ा गुलदस्ता लेकर बैगहॉट हाउस के सामने के दरवाजे पर आकर उसे आश्चर्यचकित कर देगा। कितना चालाक प्रेमी!

टुकी के एक सहकर्मी ने पहले पब में पहला राउंड खरीदा; अजनबियों ने अगले कई राउंड खरीदे। एक गुप्त प्रशंसक (टुकी का या अंजलि का - यह स्पष्ट नहीं था कि कौन) ने दूसरे पब में उन्हें दूसरा ड्रिंक खरीदा; राल्फ लॉरेन शर्ट पहने एक तिरछी नज़र वाले आदमी ने अगला खरीदा; एक मोटा मध्यम आयु वर्ग का व्यक्ति

Machine Translated by Google

रे-बैन सनग्लास पहने हुए आदमी ने घर के अंदर कुछ और शराब खरीदी। इस समय तक टुकी ने वही दोहराना शुरू कर दिया जो वह कह रही थी, और अंजलि को एंजी की तरह महसूस होने लगा। तीसरे पब के बाद, एंजी को यह याद नहीं रहा कि किसने किस क्लब में क्या खरीदा। यह सिर्फ़ दूसरी रात थी जब उसने शराब का स्वाद चखा था। गौरीपुर में पीटर के अमेरिकी अंग्रेजी वार्तालाप समूह के तेज़ लड़के महीने में शायद एक बार कक्षा के बाद बीयर पीने के लिए बाहर जाते थे, लेकिन उन्होंने कभी भी उसे अपने साथ शामिल होने के लिए नहीं कहा था, और अगर उन्होंने कहा होता, तो वह वाकई चौंक जाती। गौरीपुर के सम्मानित मध्यम-वर्गीय परिवारों की महिलाएँ शराब नहीं पीती थीं, बिल्कुल नहीं। उसके पिता निजी तौर पर स्थानीय व्हिस्की पीते थे, जैसा कि पड़ोस के अन्य पुरुष जो इसे खरीद सकते थे, शायद पीते थे। वास्तव में अमीर - और ऐसे सिर्फ़ चार या पाँच परिवार थे - गौरीपुर जिमखाना के पिछले कमरों में आयातित स्कॉच और ब्रांडी पीते थे; शहर के किनारे दूर-दराज की झुग्गियों में छोटे-मोटे मज़दूर सस्ती देशी शराब पीते थे और जाहिर तौर पर घर लौटते समय मर जाते थे। उसने अखबारों में पढ़ा था कि अवैध शराब बनाने वालों को जेल भेजा जा रहा है।

साढ़े ग्यारह बजे तक, जब बारों को पेय पदार्थ परोसना बंद करना पड़ा, एंजी फुटपाथ पर उल्टी कर रही थी। उसे केव गार्डन वापस जाने के लिए बजाज चेतक की सवारी याद नहीं थी, सामने के दरवाजे से अपने कमरे तक की सीढ़ियों पर चढ़ना तो दूर की बात थी। अगले दिन दोपहर के भोजन की मेज पर, टुकी ने उसे एक बड़ा विटामिन बी-50 कैप्सूल और एक व्याख्यान दिया। कॉल-सेंटर के दो प्रकार के शराबी थे: बड़े शहर के, उच्च वर्ग के अभ्यासी सुखवादी जो अपनी शराब को रोक सकते थे, और अमेरिकी बनने की चाह रखने वाले गाँव के गँवार जो इतने नशे में थे कि उन्हें काम से चूकना पड़ा। एंजी ने प्रार्थना की कि मिस्टर जीजी ने पिछली रात उसके पब-क्रॉलिंग के कारनामे को न देखा हो।

Machine Translated by Google

6

पार्वती बनर्जी ने ही अंजलि को फोन करके बताया कि उसे सीसीआई के दो सप्ताह के क्रैम कोर्स में दाखिला मिल गया है और उसे अगले सोमवार को सुबह आठ बजे पहली कक्षा के लिए आना है, जो ऊषा के घर से सटे अपार्टमेंट, रीच फॉर द गैलेक्सी 3ए में आयोजित होगी।

"उषा आमतौर पर त्वरित कार्यक्रम चलाती हैं, लेकिन मैं इस सत्र में उनके लिए पिंच-हिटिंग कर रही हूँ।" पार्वती ने आगे बताया कि उषा की बुजुर्ग माँ की हृदय वाल्व की मरम्मत के लिए जटिल सर्जरी हुई थी, और ऑपरेशन के बाद उन्हें स्ट्रोक हुआ था। "मुझे डर है कि बहुत ज़्यादा कमी हो गई है।" यह अनुमान लगाना मुश्किल था कि उषा कब सीसीआई में पूर्णकालिक रूप से वापस आएंगी।

"पिंच-हिटिंग?" क्या यह ईव-टीजिंग का एक रूप था?

पार्वती ने हंसते हुए कहा। "चिंता मत करो। हमारे पाठ्यक्रम में एक गहन संस्कृति-परिचित इकाई शामिल है।" उसने सीसीआई मिनीवैन की व्यवस्था की, जो छात्रों को संस्थान से लाती-ले जाती थी, ताकि वह सोमवार को सुबह 5 बजे अंजलि को बैगहोट हाउस के सामने से ले जा सके । "गेट अभी भी खड़ा है, है न? या गुंडे इसे कबाड़ के लोहे के रूप में बेचने के लिए ले गए हैं?"

"कृपया चिंता न करें। मैं पांच बजकर पांच मिनट पर शटल बस के लिए तैयार हो जाऊँगा।"

तो उसका जीवन, उसका वास्तविक जीवन, छह दिन बाद (फिर से) शुरू हो जाएगा।

वह सीसीआई में सहपाठियों से प्रभावित न होने के लिए दृढ़ संकल्पित थी
जैसा कि वह बैंगलोर में अपनी पहली सुबह बरिस्ता के कॉल-सेंटर कर्मचारियों द्वारा किया गया था। खुद को बढ़त देने के लिए, अंजलि उस रात जल्दी सो गई। उसे आराम की जरूरत थी; उसे सिर्फ नींद की नहीं बल्कि सपनों से मुक्त नींद की जरूरत थी। भूतों और रात के राक्षसों को भगाओ। लेकिन वह बाबा को दूर नहीं रख सकती थी। वह कमरे में घुस आया, चिल्लाते हुए, "तुम मेरे लिए मर चुकी हो!" उसने अपनी आँखें बंद कर लीं और फुसफुसाया, "तुम मेरे लिए भी मर चुकी हो। इसके बजाय 'परफेक्ट जमाई कैंडिडेट' को परेशान करो। उसने हम दोनों को मार डाला और भाग गया।" बाबा सुबोध मित्रा में घुल गए, और सुबोध मित्रा ने उसे बिस्तर पर बैठने की स्थिति में खींच लिया

Machine Translated by Google

और, अली का रूप धारण करके, बॉलीवुड साउंडट्रैक पर उसके चारों ओर गंदा नृत्य किया।

उस रात किसी समय हुसैना ने अंजलि के अस्थायी कमरे में मोतियों से बने पर्दे को हिलाया, जिससे वह चौंककर बिस्तर से उठ गई। वह एक गहरी चिंता भरी नींद में थी, और उसे यकीन नहीं था कि वह वास्तव में जाग रही है। हुसैना ने अपने भरे हुए होठों पर एक रंगे हुए नाखून को दबाया और अंजलि को इशारा किया कि वह उसके पीछे हॉल से होते हुए उसके कमरे में चली जाए, जो, टूकी के अनुसार, दुल्हन का कमरा था, जिसमें मिन्नी नामक शरमाती हुई दुल्हन ने तेजतर्रार, सेवानिवृत्त सेना अधिकारी मैक्सी को अपना स्थान दे दिया था।

चार-पोस्टर बिस्तर पर एक आधा पैक रात भर का केस खुला पड़ा था। "मुझे विश्वास है
हल्के सामान के साथ यात्रा कर रहा हूँ," हुसैना ने मुस्कुराते हुए घोषणा की। "मैं आज रात को जा रहा हूँ। मैं यहाँ से इतना दूर हूँ कि मैं पहले ही जा चुका हूँ।"

मैं जाग रही हूँ, अंजलि ने सोचा। यह हो रहा है। कूड़ाघर? लेकिन यह अकल्पनीय था; रानी हुसैना मैंगलोर की मीरा या गौरीपुर की अंजलि जैसे आम लोगों के भाग्य के अधीन नहीं थीं। "घर जा रही हो? क्यों?"

हुसैना ने अंजलि के आश्चर्य भरे चेहरे को देखा और जोर से हंसने लगी, जो खांसने पर खत्म हुआ। "हैदराबाद में घर? मेरा घर असल में क्या है?"
उसने अपनी अलमारी के दरवाजे खोले और ड्रेसर की दराजें बाहर निकालीं।
वैभव! इतना अमीर होना कैसा होता है? अंजलि ने सोचा, हुसैना के कपड़े, जूते, गहने, पतले अधोवस्त्रों के ढेर को देखकर।
उसने महसूस किया कि हुसैना की बांह उसके कंधे पर आ गई है और उसे हुसैना के ब्रांड के चंदन के साबुन की खुशबू आ रही है। उसने उसे कसकर दबाया, फिर छोड़ दिया। "वे तुम पर और भी अच्छे लगेंगे, अंजलि।"

अपने सभी सवालों में से अंजलि केवल यही पूछ सकी, "क्यों?" मतलब,
आप अपनी सारी चीज़ें दिखा कर मुझे क्यों परेशान कर रहे हैं?

"मैं क्यों जा रही हूँ, या मैं यह सब तुम्हें क्यों दे रही हूँ?" उसने एक पतली रेशमी कमीज को हैंगर से खींचा। "यह बस एक छोटा-सा सौदा है, अंजलि। मेरे कपड़े तुम्हारे कपड़ों के बदले। यह तुम्हारे लिए बहुत अच्छा सौदा है। यह कुछ ऐसा है जो गर्लफ्रेंड करती हैं।

Machine Translated by Google

हर समय, है न? इस सबके लिए तुम्हारी जींस और टी-शर्ट। मैं कुछ अंडरवियर भी डाल दूँगी।" उसने कमीज़ को एक गेंद की तरह सिकोड़कर खुले सूटकेस में फेंक दिया।

"लेकिन मेरी चीज़ें तो साफ़ भी नहीं हैं।" तुम ऐसा क्यों कर रहे हो? लेकिन जैसे कि सपना, शब्द बाहर नहीं आते थे.

"तो? बॉबी चाहता है कि मैं आज रात जींस पहनूं। क्या मैंने तुम्हें बॉबी के बारे में कभी बताया?"

"तुम्हारी सगाई लंदन में रहने वाले एक चचेरे भाई से हो गई है," अंजलि ने कहा। "कम से कम यही तो है जो तुम कहते रहते हो।"

"बॉबी मेरा मंगेतर है।"

"वह बैंगलोर में है?"

"असल में वह मेरा मंगेतर नहीं है। हमारी शादी को सात साल हो गए हैं। वह पिछले हफ़्ते ब्रैडफोर्ड से आया था। वह इतना ब्रिटिश है कि मैं उसे मुश्किल से समझ पाती हूँ।"

ब्रैडफोर्ड ने हुसैना द मिस्टीरियस की चमक को मंद कर दिया । साल? लेकिन वह मेरी उम्र की है! यह सपनों का तर्क था।

हुसैना सूटकेस के पास बिस्तर पर लेट गई। "मैं पूरी तरह से ठीक नहीं हुई हूँ सबके साथ ईमानदार। असल में, मैं कभी भी किसी के साथ आंशिक रूप से ईमानदार नहीं रहा हूँ। लेकिन बैंगलोर जैसे शहर में रहस्य का माहौल उपयोगी हो सकता है, है न? सच हमेशा झूठ से ज़्यादा चौंकाने वाला होता है, है न?"

अब कौन बड़बड़ा रहा था? लेकिन हुसैना शून्य में बोल रहा था, न कि शून्य में। जवाब की उम्मीद में। "मैंने देखा है," उसने आगे कहा, "तुम्हारे बारे में रहस्य का एक स्पर्श है।"

छल-कपट, हाँ; रहस्य, बिलकुल नहीं। "मुझे रहस्यमयी अभिनय के बारे में कुछ भी नहीं पता," अंजलि ने बुदबुदाया, जिस पर हुसैना ने केवल अपना सिर हिलाया और कहा, "बिल्कुल सही! मासूम दिखना पहला कदम है।"

Machine Translated by Google

अंजलि को पीटर की कही हुई बात याद आ गई। मासूमियत और अंधापन,
उनमें कुछ बातें थीं, लेकिन वह उन्हें सीधे नहीं रख सकी।

हुसैना ने प्रसाधन सामग्री का सामान पैक किया और उसे सूटकेस में डाल दिया।
फिर उसने अलमारी के सबसे ऊपरी शेल्फ से गुच्ची का पर्स उठाया और मुट्ठी भर पासपोर्ट बाहर निकाले।
"मेरे पिता उपकार करते हैं," उसने कहा। "लोग उन्हें चीजें देते हैं, जैसे मुफ्त पहचान। आज रात मुझे क्या बनना चाहिए? अमेरिकी?
नहीं, बहुत जोखिम भरा है। कैनेडियन? बहुत ठंड। कतरी, ऑस्ट्रेलियाई, कीवी, पाकिस्तानी, भारतीय क्या-क्या ··· बनना चाहती है बेचारी हुसैना? मैं कहाँ जाना चाहती हूँ? मेरे पास दुनिया के सारे बकवास विकल्प हैं। मेरे पास उनमें से लाखों हैं।" उसने मिन्नी के पालतू जानवरों के साथ खेलते हुए नीरस ब्रिटिश बच्चों के पोस्टर की ओर इशारा किया। "मैं दीवार पर लगी उन छोटी लड़कियों की तरह हूँ। बिल्ली के बच्चों की जगह, मेरे पास पासपोर्ट हैं। मेरे पास बस इतना ही है।"

हुसैना नहीं बल्कि टूकी गंदी भाषा और गाली-गलौज के लिए जानी जाती थी।
वह दौड़कर हॉल से नीचे अपने कमरे में गई, कपड़ों के पेड़ से अपनी जींस और बास्केट से टी-शर्ट और अंडरवियर निकाली और फिर जल्दी से वापस आ गई।
हुसैना ने पहले ही अपनी ब्रा और पैंटी उतार दी थी। "धन्यवाद," उसने कहा, "बस उन्हें बिस्तर पर छोड़ दो। तुम कल अपना माल उठा सकते हो।"

सपनों का तर्क हो या न हो, वह चीजों को एक साथ जोड़ना शुरू कर रही थी।
गाला की रात उसने अजीब व्यवहार किया था। वह अपने सेल फोन के साथ पोर्च पर बाहर थी। और वह गुस्से में थी, नाश्ते के समय मुश्किल थी। हुसैना का सावधान मुखौटा टूट रहा था।

"क्या आपने मिन्नी को एक महीने का नोटिस दिया था?"

"भाड़ में जाओ कुतिया! एक अध्याय का अंत।"

"मुझे टूकी और सुनीता से क्या कहना चाहिए?"

"टूकी को जो भी कहना है, कहो। सुनीता से सावधान रहना-वह उतनी मासूम नहीं है, जितनी दिखती है।" फिर हुसैना ने एकालाप शुरू किया। "मैं आज रात एक भारतीय के रूप में बाहर जाऊँगी। शायद मैं कल एक अमेरिकी बन जाऊँ-यह मजेदार हो सकता है। जब आपका पूरा जीवन एक बहुत बड़ा झूठ रहा हो, तो नकली पहचान बनाना बहुत आसान है।" उसने टी-शर्ट पहनने से पहले पैंजर डिलाइट शहरों की सूची पढ़ी।
"वहाँ गया हूँ, किया है, शायद ब्रातिस्लावा को छोड़कर।

Machine Translated by Google

यह जानकर अच्छा लगा कि अभी भी जीने लायक कुछ है।" वह अंजलि से ज़्यादा सुडौल थी। फिर जींस; वह भी ज़्यादा टाइट और कम लड़कों वाली। उसने अपने बालों को अंजलि के सबसे रंगीन दुपट्टे के नीचे छिपाया और लगातार बात करती रही।

"क्या तुम कुछ मज़ेदार सुनना चाहते हो? मैंने कभी किसी को यह नहीं बताया। जब मैं दुबई में अमेरिकन स्कूल में नौवीं कक्षा में थी, तो मुझे अपने पिता का फ़ोन आया कि मैं एयरपोर्ट जाऊँ, टिकट ले लूँ और तुरंत हैदराबाद वापस आ जाऊँ। मुझे लगा कि कोई मर गया है! जब मैं उतरी, तो उन्होंने मुझे एक तस्वीर दिखाई और कहा, 'यह मेरी आंटी का पोता है। वे उसे बॉबी कहते हैं। वह एक अच्छा लड़का है, जिसे लंदन में छात्रवृत्ति मिली है। तुम उसके बारे में क्या सोचती हो?' मानो किसी को उसकी परवाह हो! उसके अगले शब्द थे 'तुम कल उससे शादी कर लोगी।' मैं सिर्फ़ तेरह साल की थी, और मुझे हॉथोर्न पर एक पेपर देना था और मैं सोच रही थी कि क्या शादी करना पेपर में देर से पास होने का बहाना हो सकता है। बेशक मैं इसका ज़िक्र नहीं कर सकती थी, लेकिन कोई भी इस पर यकीन नहीं करेगा। सच हमेशा झूठ से ज़्यादा चौंकाने वाला होता है, है न? अगली सुबह मेरे नए पति इंग्लैंड चले गए और मैं नौवीं कक्षा में वापस चली गई और किसी को पता नहीं चला कि मैं शादीशुदा हूँ। मेरे पति ने स्कूल में मुझे पत्र नहीं लिखा। उन्होंने मुझे पत्र नहीं लिखा, बस।"

अंजलि को इनमें से कुछ भी समझ में नहीं आया। यहाँ तक कि हुसैना की आवाज़ भी उसे उलझन में डाल रही थी। वह एक घूमती हुई लट की तरह थी। उसके हर शब्द में धार थी, मानो अगला शब्द चीख के रूप में निकलेगा।

हैदराबाद के रहस्य, समझाए गए लेकिन समझे नहीं गए। पैंजर प्रसन्नता, अपने सभी उमलौटों के साथ, दरवाजे से बाहर निकलकर यूरोप वापस चली जाएगी। और वह, गौरीपुर की भूतनी अंजलि बोस, महंगे रेशम से भरी एक कोठरी विरासत में पाएगी। शायद पीटर और अली को छोड़कर किसी ने भी उस पर भरोसा नहीं किया था। वह हुसैना के प्रति कुछ दिल से या गहरा कर्जदार थी, लेकिन वह एक चमकदार मुस्कान वाली लड़की थी और कुछ नहीं। उसने पीटर के शब्दों को फिर से याद किया, उम्मीद है कि वह उन्हें सही कहेगी। अंजलि ने कहा, "एक लड़की में मासूमियत आकर्षक होती है।"

"लेकिन मुझे लगता है कि अंधापन नहीं है।"

हुसैना ने घूरकर देखा। आख़िरकार उसने कहा, "मैंने तुम्हें लगभग ग़लत समझा था। तुम टूकी की तरह एक भद्दा छोटा सा बोर नहीं हो। या सुनीता की तरह चालाक छोटा सा चूहा नहीं हो। तुम चीज़ों को समझ लेते हो, है न? और तुम चुप रहते हो। चुप रहना ज़रूरी है।"

Machine Translated by Google

"मैं सिर्फ़ बकवास दोहरा रही हूँ। मैं जो कुछ भी कहूँ उसे भूल जाओ।" उसे हुसैना का घूरने का तरीका पसंद नहीं आया। उसे हुसैना का लहज़ा पसंद नहीं आया, अपनी साथी बेजहॉट लड़कियों के प्रति उसकी उपेक्षा की नग्नता। अंजलि ने उससे ज़्यादा चालाक बनने की कोशिश की थी, होशियार लोगों के वाक्यांशों को याद करके, और हुसैना ने उसे पकड़ लिया था और उसे श्रेय दिया था और अब उसे हुसैना के बारे में कुछ ऐसा असहज रहस्य पता था जिसे उसे नहीं बताना चाहिए था।

जब हुसैना ने फिर से बात की, तो वह एक महिला से दूसरी महिला थी, उसका हाथ अंजलि के कंधे पर था, उसका चेहरा उसके करीब था। "सच कहूँ तो, मुझे नहीं पता कि मैं कहाँ जा रही हूँ।
बॉबी ने कहा, 'मुझ पर भरोसा करो और किसी को मत बताना कि तुम जा रहे हो,' लेकिन उसे मुझ पर भरोसा नहीं है। वह एक कार और ड्राइवर भेज रहा है, बस इतना ही मुझे पता है। ज़िंदगी बहुत अजीब है, है न?"

"कुछ भी वैसा नहीं है जैसा दिखता है," अंजलि ने जवाब दिया। "यह सब प्रकाश और कोण है।"

"हाँ, प्रकाश और कोण। क्या मैं आपको उद्धृत कर सकता हूँ?" हुसैना ने पूछा।

और मुझे याद रखना चाहिए कि सच झूठ से ज़्यादा चौंकाने वाला होता है, अंजलि ने खुद को सलाह देते हुए कहा कि वह वापस अपने कमरे में चली गई। हुसैना के इस बेबाक खुलासे से उसे यही एकमात्र सबक मिल सका। उसने दरवाज़े के पर्दों को थोड़ा खुला छोड़ दिया और अंधेरे में अपनी चारपाई पर पैर मोड़कर बैठ गई, जब तक कि हुसैना - अपनी टी-शर्ट और जींस में सेक्सी, एक सूटकेस के साथ दबे पाँव चलती हुई, होंठों में बिना जली सिगरेट - वहाँ से निकल गई।

वह रानी हुसैना के कमरे और भूमिका को हड़पने के लिए सुबह का इंतजार नहीं कर सकती थी
बैगहोट हाउस में। जैसे ही उसे यकीन हो गया कि हुसैना भाग गई है, और उसने एक कार की धीमी गति और कार के दरवाज़े के दबी हुई आवाज़ की कल्पना भी की - मिन्नी बैगहोट की काल्पनिक ड्यूसेनबर्ग्स में से एक रोशनी कम करके फुटपाथ पर आ रही है - वह मास्टर बेडरूम में चली गई, एक के बाद एक शानदार रेशमी कमीज़ पहनने की कोशिश की और टूटे हुए फुल-लेंथ मिरर में अपने नए रेशमी उभारों को निहारने लगी। और फिर वह अपने जीवन की पहली रात के लिए, एक फुल-साइज़ गद्दे पर अकेली लेट गई। हुसैना का कमरा अंधेरा, निजी और शांत था।

यह संयोग ही था कि वह सुबह छह बजे उस अपरिचित कमरे में जल्दी जाग गई । शायद टुकी काम से देर से लौटा था और दरवाज़े से टकरा गया था। या कुत्ते भौंके थे, कौवे काँव-काँव कर रहे थे, या कुछ और था

Machine Translated by Google

आंतरिक, एक भावना कि कुछ गड़बड़ है। शायद हुसैना कभी नहीं गई थी, कोई ड्राइवर नहीं आया था, वह झूठ बोल रही थी, या वह पागल थी। महिलाएं मुट्ठी भर बिना धुले सूती कपड़े के लिए रेशम की अलमारी नहीं छोड़तीं। उसे अपने वफादार गौरीपुर टी-शर्ट और अच्छी तरह से पहनी हुई जींस के बदले महंगे रेशम के विदेशी इंद्रधनुष की जरूरत नहीं थी। उसे पैंजर डिलाइट के उमलॉट की याद आएगी।

उमलौट, न कि मुट्ठी भर पासपोर्ट, एक व्यापक दुनिया का सच्चा संकेत थे।

और इसलिए वह उठी, बिस्तर की चादर को सीधा किया, एक सफ़ेद सलवार और कमीज़ पहनी - अलमारी में सोने के सूट के सबसे करीब की चीज़ - और एक आखिरी झपकी के लिए अपने पुराने कमरे में वापस चली गई। उसका पुराना कमरा शोरगुल और धूल से भरा हो सकता है, लेकिन कम से कम उसने इसे अर्जित किया था। हुसैना अभी भी वापस आ सकता है। यह सब एक सपना हो सकता है। वह फिर से सो गई, लेकिन लगभग तुरंत, ऐसा लगा, उसके पर्दे को हल्का झटका लगा, और फिर वह खुल गया।

मिन्नी बेजहोट ने खुद को अंदर बुलाया। सात बज रहे थे।

"तुम यहाँ क्या कर रहे हो?" मिन्नी ने पूछा। "मैंने तुम्हें जाते हुए देखा है।"

"मैं निश्चित रूप से आपको उचित सूचना दे देता, महोदया।"

"लेकिन मैंने तुम्हें साफ तौर पर आधी रात को बैग और सामान लेकर घर से बाहर निकलते देखा था। और सिगरेट भी पीते हुए। सार्वजनिक सड़क पर धूम्रपान करते हुए!"

तो, यह सच है: मिन्नी कभी नहीं सोती और कभी नहीं भूलती। वह कागज के एक टुकड़े पर छोटी-छोटी कमियाँ बताती है, जो मिलकर एक कूड़ा बन जाती है। "मैडम, मैंने अपने जीवन में कभी सिगरेट नहीं पी है। यह हुसैना ही रही होगी।"

मिन्नी ने अंजलि के कंधों को पकड़ लिया। "तुम्हारी हिम्मत है मुझसे झूठ बोलने की? तुम सोचती हो कि मैं अंधी और पागल बुढ़िया हूँ और तुम धोखा दे सकती हो? मैंने तुम्हारे कपड़े पहचान लिए। हुसैना कभी भी तुम्हारे या उस गोवानी की तरह कपड़े नहीं पहनेगी।" उसने अंजलि को छोड़ा और उसे जोर से चारपाई पर गिरा दिया। "यह पालन-पोषण का मामला है, साधारण पालन-पोषण का। तुम दुखद परिणाम हो।"

अंजलि का पहला आवेग मैड मिन्नी का गला घोंटना और राज-युग की शब्दावली को उसके गले में ठूंसना था। उसकी उंगलियाँ उसके पतले गले को घेरने के लिए मचल रही थीं, जिसकी कागज़ जैसी झुर्रियाँ गुलाबी रंग के फाउंडेशन से सजी हुई थीं। अंजलि के पिता की मृत्यु हो गई

Machine Translated by Google

क्योंकि उसने परिवार का अपमान किया था। अपराध बोध ने खुद को फिर से क्रोध में बदल लिया, जो कि बैजहॉट हाउस के लिए सब कुछ था।

"प्रजनन?" उसे लगा कि उसकी आवाज़ तेज़ हो रही है। "तुम प्रजनन के बारे में बात करना चाहते हो? तुम मूर्ख बूढ़ी गाय हो! तुम भगवान नहीं हो। तुम अंग्रेज़ भी नहीं हो - हा! तुम हम में से एक हो, और तुम भारतीय सद्भावना पर जी रहे हो!"

मिन्नी अचानक आवाज बढ़ने से शायद चौंककर पीछे हट गई।
वह एक बुलबुले के अंदर रहती थी और उसकी सुनने की क्षमता सीमित थी। वह शब्दों, अपमान या क्रोध पर प्रतिक्रिया नहीं करती थी। "मुझे इस बात का जरा सा भी अंदाजा नहीं है कि वह छोटा सा विस्फोट किस बारे में था। तुम मुझे क्या बताने की कोशिश कर रही हो? एक अमीर मुसलमान ने तुम्हारे कपड़े चुरा लिए और अपना बिल चुकाए बिना भाग गई?"

अंजलि को यह अनकहा अर्थ समझ में आ गया: क्या तुमने तुम जैसों से चोरी की है?
"मुझे नहीं मालूम कि ऐसा क्यों हुआ, लेकिन वह कपड़ों का आदान-प्रदान करना चाहती थी।"

"बेतुका!" लेकिन पहली बार मिन्नी हैरान दिखी। वह दरवाजे के पर्दे की ओर सरक गई। "मुझे यकीन है कि इसका कोई सरल स्पष्टीकरण होगा।"

"ऐसी चीज़ें कभी भी सरल नहीं होतीं। यह सिर्फ़ एक रहस्य है।" अभी के लिए इसे यहीं रहने दें।

मिन्नी ने अपने हाथ की एक लहर के साथ जटिलताओं को खारिज कर दिया, एक बिगड़ैल की तरह बच्चे की तरह। या फिर खुद को राजसी घोषित करने वाले व्यक्ति की तरह, जिसकी याददाश्त बहुत कमज़ोर हो। उसका आत्मविश्वास वापस आ गया। "शायद मैंने अपराधी को गलत पहचाना।"

"अपराधी, मैडम? क्या अपराध है? वह अलविदा कहे बिना चली गई?"
हम आपको एक महीने का किराया अग्रिम भुगतान कर देंगे।"

मिन्नी की आवाज़ धीमी होकर एक षड्यंत्रकारी बुदबुदाहट में बदल गई। "कल ही, मैं एक बहुत ही कठिन निर्णय पर पहुंची। यह वह वेश्या है, वह गोवानी है।
मुझे उसे कभी अंदर नहीं आने देना चाहिए था। मुझे यकीन है कि वह अंधेरी ताकतों के साथ साजिश कर रही है।
उसे जाना ही होगा।" फिर मिन्नी ने समझाया कि चूंकि अंजलि उस प्यारे लड़के पीटर की शिष्या थी, इसलिए वह तब तक किराया नहीं वसूलने को तैयार थी जब तक कि उसे कोई उपयुक्त पद न मिल जाए। ("मुझे उम्मीद है कि तुम तलाश कर रही हो। एक समय था जब मैं राज्यपालों और मंत्रियों से मदद मांग सकती थी, लेकिन वे सभी...")

अंजलि अपनी पहली तनख्वाह से ही सारा कर्ज चुका सकती थी।

Machine Translated by Google

वह प्रसिद्ध पहला वेतन पहले से ही अवास्तविक बोझ था, तो क्यों न कुछ और जोड़ दिया जाए?

पहले हुसैना के साथ अजीब बातचीत, फिर मैड मिन्नी के साथ, लेकिन
दोनों ही मामलों में अंजलि विजयी रही।

"तुम्हें मेरा शुक्रिया अदा करने की ज़रूरत नहीं है," मकान मालकिन ने आगे कहा। "मैं भी एक बार एक
मैं एक अपरिचित शहर में अकेले ही एक मामूली साधन वाली युवती हूँ। मैं भी दयालुता की लाभार्थी रही
हूँ।" यह उसका ईसाई कर्तव्य था कि वह उस अनुग्रह का बदला चुकाए जो उसे एक बार मिला था।

"ईसाई कर्तव्य" अंजलि के लिए एक अजनबी अवधारणा थी। कर्तव्य का मतलब था धर्म और
जातिगत और सामाजिक प्रतिबंधों का उसने कभी गंभीरता से पालन नहीं किया था।
ईसाइयों और मुसलमानों की पीढ़ियों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले एक टूटे हुए, गंदे बाथटब में बैठना, फिर
सुबोध मित्रा के सामने समर्पण करना और अपने जीवन की परवाह न करते हुए, शेष बचे धार्मिक कर्तव्यों को
भी मिटा देना।

"बंगलौर एक बुरी जगह बन गया है। याद है जब मैक्सी और बंटी का शासन था तब यह कैसा हुआ
करता था?"

बंटी-क्या वह विधवा फिलपोट का पति नहीं था? पागल मिन्नी सच में
क्या वह अपना दिमाग खो चुकी थी। या फिर अतीत में लौट जाना ही उसके बचने की एक और तरकीब
थी? "कुत्तों के पास चली गई," अंजलि ने सबसे बेहतरीन ऑल इंडिया रेडियो न्यूज़-एंकर ब्रिटिश लहजे में
कहा। "अगर मेरा बंटी अभी भी होता तो पागल हो जाता।"

"इस संपत्ति पर गुंडे रहते हैं," मिन्नी ने गुस्से में कहा। "मैं अपने ही घर में कैदी हूँ। मैं अपने ही बिस्तर
पर अपनी आँखें बंद करने की हिम्मत नहीं कर सकती।" अपने बाएं हाथ के गंदे लेस वाले दस्ताने के अंदर से,
उसने एक सफ़ेद रूमाल निकाला जिस पर बकाइन के फूलों की अंगूठी के अंदर गुलाबी रंग का बी बना
हुआ था, और अपनी बेचैन, पानी भरी आँखों को पोंछा। "सेनाएँ इकट्ठा हो रही हैं," उसने चेतावनी दी।
"इसका कोई फायदा नहीं है, ओपल। हम बर्बाद हो चुके हैं।"

नाटक बंद करो, मिन्नी। तुम तो बस एक मकड़ी का जाला हो जिसे साफ किया जाना है।
दूर! एक अच्छी घर की सफाई और आप चले गए!

Machine Translated by Google

लेकिन मिन्नी बड़बड़ाती रही, "तुमने देखा है कि कीड़ों ने मेरे साथ क्या किया है।"
गुलाब का बगीचा। यह जंगल है! और सोचिए कि वेल्स के राजकुमार ने खुद मुझे इंग्लैंड से गुलाब की कटिंग लाकर दी थी! कीड़ों ने परिसर पर कब्ज़ा कर लिया है। मैं अपनी खिड़की से उनकी रोशनी देखता हूँ। मैं पुलिस को बुलाता हूँ, लेकिन वे कुछ नहीं करते। वे नहीं करेंगे, या नहीं कर सकते, कौन जानता है? कोई भी अच्छा ईसाई काम सज़ा के बिना नहीं रहता। बहुत समय पहले अशोक ने मुझसे विनती की थी कि मैं उसके कुछ गाँव के भाइयों को एक या दो रात आराम करने दूँ। वे किसान पैदल मद्रास जा रहे थे, क्या आप विश्वास कर सकते हैं, अपनी महिलाओं और बच्चों और गठरियों और शरीर के जूँ और रिसने वाले घावों के साथ। अब उन्हें लगता है कि मेरा परिसर उनका है। बेजहॉट नाम अब खौफ़ पैदा नहीं करता। मैक्सी ने उन्हें कोड़े लगवाए होते। जब मैं उन्हें लूट के साथ पकड़ता हूँ तो वे मेरा मज़ाक उड़ाते हैं। मुझे एक चांदी का प्याला याद आ रहा है, लेकिन कौन परवाह करता है? जो वे ले जाकर नहीं बेचते, उसे वे नष्ट कर देते हैं। मैं अपनी आँखें खुली रखता हूँ, मैं और क्या कर सकता हूँ?"

तो, यह सच था कि मिन्नी पूरी रात अपनी खिड़की के पास बैठी रही और निगरानी करती रही! बैजहॉट गर्ल्स को यह समझ में नहीं आया कि वह क्यों और किसे देख रही थी। "कीड़े-मकोड़े!" मिन्नी ने दोहराया। "वे मौत की निगरानी कर रहे हैं।" तो, उसका घिनौने शाही पूर्वाग्रहों से चिपके रहना ही बचने की एक और तरकीब थी।

मिन्नी को पता था कि बैंग-ए-बक बैंगलोर में वह कितनी शक्तिहीन थी।
अंजलि ने सुलह का हाथ बढ़ाया। "मुझे लगता है कि मैं समझ गई हूँ, मैडम," उसने कहा, जिसका मतलब था। वह भी संदेह के गढ़ से आई थी; उसने जीवन भर सार्वजनिक रूप से सहमति जताई थी, और निजी तौर पर अपने माता-पिता के उन पूर्वाग्रहों को खारिज किया था, जो उनके खून के अलावा किसी और से खतरा होने के बारे में थे।
लेकिन समझना स्वीकृति देना नहीं था।

बुढ़िया ने अंजलि के दोनों हाथ पकड़ लिए। "तुम मेरी आंखें और कान बनोगी। मुझे तुम्हारे उपकारकर्ता को पत्र लिखकर धन्यवाद देना चाहिए कि उसने तुम्हें मुफस्सिल से इतनी दूर मेरे पास भेजा है। प्यारे भगवान रहस्यमय तरीके से काम करते हैं।"

मिन्नी एक अभेद्य, मिन्नी-केंद्रित ब्रह्मांड में रहती थी। बुरा क्यों मानें? अंजलि के लिए बेहतर है कि वह अपने क्षणिक लाभ का लाभ उठाएँ। "मुझे आश्चर्य है, मैडम, क्या मैं एक और एहसान माँग सकती हूँ?" बूढ़ी महिला ग्रहणशील लग रही थी।
"मैं आश्चर्यचकित हूं ... जब हुसैना चली गयी तो उसने कहा कि मैं उसका कमरा ले सकता हूँ।
क्या यह संभव होगा?

Machine Translated by Google

मिन्नी की आँखें उसके मोटे चश्मे के पीछे बंद थीं - असहमति को दबाने या अपने मन मुताबिक निर्णय लेने का उसका तरीका। "मुझे नहीं लगता कि ऐसा क्यों नहीं किया जा सकता।"

मैं तो बेमिसाल हूँ! यह एक हाई-फाइव पल था, जिसे साझा करने वाला कोई नहीं था। इसलिए वह एक आलीशान कमरा रख सकती थी और उसे लगभग मुफ्त में ले सकती थी, बशर्ते मिन्नी को उस पर अवैध कब्जा करने वालों पर जासूसी करने का भरोसा हो।

प्रार्थना का अंत। भीख मांगने का अंत। वह अपनी जगह लेने के लिए तैयार थी।
और सिर्फ बेजहोट हाउस में ही नहीं।

***

वह दस बजे हुसैना के बिस्तर पर फिर से जागी , इस भावना के साथ कि पिछली रात और सुबह-सुबह का हस्तक्षेप भविष्य के सपने थे, और आज का दिन है! यह दिन उसके उन्नीस वर्षों के किसी भी अन्य दिन से अलग होगा। उसने हुसैना के आयातित शैम्पू और कंडीशनर, लिपस्टिक और काजल का इस्तेमाल किया। उसने हुसैना की पतली बिकनी पहनी और हुसैना की महंगी काली ब्रा से अपने स्तनों को ऊपर उठाकर अलग कर लिया। पूरे शीशे में, एक लंबी, सुस्त अधोवस्त्र मॉडल ने उसे देखकर मुस्कुराया। दर्पण-महिला निश्चित रूप से एंजी थी, अंजलि नहीं। अंजलि एक असुरक्षित, कूड़े से भरी किराएदार थी; एंजी एक हकदार स्क्वाटर और मैला ढोने वाली थी।

उसे अचानक एहसास हुआ कि शेड की खिड़की पर बैठी किशोर लड़की क्यों आग की रोशनी में फ्रेम ने एक अंतरंग रिश्तेदारी को जगा दिया था। ड्रेसिंग टेबल पर एक चांदी की ट्रे से, उसने हुसैना की कंघी उठाई और उसके लंबे, लहराते बालों से उलझे बालों को सुलझाया। गौरीपुर में उसकी माँ हर सुबह उसके सिर में लाल गुड़हल की खुशबू वाला हेयर ऑयल मालिश करती थी, जो नहाने से पहले माँ-बेटी की रस्म होती थी। घने, काले बालों का पूरा सिर एक महिला की दौलत है, उसकी माँ ने जोर देकर कहा, क्योंकि उसने बालों के सभी प्रकार के नुकसान के लिए घरेलू उपचार तैयार किए थे: रूसी को ठीक करने के लिए दही-रब, घुंघराले बालों में चमक लाने के लिए तैलीय जामुन से बने पेस्ट, बालों के झड़ने को रोकने के लिए बीज-भिगोए हुए औषधि। सोते समय, उसकी माँ ने उसे दोमुंहे बालों को रोकने के लिए अपनी चोटियों को मोटे सूती टेप से लपेटने के लिए मजबूर किया था।

Machine Translated by Google

क्या होगा अगर कड़वी पत्नी और चिड़चिड़ी माँ वास्तव में एक संतुष्ट, रचनात्मक महिला होती?
एंजी नए खरीदे गए अंडरवियर में खिड़की पर खड़ी थी और हुसैना की कंघी को अपने बालों में जोर से खींच रही थी। वह गौरीपुर की यादों को इस दिन को बर्बाद नहीं करने देगी। जोर से कंघी करो; तब तक कंघी करो जब तक तुम्हारा सिर दर्द न करने लगे; अपने स्वार्थी सिर और घमंडी बालों से अपराध की सभी गांठों को कंघी करो।

जब कंघी उसके हाथ में दो टुकड़ों में टूट गई, तो वह खिड़की से दूर चली गई। जादुई अलमारी से उसने एक गुलाबी रंग का सलवार-कमीज सेट चुना और उसे पहनकर देखा। वह कई महीनों से इतनी अच्छी नहीं दिखी थी - शायद कभी नहीं।
अच्छा दिखना अच्छा महसूस करने का सबसे छोटा रास्ता था। बैंगनी रंग की ऊँची एड़ी वाली स्लिंगबैक और चैनल पर्स की एक जोड़ी जोड़ें। अहंकार आत्मविश्वास में बदल गया। वह अपना जीवन फिर से शुरू कर रही थी। वह गौरीपुर से अपने ब्रेकआउट के बॉलीवुड संस्करण में अभिनय कर रही थी।
बैंगलोर! बैंगलोर!
पसीने से लथपथ, चमकीले नर्तकों का एक समूह उसके चारों ओर घूम रहा था। आज का दिन है! आज का दिन है! वे गा रहे थे और झूम रहे थे। उसे लगा कि पुरुष नर्तक उसे सुनीता संपत की नीरस दुनिया से उठा रहे हैं। वह मुक्त होकर तैर रही थी, श्री जीजी के बैंगलोर की आत्मा। शाहरुख खान द्वारा अभिनीत प्रेमी श्री जीजी अगले दृश्य में उसका इंतजार कर रहे थे। उसने पीटर चैंपियन के फ्लैट में बॉलीवुड साउंडट्रैक पर झूमते हुए अली को देखा। वह अली से प्यार करती थी। वह पीटर से प्यार करती थी। वह अपने शुगर डैडी, जीजी से प्यार करती थी। सबसे बढ़कर, उसे चंचल, चुलबुली, डांस की दीवानी नई एंजी पसंद थी!

उस दोपहर देर से जब वह पड़ोस में टहलने के लिए नीचे जा रही थी, तो टूकी ने सीढ़ियों पर उसका पीछा किया ; इससे भी बेहतर, वह बरिस्ता में सुपर-कूल डैरेन और रॉक्सी को देखना चाहती थी। स्क्वैटर और स्ट्रीट वेंडर्स द्वारा देखे जाने के लिए यह पर्याप्त नहीं था। वह चाहती थी कि पूरी तरह से अजनबी लोग उससे ईर्ष्या करें।

"हनी, तुम बहुत हॉट लग रही हो!" टुकी ने कहा। "मेरे साथ कैपुचीनो पीने आओगी?
मैं कुछ ही देर में रेनाल्डो से मिलने वाली हूँ।" फिर, आँख मारते हुए, उसने कहा, "बस उसे मुझसे चुराने की कोशिश मत करना।"

Machine Translated by Google

अंजलि ने एंजी की नकल करते हुए आगे-पीछे दो कदम बढ़ाए और आधा चक्कर लगाया। "लोमड़ी?"

"चोरी की बात कर रहे हैं, क्या यह हुसैना की कमीज़ नहीं है?"

बेचारी टूकी को इस बात का बिल्कुल भी अंदाज़ा नहीं था कि उसे छोड़ दिया जाएगा। तो फिर क्यों? उसके सवाल पर नाराजगी जताते हुए कहा, "हमने व्यापार किया।"

"अच्छा, तुम होशियार व्यापारी नहीं हो!" कामकाजी महिला ने अपनी आयातित नकली शुतुरमुर्ग की जेब चेक की ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि उसके पास उसकी कंपनी की आईडी, सिगरेट और क्रेडिट कार्ड हैं। "हमारी उच्च और शक्तिशाली मिस एच को हँसी आ रही होगी! या तो ऐसा है या फिर वह लंदन में फंसे उस काल्पनिक मंगेतर के अलावा किसी और लड़के के साथ शरारत कर रही है। मैंने उसे कल रात बाहर जाते हुए सुना, लेकिन मैंने उसे वापस आते हुए नहीं सुना। वह डंप होने का जोखिम उठा रही है।"

अंजलि ने कहा, "मुझे नहीं लगता कि उसे इसकी परवाह है।"

"तुम्हें कैसे पता? वैसे, वह कहाँ गई है?"

अब रहस्यमयी बनने की बारी अंजलि की थी। "उसने कहा, 'कहीं भी।'"

"मैं राजू से पता लगाऊंगा। राजू के बिना शहर में कुछ नहीं होता इसे संभव बनाने के लिए। मैं उन्हें रात का मंत्री कहता हूँ।"

"तुम्हारा रात का बुरा लड़का राजू?"

"अगर इस समय कैपुचीनो अच्छा लग रहा है, तो चलिए शुरू करते हैं। रेनाल्डो समय की पाबंदी का दीवाना है।"

रेनाल्डो, छोटा, मोटा और बालों वाला (सिर पर एक गहरे गंजे धब्बे को छोड़कर), अपनी दूसरी आइस्ड कॉफी पी रहा था जब दोनों महिलाएँ बरिस्ता में पहुँचीं। प्लास्टिक के स्ट्रॉ की नोक चबाकर चपटी हो गई थी, अंजलि ने देखा। वह बेचैन और बेचैन किस्म का डेट था। कोई आश्चर्य नहीं कि टुकी ने राजू को किनारे रखा।

चूंकि मैड मिन्नी के घर के नियमों के अनुसार परिसर में पार्टी करना मना था, इसलिए कॉफ़ी हाउस और बार में टूकी अपने दो पुरुष मित्रों से मिलती थी। टूकी का काम और मौज-मस्ती का रूटीन सही था: रात दस बजे से शाम छह बजे तक शिफ्ट में काम करना

Machine Translated by Google

सुबह 10 बजे, आपके पास पबों में जाने के लिए पर्याप्त समय होता है, तथा उसके बाद आपको कंपनी की मिनीवैन द्वारा बेजहोट हाउस के मुख्य द्वार पर ले जाया जाता है।

शौचालय में, टुकी ने बताया कि रेनाल्डो के बारे में सबसे अच्छी बात यह है कि वह बहुत ही नीरस है। उसने उसका नाम मिस्टर मॉडरेशन रखा था।
राजू मिस्टर टू-मच था। "मेरे पास उनके साथ एक यिन-यांग चीज़ है। आपके बारे में क्या? आपको क्या पसंद है?"

"मैं जानने के लिए मर रही हूँ।" अंजलि हँसी।

महिलाओं के शौचालय से लौटने के तुरंत बाद रेनाल्डो वहाँ से चला गया। उसके सात भाइयों में सबसे बड़ा, ओंटारियो में एक फार्मासिस्ट, कनाडा में "भूमिगत अप्रवासी" की स्थिति के लिए उसके आवेदन को प्रायोजित कर रहा था, और उसके पास एक साथ रखने के लिए ढेर सारे दस्तावेज़ थे।

टुकी ने उसे खुशी से विदा किया "चियाओ!" उसकी आवाज़ में लड़कियों जैसी आत्मीयता की भावना आ गई। "मैं जानती हूँ तुम क्या सोच रहे हो। मुझे रेनाल्डो में क्या नज़र आता है?"

"मैंने कभी ऐसा नहीं सोचा था।" अंजलि ने झूठ बोला। उसने आखिरी बार चूसा
उसने अपनी स्ट्रॉ से आइस्ड कॉफ़ी का घूँट लिया, फिर अपनी उंगलियों से उसने गिलास से एक-एक करके भूरे रंग के बर्फ के टुकड़े निकाले और उन्हें अपनी जीभ पर रखा। टेबल मैनर्स के उल्लंघन से निपटो, मिन्नी!

"अगर उसका वीज़ा आ गया, तो मैं उससे शादी कर लूँगी और कनाडा चली जाऊँगी। अगर नहीं आया तो..." उसने अपना हेलमेट पहना। "मेरे बारे में राय मत बनाना, गर्लफ्रेंड," उसने चेतावनी देते हुए बजाज चेतक की ओर वापस जाते हुए कहा। "तैयार हो?"

"किस बात के लिए तैयार हो?"

"बेशक, यह जानने के लिए कि आपको क्या उत्तेजित करता है।"

उन्होंने पबवर्ल्ड से शुरुआत की, जहाँ बड़ी स्क्रीन पर यूरोपीय वीडियो दिखाए जाते थे और ध्वनि अधिकतम तक धड़कती थी। क्या एंजी ने सही देखा? क्या वह पैंजर डिलाइट था? हाँ, यह दस साल पुराने वीडियो में था, जिसकी पुष्टि नीचे दाईं ओर एक छोटे पहचानकर्ता टैग से होती है। वह चिल्लाना चाहती थी, "मेरी तरफ देखो! मेरे पास वह टी-शर्ट थी!" लेकिन कोई भी नहीं देख रहा था, और कोई भी सुन नहीं सकता था। फिर उन्होंने

Machine Translated by Google

ओपस में दो गायकों ने बारी-बारी से गायन किया और टूकी ने चैरिटी के लिए नीलाम की जा रही शैंपेन की बोतल पर बोली लगाई, लेकिन एक ग्लैमरस महिला ने उसे पीछे छोड़ दिया, जिसके दांत बहुत अच्छे थे और टूकी ने उसे टीवी सेलिब्रिटी बताया। टीवी? अंजलि ने सोचा, मैंने बैंगलोर आने के बाद से टीवी नहीं देखा है!

कौन देखता है, और किसके पास समय है? रात का उनका आखिरी पड़ाव ग्लिट्ज़वर्ल्ड था, जहाँ राजू बार में काम करता था। राजू वाकई मिस्टर टू-मच था: बहुत ज़्यादा पोमेड, बहुत ज़्यादा दिखावटी, बहुत ज़्यादा दबंग और बहुत ज़्यादा कामुक।
हालांकि, अंजलि के साथ राजू ने बहादुरी से पेश आना चुना। जब टुकी ने उनका परिचय कराया तो उसने उसका दाहिना हाथ उसकी गोद से उठाया और उसे अपने होठों के पास रखा। उसने अपनी उंगलियाँ राजू के मोटे, नम होठों पर टिका दीं, एक नए आत्मविश्वास का आनंद लेते हुए, सोच रही थी कि आखिर उसे क्या उत्तेजित करता है।

युवा लोग बार में और ड्रिंक्स के लिए जोर लगा रहे थे। उसने उनकी अनदेखी की। एक दुबला-पतला युवा बसबॉय रसोई से दो ट्रे में अभी भी टपकते गिलास लेकर आया और उन्हें हाईबॉल, बीयर और वाइन के हिसाब से व्यवस्थित किया। "लालू!" राजू ने अपनी उंगलियाँ चटकाईं और बार के नीचे प्लास्टिक के डिब्बों में रखे प्लेटों और गिलासों के ढेर की ओर इशारा किया। "बेवकूफ।" उसने अंजलि से माफ़ी मांगी। "क्या उम्मीद करनी है? तुम्हारी दोस्त सुनीता का बेवकूफ़ भाई।"

इससे पहले कि वह कुछ कह पाती - राजू द्वारा सुनीता के भाई को नौकरी पर रखने का विचार और यह संभावना कि राजू ब्रिगेड रोड पर एक बार के पीछे से, नौकरियों और रियल एस्टेट प्लेसमेंट के साम्राज्य को नियंत्रित कर रहा है - राजू ने उसके चेहरे को घूरने के लिए आगे की ओर झुक गया।

"तुम्हें टूकी के बारे में यह कहना ही होगा," उसने कहा। "बंगलौर में उसकी सबसे सुंदर सहेलियाँ हैं।"

Machine Translated by Google

7

अंजलि ने टूकी की नई, लगभग चापलूसी भरी, प्रशंसा का लाभ उठाते हुए, टूकी के रात भर रहने वाले घर, ट्रांस-ओशनिक सर्विसेज (टीओएस) के परिसर का दौरा करने की योजना बनाई। उसने तर्क दिया कि इस तरह, वह एक कॉल सेंटर में एक दिन का अनुभव प्राप्त करेगी, जिससे सीसीआई में अन्य छात्रों पर एक निर्णायक बढ़त हासिल होगी। गौरीपुर में अपने पिता के रेलवे भवन में उनके लिए फाइल या चश्मा या एसिड रिफ्लक्स की गोलियाँ लाने के लिए दुर्लभ यात्राओं को छोड़कर, वह कभी भी किसी व्यावसायिक कार्यालय के अंदर नहीं गई थी।

और बैंगलोर के कार्यालय परिसर उस लंबे धूल भरे कमरे से कहीं ज़्यादा विशाल, चमकदार और डरावने थे, जिसमें लकड़ी की कुर्सियों की कतारें और फाइलों से अटे पड़े लकड़ी के डेस्क थे, जिसमें उसके पिता काम करते थे। टूकी ने अंजलि की मदद करने की इच्छा जताई। शहर के सभी कांच के टॉवर वाले कार्यालय भवनों में सुरक्षा कड़ी थी, लेकिन वह अपने "बदमाश प्रेमी" राजू से TOS के मुख्य सुरक्षा अधिकारी को फोन करवाती थी। "मैं अगले कुछ हफ़्तों के लिए दिन की शिफ्ट में काम करूंगी, गर्लफ्रेंड।" उसने अंजलि को एक बोनस भी दिया: वह मोनी, "बंगाली स्वेनगली" को उससे मिलने के लिए बुलाएगी।

वह दुनिया उपलब्ध थी, जिसकी वह, अंजलि/एंजी, आकांक्षा रखती थी। उसने ऐसा किया क्या वह इसके लिए इच्छुक नहीं थी? किसी भी मामले में, यह एक चुनौती थी, और चुनौतियों ने उसे उत्साहित किया। उसे प्रवेश की आवश्यकताओं के बारे में कोई जानकारी नहीं थी, या उसके पास इसे पूरा करने के लिए कौशल और सहनशक्ति है या नहीं। वह केवल इतना जानती थी कि वह एक युवा महिला थी जिसे बहुत कम लाभ मिला था, और उसे बैंगलोर और जो कुछ भी वहाँ मिलेगा उसे स्वीकार करना चाहिए, अन्यथा वह अपनी बहन की ज़िंदगी जीने के लिए मजबूर हो जाएगी।

तय यात्रा की सुबह राजू टुकी और अंजलि को लेने के लिए बैगहॉट हाउस पहुंचा - एक ड्राइवर वाली जगुआर में। टुकी ने कहा, "तुम वाकई चीजें कर दिखाते हो, राजू। मैं तुम्हारा एहसानमंद हूं।"

उसने टुकी की तारीफ को बॉलीवुड के बदमाशों की तरह व्यंग्य से स्वीकार किया। "देना और लेना, लेना और देना। समाज का मतलब यही है, है न?" अंजलि पीछे हट गई, जब वे मजाक कर रहे थे। उसे लगा कि राजू, अपनी इंडिगो सिल्क शर्ट, टाइट व्हाइट स्लैक्स और रंगे-नीले सांप की खाल के बूट में, बैंगलोर से ज़्यादा दुबई जैसा लग रहा था। वह मिस्टर जीजी को ऐसे गेटअप में नहीं देख सकती थी।

बागेहोट के हरे-भरे जंगल से अनाधिकृत रूप से रहने वाले बच्चे सामने आए

Machine Translated by Google

वे उस शानदार कार को देखने के लिए परिसर में पहुंचे। ड्राइवर ने उन्हें भगाने के लिए स्टीयरिंग व्हील के पीछे से छलांग लगाई।

लेकिन राजू ने बीच में ही टोक दिया। "इन पहियों की तरह?" उसने मुस्कुराते हुए पूछा।
वे कार से दूर चले गए और उस आकर्षक अजनबी के चारों ओर इकट्ठा हो गए, जो अपनी पैंट की पिछली जेब से रुपयों की गड्डी निकाल रहा था। "यह देने और लेने का मामला है," उसने टूकी को समझाया, जो प्रत्येक बच्चे को एक सौ रुपये का नोट देते समय दुखी दिख रहा था। "बख्शीश नहीं," उसने उनसे कहा। उन्होंने उसे सम्मान भरी निगाहों से पुरस्कृत किया। "इसे अपने लिए काम में लाओ। मैं अपना हिस्सा लेने के लिए वापस आऊंगा।" चूँकि वह अंग्रेजी में बोल रहा था, इसलिए उसका प्रभाव अंजलि पर पड़ा होगा।

टुकी ने बात को बीच में ही रोक दिया। "हममें से कुछ कामकाजी लोगों के पास पंच करने के लिए कार्ड होते हैं," उसने कहा।
राजू पर चिल्लाते हुए वे कार की ओर बढ़े। अंजलि भी उनके पीछे-पीछे चली गई।

राजू ने महिलाओं के साथ बातचीत करते हुए मज़ाक में कहा, "मुझे उम्मीद है कि आप रोल्स की उम्मीद नहीं कर रही होंगी, मिस बोस।" "अंदर से, यह पूंजीपति एक गांधीवादी है।"

यह अंजलि की जगुआर में पहली सवारी थी, और वह चमड़े में धंस गई
सीट पर बैठे, उसकी सुगंध का आनन्द लेते हुए, ड्राइवर की दबंग हॉर्न की आवाज, लेन बदलने की उसकी चाल, तथा धीमी गति से चलने वाले यातायात को देखकर गाली देने का उसका तरीका।

जब जगुआर TOS परिसर के गार्डहाउस के सामने रुकी, तो ड्राइवर बाहर कूदा और महिलाओं के बजाय अपने बॉस के लिए कार का दरवाज़ा खुला रखा। राजू ने अंजलि को जगुआर से बाहर निकालने में मदद करने से पहले TOS ऑफ़िस टॉवर में अपने संपर्क को स्पीड-डायल किया। टूकी को अपने रात के मौज-मस्ती करने वाले प्रेमी या उसके ड्राइवर की मदद के बिना बाहर निकलने और गार्डहाउस में कर्मचारियों की लाइन में जगह बनाने के लिए छोड़ दिया गया। विस्तृत सुरक्षा प्रक्रिया से भयभीत, और एंजी की तुलना में अंजलि को ज़्यादा महसूस करते हुए, वह राजू के करीब रही। उसने उसकी चिंता को महसूस किया और व्यक्तिगत रूप से उसे सुरक्षा चौकी के माध्यम से ले गया; वर्दीधारी गार्ड को सूचित किया कि वह अपने साथ कैमरा या टेप रिकॉर्डर नहीं ला रही है; उसे अपना नाम और पता, अंजलि बोस, 1 केव गार्डन, प्रिंट करते हुए देखा , साथ ही लॉगबुक में हस्ताक्षर करते हुए; गार्ड के हाथ से उसका विज़िटर बैज लिया; और उसे अपने पर्स के कंधे के पट्टे पर चिपका दिया। चूंकि टूकी पूरी शिफ्ट में काम करेगा, इसलिए उसने अपनी कार और ड्राइवर को कुछ घंटों में वापस भेजने की पेशकश भी की ताकि

Machine Translated by Google

उसे बैगहॉट हाउस वापस जाने के लिए भीड़-भाड़ वाली बसों में नहीं जाना पड़ेगा। देना और लेना, लेना और देना: वह जो उपदेश देता था, उसका पालन भी करता था। उसे शक्ति और कृतज्ञता से आनंद मिलता था। कृतज्ञता दिखाने के लिए, उसने अपनी हलोजन मुस्कान उस पर बिखेरी, लेकिन उसने वापस जाने से मना कर दिया। "मैं टैक्सी ले लूँगी," उसने झूठ बोलते हुए कहा।

विजिटर पास के कारण अंजलि को केवल छत पर बने कैफेटेरिया और TOS परिसर के लैंडस्केप ग्राउंड तक ही जाने की अनुमति थी। टुकी के पास उसे अपनी शिफ्ट के लिए रिपोर्ट करने से पहले छत पर घूमने के लिए पर्याप्त समय था - इस दिन, वह लुब्बॉक, टेक्सास से "टेस" के रूप में काम कर रही थी - टॉवर की तीसरी मंजिल पर एक निगरानी वाले बे में।

कांच और स्टील टॉवर की खुली हवा में कैफेटेरिया-सह-आँगन छत का फर्श चौड़ी, लटकन वाली छतरियों के नीचे बेंचों और भोजन कक्ष की मेज़ों से भरा हुआ था। यह एक आधुनिक शहर के ऊपर तैरता हुआ एक आलीशान रिसॉर्ट जैसा लग रहा था, जिसमें केवल गोवा के समुद्र तट के होटलों की पुल-डाउन स्क्रीन गायब थी। ब्रेक पर एजेंट लैपटॉप पर बैठे थे, उनके कानों में सफ़ेद बड्स थे, कोला आसानी से पहुँच में था। लेकिन जब वह वहाँ से गुज़रती थी, तो वे हमेशा स्क्रीन से ऊपर देखते थे ताकि उसका आंकलन कर सकें। उन्हें पता होना चाहिए था कि चूँकि उसने अपने गले में TOS कर्मचारी फोटो आईडी नहीं पहनी थी, इसलिए वह उनमें से एक नहीं थी।

बिना किसी प्रयास के, अंजलि एंजी के व्यक्तित्व में ढल गई। एंजी स्मार्ट, सेक्सी और खास थी। एंजी के कदमों में एक उछालभरी चमक थी, उसकी मुद्रा एक आकर्षक शान थी। उसने छत की चौड़ाई को पार करके रेलिंग तक पहुँचने में अपना समय लिया, जहाँ से वह कंक्रीट के रास्तों से घिरे हुए लैंडस्केप लॉन को देख सकती थी। दोपहर के समय पड़ोसी कार्यालय भवनों की छाया ने लाड़-प्यार से उगाई गई घास के धूप से भरे हिस्सों पर अंधेरे जेल की सलाखें छोड़ दीं। युवा पुरुष और महिला कर्मचारी फुटपाथों पर टहलते हुए, बातें करते हुए, एक-दूसरे की ओर झुकते हुए, लेकिन एक-दूसरे को छूते हुए नहीं थे। माली और सफाईकर्मी किनारों की सफाई करते थे। उसके नीचे नया भारत था: व्यवसाय-कुशल, गुप्त रूप से कामुक, और नौकरों द्वारा समर्थित। उसे रेजीडेंसी रोड और ब्रिगेड पर मिले टूकी के हाई-फाइविंग, सिर पीटने वाले, शराब पीने वाले दोस्तों के लिए सहानुभूति की लहर महसूस हुई। कॉल-सेंटर सर्वाइवलिस्ट अलग-अलग लेकिन एक साथ जीवन जीते हैं। ये सबसे भाग्यशाली थे

Machine Translated by Google

युवा, साहसी और भारतीय होने का समय। और सबसे दुखद बात यह है कि उसके जैसे लोग, जो जानते थे कि वह जो चाहे बन सकती है, लेकिन उन्हें यह नहीं पता था कि वह क्या चाहती है।

पी.ए. सिस्टम पर एक आत्म-महत्वपूर्ण आवाज ने घोषणा की, "पेजिंग सुश्री.
अंजलि बोस! सुश्री बोस, कृपया अपनी पार्टी से एस्प्रेसो मशीन पर मिलें!
सुश्री अंजलि बोस को पेजिंग! आपकी पार्टी इंतज़ार कर रही है!"

टूकी के टीम लीडर ने उसे इतनी जल्दी ब्रेक क्यों दिया?
उलझन में, अंजलि ने न्यू मिलेनियम इंडिया के पोस्टर-योग्य दृश्य से मुंह मोड़ लिया और एस्प्रेसो मशीन के चारों ओर आराम कर रहे कर्मचारियों को देखा। वहाँ तीन महिलाएँ थीं, जिनमें से दो रंग-समन्वित सलवार-कमीज़ में थीं और एक ने एक आरामदायक वर्साचे टी-शर्ट और सफ़ेद कैप्री पैंट पहनी हुई थी, और दो मूंछ वाले युवक स्टार्च वाली शर्ट और सावधानी से प्रेस किए हुए स्लैक्स पहने हुए थे, बातें कर रहे थे और चुस्कियाँ ले रहे थे, लेकिन कोई टूकी नहीं था।

"सुश्री अंजलि बोस, कृपया अपनी पार्टी से मिलिए!"

एक लंबा, दुबला-पतला आदमी, संभवतः बीस के दशक के अंत में और निश्चित रूप से सुंदर, शायद सुंदर भी, एस्प्रेसो मशीन द्वारा समूह से संपर्क किया।
अंजलि को यह अच्छा लगा कि उसकी मूंछें नहीं थीं। उसे और भी अच्छा लगा कि उसके चमकदार काले बाल भौंहों पर लटके हुए थे। वह उस जगह पर चलने लगी जहाँ पीए सिस्टम उसे "उसकी पार्टी से मिलने" का निर्देश दे रहा था और उसे एहसास हुआ कि उसे पोलो-शर्ट पहने, चिनो पहने हुए सुंदर आदमी की उभरी हुई बाइसेप्स बहुत पसंद आई। वह अपनी छाती के पास पत्रिकाओं का ढेर पकड़े हुए था, जिनमें से प्रत्येक गौरीपुर टेलीफोन निर्देशिका जितनी मोटी थी। पाँचों कर्मचारियों ने मुस्कुराहट या सिर हिलाकर उसके आने का स्वागत किया, लेकिन वह उनकी बातचीत में शामिल नहीं हुआ और उन्होंने उसे अपने साथ जोड़ने का प्रयास भी नहीं किया। टुकी ने अंजलि को "टीम लोकाचार" के बारे में बताया था, और इसलिए उसने मान लिया कि सुंदर आदमी और बातूनी पाँच ग्राहक-सेवा एजेंटों की अलग-अलग टीमों में थे। वह थोड़ा अलग खड़ा था, लेकिन बिल्कुल भी अलग-थलग नहीं दिख रहा था। अंजलि ने अनुमान लगाया कि वह भी किसी का इंतज़ार कर रहा था। वह कोई सुश्री अंजलि बोस क्यों नहीं हो सकती? जब उसने देखा कि उनकी नज़रें मिलते ही उसका शरीर चौंक गया, तो वह सज गई। वह तुरंत उसकी दिशा में चला गया। यहां तक कि हाथ में मैगजीन लेकर भी वह एक एथलीट या मैदान पर एक क्रिकेटर की तरह खेलते थे।

Machine Translated by Google

"अंजलि बोस। आप अंजलि बोस के अलावा और कौन हो सकती हैं?"

तो यह बंगाली स्वेनगली ही होना चाहिए। टुकी डी'मेलो ने इस मीटिंग की व्यवस्था की थी, लेकिन उसने यह नहीं बताया कि वह कितना दिलों की धड़कन है। उसने और क्या नहीं बताया? उसके लहजे में भारत का कोई संकेत नहीं था, लेकिन वह रबी चटर्जी या मिस्टर चैंपियन की तरह अमेरिकी नहीं लग रहा था।

अपना परिचय देने से पहले ही दिलों की धड़कन ने कहा कि उसे ढूंढना ऐसा था जैसे किसी हवाई अड्डे की पार्किंग में अपनी कार को ढूंढना: जब आप अपनी स्मार्ट कुंजी दबाते हैं तो आपके कदम अचानक से बदल जाते हैं और कारों की लंबी कतार में कहीं लाइट जल जाती है और हॉर्न बजता है।

हवाई अड्डे पर कारों की तुलना TOS डाइनिंग आँगन में मिलने वाले लोगों से की जा सकती है - या फिर उसकी तुलना कार से की जा सकती है, यदि उसका यही मतलब था - यह बात उसके दिमाग से निकल गई।
उसके पास कभी कार नहीं थी, गौरीपुर में एक भी पार्किंग स्थल नहीं था, और कार की चाबियाँ, उसके अनुभव के अनुसार, "स्मार्ट" से बहुत दूर थीं; वास्तव में, वे नाखूनों की तरह बेवकूफ़ थीं। उसने इसे अपनी अज्ञानता के सबूत के रूप में लिया और पूछने से डर गई कि वह किस बारे में बात कर रहा था। और इसलिए उसने पहचान की एक बड़ी मुस्कान बिखेरी।
"लेकिन आपने मुझे कभी नहीं देखा," उसने कहा।

"जिस दिन मैं भीड़ में एक भी सुंदर बंगाली चेहरा नहीं देख पाऊंगा, उस दिन मैं अपना नाम बदलकर सिंह रख लूंगा।" उसने उसे एक छोटी सी बिस्ट्रो टेबल पर ले जाकर पत्रिकाओं का ढेर उस पर रख दिया। "तुम वही हो जो लीला ने कहा था।"

"लीला?"

"तुम्हें देखते ही उसने मुझे फोन किया था, याद है? लेकिन मैं काम कर रहा था और मैं भाग नहीं सका।"

आह, लीला, आई मुंबई की लड़की। उसने अंजलि को बेहोश होते देखा था - क्या मोनी ने देखा था? क्या तुम जानते हो कि वह कितनी हताश थी? अब कोई भी उसे पहचान नहीं पाएगा।

क्या बंगाली संस्कृति की इस चैंपियन के लिए उसे अंजलि होना चाहिए? उसने झाँककर देखा ढेर के ऊपर पत्रिका के कवर पर। एक सुंदर लड़की, जिसे "बंगाल की नवीनतम सौंदर्य निर्यात बैंगलोर" के रूप में पहचाना जाता है और जो आधुनिक शहर के क्षितिज के सामने खड़ी है, ने मुझे घूर कर देखा। लेकिन आधुनिक बंगाली सौंदर्य, गौरीपुर बाज़ारों में बिकने वाली नकली प्राचीन मुगल लघुचित्रों में महिलाओं की तरह, एक हाथ में एक हाथ पकड़े हुए थी।

Machine Translated by Google

कमल के फूल को अपने हाथों में थामे हुए और ऑफिस टावरों के ज्यामितीय शीर्षों के ऊपर उड़ते हुए एक पक्षी जैसे धब्बे को स्वप्निल दृष्टि से देख रही थी। अंजलि ने पत्रिका को ढेर के ऊपर से उठाया और उसे पलट दिया। इसके पिछले कवर पर, शायद फिर से पैरोडी में, कला निर्देशक ने ऐतिहासिक बंगाल का ब्रिटिश युग का नक्शा फिर से छापा था - जिसमें पूरा बांग्लादेश और भारतीय पश्चिम बंगाल, ऊपरी बर्मा, उड़ीसा का अधिकांश भाग दक्षिण में पुरी तक, और उत्तर में असम तक और पश्चिम में बिहार तक, यहाँ तक कि गौरीपुर के आसपास का क्षेत्र, वे जलग्रहण क्षेत्र जहाँ अंजलि के माता-पिता के परिवार फंसे हुए थे, और इसे "नया बंगाल-बैंगलोर राज" नाम दिया था। उसके परदादा-परदादी के दिनों में बंगाल कितना भव्य और शक्तिशाली था!

मोनी ने एक डिजिटल कैमरा निकाला और उसे उसकी ओर तान दिया। "अद्भुत है, है न?" और इससे पहले कि वह पूछ पाती कि वास्तव में क्या है, वह भड़क गया, "बंगाल कितना बड़ा था! बहुत समय पहले की बात है, मेरा परिवार ऊपरी बर्मा में रहता था और सागौन की खेती से जुड़ा हुआ था। यह नक्शे पर भी नहीं है। उन्होंने लकड़ियों को लोड करने के लिए हाथी रखे, और फिर उन्होंने लकड़ियों को नदी के नीचे तैराया; उनके परिवार के सदस्यों ने नदी के किनारे आरा मिलों की स्थापना की और उन्होंने छोटे देशी लड़कों, बर्मीज़ को हुक के साथ लकड़ियों पर चलने और हमारी लकड़ियों को मिल में ले जाने के लिए प्रशिक्षित किया। हमारी लकड़ियों पर छोटे-छोटे झंडे लगे थे, जैसे ब्रांडेड मवेशी। यह सब कल्पना कीजिए!"

उन्होंने कहा, "हम बिहार से हैं।" गौरीपुर भी नक्शे से गायब था।

"हम बहुत शक्तिशाली लोग थे।" उसने बिना अनुमति लिए उसकी तस्वीर खींच ली। "मोनी लाहिड़ी आपकी सेवा में। लेकिन दुख की बात है कि प्रसिद्ध उपन्यासकार और बंगाली सुंदरी झुम्पा लाहिड़ी से कोई संबंध नहीं है।"

वह जवाब में कहती, "हम बंगाली अभी भी शक्तिशाली लोग हैं," लेकिन वह अपने होठों को अलग करके फोटो खिंचवाना नहीं चाहती थी। उसके दो दांत टेढ़े थे - गजदंत, या हाथी के दांत, उसके पिता अक्सर दूल्हे की तलाश में जाते समय इस बात पर विलाप करते थे। अगर दांतों से उसे इतनी परेशानी होती तो उसे कनाडा से लौटे डॉ. हलधर, गौरीपुर के एकमात्र ऑर्थोडॉन्टिस्ट को उसके दांतों को सीधा करने के लिए पैसे देने चाहिए थे। उसे अपने पिता के बारे में सोचना बंद करना पड़ा; उसे बंगाली स्वेनगली के कैमरे के लिए अपने चेहरे से कड़वाहट और अपराधबोध को दूर रखना पड़ा। कवर मॉडल के सपनों जैसे लुक को आजमाएं, लेकिन पक्षी और कमल जैसे घिसे-पिटे प्रॉप्स के बिना।

Machine Translated by Google

मोनी ने अपने व्यूफाइंडर से ब्रेक लिया। "वहाँ खाना परोसने वाले आदमी को देख रहे हो? तीसरा भी आ गया?"

अंजलि ने उस दिशा में देखा, जिस ओर मोनी ने अपनी ठोड़ी से इशारा किया था, उसकी डिंपल वाली ठोड़ी उसे बहुत आकर्षक लगी। हेयरनेट और सफेद एप्रन पहने चार आदमी लंबे कैफेटेरिया काउंटर के पीछे खड़े थे। तीसरा वेटर स्पष्ट रूप से बंगाली था; अंजलि उसके चेहरे की बनावट से पहचान सकती थी। उसे अचानक आश्चर्य हुआ कि क्या अमेरिका में जन्मे और पले-बढ़े भारतीय, उदाहरण के लिए रबी चटर्जी, ने भारतीय चेहरे को देखकर जातीयता की पहचान करने की क्षमता खो दी है।

"उसका नाम मोहम्मद चौधरी है, वह बांग्लादेश से है," मोनी लाहिड़ी ने उसे बताया। "मैंने उसे और कुछ अन्य लोगों को बांग्ला बोलते हुए सुना, और उसका उच्चारण और आवाज़ इतनी शुद्ध थी कि मैंने पूछा कि शायद वह गाता भी है। और क्या वह कभी गाता भी है! मैंने उसे रवींद्र-संगीत में दिखाया, और लोग आश्चर्यचकित हो गए। वह रेशमी कुर्ता पहने हुए आया, उसके कुछ दोस्त तबला और हारमोनियम बजा रहे थे, इसलिए यह बांग्लादेश से आए एक मुस्लिम द्वारा अभिनीत एक बड़ी भारतीय पार्टी थी, और वह

...
हमारे बीच सबसे आदर्श बंगाली कौन है? और हां, जब अगली सुबह वह वापस खाना परोसने आया, तो किसी ने उसे पहचाना ही नहीं।"

मोनी ने सर्वर की ओर हाथ हिलाया और मोहम्मद चौधरी ने जवाब में हाथ उठाया।

"अगर आप सोच रहे हैं, तो मेरा परिवार खुद को भगवान के सिर से निकले ब्राह्मणों की तरह नहीं मानता," उन्होंने कहा। "उपनाम से आपको ऐसा लग सकता है, लेकिन इसका मतलब यह है कि कहीं न कहीं हमने एक ब्राह्मण पुरुष को फंसाया। मेरे पिता जॉन्स हॉपकिंस में चिकित्सा की पढ़ाई करने गए, बोस्टन में मास जनरल में काम पाया, शादी करने के लिए दो सप्ताह के लिए घर वापस आए, पहले टोरंटो में बसे, मैडिसन, विस्कॉन्सिन चले गए और अंत में सेंट लुइस, मिसौरी चले गए, जहाँ उनके दो बेटे और एक बेटी हुई। एक बेटा ऑन्कोलॉजिस्ट बन गया, बेटी जीवविज्ञानी है। मैं, मैं एक आवारा बनने की चाहत रखने वाला और व्हार्टन से एमबीए करने वाला शौकिया फोटोग्राफर हूँ।

वैसे भी, अगर आपको लगता है कि मैं बकवास कर रहा हूँ, तो यह आपको पोज़ देने से विचलित करने के लिए है। आपके पास ऊर्जा है। यही मैं आपके कवर फ़ोटो पर दिखाना चाहता हूँ।
सुंदरता को मैं फोटोशॉप कर सकता हूं।"

Machine Translated by Google

बंगाली स्वेनगली उसे एक चमकदार पत्रिका के कवर पर रखने जा रहा था?
इससे अंजलि को कुछ संकोच हुआ। उसने अपनी खास हैलोजन मुस्कान तो अपनाई, लेकिन उसे अपने होठों के आस-पास की मांसपेशियों में कसाव महसूस हुआ।

"इतनी कोशिश मत करो।" उसने कैफेटेरिया लाइन के फ्रीजर सेक्शन पर नज़र डाली। "आइसक्रीम खाने का मन है?
उनके पास शर्बत, पॉप्सिकल्स, फ्रोजन योगर्ट, सब कुछ है।"

वह गौरीपुर के आल्प्स पैलेस से शरबत के बारे में जानती थी। रबी ने फोटो खींची थी
आल्प्स पैलेस में अपने बक्सेनुमा कैमरे के साथ उसे देखा। "शरबत, प्लीज," उसने कहा।

वह उसके लिए दो चम्मच आम का शर्बत और एक प्लास्टिक का चम्मच लाया, लेकिन
अपने लिए कुछ नहीं। उसे अपने हाथों से कुछ करने की राहत मिली और उसने नारंगी-पीले रंग के शर्बत में चम्मच डाला। यह आल्प्स पैलेस के शर्बत से ज़्यादा गाढ़ा और मीठा था। उसे उम्मीद थी कि रबी जब अपनी मौसी पार्वती के घर बैंगलोर में घूमने से लौटेगा तो उसे फ़ोन करेगा।

"मुझ पर एक एहसान करो," मोनी लाहिड़ी ने फिर से अपना कैमरा उठाते हुए कहा। "मेज पर बैठो।"

उसने अपना शर्बत का बर्तन कुर्सी की सीट पर रख दिया और उसकी बात मान ली।

"नहीं, नहीं, मेज पर बैठो और एक चम्मच यह चीज़ अपने पास ले आओ।"
होंठ। संतुष्टि की इच्छा और वादा। बस इतना ही! तुम मिस टू स्कूप्स बन जाओगी। गर्म दिन में शर्बत की तरह ताज़ा।" उसने डिश
उसे थमा दी, जबकि उसने टेबलटॉप पर अपने पैरों को फिर से व्यवस्थित किया।

"अब अपने बाएं हाथ को आधा ऊपर उठाएं, जैसे कि वह किसी के कंधे पर हो।"

"किसका?" उसने पूछा। तुम्हारा?

"मैं रानी विक्टोरिया के बारे में सोच रहा हूँ। कब्बन पार्क में एक बूढ़ी लड़की की मूर्ति है। मैं तुम्हें उसकी गोद में
फोटोशॉप कर सकता हूँ।"

Machine Translated by Google

फिर से वही शब्द आया। फ़ोटोशॉप मिस्टर 100 में नहीं आया था।
चैम्पियन की कार्यपुस्तिकाएँ.

"अब, मेरी ओर मुँह करके अपना बायाँ हाथ ऊपर रखो, जैसे कि वह रेलिंग पर टिका हो; नहीं, वह मेरे कंधे पर है। अच्छा। हम वहाँ पहुँच रहे हैं। मेरी ओर ऐसे देखो जैसे कि मैं तुम्हारी सभी प्रार्थनाओं का उत्तर हूँ।"

"मिस्टर लाहिड़ी, सच में।" वह खिलखिलाकर हँस पड़ी।

"ध्यान केन्द्रित करो। मुझे तीव्रता दो। बहुत बढ़िया! उस फौलादी जबड़े का सेट बहुत पसंद आया!
आँखों के बारे में क्या ख्याल है? आप प्यार में हैं! यह बेहतर है। हम लगभग वहाँ पहुँच चुके हैं। मैं आपको रेलवे स्टेशन पर प्रथम श्रेणी के वातानुकूलित डिब्बे से बाहर निकलते हुए फोटोशॉप करूँगा। नहीं, कब्बन पार्क में उस बड़े विजय स्तंभ के बगल में। आप पहली बार बैंगलोर में जा रहे हैं। या आप इलेक्ट्रॉनिक सिटी पसंद करेंगे?

मेरे पास बैंगलोर की सौ पृष्ठभूमियां हैं।"

"तो यह सब प्रकाश और कोण का मामला है? और पृष्ठभूमि का?" वह ओबिलिस्क के बारे में पूछने से डर रही थी।

उन्होंने कहा, "यह एक फोटोशॉप की दुनिया है।"

तो ये थे मशहूर मोनीश लाहिड़ी। इस खूबसूरत आदमी के साथ प्यार में पागल होना मुश्किल नहीं था, जिसके बाल लटके हुए थे, बाइसेप्स बड़े थे और हाथ तेज़ थे। वह कल्पना कर सकती थी कि उसके बालों पर शैम्पू डाला जाए, उन्हें शौचालय के सिंक पर मसला जाए और पानी के घड़े से धोया जाए। उसने कभी ऐसी अंतरंग कल्पनाएँ नहीं की थीं। उसने कभी किसी आदमी के किसी अंग को छूने की कल्पना नहीं की थी, खासकर उसके बालों को नहीं। और अब उसने खुद को दूसरी चीज़ों की कल्पना करते हुए पाया, और वह शरमा गई, उसकी नज़रों से बचती हुई। उसके शरीर में खुजली हो रही थी, जो नीचे से शुरू हो रही थी। यह शर्मनाक था, शायद कोई बीमारी।

"टूकी ने कहा कि आप कवर के लिए बिल्कुल सही रहेंगी। उसने कोई अतिशयोक्ति नहीं की।" उसने कहा
इसके बाद उन्होंने एक संक्षिप्त बांग्ला कविता सुनाई जिसे वह पहचान नहीं पाईं।

"क्या कविता के लिए यह थोड़ा जल्दी नहीं है?" उसने पूछा। "वैसे भी," आधुनिक साहित्यिक बांग्ला के और अधिक विस्तार में जाने से रोकने के लिए, उसने कहा, "मैं यहाँ बेहतर अंग्रेजी सीखने आई हूँ।"

Machine Translated by Google

"मैं तुम्हें वह सिखा सकता हूँ। वैसे भी सेंट लुइस अंग्रेजी। नहीं, इसे SoCalspeak बनाओ,
क्योंकि सांता मोनिका मेरा नवीनतम गृह आधार है। या था।" उसने अपनी उँगलियाँ हिलाईं जैसे कि जादुई
ढंग से कोई दृश्य बना रहा हो। "कल्पना करो कि कैलिफ़ोर्निया में रात हो गई है," उसने कहा। "वास्तव में,
यह सच में है। अभी सुबह के करीब दो बजे हैं। हम सांता मोनिका के एक समुद्र तट पर एक कंबल पर हैं। हमारे पास
अच्छी, हल्की लाल शराब की एक बोतल है। चाँद बादल के पीछे छिप जाता है। पानी से हल्की ठंडक आती है। तारे
अंदर-बाहर झिलमिलाते हैं। मैं डालता हूँ, और हम पीते हैं। हम LAX से उड़ते या आते हुए विमानों को देख रहे हैं।"

उसे यह काल्पनिक खेल पसंद था जिसमें एक बंगाली-अमेरिकी एम.बी.ए. के साथ समुद्र तट पर रोमांस
किया जाता था, जिसकी ठोड़ी पर गड्ढे थे और बाल ढीले थे। ठंडक एक प्रेरणादायक स्पर्श था। प्रेमी अपनी जैकेट
पेश करता, उसके करीब झुकता और उसे उसके कंधों पर डाल देता।

"सचमुच, मिस्टर लाहिड़ी," उसने ऐसे कहा जैसे उसने सचमुच ऐसा किया हो।

वह खुश दिख रहा था। "सच में," उसने दोहराया। "लेकिन तुम्हें सबक की ज़रूरत नहीं है।
आपकी अंग्रेजी काफी अच्छी है।"

सिर्फ़ काफ़ी अच्छा? बैंगलोर की दुनिया में इसका क्या मतलब था? काफ़ी अच्छा किसके लिए - मुक्की शर्मा से
बात करने वाली कोई बेकार नौकरी? या सेक्स लाइन्स - क्या यहीं वे भारतीय लड़कियों को रखते थे जो काफ़ी अच्छी
थीं?
उच्चारण कहाँ लाभदायक होता है? उसे मोनी लाहिड़ी की बांग्ला और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में सहजता से ईर्ष्या
होती थी। उसे दो मातृभाषाओं वाले लोगों से ईर्ष्या होती थी।
उनकी अंग्रेजी अच्छी थी, लेकिन वह कभी भी मातृभाषा नहीं बन सकती थी।

ऐसा लग रहा था कि उसे इस बात का अहसास नहीं था कि उसने उसकी भावनाओं को ठेस पहुँचाई है। "मुझे
एक कबूलनामा देना है," उसने कहा, उसकी आवाज़ अपराधबोध से नरम थी। और वह उसके करीब झुक गया,
इतना करीब कि उसे डर था कि वह आवेग में उसके कंधे को छू लेगी, या इससे भी बदतर, अपनी उंगलियाँ
उसके सीधे, महीन बालों में फिराएगी। "मैं वास्तव में एक फिजूलखर्च नहीं हूँ। मैं भारत वापस आया क्योंकि
यहाँ पैसा है, पैसा और अवसर। मैं सिर्फ़ एक और दुखी अमेरिकी डॉक्टर नहीं बनना चाहता था जिसे HMO की
लाइन में खड़ा होना पड़े। बाबा और दादा की तरह।"

देश में प्रवासियों और स्वदेश लौटने वालों की भरमार थी। भारत युवा लोगों को छोड़कर सभी के लिए दूध
और शहद की भूमि बन गया था

Machine Translated by Google

गौरीपुर में जन्मी और पली-बढ़ी। यह उचित नहीं था! मोनी लाहिड़ी ने उसे शराब और रेत के काल्पनिक खेलों से बहकाया था, लेकिन बाद में उसे धोखा दिया।

"चलो, मिस बोस, आपके पास दुनिया का सबसे भावपूर्ण चेहरा है-
तुम मुझ पर नाराज़ हो, लेकिन मुझे नहीं पता क्यों। क्यों?”

"यहाँ हर कोई कहीं और से आता है।"

"बेंगलुरु में यह बात सच हो सकती है। यही इसका कारण है ।" उन्होंने कहा
ढेर के बीच से एक प्रकाशन। "आप अगले अंक के स्टार होंगे।"

"यह? "

"यह मेरा बच्चा है। बंगलौर की बांग्ला हॉटबुक।" उसने पुस्तिका को कोमलता से संभाला। यह निर्देशिका का सातवाँ संस्करण था जिसमें बंगलौर में आए तीन हज़ार नए बंगालियों के नाम, फ़ोन नंबर और स्थानीय पते, साथ ही उनके गृहनगर सूचीबद्ध थे। "सिर्फ़ अविवाहित, ज़ाहिर है। और नए अविवाहित। मैंने अपने एमबीए कौशल का उपयोग किया है।"

उसने सोचा कि यह तस्वीरों की एक किताब है, कवर पर लड़की जैसी मॉडलों की तस्वीरें। उसने पन्नों को पलटा। कुछ खंड बांग्ला "फर्स्ट डेट" मिक्सर और सादगीपूर्ण, पूजा समारोहों की घोषणा कर रहे थे; किसको पदोन्नत किया गया है, कौन डेट करना चाहता है, और कौन सी बांग्ला-अनुकूल कंपनियाँ काम पर रख रही हैं, साथ ही रेस्तराँ और डिस्को में विज्ञापन और छूट की घोषणाएँ थीं। फिर उसने नामों की सूची का अध्ययन किया: बोस के दो पूरे पृष्ठ, यहाँ तक कि तीन अन्य अंजलि बोस, साथ ही सामान्य बांग्ला नामों की कतारें, बनर्जी और चटर्जी, दास, दत्ता, घोष, गुहा और सेन, आगे बढ़कर रॉय और सिन्हा। फिर, अचानक चिंतित होकर, उसने कुछ पन्ने पलटे: मित्रा, सुबोध। घर का पता: आसनसोल। तो वह झूठ नहीं बोल रहा था; वह वास्तव में बैंगलोर में काम करता था। और शायद वह अभी भी यहाँ था।

"कुछ बात है?" मोनी ने पूछा।

अपनी अत्यंत मासूम आवाज़ में उसने पूछा, "यह सुबोध मित्रा कौन है?"

Machine Translated by Google

"अच्छा आदमी है, लेकिन सबसे तेज चाकू नहीं, अगर तुम मेरी बात समझ रहे हो। तुम उसे जानते हो?"

सुबोध मित्रा का बैंगलोर में अपना रास्ता बनाना एक बड़ी बात है।
सुस्त चाकू ने सारा आतंक वापस ला दिया: काले आम के बगीचे, जंग खाए सरिए, उसकी साड़ी पर लगा खून।
वह अब धूप वाले बैंगलोर में छतरी के नीचे नहीं थी। "नाम थोड़ा जाना-पहचाना लग रहा था।"

"लंबा आदमी, थोड़ा भारी? वह कुछ महीने पहले ही यहां से चला गया था, पत्नी की तलाश में बंगाल चला गया, उसने कहा। सैकड़ों दुल्हन की तस्वीरें देखने के बाद आखिरकार उसे समझ में आ गया। एक दिन वह दौड़कर मेरे पास आया और बोला, 'मोनी! मैंने उसे ढूंढ लिया!
मिस परफेक्शन!' आपको उस आदमी के लिए खुश होना चाहिए था। वह अगले दिन चला गया था।"

उसने अपनी निराशा छिपाने की कोशिश की। सुबोध मित्रा का कोई भी दोस्त
उसकी कोई सहेली नहीं थी। खुजली बंद हो गई। बिना किसी खास वजह के, शायद अपनी सच्चाई को साबित करने के लिए, उसने कहा, "शायद मैं ही वह लड़की थी"

उसने पत्रिकाओं के ढेर पर निर्देशिका गिरा दी। "नहीं, बिलकुल नहीं। सुबोध एक अच्छा आदमी है, लेकिन तुम्हारे लिए बिल्कुल भी अच्छा नहीं है।"

और मैं कितना कूल हूँ, मि. लाहिरी? लेकिन उसने नहीं पूछा। वे कुछ और मिनट वहीं बैठे रहे। उनके पास की मेज़ें भर गईं। वह उसके बाहर जाने के लिए कहने का इंतज़ार करने लगी। उसके पिता, अमेरिका और भारत में घर रखने वाले, एमबीए, मोनी लाहिरी को "परफेक्ट लड़का" मानते, लेकिन परफेक्ट लड़का उसकी उंगलियों से फिसल रहा था। क्या उसे कुछ करना चाहिए था, क्या उसे कुछ कहना चाहिए था? "मुझे वापस जाना है," उन्होंने कहा। उन्होंने उसे द बांग्ला हॉटबुक की कॉपी सौंपी। उसने उससे फिर से मिलने के लिए नहीं कहा। रबी ने उसे एक फ़ोन नंबर दिया था, मि. जी.जी. ने उसे एक सवारी दी थी, और पीटर चैंपियन ने उसे पैसे दिए थे। मोनी ने कुछ नहीं दिया, फिर भी वह किसी तरह से जुड़ी हुई महसूस करती थी।

"क्या आपके पास हॉटबुक में सूचीबद्ध करने के लिए कोई सेल-फोन नंबर है ?"

उसने कहा कि उसे नहीं पता। बैगहॉट हाउस बैंगलोर में सबसे अस्थायी पता था। सेल फोन एक अकल्पनीय विलासिता थी।

Machine Translated by Google

उन्होंने निर्देशिका के पीछे के कवर पर एक नंबर लिख दिया। "किसी भी समय," उन्होंने कहा।

उसने उसे लिफ्ट की ओर बढ़ते और दरवाज़ा बंद होते ही अंदर कूदते देखा। यह उसकी गलती थी कि उसे लगा कि उसे हाल ही में छोड़ दिया गया है। उसने उन दोनों को TOS परिसर की हरी-भरी जगहों पर साथ-साथ चलते हुए देखा। उसने महसूस किया कि उसका शरीर उसके शरीर से सटा हुआ था और उसकी बाँहें, उसकी पीठ खुजली कर रही थी।

वह चाहती थी कि कोई उन्हें खरोंचे। वह मोनी लाहिड़ी की ओर अपनी बाहें बढ़ाना चाहती थी, लेकिन वह पहले ही जा चुका था।

ठीक इसी तरह, बैंगलोर का एक दिग्गज मेरे जीवन में आया और फिर चला गया।
किसी बॉलीवुड फिल्म के नर्तकों की तरह, त्वचा की एक झलक, छुपे हुए आश्चर्यों की एक झलक, फिर एक क्षण में वे गायब हो जाते हैं।

Machine Translated by Google

8

आज का दिन है, हर दिन का दिन है: उसे फिर से वह उत्साह महसूस हुआ।

वह उस जगह से बहुत दूर नहीं थी जहाँ उसने बैंगलोर में पहली बार प्रवेश किया था, उसका भाग्यशाली स्थान, एमजी रोड पर बरिस्ता। कुछ हफ़्ते पहले जो चीज़ें उसे भ्रमित कर रही थीं, वे अब स्पष्ट होने लगी थीं। लाल कमीज़ और क्रीम रंग की सलवार और महंगे मेकअप में, और मिन्नी के आलू और मटन स्टू पर हफ़्तों तक मोटा होने के बाद, वह अपने पैरों पर स्थिर थी। टूकी ने कहा कि उसके पास बेजहॉट हाउस की चिकना चमक थी।

कम से कम वह बेहोश तो नहीं होगी।

उनके बैंगलोर ग्रैंड एंट्रेंस का दृश्य एक सस्ते रिक्शा की सवारी थी
दूर।

टेबलें भरी हुई थीं, लेकिन माहौल शांत था, उसमें वह उत्साहपूर्ण मूर्खता और चरित्र नहीं था जो उसे बैंगलोर में अपनी पहली सुबह देखने को मिला था: कोई मुंबई की लड़की या बहुत मिलनसार माइक नहीं, कोई चेन स्मोकर मिल्ली या बटरफ्लाई ब्रेस्ट वाली सूजी नहीं। शायद वे अलग-अलग शिफ्ट में थे; शायद वे नए आईटी कॉल-सेंटर हब में चले गए थे जो बेहतर वेतन के साथ बैंगलोर के अनुभवी लोगों को लुभा रहे थे। कॉफी पीने वालों के किनारे से उसने मिस्टर जीजी को अपने कंप्यूटर पर झुके हुए देखा। उसने एक छोटी सी कॉफी खरीदी और उसकी ओर बढ़ी।

मिस्टर जीजी उतने आकर्षक व्यक्ति नहीं थे, जितना कि मैड मिन्नी के उत्सव की रात में उन्हें याद था। सिर्फ़ दो हफ़्तों में ही ऐसा लगने लगा था कि वे बूढ़े हो गए हैं और एक छोटे, दुबले-पतले आदमी में बदल गए हैं, जिसके सिर पर बाल पतले हो गए हैं। उसे याद है कि वह पीटर चैंपियन के गंजे सिर को देख रही थी, मच्छर नीचे गिर रहे थे, लेकिन उन्हें भगाया नहीं जा रहा था। बैंगलोर में मच्छर नहीं थे, कम से कम इस महीने तो नहीं। मिस्टर जीजी की सफ़ेद शर्ट के बटन उनके पेट से चिपके हुए थे। उसने सोचा, उसके पेटू पिता की तरह, और बैंगलोर के युवा लोगों की तरह, रात भर काम करने के कारण स्नैक्स से मोटे होते जा रहे हैं, कैफेटेरिया के खाने से मोटे होते जा रहे हैं, काम के बाद बीयर और नमकीन से मोटे होते जा रहे हैं, आज़ाद और अमीर होने और घर से दूर रहने से मोटे होते जा रहे हैं।

Machine Translated by Google

"अभी भी जकार्ता में हैं, मिस्टर जीजी?" अब वह अकेली खड़ी थी, उसका चेहरा उसके पेट के स्तर पर था, और वह उसके चेहरे पर आश्चर्य और हैरानी को पढ़ सकती थी। उसने अपनी मशहूर मुस्कान बिखेरी, और उसने सेव बटन दबाया और ढक्कन नीचे कर दिया।

"मिस बोस! आप बहुत फिट और खुश दिख रही हैं।"

मैं हूँ।

"बहुत ही तंदुरुस्त और चमकदार।"

"यह मिन्नी का मटन स्टू होगा।"

वह हंसा, "मैंने सोचा कि ऐसा इसलिए होगा क्योंकि तुम प्यार में हो।"

उसने मज़ाकिया अंदाज़ में जवाब दिया, "मुझे प्यार हो गया है । बैंगलोर से।"

"तुमने फोन क्यों नहीं किया?" उसने पूछा.

"मेरे पास फ़ोन नहीं है।"

"तो फिर चलो, हम तुम्हें एक मोबाइल दिलवा देते हैं। इस शहर में आवाज़ या संदेश के ज़रिए तुम बिना पहुँच के नहीं रह सकते।"

"मेरे पास पैसे नहीं हैं।"

"शायद आज नहीं, लेकिन कल आपको यह मिल जाएगा। लेकिन केवल तभी जब आप
अपने हैंडबैग में मोबाइल रखें।"

और इसलिए, आधे घंटे बाद, 1 क्यू गार्डन, बैंगलोर की अंजलि बोस के पास एक छोटा सा सिल्वर सेल फोन था, जिसका भुगतान श्री जीजी ने किया था। वह अपनी बहन या अपनी माँ या दुनिया में किसी को भी कॉल कर सकती थी, जब तक उसके पास उस व्यक्ति का नंबर हो, जो उसके पास नहीं था, सिवाय मोनी लाहिड़ी और उषा देसाई के और, अगर वह इसके बारे में सोचती, तो रबी चटर्जी और पीटर चैंपियन के। फोन ने उसे जितने विकल्प दिए, उससे कहीं ज़्यादा विकल्प उसके पास थे। "क्या कोई मास्टर नंबर है जिस पर मैं नौकरी के लिए कॉल कर सकती हूँ?" उसने मज़ाक किया, और श्री जीजी ने उसके लिए अपना टेलीफोन नंबर स्पीड डायल पर डाल दिया। ऐसा लग रहा था कि दुनिया में ऐसी कोई ज़रूरत नहीं थी जिसे फोन पूरा न कर सके। सेल फोन का मालिक होना विदेशी देशों में आभासी इमारतों का निरीक्षण करने जितना प्रभावशाली नहीं था, लेकिन उस सुबह, बस

Machine Translated by Google

एक, भले ही एक साधारण मॉडल हो - जो उसके परिवार के अनुभव में एक अनसुनी फिजूलखर्ची है - लगभग चमत्कारी जैसा महसूस होता है। वह हफ्तों से देख रही थी कि कैसे बैंगलोर की सड़कों पर हर कोई इस अद्भुत डिवाइस का इस्तेमाल करता है, यहाँ तक कि अपने काले बुर्के में मुस्लिम महिलाएँ भी: अपने पतियों को पकड़े हुए, अपने बच्चों को पकड़े हुए, और मोटरसाइकिल के पीछे सवारी करते हुए अपने चांदी के छोटे फोन पर बात करती हुई। टूकी ने अपने हाथ में एक दूसरे पर्स की तरह अपना फोन रखा हुआ था; हुसैना का फोन उसकी कस्टम-सिलाई सलवार में सिलकर एक गुप्त जेब में रखा हुआ था। अंजलि को आश्चर्य हुआ कि हुसैना ब्रैडफोर्ड के बॉबी के साथ हनीमून कहाँ मना रही थी; वह पहली बार फोन की मालिक थी, उसके पास कॉल करने के लिए कोई नहीं था।

"कोई और संख्या?" श्री जीजी ने पूछा।

"मेरे पिता का नंबर डालो," उसने कहा और उसे गौरीपुर का जाना-पहचाना नंबर दे दिया। अचानक उसके दिमाग में लिविंग रूम में स्टूल पर रखे भारी काले फोन की छवि उभरी, जिसकी मोटी, धूल से भरी तार चूहों ने कुतर दी थी। वह नंबर और घर अब किसी अजनबी का होना चाहिए।

"और उषा देसाई," उसने कहा, फिर वह नंबर सुनाया, जो उसने याद कर लिया था। "और यह"; उसने मोनी के फटे हुए कागज़ के टुकड़े से नंबर पढ़ा। "इसे एम.एल. कहो।"

श्री जीजी ने कहा, "एक लोकप्रिय युवा महिला के लिए यह बहुत बड़ी संख्या नहीं है।"

"पीटर को बुलाओ," उसने कहा और उसे नंबर दे दिया। वह चाहती थी कि उसे रबी का कैलिफोर्निया नंबर याद हो। इससे मिस्टर जीजी प्रभावित होते।

"और बेजहोट हाउस में हालात कैसे हैं?" उन्होंने नंबर डालते समय पूछा।

"इमारत अभी भी खड़ी है।"

"मेरा मतलब उस बूढ़ी औरत से था। उसकी हालत कैसी है?"

"बच रही हूँ। लेकिन उसका दिमाग काम करना बंद कर रहा है।"

Machine Translated by Google

"दिखावा धोखा दे सकता है," उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा। "मैं केवल उसी पर भरोसा करता हूँ
आभासी ब्रह्मांड की स्थायित्व।"

मिस्टर जीजी के साथ उसका सौदा अनकहा रह गया; कुछ मुस्कुराहटों और शानदार टिप्पणियों के बदले में, उसे बैगहॉट हाउस वापस जाने के लिए लिफ्ट मिल जाएगी। उसने उसे प्रणाम किया: "आपका देवू इंतज़ार कर रहा है, मिस बोस।"

भूख से तड़पती, लाचार, व्याकुल अंजलि, वही जो, कुछ सप्ताह पहले,
लगभग देवू में ले जाने की नौबत आ गई थी, वह एक "सुडौल और चमकदार" - श्री जीजी के शब्द - सेल-फोन रखने वाली हॉटबुक कवर गर्ल बन गई थी।

एक बार फिर, वह देवू की ओर जा रही थी।

श्री जीजी ने हमेशा की तरह सज्जनता से दरवाज़ा खुला रखा। आगे की सीट पर छुट्टियों के ब्रोशर बिखरे पड़े थे। "तुमने जकार्ता के बारे में पूछा था," उन्होंने कहा, "लेकिन हमने तीन दिन पहले ही उसे पूरा कर लिया है। अभी" - उन्होंने ब्रोशर उसके हाथों में थमा दिया - "मैं यहाँ काम कर रहा हूँ, प्यूर्टो वालार्टा में एक बहुत बढ़िया कॉन्डोमिनियम विकास पर।"

उसने पढ़ा, "चमकते समुद्र से घिरा एक प्राचीन रेगिस्तान।"

"मेक्सिको," उसने स्पष्ट रूप से प्रसन्नतापूर्वक कहा। अंजलि देख सकती थी कि उसे मज़ा आ रहा था
उसे अपना व्यापक ज्ञान प्रदान करते हुए। "बिना किसी उच्च-स्तरीय हस्तक्षेप के वे समुद्र बहुत लंबे समय तक चमकते या लहरें नहीं उठा सकते। अच्छी बात यह है कि हमने कतर और दुबई में निरीक्षण किया है, इसलिए हमें गर्मी और रेत के तूफ़ानों के बारे में कुछ पता है और वे स्विमिंग पूल और गोल्फ़ कोर्स और नौका बेसिनों को क्या नुकसान पहुँचाते हैं और बिजली और सीवेज और प्रशीतन की समस्याएँ कितनी बड़ी हो सकती हैं। यह एक मज़ेदार परियोजना है। यह एक छोटे देश का निर्माण करने जैसा है।"

एक मजेदार प्रोजेक्ट? अपनी अंग्रेजी कक्षा में, पीटर चैंपियन अंजलि को इस बारे में चेतावनी देते थे: "तुम मज़ा को एक विशेषण के रूप में इस्तेमाल होते सुनोगे। इसका विरोध करो। मज़ा एक संज्ञा है, विशेषण नहीं।" श्री जीजी की दुनियादारी या उनके द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली अजीब भाषाओं और जगहों के नामों से पीछे न रहने या अभिभूत न होने के लिए, उसने कहा, "बैजहॉट हाउस की लड़कियों में से एक खाड़ी में एक अमेरिकी स्कूल में गई थी।" खबर ने उसे चुप करा दिया।

Machine Translated by Google

एक क्षण बाद, उसने उसकी बात पूरी की। "मुझे पता है। प्रसिद्ध
हुसैना शिराज। मुझे लगता है कि वह अब यहाँ नहीं रहतीं - क्या मैं सही हूँ?"

वह यह कैसे जान सकेगा?

उन्होंने कहा, "कुछ बड़े बदलाव होने वाले हैं।" "हम बस एक कदम आगे रह सकते हैं
शहर में यातायात उस सुबह की तुलना में कम था, जब राजू के ड्राइवर ने गाली देते हुए और हॉर्न बजाते हुए उसे टीओएस टॉवर पर छोड़ा था; वे अच्छी तरह से, बहुत अच्छी तरह से आगे बढ़ रहे थे। वह नहीं चाहती थी कि यात्रा में कोई समस्या आए।
ऊपर।

श्री जी.जी. ने उसकी अनिच्छा को नोटिस किया होगा। "मैं तुम्हें कुछ नया दिखाना चाहता हूँ," उन्होंने कहा।

कब्बन पार्क, उसे उम्मीद थी। मोनी ने कब्बन पार्क का ज़िक्र किया था। वह एक थी
एक फोन के साथ एक महिला और प्यार में होने से चमक।

"हम रास्ते में मेरे घर पर रुकेंगे।"

"वह कहाँ है?" वह केंट टाउन और इंदिरा नगर जानती थी; वह डॉलर कॉलोनी के बारे में जानती थी क्योंकि पार्वती बनर्जी वहाँ रहती थी और रबी बैंगलोर में बनर्जी के साथ रहती थी। श्री जीजी को डॉलर कॉलोनी जैसे किसी आलीशान इलाके में रहना था। उसने कल्पना की कि वह दो चौकीदारों द्वारा पहरेदार गेट के सामने उसके साथ गाड़ी चलाएगा; वह एक बजरी वाले ड्राइववे पर चलेगी जो फूलों के बगीचे को दो भागों में विभाजित करता है; वह उसके सफ़ेद बालों वाले माता-पिता को देखकर मुस्कुराएगी जब वे उसका गर्मजोशी से स्वागत करेंगे। क्या उसके माता-पिता जीवित थे?
"मुझे आपके रिश्तेदारों से मिलना अच्छा लगेगा," उसने खुद को यह कहते हुए सुना।

"मैंने अपना घर बताया ।" उन्होंने बताया कि उनके पास दो पते थे, एक केंट टाउन से दूर पारिवारिक निवास, जहां वे अपने माता-पिता, विधवा भाभी, बड़े भाई और उनकी पत्नी तथा नवजात भतीजे के साथ रहते थे - और एक निजी कार्यालय, जिसमें विस्ट्रोनिक्स के नजदीक एक रसोई और शयन कक्ष था।

हर दिन आज है! सुबह ने उसकी अच्छी सेवा की थी, और अब वह
देर दोपहर जो कुछ भी हो सकता है, उसके लिए तैयार रहें।

Machine Translated by Google

कार्यालय-अपार्टमेंट एक आधुनिक छह मंजिला इमारत के शीर्ष तल पर एक कोने में स्थित था, जहां से कब्बन पार्क के घुमावदार रास्ते और उद्यान दिखाई देते थे।
शहर के धुंधले दृश्य को सिर्फ़ कुछ ऊँचे, पुराने पेड़ों ने ही बाधित किया था। उन पेड़ों की चोटियाँ अंजलि के नीचे एक जंगली, गुच्छेदार लॉन की तरह फैली हुई थीं।

"चाय?" श्री जीजी ने पूछा। डाइनिंग के ठीक बगल में एक छोटी सी रसोई और पेंट्री थी।
क्षेत्र। केतली में पानी की छपाक की जानी-पहचानी आवाज़, गैस स्टोव का चटकना: शांत, आश्वस्त करने वाली भारतीय आवाज़ें। उसे यकीन नहीं था कि वह उसे यहाँ क्यों लाया था। प्यूर्टो वालार्टा की एक आभासी यात्रा? जकार्ता की यात्रा? जब तक यह गौरीपुर नहीं था, अंजलि बोस को उससे कोई डर नहीं था।

आखिरकार, यह दूसरी बार था जब वह किसी पुरुष के बेडरूम में गई थी। यह पीटर चैंपियन के बेडरूम से अलग था, यह व्यवस्थित था, अच्छी तरह से सुसज्जित था, इसकी दीवारों पर कार्टून जैसी पेंटिंग्स लगी हुई थीं, आर्किटेक्चर पत्रिकाएँ एक चाप में फैली हुई थीं, जैसे कि एक महिला का पंखा, मेज पर। उसे जो कुछ भी दिखाई दिया, वह उसे बहुत पसंद आया, और उसे एहसास हुआ कि वह बिल्कुल भी सुरक्षित नहीं थी। एक सुखद खुजली उसकी बाहों में दौड़ गई, ठीक वैसे ही जैसे तब हुई थी जब मोनी लाहिड़ी ने अपनी हॉटबुक के लिए उसकी तस्वीर खींची थी।
आखिरकार, वह खुद से कह सकती थी, ऐसा नहीं है कि वह उस सुबह जाग गई थी, फिर ठंडे दिमाग से एमजी रोड पर अपने निजी बरिस्ता से मिलने का फैसला किया, और फिर श्री जीजी के पास गई, उन्हें अपने काम से जगाया, उन्हें बहकाने के इरादे से या उन्हें यह सोचने देने के लिए कि वह उसे बहका रहे हैं। वह ऐसी साजिश रचने में असमर्थ थी। इसलिए, वह इसकी योजना बनाने या यहां तक कि इसकी इच्छा रखने की भी दोषी नहीं थी।

वह अपने जीवन में घटित किसी भी घटना के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराई जा सकती थी क्योंकि वह किसी भी कार्य की शुरुआत करने वाली नहीं थी। एंजी एक साहसी व्यक्ति थी, जो पहल करने वाली थी, वह दोष या शर्म से परे थी। अंजलि ने बस देखा और चीजों को होने दिया।
इस तरह की चीजें: अपने पीछे खड़े एक आदमी से चाय स्वीकार करना, जबकि वह पेड़ों की छतरी के नीचे पार्क में ट्रैफ़िक की घुमावदार गलियों और टहलने वालों और व्यायाम करने वालों के सामान्य मिश्रण को देख रही थी। उसके पीछे खड़े आदमी ने अपने हाथ उसके कूल्हों पर रखे, फिर उसकी कमीज़ के नीचे, और उसे उसकी ब्रा के ऊपर से ऊपर की ओर खींचना शुरू कर दिया। उसने चाय का प्याला खिड़की पर रख दिया और उसे जारी रखने दिया।

Machine Translated by Google

अब उसने उसके कान में फुसफुसाते हुए कहा, बोलने से पहले उसे हल्के से काटा। "तुमने किस तरह की सावधानियां बरती हैं?"

"क्या सावधानियाँ बरतने का मतलब है तुम्हारा?" उसने सोचा, भगवान करे अगर मैंने ये सावधानियां बरतीं सावधानियों के बिना, मैं आपके अपार्टमेंट में नहीं होता, है ना?

"आप जानते हैं, उपकरण। गोली?"

वह शर्म से मुस्कुराई। सुबोध मित्रा ने पूछने की जहमत नहीं उठाई। चीजें ग्लेशियरों की तरह धीरे-धीरे चलती हैं, जब तक कि वे सुनामी की तरह फट न जाएं।

फटी हुई चांदी की पन्नी हवा में लहरा रही थी। उसने ज़िपर की आवाज़ सुनी, और भारी पतलून के फर्श पर गिरने की आवाज़ भी। मिस्टर जीजी की उंगलियों ने उसकी खुजली को शांत किया।
उन्होंने कहा, "जब हम पहली बार मिले थे, तब से मैं आपके बारे में सोच रहा हूं।"

ऐसा लग रहा था कि पार्क और फुटपाथ पर घूमने वाले सभी लोग रुक गए थे और ऊपर देखकर उसकी ओर इशारा कर रहे थे। कब्बन पार्क में सभी ने खिड़की में नंगी लड़की को देखा। खिड़की में नंगी लड़की बैंगलोर की ओर देख रही थी। वह खिड़की से हटी, मुड़ी और मिस्टर जीजी का सामना किया, जो अपनी पतलून से खुद को मुक्त करने के लिए एक पैर पर उछल रहे थे। उनके जूते अभी भी पहने हुए थे। जेबों से सिक्के गिर रहे थे और फर्श पर लुढ़क रहे थे।

"कृपया बैठ जाइए, मिस्टर जीजी," उसने आदेश दिया, और वह बैठ गया। एक पल के लिए उसने सोचा, अगर मुझे बाहर जाना है, तो यही समय है। वह अपने जूते खोलने के लिए नीचे झुका। "मैं ऐसा करूँगा। कृपया वापस बैठ जाएँ।" जैसे ही वह आगे झुकी, उसने उसकी ब्रा की पट्टी को टटोला।

वास्तव में यह उसकी ब्रा का पट्टा नहीं था । यह हुसैना की काली रेशमी पट्टी थी।

"कृपया," उसने इस बार ज़ोर से कहा, और वह पीछे हट गया। उसने बिजली की गति से हिसाब लगाया: अगर मुझे खुद को सौंपना है, तो यह किसी ऐसे सुप्रतिष्ठित व्यक्ति को देना बेहतर होगा जिसने मुझे बचाया और उपकार और दयालुता दिखाई।
एक अच्छी तरह से जुड़ा हुआ आदमी जो मेरा एहसानमंद होगा। एक लड़की एक फैंसी काली ब्रा और आधी-अधूरी सलवार पहने हुए, सोफे पर एक आदमी के सामने घुटनों के बल बैठी है, उसके जूते उतार रही है: वह नियंत्रण में है।

Machine Translated by Google

उसे गौरीपुर की एक रस्म याद आ गई, उसके अपने पिता हर दिन एक ही समय पर ऑफिस से घर आते थे। चाय का इंतज़ार होता, वह दरवाज़े के पास कुर्सी पर बैठकर अपने पैर फैलाता और उसकी माँ घुटनों के बल बैठकर उसके जूते उतारती - मौसम के हिसाब से धूल भरे या कीचड़ भरे जूते - और अंजलि उसके लिए घर के अंदर पहनने वाली चप्पलें और कुर्ता-पायजामा लाती। वह अपनी शर्ट के बटन खोलता और कुर्ता पहनता, फिर अपनी पतलून खोलता और अपने शॉर्ट्स को पायजामा से ढकता। अपनी ज़िंदगी की हर रात उसने यही छोटा-मोटा काम किया था, जैसा कि उसकी माँ और उसकी दादी और शायद उसकी बहन ने भी किया था। काश, वे सभी पीढ़ियाँ उसे अब देख पातीं! सिवाय इस बार, वह अपने घुटनों पर थी और लगभग नग्न थी, और वह आदमी, अनिवार्य रूप से, एक अजनबी था। और उसे निज़ामबाग में ट्रकों पर रेंगती हुई महिलाओं की कतारें याद थीं, भूतिया महिलाएँ, मकड़ी की तरह पतली, ड्राइवरों तक पहुँचने के लिए एक-दूसरे से लड़ती हुई, और उसे एक महिला होने की कीमत, और भारत, और हर उस आदमी से नफ़रत थी जिसे उसने कभी जाना था।

"चलो देखते हैं वह मशहूर मुस्कान," श्री जी.जी. ने कहा। और वह मुस्कुरा दी।

उसने उसके जूते और मोज़े उतार दिए - इतने छोटे, मुलायम पैर, इतने बालदार पैर - फिर उसने उसकी पतलून को कफ़ से खींचा और उसे डाइनिंग चेयर के पीछे डाल दिया। वह उभरे हुए बॉक्सर शॉर्ट्स में एक मोटा, बालों वाला छोटा आदमी था।
शायद उस सुबह उसने कपड़े नहीं पहने थे, क्योंकि उसे लगा था कि लंच से पहले एक महिला उसके कपड़े उतार देगी। उसने खुद को सोफे से कुशन फेंकने और फिर फोल्डिंग बेड खींचने में व्यस्त कर लिया।

"तुम क्या देख रहे हो?" उसने पूछा। उसने शर्मीली मुस्कान बिखेरी, जो
ऐसा लग रहा था कि यह उसके अहंकार को संतुष्ट कर रहा था, लेकिन सच तो यह था कि वह एक ऐसे सोफे को देखकर मोहित हो गई थी, जिसे एक लगभग नग्न और बालों से भरी पीठ वाले आदमी ने एक झटके में बिस्तर में बदल दिया था।
न ही वह कभी पूरी तरह से नग्न और अकेली खड़ी हुई थी, यहाँ तक कि अपने खुद के बेडरूम या बाथरूम में भी नहीं। घर पर वह बड़ी उम्र की महिलाओं की तरह साड़ी पहनकर नहाती थी। महत्वपूर्ण बात यह थी कि वह खुद को यह बता सके कि उसने एक दोस्त से सवारी ली थी, यह सोचकर कि वह उसके परिवार से मिलने जा रही है, और उसे अगवा कर लिया गया था और बहकाया गया था। वह किसी से भी पूछ सकती थी: बैंगलोर में उन दोस्ताना पुरुषों से सावधान रहें जो कहते हैं कि वे सिर्फ मदद करना चाहते हैं।

"यह बहुत जल्दी होता है, है ना?" उसने कहा।

Machine Translated by Google

"क्या आप गुलाब की उम्मीद कर रहे थे?"

वह इसे तारीफ के तौर पर कह रही थी। उसका मतलब था कि कितनी जल्दी कोई अपनी पहचान बदल लेता है। आधे घंटे पहले, मैं आपकी कार में सवारी करने की कोशिश कर रहा था। मैं बिल्कुल अलग व्यक्ति था, और अब मैं कभी भी वैसा व्यक्ति नहीं बनूँगा। मिस्टर जीजी अपने बिस्तर पर लेटे हुए थे, अपनी शॉर्ट्स उतार रहे थे, और उनका लंबा, भूरा व्हाटसिट थोड़ा खतरनाक लग रहा था। उन्होंने कंडोम को उसके ऊपर लपेटा, ठीक वैसे ही जैसे कोई ग्रामीण बर्थ-कंट्रोल फिल्म में केले के साथ होता है। उनकी बाहें खुली हुई थीं। उनकी छाती पर स्प्रिंगी, घुंघराले मैट उसका इंतज़ार कर रहे थे।

उसने अपने बचे हुए कपड़े उतार दिए। उसे तैराकी के निर्देश याद आ गए: बस पानी में कूद जाओ, ठंड लगेगी, और तुम्हें लगेगा कि तुम डूबने जा रही हो, लेकिन तुम्हें इसकी आदत हो जाएगी। कोई झिझक नहीं। वह वह सीखने वाली थी जो हर दूसरी महिला जानती थी, जो टूकी और सोनाली-दी जानती थी, और मि.

जीजी निश्चित रूप से सुबोध मित्रा से अधिक निपुण शिक्षक प्रतीत होते थे। सारी सावधानी खिड़की से बाहर उड़ गई; सदाचार और शालीनता के बारे में वर्षों की अच्छी सलाह, छेड़खानी लेकिन मुश्किल से मिलना। उसने कभी भी एक शालीन, अच्छी तरह से पली-बढ़ी, छोटे शहर, मध्यम वर्ग की प्रवासी बंगाली लड़की के रूप में अपनी आत्म-छवि पर सवाल नहीं उठाया। बैंगलोर जैसी जगह में, जहाँ किसी को भी इस तरह से अच्छा होने के लिए पुरस्कृत नहीं किया जाता था, "अच्छा" एक अलग अर्थ लेता था। वह श्री जीजी के ध्यान के लिए आभारी थी। उन्होंने अपने उपकारों का बदला चुकाने और शायद अंजलि को ऊपरी हाथ पाने के लिए एक आसान तरीका सुझाया था।

जैसा कि उसने कहा था, यह बहुत जल्दी खत्म हो गया। उसे लगा कि उसे उसकी जल्दी की तारीफ नहीं करनी चाहिए। उसे कुछ नहीं कहना चाहिए था, बस मुस्कुरा देना चाहिए था।
किसी तरह, इस उलझन में वह उसे नीचे देखने लगी, उसकी आँखें बंद थीं। उसने जो कुछ भी किया था, उससे उसे थोड़ी चुभन हुई थी, लेकिन कम से कम खुजली तो खत्म हो गई थी।

अपनी सांस संभालने के बाद उन्होंने कहा, "मैं आपको एक बहुत अच्छा ग्राहक कहूंगा, मिस अंजलि बोस। लगातार आश्चर्यचकित करने वाली, लेकिन फिर भी मधुर मासूमियत वाली।"

वह अपने प्रयासों के लिए ग्रेड जैसी कोई चीज़ की उम्मीद करती थी, "सबसे अच्छा" या "एक स्मार्ट, मज़ेदार लड़की" या कम से कम "कूल", लेकिन कोई बात नहीं: उसने परीक्षा पास कर ली थी, और मिस्टर जीजी फिर से नींद भरी खामोशी में डूब गए थे। और उसने उस रस्सीदार, ख़तरनाक, अजेय क्या को एक ढीली त्वचा के नीचे एक लचीली परत में बदल दिया था

Machine Translated by Google

कंडोम। कुछ मिनटों के बाद वह बुदबुदाया, "आज बाद में कुछ रोमांच की उम्मीद है। शायद आज रात।"

"एक लड़की इससे अधिक और कितना उत्साह सहन कर सकती है, मिस्टर जीजी?"

उसने उसके बालों को पकड़ा और उसे अपनी उंगलियों के बीच बहने दिया। "तुम एक हो
मज़ेदार युवा महिला, मिस बोस।" कुछ और मिनटों के बाद वह उठा और अपने बॉक्सर शॉर्ट्स और वही सफ़ेद शर्ट पहन ली। शायद सड़कों पर सफ़ेद शर्ट पहने सभी पुरुष जो उसके पास से गुज़रे थे, कुछ मिनट पहले भी यही कर रहे थे। शायद महिलाएँ भी। वह खाना पकाने के लिए बने कमरे में गया, चाय का पानी डाला और टोस्टर में ब्रेड के दो स्लाइस डाले। उसने इसे अपना संकेत समझा और अपने अंडरवियर में वापस आ गई, फिर सलवार और कमीज़ पहन ली। उसने धीमी और सहज आवाज़ में पूछा, "मिस शिराज, क्या वह आपकी दोस्त थी?"

"मैं ऐसा ही सोचना चाहूंगा।"

उन्होंने कहा, "सुश्री शिराज की तस्वीर बीबीसी की वेबसाइट पर छपी है।"

"हुसैन एक सेलिब्रिटी है?"

"उसका नाम तो नहीं बताया गया, लेकिन मैंने उसका चेहरा पहचान लिया।"

"एक बेजहॉट लड़की!" अंजलि रोमांचित थी। "हम में से एक! गिरीश, तुम
बैंगलोर दुनिया के केंद्र की तरह लगता है।"

"मैं बस इतना कह रहा हूं कि परिवर्तन आसन्न हैं।"

"अब तुम मिन्नी बेजहोट की तरह लग रहे हो। 'बुरी ताकतें इकट्ठा हो रही हैं,' यह उसका नया मंत्र है।"

"खैर, मुझे नहीं लगता कि मुझे आपके बारे में चिंता करने की ज़रूरत है, मिस बोस। आप सभी से कई कदम आगे हैं। क्या मैं आपको फ़ोन कर सकता हूँ, अब जब आपके पास अपना फ़ोन है?"

वापस आते समय, श्री जीजी ने उसे बताया कि वह बीबीसी की वेबसाइट पर क्या पढ़ रहे थे, तभी उसने बरिस्ता में उसे टोका। हीथ्रो को उड़ाने की साजिश नाकाम हो गई थी। उसे पूछना पड़ा, "हीथ रो क्या है?"

Machine Translated by Google

उन्होंने कहा, "एक हवाई अड्डा।" वह कुछ नाम जानती थीं, जैसे नेताजी सुभाष बोस।
कोलकाता में इंदिरा गांधी और नई दिल्ली में सहर थीं, और मुंबई में सहर थीं, लेकिन वह कभी हवाई जहाज या यहां तक कि हवाई अड्डे पर भी नहीं गई थीं।

"लंदन," उन्होंने कहा। "जो लोग बहुत यात्रा करते हैं वे शहर का नहीं, बल्कि हवाई अड्डे का नाम लेते हैं।"

"इससे हमारा क्या लेना-देना है?" उसने पूछा।

"तितली प्रभाव," उसने उत्तर दिया। उसने एक लंबी व्याख्या शुरू की।
दुनिया में कहीं भी होने वाली कोई भी घटना बैंगलोर को कैसे प्रभावित करती है। उसने उसके सिद्धांत का पालन नहीं किया और उसके वास्तविक शब्दों को सुनना बंद कर दिया, इसके बजाय खुद को उसके लिए उसकी इच्छा के आनंद में लपेट लिया। वह उसका हाथ थामे रहा। वह चाहती थी कि क्यू गार्डन बहुत दूर हो, बहुत दूर। वह चाहती थी कि वह बात करता रहे, गाड़ी चलाता रहे, वासना करता रहे। वह प्यार पाने से भी ज़्यादा प्यार करना चाहती थी।

मिन्नी के घर के नियमों का सम्मान करते हुए, मिस्टर जीजी ने बैगहॉट हाउस से दो ब्लॉक दूर कार रोक दी। वह खुद को यात्री दरवाजे से बाहर निकाल कर ड्राइवर की तरफ चली गई। वह गाड़ी चलाते रहे, लेकिन गाड़ी नहीं चलाई।

उसने कहा, "मैं तुम्हें फिर से देखना चाहता हूँ।"

वह समझ सकती थी कि वह और कुछ कहना चाहता था, और वह चाहती थी कि वह और कुछ कहे, इसलिए वह फुटपाथ पर खड़ी रही, अपनी उंगली से उसके दरवाजे पर अदृश्य घेरे बनाती रही। मि. जी.जी. ने वह मधुर, स्वच्छ शराब और चाँदनी वाली इश्कबाज़ी नहीं दिखाई जो मोनी लाहिड़ी ने कुछ घंटे पहले दिखाई थी। वह मोनी के अपार्टमेंट में मोनी के साथ प्यार का दिखावा भी नहीं कर सकती थी। क्या वह किराए के अपार्टमेंट में रहता था, या उसका अपना घर था? वह एक जादूगर था, जिसने अंजलि और एंजी को लिया, अपनी छड़ी लहराई, और दोनों को गायब कर दिया, फिर एक अलौकिक मिस टू स्कूप्स बनाया, जो लोकप्रिय सपनों की चीज़ है। उसने उसे फ़ोटोशॉप किया: बस इतना ही था। लेकिन मि. जी.जी. ने उसे और उसके अंदर तक देख लिया।

श्री जीजी के प्रति उसके आकर्षण में एक कच्चापन और अधिकार था जो उसे रोमांचित करता था।

"हाँ?"

उसे पुष्टि की उम्मीद थी, किसी सवाल की नहीं। इंजन चालू हो गया।
"अपना ख्याल रखना," उसने कहा। कार धीरे-धीरे ट्रैफिक में घुस गई।

Machine Translated by Google

दोपहर के तीन बजे थे, जो कि आम तौर पर शांत समय होता है। हल्की धुंध पड़ रही थी, जो कि बैंगलोर में मानसून का एक रूप था। क्यू गार्डन कॉर्नर और भजोत लेन असामान्य रूप से भीड़भाड़ वाली जगह थी। पैदल चलने वाले लोग - घुमक्कड़ नहीं, बल्कि उद्देश्यपूर्ण तरीके से दौड़ रहे युवा - फुटपाथों से निकलकर सड़क पर आ गए थे, जिससे यातायात में शोरगुल मच गया था। तीन बजे तक अधिकांश घर आमतौर पर बंद हो जाते थे और कई छोटी दुकानें बंद हो जाती थीं।

मैं अब एक औरत हूँ, उसने खुद से कहा। मैं बिलकुल औरत हूँ। मैं हॉट हूँ, टुकी के अनुसार। हुसैना के अनुसार, गुप्त और बहुत रहस्यमय। मोनी के अनुसार, शर्बत-ठंडा, शर्बत-ताज़ा। और मज़ेदार और आकर्षक, अगर मैं श्री जीजी को सही ढंग से पढ़ रहा हूँ। कुल मिलाकर, यह काफी दिन था, और अभी भी दोपहर का मध्य था।

Machine Translated by Google

9

वादा किया गया दिन आ गया था! भोर के कुछ समय बाद, अंजलि और ग्यारह अन्य छात्र दो सप्ताह के गहन पाठ्यक्रम के पहले दिन के लिए सीसीआई मिनीवैन से बाहर निकले, जो अपने आप में एक वेतनभोगी, स्वतंत्र कैरियर महिला के रूप में एक नए जीवन की तैयारी थी। वह एक तरह से खुश थी कि उसने पीटर चैंपियन के संपर्कों से संपर्क करने में देरी की थी। एक छोटे से तालाब में बड़ी कार्प झील में छोटी मछली की तरह होती है। वह बैंगलोर में अपने पहले कुछ हफ्तों में डरी हुई देहाती नहीं थी। जब उसने अन्य आठ महिलाओं और तीन पुरुषों को मिनीवैन से बाहर निकलते हुए देखा तो उसे घमंड महसूस हुआ। वे नई स्थापित लिफ्ट के चारों ओर इकट्ठा हुए, जिसमें एक बार में केवल चार लोग ही बैठ सकते थे। उसने सीसीआई और देसाई डेटा सिस्टम्स के दरवाजे तक तीन मंजिलें चढ़ने का फैसला किया, जो पहली बार आई थी, और उसे पार्वती बनर्जी की विशेष मुस्कान से पुरस्कृत किया गया, जो अपने छात्रों का स्वागत करने के लिए तीसरी मंजिल की लैंडिंग पर खड़ी थीं।

डीडीएस और उषा देसाई के घर के कार्यालय, जिसमें अंजलि का साक्षात्कार लिया गया था, की फर्श योजना एक समान थी, सिवाय इसके कि सभी तीन बेडरूम को कक्षाओं में बदल दिया गया था, जिनमें डेस्क और कुर्सियां लगी थीं और कंप्यूटर, व्हाइटबोर्ड और फर्श से छत तक अमेरिकी जीवन को दर्शाने वाले पैनल लगे थे।

पार्वती ने पाठ की शुरुआत व्हाइटबोर्ड पर शब्दों की एक सूची बनाकर की:
कृपया, वितरित करें, विकास, सर्किटरी, कार्यकारी, पता, विकास, प्रबंधन, कचरा, अवसर, चूल्हा, जोड़, विचार। ऐसे शब्द जिनकी ग्राहक-सहायता-सेवा कर्मचारियों को ज़रूरत होगी और वे हर कार्य शिफ्ट में उनका उपयोग करेंगे, लेकिन बहुत संभव है कि वे उन्हें खराब कर दें।

उन्होंने घोषणा की, "गहन सत्रों का हमारा लक्ष्य उच्चारण में सुधार करना है। नियमित कार्यक्रम में उच्चारण में सुधार नहीं, बल्कि उसे बेअसर किया जाता है।"

अंजलि ने अपनी बाईं ओर डेस्क पर बैठी महिला की कांपती उंगलियां देखीं
अपनी नोटबुक में अध्ययन गोल = हंसमेंट लिखें । उसने पंक्तिबद्ध पर नज़र डाली

Machine Translated by Google

वह अपनी दाईं ओर बैठे पुरुष छात्र की नोटबुक देख रहा था। वह उसका प्रोफ़ाइल स्केच कर रहा था, और वह इसमें बहुत अच्छा था।

अंजलि के पीछे से एक महिला की आवाज़ ने प्रशिक्षक को टोकते हुए कहा, "मैडम, एन्हांसमेंट का मतलब क्या है?"

प्रशिक्षक उस प्रश्न के लिए तैयार था। "हमारे पास आने वाली अमेरिकी कंपनियाँ चाहती हैं कि आप स्वीकार्य रूप से अमेरिकी बोलें। इसका मतलब यह नहीं है कि आपको अमेरिकी टेलीविज़न लहजे की नकल करनी है - इसका मतलब सिर्फ़ यह है कि वे आपसे बिना किसी जटिलता के संवाद करने की अपेक्षा करते हैं। हम आज सुबह व्यंजनों को नरम बनाने और स्वरों को स्पष्ट करने पर काम करेंगे।"

उसने अपने बारह विद्यार्थियों में से प्रत्येक को उसके द्वारा सूचीबद्ध शब्दों का उच्चारण करने को कहा। व्हाइटबोर्ड पर। प्लीज "प्लिस" के रूप में आया; गार्बेज और मैनेज "गरबेजे" और "मैनेज" के रूप में। सभी बारह को दबे हुए वी के साथ समस्या थी: "डी-वेल-ऑप," "डे-ली-वर।" सुश्री बनर्जी कठिनाइयों के बावजूद मुस्कुराईं। "आपकी मातृभाषा से मांसपेशियों की याददाश्त की एक छोटी सी समस्या," उन्होंने समझाया।

"सौभाग्य से हमारे पास इस कमरे में मौजूद हर एमटीआई समस्या के लिए खास समाधान मौजूद हैं।" उसने अंजलि की भावशून्य नज़र को देखा होगा, क्योंकि उसने जल्दी से कहा, "मातृभाषा के प्रभाव की समस्याएँ।" उसने अपने छात्रों को आश्वस्त किया कि दो सप्ताह के पाठ्यक्रम के बाद, वे संक्षिप्त शब्दों की भाषा में पारंगत हो जाएँगे। और राजनीति। और खेल। और लोकप्रिय संस्कृति। हर समस्या का समाधान होता है।

अंजलि ने सोचा, "क्या निजी जीवन की समस्याओं के बारे में भी शिक्षक ने आशावाद बढ़ाने का पाठ शामिल किया है?"

पार्वती की पाठ योजना पीटर की तुलना में अधिक औपचारिक थी। उसने तय किया कि किस शब्दांश पर जोर देना है। उसने छात्रों को निर्देश दिया कि वे ऊपरी दांतों को निचले होंठ पर दबाएं ताकि एक कुरकुरा वी एक वूशी डब्ल्यू में न घुल जाए । उसने प्रशिक्षुओं को कड़ी मेहनत कराई, लेकिन अंजलि को भी विकास, चूल्हा और विचार में थ नहीं मिला। एक टी और एक एच के आने की खड़ी बाड़ को पकड़ना और एक मोटा, आरामदायक, नरम डी पर बसना बहुत आसान है ।

अगले अभ्यास में प्रत्येक छात्र को एक पाठक से एक कविता सुनाने के लिए कहा गया जिसे पार्वती और अनुपस्थित सुश्री देसाई ने मिलकर तैयार किया था। बारह प्रशिक्षु, बारह कविताएँ। अंजलि को "मैंने एक मक्खी की भिनभिनाहट सुनी।" यह महिला कवि कोई एडगर एलन पो नहीं थी। कोई भी मक्खियों से कैसे प्रेरित हो सकता है? मक्खियाँ

Machine Translated by Google

मक्खियों का मतलब था कि पास में कुछ मरा हुआ, मीठा या मल था। अंजलि ने अनुमान लगाया कि उसे जानबूझकर मिस एमिली की मक्खी कविता के लिए चुना गया था क्योंकि बंगालियों के लिए f का उच्चारण करना कठिन था। उसे पीटर की नसीहत याद आ गई: "फॉग्गिएस्ट, एंजी, न कि पोग्गिएस्ट।" उसे इस बैंगलोर कक्षा में f ध्वनि को सही ढंग से बोलने के लिए पीटर का आभारी होना चाहिए। और उसने ऐसा किया।

लंच ब्रेक के समय दो छात्रों ने पढ़ाई छोड़ दी। "यह बहुत दुखद है। मैंने अपना सारा आत्मविश्वास खो दिया है," सुश्री वासुदेव ने शिकायत की। उनका इरादा अपने पैसे वापस मांगने का था। श्री शाह ब्रेक के दौरान चुपचाप नहीं चले गए, जैसा कि सुश्री वासुदेव ने किया था। उन्होंने प्रशिक्षक के कक्षा फिर से शुरू करने का इंतज़ार किया ताकि वे बाहर निकलने से पहले उनसे भिड़ सकें। "यह अपमानजनक है," उन्होंने सुश्री बनर्जी को डांटा। "मैं भारत का नागरिक हूँ। मुझे इस बात की परवाह नहीं है कि मिस्टर कॉरपोरेट अमेरिका को मेरा उच्चारण पसंद नहीं है!" जिस पर पार्वती ने कहा, "बारह में से दो खोना बुरा नहीं है।

इससे बाकी सभी के लिए ज़्यादा ध्यान देने का मौक़ा मिलता है। असल में, दो तो बस शुरुआत है।" उसने उन्हें "हार मानने वाले कभी नहीं जीतते, और जीतने वाले कभी हार नहीं मानते" सुनाने को कहा और उन्हें तब तक ऐसा करवाती रही जब तक कि उनकी ज़बान से "विजेता" और "के विटर्स" शब्द नहीं निकल गए।

"बाकी लोगों से एक बात कहना चाहती हूँ," पार्वती ने पहले दो लोगों के चले जाने के बाद कहा। "क्या मैं निराश हूँ? नहीं। हम उम्मीद करते हैं कि छात्र पढ़ाई छोड़ देंगे, और हम उनके अच्छे होने की कामना करते हैं। हर कोई हमारी माँग के मुताबिक नहीं होता। आप पाएँगे कि अंग्रेजी भाषा का कौशल हमारी अपेक्षाओं का केवल एक हिस्सा है, और सबसे बड़ा हिस्सा भी नहीं। भाषा का विकास काफी हद तक यांत्रिक है - यह आपकी अवशोषण क्षमता, आपका चरित्र, सीखने और सोचने के नए तरीके और निश्चित रूप से नए तथ्यों का उपयोग करने की आपकी क्षमता है, जिसमें हम रुचि रखते हैं। इसीलिए हमने सबसे पहले आपका साक्षात्कार लिया और आपका परीक्षण किया।"

दो सप्ताह का तैयारी पाठ्यक्रम वास्तव में केवल बारह दिनों तक चला क्योंकि रविवार को सी.सी.आई. बंद था, लेकिन पहले सप्ताह के अंत में तीन और नए छात्र बाहर हो गए। "गोले = हंसमेंट" चला गया। स्केच आर्टिस्ट भी चला गया। शेष छात्र कम से कम अंग्रेजी में उसके बराबर थे: बड़े शहर, आत्मविश्वासी, अच्छी तरह से शिक्षित और थोड़े बड़े।

प्रशिक्षण मैनुअल में "जानना" के अंतर्गत दो सत्र सूचीबद्ध किए गए थे अमेरिकी ग्राहक" और "स्थलाकृति" और "संस्कृति" में विभाजित किया गया।

Machine Translated by Google

मैनुअल के अनुसार, संस्कृति को जाने बिना भाषा जानना वैसा ही है जैसे किसी गीत के शब्दों को जानना परन्तु संगीत को न जानना।

इन दो सत्रों में से पहले सत्र में पंद्रह मिनट बीतने के बाद, अंजलि का सिर घूम रहा था। वेंडीज़ बर्गर किंग मैकडोनाल्ड्स जैक इन द बॉक्स लिटिल सीज़र्स पापा जॉन्स पिज़्ज़ा हट राउंड टेबल पिज़्ज़ा डोमिनोज़ पोपेयस केएफसी वफ़ल हाउस आईएचओपी टैको बेल चिलीज़ टीजीआईएफ एप्पलबीज़ रेड लॉबस्टर पीआईपी किन्कोज़ स्टेपल्स एएएमसीओ ऑटोज़ोन स्पीडी मफ़लर माको मिडास मफ़लर जिफ़ी ल्यूब यूनाइटेड अमेरिकन डेल्टा कॉन्टिनेंटल सर्किट सिटी गुड गाइज़ बेस्ट बाय ऑफ़िस डिपो ऑफ़िसमैक्स टेक्साको शेवरॉन एमोको सनोको आर्को मोबिल गल्फ़ रेडियो शेक रिकॉर्ड बार्न वॉल-मार्ट के-मार्ट टारगेट कॉस्टको जीई (इलेक्ट्रॉनिक्स)

जी.एम. (कार) जी.एम. (मिल) फोर्ड एप्पल आई.बी.एम. डेल हेवलेट-पैकार्ड, और उनमें से प्रत्येक के पास सैकड़ों आउटलेट और बॉटम लाइन हैं, जैसे कि एक मध्यम आकार का देश। भोजन, इलेक्ट्रॉनिक्स, परिवहन, वित्त और फैशन: सभी परिचित थे, लेकिन उन्हें इतने बड़े पैमाने पर अस्तित्व में दिखाया गया कि वे रहस्यमय बन गए। बैंक, बीमा, ब्रोकरेज ... अगर उनके पास वारंटी, रिटर्न या ब्रेकडाउन था, तो अंततः भारत में किसी को इससे निपटना होगा। सामान्य अमेरिकी, जाहिर तौर पर, उन सभी राष्ट्रीय कंपनियों और दर्जनों अन्य का नाम बता सकते थे, लेकिन उनमें से किसी के साथ उनका व्यक्तिगत संपर्क नहीं था।

पार्वती ने कक्षाओं के पहले दिन छात्रों को भरोसा दिलाया कि हर समस्या के लिए सीसीआई के पास एक खास समाधान है। लेकिन अंजलि को नहीं लगता था कि कोई कंपनी उसके साथ ऐसा जोखिम लेगी।

उसने पूछा, "ये सब झोपड़ियाँ, खलिहान, केबिन और गलियाँ क्यों हैं?"
कौन सी स्वाभिमानी कंपनी खुद को झोपड़ी या झोंपड़ी कहेगी? महल और पैलेस क्यों नहीं?"

पार्वती के पास इसका भी जवाब था, "बड़ी कंपनियां अलग-थलग पड़ रही हैं।
उन्हें झोंपड़ियाँ और झोपड़ियाँ कहना उन्हें मानवीय बनाने का एक सस्ता तरीका है। जब अमेरिकी उपभोक्ता किसी महल या महल के बारे में सुनते हैं, तो वे केवल चीनी या भारतीय रेस्तरां के बारे में सोचते हैं।"

"संस्कृति" सत्र में पार्वती ने तीन लोकप्रिय टीवी सिटकॉम में से प्रत्येक का एक एपिसोड दिखाया, ताकि उनके छात्र उनसे परिचित हो सकें।

Machine Translated by Google

ग्राहक फ्रेंड्स या सीनफील्ड या सेक्स एंड द सिटी के पात्रों का हवाला देते थे।
ग्राहकों के संदर्भों को पहचानें; उनके हास्य के प्रति सम्मान दिखाएँ। अंजलि को उनमें से कोई भी बात मज़ेदार नहीं लगी।

टीवी एपिसोड उसे उदास कर देते थे। सभी पात्र चारों ओर से घिरे हुए थे
दोस्त। अंजलि के कोई दोस्त नहीं थे; उसके पास साथी किरायेदार, संपर्क, सलाहकार थे।
उसका कभी कोई दोस्त नहीं था, कोई ऐसा नहीं था जिसे वह सचमुच पसंद करती हो और अपने घर बुला सकती हो, या जिसे वह शहर से बाहर होने पर याद करती हो, या जिसके साथ वह मिलना चाहती हो और अपने रहस्य साझा करना चाहती हो, जैसा कि एलेन बेन्स और कैरी ब्रैडशॉ करती थीं।
सोनाली-दी की शादी के समय तक उनकी एकमात्र दोस्त सोनाली-दी ही थीं।
वह इन किरदारों से नफरत करती थी; वह उनसे ईर्ष्या करती थी। तेज-तर्रार और उछल-कूद करने वाली कैरी सोनाली-दी जितनी मेहनत से काम नहीं करती थी, लेकिन फिर भी उसके पास एक दोपहर में इतनी रकम होती थी कि वह इतनी बेवकूफी भरी, स्ट्रैपी हाई हील्स खरीद लेती थी, जितनी सोनाली-दी ने आधे साल में नहीं कमाई थी। भारत में जीवन बहुत अन्यायपूर्ण था।

सप्ताह की अधिकांश रातें वह बिस्तर पर लेटी रहती थी, सी.सी.आई. रीडर से दिए गए अध्यायों को पढ़ती रहती थी। जिस अध्याय में उसे सबसे अधिक परेशानी होती थी, उसका शीर्षक था "फुटबॉल ग्रिडिरॉन, बास्केटबॉल कोर्ट और बेसबॉल डायमंड की विशेष भाषा।" उसने विदेशी वाक्यांशों को याद किया जो अमेरिकी अंग्रेजी और अमेरिकी उपभोक्ता की मानसिकता के गहरे रहस्यों को उजागर करने का वादा करते थे।

"पूर्ण-न्यायालय दबाव" या, भगवान के लिए, "ब्लिट्ज" की कल्पना करना आसान नहीं था।
"बॉल का कवर गिराना" क्यों एक अच्छी बात थी? "कर्वबॉल फेंकना" कैसे "अप्रत्याशित कठिनाई" का संकेत देता है? फिर "इसे पार्क से बाहर फेंकना" भी एक अच्छी बात थी। लेकिन "कुछ पाइन पकड़ो!" नहीं। "बेस चुराना" और "कोने को रंगना" सराहनीय थे। "ज़ोन में बाढ़ आना" का मानसून से कोई लेना-देना नहीं था।

"नौवें के निचले हिस्से" का कुछ हद तक हताशा से संबंध था। किसी तरह, "तीन और दो, नौवें के निचले हिस्से" ने उसे उम्मीद से उत्साहित नहीं किया। "तीसरे बेस पर पैदा होना और यह सोचना कि वह ट्रिपल हिट करेगा" एक ज़हरीला अपमान कैसे था? और "एक जोड़ी विकसित करें!" का क्या मतलब था?

उसने कभी कोई अमेरिकी खेल नहीं देखा था, और महान खिलाड़ियों के नाम उसके लिए अप्रासंगिक रहस्य थे (क्या वे सर्वश्रेष्ठ भारतीय क्रिकेटरों से महान हो सकते हैं?)।

वह अमेरिकी राजनीति, फिल्मों, गानों, टेलीविजन या खेल या उनसे प्रेरित कोडित संदर्भों के बारे में कुछ भी नहीं जानती थी।

Machine Translated by Google

संगीत, अमेरिकी भाषा के शब्द नहीं तो कम से कम वे अमेरिकी भाषा के 20 प्रतिशत थे। उसने एक दिन कक्षा में पूछा, "मैं अमेरिकियों से संवाद करना कैसे सीख सकती हूँ, अगर मैं कभी उनके देश में नहीं गई?"

पार्वती ने उसे प्रोत्साहित किया और कहा, "तुम बहुत होशियार लड़की हो, अंजलि।"
"तुम्हारी अवशोषण क्षमता से मेरा यही मतलब था।" पार्वती आमतौर पर सबसे पहले उसे ही बुलाती थी, उचित या कम से कम उत्तेजक उत्तर की अपेक्षा करती थी।

पाठ्यक्रम एक इकाई के साथ समाप्त हुआ जिसमें भूमिका निभाने के लिए कहा गया था। पार्वती ने अपने छात्रों को एक ऐसे नाटक के माध्यम से आगे बढ़ाया जिसमें उन्होंने बैंगलोर में एक काल्पनिक कॉल सेंटर में ग्राहक सेवा को कॉल करने वाले एक अमेरिकी ग्राहक होने का नाटक किया। स्नातक होने के लिए, छात्रों को ग्राहक को जवाब देते समय आश्वस्त रूप से अमेरिकी लगना था। होमवर्क के रूप में, छात्रों को अमेरिकी आत्मकथाएँ गढ़नी थीं।

रॉक सिटी, स्टीफेंसन काउंटी, इलिनोइस की जेनी बुसे, भारत के बिहार के गौरीपुर की अंजलि बोस की राख से उठीं। CCI कंप्यूटर पर उन्होंने रॉक सिटी स्ट्रीट मैप को गूगल-अर्थ किया और यहां तक कि "अपना" घर भी ढूंढ लिया; उन्होंने जनसंख्या को याद कर लिया (केवल 315, उन्होंने भयावह रूप से नोट किया; सबसे गरीब, सबसे अलग-थलग भारतीय गांव भी इतना महत्वहीन नहीं था); औसत आयु - एक बुजुर्ग 33.5 - और 99.7 प्रतिशत गैर-हिस्पैनिक श्वेत, जो भी इसका मतलब था। औसत पारिवारिक आय, पच्चीस हजार डॉलर, सिर्फ एक चौथाई लाख; औसत घर का मूल्य एक लाख डॉलर से कम।

जहां तक वास्तविकता को कच्चे डेटा से बनाया जा सकता है, अंजलि ने रॉक का निर्माण किया था शहर। उसका बाकी आभासी जीवन उसकी अपनी असीम इच्छाओं से प्रेरित था। जेनी बुसे एक हंसमुख, स्वस्थ, पाँच लोगों के मध्यपश्चिमी परिवार में पली-बढ़ी थी, जिसका मुखिया एक पशु चिकित्सक पिता था और एक उपहार-स्टोर वाली माँ ने उसका पालन-पोषण किया। उसने उदास सोनाली की जगह दो अच्छे दिल वाले, बहिर्मुखी भाइयों, फ्रेड और हैंक को रखा। फ्रेड रॉक सिटी के एकमात्र बैंक में काम करता था और मैनेजर बनने की ख्वाहिश रखता था। हैंक शहर की एकमात्र बीमा फर्म के कार्यालय में काम करता था, हालाँकि उसका सपना नाव बनाने और मैक्सिको जाने का था। सटीक रूप से कहें तो प्यूर्टो वालार्टा। वास्को दा गामा हाई स्कूल और

Machine Translated by Google

कॉलेज लिंकन हाई में बदल गया, जहाँ रॉक सिटी के बच्चों को चिकोपी और डेविस के घमंडी लोगों के खिलाफ़ अपनी स्थिति बनाए रखनी थी। फिर वह अपनी कल्पनाओं में बह गई और फ़्रीपोर्ट में बड़े वॉल-मार्ट में सप्ताह के दिनों में काम करने और कार्ल नाम के एक स्टॉक बॉय के साथ फ़्लर्ट करने के मीठे गर्मियों के अनुभवों का आविष्कार किया। वह सिर्फ़ गरीब, धीमे, अयोग्य कार्ल के बारे में सोचकर ही रो पड़ी, जो कॉलेज के लिए पर्याप्त पैसे लेकर इराक जाने की उम्मीद में था।

अंतिम परीक्षा के लिए पार्वती ने अपने सात जीवित बचे लोगों के समूह की व्यवस्था की छात्रों और खुद को सीसीआई वैन में ग्लोबलसिस्टम के बैंगलोर स्थित इलेक्ट्रॉनिक सिटी कार्यालय ले जाया गया, जो अमेरिकी और कनाडाई निगमों के लिए एक उभरती हुई आउटसोर्सर है।

इलेक्ट्रॉनिक सिटी, चरण 1, चरण 2! दुनिया यूरो, डॉलर बरसा रही थी, और बंगलौर में स्टर्लिंग! हेवलेट-पैकार्ड! सिटीबैंक! सीमेंस! जीई! टिमकिंस! बिरला ग्रुप/3एम इंडिया! टेक्निक! बिफोरा इंटरकॉम्प्लेक्स! डालमिया सीमेंट! विप्रो! इंफोसिस! कच्ची, लाल मिट्टी पर बने ठोस, शानदार कांच के मंदिर, जो इतने ताजा साफ किए गए थे कि उनमें से अभी भी खून बह रहा था। सीसीआई वैन ने चौड़ी, घुमावदार गलियों से होते हुए निर्मित क्षेत्र के किनारे तक पहुंची और ग्लोबलसिस कॉम्प्लेक्स के सामने वाले गेट पर अपने यात्रियों को उतार दिया।

पार्वती ने अपने सीसीआई परीक्षार्थियों को ग्लोबलसिस्टम सुरक्षा के माध्यम से आगे बढ़ाया उन्हें एक "बे" में रखा, जिसमें ग्राहक-सहायता-सेवा कर्मचारियों की टीमों के लिए अलग-अलग क्यूबिकल की पंक्तियाँ थीं। उसने उन्हें दो CCI स्नातकों से मिलवाया, एक पुरुष और एक महिला, एक समय के ग्राहक-सहायता एजेंट जो अब मॉनिटर की भूमिका में हैं। दोनों में से कोई भी अंजलि से ज़्यादा उम्र का नहीं था। जैसा कि उसकी आदत थी, उसने उनके कपड़ों और दिखावट का अध्ययन किया। लड़का लंबा और पतला था, काले फ्रेम वाले चश्मे पहने हुए, लेकिन एथलेटिक। उसने एक गहरे रंग का सूट पहना था; उसके बाल स्पाइक और जेल से सने हुए थे। और उसने तुरंत उसे पहचान लिया: डैरेन, बैंगलोर में उसकी पहली सुबह से। हे भगवान, बैंगलोर एक तरल दुनिया थी।

"धर्मेन्द्र और ऋषिका कॉलर और मॉनिटर की भूमिका निभाएंगे," पार्वती ने समझाया। मॉनिटर का काम हर हकलाहट, हर गलत उच्चारण और टेलीफोन शिष्टाचार में हर त्रुटि को ठीक करना था। "मॉनीटर से नफरत मत करो," उसने अपने घबराए हुए छात्रों को निर्देश दिया। "कृपया आलोचना को व्यक्तिगत रूप से न लें।" अंजलि को बैंगलोर में अपनी पहली सुबह याद आई,

Machine Translated by Google

"ओल्ड बिच" के बारे में बुदबुदाए गए संदर्भों के साथ, एक और रहस्य अचानक सुलझ गया। "जब आप अपने कंप्यूटर चालू करेंगे, तो आप क्रेडिट इतिहास और आपके कॉलर द्वारा हमारे क्लाइंट के साथ हस्ताक्षरित अनुबंधों को देखेंगे। आपका काम कॉल करने वालों से बातचीत करते समय अनुबंधों को स्कैन करना होगा। उन्हें ऐसा न महसूस कराएं कि आप उनका क्रेडिट इतिहास पढ़ रहे हैं। यह सिर्फ़ एक चैट है। आप उनकी मदद करने के लिए यहां हैं। आपको यह सीखना होगा कि स्क्रीन पर जो आप पढ़ रहे हैं, उसके साथ किसी विशेष शिकायत को कैसे एकीकृत किया जाए। कुछ कॉल करने वाले शत्रुतापूर्ण हो सकते हैं, लेकिन आपको व्यक्तिगत रूप से नाराज़ नहीं होना चाहिए। यहां कुछ भी व्यक्तिगत नहीं है।"

और फिर डैरेन/धर्मेंद्र ने बात संभाली, एकदम सही अंग्रेजी में, तीखे और अधिकारपूर्ण ढंग से। जब उनसे पूछा गया कि "आप कहां से हैं, सर?" तो उन्होंने जवाब दिया, "मैं दिल्ली में पला-बढ़ा हूं।"

"आपका अमेरिकी उच्चारण बहुत अच्छा है, सर," छात्र ने कहा।

"नहीं, मुझमें भारतीय उच्चारण का अभाव है। हम लोग आपस में इसे ड्रॉयड उच्चारण कहते हैं।"

खाड़ी छोड़ने से पहले पार्वती ने अपने विद्यार्थियों से एक अंतिम प्रश्न पूछा।
"आपके पेशे का सबसे महत्वपूर्ण नियम क्या है?"

अंजलि ने अंदाज़ा लगाया, "फ़ोन पॉइज़?"

"ठीक है। चाहे कुछ भी हो, अपना धैर्य मत खोना। अगर तुम अपना धैर्य खो दोगे, तो कंपनी एक ग्राहक खो देती है, और आप एक नौकरी खो देते हैं। शुभकामनाएँ!"

***

अंजलि के कक्ष में फोन की घंटी बज उठी, इससे पहले कि वह अपनी कुर्सी पर बैठती।
कॉल करने वाले का नाम और पता उसकी स्क्रीन पर आ गया। हॉट स्प्रिंग्स, एआर की थेल्मा व्हाइटहेड। अलास्का या अर्कांसस? एक इग्लू? कपास के खेत? और व्हाइटहेड का नाम कैसा था? वा-वा इंडियन? शुक्र है, कॉल करने वाला एम स्टेट से नहीं था, जिसे वह कभी नहीं पहचान पाती। एमए, एमई, एमडी, एमआई, एमएन, एमओ, एमएस, एमटी: यह एक बुरा सपना था। और इसमें कोई शक नहीं कि मॉनिटर सुन रहा था।

"हाय, मैं जैनी हूं। मैं आपकी क्या मदद कर सकती हूं, मिस व्हाइटहेड?"

Machine Translated by Google

थेल्मा ने अपनी समस्याएं बताईं, जिसे अंजलि ने सही समझा।
इसका कारण यह था कि उसे सामाजिक सुरक्षा चेक नहीं मिला था, जिसके कारण वह समय पर अपना बिल नहीं चुका सकी थी।

और अंजलि ने सोचा, क्या मुझसे आपकी सामाजिक सुरक्षा समस्याओं को हल करने की उम्मीद की जा सकती है? "कृपया फिर आइए?" उसने कहा।

"तुम्हारा क्या मतलब है, फिर से आना? मैं अभी तक वहाँ नहीं गई हूँ!" थेल्मा रोई। "तुम पहली बात जो मैं कह रही हूँ, उसे नहीं समझ रहे हो, है न! मुझे यकीन है कि तुम हमारी भाषा भी नहीं बोलते! तुम सब अभी कहाँ बैठे हो?

भारत? मैं पहले आप लोगों की तरफ था, लेकिन जब मैं फोन से मुक्त हो जाऊंगा तो अपने कांग्रेसी को फोन करूंगा।"

"मिस थेल्मा, कृपया शांत हो जाइए!" आप भी शांत रहें।
गलतियाँ इसलिए क्योंकि आप बहुत ज़्यादा उत्तेजित हैं। कोई भी काम दिल के दौरे के लायक नहीं है!

थेल्मा व्हाइटहेड ने एक आखिरी, अस्पष्ट शाप के बाद फोन रख दिया: "यह अभी भी पूरा नहीं हुआ है!" - अंजलि उन शब्दों को अंग्रेजी के रूप में नहीं पहचान पाई।
काश, वह कह पाती "भाड़ में जाओ!" उसके अपने गुस्से ने उसे झकझोर दिया, जैसा कि उस दिन मिन्नी के खाली कमरे में हुआ था।

"अच्छा, यह तो ठीक नहीं हुआ, है न?" मॉनिटर ऋषिका ने बीच में ही पूछा।
"चलो देखते हैं कि मैंने कितनी ग़लतियाँ की हैं। वह 'मिस थेल्मा' नहीं है। यह ' गॉन विद द विंड' नहीं है। और आपने 'कृपया शांत हो जाएँ' कहाँ से लिया? मैंने जानबूझकर उस मोटे उच्चारण के साथ आपको एक कर्वबॉल फेंका, और आपने बहुत अच्छी तरह से जवाब नहीं दिया, है न? आप शायद उसे सही करने से कुछ सेकंड दूर थे। इसे याद रखें: जब आप अमेरिका से एक खुली टेलीफोन लाइन चला रहे हैं, तो आपको हर तरह का उच्चारण और हर स्तर की खराब अंग्रेजी सुनने को मिलेगी। आपको इसे समझना होगा और इसके साथ हँसना होगा या इसका जवाब ऐसे देना होगा जैसे कि यह किसी पाठ्यपुस्तक से सही अंग्रेजी हो। अमेरिका में हर कोई एक अलग अंग्रेजी बोलता है। और फिर, थेल्मा व्हाइटहेड के मीठे दक्षिणी उच्चारण में, मॉनिटर ने निष्कर्ष निकाला, "हनी, आप अपना आपा खो रहे हैं।"

फ़ोन कॉल्स आते रहे। उसे ही क्यों चुना गया?
सबसे मुश्किल नाम? यह उचित नहीं था। स्लावा, एमडी से। शुन-लीन, सीए से। तान्याशा, टीएन से। विटोल्ड, आईए से। एस्मेराल्डा, एरिजोना से। चांगरे, एनजे से। आंटवान, एलए से। ग्योर्गी, ओके से। क्या कोई ऐसा नाम नहीं था?

Machine Translated by Google

क्या अमेरिका में अमेरिकी नाम रह गए हैं? उसके मूर्ख भाइयों फ्रेड और हैंक जैसे लोगों ने इलिनोइस के रॉक सिटी से फोन क्यों नहीं किया?

उसने ग्योर्गी के लिए फोन पर खुशी से आवाज निकाली। "हाय, मैं एंजी बोल रही हूँ, मेरा मतलब जेनी है।"

"हं?"

उसने फर कोट और बुनी हुई टोपी पहने एक बड़े आदमी की कल्पना की, जो बर्फीले साइबेरिया में भेड़ियों के झुंड से भाग रहा था। "मैं आज सुबह आपकी क्या मदद कर सकता हूँ, जी-ओर-जी?"

मॉनिटर ने गुस्से में कहा, "आपके कॉलर के लिए अभी सुबह नहीं हुई है!"

"क्षमा मांगना।"

"और भूल जाओ कि नाम की स्पेलिंग क्या है। इसका उच्चारण जॉर्ज है।
बातचीत को मुद्दे पर लाना।"

कॉल करने वाले दुखी मुक्की शर्मा को क्यों नहीं बुलाया गया, बजाय जॉर्ज/जॉर्ज के, जो ओ.के. से थे? वह सी.सी.आई. से फेल होने का जोखिम नहीं उठा सकती थी। उसे नौकरी की जरूरत थी, उसे तनख्वाह की जरूरत थी। उसे कमरे और खाने-पीने का खर्च उठाना था।
मिन्नी अपनी मेज़ पर गिद्ध की तरह सड़ा हुआ मांस सूँघते हुए उछल रही थी।

जॉर्ज जानना चाहता था कि क्या वह अपने अनुबंध की शर्तों पर पुनः बातचीत कर सकता है।
बेशक, ये सिर्फ़ अभ्यास कॉल थे, और उससे यह जानने की उम्मीद नहीं की गई थी कि उसके पास किस तरह का अनुबंध था या किस कंपनी के साथ उसका अनुबंध था। यह मुद्दा नहीं था। मुद्दा एक मुश्किल समस्या का सामना करना और क्लाइंट को खुश करना था।

"जॉर्ज, क्या आपने अपने स्थानीय सेवा प्रतिनिधि से संपर्क किया है?"

"मैं बार-बार आप लोगों के पास भेजा जाता रहता हूँ। आप कहाँ हैं, इंडिया?"

"नहीं, मैं यहीं इलिनोइस में हूँ," उसने उत्साहपूर्वक उत्तर दिया। "अच्छा पुराना रॉक सिटी, इलिनोइस।"

"कोई बात नहीं," जॉर्ज ने कहा। "तुम मुझे बेवकूफ बना सकते थे।"

Machine Translated by Google

"क्यों न आप मुझे अपनी समस्या बता दें।"

"मैंने एक पत्रिका की सदस्यता ली - एक पत्रिका, एक कंप्यूटर पत्रिका - और
मुझे हर महीने लगभग चालीस मिलते हैं और मैं उन्हें रद्द नहीं कर सकता। क्या आपको नहीं लगता कि यह एक समस्या है?"

"मैं निश्चित रूप से ऐसा करूंगा।"

तभी अचानक कॉल बंद हो गई और पार्वती स्वयं बीच में बोल पड़ीं।
"अंजलि, मैंने तुम्हें फोन करने वाले की शिकायत से सहमत होने के बारे में क्या कहा है?"

"इसे हटाओ," उसने कहा।

"बिल्कुल। क्या आप विक्षेपण का अर्थ समझते हैं ? इन परिस्थितियों में, क्या इसका अर्थ है 'मैं निश्चित रूप से करूँगा'? आपका उचित उत्तर क्या होगा?"

घबराहट में, उसने मन ही मन नोट्स बनाए। सहमत नहीं: टालना। लेकिन टालना कैसे है? "मुझे कहना चाहिए था..." उसने समझाना शुरू किया, लेकिन उसका दिमाग भर गया था। पूरे दिन वह मॉनीटर से निंदा सुनती रही।

हमारे मुवक्किल का बचाव करें, अगर आपको करना पड़े तो सहानुभूतिपूर्वक, लेकिन कॉल करने वालों से कभी सहमत न हों। शायद सौ कॉल में से एक बार उनकी कोई जायज शिकायत होगी।
कॉल करने वाले के पास पहले से ही शिकायत है; उसे बढ़ावा न दें।

उसे अपनी असफलता स्वीकार करनी पड़ी। "मुझे नहीं पता, मैडम। मुझे क्या कहना चाहिए था?"

"आपको एक पत्रिका के बदले दूसरी पत्रिका प्राप्त करने का कोई तरीका मिल गया होगा।
हो सकता है कि आपने कुल संख्या को कम करने का कोई तरीका भी खोज लिया हो, शायद पाँच या दस तक। और हमारे हिसाब से चालीस निश्चित रूप से एक अतिशयोक्ति है, इसलिए आपने पूरी सूची माँगी होगी। मुझे संदेह है कि उसे पाँच या छह से ज़्यादा मिलेंगे।"

फ़ोन फिर से बजा. "जेनी," उसने घबराहट में बड़बड़ाया. लेकिन इस बार यह
उसका मोबाइल था। सी.सी.आई. की नीति के विरुद्ध, वह उसे बंद करना भूल गई थी। उसे इसे अपनाने के लिए बमुश्किल ही समय मिला था।

Machine Translated by Google

"जेनी उर्फ मिस बोस? दिन खराब चल रहा है?"

मिस्टर जीजी! "मुझे कुछ उत्साहवर्धन की आवश्यकता है, मिस्टर जीजी," उसने कहा। कम से कम उसने मिन्नी गिद्ध को अपनी मेज़ से दूर भगा दिया था।

"आज रात का खाना?"

"डर नहीं लगता।"

"मेरे साथ मैक्सिको चलोगी?"

वह अहंकारी महसूस कर रही थी। "मैं इस बारे में सोचूंगी।" मिस अंजलि बोस को डेडबीट जेनी बने रहने की ज़रूरत नहीं थी। हमेशा के लिए नहीं। उसके पास विकल्प थे।

पार्वती की खुशनुमा आवाज़ सुनाई दी। "यह तुम्हारा फ़ोन पर संयम का सबसे बढ़िया प्रदर्शन था। अब कृपया अपना मोबाइल दूर रखो और अपना ध्यान केन्द्रित करो। नौवें दिन का आखिरी समय है।"

कक्षा और मॉनिटर और पार्वती एक बहुत लंबे दिन के अंत में मिले। वह सुबह चार बजे से उठी हुई थी । अब दोपहर के साढ़े तीन बज रहे थे । उसने बत्तीस कॉल ली थीं - एक सामान्य कॉल एजेंट के लिए एक सामान्य दिन के कार्यभार का एक अंश - और अब उसे निजी तौर पर, मॉनिटर के आकलन को सुनना था।

पार्वती की बॉडी लैंग्वेज से उसे पता चल गया था - एक शब्द जो उसने पीटर से सीखा था - कि उसका करियर खत्म हो चुका है। "अंजलि," पार्वती ने कहा, "हमें शुरू से ही पता था कि तुम हमारे आम फ्रेशर्स से अलग होने वाली हो। हमें बस यह नहीं पता था कि तुम कितनी अलग हो।"

उसने अपना सिर झुका लिया।

"ऐसा लगता है कि आप दबाव में अपना संयम खो देते हैं। आपकी भाषा कौशल ख़राब हो जाती है।"

"हाँ, महोदया."

Machine Translated by Google

"मैंने निर्णय लिया है कि यह कार्य आपके लिए नहीं है।"

"मैं समझ गया।" और इस समझ के साथ ही पीटर के पैसे खत्म हो जाने, बेजहोट हाउस से बाहर निकाल दिए जाने, और हमेशा के लिए गौरीपुर वापस चले जाने के सपने भी सामने आ गए।

"मेरी आँखों में देखो, अंजलि। ग्राहक सहायता बहुत मांग वाली और
बहुत ही खास पेशा। इसमें एक चीज की मांग है कि आप अपने व्यक्तित्व को पूरी तरह से अपने अंदर समाहित कर लें। कोई भी आपमें या आपकी भावनाओं में दिलचस्पी नहीं रखता।
आप यहाँ हमारे ग्राहक की सेवा करने के लिए हैं, और ग्राहक निगम है, कॉल करने वाला नहीं। मुझे लगता है कि आपको कॉल से खुद को मिटाने में बहुत कठिनाई होती है।"

"हाँ, महोदया। मैं सहमत हूँ।"

"मुझे लगता है कि आप इससे कुछ सकारात्मक सीख सकते हैं।" पार्वती ने एक फाइल आगे बढ़ाई।
मेज के उस पार अंजलि का नाम लिखा हुआ था। उस पर SEPARATED लिखा हुआ था। "कॉल एजेंट होने के लिए विनम्रता की आवश्यकता होती है। इसके लिए समर्पण की आवश्यकता होती है। हम तुम्हें सेवा करना सिखाते हैं। यह तुम्हारे स्वभाव में नहीं है, अंजलि।"

"मैं बदलने की कोशिश कर सकता हूँ-"

"कोशिश भी मत करना। मैंने तुममें निवेश किया है। बस यही नहीं। हम संपर्क में रहेंगे।"

जो भी इसका मतलब है, उसने सोचा जब वह बादलों में बाहर चली गई
बैंगलोर की दोपहर। श्री जीजी की देवू कार बाहर खड़ी नहीं थी। उसने फोल्डर को पकड़ रखा था, और अपनी रेशमी कमीज पर SEPARATED शब्द को कसकर पकड़े रखा था। पीटर ने उसे जो रुपए दिए थे या उधार दिए थे, उन्हें बैंगलोर में सौ में विभाजित किया गया था। अब से उसे ऑटो-रिक्शा के बजाय सार्वजनिक बसें लेनी होंगी। तत्काल समस्या यह थी कि उसे केव गार्डन वापस जाने का बस मार्ग भी नहीं पता था।

Machine Translated by Google

10

तीन लंबी बस यात्राएँ, और हर यात्रा में स्ट्रैपहैंगर्स ने अपने पसीने से तर शरीर को उसके शरीर से सटा दिया। उनके हाथ उसके नितंबों को थपथपा रहे थे। उस दोपहर तक, अंजलि श्री जीजी के जकार्ता की तरह ही आभासी बैंगलोर में रह रही थी, एक भविष्य का गाँव जो दुनिया के सभी समय क्षेत्रों से तुरंत जुड़ा हुआ था, लेकिन असली सड़कों पर रहने वाले कच्चे जीवन से अलग था। उसके पास बेचने के लिए कोई प्रमाणित नौकरी कौशल नहीं था; इससे भी बदतर, उसने उन तीन लोगों को शर्मिंदा किया था जिन्होंने उस पर विश्वास किया था। और सबसे बुरी बात यह थी कि श्री जीजी ने उसकी प्रतिक्रिया को गंभीरता से लिया और डिनर डेट की पुष्टि करने के लिए वापस कॉल नहीं किया।

शाम के समय बैंगलोर की युद्धप्रिय सिम्फनी उसके कानों में गूंज रही थी, जब वह केव गार्डन के सबसे नज़दीकी स्टॉप पर उतरी, जो बिल्कुल भी नज़दीक नहीं था। वह तुरंत पैदल चलने वालों की एक लहर में समा गई। वह गुमनाम दफ़्तर कर्मचारियों की खाँसी, खर्राटे और गला साफ़ करने की आवाज़, धड़कते पुलिस सायरन और आयातित सेडान चलाने वाले ड्राइवरों की दबंग आवाज़ से भ्रमित हो गई थी। भजोत लेन पहले कभी इतनी शोरगुल वाली और इतनी भीड़भाड़ वाली नहीं लगी थी। जेबकतरों से बचने के लिए, उसने भिखारियों से दूरी बना ली और अपने शर्मनाक फ़ोल्डर और महंगी पॉकेटबुक पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली- एक फैंसी गुच्ची जिस पर चमड़े पर हुसैना के नाम के पहले अक्षर गिल्ट से उकेरे गए थे। अंजलि को एक भिखारी माँ को अपने से दूर रखना मुश्किल लगा, जो एक बेहोश शिशु को गोद में लिए हुए थी। महिला ने उसका पीछा किया, हिंदी में अपनी पीड़ाएँ गिनाईं- विधवापन, भुखमरी, बेघर होना, टीबी, मलेरिया- और भिक्षा देने वालों पर आशीर्वाद बरसाने के लिए स्वर्ग से प्रार्थना की। एक और उत्तरी ग्रामीण, फटी हुई, गंदी साड़ी में एक अस्थायी व्यक्ति: अंजलि का अपना भाग्य, अगर वह कोई रास्ता नहीं खोज पाती? क्या तुम नहीं जानते कि मेरे फैंसी रेशमी कपड़ों का कोई मतलब नहीं है? कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलने पर, यहाँ तक कि फटकार भी नहीं मिलने पर, महिला ने शिशु को उसके चेहरे पर धकेल दिया। अंजलि उसके गर्म, गंदे गाल के स्पर्श से सिकुड़ गई, और, संपर्क से तेजी से हटते हुए, आधे चबाए हुए, उल्टी किए गए भोजन के एक पोखर में पैर रख दिया। हुसैना के फैंसी सैंडल से गंदगी को पोंछने और रुकने का समय नहीं था क्योंकि पैदल चलने वालों की भीड़ ने उसे लंबे ब्लॉक के अंत तक आगे बढ़ाया, फिर कोने के आसपास केव गार्डन में और चौड़े-खुले गेट से होते हुए बेजहोट परिसर में।

Machine Translated by Google

अजनबियों ने मैदान पर झुंड बना लिया, फूलों की क्यारियों को रौंद दिया और उग आए सामने के लॉन के बड़े हिस्से को समतल कर दिया। पुरुषों ने मिन्नी के बगीचे की मूर्तियाँ - टूटे हुए पत्थर के कामदेव और बिना हाथ वाली अप्सराएँ - घर के पीछे के जंगल से बाहर खींची और उन्हें कारपोर्ट में ट्रकों में भर दिया। महिलाओं ने चावल के ड्रम और आटे और चीनी के कनस्तरों को पोर्च की सीढ़ियों से नीचे लुढ़काया। हर कोई मुस्कुराया; वे हँस रहे थे, उत्साह चरम पर था। विशाल लकड़ी के सामने के दरवाजे को उसके फ्रेम से ढीला करके पोर्च की रेलिंग पर फेंक दिया गया था ताकि फर्नीचर के चौड़े टुकड़े, जैसे कि क्रेडेंज़ा और अलमारी, घर से बिना किसी नुकसान के खींचे जा सकें।

लूटने वालों में उसने अशोक के "ग्रामीणों" को देखा। मिन्नी के जलसे में मदद करने वाले अवैध कब्जाधारी युवक अब मिन्नी की हेपलवाइट कुर्सियाँ, कार्ड टेबल और सजावटी घड़ियाँ, सत्सुमा फूलदान और हाथी के पैर वाले छाते के स्टैंड को अपने सिर पर संतुलित करके ले जा रहे थे।

चमकीले रंग के ट्रकों और एक सफ़ेद वैन का एक काफिला, सभी हॉर्न बजाते हुए, अर्धवृत्ताकार ड्राइववे में घुसा और कारपोर्ट के नीचे पार्क हो गया। ऑल-कर्नाटक ऑक्शन हाउस ने वैन पर लोगो की घोषणा की, और उसके खुले पिछले दरवाज़ों के पास खड़ा था टुकी का बदमाश राजू, एक गड्डी से सौ-सौ रुपये के नोट निकाल रहा था, जिससे - या क्या यह रिश्वत थी? - स्वतंत्र लुटेरों को अपने सामान को अपने वाहनों में डालने के लिए विमुख किया जा रहा था। राजू के दल ने रैंप के रूप में उपयोग करने के लिए टूटे हुए पोर्च की सीढ़ियों पर सामने के दरवाज़े को रखा, फिर लुटेरों को मिन्नी के सार्वजनिक कमरों से भारी सामान - अलमारियाँ, सोफा, ड्रेसर, हच, एक दादा घड़ी, यहाँ तक कि डाइनिंग टेबल - को कोण वाले दरवाजे से नीचे उतारने, उन्हें रजाई और दरी में लपेटने और उन्हें गिने हुए लॉट में अलग करने का निर्देश दिया। अंजलि राजू को ऐसे संगठनात्मक कौशल के लिए श्रेय नहीं देती।

राजू के संगठनात्मक कौशल! वह बैंगलोर में अपने एकमात्र आश्रय को पूर्व-नियोजित, व्यवस्थित तरीके से ध्वस्त होते हुए देख रही थी। यह दुकानों की कभी-कभार होने वाली लूटपाट और बेरोजगार युवकों द्वारा क्रिकेट बैट से कार की खिड़कियों को तोड़ने से अलग था, जिसे उसने गौरीपुर में अपनी बालकनी से देखा था। आप इस तरह के छिटपुट गुस्से के विस्फोटों से खुद को बचा सकते हैं; उसकी माँ ने अपने "बस मामले में" डिब्बों में मुख्य खाद्य पदार्थ जमा कर रखे थे; उसके पिता ने अपनी बाइक पर नकली रेड क्रॉस का स्टिकर चिपका रखा था। राजू निष्पक्ष, कुशल था। जिस क्षण अंजलि ने यह स्वीकार किया, वह घबरा गई। जब तक राजू ने मिन्नी को नंगा करके उसे बर्बाद करना समाप्त किया

Machine Translated by Google

अगर वह बैगहोट की संपत्ति होती, तो वह बेघर और बिना रुपयों के होती। उसके पास जो थोड़ा बहुत था, वह लाल सैमसोनाइट सूटकेस के अंदर था। राजू के आदमियों को पीटर द्वारा दी गई नकदी मिलने से पहले उसे सूटकेस तक पहुंचना था।

अपनी खुद की संपत्ति को बचाने के लिए दृढ़ संकल्पित, उसने कचरा बीनने वालों की पागल भीड़ के बीच से अपना रास्ता बनाया। टूकी अपनी शिफ्ट से पहले पब क्रॉल पर होगी, और वैसे भी उसके पास चोरी करने लायक कुछ भी नहीं था। उसने सुनीता पर भरोसा किया कि वह अपने कमरे में खुद को बंद करने और अपने सेल फोन पर पुलिस को कॉल करने के लिए पर्याप्त शांत होगी। मिन्नी संकट में टूट जाएगी, लेकिन अशोक कहाँ था? अगर कोई मिन्नी और उसके किरायेदारों के लिए सुरक्षित मार्ग का प्रबंध कर सकता था, तो वह अशोक ही था, क्योंकि हर कोई उससे संबंधित या बाध्य लग रहा था।

उसने अशोक को फ़ोयर में पाया, और वह शिकार से ज़्यादा शिकारी की तरह व्यवहार कर रहा था। वह एक जर्जर सीढ़ी पर आधा चढ़ गया था और उत्सुक बच्चों को दिखा रहा था कि राज-युग के स्कोनस को दीवारों से बिना नुकसान पहुँचाए कैसे उखाड़ा जाए, ताकि उन्हें मिस्टर आर के नीलामी घर में बेचा जा सके। फ़ोयर के अंदर, जिन लोगों को वह नहीं पहचानती थी, वे एक बड़े आकार के धूल भरे झूमर को तोड़ रहे थे। उसने उस दोपहर प्रतिशोधी बर्बरता के इस दृश्य की कल्पना की थी जब उसने मैक्सी बेजहोट के औपनिवेशिक भयावहता के संग्रहालय की खोज की थी, लेकिन अब जब वह बेजहोट हाउस को नष्ट होते हुए देख रही थी, तो उसे इससे कोई खुशी नहीं हुई। मिन्नी और मैक्सी बैंगलोर के छावनी के शानदार अवसरवादी थे। अशोक और नीलामी घर के कर्मचारियों में उसने इक्कीसवीं सदी के अपडेट को पहचाना। और वह क्या थी? वह कहाँ जा सकती थी? उसका सबसे अच्छा विकल्प यह था कि वह अशोक को चकमा देकर उसके कमरे में घुस जाए, अपनी सारी चीजें अपने लाल सैमसोनाइट सूटकेस में भर ले, और पुलिस द्वारा उसे बचाए जाने का इंतजार करे।

अशोक ने अंजलि को देखा जब वह एक सहायक को नक्काशीदार कांच की दीवार ब्रैकेट सौंप रहा था, सीढ़ी पर उसका पैर फिसल गया, और कांच के टूटने पर उसने एक अश्लील बात कही। वह टकराव से बचने के लिए रसोई में भाग गई।

परिसर की महिलाएँ पेंट्री की अलमारियों को प्लास्टिक के डिब्बों, बाल्टियों और कपड़े की बोरियों में खाली कर रही थीं। घने बालों वाली स्क्वाटर लड़की ने अंजलि को अपने साथ शामिल होने के लिए आमंत्रित किया, क्योंकि वह हैम के बड़े डिब्बे और स्पैम और सार्डिन के छोटे डिब्बे दो बुजुर्ग महिलाओं द्वारा संभाले गए टोकरियों में फेंक रही थी। इसके बाद, लड़की ने अपना ध्यान बोतलबंद जैतून, खीरा, केपर्स और की पंक्तियों पर लगाया

Machine Translated by Google

मेयोनेज़। एक छोटे जार की सामग्री ने उसे हैरान कर दिया। अंजलि ने उसे पहचान लिया: मार्माइट, मिन्नी का पसंदीदा सैंडविच स्प्रेड। महिलाओं ने घृणा का दिखावा किया, और लड़की ने जार को वापस पेंट्री शेल्फ पर रख दिया। वह उन अलमारियों की ओर बढ़ गई जिसमें अशोक ने मिठाई खाने वाली मिन्नी के कंडेंस्ड मिल्क के डिब्बे और जेली से भरे कुकीज़ के पैकेट रखे थे।

तभी अंजलि आगे बढ़ी, मार्माइट के जार और चार जार नीचे गिरा दिए
कुकीज़ के पैकेट अपनी बड़ी पॉकेटबुक में रखे और रसोई से बाहर भागी। क्या इससे वह भी लुटेरी बन गई? नहीं, नहीं, वह
एक पीड़ित थी जो सहज ज्ञान से जीवित थी। वह कल्पना कर सकती थी कि उसका कमरा पहले से ही लूटा हुआ था: कपड़े, जूते, टॉयलेटरीज़ और कॉस्ट्यूम ज्वेलरी एक बिस्तर की चादर में ढेर करके रखी गई थी और चारों कोनों को धोबी के बंडल की तरह कसकर बांधा गया था, और उसका सूटकेस जिसमें उसने पीटर के उपहार के रूप में बची हुई नकदी, उसके दा गामा प्रमाणपत्र और चांदी का प्याला रखा था जिसे ले जाकर स्क्वैटर के गांव में एक शेड में छिपा दिया गया था।

वह एक बार में दो सीढ़ियाँ चढ़ती गई।

घर में घुसने वाले हमलावर अपने कंधों और हथौड़ों, झाड़ू के हैंडल और कुर्सी के पैरों से बेडरूम के दरवाज़े तोड़ रहे थे। अंजलि के दरवाज़े पर पंजे के हथौड़ों के निशान थे, लेकिन भारी पुराने जमाने का ताला अभी भी बरकरार था। सुनीता का कमरा खुला था, लेकिन किराएदार का कोई पता नहीं था। अंजलि ने खुद को अंदर जाने के लिए अपनी पॉकेटबुक से चाबी निकालने की हिम्मत नहीं की। यह दिखावा करना सुरक्षित था कि वह भीड़ में से एक है, जो लालच या क्रांतिकारी जोश में फंस गई है।

और अब दिखावा करना आसान हो गया। जब वे किराएदारों के बाथरूम का दरवाज़ा तोड़कर अंदर घुसे और मिन्नी को पाया, तो वह भी उन हमलावरों में शामिल थी।

मिन्नी बेजहोट बाथटब और शौचालय के बीच टाइल वाले फर्श पर लेटी हुई थी, उसके सिर पर विग और स्फटिक का मुकुट था, लेकिन वह नंगी थी। दंगाई चुप हो गए, फिर भाग गए।

कोर्सेट पहनते समय वह गिर गई होगी। उसके पैरों के पास फर्श पर पसीने से सना हुआ सख्त अंडरगारमेंट पड़ा था। ततैया की कमर वाला, मोती जड़ा बॉल गाउन शॉवरहेड से लटका हुआ था। क्या घमंड है! अंजलि ने पहले सोचा। और फिर उसे लगा कि शायद मिन्नी किसी पागलपन भरी बहादुरी से मर गई होगी, यह सोचकर कि वह अपने सुनहरे दिनों के फफूंद लगे गाउन में सीढ़ियों के शीर्ष पर आ सकती है और दंगाइयों को भगा सकती है।

Machine Translated by Google

बुरी ताकतों के एकत्र होने के बारे में उसकी भविष्यवाणी सच हो गई थी।
सेनाएँ बैगेहोट हाउस को लूट रही थीं। लेकिन अब, इसके मालिक की इस दृष्टि से आहत होकर, उन्होंने अपने हथौड़े और लूट का माल उठाया और मुख्य सीढ़ी से नीचे चले गए।

कोई भी शव देखने लायक नहीं था। अंजलि ने बाथरूम का दरवाज़ा बंद किया और अपना सिर उस पर टिका दिया। एम्बुलेंस बुलाने के लिए बहुत देर हो चुकी थी, और अगर बहुत देर नहीं भी हुई होती, तो भी उसे झटका लगा कि उसे नहीं पता था कि कौन सा नंबर डायल करना है। गौरीपुर में, पुलिस या फायरमैन के हस्तक्षेप की आवश्यकता वाली आपात स्थिति सभ्य मध्यम वर्गीय परिवारों में नहीं होती थी। जब श्री जीजी ने उसे अपना खुद का सेल फोन दिया और उससे पूछा कि वह स्पीड डायल पर किसे चाहती है, तो उसे पुलिस को शामिल करने का ख्याल नहीं आया। वह अब तक कितनी भोली थी!

श्री जीजी ने तितली प्रभाव के बारे में क्या कहा था? मिन्नी की मौत का मतलब ऑल-कर्नाटक नीलामी घर के राजू के लिए लाभदायक प्राचीन वस्तुओं का एक बड़ा हिस्सा था, जिसका दल अभी भी बैगहॉट खजाने को ट्रकों में लोड कर रहा था।

अब अंजलि को वास्तव में छोड़ दिया गया था, क्योंकि घर और उसके मालिक और उससे जुड़ी हर चीज़ को छोड़ दिया गया था। वह पटना से बैंगलोर तक अंतरराज्यीय बसों में यात्रा करते समय जितना बेघर महसूस करती थी, उससे कहीं ज़्यादा बेघर महसूस कर रही थी। उसने अपने सेल फ़ोन पर श्री जीजी का नंबर पंच किया। उन्होंने फ़ोन नहीं उठाया, इसलिए उसने एक ... गिरीश, आपकी मदद की ज़रूरत है ... हताश। कृपया, कृपया जल्दी करें। संदेश: "एसओएस बेजहोट हाउस पर हमला हो रहा है, और मैं इसके बीच में हूँ।"

वह कॉल बैक का इंतज़ार करती रही। बचाव के लिए वह और किस पर भरोसा कर सकती थी? मैं अपने कमरे वाले घर के बाथरूम में शौचालय के ढक्कन पर बैठा हूँ, मिन्नी का शरीर मेरे पैरों की उंगलियों से कुछ इंच की दूरी पर है: वह नहीं कर सकती थी, वह मोनी लाहिरी पर यह बिल्कुल नहीं थोप सकती थी। मोनी, सुंदर बंगाली स्वेनगली, उसके दिवास्वप्नों और उसके फ़ोटोशॉप किए गए भविष्य के जीवन का हिस्सा थी। उसने फिर से मिस्टर जीजी को कॉल किया और एक और हताश संदेश छोड़ा: "मैं मैक्सिको की यात्रा के लिए तैयार हूँ। गिरीश, कृपया, कृपया, अभी आओ!"

श्री जीजी को पता होगा कि उसकी उलटी दुनिया को कैसे ठीक किया जाए। वह जोर देकर कहेंगे कि वह उनके अपार्टमेंट और उनके जीवन में चले जाए। उसे वापस बुलाने से उन्हें क्या रोक रहा था? अपने हाथों को कुछ करने के लिए, उसने बाथरूम की कैबिनेट खोली और टुकी और सुनीता के कमरे में बेमन से चली गई।

Machine Translated by Google

टॉयलेटरीज़। उसने चंदन की फेस क्रीम के जार में तर्जनी उंगली डुबोई और अपने गालों और माथे पर ठंडी, सुगंधित क्रीम की मालिश की। उसने अपने उड़ते बालों में जेल लगाया और हर बाल को अपनी जगह पर रखने के लिए हेयरस्प्रे छिड़का। उसने मिन्नी के उलझे हुए विग से टियारा खोला और उसे पहना। शीशे वाले मेडिसिन कैबिनेट से एक कार्टून जैसी राजकुमारी ने उसे घूर कर देखा। टियारा मिन्नी पर बिल्कुल सही लग रहा था, इसलिए उसने उसे वापस अपने सिर पर लगा लिया।

मिन्नी भले ही हमेशा खुश रहने के लिए बहुत लंबे समय तक जीवित रही हो, लेकिन वह भ्रम को बनाए रखते हुए मर गई थी। अब मिन्नी अपने अंतिम दरबार में एक चौकड़ी नृत्य कर रही थी, जबकि अंजलि फिर से शौचालय की सीट पर बैठी थी, समाधान की प्रतीक्षा कर रही थी।

उसने पुलिस के सायरन सुने, लेकिन क्योंकि बाथरूम की खिड़की से पुराने राज-युग का टेनिस कोर्ट दिखाई देता था, जो अब लाल मिट्टी का एक उजाड़ इलाका है, जिस पर खरपतवार उग आए हैं, वह यह नहीं देख पाई कि कारपोर्ट के नीचे कितने क्रूजर खड़े हुए हैं। उसे उम्मीद थी कि पुलिस के काफिले में गिरफ्तार लुटेरों के लिए धान की गाड़ी भी शामिल होगी। उसने चिल्लाते हुए आदेश और बूट के तलवों से बजरी के चटकने की आवाज़ सुनी।

अशोक, उसके पीछे एक लंबा, मोटा पुलिस अधिकारी और तीन कांस्टेबल, उसके सामने आए। वे टेनिस कोर्ट पर लगे फटे-पुराने जाल के पास बैठकर बातचीत कर रहे थे।
अशोक के चेहरे पर एक बटलर जैसी विशेषज्ञता थी। उनके हाव-भाव से अंजलि ने अंदाजा लगाया कि अधिकारी अशोक को एक विश्वसनीय मुखबिर मानता है, न कि एक उपद्रवी।

पुलिस के प्रति अपने माता-पिता और गौरीपुर के पड़ोसियों की तरह ही सतर्क, अब उसे मकान मालकिन की नग्न लाश के साथ किराएदारों के बाथरूम में अकेले पाए जाने की चिंता थी। उसने खिड़की की ग्रिल पर अपना माथा दबाया, उम्मीद है कि ठंडी धातु उसे शांत कर देगी। नीचे, पुलिस ने टेनिस कोर्ट के प्रवेश को नियंत्रित करने के लिए बैरिकेड्स लगाए। अशोक के अवैध निवासी युवकों ने एक छोटी सी लेखन डेस्क, जिसे मिन्नी ने एस्क्रिटॉयर कहा था, और एक चिंट्ज़ से ढकी विंग कुर्सी को कोर्ट में ले गए।
अशोक ने अधिकारी को कुर्सी पर इस तरह से बैठाया जैसे कि वह अधिकारी मिन्नी की कैंटोनमेंट गार्डन पार्टियों में से एक में एक उच्च पदस्थ सेना का मेहमान हो। उसने अपने चार युवकों को वापस घर के अंदर भेज दिया। वे हाथ के पंखे, लिंबू-सोडा का एक लंबा गिलास और मिन्नी के सबसे अच्छे चीनी मिट्टी के बर्तन से एक प्लेट में मिन्नी की पसंदीदा अदरक की कुकीज़ लेकर वापस आए।

Machine Translated by Google

अशोक ने अधिकारी को जलपान परोसा और फिर अधिकारी द्वारा पूछे गए सवालों का जवाब दिया। अंजलि उनकी बातचीत का एक भी शब्द नहीं समझ पाई, क्योंकि वह कन्नड़ में थी। और क्या वह छोटी सी सुनीता संपत अचानक से नहीं आई थी, जो भोजन और पेय परोसने में मदद कर रही थी, पुलिस से बात कर रही थी और कभी-कभी बाथरूम की ओर इशारा कर रही थी? अशोक से पूछताछ खत्म करने के तुरंत बाद, अधिकारी ने अपने तीन कांस्टेबलों को घर में वापस भेज दिया। वे लूटपाट करने वालों और अवैध कब्जा करने वालों के बीच से ली गई महिलाओं की एक लंबी कतार के साथ लौटे। जिन लड़कियों ने पेंट्री की अलमारियों को खाली कर दिया था और मिन्नी के मार्माइट के भंडार पर उपहास उड़ाया था, वे उदास कतार के शीर्ष पर थीं। जब उनकी लूट इतनी शानदार ढंग से हो रही थी, तो पुरुष पंक्तिबद्ध क्यों नहीं थे?
"हाय, गिरीश, मैं फिर से एसओएस के साथ हूँ!"

पूछताछ अच्छी तरह चल चुकी थी, उसके बाद उसने श्रीमान को छोड़ दिया।
जीजी ने खिड़की खोली और बैठे हुए अधिकारी से अंग्रेजी में चिल्लाकर कहा, "श्रीमती बेजहोट यहाँ हैं! दिल का दौरा पड़ा है!"

"वह है!" अशोक ने उत्तेजित होकर चिल्लाया, इस बार अंग्रेजी में। उसने खिड़की की ओर इशारा किया। "वह किराएदार है! वह है!" और सुनीता भी मुस्कुराई, लेकिन इशारा करने की जहमत नहीं उठाई।

इससे पहले कि अंजलि झुक पाती, एक क्रोधित महिला, जो सबसे पहले पूछताछ के लिए आई, मुट्ठी भर कंकड़ उठाए और बाथरूम की खिड़की पर फेंके। उसने अपने दोस्तों को प्रेरित किया। कुछ अवैध निवासी भी इसमें शामिल हो गए, और सामने की दीवार से ढीले कंक्रीट के टुकड़े और मुरझाए हुए फूलों के बिस्तरों के किनारों से टूटी ईंटें फेंकी। खिड़की की ग्रिल, जो मूल रूप से चोरों को रोकने के लिए लगाई गई थी, ने बड़े प्रोजेक्टाइल को रोक दिया। वे अचानक उस पर क्यों टूट पड़े?

अंजलि का पुलिस के प्रति अविश्वास कृतज्ञता में बदल गया। उनका कर्तव्य उसे बचाना था; उनके पास कोई विकल्प नहीं था। वह खिड़की से दूर हट गई, टाइल वाले फर्श पर बैठ गई, मिन्नी के शरीर से कुछ इंच की दूरी पर, और बचाव के लिए प्रार्थना करने लगी। जब अधिकारी, एक महिला पुलिसकर्मी और दो पुरुष कांस्टेबलों के साथ, आखिरकार बाथरूम के दरवाजे से घुसे, तो उन्होंने उसे पाया।

अशोक उनके पीछे-पीछे अंदर चला गया। वह इस भयावह दृश्य को देखकर न तो चिल्लाया और न ही रोया। इसके बजाय, जब पुलिस ने अंजलि को अपने पैरों पर खड़ा किया और हथकड़ी लगा दी

Machine Translated by Google

उसके पास जाकर, उसने नग्न लाश को एकमात्र स्नान तौलिया से ढक दिया, जो अभी भी उपयोग के कारण गीला था, तौलिया रैक पर लटका हुआ था, एक नौकर की बहादुरी का छोटा सा इशारा।

"आप इस महिला के पेइंग गेस्ट हैं?" अधिकारी ने पूछा, और इशारा किया
मिन्नी के शरीर पर डंडा चलाया। उसके होंठ बहुत ज़्यादा धूम्रपान करने वाले की तरह लटके हुए थे और बोलते समय लार टपकाते थे। उसके हाथों में हथकड़ी लगी होने के कारण वह अपने चेहरे पर थूक नहीं लगा पा रही थी; वह सिर्फ़ अपने रेशमी कपड़ों पर थूक के धब्बे गिरते और फैलते हुए देख पा रही थी। बॉलीवुड पुलिस वाले की तरह, उस आदमी ने मास्क की तरह बड़े आकार के, शीशे वाले धूप के चश्मे पहने हुए थे, लेकिन उसकी आवाज़ में आरोप लगाने वाली गरजना उसे अपराधी जैसा महसूस करा रही थी। उसे पहले ही दोषी ठहराया जा चुका था। "कृपया मृतक से अपने रिश्ते के बारे में बताएं।"

"जब मैं यहाँ आई तो वह मर चुकी थी," अंजलि ने अचानक कहा। "मुझे नहीं पता कि यह सब पागलपन क्यों हो रहा है।"

"कृपया केवल पूछे गए प्रश्न का ही उत्तर दें।" अधिकारी ने आदेश दिया
पुलिस महिला से कहा कि वह पूछताछ जारी रखने से पहले अंजलि की पॉकेटबुक, घड़ी और सेल फोन जब्त कर ले। "मृत वृद्ध महिला के साथ तुम्हारा क्या संबंध है?"

"इसमें मेरा कोई हाथ नहीं है। वह सदमे से मर गई होगी। मैं यहां नहीं था। गुंडे उसके घर में घुसकर उसकी सारी संपत्ति चुरा रहे थे।"

"तुम मेरे धैर्य को खतरे में डाल रहे हो।" अधिकारी ने अपनी जेबों में से सिगरेट का एक पैकेट निकाला, लेकिन जलाया नहीं। "मैं सिर्फ़ एक बार और पूछ रहा हूँ। तुम मृतक के घर में किराएदार के तौर पर रह रहे हो, लेकिन किराए के पैसे नहीं चुका रहे हो?"

उसने अपनी नज़र अधिकारी के मोटे, नम निचले होंठ से हटाकर उसके भारी खाकी मोजे और भूरे रंग के टखने वाले जूतों पर डाली।

"हां या नहीं?"

वह कुछ नहीं बोली। अधिकारी को यह क्यों विश्वास होगा कि मृत मकान मालकिन ने हथकड़ी लगे इस किराएदार का खर्च चलाने की पेशकश की थी?

Machine Translated by Google

"कृपया अपना अच्छा नाम बताएं?"

"एंजी. अंजलि बोस." इससे उन्हें कोई पहचान नहीं मिली. वह इस नाम की मालिक नहीं थीं. वह कोई भी हो सकती थी।

"आपका नाम अंजलि बोस है? आपके पर्स पर HS क्यों लिखा है?" वह चमड़े की पट्टियों पर लिखे सुनहरे अक्षरों की ओर इशारा करते हुए।

"मुझे नहीं मालूम।" उसने झूठ बोला।

उसने एक तिरस्कारपूर्ण इशारा किया, अपना हाथ हिलाया, और दो पुलिस महिलाएँ उसे सीढ़ियों से नीचे खींचकर ले गईं, फ़ोयर के पार, बेजहॉट फ़र्नीचर से भरे पोर्च की सीढ़ियों से नीचे, आसमानी नीले रंग के सूट में एकनिष्ठ नीलामी घर के प्रतिनिधि और चीखती-चिल्लाती भीड़ के पीछे से होते हुए पुलिस की गाड़ी में। उसके पैर ने मृत सिखों की तस्वीर को कुचल दिया, जो ज़मीन पर पड़ी थी, उसके पीतल के फ़्रेम को हटा दिया गया था, जो इतिहास के कूड़ेदान के लिए कुछ नया था। पुलिस के काफिले में कोई धान की गाड़ी नहीं थी। कोई काफिला नहीं था।

Machine Translated by Google

11

जब तक वह बैगहॉट हाउस में थी, अंजलि को लगा कि सब कुछ उसके नियंत्रण में है। निश्चित रूप से उसके लिए ज़मानत देने वाला कोई तो होगा ही, कोई टूकी जो "हाय, गर्लफ्रेंड" कह सके।
आखिरकार, वह एक बेजहॉट लड़की थी, लेकिन पुलिस की गाड़ी के पीछे, चालक की सीट के पीछे एक ग्रिल से हथकड़ी लगी हुई, उसने महसूस किया कि दुनिया में ऐसा कोई नहीं है जिस तक वह पहुंच सके और जो जान सके कि वह कौन है।

सेंट्रल बैंगलोर पुलिस स्टेशन के एक साक्षात्कार कक्ष में जब वह बैठी थी
एक चौकोर जबड़े वाली, साड़ी पहनी हुई महिला पुलिसकर्मी के सामने टेबल के दूसरी ओर बैठी, एक वरिष्ठ जासूस द्वारा पूछताछ के लिए प्रतीक्षा कर रही अंजलि बोस आखिरकार टूट गई। पुलिस क्रूजर में स्टेशन जाते समय, वह शांत, लगभग अहंकारी बन गई थी, अपने खिलाफ आरोपों के बारे में जानना चाह रही थी। लेकिन उस छोटे से खिड़की रहित कमरे में, दो वर्दीधारी महिलाओं द्वारा पहरा दिया जा रहा था, उनमें से एक उसकी माँ की उम्र की थी, वह रोने लगी, और रोते हुए, शरीर को हिलाने वाली भारी साँसें लेने लगी। कोई वास्तविक आरोप नहीं थे, इसलिए खुद का बचाव करने के लिए कुछ भी नहीं था। उस पर उसके असली होने का आरोप लगाया जा रहा था, न कि उसके किए पर। वह पुलिसकर्मी किसी की पत्नी थी, क्योंकि उसने मंगलसूत्र की शादी की माला पहनी हुई थी, और शायद किसी की माँ भी। लेकिन अपने पेट को ढकने वाले, चार बटन वाले खाकी-सूती ब्लाउज और खाकी टेरी-सूती साड़ी में, जिसे भारतीय पुलिस सेवा के धातु के बैज के साथ बाएँ कंधे पर बाँधा गया था, वह केवल क्रूर दिख रही थी।

युवा पुलिसकर्मी ने टूटी-फूटी अंग्रेजी में अंजलि को चुप रहने की धमकी दी
"तगड़े थप्पड़" के साथ। उसका चेहरा पतला, क्रूर था, खाकी शर्ट और बिना प्लीटेड खाकी पैंट में कसा हुआ एक मोटा, मांसल शरीर, और उसके डर्बी ब्राउन लेदर शूज़ के आकार से अंदाज़ा लगाया जा सकता है कि उसके पैर बहुत बड़े और चौड़े थे। अंजलि को डर था कि महिला अपनी धमकी को अंजाम देने के लिए बेताब थी, लेकिन वह अपनी सूखी उबकाई और घुरघुराहट को रोक नहीं पाई, तब भी नहीं जब उसने कमरे में उसकी ओर बढ़ते हुए चमड़े के जूतों की चरमराहट सुनी। उसने खुद को घूंसे के लिए तैयार किया। इसके बजाय पुलिसवाली ने उसके कंधों को इस तरह से पकड़ लिया कि वह इतनी दर्दनाक हो गई कि वह चीख उठी। खुश होकर, पुलिसवाली ने अपनी पकड़ ढीली की, अंजलि की कमीज़ के पीछे अपनी मुट्ठी को दबाया, और उसका डिज़ाइनर लेबल खींचा। "दुबई," उसने व्यंग्य किया। फिर उसने कन्नड़ में कुछ ऐसा कहना शुरू किया जो मज़ाकिया अपमान जैसा लग रहा था।

Machine Translated by Google

उसने पहचान लिया कि उनके ताने किस वजह से फूट रहे थे: उसकी महंगी रेशमी सलवार-कमीज। उसके पहरेदारों को इस बात से कोई फ़र्क नहीं पड़ा कि उसके कपड़े दिन भर के तनाव की वजह से झुर्रीदार और पसीने से सने हुए थे। एक दिन, उस दिन, वह CCI से बाहर हो गई थी, भीड़ के गुस्से को देखा, उस पर हत्या का आरोप लगाया गया और हथकड़ी लगाकर ले जाया गया। उसने अपने पहरेदारों के मन को पढ़ लिया: एक बेरोजगार कामकाजी लड़की इतनी शानदार अलमारी कैसे खरीद सकती है? ड्रग्स? कौन है जो ढीली-ढाली औरतें तंग, ध्यान खींचने वाले कपड़ों में अपने स्तनों और कूल्हों को दिखाती हैं?

वेश्याएँ! वह जितना हो सके उतनी शांति से बैठी रही, जबकि उत्तेजित युवा पुलिसवाली ने उसे अपनी हथेलियों से थपथपाया, जो पिंग-पोंग के चप्पू की तरह बड़ी, सपाट और सख्त लग रही थीं, पहले पीठ की लंबाई और चौड़ाई पर ऊपर-नीचे, फिर सामने की तरफ। मोटी उँगलियाँ उसकी कॉलरबोन में दबी हुई थीं, उसके स्तनों को थपथपा रही थीं, उसके निप्पलों पर टिकी हुई थीं, और उन्हें ऐसे हिला रही थीं जैसे लाइट स्विच को बंद और चालू और बंद और चालू कर रही हों, फ़्लिक-फ़्लिक, और जब वे सख्त हो गए, तो दोनों पुलिसवाली हँसी में फूट पड़ीं। अपने सेल फोन के बिना, अंजलि पूरी तरह से कटी हुई महसूस कर रही थी। कोई नहीं जानता था कि उसके साथ क्या हो रहा है। इससे भी बदतर, किसी को परवाह नहीं थी कि वह गायब हो गई है। वे मान लेंगे कि वह नए रोमांच की तलाश में निकल गई है। असहाय, निराश, उसने जासूस से साक्षात्कार कक्ष में प्रवेश करने के लिए प्रार्थना की। वह स्वीकार करेगा कि पुलिस ने गलती की है - या गलती की गई थी - और उसे जाने दिया। लेकिन मुक्त होने के बाद वह कहाँ जा सकती थी? उसके पास आश्रय देने के लिए कोई बैगेहॉट हाउस नहीं था, उसे सांत्वना देने के लिए कोई माँ और बहन नहीं थी, उसे गले लगाने के लिए कोई प्रेमी नहीं था।

उसके पीछे दरवाज़ा बंद हुआ। उसे पता था कि गार्डों ने अचानक अपना खेल रोक दिया था, और तभी एक वरिष्ठ अधिकारी अंदर आया था। आखिरकार उसे सुरक्षित महसूस हुआ। उसकी चिंता खत्म हो गई कि बैंगलोर के उसके साथ मस्ती करने के बाद वह गायब हो जाएगी, कि वह बिल्डिंग बूम के नीचे दबी एक और गुमनाम लाश बनकर रह जाएगी। वह अपनी कुर्सी पर घूम गई और उसे छुड़ाने आए आदमी को अपनी खास मुस्कान दिखाई। वह आदमी सुंदर और बालों से भरा हुआ था, लगभग मिस्टर जीजी की ही उम्र का, लेकिन लंबा और पतला था।

उन्होंने वर्दी के स्थान पर गहरे रंग का सूट, गुलाबी शर्ट और पैस्ले पैटर्न वाली रेशमी टाई पहनी थी।

उस आदमी ने मेज के पास आकर अंजलि के सामने अपनी सीट पर बैठने में बहुत समय लगाया। उसने अपनी घड़ी को कलाई से उतारकर मेज पर रखने में और भी अधिक समय लगाया, और एक नोटपैड और एक पतले फ़ोल्डर के दोनों ओर दो समान बॉलपॉइंट पेन को पंक्तिबद्ध करने में और भी अधिक समय लगाया। जगह बनाने के लिए उसने अपनी सीट पर बैठने का फैसला किया।

Machine Translated by Google

जब वह अपना सामान रखना चाहता था, तो उसे एक टूटी हुई प्लास्टिक ट्रे को हटाना पड़ा जिसमें बासी दिखने वाले पीले रंग के पानी से भरा एक छोटा सा कांच का कैरफ़ और एक प्लास्टिक का गिलास था। जब वह आखिरकार तैयार हो गया, तो उसने घोषणा की, "बहुत-बहुत गंभीर अपराध, मिस अंजलि बोस।"

"क्या अपराध? मुझे नहीं पता तुम क्या बात कर रहे हो!"

"बहुत-बहुत गंभीर," उसने खुद को प्रभारी जासूस के रूप में पेश करने से पहले दोहराया। वह उसका नाम नहीं सुन पाई और उसे दोहराने के लिए कहने की हिम्मत नहीं जुटा पाई। इस बार उसकी चमकदार मुस्कान ने उसे निराश कर दिया था। "मेरे खिलाफ क्या आरोप हैं?"

"भारतीय राज्य के विरुद्ध राजद्रोह। आतंकवाद। सामूहिक हत्या को बढ़ावा देना।"
जासूस ने छत की ओर देखा और गर्दन को इधर-उधर घुमाया, जैसे कि अपनी गर्दन के दर्द से राहत पाना चाहता हो। "मिसेज मिन्नी बेजहोट की हत्या, पोस्टमार्टम लंबित है," उसने कहा।

"क्या यह आरोप किराये के पैसे रोकने का है? हमने इसके लिए व्यवस्था कर रखी है।"

"यह कोई मज़ाक की बात नहीं है, मिस बोस। जल्द ही आप रोने लगेंगी।"

"तो क्या?"

उसने अपनी गर्दन के किनारों को अपनी अंगुलियों से सहलाया। "मिस बोस, हम कोई अनुमान लगाने का खेल नहीं खेल रहे हैं।" उसने अपनी टाई की गाँठ पर उँगली फेरी। उसने अपनी घड़ी को नोटपैड के दाईं ओर से बाईं ओर घुमाया, फिर वापस दाईं ओर। अंत में, उसकी ओर देखे बिना, उसने घोषणा की, "आइए आतंकवाद के बारे में बात करें, मिस बोस।"

"मुझे इस बात की कोई जानकारी नहीं थी कि गुंडे बैजहॉट हाउस को नष्ट करने की योजना बना रहे थे।" उसके आरोप की मूर्खता से वह क्रोधित हो गई।

"कृपया केवल सत्य बोलें। झूठ बोलने की अपेक्षा सहयोग करना बेहतर रणनीति है।"
यह सभी गंभीर अपराधियों के लिए मेरी सिफारिश है।" लेकिन उसने उसे अपनी सलाह को समझने का समय नहीं दिया, विचार करने की तो बात ही छोड़िए। अचानक गुस्से में आकर उसने नोटबुक से मेज पर इतनी जोर से मारा कि वह चीख पड़ी।

Machine Translated by Google

मानो उसने लकड़ी पर नहीं बल्कि मांस पर चोट मारी हो। "अब," उसने कहा, उसकी मूंछों पर मुस्कान आ गई। "अब कृपया बताओ" - उसने अपनी बात पूरी करने से पहले केस फाइल से कुछ इंच दूर लुढ़के बॉलपॉइंट को फिर से संरेखित करने के लिए रुका - "आपकी मित्र मिस हुसैना शिराज का वर्तमान निवास। मैंने देखा कि उनके नाम के पहले अक्षर आपके पर्स पर हैं। इसलिए हम मान सकते हैं कि आपने वही चुराया है। हमें हैदराबाद भेजकर समय बर्बाद करने की कोई ज़रूरत नहीं है।"

हुसैना? हुसैना बैजहॉट हाउस के आस-पास भी नहीं गई थी। शायद उसने गलत सुना हो। वह जासूस की दक्षिणी लय, अजीब स्वर और तेज़ व्यंजन को मुश्किल से समझ पाती थी। बैंगलोर की इस उथल-पुथल भरी दुनिया में, पुलिस स्टेशनों में संदिग्धों से "सत्य" उगलवाने वाले जासूस शायद शानदार कॉल-सेंटर कार्यालयों में मधुर आवाज़ वाले ग्राहक-सेवा एजेंटों से भी कम कमाते हैं। वह उसे जो कुछ उसने अभी कहा था उसे दोहराने के लिए कहकर उसे नाराज़ करने का जोखिम नहीं उठाना चाहती थी। वह बिल्ली और चूहे के खेल का एक तरह का पूछताछ कक्ष संस्करण खेल रहा था। वह उसे झूठ में फँसाने के लिए तैयार था।

"क्या?" इस बार यह चिंता की फुसफुसाहट भरी स्वीकृति थी, आक्रोश की अभिव्यक्ति नहीं। उसकी पसलियों पर लाठी का एक वार उसे कुचल देगा। उसकी खोपड़ी पर निर्देशित एक अभ्यस्त कलाई का एक झटका उसके दिमाग को चीर देगा।

"तुम्हारी अच्छी दोस्त मिस हुसैना शिराज। तुम दोनों एक दूसरे के बहुत अच्छे दोस्त हो, है न? तुम कपड़े बदल रहे हो, रहस्य साझा कर रहे हो, और भी बहुत कुछ। खाड़ी देशों से आए बहुत महंगे रेशमी कपड़े।" जासूस ने उसके ऊपरी होंठ पर सूखी त्वचा को नोचा। उसने जहां नोचा था, वहां खून की बूंदें थीं।

उसकी जीभ की नोक ने गहरे लाल मोतियों का पीछा किया। "तुम इस अंतरंग मित्र के साथ संवाद वगैरह कर रहे हो?"

उसके सवाल हैरान करने वाले थे। घमंडी हुसैना जब सुनती तो मुंह बिचकाने लगती। कोई भी बैजहॉट गर्ल्स उसे अपना करीबी दोस्त मानती है। "हम एक ही समय पर कमरे में रहते थे और एक ही समय पर रहते थे। हम बाथरूम में एक-दूसरे से मिलते थे और खाने के समय हम बातें करते थे। बस छोटी-मोटी बातें, मुझे याद नहीं कि किस बारे में बातें होती थीं।" मिन्नी के मर जाने के बाद, यह स्वीकार करना समझदारी नहीं होगी कि बैजहॉट गर्ल्स ज़्यादातर उसके बारे में बड़बड़ाती और गपशप करती थीं।

Machine Translated by Google

जासूस ने अपना सिर पीछे फेंका और जोर से 'खट-खट' की आवाजें निकालीं।
हालाँकि वह अपने गले में गहरी खुजली कर रहा था। बड़ी पुलिसवाली ने आदेश दिया, और छोटी ने कैफ़े से
पानी गिलास में डाला। पानी के कई घूँटों के बाद, जासूस ने अपना ध्यान वापस अंजलि की ओर लगाया। "मिस बोस,
आप मूर्खता कर रही हैं। मेरे पास पहले से ही उन सभी सवालों के जवाब हैं जो मैं पूछ रहा हूँ।" उसने अपनी दाहिनी
हथेली से फ़ोल्डर को थपथपाया। "फिर से शुरू करते हैं, मिस बोस। आप अपने अच्छे दोस्त की दूसरी ज़िंदगी के बारे में
क्या-क्या जानती हैं?" उसने फ़ोल्डर खोला और एक भारतीय पासपोर्ट निकाला। "आतंकवादी साजिश के बारे में
सूचना न देना जघन्य अपराध है। साजिशकर्ता, सह-साजिशकर्ता, उकसाने वाला, सक्षम करने वाला और इसी
तरह। आप समझ रही हैं कि इस तरह के आपराधिक कृत्यों के लिए लंबी जेल की सज़ा का प्रावधान है, है न?"

उसने अपनी दाहिनी तर्जनी उंगली को गीला किया, पासपोर्ट को उसके पहले पन्ने पर खोला और उसे अंजलि के चेहरे पर थमा दिया।
उसने अपना सिर इतना पीछे खींचा कि उसे पासपोर्ट में हुसैना का हेडशॉट दिखाई दिया, जो पैंजर डिलाइट टी-शर्ट पहने हुए था, जिसे
उसने हुसैना के साथ बदला था। "तुम धारक का नाम देख रहे हो, है न? तुम्हारा अच्छा नाम है, लेकिन चेहरा नहीं?"

वह कितनी भोली थी जब उसने अपनी पसंदीदा टी-शर्ट दे दी थी!
हुसैना ने खुशी से कहा था, "हम बहनें हो सकती हैं", और अंजलि खुश हो गई थी।
इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि हुसैना ने उससे उसके जन्मदिन और जन्म स्थान के बारे में मित्रतापूर्ण प्रश्न पूछे थे।

"जब आप उसके प्रिय मित्र थे, तब वह किस सेवा स्थान पर थी?"

"मुझे नहीं पता, मुझे याद नहीं आ रहा। उसने घर के लोन के बारे में बात की थी। मुझे नहीं पता कि तुम क्या
कहना चाह रहे हो।"

"आपकी स्थिति बहुत ही ख़राब है। आपकी मूर्खता पहले से ही ख़राब स्थिति को और भी ख़राब
कर रही है।"

"मुझे लगता है कि मैं उल्टी करने जा रहा हूँ, सर। कृपया, कृपया, मुझे एक बाल्टी चाहिए।"

उसने उसे पूरी तरह से नज़रअंदाज़ कर दिया। उसने खुले पासपोर्ट से उसके सिर के ऊपर वार किया। "तुम
आतंकवादी वेश्या को अपना अच्छा नाम और अपने कपड़े क्यों बेचती हो?
तुम्हें पैसे कौन दे रहा है? तुम सब कुछ कबूल करोगे। अभी!"

Machine Translated by Google

"किसी ने मुझे पैसे नहीं दिए। हमने कपड़े बदले !"

"पैसे का लेन-देन नहीं हो रहा? फिर आप कैसे जी रहे हैं? बैंगलोर एक बहुत ही संवेदनशील शहर है, है न? आप कितना काम करते हैं? आप प्रतिदिन कितना कमाते हैं?" बड़ी पुलिसवाली ने कन्नड़ में एक चुटकुला सुनाया, जिससे जासूस की आवाज़ रुक गई। उसने अपनी आवाज़ धीमी करके एक अश्लील फुसफुसाहट में कहा। "आपका प्रति घंटा वेतन कितना है?"

"मैं अभी भी काम की तलाश में हूं।"

उसने पासपोर्ट फोटो को अंगूठे से सहलाया। "नाम तुम्हारा, पर चेहरा तुम्हारे दोस्त का। बहुत ही पेशेवर जालसाजी। यह कैसे हो रहा है? तुम कहाँ जा रहे हो?"

मैं कहाँ से आई हूँ? यह वह सवाल था जिससे वह सबसे ज़्यादा डरती थी। वह वास्तव में पूछ रहा था कि क्या उसके माता-पिता या रिश्तेदार या बैंगलोर में शक्तिशाली दोस्त हैं जो उसके गायब होने या उसके द्वारा हमला किए जाने पर हस्तक्षेप कर सकते हैं। क्या वह वास्तव में कभी कब्बन पार्क के सामने स्थित अपने आलीशान अपार्टमेंट में एक अमीर युवक के साथ बिस्तर पर थी? अन्यथा, वह सड़क पर एक और कुत्ता मात्र थी। "कोलकाता," उसने कहा।

"आप सच्चे तथ्य क्यों छिपा रहे हैं? आपको लगता है कि वरिष्ठ जासूस मूर्ख?" उसने उसकी पतली केस फाइल को फिर से देखा। "जन्म स्थान और पिछला निवास। गौरीपुर, बिहार राज्य। बंदी वरिष्ठ अधिकारी को धोखा देने की कोशिश कर रहा है! कृपया स्वीकार करें, पीओबी गौरीपुर है।"

"हाँ," उसने कहा.

"पिता का नाम?"

"प्रफुल्ल कुमार बोस। हाल ही में दिवंगत हुए।"

उन्होंने अपने कागजात उलट-पलट कर देखे, "अंजलि बोस का कोई रिकॉर्ड नहीं है। सिर्फ़ एक बेटी है, जो पटना में रहती है।"

अंजलि को पित्त का स्वाद चखने को मिला। वह अपने अतीत के कागज़ में फंसी हुई थी। उसने अपना अगला सवाल दागा। "बिहार की लड़की बैंगलोर क्यों आ रही है?"

Machine Translated by Google

"काम ढूँढने के लिए," उसने कहा। यह बात उसे भी बेतुकी लगी।

"तुमने पुरुषों के लिए पैसे दिए? तुम वेश्या हो?" अब वह घूर रहा था। "मुझे लगता है हाँ। मुझे लगता है तुम वेश्या हो।"

पहेलियों के इस भयावह खेल में कोई सही उत्तर नहीं था। बिल्कुल नहीं! वह कहना चाहती थी, लेकिन ईमानदारी एक जाल होगी। कुछ न कहना भी एक जाल है, जैसे कुछ भी कहना। मैं चिल्लाऊँगी नहीं। मैं रोऊँगी नहीं। उसने अपने गले में उठ रही उल्टी को वापस निगल लिया।

यह उसके साथ नहीं हो रहा था। यह मेरे साथ नहीं हो रहा है; यह एंजी के साथ हो रहा है। मैं एक भूत हूँ।

अब भूत के पास एंजी के पहले बैंगलोर प्रश्न का उत्तर था: हाँ,
अगर करोड़ नए लाख हैं, तो एक लड़की गौरीपुर की तुलना में दस हज़ार गुना ज़्यादा तेज़ी से और गहराई से गिर सकती है। कुछ नए, अनिर्धारित अर्थों में, वे सही थे। वह एक वेश्या थी; वह पुरुषों पर निर्भर रहती थी, उन कौशलों का उपयोग करती थी जिनके बारे में उसे पता नहीं था कि वह उन्हें हेरफेर करने के लिए है, और उसे वह पाने का कोई और तरीका नहीं दिखता था जो वह चाहती थी। विवाह का मतलब दासता था, जैसे उसकी माँ और बहन का था। लेकिन अगर शादी नहीं होती, तो बैंगलोर में एक महिला कैसे रहती?

यदि पिछले बारह घंटों में उसे रेडियो या टेलीविजन की सुविधा मिल जाती,
उसे पता चलता कि हैदराबाद में जन्मी बैंगलोर निवासी के लंदन स्थित पति को एयर-इंडिया और भारतीय शहरों की सेवा देने वाली पांच अन्य अंतरराष्ट्रीय एयरलाइनों के हीथ्रो टिकट काउंटरों पर ग्रेनेड हमले की साजिश रचने के आरोप में हॉलैंड, जर्मनी और माल्टा में ढूंढा जा रहा था। भारतीय प्रेस को तुरंत उसका नाम और पता ब्रैडफोर्ड में और उसकी पत्नी का बैंगलोर में पता चल गया। दो हिंदी भाषी अखबारों, एक कन्नड़ अखबार और वॉयस ऑफ द साउथ के खोजी पत्रकारों ने बताया कि हैदराबाद का घर, हालांकि सुनसान था, लेकिन वहां एक लावारिस लैपटॉप के रूप में महत्वपूर्ण सबूत मिले हैं। सिटीबैंक के आउटसोर्स मॉर्गेज-कंसोलिडेशन विभाग में पत्नी के सुपरवाइजर ने पत्रकारों को पुष्टि की कि अधिकारियों ने उससे पूछताछ की है। सुपरवाइजर ने कहा कि जिस कर्मचारी की जांच की जा रही है, उसने अपनी शिफ्ट के एक घंटे बाद ही चक्कर आने की शिकायत करते हुए काम छोड़ दिया

Machine Translated by Google

कई विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार, महिला अपने निजी सामान लेने के लिए बेंगलुरू स्थित अपने आवास, ऐतिहासिक बैजहोट हाउस, नंबर वन, क्यू गार्डन के किराए के कमरे में वापस नहीं लौटी थी।

बैजहोट हाउस में एक छोटे पैमाने पर दंगा भड़क गया था। उत्तेजित युवाओं, हिंदू राष्ट्रवादियों, आम अपराधियों ने प्राचीन स्मारक को लूट लिया और इसके बहुत से सामान लूट लिए। इस मुठभेड़ में आदरणीय मालिक मिन्नी बैजहोट की मौत हो गई।

उस शाम, जब अंजलि को गिरफ्तार कर लिया गया और फिर उसे भीड़-भाड़ वाली, बदबूदार हिरासत में ले लिया गया, तो उसने खुद को यकीन दिलाया कि उसे उचित सज़ा दी जा रही है। उसका अपराध था लगातार, बेपरवाह चाहना; बहुत ज़्यादा चाहना; हर चीज़ की ज़्यादा चाहत, ख़ास तौर पर खुशी। उसके लालच और बेचैनी के घातक परिणाम हुए। उसके पिता ने उसकी रक्षा के लिए अपनी जान दे दी थी।

वह झुक गई, उसकी पीठ दीवार से सटी हुई थी, जिस पर पान के रस और शायद खून के लाल, अभी भी गीले दाग थे, और उसे उम्मीद थी कि वह नशेड़ी और नशेड़ी लोगों की भीड़ में शामिल हो जाएगी, जो अपने पैरों पर अस्थिर थे। लेकिन दुबली-पतली काया, चालाक आँखों वाली, अश्लील मुँह वाली औरतें उसके इर्द-गिर्द झुंड बनाकर खड़ी थीं, उसे परख रही थीं। कई ने अपनी जीभ से उसे अश्लील संदेश दिए। आधा दर्जन इतनी कम उम्र की दिख रही थीं कि उन्हें देखकर उसे उन हल्के-फुल्के लड़कों की याद आ गई, जिनसे वह अंतरराज्यीय बसों में अपने पैसे की रखवाली करती थी। एक मोटी-मोटी मर्दाना महिला, जो भड़कीली साड़ी पहने हुए थी और उसके बालों वाले पिंडलियों के बीच तक उठी हुई थी, अंजलि को अश्लील चुंबन दे रही थी। अंजलि, पूछताछ कक्ष की तुलना में लॉकअप सेल में अधिक भयभीत थी, एक छोटी सी गेंद में सिकुड़ने की कोशिश कर रही थी। रबर जैसे होंठों वाली बड़ी महिला द्वारा उकसाए जाने पर, अन्य लोग उसके चारों ओर घिर गए और अपनी गंदी चप्पलों से उसे छेड़ने और उकसाने लगे। उनमें से दो ने उसकी बगलें पकड़ लीं और उसे अपने पैरों पर खड़ा कर दिया। अपने नए पश्चातापी मूड में, उसने उनके थप्पड़ और घूंसे सहे।

केवल वृद्ध बंदी ही, जो गंदे फर्श पर बैठे थे या लेटे थे,
खून की खांसी के कारण उसे अनदेखा कर दिया गया। यह नरक ही वह जगह थी जहाँ उसे रहना था; गौरीपुर का अपार्टमेंट घर की मृगतृष्णा था। लेकिन वह यहाँ कैसे पहुँची? उसे उन दो लोगों ने बताया था जिन पर वह सबसे ज़्यादा विश्वास करने के लिए उत्सुक थी - मिस्टर चैंपियन और रबी चटर्जी - कि वह ख़ास थी, और उसके मन में

Machine Translated by Google

खास होने का मतलब था कि वह इससे बेहतर की हकदार थी , सर्वश्रेष्ठ की हकदार थी। महत्वाकांक्षा ने उसे बर्बाद कर दिया था; इससे भी बदतर, इसने उसके परिवार को बदनाम कर दिया था। कम से कम उसके पिता में आत्महत्या करने का स्वाभिमान तो था। गौरीपुर स्टैण्डर्ड में उनके मृत्युलेख में उनके सम्मान के कारण मृत्यु का कारण नहीं लिखा गया था, लेकिन पीटर ने इसे जाने दिया। मिस्टर चैम्पियन ने उससे विनती की थी कि वह अपने पिता की मौत के लिए खुद को दोषी न ठहराए, जिसका मतलब था कि उन्होंने उसे दोषी ठहराया। उसने अपने गौरीपुर के किशोरावस्था की मासूम उम्मीद और लालसा से खुद को इतना दूर कर लिया था कि वह अब उसे पीटर नहीं कह सकती थी, अपने विचारों में भी नहीं। "रेलवे बोस" ने कैसे अपनी जान ले ली थी? उसने उसे सामने के कमरे में छत के पंखे से लटकते हुए देखा। उसे लाश से ईर्ष्या हुई।

एक ट्रस्ट-फंड वाले कैलिफोर्नियाई फोटोग्राफर के लिए, जो झुग्गी-झोपड़ियों में खेलता था, जीवन
भारत में भले ही सब कुछ प्रकाश और कोण से भरा हो, लेकिन अगर आप एक गरीब बिहारी हैं, तो प्रकाश धुंधला है, कोण चाकू की तरह तीखे हैं। कल रात ही उसने खुद को बैंगलोर की एक भाग्यशाली लड़की, एक बेजहॉट लड़की के रूप में सोचा था।
ज्ञान, यहाँ तक कि आत्म-ज्ञान भी क्रूर था। टूकी एक वेश्या थी, हुसैना एक आतंकवादी थी, और वह एक अपराधी थी। उसे लगा कि वह नींद में बह रही है, वह जानबूझकर अपने आप को बंद कर रही है कि वह कहाँ थी और क्या बन गई है।

लेकिन उसके पिता ने उसे जाने नहीं दिया। वह हिरासत कक्ष में घुसा, सोते हुए, कराहते हुए शवों के ऊपर से कदम बढ़ाते हुए उसके पास पहुंचा। उसने गहरे पीले रंग की सूती जैकेट पहनी हुई थी, जिसे वह हर सप्ताह काम पर पहनता था, बगलों से सूखे पसीने की पपड़ीदार धारियाँ निकल रही थीं। अपनी एकमात्र मुरझाई हुई रेशमी टाई की जगह उसने अपनी गर्दन के चारों ओर एक चादर बाँधी हुई थी। जब वह उसके कोने में पहुँचा तो वह मुस्कुराया और आशीर्वाद के एक अनुष्ठानिक इशारे में, उसके झुके हुए सिर के ऊपर हाथ फेरा।

स्पर्श वास्तविक लगा क्योंकि यह वास्तविक था । एक पुलिसवाली रैप कर रही थी
अंजलि ने अपने हाथों की अंगुलियों से उसके सिर पर वार किया। "अपने आप को हिलाओ और मेरे पीछे आओ!"

Machine Translated by Google

12

अंजलि को लॉकअप सेल से बाहर निकालकर बुकिंग एरिया में ले जाया गया, जहाँ रूखे कांस्टेबलों और हथकड़ी लगे कैदियों के बीच हवाईयन शर्ट पहने मिस्टर जीजी खड़े थे। आगंतुकों के लिए एकमात्र बेंच पर मिस्टर जीजी के बगल में बैठे और उनसे मजाक कर रहे थे, जो अंजलि को पंजाबी जैसा लग रहा था, वह जासूस था जिसने उस पर "आतंकवाद को बढ़ावा देने" का आरोप लगाया था। मिस्टर जीजी ने बीच में ही हँसना बंद कर दिया और जैसे ही उन्होंने देखा कि वह अपनी वर्दीधारी एस्कॉर्ट के पीछे-पीछे चल रही है, वे अपने पैरों पर खड़े हो गए। "मिस बोस, आपको बचाना एक पूर्णकालिक काम बनता जा रहा है!" उन्होंने कहा, उनकी आवाज़ उत्साहित, लगभग चहकती हुई थी।

पुलिसवाली ने उसे उन दो आदमियों की ओर धकेला और अपना अधिकार जासूस को सौंप दिया। उसने उन आदमियों को ऐसे देखा जैसे उन्हें गंदे शीशे से देख रही हो।

"मिस बोस!" मिस्टर जीजी ने अपनी दोनों बाहें फैला दीं। अगर वह ऐसा करतीं तो वह उन्हें पकड़ लेते। बेहोश हो गई, जैसा कि वह पहली बार बरिस्ता में हुई थी। "अब सब ठीक है। सब खत्म हो गया है।"

लेकिन वह उसके पास नहीं झुकी। धीमे, शुष्क स्वर में उसने कहा, "बस मुझे मरने दो।"

"मेरे पास आपके भविष्य के लिए कम निराशाजनक योजनाएं हैं," श्री जीजी ने मजाक किया, "सबसे अधिक मेरी तत्काल योजना तुम्हें पुलिस थाने से बाहर निकालने की है।" उसने अपना ब्रीफकेस थपथपाया। "रिहाई के कागजात तीन प्रतियों में।"

जासूस ने श्री जी.जी. की ओर देखकर मुस्कुराया। "गुजराल साहब ने विस्तार से संतोषजनक स्पष्टीकरण दिया है," उसने बिना उसकी ओर देखे घोषणा की। "आप अपने संबंधों और अन्य बातों के बारे में अधिकारियों को शुरू से ही क्यों नहीं बता रहे हैं?"

वह रोते हुए बोली, "मुझे बस मरने दो।"

"मैं सुझाव देता हूँ कि हम ज़रूरी काम निपटा लें।" मिस्टर जीजी ने अपना ब्रीफ़केस खोला और उसे उसके सामने रख दिया। उसकी गुच्ची पॉकेटबुक और मोवाडो घड़ी फ़ोल्डरों, मैनिला लिफ़ाफ़ों और आधिकारिक मुहरों से सजे फ़ॉर्म के ढेर के ऊपर रखी हुई थी।

Machine Translated by Google

"कृपया महिला के हैंडबैग में रखी सामग्री की जांच करें," जासूस ने उससे आग्रह किया।
और जब उसने ऐसा नहीं किया, तो उसने उस ब्रीफकेस से सामान निकाला और उसके अंदर की चीजें आगंतुकों की बेंच पर फेंक दीं। शांतिनिकेतन का एक चमड़े का बटुआ जिस पर लाल और काले रंग की पैस्ले पैटर्न की मुहर लगी थी; उसके बेडरूम के दरवाजे पर लगे ताले के लिए एक भारी धातु की चाबी वाली चाबी की अंगूठी, हुसैना की अलमारी में सुरक्षा जमा करने वाले दराज के लिए एक छोटी सी सपाट चाबी और उस छोटी लकड़ी की पेटी के लिए एक छोटी सी पतली चाबी जिसमें उसने मिस्टर चैंपियन के बचे हुए पैसे छिपाए थे; एक सूती सिक्का-पर्स; एक CCI प्रशिक्षु बैज; दो लक्मे लिपस्टिक और "सफ़ेद और चमकदार" फेस लोशन की एक ट्यूब; एक कंघी; कागज़ के टिश्यू का एक पर्स-आकार का पैक; दो बॉलपॉइंट पेन; चार सुरक्षा पिन; एस्पिरिन की गोलियों की एक पट्टी; हरी इलायची की कुछ फलियाँ। "कृपया कोई भी सामान गुम होने पर उसकी रिपोर्ट करें।" उसने एक दांतेदार, श्रेष्ठ मुस्कान बिखेरी, यह संकेत देने के लिए कि वह उसे चुनौती दे रहा था।

श्री जीजी ने सामान को वापस उसकी पॉकेटबुक में रख दिया। उन्होंने ब्रीफकेस को बंद कर दिया। "हम अभी यहाँ से चले जाएँगे, सर," उन्होंने जासूस से कहा, जो अभी भी मुस्कुरा रहा था। "इस भ्रामक बात का पीछा करने में अपना समय बर्बाद करने की कोई ज़रूरत नहीं है। बहुत-बहुत धन्यवाद, सर।" उन्होंने अंजलि को बाहर निकलने के लिए प्रेरित किया, और वादा किया कि अगर कोई सामान चोरी हो गया या खो गया तो वह उसे वापस कर देंगे।

उसका सेल फोन खो गया था। उसका रिप्लेसमेंट पाना वैसा नहीं था। रिप्लेसमेंट एक कॉपी होगी। स्पीड डायल पर सभी नाम कॉपी होंगे। मैं सिर्फ़ एक कॉपी हूँ। उस नरक में मैं बाबा से बात करना चाहता था। मैं माँ और मिस्टर चैंपियन की आवाज़ सुनना चाहता था।

पार्किंग में श्री जीजी ने घोषणा की, "मेरे पास आपके लिए एक आश्चर्य है।"

"अब कोई आश्चर्य नहीं।"

"ठीक है, मैं सरप्राइज़ को खराब नहीं करूँगा।" उसने उसकी दाहिनी कोहनी पकड़ी और उसे अपनी कार की ओर ले गया। "तुम्हें पता है, आज सुबह तक, मैंने कभी नहीं देखा कि तुम्हारी आँखें कितनी हरी हैं।"

"मुझे अपनी आँखों से नफरत है।"

"इसीलिए हुसैना ने तुम्हें निशाना बनाया! उसने तुम्हारी तस्वीर ली होगी,
फिर उसे आपका जन्मदिन पता चला, लेकिन यह आपकी चमकदार आंखें थीं जिन्होंने आपको हरा दिया।"

Machine Translated by Google

मेरी बहन। मेरी उदार उपकारक। हैदराबाद के रहस्य। बैंगलोर के रहस्य, हर जगह और हर किसी के रहस्य। आपको लगता है कि आप आगे बढ़ रहे हैं, आपको लगता है कि आप चीजों को समझना शुरू कर रहे हैं, और यह सब एक जाल है। मेरे माता-पिता सही थे: हर कोई भ्रष्ट है। हर जगह साजिशें हैं। लेकिन उसने केवल इतना कहा, "मुझे अपने बारे में सब कुछ नफरत है।"

"तुम इससे उबर जाओगे। समय सभी घावों को भर देता है।"

"जो कुछ हुआ, वह मेरे साथ हुआ, क्या तुम नहीं समझते? मेरे साथ हुआ,
मेरे पिता जी अपनी गर्दन पर चादर लटकाए हुए मेरे कमरे में आए, मेरे मृत पिता जी ने इसलिए आत्महत्या कर ली क्योंकि मैं बैंगलोर भाग गई थी। मैं नरक में हूँ।"

उसने उसे रोकने के लिए उसकी कोहनी को झटका दिया। "शायद मैं समझ नहीं पा रहा हूँ।
शायद मैं ऐसा न कर पाऊँ। लेकिन यह समझिए: आप भाग्यशाली हैं कि मेरे पुलिस से संबंध हैं। आप भाग्यशाली हैं कि मैं अभी मैक्सिको में नहीं हूँ। ऐसी कई चीजें होती हैं, लेकिन आप बहुत-बहुत भाग्यशाली हैं, बस। आपके ऐसे दोस्त हैं जिन्हें आप जानते भी नहीं हैं, लेकिन आप बेंगलुरू में पतंग की तरह यूं ही नहीं उड़ सकते - कोई न कोई आपकी डोर काट ही देगा।"

उसकी पतंग की डोर पहले ही कट चुकी थी। उसके पास न तो फोन था और न ही कोई
फोन करने के लिए। ऐसा नहीं है कि उसे परवाह थी। क्या दोस्त? अब वापस जाने के लिए बैगहॉट हाउस का कमरा नहीं था। "तुम मुझे कहाँ ले जा रहे हो?"

"धैर्य रखो," उन्होंने सलाह दी। "तुम्हें पता चल जाएगा।"

उसने खुद को श्री जीजी द्वारा दिए जाने वाले अगले उपकार के लिए तैयार कर लिया। वह उस पर जोर देगा कि वह कब्बन पार्क के सामने वाले फ्लैट में उसके साथ रहे। पुलिस थाने में उसे वेश्या कहा गया था। उसके जैसी बेघर, बेरोजगार, कौशलहीन महिला के पास क्या विकल्प था? पुलिस सही थी: वह वेश्या थी। बिना नौकरी या जीवनयापन के साधन के बिना एक युवा महिला के लिए और क्या नाम हो सकता है? "ठीक है," उसने कहा। "मैं बहुत भाग्यशाली हूँ कि मैं तुम्हें जानती हूँ।"

वे मिस्टर जीजी की कार के पास पहुंचे। उसने पीछे की सीट पर एक आकृति देखी।
"अपनी बात पर अड़े मत रहो, मिस बोस। तुमने मेरा निमंत्रण नहीं सुना, है न?" उसने अपनी देवू कार का डिब्बा खोला। "मुझे हल्के में मत लो।"

Machine Translated by Google

"मुझे भ्रम हो रहा है!" वह चौंककर बोली। उसकी लाल सैमसोनाइट ट्रंक में थी।

पीछे की सीट पर बैठा यात्री कार से बाहर निकल आया। "अरे! क्या हो रहा है?" वह मुस्कुराया। लंबा और दुबला-पतला, उसके बाल बड़े हो गए थे और खड़े हो गए थे। उसने ब्रीफ़केस के लिए जगह बनाने के लिए लाल सैमसोनाइट सूटकेस को हटा दिया। फिर उसने उसे गले लगा लिया।

मिस्टर जीजी ने जोर से ट्रंक बंद कर दिया। "चलो बस इतना ही कहो कि तुमने एक रियलिटी टीवी एपिसोड पूरा कर लिया है।"

यात्री ने मज़ाक में कहा, "और अंतिम दौर में बच गया।" "गिरीश ने अपने स्थानीय नेटवर्क और विशाल पीटर चैंपियन नेटवर्क को सक्रिय कर दिया। आप कल्पना भी नहीं कर सकते कि कितने हज़ार कार्यकर्ता आपके लिए रात-दिन काम कर रहे हैं!

पार्वती-आंटी को खेद है कि वे खुद थाने नहीं आ सकीं, लेकिन उनके ड्राइवर की पत्नी का ऑपरेशन हुआ है, इसलिए वे
अस्पताल में निगरानी रख रही हैं। वैसे भी, उन्होंने कहा था कि तुम्हें उनका घर ही तुम्हारा घर है।"

"लेकिन मैंने उसे निराश कर दिया है।"

"वह एक असाध्य परोपकारी है। एक बार कॉल करने वाले एजेंट में उसकी रुचि नहीं हो सकती है, लेकिन एक अन्यायपूर्ण रूप से आरोपित कैदी उसके लिए सही है। लेकिन आंटियों के मामले में, वह कमाल की है।"

अंजलि ने अपना सिर युवा फोटोग्राफर की पतली छाती पर टिका दिया
वह उससे मिली थी - ऐसा लगता था कि कई जन्म पहले - और शर्म के मारे उसके आँसू बह निकले।

Machine Translated by Google

भाग चार

Machine Translated by Google

1

डॉलर कॉलोनी में अरबिंदो और पार्वती बनर्जी का तीन मंजिला घर - जिसका नाम इस क्षेत्र में विदेश से लौटे अधिकारियों और उद्यमियों की अधिकता के कारण रखा गया है - में बराबर आकार के चार मास्टर बेडरूम सुइट थे, जिनमें से प्रत्येक में बैठने की जगह, ड्रेसिंग रूम, अलग शॉवर के साथ स्पा बाथ और छोटा निजी पोर्च था। चार सुइट में से दो भूतल पर स्थित थे, एक में ऑरो और पार्वती रहते थे, दूसरे को ऑरो के बुजुर्ग माता-पिता की लंबी यात्राओं के लिए रहने की स्थिति में रखा गया था। पार्वती मज़ाक करना पसंद करती थीं, "हमारे साथ भूतल पर ससुराल वाले थे, या एक लिफ्ट लगाओ, और यह सस्ता उपाय था।" छह लोगों का एक कुशल रहने वाला स्टाफ घर और आस-पास के मैदानों को चलाता था।

सार्वजनिक कमरे- औपचारिक ड्राइंग रूम, डाइनिंग रूम, ऑरो के लिए एक कार्यालय, एक पूजा कक्ष और ग्रेनाइट से बना एक भव्य रसोईघर- भी मुख्य मंजिल पर थे। अन्य दो सुइट, पूरी तरह से सुसज्जित, ऊपरी मंजिल पर थे और एक दूसरे बैठक कक्ष से अलग थे। वे बनर्जी के बेटों, दिनेश, जो हार्वर्ड में सीनियर थे, और भूपेश, जो एमआईटी में जूनियर थे, और उनकी भावी पत्नियों और बच्चों के लिए थे। फिर भी दिनेश और भूपेश के कॉलेज के दोस्तों की गर्मियों की यात्राओं के लिए तीसरी मंजिल पर एक साझा बाथरूम और शॉवर स्टॉल के साथ दो छोटे कमरे बचे थे।

अंजलि को दिनेश का कमरा दे दिया गया था। क्रिकेट के बल्ले और हॉकी स्टिक दीवारों पर लगे हुए थे। एक दीवार क्रिकेट के पोस्टरों और दिनेश की बहस और टेनिस ट्रॉफियों के लिए अलमारियों के लिए समर्पित थी। वह एक अच्छा लड़का था, जो उच्च वर्ग के माता-पिता का आदर्श था। अपनी अनुपस्थिति में भी लड़का एक ऐसी ताकत लगाता था जिसे देखकर वह शर्मिंदा हो जाती थी। वह इस आदर्श घर में एक आदर्श दुल्हन वापस लाएगा, और उसके पास एक आदर्श अमेरिकी डिग्री होगी और उसे जीवन भर उच्च और उच्च उपलब्धियों की गारंटी होगी।

उसने हॉकी स्टिक उठाई। दा गामा की लड़कियों की हॉकी टीम की यादें। कितने सरल समय। चिंता थी कि कहीं वह स्टिक या बॉल न पकड़ ले और उसके चेहरे पर निशान न पड़ जाए और वह शादी के लायक न रह जाए। स्टिक पहले से कहीं ज़्यादा हल्की लग रही थी। बैगहॉट हाउस में मटन स्टू ने ज़रूर उसकी मांसपेशियां मजबूत कर दी होंगी।

Machine Translated by Google

डॉलर कॉलोनी में पहले कुछ दिन अचंभे में बीते। बनर्जी दंपत्ति उदार, शांत मेजबान थे। उन्होंने कोई मांग नहीं की। उन्होंने उसके साथ ऐसा व्यवहार किया जैसे वह मानसिक रूप से कमज़ोर बीमारी की शिकार हो। शायद वह वापस आ जाए, शायद न आए। उसने बनर्जी दंपत्ति की देखभाल में रोगी की भूमिका स्वीकार की। वह कम बोलती थी, कम खाती थी। एक बार जब उसके मुँह से शब्द निकले, तो वह पार्वती से पूछने के लिए था - पूछने से ज़्यादा माँगने के लिए - कि पार्वती ने उसे CCI से "निकाल" क्यों दिया। पार्वती ने तुरंत समझाया कि यह एक निर्णय लेने का काम था, कि संसाधनों का सबसे अच्छा आवंटन कैसे किया जाए। अंजलि में स्पष्ट रूप से अलग, अगर अनिर्दिष्ट, प्रतिभाएँ थीं। वह एक दर्पण प्रतिभा थी; अजनबी लोग उसमें खुद को देख सकते थे - बस टेलीफोन पर नहीं। प्रतिभा हो या न हो, उसके पास पैसे नहीं थे, इसलिए वह कभी परिसर से बाहर नहीं जाती थी। वह दिन में बहुत ज़्यादा घंटे सोती थी और रात में बहुत ज़्यादा घंटे जागती थी। शाम को वह चुपचाप बैठी रहती थी, परिवार या दोस्तों से बातचीत नहीं कर पाती थी, जो बिना बताए चले आते थे और आमतौर पर रात के खाने के लिए रुक जाते थे।

रबी ने उसे समुदाय के निजी पार्क की सुबह की ठंडक में अपने साथ जॉगिंग करने के लिए मनाने की कोशिश की, लेकिन हर बार वह मना कर देती थी। पार्वती और ऑरो के अपने-अपने शौक थे: पार्वती बागवानी, ऑरो ओरिगामी। ऑरो ने अंजलि को कागज़ की शीट से पक्षी और जानवर बनाना सिखाने की पेशकश की।

थेरेपी? उसने सोचा। उसने उसकी बड़ी-बड़ी अंगुलियों वाली उंगलियों को छोटे-छोटे चिड़ियों, सारसों और राजहंसों के साथ-साथ चूहों, तेंदुओं और दरियाई घोड़ों को जन्म देते हुए देखा। वह उसके पिता की उम्र का था। वह कल्पना नहीं कर सकती थी कि उसके पिता अपना समय कागज़ के चिड़ियाघर बनाने में बर्बाद कर रहे हैं। शौक, जैसे कि डाक टिकट संग्रह, युवा लड़कों के लिए थे, हस्तकला विवाह बाज़ार में युवा महिलाओं के लिए। उसके पिता को डर था - डर था - मूर्ख दिखने से।

कुछ शामों में वह पार्वती को अपने सामने के दरवाजे की दहलीज पार करने, पोर्च की सीढ़ियों पर खड़े होने और अपने बेशकीमती फ्रांगीपानी और गार्डेनिया की खुशबू में सांस लेने के लिए राजी कर लेती थी। पार्वती, एक फ्लॉपी हैट, कीचड़ से सने एप्रन और बागवानी के दस्ताने में, जोरदार तरीके से खरपतवार निकालती, रेक करती और अपने भरे हुए साम्राज्य की छंटाई करती। अंजलि ने दावा किया कि उसके पास इसमें शामिल होने के लिए कोई ऊर्जा नहीं थी। वह कह सकती थी कि ठीक होने की कोई इच्छा नहीं है, अपने वर्तमान के बारे में कोई जिज्ञासा नहीं है, भविष्य के लिए कोई लक्ष्य नहीं है। उसका कोई भविष्य नहीं था। वह भविष्य नहीं चाहती थी। अतीत नहीं हुआ था। वर्तमान रुका हुआ था। उसकी कलाई पर मोवाडो घड़ी एक गद्दार थी।

Machine Translated by Google

गिरीश गुजराल ने उनके प्रवास के पहले दो सप्ताहों के दौरान चार बार उनसे मुलाकात की, लेकिन वे एक उत्साही प्रेमी की भूमिका में नहीं, बल्कि एक मददगार बचावकर्ता की भूमिका में थे। ऑरो, पार्वती और रबी ने उनका स्वागत अपने नए पसंदीदा पारिवारिक मित्र के रूप में किया। उन्होंने ऑरो के साथ स्थानीय राजनीति पर चर्चा की, पार्वती के लिए आयातित इकेबाना फूलदान और क्लिपर के कलात्मक रूप से लिपटे उपहार लाए, रबी के लिए माली और सिएरा लियोन से संगीत की सीमित संस्करण वाली सीडी लाईं। श्री जीजी जादुई संबंधों वाले व्यक्ति थे। अंजलि के लिए उन्होंने न्यूज़वीक और टाइम की अपनी ऑफिस कॉपियाँ और वॉयस से डायनमो के सबसे हालिया कॉलम की कॉपियाँ छोड़ी।

वह हर न्यूज़वीक और टाइम को शुरू से अंत तक पढ़ती थी, जिसमें प्रकाशकों, प्रबंध संपादकों, कार्यकारी संपादकों, संपादकों, उप संपादकों, संपादकों-एट-लार्ज, स्टाफ लेखकों, रिपोर्टरों और योगदान देने वाले फोटोग्राफरों के नामों की सूची शामिल थी, लेकिन उसने कोई जानकारी नहीं ली। वह भाषा कौशल के लिए पढ़ रही थी, विषय-वस्तु के लिए नहीं। वह दुनिया की घटनाओं के प्रति उदासीन थी। उसने अपनी उदासीनता को पोषित किया। युद्ध, भाग्य, प्रतिष्ठा वहाँ जीती या खोई जाती थी। वह एक भूत थी जो विदेशी इलाके में तैर रही थी, उतनी ही भूत जितनी उसके पिता।

हालाँकि, वॉयस की क्लिपिंग अलग थी। हवा में खतरे को भांपने वाले जानवर की तरह, अंजलि ने डायनमो के नवीनतम कॉलम के शीर्षक में खतरे को सूँघा, जिसका शीर्षक था "टाइगर! टाइगर!" उसने क्लिपिंग को अपने कमरे में छिपा दिया, अपने लगभग खाली अधोवस्त्र दराज में मुँह के बल। वह उस दराज को खोलती और बंद करती रही, अपनी उँगलियों को न्यूज़प्रिंट पर तब तक चलाती रही जब तक कि वे धुंधले भूरे रंग के नहीं हो गए और उन्हें साबुन से साफ करना पड़ा। श्री जीजी जो बनर्जी से सामाजिक मुलाकात करते थे और सिंगल माल्ट पीते थे, बैंगलोर समाज के एक विनम्र स्तंभ थे; गिरीश गुजराल जो डायनमो के रूप में शहर में घूमते थे, थोड़ी सी भी हलचल को रडार पर दर्ज करने में सक्षम थे। वह एक साथ उत्साहित और चिंतित महसूस कर रही थी। क्या भूत जो पार कर गए थे, वापस पार कर सकते हैं? एक बार फिर, उसने अधोवस्त्र दराज को खोला। उसने उन ब्रा और पैंटी के नीचे टटोला जो पार्वती ने उसके आने के अगले दिन सुबह सोच-समझकर उसके लिए खरीदी थी। वह सोच-समझकर किया गया काम कृतघ्न महसूस करने और पार्वती से नाराज़ होने का एक और कारण था। उसकी उँगलियाँ खुरदरी, सस्ती न्यूज़प्रिंट को खुरच रही थीं। नहीं, वह तैयार नहीं थी।

Machine Translated by Google

एक दिन सुबह साढ़े छह बजे , दो नौकरानियों में से छोटी नौकरानी के बजाय, रबी ने अंजलि के शयन कक्ष का दरवाजा खटखटाया और टोस्ट तथा चाय की ट्रे अंदर ले आई।

"कुछ गड़बड़ है?" उसने चौंक कर पूछा।

उन्होंने कहा, "अब समय आ गया है।"

रबी ने ट्रे को बिस्तर पर रख दिया। वह उसके पैरों के पास रजाई पर कमल की मुद्रा में बैठ गया। "जैसा कि तुम देख सकती हो, स्वास्थ्य से भरपूर। तुम्हें जॉगिंग का प्रयास करना चाहिए, एंजी।" उसने उसके और अपने लिए चाय बनाई, प्रत्येक कप में चीनी की दो गांठें और एक घड़े से गर्म दूध डाला। "तुम्हें कुछ न कुछ करके देखना चाहिए। कुछ भी।"

"मैं एंजी नहीं हूँ," उसने बुदबुदाते हुए कहा, आधी बैठी हुई मुद्रा में। "मुझे लगता है कि मैं कभी एंजी नहीं थी।" मुझे मेरा नाम बताओ। मुझसे कुछ मत पूछो, मुझसे कुछ मत पूछो।

"खैर, एंजी बैंगलोर जाना चाहती थी। मैंने तुमसे कहा था कि अगर तुम सचमुच चाहती हो तो तुम यहाँ आ जाओगी। और अब तुम बैंगलोर में हो।"

अगले दरवाजे का पड़ोसी अपने स्टोव के ऊपर सुबह का भजन गा रहा था
आवाज़. "गलतियाँ तो होती हैं," अंजलि ने बुदबुदाते हुए कहा, "लेकिन माफ़ी नहीं मिलती." उसने अपना सिर तकिये के नीचे छिपा लिया.

"कम से कम मिस्टर श्रीनिवासन की आवाज़ तो अच्छी है। नहीं तो मैं उन्हें फ़ार्का टूरे का एक धमाका भेज देता।" उसने उसके कूल्हे को हिलाया, जो एक कंबल से ढका हुआ था।
"अरे, एंजी, मुझे तकिये से बात करना पसंद नहीं है।"

"क्या आपकी आंटी को इस बात की चिंता है कि मैं परिवार से और कितना पैसा ठगता रहूंगा?"

"मैंने तुमसे कहा था, उसके पास धैर्य है। वह समझ सकती है कि तुम किस दौर से गुज़रे हो। वह जानती है कि तुम्हारे पास कुछ समस्याएँ हैं - दमन, वह उन्हें बुलाती है - और मेरी चाची और चाचा मदद करना चाहते हैं। इतना ही नहीं, वे मदद करने में सक्षम हैं ।" वह बिस्तर से उछल पड़ा। "वास्तव में, मैं तुम्हारे कमरे में साझा करने आया था, बेदखल करने नहीं।"

Machine Translated by Google

"मैं पहले ही मर चुकी हूँ। अब मेरा कोई नाम भी नहीं है।" वह महसूस कर सकती थी
उसका हाथ उसके कूल्हे पर, कवर के ऊपर था।

"वास्तव में, आप करते हैं। यही मैं साझा करने आया हूँ। वह शॉट याद है जो मैंने लिया था
आइसक्रीम स्टोर में आपकी तस्वीर कब ली गई थी? यह गैलरी सनसनी बन गई है। 'मोफुसिल्स की मोना लिसा।' यह आप हैं।
आपने इस फोटोग्राफर को मशहूर बना दिया है।"

उसने अपनी गर्म पलकों पर ठंडी उँगलियों को महसूस किया। वह उस पल को चाहती थी
आखिरी तक। लेकिन रबी पूरी तरह ऊर्जा से भरे हुए थे। उनके द्वारा "मोना लिसा ऑफ द मोफस्सिल्स फेनोमेनन" कहे जाने वाले चित्रों के बारे में कहानियाँ सामने आईं। जब मुंबई में एक नई गैलरी में उनके भारतीय चित्रों का पहला सेट प्रदर्शित किया गया, तो सबसे अधिक प्रशंसा "स्मॉल-टाउन गर्ल" को मिली। समीक्षकों ने विषय के चेहरे की प्रशंसा की थी, एक चेहरा जो सुंदर और कमजोर दोनों था।

वह उदास क्यों है? या वह खुश है? समीक्षकों में से एक ने उसे 'मोना लिसा ऑफ द मोफसिल्स' नाम दिया था, और यह टैग चिपक गया था। कोलकाता के एक अखबार के कला समीक्षक ने इंडो-अमेरिकन फोटोग्राफर के कदमों को बिहार में वापस ले लिया और यहां तक कि आल्प्स पैलेस के एक वेटर को टिप देकर उसे उस टेबल पर बैठा दिया जहां मोना लिसा ने पोज दिया था। भारतीय उद्यमियों के एक उभरते वर्ग ने पूरी प्रदर्शनी खरीद ली थी।

उन्होंने अपनी कहानियाँ एक विनती के साथ समाप्त कीं। "मुझ पर एक एहसान करो? मेरे साथ सोने से पहले एक बैठक में शामिल हो जाओ-
कल चाय पीने के लिए जाऊँगा? तुम्हें भागने की ज़रूरत नहीं है। हम बस पैदल चल सकते हैं। प्लीज़?"

"मेरे पास दौड़ने के लिए जूते नहीं हैं।" यह उसका अंतिम सहारा था।

उन्होंने जवाब दिया, "मुझे लगता है कि मेरा अगला काम आपको मॉल तक ले जाना है।"

Machine Translated by Google

2

उस रात देर से उसने श्री जीजी द्वारा दी गई क्लिपिंग को पढ़ने के लिए खुद को तैयार किया।

टाइगर, टाइगर
डायनमो द्वारा

वर्षों से, डायनमो को यह सौभाग्य प्राप्त है - कुछ लोग इसे चुनौती कहेंगे, और यह अनुचित नहीं होगा - कि वह मिसेज मैक्सफील्ड ट्रेवर डगलस बेजहोट को जानता है, जिन्हें उसके करीबी दोस्त प्यार से मिन्नी कहकर बुलाते हैं और विश्व भर में सम्मानपूर्वक "मैडम" कहकर पुकारा जाता है।

"मैडम" का निधन पिछले शुक्रवार को दुखद परिस्थितियों में उनके केंट टाउन स्थित घर में हो गया। पूर्ण प्रकटीकरण की भावना में, डायनेमो ने स्वीकार किया कि उन्होंने बेजहॉट संपत्ति के रखरखाव के लिए धन का योगदान दिया है, जिसमें बेजहॉट हाउस की संरचना और उसका विस्तृत परिसर शामिल है। डायनेमो ने आगे स्वीकार किया कि उन्हें वित्तीय रूप से भी लाभ हो सकता है, इस निर्विवाद तथ्य के मद्देनजर कि समूहों द्वारा छावनी-युग के खंडहरों का आकर्षक रूपांतरण मानक बन गया है। डायनेमो ने इस लोकप्रिय अटकल पर टिप्पणी करने से मना कर दिया कि जीर्ण-शीर्ण-मरम्मत से परे एकल-परिवार के आवासों के ऐसे अधिकांश आकर्षक रूपांतरणों को अंडरवर्ल्ड कनेक्शन वाले चुनिंदा समूहों द्वारा अजेय गति दी जाती है।

जैसा कि कहा जाता है, समय बदल रहा है। और फिर भी... हाँ, विवेक वाले उद्यमियों के लिए यह एक समस्या है।

अगर डायनमो की मर्जी होती, तो वह अपने दान-कार्यों को अनंत काल तक जारी रखता, बजाय इसके कि वह सभी शहरी तमाशों में से सबसे दुखद दृश्य का सामना करे: अवशेषों का बलात्कार।

Machine Translated by Google

अद्वितीय चीजों को नष्ट करना और तहस-नहस करना हम सभी को कमजोर बनाता है। और बैंग-ए-बक जैसे शहर में, जहां भड़कीली वास्तुकला आक्रामक बैक्टीरिया की तरह फैल रही है और मूल के बचे-खुचे अवशेषों का भी दम घोंट रही है, हम अपने सामूहिक अतीत के संकेत-चिह्नों को खो रहे हैं।

इस उलझन भरे और उलझन भरे युग में शहरी वास्तुकला की कीमियागिरी की काली कला में हाथ आजमाने वाले कई लोगों की तरह, डायनेमो ने भी लंबे समय से मैडम के बेजहॉट हाउस पर अपनी नज़रें गड़ा रखी हैं। (डायनेमो अपने पाठकों को यह स्पष्ट करने में जल्दबाजी करता है कि मैडम के घर में उसकी दिलचस्पी, उन आकर्षक महिला-लॉजर्स की पीढ़ियों के प्रति लोकप्रिय कामुक आकर्षण से रहित है, जो लोहे से बने फ्रिगेट हैं जिन्हें लोकप्रिय भाषा में बेजहॉट गर्ल्स के रूप में जाना जाता है।) यह घर और उसके मैदान की अकादमिक पूर्णता है जिसने डायनेमो की स्नेहपूर्ण प्रशंसा को योग्य बनाया है (यह प्रशंसा श्री पीटर चैंपियन की क्लासिक इंडियन आर्किटेक्चर: पब्लिक एंड प्राइवेट को एक प्रभावशाली उम्र में पढ़ने से प्रेरित है)।

डायनमो का यह कहना निर्विवाद है कि उस समय मैडम की अचानक-परन्तु असामयिक मृत्यु के बाद, बैजहॉट ट्रस्ट के बोर्ड सदस्य, जिनमें से प्रत्येक एक बहुत बड़े वीआईपी (नहीं, उसे वीवीआईपी बना दें) हैं, तेजी से खराब हो रही संपत्ति के तत्काल भविष्य के लिए वित्तीय योजनाओं के संबंध में कटु विवाद में उलझे हुए थे।

डायनेमो के स्रोत, एक ट्रस्टी जिसने नाम न बताने का अनुरोध किया है, ने डायनेमो को बताया कि ट्रस्ट की स्थापना केवल मैडम के साथ एक कानूनी अनुबंध निष्पादित करने के उद्देश्य से की गई थी, जो दो दशकों या उससे अधिक समय से गहरी गरीबी से पीड़ित थी। उक्त अनुबंध के अनुसार ट्रस्टियों के बोर्ड ने मैडम से संपत्ति का विलेख इस बदले में हासिल किया कि उन्हें (1) मुख्य आवासीय संरचना पर मुफ्त में कब्जा करने की अनुमति दी जाए, और (2) सम्मानित प्रवासी कामकाजी महिलाओं से एकत्र किए गए किराए का 100 प्रतिशत प्राप्त करने और बनाए रखने की अनुमति दी जाए। अतिरिक्त प्रोत्साहन के रूप में उन्होंने

Machine Translated by Google

मासिक रूप से खाद्यान्न और शराब के उपहार की डिलीवरी की गारंटी दी- मैडम ब्रांडी की पक्षधर थीं। विलेख के हस्तांतरण के समय, ट्रस्टियों ने, एक्चुरियल तालिकाओं को लागू करते हुए, मैडम पर भरोसा किया था कि वे कुछ ही महीनों में, यदि सप्ताह नहीं, तो "मर जाएँगी", और सर्वसम्मति से वोट से लंबे समय से उपेक्षित संपत्ति के आकर्षक वाणिज्यिक विकास की खोज करने के लिए एक समिति को नामित किया था। शक्तिशाली ब्रांडी के औषधीय लाभों या आसमान में बड़े कठपुतली के विडंबनापूर्ण तार-खींचने के लिए, और ट्रस्टियों के बहुत अधिक आक्रोश के कारण, मैडम ने एक्चुअरी को धोखा दिया। मैडम की जिद्दी लंबी उम्र का परिणाम ट्रस्टियों के बीच एकमतता का नुकसान था। डायनमो के स्रोत के अनुसार, पिछले महीने बोर्ड में एक अल्पसंख्यक गुट ने प्रस्ताव दिया कि बेजहॉट संपत्ति को एक शहर या राष्ट्रीय ऐतिहासिक विरासत स्थल नामित किया जाए, इस प्रकार गैर-लाभकारी स्थिति और संरक्षण और बहाली के लिए धन के लिए अर्हता प्राप्त हो।

मैडम ने खुद स्वीकार किया कि वह 82 साल की थीं। इसलिए मैडम का निधन असामयिक नहीं था, लेकिन, और यही वह लेकिन है जो डायनमो को परेशान करता है: पिछले शुक्रवार को उनकी मृत्यु क्यों हुई? उनकी मृत्यु किस कारण से हुई? इससे किसको लाभ हुआ?

अगर उपस्थित चिकित्सक की बात पर विश्वास किया जाए, तो मैडम का "बड़ा दिल" जवाब दे गया। डायनेमो ने चिकित्सक को जोरदार "पपीकॉक!" कहकर जवाब दिया। मैडम को अपच (गैस्ट्रोनॉमिकल और टेम्पररी दोनों) से पीड़ित माना जाता है, लेकिन डिकी टिकर से नहीं। डायनेमो ने उन कारकों की जांच की मांग की है, जिन्होंने दिल की विफलता को प्रेरित करने वाले सदमे को प्रेरित किया। सूत्रों ने संकेत दिया है

(1) मैडम का एकमात्र नौकर ट्रस्टी के वेतन पर था और उसने अपने नियोक्ता के असुविधाजनक रूप से मजबूत दिल को घातक आघात पहुंचाने में मदद की; या

Machine Translated by Google

(2) कि उसी नौकर पर गलती से हमला हुआ
मैडम के निर्जीव शरीर को देखकर उसने अपने शक्तिशाली भुगतानकर्ता
को सचेत किया, जिसने अपने गुर्गों को बैंग-ए-बक के निम्न वर्ग द्वारा स्वतःस्फूर्त दंगे
की आड़ में संरचना को नष्ट करने और सामग्री चुराने का निर्देश दिया।

मैडम की मौत एक दुखद तथ्य है। लेकिन असली दुखद पीड़ित
धनिक वर्ग के लालच की इस घटना का मुख्य कारण मैडम की युवा महिला किरायेदार है,
जो नौकरी की तलाश में आई एक निर्दोष प्रवासी है, जिसे गलती से लंदन स्थित एक
आतंकवादी साजिश में फंसा दिया गया था - पुलिस की भाषा में उसे "फंसाया गया"
था - और क्रूरतापूर्वक प्रताड़ित और अपमानित किया गया था, जिससे उसकी
आत्मा पर हमेशा के लिए दाग लग गया।
वह युवती बैंग-ए-बक में अपनी क्षमता को खोजने, उसे पूरा करने और उससे आगे
निकलने के लिए आई थी; इसके बजाय वह लालच की वजह से क्षतिग्रस्त हो
गई। क्या "भयंकर समरूपता", जिसके बारे में कवि विलियम ब्लेक ने हमें दो सौ
साल पहले सचेत किया था, के लिए इतनी कीमत चुकाने की ज़रूरत थी?

डायनमो का संदेह बस यही है: संदेह। मैडम की इच्छा के अनुसार, जिसे
उन्होंने बैजहोट ट्रस्ट को लिखित रूप में व्यक्त किया था, उन्हें बैजहोट के मैदान में
दफनाया जाना था।
कोई भी विश्राम स्थल स्थायी नहीं होता। डेवलपर्स के कर्मचारी उसकी हड्डियों को कुचल
देंगे या उन्हें नंगा कर देंगे। लेकिन अगर मैडम के लिए कोई स्मारक बनना है, तो
यह होना चाहिए: बेजहॉट हाउस ने अपने भूतों को समर्पित कर दिया ताकि एक
युवा महिला हमारी संपत्ति तिकड़ी की शक्ति को तोड़ सके। पिछले कॉलम में,
मैंने ऐसी महिलाओं को "नई मिस इंडिया" कहा था।

वे हमारे देश को बदल देंगे। डायनेमो टाइगर-लैम्ब की नई प्रजाति से उत्साहित है। अगर
इस अनुभव से कोई जीत हासिल की जा सकती है, तो वह यह है कि इस बार समरूपता
की कीमत प्राचीन ईंटों और मोर्टार द्वारा वहन की गई है, न कि मांस और रक्त द्वारा।

अंजलि ने डायनमो के कॉलम को इस बार प्रेम पत्र की तरह पढ़ा। उसने मिस्टर जीजी की बहादुरी को उदासीनता समझ लिया था। उन्होंने अपनी इच्छा नहीं खोई थी।

Machine Translated by Google

उसने उसे एक खिलौने से भक्ति के योग्य एक आदर्श में बदल दिया था।
वह बार-बार उसका "टाइगर! टाइगर!" पढ़ती रही।

हर बार पढ़ने के बाद, खासकर अंतिम पैराग्राफ़ के साथ, उसे स्पष्टता मिलती गई। डायनेमो उसके द्वारा "जलती हुई" थी। उसने जीवित लोगों की कॉलोनी में वापस जाने का संकल्प लिया। पुलिस थाने में उस भयावह शाम में, रबी ने पीटर चैंपियन नेटवर्क के बारे में मज़ाक किया था। तितली प्रभाव। वह कितनी भाग्यशाली थी कि उसे पार्वती, ऑरो और रबी जैसे अस्थायी परिवार मिले!

श्री जीजी का नियमित रूप से आना सौभाग्य की बात है। उसे यकीन नहीं था कि डायनेमो का "टाइगर-लैम्ब की नई प्रजाति" से क्या मतलब था या उसने टाइगर की गलत वर्तनी क्यों लिखी, लेकिन वह उससे "जल गया"। उस शब्द ने उसे शर्मसार कर दिया। वह सेक्सी और थोड़ी खतरनाक महसूस कर रही थी। क्लिपिंग के ऊपरी बाएँ कोने पर उसने रॉयल बंगाल टाइगर का एक स्याही वाला स्केच बनाया। इस पर हस्ताक्षर की ज़रूरत थी। मोना लिसा, लेकिन मुफ़स्सिल्स की नहीं। डॉलर कॉलोनी की मोना लिसा। श्री जीजी, दूसरा मौका? कृपया?

Machine Translated by Google

3

अगले कुछ दिनों तक सुबह के समय केवल निवासियों के लिए बने पार्क में टहलते हुए और बगीचे में चाय, फल और दही के नाश्ते के बाद, रबी ने अंजलि को अपनी माँ तारा चटर्जी और उनकी बहनों पार्वती-आंटी और सबसे बड़ी, न्यूयॉर्क में रहने वाली गदबद पद्मा के बारे में किस्से सुनाए। उनकी माँ ("थोड़ी-बहुत बेढंगी, तुम्हें वह पसंद आएंगी") सबसे छोटी थीं; पार्वती-आंटी "ज़िम्मेदार बीच वाली बहन थीं, और सबसे बड़ी बहन के बारे में तो बात ही मत करो।"

लेकिन उन्होंने दो घरेलू कुत्तों से शुरुआत की, मादा अहिल्या और उसका दयनीय रूप से मोहित साथी, मल्हार, जिसे सड़क से उठाया गया था: पराया पिल्ले, घर के अंदर पले-बढ़े, बड़े, मजबूत और बहुत ही क्षेत्रीय, बहुत ही भयंकर दिखने वाले, लेकिन कभी भी सहज नहीं, कभी भी सहज नहीं। कभी नहीं जानते कि वे कहाँ के हैं। उन्होंने उन्हें कुत्ते कहा, वास्तव में कुत्ते नहीं। भारत के प्रचुर मात्रा में कुत्तों से एक सच्चे कुत्ते को पैदा करने में कई पीढ़ियाँ लग जाएँगी। "मेरी आंटी ऐसी ही महिला हैं," उन्होंने कहा। "वह अपने दिल की सुनती हैं। उनका मानना है कि प्यार ही हर चीज़ का जवाब है।" वह मुझे यह क्यों बता रहे हैं? अंजलि के लिए, उसकी स्थिति और एक सड़क के कुत्ते के बीच समानता बिल्कुल स्पष्ट थी।

और फिर उन्होंने डॉलर कॉलोनी के बारे में अपनी राय दी, जहां ऑरो-अंकल ने एक बहुराष्ट्रीय कंपनी की मुंबई शाखा से सेवानिवृत्त होने के बाद एक स्टार्टअप के सीएफओ के रूप में बसना चुना था। "वे हांगकांग, बोस्टन, लॉस एंजिल्स, मुंबई में रहे, और उन्होंने अपने सपनों का घर बनाने के लिए बैंगलोर को चुना!

यह बैंगलोर के बारे में क्या कहता है? यह उनके बारे में क्या कहता है ?"

"एकमात्र स्थान जो मैं जानता हूँ, या शायद मुझे लगता है कि मैं जानता हूँ, वे हैं गौरीपुर और रॉक सिटी, इलिनोइस।"

"यह कोई बहुत ऊंचा मानक नहीं है, एंजी।" रबी ने एक छोटा, फिसलनदार काला पपीता का बीज निकाला, जो नौकरानी से फलों की थाली तैयार करते समय छूट गया था।

"क्या मैं तुम्हें रॉक सिटी के बारे में बताऊं?"

Machine Translated by Google

"कृपया, मुझे रॉक सिटी के रहस्यों से दूर रखें। मैंने CCI प्रशिक्षण पढ़ा है
मैनुअल: एक छोटे से शहर के बारे में जानें और आप पूरे देश के बारे में जान जाएंगे। कुछ विशेष शब्दावली सीखें
और आप पूरी भाषा सीख जाएंगे। क्या रॉक सिटी ही वह सब था जिसकी आपको उम्मीद थी?" उसने बीज को उसकी
ओर फेंका।
"अंततः, जैसा कि वे कहते हैं, आपका सीसीआई से पीछे हटना सही था।"

उसने सोचा , तुम्हारे लिए यह कहना आसान है । तुम अठारह साल के सबसे अमीर हो।
दुनिया में सबसे बड़ा भारतीय। "मैं पीछे नहीं हटा। मैंने गलती की। मैं असफल रहा।"

"तुमने कोई गलती नहीं की - तुम सिर्फ बकवास बर्दाश्त नहीं कर सके।
गौरीपुर में हमारे मित्र पीटर चैम्पियन ने आपके बारे में कुछ कहा था। उन्होंने कहा था कि आपकी आत्मा के
लिए युद्ध चल रहा है, या कुछ ऐसा ही नाटकीय। और वह सही थे। आपकी आत्मा में कुछ ऐसा है जो आपको कॉल
सेंटर में बसने नहीं देगा। आपकी आत्मा में कुछ ऐसा है जो मुझे आपकी वह तस्वीर लेने के लिए प्रेरित करता है । आप
किसी बड़ी चीज के लिए बने हैं।"

उसने अपनी आँखें घुमाईं। वह मुस्कुराया। वह मुस्कुराई। उसने तीन हफ़्तों से किसी से बातचीत नहीं की थी।
"तुम्हारा गृहनगर कौन सा है?"

"एथर्टन नामक एक जगह। यह डॉलर कॉलोनी की तरह है, बस बड़ा है, और इसमें दरवाज़े हैं। लेकिन मैं एक
खानाबदोश हूँ। मैं एक देश या एक शहर या यहाँ तक कि एक घर में नहीं फँस सकता। न ही आप।"

अंजलि ने अपने नैपकिन से उसके हाथ पर वार किया। "यह भी?" नैपकिन अभी भी मनमौजी आकार में मुड़ा हुआ और
सिलवटों में बंधा हुआ था और एक गुलदस्ते की तरह चांदी के धागे से बने नैपकिन रिंग में डाला गया था। "यह सबसे शानदार, सबसे आरामदायक
घर है जिसमें मैं कभी रहा हूँ!"

वह अपने चचेरे भाई की हॉकी स्टिक और क्रिकेट पैडल को देख रहा था। "वे बेचारे दिनेश से रोड्स
स्कॉलरशिप लेने की उम्मीद करते हैं। वह एक बेहतरीन टेनिस खिलाड़ी है। जब हम बच्चे थे, तो मैं उसे 'डिमेस्ट' कहकर
बुलाता था।"

"इसमें नापसंद करने लायक क्या है?" उसने पूछा।

"यही बात है। उन्होंने कभी यह भी नहीं सोचा कि उन्हें क्या पसंद नहीं है।"

Machine Translated by Google

रबी ने अंजलि को आश्वस्त किया कि वह किसी भी तरह से पार्वती-आंटी और ऑरो-अंकल के लिए बोझ नहीं है। दो युवा "रसोई बहनों" के अलावा, एक लिव-इन चौकीदार, एक लिव-इन मल्टीटास्किंग डॉग वॉकर, एक पूर्णकालिक माली जो हमेशा एक भतीजे या बेटे को सहायक के रूप में साथ लाता था, एक ड्राइवर, और एक अंशकालिक बुजुर्ग महिला जो दिन में दो बार फर्श साफ करने, बाथरूम साफ करने और कपड़े धोने के लिए आती थी। बहनों के पास छत पर अपना एक बड़ा कमरा और एक बगल का बाथरूम था, जिसे घर के बाकी कर्मचारियों के साथ साझा किया जाता था। बहनों के कमरे में एक टीवी था, और जब कॉल पर नहीं होता, तो छोटी बहन और डॉग वॉकर/हैंडीमैन बड़ी बहन के बिस्तर पर एक साथ बैठकर शो देखना पसंद करते थे।

क्या वे पहले से ही प्रेमी थे? उसने सोचा। एक साल पहले, ऐसा सवाल उसके दिमाग में नहीं आया होगा। अकल्पनीय! पार्वती और ऑरो के लिए भी यह असंभव था। लेकिन वह शरीर की भाषा पढ़ सकती थी, वह एक लड़की की निगाहें पढ़ सकती थी।

कई बार, जब वह कपड़े सुखाने की रस्सी से अपनी ब्रा और पैंटी उठाती थी
छत पर, अंजलि को बहनों के कमरे में टीवी की आवाज सुनाई दी और वह संकरी खाट पर हंसते हुए जोड़े से ईर्ष्या करने लगी, जो इतने पास-पास बैठे थे कि उनकी जांघें आपस में छू रही थीं।
पार्वती की शिष्टाचार की अघोषित अपेक्षाओं के अनुसार अविवाहित रसोई की बहनों को एक पुरुष के साथ टीवी देखते समय अपना दरवाज़ा खुला रखना चाहिए। मानो, अंजलि ने सोचा। बहनों के माता-पिता ने उनकी देखभाल और शुद्धता पार्वती को सौंपी थी, जबकि वे उपयुक्त दामाद की तलाश कर रहे थे। उसने सोचा कि मेरे माता-पिता ने भी ऐसा ही किया था । अंजलि ने लड़की के साथ पहचान बदलने के बारे में कल्पना की, जो अपनी नौकरी के लाभों से बहुत खुश थी:
एक कमरा जिससे उसे निकाला नहीं जाएगा, घर में एक प्रेमी, और एक बहन जिसके साथ वह अपने रहस्य साझा कर सके। बहनों के पास नौकरी थी । उन्होंने छत पर अपना कमरा कमाया था। अंजलि एक मुफ़्तखोर थी।

रबी उसका एकमात्र विश्वासपात्र था, लेकिन वह और वह अलग-अलग ग्रहों से डॉलर कॉलोनी आए थे। वह डॉलर कॉलोनी में बड़े-बड़े घरों को देखकर उपहास कर सकता था, लेकिन वह उन्हें अपने दम पर बने पुरुषों के महाकाव्य संघर्ष के स्मारकों के रूप में सराह सकती थी। ऑरो, वह कॉकटेल-ऑवर की बातचीत से जानती थी, अपने कोलकाता के बचपन के किराए के अपार्टमेंट से कड़ी मेहनत करके यहाँ तक पहुँचा था। उसका

Machine Translated by Google

जिज्ञासा जागृत हो रही थी। उसने ऑरो से यह पूछने का निश्चय किया कि उसने डॉलर कॉलोनी को स्थायी निवास के रूप में क्यों चुना है।

"क्या तुम सच में जानना चाहते हो?" उसने अपने लिए रात में दो बार जॉनी वॉकर ब्लूज़ ऑन द रॉक्स में से पहला गिलास भर लिया। ऐसा कम ही होता था कि घर पर सिर्फ़ ऑरो, पार्वती और अंजलि ही खाना खा रहे हों। रबी एक ट्रैवल मैगज़ीन के लिए फ़ोटो शूट पर गई हुई थी। "किचन सिस्टर्स" में से बड़ी बहन सलाद प्लेट के आकार के पुराने ज़माने के पोर्टेबल डिस्क प्लेयर पर संगीत सुन रही थी; छोटी बहन और डॉग वॉकर टीवी देख रहे थे; चौकीदार ड्राइववे के ऊपर अपने लकड़ी के खोखे में ड्यूटी पर था। दोनों कुत्ते पार्वती के पैरों पर भेड़ की हड्डियाँ कुतर रहे थे। "मेरे निजी कारण? किसी ने मुझसे कभी यह नहीं पूछा।" ऑरो चौंका और खुश भी। "तुम्हें लंबा जवाब चाहिए या छोटा?"

पार्वती ने मोटी किताब से नज़रें हटाईं और मुस्कुराते हुए कहा, "क्या होगा अगर मैं एक मध्यम-लंबा उत्तर लिखूं जो डिनर परोसे जाने से पहले ही अपनी बात कह दे?"

उन्होंने मटन कीमा समोसे की थाली से खुद को राहत पहुंचाई। "क्या पार्वती ने आपको बताया कि हम यहां निर्माण करने वाले पहले लोगों में से थे, जब यह अभी भी वन भूमि थी? मुझे यकीन है कि नहीं, क्योंकि वह बॉम्बे से बाहर जाने के सख्त खिलाफ थी।"

पार्वती ने एक मोटी अमेरिकी किताब में अपनी जगह बनाए रखने के लिए एक नक्काशीदार हाथीदांत बुकमार्क रखा, जिसे द इको मेकर नाम से पुरस्कार विजेता माना जाता है, जिसे तारा ने कैलिफोर्निया से भेजा था। हर साल, उसकी लेखिका-बहन उसे अमेरिकी और ब्रिटिश पुरस्कार विजेता उपन्यास भेजती थी। अंजलि ने इसे पढ़ने की कोशिश की थी, लेकिन यह बहुत जटिल था। फिर भी, वह छह महीने पहले दो वाक्य भी नहीं समझ पाती। वह इसे कभी खोलती भी नहीं।

पार्वती ने कहा, "मुझे अभी भी बॉम्बे की याद आती है।" "हां, मुझे कंपनी की बहुत याद आती है। नेपियन सी रोड। मुझे पानी को देखना बहुत याद आता है।" वह रसोई की बड़ी बहनों को झींगा कटलेट तलना और रोटी के लिए आटा गूंथना शुरू करने का निर्देश देने के लिए कमरे से बाहर चली गई। वह खुद उबले हुए चावल बनाती थी। ऑरो ने दुनिया के कितने भी शहरों में काम किया हो, उसका स्वाद बंगाली ही रहा, जिसका मतलब था कि वह ढेर सारा खाना खा जाता था।

Machine Translated by Google

दोपहर और रात के खाने में सफेद चावल उबालते थे और जोर देते थे कि केवल उनकी पत्नी ही चावल को अच्छी तरह से पका सकती है। अंजलि ने रसोइए को सीढ़ियों से अपनी बहन को पुकारते हुए सुना और फिर पार्वती ने जोर से चिंता जताते हुए कहा, "मुझे उम्मीद है कि कोई गड़बड़ नहीं हो रही है। मैं टीवी जब्त नहीं करना चाहती।"

अंजलि ने सोचा , यह दुनिया का अंत नहीं होगा।

अंजलि को याद नहीं था कि वह ऑरो के साथ कमरे में थी या किसी और के साथ। उसने ऑरो के ओरिगेमी सिखाने के प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया था। अब जब वह उसकी एकमात्र श्रोता थी, तो उसे अपना ध्यान उस पर केंद्रित करने के लिए मजबूर होना पड़ा। वह एक चाँद जैसा चेहरा वाला आदमी था, तीखी नाक वाला, पतले होंठ वाला, छोटे-छोटे मुंडे हुए गालों वाला और ब्रश जैसी मूंछें जो उसके नथुने में घुसी हुई थीं। उसे उसकी अजीबता का पता नहीं चला। खुद को एक दूसरा जॉनी वॉकर ब्लू पिलाते हुए, उसने डॉलर कॉलोनी के इतिहास के अपने अग्रणी संस्करण में प्रवेश किया।

"जब मैंने इसे खरीदा था, तब यह ब्लॉक ज़्यादातर बिना बिके हुए था। कोने वाले हिस्से में लाल टाइल वाली छत वाला एक भूमध्यसागरीय शैली का बंगला था, जो अब बहुत पहले ही खत्म हो चुका है, और उसके सामने एक आधी-अधूरी कैलिफोर्निया शैली की हवेली थी।
पार्वती ने एक नज़र डाली और कहा, 'ईश, यह देखो, हमने सैन डिएगो क्यों छोड़ा?' ज़मीन अभी भी सस्ती और उपलब्ध थी। मैं अपनी प्यारी भट्टाचार्जी बहनों को दोषी ठहराती हूँ: वे बहुत घमंडी हैं। पार्वती और रबी की माँ ने मेरे साथ मिलकर काम किया। अगर मैं होशियार होती, तो मैं दोनों तरफ़ से दो या तीन लॉट हड़प लेती। अब मुझे सिटीबैंक श्रीनिवासन की रात भर की खर्राटों और सुबह के रागों को अपने बाईं ओर और हेवलेट-पैकार्ड गुप्ता की तबला-थंपिंग को अपने दाईं ओर सहना पड़ता है।"

जब ऑरो पहली बार बैंगलोर के आइडियल रिटायरमेंट पैराडाइज डेवलपमेंट कॉरपोरेशन के संपर्क में आए, तो यह 1980 के दशक की शुरुआत थी, और वह अपनी बहुराष्ट्रीय कंपनी के हांगकांग कार्यालय में काम कर रहे थे। आईआरपीडीसी ब्रोशर में जल्द ही बनने वाले आवासीय परिसर को डॉलर कॉलोनी के रूप में सूचीबद्ध नहीं किया गया था, लेकिन इस परिसर को अनिवासी भारतीयों, एनआरआई, विदेशों में रहने वाले भारतीय नागरिकों को हार्ड-करेंसी धन इकट्ठा करने के लिए पेश किया गया था। ऑरो ने अनुमान लगाया कि डॉलर कॉलोनी, जो नाम अटक गया, कैबियों और ऑटो-रिक्शा चालकों का प्रतिभाशाली संक्षिप्त नाम था।

Machine Translated by Google

निवेशकों की उनकी पीढ़ी पुरानी यादों को ताजा करने वाले प्रवासियों से बनी थी।
रिटायरमेंट के लिए बहुत दूर-दूर तक योजना बनाना। वे जानते थे कि अमेरिका, या मातृभूमि के अलावा कहीं और, एक
बुजुर्ग भारतीय के लिए कोई जगह नहीं थी। वे समान विचारधारा वाले महानगरीय लोगों के लिए काल्पनिक रिटायरमेंट महलों के एक
एन्क्लेव का सपना देखते थे। उनके घर और उनका पड़ोस पश्चिम की सबसे अच्छी चीज़ों को दर्शाता था जहाँ वे अमीर हुए थे
और देश की सबसे रोमांटिक चीज़ों को दर्शाता था जिसे उन्होंने महत्वाकांक्षी युवा पुरुषों के रूप में छोड़ दिया था। वे ब्रिटेन या कनाडा
या अमेरिका में अपने घर से ज़्यादा भव्य महलों की मांग करते थे।

और उन्होंने खुद को उन सभी सुख-सुविधाओं से पुरस्कृत किया, जो उन्हें बड़े होने के दौरान नहीं मिल पाई थीं: कंट्री क्लब, जॉगिंग
पथ वाले केवल निवासियों के लिए पार्क, टेनिस कोर्ट, फिटनेस सेंटर और स्पा। उच्च-स्तरीय आर्किटेक्ट और ठेकेदारों ने ईंट, ग्रेनाइट,
संगमरमर, स्टील और प्लेट ग्लास में अपनी कल्पनाओं को खुशी-खुशी साकार किया।

"पार्वती ने संतुष्ट होने से पहले ही दो आर्किटेक्ट को नौकरी से निकाल दिया! भट्टाचार्जी बहनें जानती हैं कि
उन्हें क्या चाहिए, और जब तक उन्हें वह नहीं मिल जाता, वे हार नहीं मानतीं। सीसीआई छात्रों को कौन-सा अमेरिकी मुहावरा पढ़ाता है?
स्टील मैगनोलिया?
खैर, पार्वती और रबी की माँ टाइटेनियम कमल हैं!"

पार्वती वापस लौटी, उसके हाथ में कटी हुई मेथी के पत्तों और कसा हुआ नारियल की छोटी-छोटी गोलियां थीं, जिन्हें उसने
अभी-अभी तला था। "खुद को भाग्यशाली समझो, ऑरो। अपने टाइटेनियम कमल के बिना तुम एक सफेद हाथी के साथ फंस गए
होते। क्या तुमने अंजलि को बताया कि कैसे एनआरआई प्रत्यावर्तित लोग युवा होते जा रहे हैं, और डॉलर कॉलोनी नए समुदायों की तुलना
में अधिक से अधिक नीरस लग रही है?"

"बुनियादी ढांचे," ऑरो ने मेथी के दो टुकड़े खाने से पहले घोषणा की
गेंदें मुँह में डाल लेता हूँ। "यही तो चलन है। बुनियादी ढाँचा।"

उसकी मूंछों पर चिकनाई चमक रही थी। पार्वती ने उस चिकनाई को सनी के कपड़े से पोंछा।
कॉकटेल नैपकिन। "ओह प्रिय, मैं आपकी कोलेस्ट्रॉल की समस्या में आपकी मदद नहीं कर रहा हूँ, है ना?"

"हमारे पास बंगलौर में दुनिया के सबसे अच्छे डॉक्टर हैं, तो चिंता क्यों?
अमेरिकी अस्पताल हमारे लिए निदान का आउटसोर्सिंग कर रहे हैं, और मेरे पास तत्काल

Machine Translated by Google

मेयो क्लिनिक तक पहुँच। आज का आनंद लें, कल समाधान करें। वैसे भी, ये रिपेट अपने गेटेड ईडन में बिल्कुल नए ईस्ट-वेस्ट फलों का क्रॉस-ब्रीडिंग कर रहे हैं।"

पार्वती याद करती हैं, "दिनेश और भूपेश को हम बूढ़ों को पहाड़ों में ब्रिटिश बोर्डिंग स्कूलों में भेजना पड़ता था।" "अब नई कॉलोनियों में लोग अपने निजी स्कूल खोल रहे हैं। योग सीखें, संस्कृत में वेदों का पाठ करें और SAT में सफल होने की तैयारी करें। उनके पास यह सब है।"

"जैसा कि मैंने कहा, बुनियादी ढांचा। चिकित्सा, आर्थिक, शैक्षिक, संचार। मैं और भी बातें बता सकता हूँ।"

ईमानदारी से कहूँ तो अंजलि को एक भी शब्द समझ नहीं आया, भले ही उसने इसकी सराहना की हो
चर्चा में शामिल किया जा रहा है।

डॉलर कॉलोनी भले ही सबसे अच्छे पते से खिसककर सिर्फ़ एक खास जगह बन गई हो, लेकिन अंजलि को अभी भी छोटी-छोटी सुख-सुविधाएँ ही आकर्षित करती थीं, जैसे कि बनर्जी के किचन में इंस्टामैटिक हॉट वॉटर नल। बनर्जी के घर की सुख-सुविधाओं से भी ज़्यादा - और क्या यह इस बात का संकेत था कि वह अपने अवसाद से बाहर आ रही थी? - ऑरो की बात सुनते हुए वह बनर्जी परिवार की चाहत रखती थी। उसे ऑरो और पार्वती को माता-पिता और रबी को चचेरी बहन के रूप में क्यों नहीं दिया जा सकता था? अगर...

Machine Translated by Google

4

रबी पवित्र कावेरी नदी पर भीमेश्वरी में अपने फोटो शूट से वापस आया, महाशीर मछली पकड़ने के बारे में उत्साहित था। वह भैंस की खाल से बने गोल कोराकल में पानी को छानने की कहानियों और डिजिटल तस्वीरों से भरा हुआ था, और मछली पकड़ने के शिविर में अपनी दूसरी-आखिरी रात को, एक दस पाउंड की मछली को पकड़ते हुए ("ठीक है, स्थानीय गाइड ने मदद की," उसने स्वीकार किया)। उसने अपने छोटे चांदी के डिजिटल कैमरे से शॉट्स को स्क्रॉल किया। हर नोट एक सिम्फनी है, अंजलि ने सोचा। क्या गौरीपुर की सबसे खूबसूरत महिला अभी भी अंदर है? शाकी के स्टूडियो से मेरी तस्वीरों के बारे में क्या?

अंजलि ने कभी भी अपने बगीचे में पेड़ों और फूलों के नाम जानने की जहमत नहीं उठाई थी। गौरीपुर की सड़क पर और कभी किसी ऐसे व्यक्ति से नहीं मिला जो मजे के लिए मछली पकड़ता हो। उसके पिता कभी भी खेल मछली पकड़ने जैसी खतरनाक चीज पर अच्छा पैसा बर्बाद नहीं करेंगे। वह तैरना नहीं जानता था, और वह कल्पना भी नहीं कर सकती थी कि वह नाव चला रहा है या बहते पानी में खड़ा है। उसे यकीन नहीं था कि रबी की भीमेश्वरी यात्रा से पहले, उसने कभी सोचा था कि पौराणिक महासीर वास्तव में मौजूद है। वह महासीर एक लड़ाकू कार्प थी, एक विशाल और शानदार नदी-निवासी जिसके चमकीले सुनहरे किनारे, लाल-सुनहरे पंख और मोटे होंठ थे जिन पर बारबेल लगे थे।

पीटर ने इसे क्या नाम दिया था? कार्पे डेम। भगवान की कार्प? हिमालय के पानी में चालीस पाउंड की प्रसिद्ध सुनहरी महासीर को पकड़ना जीवन भर की चुनौती थी।

एकमात्र कार्प जिसे वह जानती थी, और बहुत अच्छी तरह से जानती थी, वह मामूली आकार की थी और अखबार में लिपटी हुई थी। उसके पिता उसे रविवार की सुबह मछली की दुकानों पर घसीट कर ले जाते थे, और जब वह अपने रूमाल से मछली की बदबू को छिपाती थी, तो वह मछली विक्रेता से कीमत पर मोल-तोल करने से पहले किसी विशेष नमूने की गलफड़ों में झाँककर ताज़गी की जाँच करता था। हिल्सा के मौसम को छोड़कर, सप्ताह में सात रातें कार्प की करी और बहुत खास अवसरों पर भिक्ती फ्राई। बोस, ब्लॉक के हर दूसरे बंगाली की तरह, मछली और चावल खाने के पक्के शौकीन थे। वे अपनी मछलियाँ बदबूदार बाज़ार से खरीदते थे; वे उन्हें प्रकृति की गोद में नहीं पकड़ते थे। उसने कभी कार्प को रोमांस से नहीं जोड़ा था। रबी के उत्साह ने उसे इतना प्रभावित किया कि उसने यह भी पूछा कि उसने चारा के लिए क्या इस्तेमाल किया है। "मक्खियाँ!" उसने कहा, जिसने प्रभाव को बिगाड़ दिया।

रबी जैसे लोग कितने भाग्यशाली हैं, जो खुद को पूरी तरह से समर्पित कर सकते हैं

Machine Translated by Google

अगर वह CCI परीक्षा पास कर लेती और उसे नौकरी मिल जाती, तो भी वह सिर्फ़ एक नौकरी होती, कोई बुलावा नहीं।

"अरे, तुम्हें बेहतर महसूस हो रहा होगा! बहुत बेहतर, अंजलि!" उसने कुछ नहीं कहा।
उसके सवालों का मज़ाक या मक्खियों और कीड़ों की बात सुनकर उसका खट्टा चेहरा। "ताजे पानी के केकड़े और
पके हुए बाजरे के पकौड़े भी काम करते हैं।"

वे सुबह-सुबह पार्वती के बेशकीमती बगीचे में थे, रबी ने तिपाई लगाई और अपने निकॉन को फलों और फूलों के दिखावटी, चिपचिपे सिरों पर केंद्रित किया; वह एक स्ट्रॉ से ताज़ा तरबूज़ का रस पी रही थी। वह अपने उपकरण से मुस्कुराया। जैसे-जैसे सूरज ऊपर चढ़ता गया, उसे अपने प्रकाश मीटर पर नई रीडिंग लेनी पड़ी। यह कोई वेतन पाने वाला काम नहीं था। वह, एक बी एंड डब्ल्यू स्नोब, पार्वती-आंटी, कट्टर माली को रंगों में श्रद्धांजलि दे रहा था। मानसून के बाद के फूल, तितलियों के झुंड और कभी-कभी तोते, बुग्गी और सनबर्ड: उसके बगीचे के बारे में सब कुछ अतिरंजित और अतिशयोक्तिपूर्ण था।

डॉलर कॉलोनी में हर कोई बागवानी के मामले में प्रतिस्पर्धी था। सिटीबैंक श्रीनिवासन ने साइबेरियाई फलों के पेड़ आयात किए थे। हेवलेट-पैकार्ड गुप्ता ने एक छोटा इंडोनेशियाई जंगल लगाया था। पार्वती एक भारतीय कट्टरवादी थी: बारिश के पेड़ों और जंगल की आग की लपटों से घिरे चौड़े रास्ते, नीले और बैंगनी रंग के जैकारांडा, लाल रंग के गुल मोहर, चंपक, चमेली, गुलाब, ग्लेडियोली, एंथुरियम, जरबेरा ... सीखने के लिए कभी देर नहीं होती, खासकर अगर आप अपने शिक्षक की प्रशंसा करते हैं।

मोनेट. प्रकाश और कोण.

अंजलि ने कहा, "कम से कम मैं बैंगलोर तो पहुंच गई।" मैं इस दुख से उबरने की कोशिश कर रही हूं।
भारी सामान। अभी तक नहीं, लेकिन मैंने एक शुरुआत की है, आपकी चाची के लिए धन्यवाद।

"मुझे हमेशा से पता था कि तुम ऐसा करोगे। अगर तुम यही चाहते थे।" क्लिक! क्लिक!
रबी अपना कैमरा पुनः सेट करने के लिए झाड़ियों के पास वापस चला गया।

उसने कभी किसी लड़के के साथ इतना सहज महसूस नहीं किया था। हम दुनिया में जो सबसे ज़्यादा चाहते हैं, वो हमें क्यों नहीं मिल पाता? जब वह वापस आया, तो उसने पूछा, "जब हम गौरीपुर में मिले थे, तो क्या तुम्हें लगा था कि मैं बैंगलोर नहीं जाना चाहती?"

Machine Translated by Google

"क्या मैं संदेहपूर्ण लग रहा था? मेरा ऐसा मतलब नहीं था। आप एक रास्ता तलाश रहे थे
बाहर। पीटर ने आपको यकीन दिलाया कि बैंगलोर ही वह जगह है।" क्लिक! क्लिक! क्लिक! एक गिरगिट मखमली
घास पर सरक गया।

"मैंने जीवन में बेहतरी की चाहत छोड़ दी है। एक ऐसी नौकरी जो बुनियादी जरूरतों को पूरा कर सके, अब यही
मेरा लक्ष्य है।"

"अपने आप को कम मत आंको।" उसने अपना लेंस पक्षियों के फीडर के चारों ओर घूम रही एक आवारा बिल्ली के
बच्चे पर केंद्रित किया। "मैं उन लोगों में से एक हूँ जो सोचते हैं कि अंजलि बोस भाग्य की संतान हैं।" उसने उस टपकते हुए
तिनके को टाल दिया जो उसने उसकी ओर फेंका था।
"गंभीरता से।"

"तुम मुझे भाग्य की बातें बताकर तनाव में डालने की हिम्मत मत करना!"

"माफ़ करें। नहीं, मुझे सच में कोई खेद नहीं है। खैर, विषय बदलते हुए, क्या आपको अभी तक कोई मिला है? आप
मुझे बता सकते हैं।"

"मैं तुम्हें ईर्ष्यालु नहीं बनाना चाहता।"

"मुझे किसी से भी प्यार हो जाने पर जलन होती है। और भी ज़्यादा जलन किसी से भी होती है जो बदले में प्यार करता
है।" ऐसा लग रहा था कि वह उसे अपनी बात बताने वाला था।

"अगर आपको लगता है कि दोनों के बीच कुछ चल रहा है..."

लेकिन रबी सुन नहीं रहा था। "दरअसल मैं मुंबई में एक आदमी से मिला था- क्राइस्ट, 'ए
'मुंबई का लड़का' नोएल कावर्ड के गाने जैसा लगता है।" उसने एक शानदार टू-स्टेप किया। फिर उसकी कैनवस कुर्सी के
पास एक विकर चेज़ लॉन्ग में फिसल गया।

"अब मुझे जलन हो रही है, रबी।"

"वैसे भी, मैं इस रटगर्स सीनियर से मिला। वह अपने दादा-दादी से मिलने गया था। क्या
उन्होंने कभी यह उम्मीद नहीं की थी कि उन्हें कोई अन्य भारतीय-अमेरिकी मिलेगा जो अच्छा होगा, वह यह कि ...
हम मेरी तस्वीरों की प्रदर्शनी वाली गैलरी में मिले।"

गौरीपुर की छवियाँ उसके मन में उमड़ पड़ीं, उसकी यादों का वह उदास छोटा शहर नहीं, बल्कि वह
गौरीपुर जिसे उसने रबी के बेचैन लेंस के माध्यम से देखा था।

Machine Translated by Google

"जब आप कुछ बनाते हैं, जैसे मेरी माँ अपनी किताबों के साथ या मेरे जैसे एक मामूली फोटोग्राफर, या ऑरो-अंकल की तरह ओरिगेमी, तब भी आप किसी ऐसे व्यक्ति से मिलने का सपना देखते हैं जो आपके द्वारा लिखी या चित्रित की गई किसी चीज़, आपके द्वारा बनाई गई किसी चीज़ के लिए आपसे प्यार कर बैठे। खैर, उसे अली और पीटर और आपकी, मोना लिसा की मेरी तस्वीरों से प्यार हो गया। इस तरह मुझे पता चला कि हम गंभीर हो सकते हैं। भयानक शब्द, गंभीर, हम जो कहना चाहते हैं, वह क्यों नहीं कह सकते? गंभीर होना दुनिया की आखिरी चीज़ है रटगर्स। डम-डिडल-डी, डम-डिडल-डे, वे हमेशा स्कूल वापस जाते हैं, है न? यह कायर से ज़्यादा कोल पोर्टर है, है न?" ⋯ कोई बात नहीं। फिर उसे वापस जाना पड़ा

अंजलि उन नामों को नहीं जानती थी, लेकिन वह जानती थी कि उसे उसकी सहमति चाहिए। "ठीक है," उसने फुसफुसाते हुए कहा। चाहे उनकी बातचीत कितनी भी छोटी क्यों न हो, वह हमेशा उसे अपर्याप्त महसूस कराता; अपमानजनक रूप से अपर्याप्त नहीं, बल्कि अंतराल को भरने के लिए उत्सुक।

"इस बार मैं एक प्रकृति फोटोग्राफर हूँ, एंजी," उसने घोषणा की। नया मूड, आवाज़ का नया लहजा, नई तीव्रता, तेज़ प्रस्तुति। "मैं शनिवार से एक हफ़्ते बाद प्रकृति संरक्षण के लिए जा रहा हूँ। फिर से कावेरी पर, मैसूर के पास। बड़े मगरमच्छ, छोटे मगरमच्छ। चमगादड़, तुम्हें चमगादड़ पसंद हैं, है न? अजीब किस्म के चमगादड़ जिन्हें फ्लाइंग फॉक्स कहते हैं। टन भर कीड़े। मैं रात भर रुक रहा हूँ, शायद कुछ रातें।" उसने एक केबिन आरक्षित कर रखा था। "क्या तुम प्रकृति को आज़माना चाहते हो? तुम मेरे सहायक बन सकते हो। अरे, अगर तुम किसी को साथ लाना चाहते हो, तो तुम मुझे अपने साथ रख सकते हो।"

"तुम्हारा मतलब है, किसी ऐसे व्यक्ति को फोन करो जिसे मैं चाहूँ ⋯ मैं ऐसा नहीं कर सकता, रबी।"

"कबूतर द्वारा संदेश भेजें?"

"खैर, चूंकि यह सब काल्पनिक बातें हैं, इसलिए एक बंगाली लड़का है जिससे मुझे कोई आपत्ति नहीं होगी। आमंत्रित करना।" वह अभी भी बंगाली स्वेनगली पर क्रश पाल रही थी। टुकी डी'मेलो के कार्यालय भवन की छत पर कैफेटेरिया में हुई उस जादुई मुलाकात के बाद से उसने उसे फोन नहीं किया था। क्रश को कबूल किए बिना, उसने अपनी निर्देशिका के नवीनतम अंक के कवर पर अपनी फ़ोटोशॉप की गई तस्वीर के बारे में बताया।

"ओह, मैं आपको बता नहीं सकता कि मुझे फ़ोटोशॉप कितना पसंद है!" रबी ने हँसते हुए कहा। "यह बहुत बढ़िया है। मेरी कला में क्रांतिकारी बदलाव लाया!" फिर, षड्यंत्रपूर्वक, "हम हमेशा व्यवस्था कर सकते थे

Machine Translated by Google

उसके डूबने की खबर। मगरमच्छ अपना काम जानते हैं।"

वह झुकी और उसके कंधे पर हल्के से मुक्का मारा। वहाँ, पार्वती के बगीचे के हरे-भरे दिल में, उन्होंने अपनी कहानियाँ साझा कीं। क्या शाकी सेनगुप्ता की दुल्हन की तस्वीर कामयाब रही? हाँ, उसने स्वीकार किया, मुझे लगता है कि कामयाब रही। लेकिन एक गोल चक्कर में
रास्ता।

Machine Translated by Google

5

अंजलि के दोस्तों के लिए "हाई टी" पार्वती का विचार था। "तुम्हें अपनी उम्र के लोगों के साथ ज़्यादा समय बिताना चाहिए," उसने कहा। अंजलि को संदेह था कि रबी ने पार्टी का विचार अपनी मौसी के दिमाग में इसलिए डाला था ताकि वह अंजलि और बंगाली स्वेनगली को सम्मानजनक देखरेख में फिर से मिला सके। पार्वती ने अंजलि से मेहमानों की सूची बनाने को कहा। अंजलि टूकी डी'मेलो के अलावा किसी और युवा दोस्त का नाम नहीं बता पाई, जिसे राजू द्वारा बेजहॉट हाउस को बर्खास्त करने से पहले मिन्नी ने "छोड़ दिया" था। टूकी बनर्जी से मिलवाने के लिए सबसे उपयुक्त पूर्व-बेजहॉट गर्ल नहीं थी; फिर भी, अंजलि ने उसे उसके कार्यस्थल पर खोज निकाला। टूकी ने डॉलर कॉलोनी का निमंत्रण स्वीकार कर लिया। "वह 'गे इंडिया' फोटोग्राफर लड़का वहाँ होगा? क्या मज़ाक है! वह यूट्यूब सनसनी है! गर्लफ्रेंड, तुम अपने पैरों पर खड़ी हो गई, ठीक है। बेशक, हम जानते थे कि तुम ऐसा करोगी। मैं बस इतना कह सकता हूँ कि बेजहॉट कुतिया को यह मिलना ही था!" टुकी ने यह नहीं बताया कि "हम" से उसका क्या मतलब था। इसमें रेनाल्डो शामिल नहीं था, क्योंकि उस समय वह रिश्ता पूरी तरह से ठंडा था। "क्या मैं एक या दो दोस्त ला सकती हूँ?" अंजलि काँप उठी; वह राजू को बनर्जी के घर के अंदर नहीं चाहती थी, जहाँ वह अपना संतुलन वापस पा रही थी। लेकिन टुकी ने राजू का नाम नहीं लिया, एक बार भी नहीं। वह उन दो पार्टी-बीस्ट गर्लफ्रेंड के बारे में बात करती रही, जिनके साथ वह घूमने लगी थी।

पार्वती ने डॉलर कॉलोनी के दो परिवारों को आमंत्रित करके सूची को और बेहतर बनाने में मदद की, और रबी ने हाल ही में परिचित दो लोगों को जोड़ा: "नकली-गंदे" और "जॉक डिलेटेंट"। पार्वती ने अंजलि के लिए शब्दों का अनुवाद रबी के कला-प्रेमी गैलरी मित्रों और खेल-मछली पकड़ने वाले मित्रों के रूप में किया। उन्होंने उषा देसाई का नाम जोड़ा, साथ ही पेंसिल से लिखा नोट "श्रीमती देसाई के स्वास्थ्य पर निर्भर करता है कि पीएम" ऑरो ने गिरीश गुजराल को शामिल करने पर जोर दिया। "'हाई टी' के चाय वाले हिस्से को भूल जाओ," उन्होंने घोषणा की। "गिरीश और मैं अपने दफ़्तर में ड्रिंक के साथ बैठेंगे और राजनीति पर बात करेंगे।"

पार्वती ने झल्लाकर कहा, "छुपकर मत बैठो।" "हमारे भी अपने विचार हैं।"

Machine Translated by Google

मेहमानों ने रसोई की बहनों द्वारा पूरे दिन तैयार किए गए गर्म, ठंडे, खट्टे, मीठे, मसालेदार फिंगर फूड्स की एक के बाद एक थालियों का लुत्फ उठाया और उन्होंने बोन चाइना कपों में असम या दार्जिलिंग की चाय की चुस्की ली, लेकिन "हाई टी" से पार्वती का अंजलि के दोस्तों के नेटवर्क को बढ़ाने का लक्ष्य पूरा नहीं हुआ।

विचार यह था कि हर कोई अपने योग्य बेटों और अपने योग्य रिश्तेदारों को साथ लेकर आए।
उनमें से अंजलि को एक या दो बेटियों के साथ रिश्ता बनाना चाहिए।

दो डॉलर कॉलोनी परिवार एक कॉम्बी और दो के काफिले में पहुंचे
मारुति। घोष परिवार में पाँच सदस्य थे: कोलकाता में जन्मे माता-पिता जो पचास के दशक में थे, कैलगरी में जन्मी तीन बेटियों में से दो जो बीस की उम्र में थीं, तीसरी हाई स्कूल के अंतिम वर्ष में थी। श्रीमती खन्ना, जो हाल ही में विश्व बैंक के एक कार्यकारी की विधवा बनी थीं, अपने दो बेटों को जॉर्जटाउन से छुट्टी पर लेकर आई थीं, और बेटों के तीन अमेरिकी दोस्त भी। अंजलि को यकीन नहीं था कि पार्वती ने अपने बैगहॉट हाउस ड्रामा के बारे में डॉ. घोष और श्रीमती खन्ना को कितना बताया था।

डॉ. घोष ने हमेशा की तरह विनम्र सवाल पूछे कि वह कहाँ पली-बढ़ी है, उसके दिवंगत पिता किस कंपनी में काम करते थे, उसकी विवाहित बहन कहाँ बस गई है। एक बार अंजलि ने पूरी सच्चाई बताई और इस तरह घोष के संभावित संबंध समाप्त हो गए। घोष की बड़ी बेटियाँ, जिनके पास कैलगरी विश्वविद्यालय से सामाजिक कार्य में मास्टर डिग्री थी और जिन्होंने जोखिम में पड़े शहरी बच्चों को बचाने के लिए एक गैर-लाभकारी संगठन की स्थापना की थी, ने उन प्रवासियों के प्रति अपनी घृणा नहीं छिपाई, जो कॉल सेंटरों पर रात भर फोन का जवाब देने के अंतिम लक्ष्य के साथ बैंगलोर में घुस आए थे।

श्रीमती खन्ना ने पार्वती और डॉ. (श्रीमती) घोष को - तीनों ही समकालीन भारतीय कला के संग्रहकर्ता थे - इस बात पर दुःख व्यक्त करने के लिए एकत्रित किया कि कैसे, श्री खन्ना की मृत्यु के बाद, उन्होंने अपने द्वारा प्रशंसित चित्रकारों पर अपनी बचत को बरबाद करने की हिम्मत नहीं की।
अंजलि उनके आस-पास मंडराती रहती थी ताकि वह पार्टी से अलग-थलग न लगे और न ही उसे ऐसा लगे। वे एक पेंटिंग से दूसरी पेंटिंग पर जाते हुए पार्वती की नज़र और निवेश की समझदारी की तारीफ़ करते थे। अंजलि इन सभी हफ़्तों तक पेंटिंग के साथ रही थी लेकिन उसने कभी उन्हें ध्यान से नहीं देखा था, कभी कलाकारों के हस्ताक्षरों को नहीं देखा था। अब भी उसके लिए नामों का कोई मतलब नहीं था। अंजोली इला मेनन। अर्पिता सिंह। रिनी धूमल। उसके पुराने गौरीपुर बेडरूम में उसके दादाजी का एक ब्राउनिंग स्टूडियो पोर्ट्रेट था, जिसके चारों ओर धूल भरी चंदन की माला थी। अंजोली? यह एक ऐसी स्पेलिंग थी जिसे वह आजमाना चाहती थी।

Machine Translated by Google

"तुम बहुत नारीवादी हो, पार्वती," डॉ. (श्रीमती) घोष ने कहा। "कोई भी पुरुष कलाकार नहीं?"

"न केवल नारीवादी, बल्कि श्रीमती बनर्जी एक बंगाली अंधराष्ट्रवादी भी हैं!"
खन्ना ने जवाब दिया।

तो मेनन, सिंह, धूमल बंगाली महिलाएं थीं जिन्होंने गैर-बंगालियों से शादी की थी! अंजलि गुजराल? वह सामने के दरवाजे की ओर बढ़ी और श्रीमान का इंतजार करने लगी।
जी.जी. को दिखाने के लिए। कुत्ते को टहलाने वाला रात के लिए सामने के दरवाजे पर ड्यूटी पर था, जिसका मतलब था कि वह उथले पोर्च की सीढ़ी पर खड़ा था, मेहमानों को उनकी कारों से बाहर निकलने में मदद करता था, उन्हें गणेश की एक फुट ऊंची पीतल की मूर्ति के पास ले जाता था, जो पंखुड़ियों के एक शराबी, सुगंधित बिस्तर पर बैठी थी, भारी, अलंकृत नक्काशीदार लकड़ी के सामने के दरवाजे को खोलकर उन्हें संगमरमर के बरामदे में ले जाती थी। चूँकि दोनों घरेलू कुत्ते आगंतुकों के प्रति शत्रुतापूर्ण थे - "बेचारे, प्यारे बच्चे," पार्वती ने कहा था - उसने उन्हें रात के लिए अनुपस्थित दिनेश के सुइट में बंद कर दिया।

खन्ना पुत्र और उनके अमेरिकी मेहमान ऊपर की मंजिल पर चले गए थे।
रबी के सुइट में, जहाँ "गंदे" और "जॉक्स" रबी के अफ्रीकी और ब्राजीलियाई संगीत के संग्रह को सुन रहे थे। अंजलि उनकी उत्साहित आवाज़ें सुन सकती थी। "यार, इसे देखो!" "अरे, मेरा बड़ा भाई वेस्लेयन के उन लोगों को जानता है जिन्होंने मोदीबा लेबल शुरू किया था!" "लीजेंड्स ऑफ़ द प्रीचर? बकवास नहीं!" यह उसका पसंदीदा संगीत नहीं था। वास्तव में, पुराने हारमोनियम पर अपने कष्टदायी अभ्यासों को छोड़कर, उसका कोई पसंदीदा संगीत नहीं था। मैं गा नहीं सकती, नाच नहीं सकती, खाना नहीं बना सकती, यही मेरी आदत है। वह बरामदे में, दरवाजे के ठीक अंदर ही खड़ी रही, और जब टूकी और उसके दो दोस्तों, तीनों ने मोटरसाइकिल-हेलमेट पहने हुए, कुत्ते को टहलाने वाले के अपना काम करने से पहले अपने कंधों से दरवाजा खोला, तो वह लगभग गिर गई।

"एंजी डार्लिंग!" टुकी ने अंजलि पर चिल्लाते हुए ठोड़ी का पट्टा खोला, "तुम्हें यकीन नहीं होगा कि हम अभी क्या झेल रहे हैं!" उसने अपना हेलमेट उतारा और कुत्ते को टहलाने वाले की तरफ फेंक दिया। अंजलि ने टुकी के बदले हुए बालों को देखा - पीछे से कटे हुए, पतले बैंग्स को इंडिगो और गुलाबी रंग में रंगा हुआ - इससे पहले कि वह उसके चेहरे के एक तरफ सूजन वाले चोट के निशान को नोटिस करती।

"ईश! मुझे पता था कि वे मशीनें खतरनाक थीं! टूकी, तुम मर सकते थे!" अंजलि ने हाल ही में ऑरो से जो शब्द सुने थे, वे अचानक याद आ गए।

Machine Translated by Google

उसकी जुबान पर। "खराब बुनियादी ढांचा, यही समस्या है। हम बेजहोट युग की सड़कों और टूकी युग के यातायात में फंसे हुए हैं।"

टूकी ने अपने कंधों से चमड़े की जैकेट उतार दी। कुत्ते को टहलाने वाला उसे पकड़ने के लिए उसके पीछे ही था। "गर्लफ्रेंड, इस बिल्ली के पास अभी छह ज़िंदगियाँ बची हैं।"
उसने अपनी दो साथियों को "गर्ल पाल्स" डालिया और रोज़ी के रूप में पेश किया; कोई अंतिम नाम नहीं। उन्होंने भी अपने जैकेट से डॉग वॉकर को बोझा बना दिया। दोनों मॉडल जितनी लंबी थीं, उनके पैर सफ़ेद स्ट्रेच जींस में बंधे थे, उनकी ब्रा की लाइनें हॉल्टर टॉप के नीचे दिखाई दे रही थीं, कंधों और अग्रभागों के खुले मांस पर चोट के निशान थे। डॉग वॉकर इतना मंत्रमुग्ध था कि वह वापस सामने के दरवाजे पर ड्यूटी पर जाने के लिए तैयार नहीं था।

"तुम्हें क्या हो गया!" श्रीमती खन्ना चिल्लाईं। वह और डॉ. (श्रीमती) घोष पार्वती के कला संग्रह का दौरा करके वापस लौटी थीं और ऑरो के कार्यालय में ओरिगेमी प्रदर्शनी की ओर जाने के लिए दालान पार कर रही थीं।

पार्वती ने तुरंत कार्यभार संभाला। उसने रसोई की बहनों को आवाज लगाई कि वे एक बर्तन लेकर आएं। बर्फ के टुकड़ों से भरा कटोरा पाउडर रूम में ले गया। "क्या तुम्हें लगता है कि कोई हड्डी टूटी है? मस्तिष्काघात? हमारा ड्राइवर यहाँ है, वह आपको एक्स-रे के लिए अस्पताल ले जाएगा। बहुत सारी बाइकें, बहुत सारे हादसे। नहीं, बैठो मत। अरे, बेटा, क्या तुम्हें नींद आ रही है?" उसने कुत्ते को टहलाने वाले को ड्राइवर को सचेत करने का आदेश दिया।

"क्या तुम उसे शांत कर सकती हो?" टुकी ने अंजलि से कहा।

"आइस पैक," डॉ. (श्रीमती) घोष ने कहा। "अंजलि, उन्हें बाथरूम में ले जाओ और सूजन पर तुरंत आइस पैक लगाओ।"

बाथरूम के अंदर जाकर टूकी ने पूछा, "आप इन संकटग्रस्त लोगों के बीच कैसे रह सकते हैं?"

"श्रीमती बनर्जी का इरादा अच्छा है।"

"मैंने उसके पेंटिंग संग्रह के बारे में अच्छी बातें सुनी हैं। वह कहाँ है?"

लड़के-और-शराब टुकी, एक कला प्रेमी? "मैं तुम्हें ले जाऊँगी," उसने कहा, और कोशिश की महिला चित्रकारों के नाम याद रखने के लिए। एक अंजोली थी। डालिया ने बर्फ के टुकड़ों से भरा कटोरा सिंक में फेंक दिया। उसने किनारों का पता लगाया

Machine Translated by Google

अपनी प्यारी उँगली से उसकी बांह पर सबसे बड़ा घाव बनाया। "युद्ध पदक।"
फुटपाथ युद्ध क्षेत्र बन गए हैं।"

"अरे कट्टरपंथियों! हम बात कर रहे हैं बैंगलोर की, भगवान की आईटी राजधानी"
खातिर, कमबख्त स्वात घाटी नहीं!"

रोज़ी ने युद्ध की पुकार लगाई, "आगे आओ, बेवकूफ़ों!"

"तुम्हारा एक्सीडेंट नहीं हुआ? तुम्हें पीटा गया?"

"हाँ, लड़के जंजीरों और क्रिकेट के बल्ले लेकर बाहर आती लड़कियों की तलाश में हैं।"
सलाखों के पीछे। आप कहां खड़े हैं? आप अब नागरिक नहीं रह सकते।"

डालिया ने दरवाज़ा खोला और अपना सिर बाहर निकाला. "सब साफ़ है! यह क्या है?"
तेज़ संगीत? ऊपर क्या है? एक्शन सेंटर?" उसने अंजलि के जवाब का इंतज़ार नहीं किया।

रोज़ी और टूकी डालिया के पीछे-पीछे सीढ़ियों से रबी के कमरे में पहुँचे। अंजलि उनके पीछे खड़ी थी और वे भीड़ भरे कमरे में झाँक रहे थे। रबी की पार्टी पूरे जोश में थी। भारतीय बीयर की बड़ी-बड़ी खाली बोतलें। धीमी रोशनी और तेज़ धड़कन। अभी-अभी मिले परिचित ब्रह्मांडीय संबंध बना रहे थे। अंजलि को लगा कि वह रबी के ब्रह्मांड में एक एलियन है।

टुकी ने अपनी निराशा नहीं छिपाई। "यार, यह तो हमारे लिए नहीं है," उसने बड़बड़ाते हुए कहा और अपने साथियों को सीढ़ियों से नीचे ले गई। "जब आपको रेजीडेंसी पर पब चलाने की ज़रूरत हो, तो हमें फ़ोन करें। चियाओ!"

टुकी ने अंजलि को टुकी की "गर्ल फ्रेंड्स" में से एक बनने के लिए अयोग्य माना था। इससे एक तरह से मामला खत्म हो गया। मिन्नी मर चुकी थी, बेजहॉट गर्ल्स बिखर चुकी थी, हुसैना एक अंतरराष्ट्रीय बदमाश था, बेजहॉट हाउस बर्बाद हो चुका था, और जंगल को जैकरांडा एस्टेट्स के लिए साफ कर दिया गया था, जिसे विकास कंपनी ने "अत्यधिक संपन्न लोगों के लिए एक आत्मनिर्भर, अति-शानदार जीवनशैली परिसर" के रूप में विज्ञापित किया था। उसके बिग बैंगलोर एडवेंचर का पहला चरण खत्म हो चुका था।
आगे क्या होगा और कहां? बुरी शक्तियां एकत्रित हो गई थीं।

टुकी की सर्वनाशकारी दृष्टि और रोज़ी के युद्ध के नारे ने वैसी तत्परता नहीं जगाई, जैसी पीटर के गौरीपुर से बाहर निकलने के आह्वान ने जगाई थी। अंजलि

Machine Translated by Google

रबी के कमरे की दहलीज पर रुका हुआ था, रुकने को अनिच्छुक, जाने को अनिच्छुक। खन्ना का बड़ा बेटा, दुबला-पतला, और काली मसल शर्ट और काली जींस में दुबला-पतला दिख रहा था, उसने अपनी बीयर की बोतल से उसे हाथ हिलाया। वह वापस मुस्कुराई। वह स्कैंडिनेवियाई लोगों के एक समूह के किनारे पर था, जिनके साथ रबी ने भीमेश्वरी में मछली पकड़ी थी। खन्ना भाई, उनके अमेरिकी कॉलेज के दोस्त और स्कैंडिनेवियाई लोग उस पल में ऐसे ही लग रहे थे। अतीत ने उसे जकड़ रखा था। वह दहलीज पार कर सकती थी; वह मौज-मस्ती करने का दिखावा कर सकती थी; क्यों नहीं? बंगाली स्वेंगली और मिस्टर जीजी दोनों ने उसे छोड़ दिया था; तो क्या?

उसने अंदर जाने की हिम्मत की और अचानक गर्म, धुएँ से भरे कमरे के दूर कोने में उसे बंगाली स्वेनगली दिखाई दिया। वह शायद तब आया होगा जब वह टूकी, डालिया और रोज़ी की देखभाल कर रही थी। वहाँ वह खड़ा था, उसके गालों पर गड्ढे थे, बाल झड़ रहे थे, बॉलीवुड जैसा सुंदर, हवाईयन शर्ट पहने, उसकी पीठ दीवार से सटी हुई थी, हाथ में शराब का गिलास था, जो मृगतृष्णा में पानी की तरह चिढ़ाने वाला था। रबी उसके सामने खड़ा था, रबी का दुबला-पतला धड़ उसकी ओर झुका हुआ था, रबी की हड्डियों वाली बाहें उसे बिना छुए घेरे हुए थीं, हथेलियाँ दीवार पर सपाट थीं।

यह उनकी पहली मुलाक़ात थी, लेकिन उसने उनके बीच सिर्फ़ संगीत ही नहीं बल्कि एक रिश्ता भी देखा... भरोसा, सहजता, बेपरवाह आत्मविश्वास। और कुछ और गुण... कोमलता, हाँ, यही था।

सीढ़ियों से वह श्रीमती खन्ना और डॉक्टरों की बातें सुन सकती थी।
घोष और उनकी तीन बेटियाँ ऑरो और पार्वती को धन्यवाद और अलविदा कहते हुए कहती हैं। "श्रीमती बनर्जी, मैं आपकी दयालुता की सराहना करती हूँ,"
डॉ. (श्रीमती) घोष ने अपनी आलोचनात्मक आवाज़ में कहा, "लेकिन... आप नहीं चाहेंगे कि भूपेश और दिनेश के वापस आने पर वह आपके आस-पास रहे।" श्रीमती खन्ना का स्वभाव भी संदिग्ध था। "ये आधुनिक कामकाजी लड़कियाँ बैंगलोर में झुंड बनाकर आती हैं, मैं आपको बताती हूँ कि वे बहुत सारी साज़िशें करती हैं। वे अच्छे परिवारों के मासूम लड़कों को फँसाती हैं। मैं अपने दोनों बच्चों को ब्रिगेड में घूमने नहीं देती!"

अंजलि कुछ सीढ़ियाँ नीचे उतरी ताकि वह देख सके और सुन सके। पार्वती
श्रीमती को आश्वस्त करने के लिए उन्होंने प्रसिद्ध लेखक श्री चैम्पियन का नाम लिया।
खन्ना और घोष के बारे में, या शायद खुद को आश्वस्त करने के लिए; अंजलि को यकीन नहीं था। उसने खुद को मिन्नी बेजहोट की तरह एकत्रित बुरी ताकतों का शिकार माना था। सतर्क डॉलर कॉलोनी की माताओं के लिए, बुरी ताकतों ने कब्जा कर लिया था, और वह - षडयंत्रकारी, सोने की खोज करने वाली, अवसरवादी प्रवासी - दुश्मन थी।

Machine Translated by Google

टुकी ने उसे चेतावनी दी थी कि तुम अब नागरिक नहीं रह सकती। लेकिन डायनेमो की नई प्रजाति के उभरने से पहले मौत का द्वंद्व क्यों होना चाहिए?

सामने वाले हॉल में गले मिलने और विदाई का सिलसिला जारी रहा।
कुत्ते किसी तरह से अपने अलगाव से बच निकले थे, लेकिन उन्होंने खुद को संभाला। "वे ऊपर
से आकर्षक हैं, लेकिन अंदर से चालाक हैं।"

"श्रीमती खन्ना तुम्हें सच बता रही हैं, पार्वती।" वह बांग्ला में बात कर रही थीं और कुछ सप्ताह गर्व से बांग्ला बोलने वाले बनर्जी के घर में रहने के बाद अंजलि ने इसे अच्छी तरह समझ लिया था। "इस तरह की शिष्टता का समय बीत चुका है। तुम तय करो कि तुम अपने गले में फंदा डालकर क्या करना चाहती हो। वैसे, तुमने जो खूबसूरत सोने का चोकर पहना है, क्या वह तनिष्क से खरीदा है?"

हो सकता है कि यह अनजाने में किया गया इशारा हो, लेकिन पार्वती ने अपने बाएं हाथ से उसका गला सुरक्षित रखा। उसकी फैली हुई उंगलियों के बीच बाईस कैरेट का सोना चमक रहा था। अंजलि शर्म से ऊपर अपने कमरे में भाग गई।

Machine Translated by Google

6

अगली सुबह, श्री जीजी के कार्यालय से एक चपरासी एक शोरगुल वाले ऑटो-रिक्शा में पार्वती के लिए एक पत्र और टाइगर लिली का गुलदस्ता लेकर आया। जब अंजलि ने रिक्शा को रुकते हुए सुना, तो उसने सोचा कि यात्री पार्वती का दर्जी है, एक चश्माधारी, प्रोफेसर जैसा दिखने वाला सिख सज्जन जो अब अपनी दोनों आँखों में मोतियाबिंद के कारण अपने ग्राहकों के घर साइकिल से नहीं जा सकता। वह पूरे हो चुके ऑर्डर को छोड़ने और नए कपड़ों के लिए कपड़े और स्केच लेने के लिए सप्ताह में एक बार रुकता था। ऑरो ने उसे कार्यालय के लिए गहरे रंग के सूट, ड्रेस-डाउन फ्राइडे के लिए लिनन लीजर सूट और शाम और सप्ताहांत के लिए रंगीन कुर्ते बनाने में व्यस्त रखा। पार्वती, जो साड़ी पहनती थी, के लिए उसने घर पर केवल परिवार के लिए शाम के समय चोली ब्लाउज, ठंडे मौसम के लिए केप और कैफ़्टन सिल दिए। अंजलि ने पार्वती के निमंत्रण को स्वीकार कर लिया और उसे बागेहोट हाउस दंगे में खोई हुई हर चीज़ के लिए एक नया अलमारी सिलने दिया।

दूधिया आईरिस वाले ईमानदार बूढ़े आदमी ने अवांट-गार्डे स्लैक्स, बनियान की नकल की, जैकेट, और फैशन पत्रिकाओं से पेगनोइर सेट। मॉल में घूमने और पुतलों पर डिजाइनर कपड़ों को देखकर लार टपकाने का किफायती युग खत्म हो गया था, कम से कम तब तक जब तक वह ऑरो और पार्वती के अच्छे पक्ष में रही। वह खुद को इच्छा और पूर्ति के दो नए चरण सिखा रही थी। दर्जी को अपने परिवार का पेट पालने के लिए काम की जरूरत थी; पार्वती, एक बाध्यकारी परोपकारी, को अच्छा महसूस कराने वाली परियोजनाओं की जरूरत थी। डॉलर कॉलोनी की मेट्रन क्यों नहीं देख पाईं कि वह अनिवार्य रूप से खुशी बांट रही थी?

लेकिन क्षितिज पर बादल छाए हुए थे। डॉ. घोष की चेतावनियाँ।
पार्वती अपनी अच्छाई के कारण उन्हें दूर भगा सकती थीं, लेकिन अंजलि ऐसा नहीं कर सकती थी।
निष्पक्ष बाहरी लोगों ने उसे एक अप्रिय व्यक्ति के रूप में देखा। न केवल एक छोटे शहर की हड़पनेवाली, बल्कि बुरे संबंधों वाली एक महिला।

जब कुत्ते को टहलाने वाला व्यक्ति श्री जीजी के चपरासी को कांच के बने नाश्ते के आँगन में ले गया, तो अंजलि और पार्वती असम की चाय का अपना दूसरा दौर खत्म कर रही थीं। ऑरो ने बैंगलोर आने के बाद से कर्नाटक की मजबूत कॉफी पीना शुरू कर दिया था, लेकिन पार्वती चाय की शौकीन बनी रहीं। अंजलि को उस सुबह कैफीन की एक बड़ी खुराक पसंद आई होगी। उसने गंध और

Machine Translated by Google

बैंगलोर में अपने पहले घंटे के दौरान उन्होंने अपने पहले बरिस्ता कप के साथ कॉफी का स्वाद चखा।

उसे बाहर जाने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से दिल से दिल की बात करना अपरिहार्य था, हालांकि पार्वती, जो हमेशा दयालु थी, ने "डंप" नोटिस को तिरछे तरीके से दिया।
अंजलि सूक्ष्म प्रश्नों की प्रतीक्षा कर रही थी: आपके परिवार को आपकी बहुत याद आती होगी।
तुम्हें अपनी माँ और बहन की याद नहीं आती? लेकिन पार्वती ने टालमटोल किया। उसने अहिल्या और मल्हार को रोटी के टुकड़े खिलाए, जो उसके पैरों के पास दरी पर लेटे हुए थे।

अहिल्या खड़ी हुई, खिंची, फिर अपना थूथन अंजलि की जांघ पर रख दिया ।
क्या मैं उसे छूऊँगा, उसके कान सहलाऊँगा? अगर मैं उसे छूऊँगा तो क्या वह काट लेगी? यह अंजलि का पहला डॉगी पल था।

पार्वती ने एक एकालाप शुरू किया जो एक विषय से दूसरे विषय पर तेजी से आगे बढ़ता गया, जिसमें दिन के लिए उसकी सी.सी.आई. पाठ योजनाएँ, उषा देसाई की माँ का सुधरता स्वास्थ्य, उसका डर कि दिनेश नॉर्वे के एक अंतरराष्ट्रीय छात्र के साथ गंभीरता से जुड़ रहा है, और लोगों के आहार में मछली के तेल और मैग्नीशियम को शामिल करने का महत्व, विशेष रूप से गरीब लोगों के आहार में शामिल है। उसका भारी ब्रीफ़केस कुत्तों द्वारा फर्श पर रखा गया था, एक कुर्सी के पैर के सहारे, ड्राइवर द्वारा कार तक ले जाने के लिए तैयार था।

हर कुछ दिनों में वह अंजलि को सीसीआई के सवाल बताती रहती थी। "तुम्हें अपने रास्ते पर रखना वह कहती थी, "पैर की उंगलियाँ।" पार्वती के अनुसार, उसका जो भी भविष्य होगा, वह अंग्रेजी भाषा में उसकी सहजता से जुड़ा होगा।

जब चपरासी, अपनी भयभीत आँखों से कुत्तों को घूरता हुआ पार्वती के पास पहुँचा, तो कुत्तों ने धीमी आवाज़ में गुर्राहट की आवाज़ निकाली। चपरासी पीछे हट गया और कुत्ते घुमाने वाले के पीछे छिप गया। अंजलि ने कुत्ते घुमाने वाले की आत्मसंतुष्ट मुस्कान देखी, जब उसने लिफ़ाफ़ा और गुलदस्ता अपने हाथ में लिया और लिफ़ाफ़ा बिस्ट्रो टेबल पर रख दिया। पार्वती ने मल्हार के चौड़े नितंबों को तब तक सहलाया जब तक कि उसकी गुर्राहट बंद नहीं हो गई।

अंजलि ने हिम्मत करके अहिल्या के कान खुजाए। पार्वती ने मज़ाक में कहा, "इन बहादुर लोगों के रहते इलेक्ट्रॉनिक सुरक्षा प्रणाली की क्या ज़रूरत है?" उसने एक अप्रयुक्त चाकू से लिफ़ाफ़ा खोला और उसके अंदर लिखे नोट को स्कैन किया।

अंजलि ने फेंके गए लिफाफे पर श्री जीजी की लिखावट पहचान ली:
श्रीमती पार्वती बनर्जी, और नाम के तहत, प्रति चपरासी RSVP.

Machine Translated by Google

"बैजहॉट ट्रस्ट की बैठक गिरीश की अपेक्षा से अधिक समय तक चली,"
पार्वती ने संक्षेप में कहा। "आग लगाने वाला, जाहिर है।" उसने ब्रीफ़केस से अपना रोलर-बॉल पेन निकालने के लिए नीचे हाथ बढ़ाया। "वह आज शाम को रुकना चाहता है ताकि वह पार्टी में न आने के लिए माफ़ी मांग सके। ऐसा ज़रूरी नहीं है, लेकिन आपने देखा है कि ऑरो को उसके साथ राजनीति पर बहस करना कितना पसंद है!"

श्री जीजी का इरादा उसे अकेला छोड़ने का नहीं था। इससे अंजलि का हौसला बढ़ा।
जीजी मेहनती नेटवर्कर ऑरो और पार्वती को साध रहा था, और डायनेमो भविष्यवादी अपनी प्रेरणा को आकर्षित कर रहा था। उसे रबी की याद आ रही थी, लेकिन वह भोर में ही एक अन्य यात्रा पत्रिका असाइनमेंट के लिए निकल गया था। रबी के साथ, वह अपने मन में आने वाले किसी भी अपमानजनक विचार को बोल सकती थी क्योंकि वह
निर्णयात्मक नहीं था।
श्री जीजी उसके लिए अपनी इच्छा का संकेत दे रहे थे, है न? - लेकिन सम्मानजनक तरीके से। उनके अपार्टमेंट में एक बार जो कुछ भी हुआ, वह वासना से जुड़ा था, बेडरूम में रोशनी की गुणवत्ता से, और, बिना पर्दे वाली खिड़की से, क्यूबन पार्क की हरियाली से। उसका चेहरा गर्म हो गया। उसे अपने हाथों से कुछ करने की ज़रूरत थी, अगर चायदानी खाली नहीं हुई थी तो और चाय डालनी थी, या फूलों
को फूलदान में रखना था, अपनी उत्तेजना को कम करने के लिए कुछ शारीरिक काम करना था।

"मैं एक फूलदान लाऊंगी," उसने अचानक कहा।

पार्वती ने उसे हैरान होकर देखा, इसलिए उसने कुत्ते के घुमाने वाले की शर्ट के सामने हरे रंग के दागों से टपकती टाइगर लिली की ओर इशारा किया। "फूलदान?" पार्वती ने दोहराया। उसने श्री जीजी के नोट के नीचे अपना RSVP लिख दिया था और उसे मूल लिफाफे में वापस डालने वाली थी। "क्या तुम ठीक हो? ओह, बेशक, यह बेजहॉट हाउस है, है न? मैं कितनी असंवेदनशील हूँ कि मैंने वह नाम छोड़ दिया।

मुझे बहुत खेद है, अंजलि, क्या तुम चाहोगी कि मैं गिरीश को निमंत्रण वापस ले लूं? अगले सप्ताह उसे मैक्सिको में काम है, लेकिन जब वह वापस आएगा तो हम उसे डिनर पर बुला सकते हैं।"

"अरे नहीं," अंजलि ने विरोध किया। "कृपया मेरी खातिर अपनी योजनाएँ मत बदलो।
मैं पहले ही काफी बोझ बन चुका हूँ। मैं एक परजीवी की तरह महसूस करता हूँ।"

"रुको!" अंजलि को याद नहीं था कि पार्वती कभी इतनी तीखी आवाज़ में बोलती थी। "तुम बोझ नहीं हो। चलो तुम्हारे लिए एक फूलदान लेते हैं। अगर तुम यहाँ लंबे समय तक रही, तो मैं तुम्हें इकेबाना का दीवाना बना दूँगी।"

Machine Translated by Google

कुत्ते को टहलाने वाला व्यक्ति अंग्रेजी शब्द फूलदान सुनकर चौंक गया । बनर्जी ने मज़ाक में कहा कि वह जितना अंग्रेजी बोलता है, उससे ज़्यादा जानता है, ताकि वह चुपके से सुन सके। "स्वाति!" उसने कन्नड़ में निर्देश दिए, और रसोई में बैठी छोटी बहन अपनी छाती से एक कटा हुआ कांच का कटोरा लेकर उछल पड़ी, उसकी पीठ पर एक मोटी चोटी लटक रही थी। एक किशोरी प्यार में थी, और उसे छिपा नहीं रही थी।

तो यही उसका नाम था। स्वाति। अंजलि को अपराधबोध हुआ कि उसने रसोई की बहनों के नाम भी नहीं सीखे, परिसर के कर्मचारियों की तो बात ही छोड़िए: कुत्ते को टहलाने वाला, ड्राइवर, चौकीदार। स्वाति ने कुत्ते को टहलाने वाले की उलझन भरी पकड़ से कसकर बंधे हुए गुलदस्ते को छीन लिया। अंजलि को उस गहनता की कमी महसूस नहीं हुई।

गुप्त दुलार.

श्री जीजी के चपरासी ने फिर से सीलबंद लिफाफा अपने बैग में डाल दिया। कुत्ते को टहलाने वाले ने उस उत्तेजना का जवाब दिया और चपरासी को बाहर ले जाकर प्रतीक्षा कर रहे ऑटो-रिक्शा तक पहुँचाया। फिर वह वापस कमरे में भागा और अंजलि को एक आंतरिक हवाई-पत्र दिया, जिसे डाकिया ने गार्डहाउस में लगे मेलबॉक्स में अभी-अभी छोड़ा था। अंजलि ने पते पर एक नज़र डाली - पी. चैंपियन, गौरीपुर - और पत्र को मोड़ दिया। जब वह अपने बेडरूम में वापस गई, तो उसने उसे अपने ड्रेसर के ऊपरी दराज में ठूँस दिया।

Machine Translated by Google

7

गिरीश गुजराल ने पार्वती को संदेश भेजा: cu @ 7pm dnr रेनचेक?

दोपहर चार बजे तक अंजलि ने इस विशेष कार्यक्रम के लिए अपना लुक तय कर लिया था।
शाम। (कलापूर्ण) सरल, (सहज) सेक्सी। उसने अपने डॉलर कॉलोनी के कपड़ों के हर टुकड़े को मिलाया और मैच किया, और शाम छह बजे तक वह उस लुक को हासिल कर लेती थी: धूल भरे गुलाबी लिनन कैप्री पैंट; गुलाबी भोर के मिड्रिफ-बारिंग स्लीवलेस टॉप के साथ डेयरिंग नेकलाइन; चांदी के पायल और ऊँची एड़ी के सांप की खाल के सैंडल जो नीऑन गुलाबी रंग में रंगे थे; छोटे गुलाब-क्वार्ट्ज के कान के स्टड; और बालों के आभूषण के रूप में, श्री जीजी की टाइगर लिली में से एक।

अंजलि साढ़े छह बजे लिविंग रूम में आई और अपने आप को स्थापित कर लिया
कोने में एक चाइज़ लॉन्ग, जहां उसे पता था कि लैंप की रोशनी गुलाबी और चापलूसी कर रही थी। पार्वती सैन फ्रांसिस्को में रबी की मां के साथ फोन पर थी, रसोई की बारह घंटे की गपशप साझा कर रही थी और आधी दुनिया अलग थी, जिसमें झींगा मलाई करी (लहसुन के साथ पागल हो जाओ; कटे हुए प्याज को कैरामेलाइज़ करें; मसालों को धीमी आंच पर भूनें ताकि उनका स्वाद और गंध कच्चा न रहे; डिब्बाबंद नारियल का दूध शौकीनों के लिए है; भिगोएँ, निचोड़ें, नारियल के गुच्छे को हटा दें और केवल इतना तरल उपयोग करें ताकि झोल ठोक-ठोक स्थिरता का हो) पर टिप्स शामिल थे। ऑरो अभी भी नहा रहा था। अंजलि ने पार्वती की आवाज को अनसुना कर दिया, जो अब अपनी बहन के साथ बांग्ला में गंभीर विषयों पर चली गई थी, रसोई की बहनों

ऑरो सख्त तलवों वाले कोल्हापुरी सैंडल पहने हुए कमरे में जोर-जोर से घुसा।
उसने पार्वती को कंधे उचकाकर स्वीकार किया और बार ट्रॉली की ओर जाते हुए बुदबुदाया, "तुम्हारी बहन अब क्या कर रही है?" "क्या मनमोहक दृश्य है!" उसने अंजलि से कहा। उसने अपनी उंगलियों से एक कैमरा बनाया। "क्लिक! क्लिक!
चिंतित महिला रात होने का इंतजार कर रही है। रबी इसे कैद करने के लिए यहाँ क्यों नहीं है?"
अंजलि ने अपनी हलोजन मुस्कान के आधे वाट के संस्करण के साथ जवाब दिया। ऑरो ने बर्फ की बाल्टी का ढक्कन उठाया। "आप क्या लेंगी, विचारशील महिला?" अपने आधुनिक फ़िरोज़ा सूती कुर्ते और ढीले सफ़ेद पायजामे में, अपने गीले बालों को पीछे की ओर झुकाए हुए, वह एक शांत मेजबान की तरह दिख रहा था। "हमेशा की तरह?"

Machine Translated by Google

वह उन दुर्लभ रविवारों के झगड़ों और आंसुओं के बारे में सोचकर सिहर उठती थी जब उसकी माँ उसके पिता को "युद्ध सामग्री" रखने के लिए राजी करती थी।
मित्तर और "टोबैको" नियोगी और उनके परिवार दोपहर के भोजन के लिए आए। "मेरी पसीने की कमाई बर्बाद हो गई," "रेलवे बोस" ने कहा। "उन्होंने हमारे लिए क्या उपकार किया है?" एकमात्र व्यक्ति जिसे वह नियमित रूप से सहन करता था, वह था डॉ. फिट-एज़-ए-फिडल दासगुप्ता, जो एक डबल पैग के बाद जाने के लिए काफी होशियार था, जिसे वह चिकित्सा संबंधी सुझाव देकर अर्जित करता था: कब्ज के लिए हरतकी-भिगोया हुआ पानी, अपच के लिए अजवाइन का पानी, बच्चे पैदा करने वाली बेटियों के लिए फोलिक एसिड की गोलियाँ। "हाँ, कृपया। ऑरो स्पेशल।" ऑरो स्पेशल एक फ़िज़ी मीठा-खट्टा नॉन-अल्कोहलिक कॉकटेल था जो अंजलि का नया सिग्नेचर ड्रिंक बन गया था, और जब ऑरो बारटेंडर बनने के लिए तैयार था, तो स्वाति ने ताज़ा मिश्रित अदरक और पुदीने का पेस्ट, नींबू का रस और ठंडा सिरप लाया।

"कोई जल्दबाजी मत करो, तारा," पार्वती ने अपनी बहन से फोन पर विनती की, "और वादा करो कि तुम मुझे कुछ घंटों में वापस कॉल करोगी?" उसने अपना सेल फोन बंद कर दिया। "तारा खाना पकाने को थेरेपी के रूप में लेती है। वह कहती है कि खाना पकाने से उसे शांति मिलती है, और रेसिपी जितनी विस्तृत होगी, उतना ही बेहतर होगा। वह बिश के साथ एक ही पुरानी लड़ाई से तंग आ चुकी है कि उसे कहाँ रिटायर होना है। बिश चाहता है कि हम बैंगलोर में प्रॉपर्टी देखें। शुरुआत के लिए व्हाइटफील्ड, पाम मीडोज।"

"तारा की समस्याओं में मत उलझो," ऑरो ने अपनी पत्नी को चेतावनी दी।
"जिन और नींबू? मैं गंभीर हूँ, कभी भी रिश्तेदारों को पैसे उधार मत दो, और कभी भी शादी की सलाह मत दो।"

"आज रात को स्कॉच पीना बेहतर होगा, ऑरो।"

"वह गलत है?"

"बिश यहाँ बसना चाहती है, लेकिन वह छोटी कैली को सैन फ्रांसिस्को में पालना चाहती है।"
फ्रांसिस्को।"

"दूसरे शब्दों में, आपकी बहन बैंगलोर की बजाय कैलिफोर्निया में रहना पसंद करेगी।"

"एक बार जब बिश ने अपना मन बना लिया तो ऐसा लगता है कि इसमें कोई बदलाव नहीं होगा।"

Machine Translated by Google

ऑरो हंसा। "स्वदेश का आकर्षण, वगैरह। हम इसके बारे में जानते हैं, सिवाय इसके कि
आप और मैं एक ही पृष्ठ पर थे।" उन्होंने पार्वती के लिए पेय तैयार किया: सिंगल माल्ट का आधा पैग।

"बिश सैन फ्रांसिस्को की जगह रबी के लिए रखेगा। यही एकमात्र रियायत है जो वह देने को तैयार है। तारा
बहुत परेशान है।"

"परेशान मतलब क्रोधित? या परेशान मतलब उदास?"

अंजलि को इस बात पर आश्चर्य हुआ कि वे एक बाहरी व्यक्ति के सामने पारिवारिक झगड़ों पर कितनी खुलकर चर्चा कर रहे थे। रबी की माँ भाग्यशाली थी कि उसकी एक बहन थी जो उसके बहुत करीब थी। उसे पटना में सोनाली-दी के साथ अपनी आखिरी कड़वी लड़ाई याद आ गई। वह तब एक भारी सूटकेस के साथ एक नौसिखिया भगोड़ा थी। उसके पास अभी भी वह सूटकेस था, और वह अभी भी भाग रही थी। उसने निर्भीकता से पूछा, "क्या तुम नाराज़ होगे अगर मैंने अपना मन बदल लिया और इसके बजाय सुला शारडोने का एक
गिलास माँगा?"

पार्वती ने मजाक में कहा, "मेरे प्यारे, बशर्ते तुम नशे में न होने का वादा करो।"
"ऑरो, क्या मैंने तुम्हें बताया कि बिश यहां एक वाइनरी में निवेश करने की सोच रहा है?"

"यदि यह मनी-स्पिनर बिश के अलावा कोई और होता, तो मैं कहता कि यह एक पागलपन भरा विचार था।"

श्री जीजी ने सात बजने से दो मिनट पहले बनर्जी के ड्राइववे में अपनी कार पार्क की। अंजलि ने चुपके से अपनी पुरानी मोवाडो पर उन्हें देखा। उसने दिखावा किया कि यह शराब है, हालाँकि श्री जीजी के प्रवेश ने उसे खुश कर दिया था। वह अभी भी उस गहरे रंग के सूट में थे जिसे वह कार्यालय में पहनते थे, लेकिन उन्होंने अपनी सफ़ेद धारीदार शर्ट के ऊपर के बटन को खोल दिया था और अपनी गुलाबी रेशमी टाई की गाँठ को ढीला कर दिया था। ब्रीफ़केस के बजाय उन्होंने मिश्रित नट्स, कैंडी और सूखे मेवों से भरी एक सिलोफ़न-रैप्ड गिफ्ट बास्केट रखी थी। उन्होंने इसे औपचारिक रूप से पार्वती को भेंट किया, जिन्होंने उन्हें धन्यवाद दिया - "ओह, गिरीश, आपको ऐसा करने की ज़रूरत नहीं थी" - और इसे खोलने के लिए डॉग वॉकर को सौंप दिया।

Machine Translated by Google

"श्रीमती बनर्जी," गिरीश गुजराल ने मोटे हाथों को जोड़कर नमस्ते करते हुए कहा, "आपका घर थके हुए यात्रियों के लिए एक नखलिस्तान है। आप देख रही हैं कि मैं कैसे बार-बार यहां खींच लाया हूं।"

अंजलि ने अपनी सहज प्रवृत्ति पर भरोसा करते हुए, परिचारिका को दी गई उसकी फूलदार तारीफ को घर में रहने वाले मेहमान के लिए उसके प्रेम-विकार की स्वीकारोक्ति के रूप में समझा। उसने उसकी भावनाओं के बारे में सिर्फ़ एक संकेत की उम्मीद की थी और उसे एक घोषणा के साथ पुरस्कृत किया गया। वह, घर नहीं, उसका नखलिस्तान था। प्रसन्न होकर, उसने अपने पैरों को चैस पर व्यवस्थित किया जैसा उसने श्री जीजी की विस्ट्रोनिक्स वेबसाइट पर आभासी समुद्र तटों पर आभासी डेक कुर्सियों पर मॉडलों को करते देखा था। और निश्चित रूप से, बार ट्रॉली पर ऑरो से मिलने के बजाय, श्री जीजी उसके सबसे नज़दीक की कुर्सी पर बैठ गए। "मिस बोस, आपको हमेशा अपने बालों में टाइगर लिली पहननी चाहिए," उन्होंने अपना हाईबॉल गिलास उठाते हुए कहा।

उन्होंने जवाब दिया, "तो आपको उन्हें भेजने की आदत डालनी होगी, श्रीमान गुजराल।"

क्यों अज्ञानी ऑरो को श्री जीजी की कुर्सी के पास एक ओट्टोमन खींचना पड़ा और श्री जीजी को कलियुग-स्तर के वित्तीय संकट की भविष्यवाणियों से बमबारी करनी पड़ी? इस "ब्रह्मांडीय मंदी के युग" में भारत को अपनी अर्थव्यवस्था को पश्चिमी देशों से "अलग" करना चाहिए। "हम भारतीयों ने अपनी बैलगाड़ी को अमेरिकी वैगन से जोड़ दिया, और अब हम घोड़े की गोबर और बैल के गोबर में अपने घुटनों तक डूबे हुए हैं।" निवेश उड़ान, पूंजी की हानि और कॉर्पोरेट विस्तार की गिरती दरों के बारे में आंकड़े बताते हुए, उन्होंने खुद को क्रोध से भर लिया। श्री जीजी ने ऑरो के प्रत्येक तर्क का खंडन किया और अंजलि को अपने आशावादी सिद्धांत से चकित कर दिया कि संयुक्त राज्य अमेरिका में बेल्ट-कसने का समय भारत में आउटसोर्सिंग बूम के समय के बराबर है। ऋण संग्रह कॉल सेंटरों के लिए सबसे नया विकास क्षेत्र था। वह एक संघ का हिस्सा था जो विदेशी व्यवसायों की खोज कर रहा था। उन्होंने कहा, "सबसे अच्छी बात यह है कि यह हमारे लिए रचनात्मकता की दौड़ में आगे बढ़ने और जीतने का मौका है। हम भारतीय प्रतिभाशाली आविष्कारक हैं, न कि केवल सस्ते दामों पर काम करने वाले मिस्त्री!"

अंजलि को यह स्वीकार करना पड़ा कि टाइट फिटिंग बनियान, चटकीले कैप्री पैंट,
और कान के पीछे का चमकीला फूल ऑरो के भारत के वित्तीय भविष्य पर बहस करने के उकसावे के सामने कोई प्रतिस्पर्धा नहीं कर सकता था। ऑरो अलगाव के पक्ष में थे; श्री.
जीजी इसके सख्त खिलाफ थे; अंजलि इस बात से नाराज थी कि उसने मिस्टर जीजी को एक स्वामिनी से वाद-विवाद चैंपियन बना दिया है। पार्वती ने अपने पति का पक्ष लिया। "आप ऐसा कैसे कर सकते हैं?

Machine Translated by Google

इतना आत्मसंतुष्ट होना, गिरीश? इस अस्थिर अर्थव्यवस्था में कोई भी मंदी से सुरक्षित नहीं है।"
सीसीआई में छात्र नामांकन कम हो गया था, तथा एक प्रतियोगी पहले ही बंद हो चुका था।
उन्होंने और भी कई किस्से सुनाकर श्री जी.जी. को आड़े हाथों लिया। डॉ. घोष के दो भतीजों को गुड़गांव में सॉफ्टवेयर प्रोग्रामिंग की नौकरी से निकाल दिया गया था।
डॉ. (श्रीमती) घोष की सुंदर और बुद्धिमान भतीजी ("अपनी आईआईटी कक्षा में अव्वल") ने स्नातक होने से पहले ही मोटी तनख्वाह वाली नौकरी के प्रस्तावों में से चुनने की उम्मीद की थी, लेकिन स्कूल खत्म होने के महीनों बाद भी वह अस्थायी नौकरी कर रही थी।
श्री और श्रीमती पंडित, डॉलर कॉलोनी के अगले ब्लॉक में अविवाहित, वृद्ध जुड़वां बेटियों के साथ, अपनी सूची से आईआईटी डिग्री वाले सभी दूल्हे उम्मीदवारों को हटा चुके थे।

अंजलि उदास हो गई। "युग्मन" या "वियुग्मन" उसके लिए केवल उसके निजी जीवन के संदर्भ में ही सार्थक था। वह वैश्विक मुद्दों से जुड़ाव महसूस नहीं करती थी। उसने अपने इर्द-गिर्द घूम रही बातचीत का बहिष्कार कर दिया।

श्री जीजी ने उसे एक सवाल से चौंका दिया। "क्या मैं मिस बोस को बेजहॉट हाउस देखने के लिए आमंत्रित कर सकता हूँ, वैसे भी वहाँ क्या बचा है?" ऐसा लग रहा था कि वह ऑरो और पार्वती से उसे शाम की सैर पर आमंत्रित करने की अनुमति माँग रहा था। कब्बन पार्क का आकस्मिक प्रलोभक एक सम्मानित, अनुमति चाहने वाले प्रेमी में विकसित हो गया था।

अपने आवेगों पर भरोसा रखें। "मुझे बहुत अच्छा लगेगा," अंजलि ने तुरंत जवाब दिया।

पार्वती ने झिझकते हुए कहा, "क्या तुम इसे देखने के लिए तैयार हो? तुम्हें नहीं लगता कि यह बहुत जल्दी है, अंजलि?"

"ठीक है, उसे खुद ही पता लगाना होगा, है न?" ऑरो ने पार्वती को डांटा। "और गिरीश के अलावा और किस परिस्थिति में यह ज़्यादा आश्वस्त करने वाला होगा?"

श्री जी.जी. अपनी कुर्सी से उठे, "अगर आप तैयार हैं..."

अंजलि जल्दी से सामने के दरवाजे तक नहीं पहुंच पाई। "मुझे बताओ, गिरीश।" ऑरो ने बातचीत जारी रखने पर जोर दिया। "मंदी की वजह से आपकी बागेहोट प्रॉपर्टी के लिए पुनर्विकास की योजनाएँ प्रभावित हो रही होंगी? ईमानदारी से कहो, बैंक लोन मिलना मुश्किल हो गया होगा, यहाँ तक कि बड़े-बड़े लोगों के समूह के लिए भी।"

Machine Translated by Google

श्री जीजी ने अंजलि को सामने के दरवाजे से बाहर निकाला। "मेरी प्यारी बनर्जी, मैं संवैधानिक रूप से चिंता करने में असमर्थ हूँ। मुझे अगले सप्ताह की शुरुआत में मैक्सिको और हवाई जाना है, श्रीमती बनर्जी, लेकिन अगर मैं यात्रा से पहले या बाद में सीसीआई की कोई सेवा कर सकता हूँ, तो कृपया मुझे संदेश भेजें।"

भारतीय शिष्टाचार के अनुसार आवश्यक लम्बी विदाई को छोटा करने के लिए अंजलि उनके आगे उनकी देवू कार तक चली गईं।

वे चुपचाप बैजहोट हाउस की ओर बढ़े। जंग लगा प्रवेश द्वार गायब था, संभवतः स्क्रैप-मेटल के सफाईकर्मी उसे उठाकर ले गए थे। टूटे-फूटे ड्राइववे में भारी मलबे को हटाने वाले उपकरण खड़े थे। दो चौकीदार खोदी गई मिट्टी के एक छोटे से टीले के पास धूम्रपान कर रहे थे।

"आपने जो किया उसके लिए धन्यवाद।" पुलिस स्टेशन में हिरासत कक्ष में बिताई गई रात एक खूबसूरत लड़की के रूप में बिताए गए हफ़्तों से ज़्यादा तात्कालिक थी। कृतज्ञता वासना से ज़्यादा प्यार का एक उच्चतर रूप था। "मैं कल्पना भी नहीं कर सकता कि अगर तुम..."

वह सुन नहीं रहा था। उसने गुस्से में अपनी सीट बेल्ट खोली। "मैं जो देख रहा हूँ, उस पर मुझे यकीन नहीं हो रहा।" वह दरवाज़ा बंद किए बिना कार से बाहर निकल गया।
"वे बिना परमिट के इसे तोड़ रहे हैं।"

अंजलि ने खुद को बाहर जाने दिया लेकिन उससे दूरी बनाए रखी। मि. जी.जी. मैड मिन्नी के घर की तरफ बुलडोजरों के पीछे देख रहे थे, जिसमें टूटी हुई खिड़कियाँ और फड़फड़ाते हुए पर्दे थे, उसका सामने का दरवाज़ा गायब था और उसके फ़ोयर के फ़र्श पर फटे हुए, रौंदे हुए भोज-रात्रि के मेज़पोश थे। घर, हालांकि संरचनात्मक रूप से बरकरार था, ऐसा लग रहा था कि एक समुद्री जहाज़ की तरह लुढ़क गया था। वह रो रहा होगा। यह संभव लग रहा था; वह अपना रूमाल मोड़ रहा था। "यह ... दुखद है।" उसने अभी तक उसका सामना नहीं किया था, इसलिए वह शायद बेजहॉट भूतों को सांत्वना दे रहा था।

प्रोफ़ाइल में, श्री जीजी का जबड़ा, भूरे रंग के धब्बों के साथ, बस थोड़ा ढीला था। फिर भी,
वह एक सुंदर आदमी था, जो सीधे दिखने से ज़्यादा सुंदर था। उसने सोचा, मैं यहाँ उस आदमी के बगल में खड़ी हूँ जिसके साथ मैं सो चुकी हूँ। मैं यहाँ खड़ी हूँ

Machine Translated by Google

जहाँ मुझे हथकड़ी लगाई गई और एक खतरनाक अपराधी की तरह धान की गाड़ी में घसीटा गया, और मैं इसके बारे में बात नहीं कर रहा हूँ। मैं ऐसा अभिनय कर रहा हूँ जैसे कि बैंगलोर में एक तारों भरी शाम को रोमांटिक डेट पर गए दो सामान्य लोग हों।

अशोक के कुछ अवैध निवासी आंशिक रूप से साफ किए गए जंगल में ही रह गए होंगे। अंजलि ने धीमी सीटी की आवाज सुनी और फिर एक पराया कुत्ते की दर्द भरी चीख सुनाई दी।
जी.जी. कांप उठे। "भयंकर समरूपता," उन्होंने बुदबुदाया।

उसका मूड हल्का करने के लिए, उसने छेड़खानी करने की एक नासमझ कोशिश की। "मुझे तुमसे बहुत ईर्ष्या होती है, गिरीश। तुम मैक्सिको जैसी मजेदार जगहों पर जाकर इसे काम कहते हो।" उसने अपने बालों में लगे टाइगर लिली को सहलाया। एक पंखुड़ी मुरझा गई।

"अंजलि, मेरे पास हमेशा जेल से बाहर निकलने का रास्ता नहीं रहेगा।"

"तुम्हें क्या लगता है कि मुझे एक और की जरूरत पड़ेगी?" उसे वह दिलेर पसंद आया अपनी ही आवाज़ की ध्वनि.

"मेरे साथ मैक्सिको चलो।"

वह क्या कह रहा है? मैंने जितना दिया है, उससे कहीं ज़्यादा उसका कर्जदार हूँ?

"और शायद हैती तक। यह इस बात पर निर्भर करता है कि सौदा हो पाता है या नहीं।"

मैं तो बस एक और बिज़नेस डील हूँ? क्या यही है ज़िंदगी?

"हैती से वादा नहीं कर सकते।"

"उठाओ और चले जाओ? बस ऐसे ही?" अमीर-बच्चे रबी की तरह? आतंकवादी की तरह हुसैना?

"खुद को छुट्टी दो। तुम इसके हकदार हो।"

"छुट्टी किससे? बुरी शक्तियों से? मिन्नी मर चुकी है।" वह आत्म-दया में बह गई। "मेरा परिवार भी मर चुका है। तुम एक अनाथ, एक परजीवी, एक चैरिटी प्रोजेक्ट को देख रहे हो।" डरावनी बात यह थी कि वह झूठ नहीं बोल रही थी, बस बढ़ा-चढ़ाकर बता रही थी। "मुझे छुट्टी की ज़रूरत नहीं है, मुझे नौकरी की ज़रूरत है।"

Machine Translated by Google

"अगर तुम्हें नौकरी चाहिए, तो मैं रिकवरी सिस्टम में मानव संसाधन के प्रमुख के साथ तुम्हारा साक्षात्कार करवा सकता हूँ। वह एमबीए का सहपाठी था। हम तुम्हें ऋण वसूली उद्योग के ग्राउंड फ्लोर पर ले आएंगे।" श्री जीजी ने सीधे उससे कहा। "अब, तुम्हारा पासपोर्ट कैसा है? पासपोर्ट नहीं है, कोई बात नहीं।

मैं आपके लिए इसे शीघ्र प्राप्त कर सकता हूँ।"

"दूसरे शब्दों में, आप चाहते हैं कि मैं जानूं कि आप एक बड़े शख्स हैं?"

"नहीं। दूसरे शब्दों में, मैं चाहता हूँ कि तुम मेरे साथ मैक्सिको में रहो।"

वह चिल्ला सकती थी। हाँ, मैं खुश हूँ, मैं आभारी हूँ। मुझे ले चलो-
रात को कब्बन पार्क जाना है। कल अपने चपरासी से पार्वती के यहाँ से मेरा सामान ले जाने को कहो। उसने अपने पहले पासपोर्ट पर अपना पहला नाम अंजोली लिखा था । उसने कहा, "मि. गुजराल, मैं आपके प्रस्ताव पर विचार करूँगी और जब आप अपनी यात्रा से वापस आएँगे तो मैं अपना प्रति-प्रस्ताव दूँगी।"

मिस्टर जीजी मुस्कुराये, "आपका जन्म कर्ज वसूली करने के लिए ही हुआ है, मिस बोस।"

डॉलर कॉलोनी में वापस आते हुए, वह माया खंडहरों की उदास, कठोर महिमा के बारे में बात करता रहा। उसने खुद को एक विदेशी लोगों के स्मारकों के पथरीले किनारों पर चढ़ने की कल्पना की। हर मौत एक नई शुरुआत को संभव बनाती है। और फिर उसने सोचा, एक अचानक और अंतिम रूप से जिसने उसे चौंका दिया, मुझे पासपोर्ट नहीं चाहिए। मेरी नई शुरुआत यहाँ है, लेकिन बाबा और माँ की पीढ़ी से अलग। उन्हें अंग्रेजों से लड़ना था; उनकी बड़ी लड़ाई एक स्वतंत्र भारत की स्थापना और एक गुटनिरपेक्ष दुनिया बनाने की थी। उनका संघर्ष सांप्रदायिकता और जातिवाद और गरीबी और अंधविश्वास और बहुत अधिक धर्म के खिलाफ था - बाबा के मामले में हार गए। वे भाग्यशाली थे। उनकी लड़ाई आसान नहीं थी, लेकिन श्री जीजी के साथ मेरी तुलना में सरल और स्पष्ट थी। गरीबी ने बाबा को भयभीत कर दिया। लेकिन मैं नई पूंजी की विशाल मात्रा के संचार से भयभीत, लुभाया और भ्रष्ट हो गया। प्रकाश और कोण, बस इतना ही था। एक काल्पनिक दृश्यदर्शी में सत्य का खुलासा। वह अपने फोटोशॉप्ड बैंगलोर से बाहर निकली। उसने जोर से कहा, "मुझे शैम्पेन से कोई मज़ा नहीं आता। भारत से बहुत ज़्यादा समय बाहर बिताने से आप पागल हो जाते हैं।"

बनर्जी के ड्राइववे में, उसने खुद को बाहर निकालने के लिए यात्री-साइड का दरवाज़ा खोला। जीजी ने उसका हाथ पकड़ लिया और उसे वापस खींच लिया। "मैं नहीं चाहता कि तुम जाओ।

Machine Translated by Google

चलो, तुम्हारा पासपोर्ट बनवा देते हैं। वीज़ा की कोई समस्या नहीं है। मेरे पास संपर्क सूत्र हैं। तुम मुझसे दूर मत जाना।"

उसे आश्चर्य हुआ कि रात का चौकीदार और कुत्ते की देखभाल करने वाला क्या बना रहे होंगे?
दृश्य का एक हिस्सा। कुत्ते ऑरो और पार्वती के साथ बिस्तर पर लिपटे हुए होंगे।
"और मेक्सिको में आप मुझसे क्या उम्मीद करेंगे?" उसने पूछा, अपने चप्पल पहने पैरों को कार से बाहर निकालते हुए।
पोर्च की रोशनी चांदी के पायलों पर चमक रही थी।

"मेरा हो-"

फिर मिस्टर जीजी ने खुद को रोका। उनका चेहरा इतना विनती भरा, इतना दुखी था कि वह लगभग वापस अंदर चली गई। "नहीं," उन्होंने कहा, "यह गलत निकला। तुम जो बनना चाहती हो, बनो। अगर तुम मेक्सिको नहीं चाहती, तो ठीक है। इंडोनेशिया है। अमेरिका है। दुनिया है।

⋯ मुझे आपकी मेरे साथ रहने की जरूरत है।"

यह कितनी दुखद और दयनीय बात है, एक आदमी किसके लिए रो रहा है? एहसान के लिए?
साथी? उसकी निजी छोटी वेश्या?

उसे शक्ति का एक उछाल महसूस हुआ। खुशी है कि उसके पास रात का चौकीदार और कुत्ते को टहलाने वाला गवाह था, उसने मिस्टर जीजी के मुंह पर चुंबन लिया। "तुम वापस आओगे," उसने फुसफुसाते हुए कहा, देवू से बाहर निकलते हुए। वह दरवाज़ा बंद न करने के लिए सावधान थी।

Machine Translated by Google

8

उस रात देर से, जब अंजलि कभी सोती नहीं थी, वह अचानक, तीखी कराह से चौंक गई। डॉलर कॉलोनी के फायदों में से एक अंधेरे घंटों की शांति थी: कोई कार नहीं, कोई रिक्शा का हॉर्न नहीं, कोई साइकिल की घंटी नहीं, कोई चरवाहा भैंसों के झुंड पर छड़ी नहीं हिला रहा था। वह अपनी खिड़की की ओर भागी, जो संकरी गली की ओर देखती थी, लेकिन उसे कोई नहीं दिखा। फिर उसे एहसास हुआ कि चौकीदार अपनी पोस्ट पर नहीं था। वह मुख्य घर के पीछे नौकरों के बाथरूम में गया होगा। और कुत्ते को टहलाने वाला? बेशक: वह स्वाति के साथ था। वह बिना पहरे के घर से बाहर चला गया था।

और फिर उसने रोने का स्रोत पहचान लिया। चाँदनी और धुंधली रोशनी में स्ट्रीटलैंप की रोशनी में वह अहिल्या की आकृति देख सकती थी जो पीठ के बल लेटी हुई थी और उसके पैर सीधे खड़े थे। अंजलि ने कभी किसी कुत्ते को ऐसी मुद्रा में नहीं देखा था, और जब वह देखती रही—और देखती रही—अहिल्या हिली नहीं।

एक सफ़ेद वैन साइकिल की गति से गली में घूमी, फिर खड़ी हो गई, जिससे ड्राइववे अवरुद्ध हो गया। गहरे रंग की हुड वाली स्वेटशर्ट पहने दो आदमी वैन से उतरे और चुपचाप लोहे के भारी गेट को इतना चौड़ा खोल दिया कि अंदर घुस सकें। डॉलर कॉलोनी में रात में कोई भी व्यावसायिक वैन नहीं चलती थी। दो बजे कोई भी पैदल नहीं चल रहा था

अहिल्या मर चुकी थी।

अंजलि की सहज प्रवृत्ति खुद को बेडरूम में बंद करने की थी। दो आदमी एक साथ कैसे रह सकते थे? घर में घुसने के लिए? ग्राउंड फ्लोर पर कई खिड़कियाँ थीं, लिविंग रूम में खिड़कियों की एक दीवार थी जो बगीचे की ओर देखती थी, लेकिन उन्हें तोड़ने से शोर मच सकता था। पार्वती ने अलार्म बजाने के लिए अपने कुत्तों पर भरोसा किया, लेकिन उनमें से एक पहले ही मर चुका था, और मल्हार, अपने भारी शरीर, दाँतों, थूथन और लगातार गुर्राने के बावजूद, स्वाभाविक रूप से डरपोक था।

वह जानती थी कि पहल करना उसके हाथ में है। ऑरो और पार्वती अपने ग्राउंड-फ़्लोर वाले कमरे में सो रहे थे। अगर चोर लिविंग रूम में ट्रक लेकर घुस भी जाते और हथौड़ों से दीवारें गिराना शुरू कर देते, तो ऑरो के खर्राटों की आवाज़ से आवाज़ दब जाती। अंजलि और रबी दूसरी मंज़िल पर रहते थे,

Machine Translated by Google

दूसरे लिविंग रूम से अलग, लेकिन वह खुद को उसका दरवाज़ा खोलकर अंदर आने के लिए नहीं ला सकी, जैसा कि वह उसके दरवाज़े के साथ बहुत ही सहजता से करता था। और संकट में उसका क्या भला होगा? वह एक तस्वीर लेना चाहेगा। उसने अपना दरवाज़ा खोला और एक तरह के ध्यान से सुनी जो उसने पहले कभी नहीं दिखाया था, क्योंकि दुनिया में आखिरी चीज़ जो उसने उम्मीद की थी वह घर में एक अजनबी था।

और एक और बात: उसे तुरंत ही पता चल गया कि वह दोषी है। अगर वह जेल में बिताए घंटों के बाद सभी के जीवन से गायब हो जाती, तो वे सभी सुरक्षित होते। अगर वह बैंगलोर नहीं आती, तो यह सब कुछ नहीं होता। उसने अपने घर, मिन्नी और हुसैना और यहाँ तक कि बेचारी अहिल्या पर भी तबाही ला दी थी, और अब पार्वती और ऑरो के साथ भी यही होने वाला था।

यह निश्चित रूप से टूकी, उसके नए दोस्त और उसका राजू था। बैंग-ए-बक ने उसे जकड़ लिया था।

अंजलि को दूर से आती हुई, दबी हुई हरकतों की आवाज़ें सुनाई दे रही थीं। वह कल्पना कर सकती थी कि दो आदमी किसी तरह पीछे का दरवाज़ा खोल रहे हैं, या खिड़की को काटकर उसे घर में आने से रोक रहे हैं। वह कल्पना कर सकती थी कि वे अब रसोई में हैं, शायद टॉर्च के साथ, फिर लिविंग रूम में जाकर टेबल से कीमती सामान हटा रहे हैं, लेकिन जब उसने नीचे की टेबलटॉप की मानसिक सूची बनाई, तो पाया कि वहाँ कोई भी कीमती सामान नहीं था जिसे तोड़ने की कोशिश की जा सके। वे मिन्नी की टेबल की तरह नहीं थे, जो "अनमोल" चांदी की ट्रे, "अपूरणीय प्लेटें", भारी स्टर्लिंग चांदी से लदी हुई थीं जो कभी राजा के मुंह की शोभा बढ़ाती थीं, और पतले-से-पतले "ऐतिहासिक" क्रिस्टल के गिलास और शैंपेन की बोतलें।

और फिर उसे एहसास हुआ: एकमात्र मूल्यवान वस्तुएँ बंगाली महिला कलाकारों द्वारा बनाई गई पेंटिंग्स थीं। उसे उनके मूल्य का कोई अंदाज़ा नहीं था, लेकिन उसे याद आया कि पार्वती की सहेलियों ने क्या कहा था: पेंटिंग्स बेशक अच्छी थीं, लेकिन बहुत बढ़िया निवेश थीं।

अंत में यह एक आसान निर्णय था। मैं अपनी ज़िंदगी के लिए पार्वती का ऋणी हूँ, और वैसे भी मेरी ज़िंदगी बेकार है। अंजलि ने दिनेश की हॉकी स्टिक को दीवार पर से उठाया। यह उसके हाथों में पंख की तरह तैर रही थी। सीढ़ियाँ उसके बेडरूम के दरवाज़े के ठीक बाहर थीं, और जैसे-जैसे वह धीरे-धीरे नंगे पाँव नीचे उतर रही थी, शोर, यहाँ तक कि

Machine Translated by Google

पुरुषों की आवाज़ें और भी स्पष्ट होती गईं। वे नीचे के लिविंग रूम में थे। ऑरो क्यों नहीं उठा? लेकिन ज़ाहिर है, वह बहुत ज़ोर से खर्राटे लेता था। कुछ रातों में, वह उसे ऊपर तक सुन सकती थी।

कोई रोशनी नहीं जल रही थी, लेकिन खिड़कियों से चाँद की रोशनी आ रही थी।
चोरों ने दो पेंटिंग्स को उनके ब्रैकेट से उठाकर दीवार से टिका दिया था, और उसकी तरफ पीठ करके वे अगली पेंटिंग पर काम कर रहे थे।
वे इतनी जोर से हंस रहे थे और बातें कर रहे थे कि अगर वह कन्नड़ बोलती तो उनकी बातें समझ में आ जातीं, मानो उन्हें यकीन हो गया हो कि घर खाली है। वह लिविंग रूम में हर कुर्सी और टेबल की जगह जानती थी; वह अपनी आँखें बंद करके दूर की दीवार तक जाने के लिए रास्ता बना सकती थी।

पेंटिंग को उठाने के लिए पुरुष एक दूसरे की ओर मुड़े और एक दूसरे के सामने खड़े हो गए।
इसके हुक। और तभी उनमें से एक आदमी ने उसे अपनी आँख के कोने से देखा होगा; उसने चिल्लाया और पेंटिंग का अपना सिरा गिरा दिया, और उनकी आँखें मिलीं और उसे उसका चेहरा याद आ गया, और तभी अंजलि ने उसके सिर पर निशाना साधा और हॉकी स्टिक को उड़ा दिया। यह उसकी आँखों के बीच, नाक के पुल के पार लगी, और वह चिल्लाया जैसे खून की एक धार सीधे बाहर निकली; फिर वह लड़खड़ा कर गिर गया। दूसरे गुंडे ने पेंटिंग का अपना सिरा गिरा दिया, और वह उसकी ओर गिर गई, उसे उससे अलग करते हुए उसने पागलों की तरह अपना सिर हर दिशा में घुमाया। वह जोर से गालियाँ दे रहा था, और वह उस पर चिल्लाई, हिंदी में, उसे मारने की धमकी देते हुए जैसे उसने उसके साथी को मार डाला था। लेकिन उसने पेंटिंग को उनके बीच में रखा और वह उसके चारों ओर और सोफे से अपना रास्ता नहीं बना सकी जिससे वह टकरा गई थी। कृपया, ऑरो, उसने प्रार्थना की, उठो, पुलिस को बुलाओ, लेकिन बेडरूम का दरवाज़ा आंशिक रूप से बंद रहा।

और इसलिए वह फिर से चिल्लाई, "चोर! चोर!" अंग्रेजी, बांग्ला और हिंदी में, और अचानक, उसके पीछे अंधेरे दालान से, मल्हार उस आदमी के कंधों पर कूद पड़ा, धीमी गड़गड़ाहट अब चेतावनी नहीं बल्कि पूर्ण हमले की प्रस्तावना थी। चोर गिर गया, उसके चेहरे पर हाथ रखे, और कुत्ते ने उसकी कलाई पकड़ ली और उसे तब तक हिलाया जब तक कि आदमी का हाथ टूट नहीं गया।

कुछ ही सेकंड में सब खत्म हो गया। दोनों आदमी खून से लथपथ पड़े थे, कराह रहे थे, और बेडरूम का दरवाज़ा खुला और पार्वती, अभी भी अपनी नाइट ड्रेस का सैश बाँध रही थी, चिल्लाई, "अंजलि! तुमने क्या किया?" मल्हार अपनी ट्रॉफी को कलाई से पकड़कर हॉल के अंत में अपने छिपने के स्थान पर खींच रहा था। और फिर पार्वती ने खुद ही नुकसान, पेंटिंग्स, अंजलि के पैरों पर बैठे आदमी और सब कुछ देखा।

Machine Translated by Google

दूसरे गुंडे की चीखें सुनीं, जब मल्हार ने उसे अंधेरे में कुतरने के लिए भेड़ की हड्डी की तरह छाया में खींच लिया।

पार्वती चीख पड़ी। ऑरो चिल्लाया, "क्या?" और ऊपर अंजलि ने दरवाज़ा बंद होने की आवाज़ सुनी।

सुबह चार बजे उन्होंने नाश्ता किया, या कम से कम चाय और दही के साथ ग्रेनोला खाया। मेडिकल वैन चोरों को ले जा चुकी थी। स्वाति और उसकी बहन ने फर्श साफ कर दिया था।

इंस्पेक्टर राजा वेंकटेश, जो ऑरो और पार्वती के बीच सामाजिक रूप से जाना जाता था,
दृश्य। अंजलि के मानकों के अनुसार वह एक आदर्श बॉलीवुड पुलिस इंस्पेक्टर था: एक बूढ़ा दिलों की धड़कन, कुशल, सुडौल, मूंछों वाला, एपोलेट्स वाला, भूरे माथे वाला, और एकदम सही अंग्रेजी बोलने वाला। सुबह चार बजे भी उसकी स्टार्च वाली पतलून की सिलवटें चाकू की तरह नुकीली थीं, और उसके पॉलिश किए हुए जूते रसोई की स्पॉटलाइट को प्रतिबिंबित कर रहे थे।

उन्होंने कहा, "ये लोग जाने-माने बदमाश हैं।" दूसरा चोर रोता हुआ और कांपता हुआ भाग गया था, जबकि मल्हार उसका पीछा करते हुए दरवाजे तक आया।
पहला गुंडा खोपड़ी की हड्डी टूटने के कारण कोमा में था और उसे एक कूड़ेदान पर ले जाया गया था। "आपकी कार्रवाई में कोई कानूनी खतरा नहीं है, सर," उसने ऑरो से कहा। "आत्मरक्षा के लिए उचित है।"

अपने हालिया पुलिस इतिहास को देखते हुए, बेहतर होगा कि अंजलि इसका हिस्सा न बने।

ऑरो ने हंसते हुए कहा, "मुझे विश्वास है कि मेरे बहादुर प्रहरी को भी यही छूट मिलेगी।" उसने मल्हार के चौड़े नितंबों पर थपथपाया।

"बेशक, सर। और दूसरे कुत्ते के लिए मेरी संवेदनाएँ। ज़हर, इसमें कोई शक नहीं।" उसने अपनी चाय की चुस्की ली। "मुझे हॉकी स्टिक के साथ आपकी कुशलता के बारे में कोई अंदाज़ा नहीं था, मि. बनर्जी। शायद हमें क्लब टेनिस कोर्ट पर आपकी तलाश करनी चाहिए?"

"शायद ही." वह हंसा. "स्कूल के बच्चों जैसा कौशल."

Machine Translated by Google

"बहुत बहादुर," पार्वती ने कहा। "लेकिन मुझे उम्मीद है कि बेचारा लड़का बच जाएगा।"

रबी अपना ग्रेनोला और दही चूस रहा था। "वे बेचारे लड़के जानते थे कि वे क्या ढूँढ़ रहे हैं, है न?" उसने कहा।

इंस्पेक्टर वेंकटेश ने सिर हिलाया। "उन्हें जाहिर तौर पर किसी मिशन पर यहाँ भेजा गया था - उन्हें किसने भेजा, यह अभी भी पता लगाया जाना बाकी है। क्या आपने ऑल-कर्नाटक ऑक्शन हाउस के बारे में सुना है?"

"कुछ भी नहीं," ऑरो ने कहा।

पार्वती ने कहा, "मैंने भी नहीं।"

सौभाग्य से इंस्पेक्टर वेंकटेश ने अंजलि की ओर नहीं देखा। उसे याद आ गया
वैन में राजू अपने सौ रुपये के नोट निकाल रहा है।

"इस नीलामी घर के पीछे कौन है?" रबी ने पूछा।

"हमने उस लावारिस वैन को उस कंपनी तक पहुंचा दिया है। वे लड़के
कर्मचारी रहे हैं।" ऐसा लग रहा था कि वह अतिरिक्त टिप्पणियों के पहाड़ पर विचार कर रहे थे। "मुझे आप जैसे संग्रहकर्ताओं को यह बताने की ज़रूरत नहीं है कि भारतीय पुरावशेष- और जिन्हें हम कल की बकवास समझते हैं- अंतर्राष्ट्रीय आकर्षण बन गए हैं। बड़े घराने, लंदन और न्यूयॉर्क और टोक्यो के बाज़ार, वे स्थानीय प्रदाताओं से जुड़े हुए हैं जो हमेशा, जैसा कि हम देख सकते हैं, ऊपर और ऊपर नहीं होते हैं।"

और फिर, मानो किसी दबाव में आकर कबूल करने को मजबूर हो, अंजलि ने बीच में ही बोल दिया, "मुझे याद है कि उस कंपनी ने बैगहोट हाउस में हुए दंगे के दौरान कुछ सामान हटाया था।" वह कम से कम इतना ही कह सकती थी, और ज्यादा से ज्यादा भी। उसे चुप हो जाना चाहिए था।

उन्होंने इसे लिख लिया। "आप इस तरह की हटावों के गवाह थे?"

"मैंने उस नाम वाली एक वैन देखी।"

पार्वती ने बताया, "अंजलि वहां किराएदार थी।" इंस्पेक्टर ने उसे पकड़ लिया।
उन्होंने चुपचाप खबर सुनी। "हाँ, मिस अंजलि बोस। मुझे पहले से ही पता है," उन्होंने कहा।

Machine Translated by Google

उसने वह सब कुछ नहीं बताया जो वह जानती थी: उसका नाम लालू है। वह भाई है
मेरे साथी बेजहोट हाउस किराएदार सुनीता संपत का। वह बिल्कुल उसकी तरह ही एक डरे हुए चूहे जैसा दिखता था। वह राजू नाम
के एक आदमी के लिए ग्लिट्ज़वर्ल्ड में काम करता था। राजू को हर कोई जानता है। उसने मिन्नी बेजहोट को खाना और शराब भेजी थी। मैंने
राजू द्वारा भेजा गया मटन स्टू खाया। डायनेमो के कॉलम पढ़ें। यह सब जुड़ा हुआ है।

"मिस बोस, मैं आपको सबसे पहले यह बताना चाहता हूँ कि कल आपके नाम का पासपोर्ट एम्स्टर्डम में एक लावारिस पर्स में मिला था। और कल ही, एम्स्टर्डम के एक होटल में एक युवा भारतीय महिला का शव मिला था। हमारा मानना है कि यह आपके बैगहॉट हाउस की सह-किरायेदार मिस शिराज थी। उसने शॉवर स्टॉल से एक टी-शर्ट से खुद को फांसी लगा ली।"

वह खड़ा हुआ, ऑरो से हाथ मिलाया, पार्वती को प्रणाम किया, मल्हार के सिर पर थपथपाया और अंजलि की ओर सिर हिलाया।

जब वह अपने शयन कक्ष में गयी तो उसे पीटर का पत्र याद आया।
शायद यह मिन्नी के यहां हुई बहस का सिलसिला नहीं था।

पीटर की लिखावट पंख जैसी हल्की थी।

मेरी प्यारी एंजी, मुझे बैंगलोर में अपने व्यवहार पर शर्म आ रही है। आपने
इस प्यारे देश के उन पहलुओं को सहन किया है, जिनसे प्रवासी और शरणार्थी
बच गए हैं। मैं बहुत स्पष्टवादी और दबंग था। घमंडी श्रेष्ठता, चाहे आप इसे कुछ भी
कहें - मैं माफी चाहता हूँ। आपके पिता का निधन मेरे दिमाग में बहुत है।
जीवन बहुत छोटा है, मृत्यु बहुत अचानक है, इसलिए स्नेह और कृतज्ञता के
अलावा किसी और चीज से व्यवहार नहीं किया जा सकता।

आपके पिता का निधन एक शक्तिशाली और विनम्र क्षण है
कहानी। "सब-इंस्पेक्टर", डिप्टी और सहायकों जैसी औपनिवेशिक
जातियों की दृढ़ता जो भारतीय प्रणाली को विरासत में मिली और फिर
पुनर्जीवित हुई, और

Machine Translated by Google

तथाकथित "छोटे आदमी" की जिद्दी गरिमा मुझे रुलाती है। (मैं पिछले कई दिनों से खूब रो रहा हूँ।) उनके "दृढ़" और "अडिग" जीवन (मृत्युलेख के शब्दों में) में झुकी हुई गरिमा का ऐसा स्वर है, जो कभी नेतृत्व के पद पर नहीं पहुँच पाया, और कर्तव्य, कर्तव्य, कर्तव्य के प्रति अंतहीन समर्पण। खुशी, तृप्ति या प्रसन्नता का कोई उल्लेख नहीं - यह वीरतापूर्ण है।

मैं आपके पिता की तरह भारत में लाखों लोगों के बारे में सोचता हूँ जो आज भी काम पर साइकिल से जाते हैं या हर सुबह बसों और कम्यूटर ट्रेनों में सवार होते हैं, शहर और अपने पिता और दादा के व्यवसाय से जुड़े हुए हैं। वे कागजों को पलटते हैं, अंतहीन चाय पीते हैं, दस्तावेजों पर मुहर लगाते हैं, फिर अपने जीवन के प्रत्येक कार्य दिवस पर एक ही समय पर घर वापस लौटते हैं। उनके लिए जगह मिल गई है, लाखों की संख्या में, और अगर उनमें से कोई भी मर जाता है, तो व्यवस्था ठप्प नहीं हो जाएगी। और फिर भी, जैसा कि नाटककार ने कहा, "ध्यान दिया जाना चाहिए।" यह समझने के लिए कि भारत में क्या महान है, यह समझना है कि उनका जीवन आपके और एक दर्जन अन्य नए युग के बैंगलोर में रहने वाले लाखों लोगों के साथ सह-अस्तित्व में है। मुझे उम्मीद है कि आप इसे मेरे इरादे के अनुसार पढ़ेंगे, अपने पिता की जीवन में उपलब्धियों पर सवाल उठाने के रूप में नहीं बल्कि उनके जीवन और उनके दृष्टिकोण की पूर्णता के रूप में।

मैंने आपकी बहन से फ़ोन पर बात की है और मुझे विश्वास है कि समय के साथ आपकी माँ कम से कम खुद को तो समझेगी ही कि आपको घर से क्यों भागना पड़ा। अभी वह समय नहीं आया है। आपकी बहन मुझे अपने शारीरिक और भावनात्मक स्वास्थ्य के बारे में बताती रहेगी, इस उम्मीद के साथ कि मैं आपको यह जानकारी दे दूँगा।

एक अलग विषय पर (माफ़ करना अगर मैं ज़्यादा ही अहंकारी हो रहा हूँ): तुम्हारे पिता ने जिस आदमी को चुना था, उसने तुम्हारे साथ गलत किया। मेरी बात पर यकीन करो, प्रिय एंजी, मेरा यह मतलब नहीं था।

Machine Translated by Google

जब मैंने कहा कि आपकी औपचारिक शादी की तस्वीर से केवल राक्षस ही पैदा होंगे, तो यह सचमुच में सही था। पिछले हफ़्ते मैंने एक ऐसे व्यक्ति के बारे में पढ़ा (जिसकी तस्वीर कहानी के साथ थी) जिसे एक अपराधी धोखेबाज़ के रूप में गिरफ़्तार किया गया था। वह चिंतित पिताओं से दहेज के तोहफ़े और उनकी बेटियों से बहुत कुछ ठगने में सफल रहा है। पिताओं में से एक (अनाम) ने वारंट की शपथ ली। यह उल्लेख किया गया था कि गौरीपुर एक ऐसी जगह थी जहाँ वह गया था। अगर ऐसा है, तो आपके पिता को आपके जाने के पीछे की पूरी कहानी समझ में आ गई होगी। वह आदमी अब जेल में है। वह एक अपराधी आत्मा में नए और पुराने भारत के दूसरे पहलू का अवतार है।

मैं भी अतीत में जीवन भर के बदलाव से गुज़रा हूँ
कुछ दिन। तुम्हें अली याद है (कैसे याद नहीं होगा?)।
खैर, वह चला गया, साथ ही मेरी बचत का एक बड़ा हिस्सा भी चला गया। उसका सपना था कि वह एक खतरनाक और महंगी सर्जरी करवाए। लेकिन गली-मोहल्लों की गपशप से मैंने सुना कि यह उसके लिए बहुत बुरा हुआ। अब मुझे उसकी जान का डर है।

इतनी सुन्दर रचना का विकृत होना एक दुःस्वप्न है, जिससे मैं कभी नहीं जाग पाऊँगा।

इसलिए, उनका सम्मान करने के लिए, या कम से कम उनके द्वारा लाए गए परिवर्तनों का सम्मान करने के लिए
मैं अपनी पुरानी एकांतप्रिय आदतों में वापस न जाने की कोशिश कर रहा हूँ। गमले अभी भी सीढ़ियों को रोशन कर रहे हैं, दीवारों पर चमकीले कैलेंडर अभी भी लटके हुए हैं, और किताबें बड़े करीने से बक्सों में सजी हुई हैं। लगभग अचंभित होकर मैं रात में मेज़ पर रखने के लिए फूल ढूँढ़ता हूँ, और कहीं-कहीं मुझे गद्दे को ढकने के लिए एक चमकीला चादर मिल जाती है। अगर आप कभी गौरीपुर में किसी छोटी यात्रा या पुनर्वास के लिए वापस आते हैं, तो मुझे उम्मीद है कि आप अपनी पहली यात्रा अपने पुराने दोस्त और शिक्षक पीटर से मिलने के रूप में करेंगे।

पी.एस. आप और अली दशकों में केवल दो लोग हैं
मेरे खोल को भेद दिया है। मैं तुम्हारे उद्धार में एक साधन बनना चाहता था (अपने हस्तक्षेपों पर उच्च चमक डालने के लिए); अली के साथ, मेरा हस्तक्षेप आत्म-पराजय साबित हो सकता है, अगर

Machine Translated by Google

घातक नहीं। मैं प्रार्थना करता हूँ कि बैंगलोर में आपकी गतिविधियाँ मेरे अनाड़ी
लेकिन नेक इरादे वाले प्रोत्साहन के साथ-साथ अली के अपने जीवन के सपने को
आवेगपूर्ण तरीके से अपनाने की भरपाई करेंगी।

पीटर

अचानक वह गौरीपुर वापस आ गई। यह फिर से वही दिन था जब वह पीटर चैंपियन से मिलने गई थी और उसे अपनी शादी की तस्वीर दिखाई थी, और पीटर ने कहा था कि अगर वह शादी कर लेती है तो वह उसके लिए मर चुकी है। "कमज़ोर और थकी हुई," वह बार-बार दोहराती रही।
"रे-वेन।" उसने चित्र को किसी तरह अश्लील बताया। अभी भी उसे पकड़े हुए, वह आँसू रोकते हुए घर वापस जाने लगी थी, लेकिन उसने खुद को दा गामा परिसर से गुजरते हुए पाया। और वह फिर से रो रही थी। स्वाति को एक महिला के रोने और गुर्राने की आवाज़ें सुनने दें जो टूट रही थी। आँसू पीटर के लिए थे, जो अभी भी अपने शिष्य की परवाह करता था, और उसके पिता के लिए, जिसने अपने अनाड़ी तरीके से विद्रोही बेटी की बहुत ज़्यादा परवाह की थी।

बगल के बगीचे में, सिटीबैंक श्रीनिवासन की ऊंची आवाज ने देवी पार्वती के पुत्र हाथी के सिर वाले भगवान गणेश को सभी नश्वर प्राणियों को पुनर्जन्म के कष्टदायक चक्र से मुक्त करने के लिए प्रेरित किया। रसोई में स्वाति और उसकी बहन ने बनर्जी, अचानक आने वाले मेहमानों और घर के कर्मचारियों के लिए दोपहर का भोजन और रात का खाना पकाया। और अंजलि के आंसुओं के साथ जगमगाते गौरीपुर में, "रेलवे बोस" हाथ में व्हिस्की लिए, पैरों को नीचे की ओर टिकाए, राज्यव्यापी भ्रष्टाचार और लालच पर अपने भाषणों से श्रीमती बोस को मंत्रमुग्ध कर रहे थे, और एंजी ने एक आदर्श दूल्हे का सपना देखा।

और फिर वह सुबह का बचा हुआ अख़बार उठाता है।
एक लड़के की तस्वीर है जिसे वह याद करता है, और एक लेख। क्या? क्या वह शादी करने जा रहा है?
क्या? क्या वह इतना प्रसिद्ध है, उसके कारनामे पहले पन्ने पर छपने लायक हैं? लेकिन यह एक पुलिस रिपोर्ट है, और उसके खिलाफ़ लगाए गए आरोप एक पिता के दिल को टुकड़े-टुकड़े करने के लिए पर्याप्त हैं।

"ओह, अंजलि," वह रोता है, "मुझे नहीं पता था। तुमने मुझे क्यों नहीं बताया? मैं वह करने के लिए मजबूर नहीं होता जो मुझे अब करना है।"

Machine Translated by Google

9

श्री जीजी ने अपने सभी वादे पूरे किए। श्री जीजी के एमबीए सहपाठी, श्री केके
रिकवरी सिस्टम में एचआर डिवीजन के निदेशक जगतियानी ने अपनी निजी सहायक श्रीमती मेलवानी को बनर्जी के लैंडलाइन पर अंजलि को कॉल करने के लिए कहा। क्या मिस बोस चाहेंगी कि श्रीमती मेलवानी मानव संसाधन के उप प्रभारी श्री डी.के. जगतियानी (श्री के.के. के छोटे भाई, जैसा कि उन्होंने माना, सिंधी स्वामित्व वाले व्यवसाय में हैं, अगर परिवार के नाम कोई संकेत देते हैं) के साथ "बातचीत" की व्यवस्था करने की पहल करें, जो कैलिफोर्निया और मिशिगन की अपनी व्यावसायिक यात्रा से लौटने के बाद होगी? यदि ऐसा है, तो श्रीमती मेलवानी श्री डी. से अनुरोध करेंगी।

के. जगतियानी की निजी सहायक मिस लालवानी को सीधे मिस बोस से संपर्क करने और उन्हें अपने कैलेंडर में शामिल करने के लिए कहा।

बोस परिवार के पदानुक्रम में भारतीय समूहों के साथ किसी भी तरह का व्यवहार करने से बचना चाहिए, सिंधी आमतौर पर शीर्ष स्थान पर रहते हैं।

अंजलि ने अपना पूरा "फ़ोन संतुलन" जुटाया। "ज़रूर, अगर मैं अभी भी उपलब्ध हूँ," उसने कहा। "और मैं चाहूँगी कि मिस लालवानी मुझे मेरे सेल फ़ोन पर कॉल करें। मैं तुम्हें वह नंबर दे दूँगी।"

श्रीमती मेलवानी ने उसे रोका। "चिंता मत करो; हमारे पास यह फाइल है। टेलीफोन
नंबर, वर्तमान पता, बायोडाटा।"

बायोडाटा? उसे नौकरी का कोई अनुभव नहीं था। मि. जी.जी. ने अपने दोस्त को उसे पेश करते समय सच्चाई के साथ छेड़छाड़ की होगी। अगर मिस लालवानी अपने बॉस के साथ मीटिंग सेट करने के लिए कॉल करतीं, तो वह उसे अपना पहला नाम अंजोली लिखने का निर्देश देतीं। एक दिन अपराधबोध और दुख से शुरू हो सकता है लेकिन उम्मीद के साथ खत्म हो सकता है। सिटीबैंक श्रीनिवासन को निर्वाण का लक्ष्य रखना चाहिए; वह माया में फंसकर खुश थी।

पार्वती ने अंजलि को आगामी साक्षात्कार के लिए प्रशिक्षित करने की पेशकश की। यदि बकायादार थेल्मा व्हाइटहेड की तरह होते, अर्कांसस से उनकी काल्पनिक कॉलर, तो वे शायद एक पहचाने जाने योग्य भारतीय उच्चारण वाले एजेंट द्वारा धोखा दिए जाने से नाराज होते। वह उत्साहित लग रही थी। "CCI को सचेत करने के लिए धन्यवाद

Machine Translated by Google

यह बिलकुल नया आउटलेट है। ऋण वसूली, कितनी रोमांचक है।" अंजलि पे-अप-या-अन्यथा फोन विशेषज्ञों के लिए प्रशिक्षण पुस्तिका के लिए गिनीपिग होंगी। रिकवरी सिस्टम के लिए, अंजलि की आवाज़ में अधिकार प्रदर्शित होना चाहिए। दयालु अधिकार से शुरू करें, क्रेडिट-स्कोर क्षति पर जाएँ, फिर कानूनी धमकी पर। पार्वती ने केके जगतियानी से कुछ फंड-रेज़र में मुलाकात की थी, उन्होंने कहा, लेकिन उनके बेटे या चचेरे भाई या भाई, डीके जगतियानी से नहीं। उनकी मुलाकात के समय, श्री केके जगतियानी प्रवासी भारतीयों के लिए एक अंतरमहाद्वीपीय दाह संस्कार और राख बिखराव सेवा की खोज कर रहे थे।

"मुझे लगता है कि हिंदू एनआरआई शव-निपटान योजना जमीन पर नहीं उतरी," ऑरो ने हंसते हुए कहा। उसने भी अंजलि को साक्षात्कार के लिए तैयार होने में मदद करने के लिए स्वेच्छा से आगे आया। "अगर आप सिंधियों से निपटने जा रहे हैं, तो क्यों न हम द सोप्रानोस के कुछ एपिसोड देखें ?"

अगली रात डिनर के बाद, उन्होंने अंजलि और पार्वती को लिविंग रूम में सबसे चौड़े सोफे पर अपने दोनों ओर बैठाया और द सोप्रानोस के तीन सीज़न में से पहला गाना बजाना शुरू कर दिया। दर्जनों गाने बज गए या बज चुके थे।
युवा ने बूढ़ों को पीटा, भाइयों ने भाइयों को पीटा, चचेरे भाइयों ने चचेरे भाइयों को पीटा, बैग वालों ने कर्जदारों को पीटा, प्रवर्तकों ने मुखबिरों को पीटा।

ऑरो ने मजाक में कहा, "जब आपके पास एक भारतीय परिवार है तो माफिया की क्या जरूरत है?"

"क्या यह भट्टाचार्य पर कटाक्ष है?" पार्वती ने पूछा। "मुझे बताने दीजिए तुम, अंजलि, टोनी की माँ मुझे ऑरो की माँ की याद दिलाती हो।"

"यह पूरी तरह से सीमा के बाहर है!" ऑरो ने गुस्से में कहा।

"ठीक है, ठीक है, सास-बहू के चुटकुले केवल टीवी पर ही मजेदार होते हैं।"

अंजलि सुबह-सुबह बिस्तर पर चली गई और उसने स्विमिंग पूल में बत्तखों के उछलने का सपना देखा। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि अंजलि तैरना नहीं जानती थी, क्योंकि उसके सपने में वह मीडो सोप्रानो थी।

Machine Translated by Google

रबी ने अपने अगले फोटो असाइनमेंट के लिए अपनी स्काउटिंग यात्रा को तीन दिन कम कर दिया। "बाबा, पार्वती आंटी से आदेश," उन्होंने घोषणा की। "माँ, बाबा और कैली दो सप्ताह में यहाँ आएँगे, और मुझे बाबा के लिए देखने के लिए संपत्तियाँ व्यवस्थित करनी हैं।"

ऑरो ने झल्लाहट का दिखावा किया। "ओह, ओह, तुम जानती हो इसका क्या मतलब है, अंजलि, है न? हमारे लिए कम समय। कार्मेला और टोनी के लिए तो और भी कम समय। एक बार जब दोनों बहनें अपना अड्डा शुरू कर देती हैं, तो कोई रोक नहीं सकता। मुझे उनसे छुट्टी चाहिए!"

अड्डा। चाय पर बंगाली बातें। या डॉलर कॉलोनी में, व्हाइट वाइन पर।

बनर्जी के घर में एक काल्पनिक परिवार का आरामदायक माहौल अचानक ढह गया। वह पार्वती और ऑरो की बेटी नहीं थी; वह उनके घर की मेहमान भी नहीं थी; वह तो उनका बचाव प्रोजेक्ट थी, एक गली के कुत्ते की तरह।

पार्वती की उत्तेजना उसके चारों ओर घूम रही थी। "रबी, क्या तुम्हें लगता है कि मुझे तुम्हारी माँ और बच्चे को भूपेश के कमरे में रखना चाहिए?" "औरो, बहुत सारी बीयर रखना याद रखना। बिश को किंगफिशर पसंद है, लेकिन जिस तरह से हम पीते हैं, उतनी गर्म नहीं।"

"मैं माली की पत्नी को दिन में एक बार बुलाकर अतिरिक्त कपड़े धोने का काम करवा दूँगा।" "ओह, मैं घर में बच्चे के आने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूँ। यह तुम्हारी बूढ़ी होती चाची के लिए पहली बार है!"

अंजलि पार्वती और ऑरो को साझा नहीं करना चाहती थी। वह तारा और उसकी बच्ची को पार्वती के उनके प्रति प्रेम की मधुर सादगी से ईर्ष्या करती थी। पार्वती के बहन-प्रेम को पित्त में नहीं डुबोया गया था। पार्वती ने अपने पिता को नहीं मारा था और न ही उनसे पहले मरी थी। कड़वाहट खूंखार हो गई। गौरीपुर में रबी के साथ उसने जो संक्षिप्त, असंभव दोस्ती बनाई थी, वह दांव पर थी। मोनेट, मोरे, लाइट और एंगल। कृपया पहाड़ को बहाल करें। लेकिन केवल आधा दर्जन पुल-डाउन प्रॉप्स थे, और बनर्जी का लिविंग रूम उनमें से नहीं था। उसे फिर से आगे बढ़ना होगा।

पार्वती चमेली से ढके हुए पेर्गोला के नीचे एक डेक कुर्सी पर बैठ गईं और अंजलि को अपने पास आने के लिए इशारा किया। "आओ, मेरे पास बैठो," उसने आग्रह किया जब अंजलि ने कहा

Machine Translated by Google

झिझकते हुए कहा। "मुझे इस सब से छुट्टी चाहिए।" उसने अपने लैपटॉप की स्क्रीन की ओर इशारा किया। "नापा तो नहीं, लेकिन डोड्डाबल्लापुर वहाँ पहुँच जाएगा। खेत से अंगूर के बाग तक, बिश का शुक्रिया, जो शराब और अपनी पत्नी और भाभी जैसे शराब प्रेमियों से प्यार करता है।" उसने अपने पैरों के पास रियल एस्टेट ब्रोशर के ढेर पर शारडोने का गिलास रख दिया।

अंजलि घास पर बैठी थी, पार्वती से ईर्ष्या कर रही थी, सबसे ज़्यादा ईर्ष्या उसे अजनबियों पर उसके भरोसे से थी। तब भी जब कोई नेकदिल अजनबी राक्षसों के लिए दरवाज़े खोल सकता था। पैसे ने उस तरह का आत्मविश्वास पैदा किया। पैसा पार्वती और रबी की माँ जैसी महिलाओं के लिए सुरक्षा जाल था। पैसे ने आयुर्वेदिक स्पा से लाड़-प्यार वाली त्वचा और चमकदार बाल संभव बनाए। वे कभी बेघर नहीं रहीं, कभी भूखी नहीं रहीं, उन्होंने कभी चोरी नहीं की, उन्हें कभी किसी संभावित परोपकारी को बहकाना नहीं पड़ा।

वह पीटर चैंपियन की दुनिया में विश्वास करते हुए गौरीपुर से निकली थी।
गरीबी पुण्य थी। ज्ञान ही पर्याप्त सुरक्षा थी। आखिरकार, प्यार उसके रास्ते में आ ही गया। साल दर साल, छात्रों के नामों को छोड़कर कुछ भी नहीं बदलता। और देखिए बैंगलोर ने कुछ ही महीनों में उसके साथ क्या किया। उसने अपने पद से ऊपर उठने की हिम्मत की थी, वह खुशी की तलाश में थी, और उसने बस इतना किया कि उसके सिर पर ईंटों की एक शेल्फ गिर गई।

"यह मेरा स्वार्थ है, लेकिन मुझे खुशी है कि तारा यहाँ बस जाएगी। वह बहुत कुछ झेल चुकी है। बेशक, तुम्हारी तरह नहीं, लेकिन फिर भी यह दर्दनाक है।
क्या रबी ने तुम्हें तीन साल पहले उनके घर में लगी आग के बारे में बताया है? आगजनी, लापरवाही से खाना पकाना नहीं। हमें अभी भी नहीं पता कि क्यों। पुलिस को लगता है कि यह अंतरराष्ट्रीय गिरोह है, क्योंकि बिश बहुत महत्वपूर्ण है। वह बुरी तरह जल गया था; उसके पैर लगभग गल गए थे। कोलकाता में सेंट जेवियर के दिनों में उसका सर्विस बहुत खराब था; अब वह बेंत के सहारे चलता है। तारा वापस आने से डरती है, लेकिन मैं उसे बताती रहती हूँ कि पाम मीडोज में रहना कमोबेश वैसा ही है जैसा बिश को तलाक देने से पहले एथरटन में रहना था। ओह, तुम्हें नहीं पता? वह हम तीन बहनों में से अकेली है जिसने डैडी की मर्जी के मुताबिक काम किया, यानी उसने डैडी द्वारा चुने गए लड़के से शादी की, और बिश बहुत अमीर नहीं था, लेकिन डैडी ने कहा कि उन्होंने उसमें प्रतिभा की चिंगारी देखी - यह डैडी का सटीक वाक्य था - और वह बीस साल की उम्र में पालो ऑल्टो पहुँची, पहले से ही एक कंप्यूटर साइंस ग्रेजुएट स्टूडेंट की दुल्हन और रबी से गर्भवती थी। उसने दस साल बाद उससे तलाक ले लिया और रबी के साथ अकेले रहने लगी।

Machine Translated by Google

खैर, बिल्कुल अपने दम पर नहीं, जैसा कि वह सबसे पहले स्वीकार करेगी। उसने अपनी किताबें लिखीं। बिश और वह फिर से साथ आए और कैली के जन्म से ठीक पहले दोबारा शादी कर ली। लेकिन उसने कई साल एक अकेली माँ और एक लाल महिला के रूप में भी गुज़ारे हैं। आप मुहावरा जानते हैं? लाल हेरिंग, लाल महिलाएँ - अब वे खो गए हैं। उसे लगता है कि कैलिफ़ोर्निया में रहने के बीस से ज़्यादा सालों में उसने भारत से संपर्क खो दिया है। बेशक, जब मम्मी और डैडी ज़िंदा थे, तब वह साल में दो बार आती थी। वह जितना पढ़ सकती है, क्लिप करती है और गूगल करती है, लेकिन वह कहती है कि इससे उसे और भी ज़्यादा बाहरी होने का एहसास होता है। वह कहती है कि वह हमारी पीढ़ी की बूढ़ी कोलकाता की सुंदरियों से थक गई है, और मैंने उससे कहा है कि वे मुझे भी बोर करती हैं, लेकिन तुम्हारी पीढ़ी की महिलाएँ, अंजलि, वे मेरे लिए अनजान हैं, भले ही मैं उन्हें सिखाती हूँ। मुझे कभी-कभी ऐसा लगता है कि मैं एक बड़ी घाटी के पार उन पर चिल्ला रही हूँ, लेकिन वे मुझे सुन नहीं पाती हैं, या वे सुन नहीं रही हैं। मैं तुम्हारी ज़िंदगी में प्रवेश करना शुरू नहीं कर सकती। लेकिन मैं जिज्ञासु हूं, उसकी तरह भयभीत नहीं हूं।"

"तुम्हें मुझमें ऐसा क्या रहस्यमय लगता है?" अंजलि ने अचानक पूछा। कृपया मुझे बताओ कि मैं कौन हूँ। मुझे बताओ क्योंकि मुझे कुछ भी पता नहीं है, सिवाय इसके कि मैं ईर्ष्या और क्रोध से उबलती रहती हूँ।

चौंककर पार्वती ने अपनी वाइन ग्लास की ठंडी डंडी पर उँगली को ऊपर-नीचे रगड़ा। संघनन के कारण चमकदार ब्रोशर पर दाग लग गया। उसने उसे मोनोग्राम वाले कपड़े के कॉकटेल नैपकिन से पोंछा। "तुम्हें पता है कि पाम मीडोज में तुम्हें क्या मिल सकता है जो हमें डॉलर कॉलोनी में खरीदने पर नहीं मिल सकता था?

वास्तु अनुपालन। फेंग शुई को भूल जाइए। नए बिल्डरों ने प्राचीन हिंदू नियमों और आदेशों के लिए चर्चा का विषय बना दिया है। आध्यात्मिक संतुलन के लिए वास्तु अनुपालन और स्वाद की संतुष्टि के लिए तापमान नियंत्रित वाइन सेलर। मुझे पता है कि मैं बड़बड़ा रही हूँ।" उसने अपना गिलास उठाया और ब्रोशर को दूर धकेल दिया। "संक्षिप्त उत्तर यह है कि, मुझे नहीं पता, अंजलि, मुझे वास्तव में नहीं पता।

मैं जो सबसे अच्छा सोच सकता हूँ, वह यह है कि आप एक प्रतिबिंबित पूल की तरह हैं। आप लहरदार संकेत देते हैं कि हम क्या हैं या हम क्या होने जा रहे हैं।"

Machine Translated by Google

10

कावेरी नदी घाटों से लेकर समुद्र तक चौड़ी और उथली है, लेकिन संरक्षित क्षेत्र नदी के एक मोड़ पर बसा है, जहां ढाल कम हो जाता है और जंगल किनारों तक फैल जाता है, तथा कुछ द्वीप नौवहन प्रवाह को बाधित करते हैं।

द्वीपों पर, ज़्यादातर दिन मगरमच्छ धूप सेंकते रहते हैं और ऊंचे पेड़ लटकते चमगादड़ों से काले हो जाते हैं। डिस्कवरी इंडिया से अपने कमीशन के साथ, रबी को सहायक डिप्टी लॉज में नियुक्त किया गया है, जहाँ कर्मचारी उस पर नज़र रखते हैं ("बहुत युवा!" उसने उन्हें कहते सुना), युवा महिला और दूसरे आदमी के लिए भोजन और पेय प्रदान करते हैं।

वे अपनी नाव को द्वीप पर ले गए, बीच में अंजलि धूप सेंकने वाली टोपी और काले चश्मे में थी, बहुत ही यूरो-ग्लैम महसूस कर रही थी और, जैसा कि मोनी ने कहा, दोनों पुरुषों और उनके पेशेवर लेंस का ध्यान आकर्षित करने वाली वस्तु थी। वह लंगर वाली नाव में ही रही, जबकि दोनों पुरुष बड़े द्वीपों में से एक पर किनारे पर उतरे और कुछ मरी हुई मछलियों के सामने कैमरे और रिमोट रिलीज़ सेट किए। फिर उन्होंने खुद को गहरे चैनल में फिर से लंगर डाला, अभी भी देखने और शटर रिलीज़ को ट्रिप करने के लिए पर्याप्त करीब थे। छोटे मगरमच्छों को छिपने से बाहर आने में ज़्यादा समय नहीं लगा। वे बस कुछ ही फ़ीट की दूरी पर थे! वे लड़के बदबूदार मछलियों और छोटे तिपाई के साथ खिलवाड़ कर रहे थे और झाड़ियों से मगरमच्छ उन्हें देख रहे थे!

"मेरे हीरो!" उसने आह भरते हुए कहा, यह पंक्ति उसे सीनफील्ड से याद आई, जब मगरमच्छों में से पहला बाहर आया। मछली मगरमच्छ के आकार की आधी थी और उसने अपने पिछले पैरों पर खुद को ऊपर उठाया ताकि पूरा विस्तार हो सके, गुरुत्वाकर्षण का पूरा प्रभाव मछली को उसके गले से नीचे खिसकाने में मदद करे - एक तस्वीर के लिए एक बढ़िया विषय।

लड़के चाहते थे कि पानी से कुछ बड़ा निकले, डोंगी जितनी लंबी और उससे दुगुनी चौड़ी, लेकिन कौन सा चारा पर्याप्त होगा, सिवाय शायद अंजलि के, जो खूंटे से बंधी हो? वह सहमत थी; खाना नहीं बना सकती, सिलाई नहीं कर सकती, नाव नहीं चला सकती। चारा अच्छा है। "लड़की को अपना वजन खींचना पड़ता है," उसने कहा।

रबी ने सुझाव दिया, "हम उसे थोड़ी देर धूप में करवटें बदलने दे सकते हैं, और फिर जब हमें कोई बहुत बड़ा सांप दिखाई देता है, तो हम चतुराई से रस्सी हटा देते हैं..."

Machine Translated by Google

"...और आशा है कि हम उसे समय रहते नाव तक वापस ले आएँगे," मोनी ने कहा।

"यह एक योजना है," अंजलि ने कहा।

उप सहायक प्रबंधक के सहायक ("यह नाम कैच-22 से लिया गया लगता है" मोनी ने कहा; अंजलि को कुछ समझ नहीं आया लेकिन वह मुस्कुराती रही) ने कसम खाई कि नदी में कुछ बड़े लोग थे, लेकिन आमतौर पर द्वीपों पर नहीं। वे किनारे पर धूप सेंकते थे लेकिन वे नीचे की ओर धीमे, गर्म पानी में जाना पसंद करते थे, जहाँ बड़ी मछलियाँ और ऊदबिलाव तैरते थे। वे पक्षियों के लिए भी जाते हैं। और कभी-कभी चमगादड़ - कुछ पेड़ों पर दोपहर में हजारों चमगादड़ रहते हैं, और कुछ छोटे चमगादड़ अपने बसेरे से धक्का खाकर पानी में गिर जाते हैं। कभी-कभी वे पानी में उतरते भी नहीं कि एक बड़ा मगरमच्छ उन्हें पकड़ लेता है।

यह एक तस्वीर होगी। "इसे ऐसा बनाओ, नंबर वन," रबी ने कहा।

मैनेजर के बंगले में पुराने ब्रिटिश दिनों की तस्वीरें थीं,
मगरमच्छों को बाघों पर हमला करते हुए दिखाया गया है। रबी ने अंजलि की ओर देखते हुए इसे "बड़ी कर्ज वसूली" कहा। इन लोगों ने कोई गड़बड़ नहीं की।" बाघ और चीतल, मगरमच्छ और सूअर। अब बाघ नहीं हैं, शायद कुछ तेंदुए हैं, लेकिन मगरमच्छों के साथ कोई प्रतिस्पर्धा नहीं है। मगरमच्छ खाद्य श्रृंखला में सबसे ऊपर हैं, सिवाय शायद चमगादड़ों से नीचे। प्रति वर्ष सकल टन भार में, एक छोटा चमगादड़ संभवतः मगरमच्छ को खा जाता है।

बल्ले से बढ़कर कुछ नहीं है।

"किसको पता था?" अंजलि बोली।

रबी ने पुरानी यादें ताज़ा करना शुरू किया। "जब मैं सैन फ्रांसिस्को में एक छोटा लड़का था, तो मैं
अपने पिता के साथ सप्ताहांत बिताता था। हम ओशन बीच पर लंबी सैर के लिए जाते थे, या कभी-कभी कैंडलस्टिक से नीचे उतरते थे। पुराने इटालियन लोग वहाँ रेत में पाँच या छह डंडे गाड़कर फोल्डिंग कुर्सियों पर बैठे होते थे, बीयर या शायद अपनी घर की बनी शराब पीते हुए, आँखें आधी बंद करके, अपने डंडे की नोक पर लगी घंटी के बजने का इंतज़ार करते हुए। वे इसे एक झटका देते थे। जैसे शटर रिलीज़ क्लिक कर रहे हों। यह जादू जैसा था।"

"मुझे पता है," मोनी ने कहा। "मेरे माता-पिता का ब्रिटिश कोलंबिया में एक ग्रीष्मकालीन निवास था। मैं गैलियानो द्वीप पर रॉक कॉड के लिए जिग करता था। मैं डॉक पर लेट जाता और लाइन को दो अंगुलियों के चारों ओर लपेटता और बस इसे चट्टानों में डाल देता। अगर

Machine Translated by Google

मुझे मछली नहीं मिली, मुझे केकड़ा या झींगा मछली मिली। आप नाचते पानी में काफी देर तक देखते हैं और आपको लगता है कि आप मछली के साथ वहाँ हैं, जैसे कि आपके गलफड़े उग आए हों।"

रबी का अहंकार इतना विशाल था कि वह पूरी दुनिया को अपने में समेटे हुए था। अंजलि खुद को उसका एक हिस्सा महसूस करती थी।

"मोनी से सावधान रहना," रबी ने कहा। "वह घोंसले में रहने वाले टेरोडैक्टाइल्स के जोड़े को फ़ोटोशॉप करेगा।"

उसने सोचा , यह तो फ़ोटोशॉप की दुनिया है ।

मोनी ने कहा, "हम सभी को फोटोशॉप किया गया है।" "मुझे पता है कि मेरे साथ ऐसा हुआ है।"

उसके पास कोई यादें नहीं थीं। उसकी यादें अभी शुरू हो रही थीं। उसका जीवन अभी शुरू हो रहा था।

लड़कों ने बीयर पी; उसने सोडा पिया। तीन छोटे मगरमच्छ तिपाईयों को तलाश रहे थे; बिल्ली के बच्चे या पिल्ले की तरह वे उन पर चढ़ने और कैमरों को काटने की कोशिश कर रहे थे। रबी लगातार तस्वीरें खींचती रही।

"उम्म, रबी, बूढ़े आदमी," मोनी फुसफुसाया। "बहुत, बहुत धीरे से घूमो।"

धनुष से पाँच फीट की दूरी पर, दो आँखें और एक जोड़ी नथुने तैर रहे थे, जो पानी के नीचे किसी भी चीज़ से जुड़े नहीं थे। सिवाय इसके कि दूर नीचे की ओर पानी एक बख्तरबंद पूंछ के आधार पर घूम रहा था। और सोचिए, कुछ सेकंड पहले ही, अंजलि मछली के कीचड़ को साफ करने के लिए अपने हाथों को पानी में घुमा रही थी।

क्लिक करें!.

दिन का बाकी समय पक्षियों और चमगादड़ों को समर्पित था। अधिक पके फल, आधे कटे हुए तरबूज, धब्बेदार आम और अमरूद एक रूकरी पेड़ के नीचे फैले हुए थे, तिपाई सेट, कैमरे लोड किए गए और गुआनो हुड लगे हुए थे, रिमोट सेट किए गए थे। दिन के उजाले के बावजूद कुछ फ्लाइंग फॉक्स चमगादड़ पेड़ों से नीचे उतरे। जंगल में कभी भी बहुत उजाला नहीं होता। वे ऊपर चले गए

Machine Translated by Google

भारी-भरकम टोपी पहने झुके हुए बूढ़े लोगों की तरह सड़ते हुए फल। वे अंजलि को वास्को दा गामा के पुजारियों की याद दिलाते थे, उनके लंबे कोट और झुकी हुई मुद्रा के कारण। फादर थॉमस कहा करते थे, "दुनिया का वजन।" लेकिन ज़ूम लेंस में उनका असली रूप दिखाई दिया, और उनका नाम भी सही निकला: लोमड़ी।

तीखे चेहरे वाले, बुद्धिमान कुत्ते, जिनके पंख होते हैं।

फिर तीनों नाव चलाकर नदी के ऊपर की ओर चले गए और वापस नीचे आ गए, अंजलि सलाह कर रही थी पक्षी गाइड ने इशारा करते हुए कहा, "वहां, वहां," और मोनी और रबी बारी-बारी से नाव चलाते रहे और तस्वीरें लेते रहे, जब तक कि रोशनी कम नहीं होने लगी और लोमड़ी रात भर लूटपाट करने के लिए अपने पेड़ों से उड़ नहीं गईं।

वे तीन ढीली, ज़मीन पर चरने वाली स्लिंग कुर्सियों पर बैठे थे, जो झूलों से बस एक छोटी सी सीढ़ी ऊपर थीं, अपनी उंगलियों से दाल और चपाती घुमाते हुए, बीयर पीते हुए, पानी की ओर देखते हुए। मच्छरों से बचने के लिए अपनी धूप वाली टोपी और पूरी आस्तीन में, वे उन्नीसवीं सदी के ब्रिटिश बागान मालिक हो सकते थे जो पूरी संतुष्टि के साथ भगवान की कारीगरी का निरीक्षण कर रहे थे। मेरे लड़के, अंजलि ने सोचा।

मेरे बहादुर, मज़ाकिया लड़कों।

सूरज की रोशनी के आखिरी क्षणों में, चिकनी नदी उछल-कूद कर रही थी
मछलियाँ, झपट्टा मारते पक्षी, और बहते हुए लकड़ियाँ—तैरती हुई आँखें और नथुने—जो बिल्कुल भी लकड़ियाँ नहीं थे। साफ़, आड़ू के रंग का आसमान पेड़ों से चमगादड़ों के फनल उड़ने से कालिख से भरा हुआ था।

उसके मन में अचानक विचार आया: इससे कुछ भी बुरा नहीं हो सकता।

मैं आग में एक लोहे के नीचे हूँ। ऋण-वसूली एजेंट। अगर इस रात, या भविष्य में कुछ भी होना है, तो उसने सोने से पहले सोचा, मैं चमगादड़ों और मगरमच्छों का ऋणी हूँ। इस दुनिया के अजूबों को कैसे समझाऊँ?

Machine Translated by Google

उपसंहार

यह सर्दियों का दिन था, जब हवा ठंडी थी और सूरज की रोशनी फीकी थी और मच्छर मानसून के बाद अपने उत्साह में बाहर थे। हमें बताया गया कि दा गामा की एक पूर्व छात्रा आने वाली है, जो गौरीपुर से निकली थी, उसे नौकरी मिली और उसने उन तरीकों से सफलता पाई, जो हमारे शिक्षकों ने हमेशा हमें बताया था। उसका नाम अंजलि बोस था और हममें से कई लोग उसे एक लंबी, मिलनसार लड़की के रूप में याद करते हैं, जो बिहार के हिंदी भाषी क्षेत्र में बंगालियों में से एक थी। वह प्रसिद्ध बैंगलोर गई थी और कड़ी मेहनत करके एक मामूली पद पाया था, फिर उसमें आगे बढ़ी। हमारे शिक्षक उसे अच्छी तरह से जानते थे। उन्होंने कहा कि उसके पास "चिंगारी" थी, और उसके और उसके जैसे लाखों लोगों की बदौलत, भारत में आग लग गई। यहाँ तक कि गौरीपुर में भी आग लग गई थी। वह हमारी आशा को जगाने वाला था। उसने अकेले आग नहीं लगाई, लेकिन वह "सह-लाभार्थी" थी।

उन्होंने कहा कि वह एक अरब में से एक थीं, लेकिन हममें से हर किसी में वह क्षमता थी जो उन्हें मिलनी चाहिए थी।
एक अरब में एक और। उन्होंने कहा कि वह और उनका एक दोस्त उनके कॉर्पोरेट मैनेजमेंट क्लास में आएंगे और थोड़ा भाषण देंगे। अगर हम सुनने और काम करने के लिए तैयार हैं, तो उनके पास हमें सिखाने के लिए सबक हैं।

गौरीपुर के बारे में क्या कहना है जब से वह चली गई है? शायद वह क्षितिज पर एक क्रेन, सीमेंट के कटोरे अपने सिर पर उठाए हुए औरतें और बच्चे, पुरानी इमारतों के आसपास कुछ चित्रकारों की मचान और नए अपार्टमेंट ब्लॉक बनते हुए देखेगी। पिंकी महल की पक्की दीवारों को सूरजमुखी के पीले रंग से फिर से रंगा गया है (हालाँकि हम इसे अभी भी पिंकी महल कहते हैं), और सपाट छत अब एक स्काई-टॉप रेस्तरां के साथ एक आलिंद का समर्थन करती है, और सभी पाँच मंजिलों पर लिफ्ट और यहाँ तक कि एक एस्केलेटर भी है। किसी तरह एयर कंडीशनिंग काम कर रही है, और जो दुकानें महीनों से बंद थीं, वे अब अच्छी तरह से रोशन हैं और खरीदारों से भरी हुई हैं। आल्प्स पैलेस कॉफी और आइसक्रीम शॉप को पिंकी महल के ग्राउंड फ्लोर पर स्थानांतरित कर दिया गया है, एक डांस फ्लोर स्थापित किया गया है, और एक एमसी को काम पर रखा गया है।

सबसे बड़ा बदलाव, संभवतः, वास्को दा गामा हाई स्कूल और कॉलेज के भविष्य से संबंधित है। गौरीपुर अचानक गंगा बेल्ट में "आईटी" शहरों में से एक बन गया है, जिसका अर्थ है कि भविष्य में आईटी चुंबक, क्योंकि पुराने, बड़े केंद्र परिपक्व हो गए हैं और बहुत महंगे हो गए हैं। गौरीपुर जैसे एक मुफस्सिल शहर की पहचान एक उभरते हुए छोटे शहर के रूप में की गई है, जहाँ सस्ती ज़मीन और आवास हैं और

Machine Translated by Google

लगभग दस लाख की आरामदायक आबादी - दस लाख आत्माएँ अंतरिक्ष में जाने वाली हैं। और इसलिए चर्च के अधिकारी एक सैटेलाइट आईटी कैंपस बनाने के लिए इंफोसिस और अन्य के साथ बातचीत कर रहे हैं। हमारे मेयर ने हमें बताया कि हम ओवरस्पिल के लाभार्थी हैं; हम अगले हाई-टेक मेगा सेंटर बनने वाले हैं।

नए नक्शों में, हमें दिल्ली और कोलकाता के बीच नदी के किनारे एक तारे द्वारा दर्शाया गया है। लेकिन चर्च परिसर के "शैक्षणिक मिशन" को संरक्षित करने की भी कोशिश कर रहा है और मौजूदा संरचनाओं का उपयोग करके दिल्ली पर एक नया भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान या शायद एक भारतीय प्रबंधन संस्थान स्थापित करने का दबाव बना रहा है। किसी न किसी तरह, गौरीपुर एक और सदी तक जीवित रहेगा। दक्षिण भारतीय और गोवा के विद्वानों द्वारा अपने व्याख्यान सुनाने का युग समाप्त हो गया है। रेक्टर ने एक स्थानीय रिपोर्टर से कहा, "भौतिकवाद आध्यात्मिकता से आगे निकल रहा है।" "यह एक वैश्विक घटना है।"

अब एलबीएस रोड पर शराब की दुकान खुल गई है। अब गली-मोहल्ले में शराब नहीं मिलती। एट्रियम रेस्तरां में कॉकटेल, भारतीय वाइन और बीयर परोसी जाती है।

हमारे महापौर गौरीपुर के लिए एक आशाजनक भविष्य की भविष्यवाणी करते हैं, ठीक वैसे ही जैसे तख्तियों पर पिंकी महल के बाहर एक बार ऐसा हुआ था। जब पिज़्ज़ा हट ने एक शाखा खोली, तो उन्होंने घोषणा की, "गौरीपुर में हर क्लर्क के अंदर एक चित्रकार या संगीतकार या कवि कैद है। किसी को भी गौरीपुर छोड़ने की ज़रूरत कभी महसूस नहीं होगी। हमारे पास संगीत, कला, विज्ञान, चिकित्सा के लिए स्कूल होंगे। हमारे पास एक सबवे होगा, मेरे शब्दों पर ध्यान दें! मेरी महत्वाकांक्षा अगले हुसैन, अगले रविशंकर को विकसित करना है, इससे कम कुछ नहीं।"

वह और पार्वती रांची के लिए रवाना हुए, फिर गौरीपुर के लिए एक कार और ड्राइवर किराये पर लिया। अंजलि को वास्तव में गोद लिया गया था, और पार्वती यह सब देखना चाहती थी - स्कूल, पुराना पड़ोस, स्टूडियो जहाँ रबी ने उसकी तस्वीरें खींची थीं - और पीटर चैंपियन से उसके घर पर मिलना चाहती थी, न कि उसके घर पर। "सच में," पार्वती ने कहा, "यह एक जादुई जगह होगी, है न? तुम कितनी भाग्यशाली हो कि तुम ऐसे पालन-पोषण करने वाले शहर में पैदा हुई, जो संभावनाओं से भरपूर था, बस इसके शुरू होने से पहले।"

क्या यह आठ महीने के निर्वासन का पुनर्केन्द्रण था या कोई वास्तविक परिवर्तन? अंजलि नहीं बता सकती थी, लेकिन गौरीपुर वह रेगिस्तान नहीं था जिसे वह याद करती थी और जिसका वर्णन करती रही थी। यह एक शहर था; यह हर दिशा में दस किलोमीटर तक फैला हुआ था।

Machine Translated by Google

नेहरू पार्क। और नेहरू पार्क को स्वयंसेवकों द्वारा सौंदर्यीकरण समिति द्वारा नवीनीकृत किया गया था। बच्चे स्लाइडों पर चढ़ रहे थे और नए झूलों पर अपने पैर हिला रहे थे।

वह पार्वती के साथ जानी-पहचानी गलियों में घूमती थी, लेकिन अब उसे बदलाव नज़र आ रहे थे -शायद वे हमेशा से वहां रहे होंगे - एक सिनेमा घर, बिहार स्टेट एम्पोरियम, और ध्वस्त, परित्यक्त सम्पदाओं से उभरते अपार्टमेंट ब्लॉक।

"कितना आकर्षक शहर है!" अंजलि की हर अघोषित आपत्ति के बावजूद पार्वती ने कहा। "यह पुराना भारत है!" उसने कहा। "मैं समझ सकती हूँ कि पीटर उस रात मिन्नी के यहाँ क्या बात कर रहा था! बेचारी मिन्नी।"

और इसलिए वे एलबीएस बुलेवार्ड से होते हुए पीटर के अपार्टमेंट की ओर चल पड़े।

शाम ढल रही थी, और बाहरी सीढ़ियों पर टेरा-कोटा के डायस की रोशनी थी। उनके चढ़ने से पहले ही नीला दरवाज़ा खुला, और सीढ़ियों के ऊपर पीटर खड़ा था, जो व्हीलचेयर पर बैठे एक बहुत बूढ़े, लगभग पहचान में न आने वाले अली को धक्का दे रहा था। "स्वागत है, स्वागत है," उसने पुकारा। उन्होंने उसके पीछे, अच्छी तरह से रोशनी वाले अपार्टमेंट में, दोस्तों और छात्रों की भीड़ देखी होगी, जिन्हें उसने बातचीत के लिए आमंत्रित किया था। अली मुस्कुराया और अभिवादन में अपना हाथ उठाया।

Machine Translated by Google यह फ़ाइल Z-लाइब्रेरी परियोजना से डाउनलोड की गई थी

ज्ञान और संस्कृति तक पहुँचने का आपका प्रवेश द्वार। सभी के लिए सुलभ।

z-लाइब्रेरी.sk z-lib.gs z-lib.fm go-to-library.sk

आधिकारिक टेलीग्राम चैनल

जेड-एक्सेस

https://wikipedia.org/wiki/Z-लाइब्रेरी